

हमारे उत्कृष्टता स्तंभ
निरंतरता
उत्पादकता
सामर्थ्य



वार्षिक रिपोर्ट
2024-25

विषयसूची

कंपनी अवलोकन	
एसबीआई की एक झलक	2
उत्पाद और सेवाएँ	4
वित्तीय प्रदर्शन	6
रेटिंग	7
पुरस्कार एवं सम्मान	8
उपस्थिति	12
अध्यक्ष का संदेश	14
उत्तरदायी दृष्टिकोण	
पर्यावरण	20
ग्राहक	22
मानवपूँजी	24
समुदाय	26
अभिशासन	
केंद्रीय निदेशक मंडल	29
बोर्ड की समितियाँ	30
केंद्रीय प्रबंधन समिति के सदस्य	32
स्थानीय बोर्ड के सदस्य	33
बैंक के लेखा परीक्षक	33
समूह संरचना	34
सांविधिक रिपोर्ट	
निदेशकों की रिपोर्ट	38
कॉर्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट	128
व्यावसायिक उत्तरदायित्व एवं संवहनीयता रिपोर्ट	164
वित्तीय विवरण	
एकल	166
समेकित	256
पिलर - 3 प्रकटीकरण (समेकित)	319
सूचना	355
कॉर्पोरेट अभिशासन में हरित पहल	363

हमारी उत्कृष्टता के स्तंभ हैं

विश्वास के माध्यम से निरंतरता

दशकों की सेवा के माध्यम से, एसबीआई अपने मिशन में दृढ़ रहा है - भरोसेमंद वित्तीय समाधान प्रदान करना, शासन मानकों को बनाए रखना और स्थायी संबंधों को पोषित करना। लगातार बदलती दुनिया में निरंतरता प्रदान करने की हमारी क्षमता व्यक्तियों, व्यवसायों और राष्ट्र के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में हमारी भूमिका को मजबूत करती है।

उत्पादकता से प्रगति को बढ़ावा

एसबीआई अपने संसाधनों का अनुकूलन जारी रखता है, डिजिटल नवाचार को अपनाता है और अधिक, तेज और बेहतर सेवा देने के लिए परिचालन को सुव्यवस्थित करता है। चाहे बेहतर ग्राहक अनुभव के माध्यम से या मजबूत आंतरिक दक्षताओं के माध्यम से, उत्पादकता पर हमारा ध्यान यह सुनिश्चित करता है कि विकास न केवल मजबूत हो बल्कि टिकाऊ भी हो।

प्रतिक्रिया के रूप में सामर्थ्य

वैश्विक अस्थिरता और घरेलू चुनौतियों का सामना करते हुए, एसबीआई चुस्त और अनुकूल बना हुआ है। हमारा सामर्थ्य इस बात में दिखाई देता है कि हम किस तरह व्यवधानों से निपटते हैं, हितधारकों का समर्थन करते हैं और ऐसी प्रणाली विकसित करते हैं जो आघातों का सामना कर सकें - जबकि हम अपने दीर्घकालिक उद्देश्य के साथ जुड़े रहते हैं।

वित्तीय



₹70,901 करोड़
निवल लाभ वित्तीय वर्ष 2025

1.10%
आरओए

1.82%
सकल एनपीए

9.48%
जमाराशियों में वर्षानुवर्ष वृद्धि



32.58%
भारत में सबसे बड़े शिक्षा
ऋण प्रदाता के रूप में बाजार
हिस्सेदारी (ऋण पोर्टफोलियो)

9.93%
शुल्क आय में वर्षानुवर्ष वृद्धि

गैर-वित्तीय

14,998
जीसीसी सक्षम शाखाएँ

खोले गए
~151 मिलियन
बीसी चैनल के माध्यम से
पीएमजेडीवाई खाते



8.77 करोड़
पंजीकृत
योनो ग्राहक



24.07 करोड़
सक्रिय डेबिट कार्ड उपयोगकर्ता

174.84 करोड़
सीएमपी के माध्यम से लेनदेन

22,937
17 मंडलों में शाखाएं

दो शताब्दियों से भी अधिक समय से बैंकिंग को पुनः परिभाषित किया जा रहा है

200 से अधिक वर्षों की अवधि में, हम देश के सबसे बड़े बैंक के रूप में एसबीआई की स्थिति को मजबूत करने में सक्षम रहे हैं। हम अपने सभी ग्राहक वर्गों के लिए विभिन्न उद्योग-प्रथम उत्पादों और सेवाओं की शुरुआत के माध्यम से भारत में बैंकिंग परिदृश्य को सफलतापूर्वक पुनर्परिभाषित करने में सक्षम रहे हैं।

लक्ष्य

अग्रसर भारत का सर्वप्रिय
बैंक बनना

ध्येय

सरल, उत्तरदायी और अभिनव
वित्तीय समाधान देने के लिए
प्रतिबद्ध



बैंकिंग उपलब्धियाँ

63,791

एटीएम 13,366
एडीडब्ल्यूएम सहित

29.07%

संस्थापित एटीएम और
एडीडब्ल्यूएम का बाजार
हिस्सा

15 भाषाएं

आपके बैंक के ग्राहक
अनुरोध और शिकायत फॉर्म
(सीआरसीएफ) पोर्टल में
एकीकृत हैं.

220 मिलियन

वित्तीय और 110 मिलियन गैर-वित्तीय यूपीआई लेनदेन आपके
बैंक द्वारा प्रतिदिन संसाधित किए जाते हैं



सीएसआर उपलब्धियाँ

पूरे देश में 153
आरएसईटीआई

16.21 लाख
पेड़ देश भर में लगाए गए

₹87.97 लाख

सीएसआर खर्च

मध्य प्रदेश (अलीराजपुर): सरदार सरोवर बांध के पास
के गांवों में स्वास्थ्य देखभाल पहुंच में सुधार के लिए जल
एम्बुलेंस खरीदी गई

₹610.77 करोड़

कुल सीएसआर व्यय

हर ग्राहक को सशक्त बनाना

हमारा व्यापक पोर्टफोलियो गहरी ग्राहक अंतर्दृष्टि और पहुंच के प्रति प्रतिबद्धता पर बनाया गया है। शहरी से ग्रामीण, व्यक्ति से उद्यम तक, हम उन पेशकशों को आकार देना और वितरित करना जारी रखते हैं जो वित्तीय स्वतंत्रता और दीर्घकालिक समृद्धि को सक्षम बनाते हैं।

वैयक्तिक बैंकिंग

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- होम लोन पोर्टफोलियो ₹1 ट्रिलियन (मार्च 2011) से बढ़कर ₹8.31 ट्रिलियन (मार्च 2025) हो गया।
- गृह ऋण कुल घरेलू अग्रिमों का 23.07% और एनबीजी अग्रिमों का 35.19% है
- गृह एवं संबंधित ऋणों में ₹2.28 ट्रिलियन वितरित (वित्त वर्ष 2025)



ग्रामीण बैंकिंग

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों में ऋण ₹3.48 ट्रिलियन को पार कर गया (25 मार्च)।
- कृषि और खाद्य उद्यम ऋण और किसान समृद्धि ऋण में ₹6,400 करोड़ से अधिक की वृद्धि हासिल की
- स्वयं सहायता समूह ऋण में बाजार अग्रणी



अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- एएलएम और फंड प्रबंधन के लिए 5 केंद्रीय कोषागार
- सभी 14 खुदरा केंद्रों में योनो डिजिटल बैंकिंग
- 223 प्रतिनिधि बैंक (55 देश) और फिनटेक साझेदारियां



एसएमई बैंकिंग

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- पूरे भारत में 2,155 आरएम और 868 एसएमई गहन शाखाएँ कार्यरत हैं
- ₹5.06 ट्रिलियन का एसएमई पोर्टफोलियो
- 16.86% वर्षानुवर्ष वृद्धि दर्ज की गई



कॉर्पोरेट बैंकिंग

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- हमारे कॉर्पोरेट लेखा समूह और वाणिज्यिक ग्राहक समूह की 56 शाखाओं के माध्यम से परिचालन
- कुल कॉर्पोरेट ऋण पोर्टफोलियो ₹12.41 ट्रिलियन



सरकारी व्यवसाय

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- 26 प्रमुख केन्द्रीय सरकारी मंत्रालयों और विभागों के लिए मान्यता प्राप्त बैंकर
- सरकारी कारोबार में सबसे बड़ी बाजार हिस्सेदारी, केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र में कुल कारोबार का लगभग ~62% हिस्सा



उत्कृष्ट नेतृत्व

	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
देयताएं										
पूंजी (करोड़ में)	776	797	892	892	892	892	892	892	892	892
आरक्षित निधियां एवं अधिशेष (करोड़ में)	1,43,498	1,87,489	2,18,236	2,20,021	2,31,115	2,52,983	2,79,196	3,26,716	3,76,354	4,40,270
जमाराशियां (करोड़ में)	17,30,722	20,44,751	27,06,344	29,11,386	32,41,621	36,81,277	40,51,534	44,23,778	49,16,077	53,82,190
उधार (करोड़ में)	3,23,345	3,17,694	3,62,142	4,03,017	3,14,656	4,17,298	4,26,043	4,93,135	5,97,561	5,63,573
अन्य (करोड़ में)	1,59,276	1,55,235	1,67,138	1,45,597	1,63,110	1,81,980	2,29,932	2,72,457	2,88,810	2,89,129
कुल (करोड़ में)	23,57,617	27,05,966	34,54,752	36,80,914	39,51,394	45,34,430	49,87,597	55,16,979	61,79,694	66,76,053
आस्तियां										
निवेश (करोड़ में)	5,75,652	7,65,990	10,60,987	9,67,022	10,46,954	13,51,705	14,81,445	15,70,366	16,71,340	16,90,573
अग्रिम (करोड़ में)	14,63,700	15,71,078	19,34,880	21,85,877	23,25,290	24,49,498	27,33,967	31,99,269	37,03,971	41,63,312
अन्य आस्तियां (करोड़ में)	3,18,265	3,68,898	4,58,885	5,28,015	5,79,150	7,33,227	7,72,185	7,47,344	8,04,383	8,22,168
कुल (करोड़ में)	23,57,617	27,05,966	34,54,752	36,80,914	39,51,394	45,34,430	49,87,597	55,16,979	61,79,694	66,76,053
निवल ब्याज आय (करोड़ में)	57,195	61,860	74,854	88,349	98,085	1,10,710	1,20,708	1,44,841	1,59,876	1,66,965
एनपीए के लिए प्रावधान (करोड़ में)	26,984	32,247	70,680	54,529	42,776	27,244	14,087	9,144	9,518	14,418
परिचालन परिणाम (करोड़ में)	43,258	50,848	59,511	55,436	68,133	71,554	75,292	83,713	93,797	1,10,579
कर-पूर्व निवल लाभ (करोड़ में)	13,774	14,855	-15,528	1,607	25,063	27,541	43,422	67,205	81,783	95,272
निवल लाभ (करोड़ में)	9,951	10,484	-6,547	862	14,488	20,410	31,676	50,232	61,077	70,901
औसत आस्तियों से आय (%)	0.46	0.41	-0.19	0.02	0.38	0.48	0.67	0.96	1.04	1.10
इक्विटी से आय (%)	7.74	7.25	-3.78	0.48	7.74	9.94	13.92	19.43	20.32	19.87
आय की तुलना में व्यय (%) (कुल शुद्ध आय के लिए परिचालन व्यय)	49.13	47.75	50.18	55.70	52.46	53.60	53.31	53.87	55.66	51.64
प्रति कर्मचारी लाभ (₹ 000 में)	470	511	-243	33	578.98	828.35	1,292.72	2,122.64	2,620.46	2,991
प्रति शेयर आय (₹)*	12.98	13.43	-7.67	0.97	16.23	22.87	35.49	56.29	68.44	79.44
प्रति शेयर लाभांश (₹)*	2.60	2.60	Nil	Nil	Nil	4.00	7.10	11.30	13.70	15.90
शेयर की कीमत (एनएसई पर) (₹)*	194.25	293.40	249.90	320.75	196.85	364.30	493.55	523.75	810.80	771.50
लाभांश भुगतान अनुपात % (₹)	20.28	20.11	NA	NA	NA	17.49	20.00	20.08	20.02	20.01
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%)										
बेसल - II कुल पूंजी (करोड़ में)	1,81,800	2,06,685	2,34,056	2,41,073	2,66,596	3,01,980	3,34,829	लागू नहीं है		
%	13.94	13.56	12.74	12.85	13.13	13.82	13.85			
टियर I पूंजी (करोड़ में)	1,35,757	1,56,506	1,84,146	1,94,655	2,17,477	2,44,421	2,69,708			
%	10.41	10.27	10.02	10.38	10.71	11.19	11.16			
टियर II पूंजी (करोड़ में)	46,043	50,179	49,910	46,418	49,119	57,559	65,121	लागू नहीं है		
%	3.53	3.29	2.72	2.47	2.42	2.63	2.69			
बेसल - III कुल पूंजी (करोड़ में)	1,75,903	2,04,731	2,38,154	2,45,225	2,74,036	3,08,893	3,42,792	4,08,579	4,60,023	5,20,062
%	13.12	13.11	12.60	12.72	13.06	13.74	13.83	14.68	14.28	14.25
टियर I पूंजी (करोड़ में)	1,33,035	1,61,644	1,95,820	2,05,238	2,30,769	2,57,177	2,83,070	3,35,528	3,84,177	4,41,970
%	9.92	10.35	10.36	10.65	11.00	11.44	11.42	12.06	11.93	12.11
टियर II पूंजी (करोड़ में)	42,868	43,087	42,334	39,987	43,267	51,716	59,722	73,051	75,846	78,092
%	3.20	2.76	2.24	2.07	2.06	2.30	2.41	2.62	2.35	2.14
निवल अग्रिमों की तुलना में एनपीए (%)	3.81	3.71	5.73	3.01	2.23	1.50	1.02	0.67	0.57	0.47
देश में शाखाओं की संख्या	16,784	17,170	22,414	22,010	22,141	22,219	22,266	22,405	22,542	22,937
विदेशी शाखाओं/कार्यालयों की संख्या	198	195	206	208	233	229	227	235	241	244

*22 नवंबर 2014 से बैंक के शेयर के अंकित मूल्य को 10 रुपये प्रति शेयर से 1 रुपये प्रति शेयर किया गया.

रेटिंग

बैंक रेटिंग

बीएए3/स्टेबल/पी-3

मूडीज

बीबीबी- / पॉजिटिव /ए-3

एस एंड पी

बीबीबी- /स्टेबल/एफ3

फिच रेटिंग

एटी 1 बॉन्ड

एए+ / स्टेबल

क्रिसिल, आईसीआरए, केयर, इंडिया रेटिंग

टियर II बॉन्ड

एएए/स्टेबल

क्रिसिल, आईसीआरए, केयर, इंडिया रेटिंग

दीर्घावधि बांड (एलटीबी)

एएए/स्टेबल

क्रिसिल, आईसीआरए, केयर, इंडिया रेटिंग

जमाराशियों का प्रमाण पत्र

ए1+

क्रिसिल

सावधि जमा

एएए/स्टेबल

आईसीआरए

एएए/स्टेबल

क्रिसिल

केयर: क्रेडिट एनालिसिस एंड रिसर्च लिमिटेड आईसीआरए: आईसीआरए लिमिटेड क्रिसिल: क्रिसिल लिमिटेड एस एंड पी : स्टैंडर्ड एंड पूअर

उपलब्धियों पर उत्सव

ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन ने वार्शिंगटन डीसी में अपने 31वें वार्षिक सर्वश्रेष्ठ बैंक पुरस्कार में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को 2024 के लिए भारत का सर्वश्रेष्ठ बैंक घोषित किया।



वर्ष 2024 के लिए न्यूजवीक द्वारा वैश्विक स्तर पर चौथा सबसे भरोसेमंद बैंक का दर्जा दिया गया



ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन, न्यूयॉर्क द्वारा 2025 में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ व्यापार वित्त प्रदाताओं में से एक के रूप में मान्यता दी गई



फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन डीलर्स एसोसिएशन, इंडिया (एफएडीए) द्वारा खुदरा वित्त श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ बैंक का पुरस्कार दिया गया



फ़िनिक्स अवार्ड्स 2024

- ब्रांड ऑफ द ईयर 2024: बीएफएसआई सेक्टर
- सोशल मीडिया का सर्वोत्तम उपयोग (बैंकिंग): गोल्ड
- वीडियो मार्केटिंग (बैंकिंग) का सर्वश्रेष्ठ उपयोग: गोल्ड
- इन्प्लुएंसर मार्केटिंग का सर्वोत्तम उपयोग (बैंकिंग): गोल्ड
- हॉलिडे, सीजनल और फेस्टिवल मार्केटिंग का सबसे अच्छा उपयोग (बैंकिंग): गोल्ड





ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन द्वारा **भारत में सर्वश्रेष्ठ बैंक 2024** रैंक किया गया



एफई इंडिया के सर्वश्रेष्ठ बैंक पुरस्कार 2024 द्वारा सर्वश्रेष्ठ डिजिटल बैंक का पुरस्कार दिया गया



ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन, न्यूयॉर्क द्वारा **विश्व के सर्वश्रेष्ठ व्यापार वित्त प्रदाताओं 2025** के रूप में मान्यता दी गई



ब्रांड फाइनेंस इंडिया 100 2024 द्वारा 5वां सबसे मजबूत भारतीय ब्रांड 2024 का दर्जा दिया गया



दिल्ली में आयोजित वैश्विक समावेशी वित्त शिखर सम्मेलन में सक्षम संस्था क्षेत्र में योगदान के रूप में प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया



ईटी ह्यूमन कैपिटल अवार्ड्स 2025



ईज 6.0 प्रशस्ति पत्र विजेता - शीर्ष प्रदर्शन करने वाला बैंक



ईज 6.0 प्रशस्ति पत्र विजेता

- डिजिटल सक्षमता के साथ ग्राहक सेवा में उत्कृष्टता प्रदान करना
- तकनीक और डेटा सक्षम क्षमता निर्माण



15वां इंडिया डिजिटल अवार्ड
मेटा का सर्वश्रेष्ठ उपयोग: कांस्थ

बी डब्ल्यू मेरिट अवार्ड्स 2024



सेक्टर बीएफएसआई में सर्वश्रेष्ठ: सिल्वर



इन्प्लुएंसर का सर्वोत्तम उपयोग: गोल्ड



आईसीआई द्वारा वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता के लिए एसबीआई को "सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सर्वश्रेष्ठ श्रेणी" से सम्मानित किया गया।



एमएसएमई ऋण देने में सर्वश्रेष्ठ बैंक का पुरस्कार मिला



वर्ष का सर्वश्रेष्ठ ब्रांड: गोल्ड

9वां डीआईजीआईएक्सएक्स पुरस्कार 2025

- ब्रांड ऑफ द ईयर - गोल्ड
- सर्वश्रेष्ठ लघु वीडियो अभियान (कई प्लेटफॉर्म) - गोल्ड
- ब्रांड सक्रियण में सोशल मीडिया का सर्वश्रेष्ठ उपयोग - रजत
- पीआर / ऑनलाइन प्रतिष्ठा प्रबंधन (ओआरएम) - रजत
- ब्रांड जागरूकता अभियान - कांस्य

भारत का वैश्विक भागीदार

1864 से अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग में निहित विरासत के साथ, एसबीआई भारत के वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने में सहायक है। हम स्थानीय बाजारों के साथ अपने जुड़ाव को और मजबूत करते हुए विदेशों में भारतीय उद्यमों और व्यक्तियों के लिए एक विश्वसनीय वित्तीय भागीदार के रूप में काम करते हैं।

पहुंच का विस्तार, संबंधों को मजबूत करना

देश के सबसे बड़े बैंक के रूप में, एसबीआई पूरे भारत में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है, विशेष रूप से वंचित और ग्रामीण क्षेत्रों में। हम हर ग्राहक के लिए निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अपने शाखा नेटवर्क और एटीएम कवरेज को मजबूत करना जारी रखते हैं। अपने भौतिक विस्तार को पूरक बनाते हुए, हम एक मजबूत मल्टीचैनल डिलीवरी मॉडल के माध्यम से भारत के डिजिटल बैंकिंग परिवर्तन का नेतृत्व कर रहे हैं जिसमें डिजिटल, मोबाइल, एटीएम, इंटरनेट, सोशल मीडिया और शाखा सेवाएं शामिल हैं। हमारा प्रमुख मोबाइल ऐप, योनो, बैंकिंग से आगे बढ़कर निवेश, बीमा और खरीदारी समाधानों का एक व्यापक सूट प्रदान करता है, जिससे ग्राहक कभी भी, कहीं भी लेन-देन और जुड़ सकते हैं।

एक वैश्विक बैंकिंग उपस्थिति का निर्माण

हमारा अंतराष्ट्रीय बैंकिंग समूह (आईबीजी) विदेशी परिचालनों का संचालन करता है, वैश्विक भारतीय कॉर्पोरेट, प्रवासी समुदाय का समर्थन करता है और स्थानीय व्यवसायों को आगे बढ़ाता है ताकि वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय बैंक के रूप में हमारी स्थिति मजबूत हो सके। हमारे विदेशी परिचालन पाँच केंद्रीय कोषागारों द्वारा समर्थित एंड-टू-एंड रिटेल, कॉर्पोरेट, व्यापार वित्त और निवेश सेवाएँ प्रदान करते हैं। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, आईबीजी जोखिम-संतुलित रणनीतियों, लागत-कुशल देयता प्रबंधन, डिजिटल नवाचार और गहरे संबंध-संचालित व्यापार विस्तार के माध्यम से लाभदायक विकास को बनाए रखता है।

244

विदेशी कार्यालय

29

देश

सभी समय क्षेत्रों को कवर करता है

योनो डिजिटल बैंकिंग

14

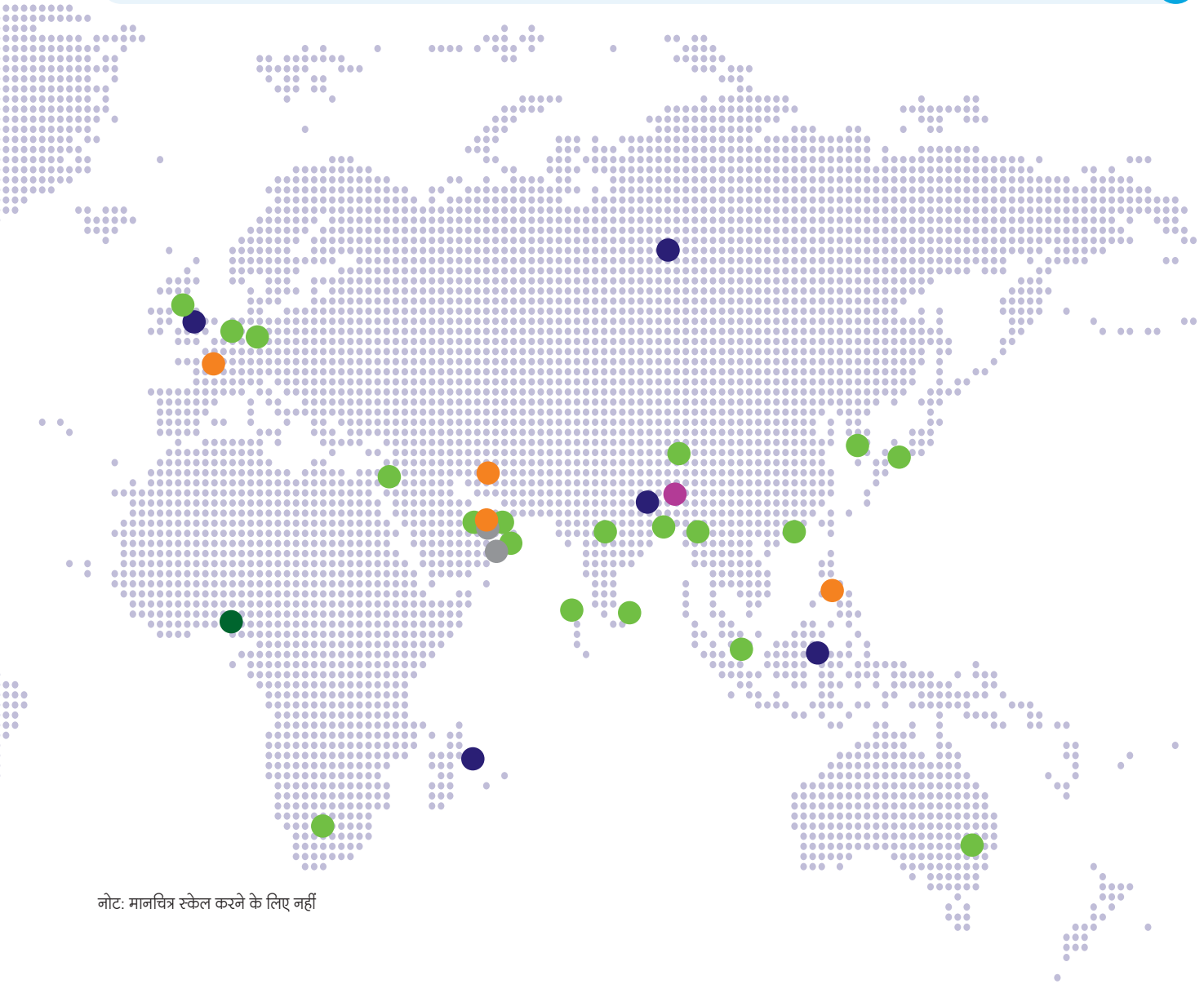
अंतराष्ट्रीय खुदरा केंद्रों में

55

देशों में

223

प्रतिनिधि बैंकों के साथ साझेदारी



नोट: मानचित्र स्केल करने के लिए नहीं

● शाखाएँ	
यूएसए	(3)
● बैंकिंग अनुषंगियाँ	
ब्राजील	(1)
कैलिफोर्निया	(7)
कनाडा	(7)
रूस	(1)
यूके	(12)
मॉरीशस	(14)
इंडोनेशिया	(11)
नेपाल	(123)
● प्रतिनिधि कार्यालय	
अमेरीका	(1)
ब्राजील	(1)
संयुक्त अरब अमीरात	(2)
फिलीपींस	(1)

● शाखाएँ/कार्यालय	
बेल्जियम	(1)
जर्मनी	(1)
यूके	(1)
दक्षिण अफ्रीका	(2)
बहरीन	(2)
संयुक्त अरब अमीरात	(2)
ओमान	(1)
इजराइल	(1)
चीन	(1)
दक्षिण कोरिया	(1)
जापान	(2)
भारत	(1)
मालदीव	(4)
श्रीलंका	(7)
बांग्लादेश	(20)
म्यांमार	(1)
सिंगापुर	(5)
हांगकांग	(1)
ऑस्ट्रेलिया	(2)

● निवेश	
नाइजीरिया	(1)
● मैनेज्ड एक्सचेंज कंपनी	
ओमान	(2)
● संयुक्त उद्यम	
भूटान	(1)

पसंदीदा बैंक, कल, आज और हमेशा



प्रिय शेयरधारको,

52 करोड़ ग्राहकों और निरंतर बढ़ते ग्राहक आधार के साथ, आपका बैंक ग्राहक अनुभव में उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए, ग्राहक केन्द्रितता और दीर्घकालिक संबंधों के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता।

आर्थिक अवलोकन

वैश्विक विकास को व्यापार से संबंधित प्रशुल्क बाधाओं, तेजी से मुद्रा में उतार-चढ़ाव और खंडित पूंजी/निवेश प्रवाह के अतिव्यापी कारकों से उत्पन्न होने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार संघर्षों के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, 2025 वैश्विक जीडीपी के बेसलाइन परिदृश्य में 30-50 बीपीएस की गिरावट देखी जा सकती है। निकट भविष्य में, व्यापारिक तनावों और नीतिगत अनिश्चितताओं के कारण वैश्विक आर्थिक गतिविधियाँ और अधिक प्रभावित होने की संभावना है।

अनेक वैश्विक चुनौतियों और बाह्य झटकों के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था परिपक्वता और सामर्थ्य का प्रदर्शन कर रही है। एनएसओ के दूसरे अग्रिम अनुमान

(एई) में वित्त वर्ष 2025 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.5% रहने का अनुमान लगाया है, जो पूंजीगत व्यय पर भारत सरकार के निरंतर जोर से प्रेरित है। यह रणनीति निजी निवेश को आकर्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण रही है। राज्य भौतिक, सामाजिक और डिजिटल क्षेत्रों में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के निर्माण की दिशा में भी सहयोग कर रहे हैं। अप्रतिभूत आस्तियों से दूरी बनाने से उपजी कुछ नरमी के बावजूद ऋण वृद्धि दोहरे अंकों में बनी हुई है। आगे बढ़ते हुए, स्वस्थ कॉर्पोरेट और बैंक बैलेंस शीट वैश्विक उथल-पुथल और अस्थिरता के आवधिक दौरों के खतरों से अर्थव्यवस्था को सुरक्षित रखेंगे।

वित्त वर्ष 2026 में जीडीपी वृद्धि 6.5% (आरबीआई अनुमान) होने का अनुमान है हालांकि, व्यापार के मोर्चे पर प्रतिकूल प्रभावों के कारण कुछ नरमी देखी जा सकती है। तथापि, राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों द्वारा समर्थित मजबूत घरेलू खपत और निवेश के साथ-साथ कम मुद्रास्फीति ऐसी बाधाओं का प्रभाव कम कर सकेंगे। मुद्रास्फीति 4% से नीचे आ गई है और अप्रैल 2025 के अंत तक 3.16% पर रहने की सूचना दी गई है।

आपके बैंक का निष्पादन

वित्त वर्ष 2025 बैंक के लिए एक शानदार वर्ष रहा है, जिसमें निरंतरता, उत्पादकता और जोखिम सहनीयता के हमारे उत्कृष्टता स्तंभ प्रदर्शित होते हैं। आपका बैंक भरोसेमंद वित्तीय समाधान देने के अपने मिशन पर दृढ़ रहा है, अपने संसाधनों का अनुकूलन किया है, डिजिटल नवाचार को अपनाया है और वैश्विक अस्थिरता के बावजूद चुस्त और अनुकूल बना हुआ है। वित्त वर्ष 2025 में आपके बैंक का कारोबार मजबूत गति से बढ़ता रहा है। मार्च 2025 के अंत तक आपके बैंक के तुलन पत्र का आकार 66 लाख करोड़ को पार कर गया है। आपके बैंक की जमा राशियों में 22.54% और अग्रिमों में 19.36% बाजार हिस्सेदारी है।



₹66.76 लाख करोड़

आपके बैंक के तुलन पत्र का आकार
(मार्च 2025)

जमाराशियों में वृद्धि

वित्त वर्ष 2025 में आपके बैंक की जमाराशियाँ 9.48% बढ़कर ₹53.82 लाख करोड़ हो गईं, जिसमें घरेलू जमाराशि 9.37% से बढ़कर ₹51.67 लाख करोड़

और विदेशी कार्यालयों की जमाराशि 12.30% बढ़कर ₹2.15 लाख करोड़ हो गईं। सावधि जमाराशि 11.48% की मजबूत गति से बढ़कर ₹31.02 लाख करोड़ हो गई, जबकि कासा जमाराशि 6.34% बढ़कर ₹20.65 लाख करोड़ हो गई। वित्त वर्ष 2025 में, आपके बैंक ने चालू खाता (सीए) जमाराशियों में 27.02% की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। घरेलू जमाराशियों में चालू खाता जमा की हिस्सेदारी मार्च 2024 में 6.08% से बढ़कर 7.06% हो गई। इसके फलस्वरूप, मार्च 2025 के अंत तक आपके बैंक का कासा अनुपात 39.97% बना हुआ है।

अग्रिमों में वृद्धि

वित्त वर्ष 2025 में आपके बैंक के अग्रिम 12.03% बढ़कर ₹42.21 लाख करोड़ हो गए। घरेलू ऋण 11.56% से बढ़कर ₹36.02 लाख करोड़ हो गया और विदेशी कार्यालयों का ऋण पोर्टफोलियो में 14.84% की वृद्धि हुई और ₹6.19 लाख करोड़ हुआ। घरेलू नकदी जमा अनुपात वित्त वर्ष 2024 के दौरान 68.34% की तुलना में वित्त वर्ष 2025 में इसमें सुधार हुआ और यह 69.71% तक पहुंच गया। वित्त वर्ष 2025 में घरेलू खुदरा अग्रिम ₹15 लाख करोड़ के आंकड़े को पार कर करते हुए अब ₹15.06 लाख करोड़ पर है, जो आपके बैंक के घरेलू अग्रिमों का 41.8% है। क्षेत्रीय आधार पर, गृह ऋण की हिस्सेदारी 55.1% है, जो वित्त वर्ष 2025 में ₹8.31 लाख करोड़ के पोर्टफोलियो के साथ 14.46% बढ़ रहा है। ऑटो लोन 9.06% बढ़कर ₹1.27 लाख करोड़ हो गया। मार्च 2025 तक, होम लोन और ऑटो लोन में आपके बैंक की बाजार हिस्सेदारी क्रमशः 27.3% और 20.2% थी। पर्सनल गोल्ड लोन 53.05% की मजबूत गति से बढ़कर ₹50,011 करोड़ हो गया, जबकि एक्सप्रेस क्रेडिट लोन 0.49% बढ़कर ₹3.50 लाख करोड़ हो गया।

मुझे आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि आपके बैंक का एसएमई पोर्टफोलियो अब 16.86% की वृद्धि के साथ 5 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है और मार्च 2025 तक 5.06 लाख करोड़ रुपये हो गया। कृषि अग्रिम भी 14.29% की जोरदार वृद्धि के साथ 3.49 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कॉर्पोरेट ऋण पोर्टफोलियो 9.0% बढ़कर 12.41 लाख करोड़ रुपये हो गया।

निवेश

आपके बैंक की कुल निवेश बही बढ़कर ₹16.94 लाख करोड़ हो गई, जिसमें से 95.62% घरेलू निवेश हैं। घरेलू निवेश पोर्टफोलियो में, 74.85% एचटीएम श्रेणी में और 13.75% एफएस श्रेणी में है। निवेश पर प्रतिफल वित्त वर्ष 2024 में 7.0% से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 7.21% हो गया।

लाभप्रदता

आपके बैंक ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और एकल परिचालन लाभ ₹1 लाख करोड़ को पार कर वित्त वर्ष 2025 में ₹1.11 लाख करोड़ पर पहुंच गया, जिसमें सालाना आधार पर 17.89% की वृद्धि दर्ज हुई। एकल निवल लाभ 16.08% बढ़कर ₹70,901 करोड़ हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह ₹61,077 करोड़ था। आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2025 में एसेट क्वालिटी, प्रोविजन कवरेज रेशियो, आस्ति पर प्रतिफल और एनआईआई के मामले में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है।

आपके बैंक की निवल ब्याज आय (एनआईआई) वित्त वर्ष 2025 में 4.43% बढ़कर ₹1.67 लाख करोड़ हो गई (वित्त वर्ष 2024 में ₹1.60 लाख करोड़)। लागत-से-आय अनुपात वित्त वर्ष 2024 में 55.66% से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 51.64% हो गया। आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) वित्त वर्ष 2024 के 1.04% के मुकाबले वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 1.10% हो गया, जो दर्शाता है कि आरओए में निरंतर सुधार के साथ 1%+ के आस्तियों पर प्रतिलाभ सही दिशा में चल रही है। वित्त वर्ष 2024 के दौरान इक्विटी पर प्रतिलाभ (आरओई) 20.32% के मुकाबले वित्त वर्ष 2025 के लिए मामूली रूप से घटकर 19.87% रह गया।

पूंजी

बेहतर योजना, लाभ पुनर्निवेश और बैंकिंग व्यवसाय के कुशल जोखिम प्रबंधन के कारण वित्तीय वर्ष के दौरान आपके बैंक के पूंजी अनुपात में सुधार जारी रहा। सकल अग्रिमों के अनुपात के रूप में ऋण जोखिम भारित संपत्ति मार्च 2025 में 107 बीपीएस से बढ़कर 58.07% हो गई, जिससे समग्र पूंजी पर्याप्तता में सुधार हुआ। आपके बैंक ने वर्ष के दौरान 45 बीपीएस सुधार करते हुए 10.81% पर अब तक का सबसे अधिक सीईटी 1 अनुपात दर्ज किया। मार्च 2025 के अंत तक

वार्षिक रिपोर्ट 2024-25



39.97%

आपके बैंक का कासा अनुपात
(मार्च 2025)

समग्र पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) 14.25% है, जो न्यूनतम नियामक आवश्यकता से काफी ऊपर है। वित्त वर्ष 2025 में रिकॉर्ड लाभ के एक और वर्ष के साथ, आपके बैंक की पूंजी स्थिति भविष्य के विकास के अवसरों का लाभ उठाने के लिए आरामदायक बनी हुई है।

लाभांश

मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि आपके बैंक के निदेशक मंडल ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए प्रति इक्विटी शेयर ₹15.90 का लाभांश घोषित किया है।



₹15.90/ प्रति इक्विटी शेयर

वित्त वर्ष 2025 के लिए लाभांश

आस्ति गुणवत्ता

जोखिम को नियंत्रित करने पर निरंतर ध्यान और आर्थिक वृद्धि व निजी खपत में सुधार जैसे पहलों ने वित्त वर्ष 2025 में आस्ति गुणवत्ता को मजबूत बनाए रखा। आपके बैंक का सकल एनपीए 1.82% रहा, जो 42 बीपीएस (वर्षानुवर्ष) का सुधार है, जबकि निवल एनपीए 0.47% रहा, जो 10 बीपीएस (वर्षानुवर्ष) का सुधार है। ऋण लागत 0.38% रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9 बीपीएस अधिक है।

पिछले वर्ष के रुझानों के अनुरूप आस्ति गुणवत्ता स्थिर रही। सभी खंडों में एनपीए अनुपात में सुधार देखा गया। कुल मिलाकर, सकल एनपीए पिछले वर्ष के ₹84,276 करोड़ रुपये के मुकाबले मार्च 2025 के अंत तक ₹7,396 करोड़ रुपये घटकर ₹76,880 करोड़ रुपये रह गया।

वित्त वर्ष 2025 के दौरान स्लिपेज अनुपात में 7 बीपीएस की वृद्धि हुई और यह 0.55% हो गया। वित्त वर्ष 2025 में एयूसीए खातों से वसूली और उन्नयन ₹17,213 करोड़ रहा। मार्च 2025 तक बैंक के लिए प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) एयूसीए के बिना 74.42% और एयूसीए के साथ 92.08% रहा।

ग्राहक अनुभव और केंद्रीयता

आपका बैंक ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और विभिन्न टच पॉइंट पर ग्राहक अनुभव और संतुष्टि के स्तर को मापने के लिए नए टूल्स और तकनीक अपना रहा है। वास्तविक समय के आधार पर ग्राहक संतुष्टि और निष्ठा को मापने के लिए, आपके बैंक ने अपने शाखा चैनल (एसएमएस मोड), बीसी/सीएसपी चैनल और डिजिटल चैनलों के माध्यम से किए गए लेनदेन के लिए ग्राहकों के लिए ग्राहक संतुष्टि स्कोर (सीएसएटी), नेट प्रमोटर स्कोर (एनपीएस) और ग्राहक प्रयास स्कोर (सीईएस) लागू किया।

आपके बैंक का मल्टीचैनल डिलीवरी मॉडल - डिजिटल, मोबाइल, एटीएम, इंटरनेट, संपर्क केंद्र, बीसी आउटलेट और शाखाएँ, ग्राहकों को किसी भी समय और किसी भी स्थान पर लेन-देन करने के लिए कई तरह के विकल्प प्रदान करता है, ताकि उन्हें एक अद्वितीय ग्राहक अनुभव प्राप्त हो सके। आपका बैंक भारत के सबसे बड़े एटीएम नेटवर्क का संचालन करता है, जिसमें 31 मार्च, 2025 तक 63,791 एटीएम हैं, जिनमें 13,366 स्वचालित जमा सह निकासी मशीनें (एडीडब्ल्यूएम) शामिल हैं।

आपका बैंक देश में वितरित कुल नकदी का

~34%

संभालता है

प्रतिदिन

1 करोड़

लेनदेन करता है

प्रतिदिन

~6 लाख

नकद जमा लेनदेन की सुविधा देता है

एटीएम और एडीडब्ल्यूएम में 29% बाजार हिस्सेदारी के साथ, आपका बैंक देश में वितरित कुल नकदी का ~34% संभालता है जबकि प्रतिदिन 1 करोड़ से अधिक लेन-देन करता है।

31 मार्च, 2025 तक, आपका बैंक दुनिया भर में 3 मिलियन से अधिक एनआरआई ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है, जो भारत में 434 विशेष एनआरआई शाखाओं, 29 देशों में विदेशी कार्यालयों और 223 वैश्विक प्रतिनिधि बैंकों के माध्यम से समर्पित सेवाएँ प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, आपके बैंक ने धन प्रेषण की सुविधा के लिए 45 एक्सचेंज हाउस और 5 मध्यपूर्वी बैंकों के साथ गठजोड़ किया है। एनएकुलम और पटियाला में वैश्विक एनआरआई केंद्र एनआरआई ग्राहकों के गैर-वित्तीय लेनदेन के लिए वन-स्टॉप समाधान प्रदान करते हैं।

प्रौद्योगिकी और नवाचार

अगली पीढ़ी की अत्याधुनिक तकनीक आपके बैंक की अभिनव और परस्पर संबद्ध रणनीतियों के केंद्र में है जिसका उद्देश्य जिम्मेदार, सुरक्षित और सुविधाजनक उत्पाद और सेवाएँ प्रदान करना है। यह आपके बैंक को प्रत्येक भारतीय के बैंकर के रूप में प्रतिस्पर्धा में सबसे आगे बने रहने में मदद करता है।

आपका बैंक नए युग की प्रौद्योगिकियों के भविष्योन्मुख डोमेन के साथ उत्कृष्ट तकनीकी बुनियादी ढांचे को एकीकृत करके प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण को लगातार आगे बढ़ा रहा है और अब ग्राहकों की निरंतर बदलती प्राथमिकताओं के अनुरूप अगली पीढ़ी की बैंकिंग एवं वित्तीय समाधान प्रदान करने के लिए जेन एआई, प्रेडिक्टिव एआई/एमएल, बिग डेटा, लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) आदि जैसे इस वर्ग की नवीनतम प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहा है। आपका बैंक सक्रिय रूप से सशक्त तकनीक को इनेबलर के रूप में स्थापित कर रहा है जिससे क्रेडिट अंडरराइटिंग, ट्रेजरी परिचालन, जोखिम प्रबंधन, विदेशी व्यापार, एलएएम, आदि में बेहतर और विवेकपूर्ण प्रथाओं को वह अपना सके। मार्च 2025 के अंत तक बैंक की वैकल्पिक चैनलों की हिस्सेदारी बढ़कर 98.20% हो गई है। स्टार्ट-अप और फिन-टेक उद्यमों के साथ गठजोड़ आपके बैंक की तीव्रता और जोखिम सहनीयता को बढ़ाता है जो प्रभावी रूप से सनराइज डोमेन का दोहन करने में मदद करता है।

विकसित हो रहे डिजिटल इकोसिस्टम और सरकार के विजन के साथ तालमेल बिठाने के लिए, आपका बैंक, भारत सरकार के प्रमुख बैंकों में से एक होने के नाते, सक्रिय रूप से अनुकूलित प्रौद्योगिकी समाधान विकसित कर रहा है, ऑनलाइन सेवा संक्रमण की सुविधा प्रदान कर रहा है, दक्षता और पारदर्शिता बढ़ा रहा है। इसके परिणामस्वरूप प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि योजना, डीबीटी ट्रांसफर, सीबीडीटी, पेंशन भुगतान और कई छोटी बचत योजनाओं जैसी परिवर्तनकारी योजनाओं के माध्यम से नागरिकों के लिए व्यापार करने में आसानी और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

बैंक के डिजिटल बैंकिंग ऐप योनों ने 2017 में लॉन्च होने के बाद से आठ साल की लंबी यात्रा पूरी कर ली है। पिछले कुछ सालों में, योनों बैंकिंग, वित्तीय और जीवनशैली की जरूरतों के लिए एक व्यापक प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित हुआ है। 8.8 करोड़ पंजीकृत उपयोगकर्ताओं और 4.2 ऐप रेटिंग के साथ, योनों ने वित्त वर्ष 2025 में जन निवेश, अंतर्राष्ट्रीय फंड ट्रांसफर, यूपीआई क्यूआर कैंस निकासी, रुपये क्रेडिट कार्ड लिंकिंग जैसे 164 फीचर जोड़े गए हैं।

वित्तीय समावेशन

आपका बैंक अपने बिजनेस कॉरिस्पोंडेंट (बीसी) और ग्राहक सेवा केन्द्रों (सीएसपी) के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से वित्तीय समावेशन को व्यापक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे आवश्यक वित्तीय सेवाओं - लेनदेन, बचत, ऋण, बीमा और पेंशन आदि तक सभी की पहुंच सुनिश्चित हो सके।

बीसी चैनल एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है, जो सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि पर ध्यान दिए बिना समान बैंकिंग पहुंच प्रदान करता है। इसने 660 बिलियन की जमाराशि के साथ 151 मिलियन से अधिक प्रधान मंत्री जनधन योजना खातों की सुविधा

प्रदान की है और प्रतिदिन ~3.2 मिलियन लेनदेन संसाधित करता है।

एटीएम सुविधाओं के साथ 'मिनी शाखाओं' के रूप में कार्य करते हुए, सीएसपी 33 उत्पाद और सेवाएं प्रदान करते हैं, जिनमें पीएमजेडीवाई खाता खोलना, नकद/निधि अंतरण और लचीली कार्य अवधि के साथ डोरस्टेप बैंकिंग शामिल है।

आपका बैंक पीएमजेजेबीवाई में 47%, पीएमएसबीवाई में 40% की बाजार हिस्सेदारी रखता है और एपीवाई के तहत हर तीसरा नामांकन हम करते हैं।

दक्षता सुनिश्चित करने के लिए, सीएसपी नियमित प्रशिक्षण, जोखिम-आधारित ऑडिट और इन्फो-सेक समीक्षा से गुजरते हैं। आपका बैंक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और समावेशी सेवा वितरण के लिए बीसी/सीएसपी संचालन को नया और डिजिटल बनाना जारी रखता है।

कार्यनीतिक नई पहल

वित्त वर्ष 2025 के दौरान, आपके बैंक ने स्टेप्स के व्यापक सिद्धांतों के तहत निर्धारित दीर्घकालिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कार्यनीतिक पहल जारी रखी है, जिनमें कुछ महत्वपूर्ण पहल हैं:

आपका बैंक कार्यनीतिक रूप से अपने डिजिटल उत्पादों का लगातार विस्तार कर रहा है, जिससे उत्पाद/सेवा की धारणा को बढ़ाया जा सके, विशेषकर मिलेनियल्स और नियो-मिलेनियल्स के बीच। आपके बैंक ने वेल्थ (एचएनआई) और कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज ग्राहकों के लिए टैब आधारित बचत खाता खोलने की सुविधा भी शुरू की है, जिससे रिलेशनशिप मैनेजर ग्राहक के स्थान पर खाते खोले जा सकेंगे।

आपका बैंक कॉर्पोरेट, केंद्र/राज्य सरकार, रक्षा, पुलिस, रेलवे कर्मचारियों के लिए वेतन पैकेज सुविधाओं में लगातार सुधार कर रहा है। ये बाजार प्रथाओं के साथ उचित रूप से संरेखित हैं और विविध उपयोगकर्ता

समूहों को बेहतर मूल्य प्रदान करते हैं। आपके बैंक ने कॉर्पोरेट वेतन पैकेज ग्राहकों के लिए ओटीटी सदस्यता, मूवी टिकट, स्पा/जिम सदस्यता और स्वास्थ्य जांच आदि की पेशकश करते हुए फीचर-लोडेड रुपये डेबिट कार्ड लॉन्च किया है।

आपके बैंक ने ग्राहकों की सुविधा बढ़ाने के लिए गैर-होम शाखाओं में नकद निकासी की सीमा ₹25,000 से बढ़ाकर ₹10 लाख कर दी है, साथ ही आईवीआर की सहायता व संपर्क केंद्र के माध्यम से नामांकन स्थिति की जांच भी शुरू की है। आपके बैंक ने नॉन-होम शाखाओं में उपलब्ध री-केवाईसी के जरिए निष्क्रिय खातों को डिजिटल रूप से फिर से सक्रिय करने की सुविधा दी है।

आपके बैंक ने मृतक जमाकर्ताओं के उत्तराधिकारियों के लिए दावा निपटान सीमा को ₹5 लाख से बढ़ाकर ₹15 लाख कर दिया है, जिसमें अप्रमाणित वसीयत पर आधारित दावे भी शामिल हैं।

आपका बैंक समर्पित वेल्थ मैनेजमेंट सेवाएं प्रदान करने वाला पहला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है, जो निवेश उत्पादों (एमएफ/बीमा/पीएमएस/बॉन्ड और एआईएफ, आदि) की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से समृद्ध ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करता है, जो व्यक्तिगत जोखिम प्रोफाइल के साथ उचित रूप से संरेखित है। 1,068 संबंध प्रबंधकों और एक स्तरीय आरएम संरचना द्वारा समर्थित, एसबीआई वेल्थ 107 केंद्रों में 247 वेल्थ हब के माध्यम से व्यक्तिगत सेवा सुनिश्चित करता है। मूल्य संवर्धन में लचीले वितरण चैनल, ओपेन आर्किटेक्चर और शोध-समर्थित सलाहकार सेवाएं शामिल हैं।

आपके बैंक ने ईवी चार्जिंग इंफ्रा को वित्तपोषित करने, प्रमुख उद्यमों के साथ गठजोड़ करने और इस आशाजनक और टिकाऊ प्रयास में स्टार्टअप्स के साथ मिलकर एसबीआई ईवी-मित्र की शुरुआत की है। आपके बैंक ने सूर्य शक्ति सौर वित्त पहल शुरू की है, जो सौर परियोजनाओं (कैप्टिव उपयोग) के वित्तपोषण के लिए विशेष उत्पाद है, जिसमें 10 वर्षों की विस्तारित चुकौती अवधि है, जो जैव ईंधन/बायोगैस और सौर विक्रेताओं से संबंधित परियोजनाओं के वित्तपोषण के अलावा युवा और महिला उद्यमियों के लिए रियायतें प्रदान करता है।



33

आपके बैंक के सीएसपी द्वारा प्रदान किए जाने वाले उत्पाद और सेवाएं

आपके बैंक ने नॉन-होम शाखाओं में नकद निकासी की सीमा को ₹25,000 से

₹10 लाख
तक बढ़ा दी है

आपके बैंक ने महिला उद्यमियों को समर्थन देने के लिए भारत सरकार की पहल के अनुरूप एसबीआई अस्मिता योजना शुरू की है, जिसमें 10 लाख रुपये से लेकर 5 करोड़ रुपये तक के ऋण उपलब्ध कराए जायेंगे।

मानव संसाधन और कौशल विकास

निष्पादन, कर्मचारी उत्पादकता और समग्र सामर्थ्य में निरंतरता प्राप्त करने के लिए मानव पूंजी में निरंतर निवेश करना महत्वपूर्ण है। बैंक ने वित्त वर्ष 2025 में मानव पूंजी और कर्मचारी प्रशिक्षण पर अपना ध्यान केंद्रित रखा है, जिसका उद्देश्य नई पीढ़ी को कौशल प्रदान करना और एक मजबूत प्रतिभा श्रृंखला तैयार करना है। इसके अलावा बैंक अपनी मानव संसाधन नीति को निष्पादन मूल्यांकन, ज्ञानार्जन, करियर की प्रगति और उत्तराधिकार योजना के साथ कौशल को एकीकृत करने की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। वित्त वर्ष 2025 के दौरान, बैंक ने क्षेत्रीय प्रबंधकों, सहायक महाप्रबंधकों और शाखा प्रमुखों सहित मध्य-प्रबंधन अधिकारियों के लिए अभिवृद्धि के नाम से कार्यक्रम की शुरुआत की है जो नेतृत्व निर्माण तथा स्टेट बैंक संस्कृति का पुनर्निर्माण करने के उद्देश्य से एक व्यापक कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किया।

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व

आपका बैंक लगभग पांच दशक पहले ही 'नवोन्मेषी बैंकिंग' के रूप में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के क्षेत्र में अग्रणी था, जिसने हाशिए पर स्थित समुदायों को सशक्त बनाने की परंपरा स्थापित की थी। आज, यह प्रतिबद्धता रणनीतिक सीएसआर पहलों के माध्यम से जारी है जो पर्यावरणीय नेतृत्व और सामाजिक प्रगति के साथ आर्थिक विकास को संतुलित करते हुए प्रत्यक्षतः राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहयोग करती है।

आपका बैंक स्वयं और एसबीआई फाउंडेशन दोनों के माध्यम से पूरे भारत में प्रभावी एवं उच्च क्षमता परियोजनाओं का कार्यान्वयन करता है। अधिकतम सामाजिक मूल्य सृजन के लिए फाउंडेशन रणनीतिक साझेदारियों से लाभ का अभिनव दृष्टिकोण अपनाती है।

वित्त वर्ष 2025 के लिए, आपके बैंक द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के लिए

₹610.77 करोड़ की राशि आबंटित की गई है। आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के दौरान 94 आकांक्षी जिलों में 339 सीएसआर पहल की है, जिसमें एसबीआई फाउंडेशन ने सीएसआर कार्यक्रम के तहत वित्त वर्ष 2025 के दौरान ₹485.83 करोड़ मूल्य की 180 परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है।

अनुषंगियाँ

अपनी अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से, आपका बैंक अपने ग्राहकों को वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है।

एक समूह के रूप में एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईसीपीएस) ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए ₹1,205 करोड़ का कर-पश्चात लाभ (पीएटी) अर्जित किया है। एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी और एसबीआई समूह की ब्रोकिंग शाखा एसबीआईकेप सिक्वोरिटीज लिमिटेड (एसएसएल) ने वित्त वर्ष 2025 में समाप्त वर्ष के दौरान ₹595 करोड़ का पीएटी अर्जित किया, जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह ₹453 करोड़ था।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ग्राहक-केंद्रित और बाजार-मांग के अनुरूप बीमा समाधानों के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 के लिए सकल लिखित प्रीमियम (₹14,140 करोड़) में 11% की वृद्धि दर्ज की, और कुल एयूएम ₹17,942 करोड़ से बढ़कर ₹21,562 करोड़ हो गया। यह निजी कंपनियों में छठे स्थान पर है और व्यक्तिगत दुर्घटना खंड में निजी कंपनियों में नंबर एक है।

निजी क्षेत्र के कंपनियों के बीच कुल नए व्यवसाय प्रीमियम (एनबीपी) में 20.8% बाजार हिस्सेदारी के साथ, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त अवधि के लिए ₹35,577 करोड़ का एनबीपी दर्ज किया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 में ₹2,413 करोड़ का पीएटी अर्जित किया, जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह ₹1,894 करोड़ था।

कार्ड में नंबर 2 और खर्च में नंबर 3 कंपनी एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 में ₹1,916 करोड़ का पीएटी दर्ज किया।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एसबीआईएमएफ) बाजार में सबसे बड़ी कंपनी है। मार्च 2025 तक, एसबीआईएमएफ के पास 15.91% की बाजार हिस्सेदारी के साथ 10.73 लाख करोड़ का तिमाही औसत एयूएम है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 के लिए ₹2,531 करोड़ का पीएटी अर्जित किया, जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह ₹2,063 करोड़ था।

घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए फैक्टरिंग सेवाओं में विशेषज्ञता वाली अग्रणी एनबीएफसी, एसबीआई फैक्टर्स लिमिटेड (पूर्ववर्ती एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड) ने वित्त वर्ष 2025 में ₹10,828 करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह ₹6,799 करोड़ रुपये था।

31 मार्च, 2025 तक, एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड 11 पेंशन फंड मैनेजर्स (पीएफएम) में सबसे आगे है, जिसके पास ₹5,14,753 करोड़ रुपये की एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) है, जिसमें 19% की वार्षिक वृद्धि है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 के लिए ₹72 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया।

एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआई पेमेंट्स) का उद्देश्य एक अभिनव राष्ट्रव्यापी स्वीकृति पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है, जो व्यापारियों को कई फॉर्म फैक्टर में डिजिटल भुगतान स्वीकार करने में सक्षम बनाता है। 31 मार्च, 2025 तक, एसबीआई पेमेंट्स भारत के सबसे बड़े अधिग्रहणकर्ताओं में से एक बना हुआ है, जिसके पास 37.12 लाख मर्चेन्ट पेमेंट एक्सेप्टेंस टच पॉइंट हैं, जिसमें टियर 1 से टियर 6 स्थानों पर तैनात 16.06 लाख पीओएस मशीनें शामिल हैं।

पुरस्कार और सम्मान

आपके बैंक द्वारा प्राप्त किए गए अनेक पुरस्कार उत्कृष्टता की दिशा में आपके बैंक के प्रयासों के प्रमाण हैं। ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन, न्यूयॉर्क द्वारा आपके बैंक को 'विश्व के सर्वश्रेष्ठ व्यापार वित्त प्रदाता 2025', ब्रांड फाइनेंस इंडिया 100 द्वारा '5वां सबसे मजबूत भारतीय ब्रांड 2024' और 'एमएसएमई ऋण देने में सर्वश्रेष्ठ बैंक' के रूप में मान्यता दी गई। ग्लोबल फाइनेंस द्वारा आपके बैंक को वर्ष 2024 के लिए 'भारत में सर्वश्रेष्ठ बैंक' चुना गया है और फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल



परिचालन दक्षता में सुधार के लिए, हम स्वचालन और डेटा-संचालित निर्णय-प्रक्रिया का उपयोग करके प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर रहे हैं।

डीलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएडीए) द्वारा 'रिटेल् फाइनेंस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ बैंक' से सम्मानित किया गया है। आपके बैंक को 3 श्रेणियों में 'ईटी ह्यूमन कैपिटल अवार्ड्स 2025' से सम्मानित किया गया: लगातार 3 वर्षों (2023, 2024 और 2025) के लिए वर्ष का एचआर लीडर - बड़े पैमाने के संगठन (स्वर्ण श्रेणी); परिवर्तन प्रबंधन में उत्कृष्टता (स्वर्ण श्रेणी); और स्वास्थ्य और कल्याण पहल में उत्कृष्टता (रजत श्रेणी)।

भावी योजनाएँ

भारत के सबसे बड़े बैंक के रूप में, हमारा कार्यनीतिक ध्यान परिचालन दक्षता में सुधार, ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने, बाजार नेतृत्व को बनाए रखने, मानव संसाधन क्षमताओं को मजबूत करने, जोखिम-समायोजित विकास का समर्थन करने और लाभप्रदता में सुधार करने पर है।

परिचालन दक्षता में सुधार करने के लिए, हम स्वचालन और डेटा-संचालित निर्णय लेने का उपयोग करके प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर रहे हैं। मानवीय हस्तक्षेप को कम करने के लिए नियमित कार्यों को डिजिटल किया जा रहा है, जबकि केंद्रीकृत सिस्टम शाखाओं में तेज और अधिक सुसंगत संचालन को सक्षम कर रहे हैं। वर्कफ्लो पैटर्न का विश्लेषण करके और अतिरिक्त को समाप्त करके, हमारा लक्ष्य टर्नअराउंड समय को कम करना, लागत कम करना और समग्र सेवा विश्वसनीयता को बढ़ाना है। ये परिवर्तन एक बड़े, विविध ग्राहक आधार के लिए उपयुक्त अधिक स्केलेबल और उत्तरदायी परिचालन मॉडल का समर्थन करते हैं।

ग्राहक अनुभव हमारी विकास कार्यनीति का केंद्र बना हुआ है। ऑनबोर्डिंग को सरल बनाकर, स्थानीय भाषा में वॉयस बैंकिंग को सक्षम करके और 24/7 डिजिटल

समर्थन सुनिश्चित करके, हमारा लक्ष्य भौगोलिक क्षेत्रों में, विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में उभरते क्षेत्रों के लिए एक सहज और समावेशी अनुभव प्रदान करना है। इसके अलावा, हम एआई द्वारा संचालित हाइपर-पर्सनलाइज्ड ऑफरिंग द्वारा समर्थित ओमनी-चैनल एंगेजमेंट मॉडल बना रहे हैं।

हमारे बाजार नेतृत्व को बनाए रखने के लिए सक्रिय अनुकूलन की आवश्यकता है। हम एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए फिन्टेक, एंटीटेक और सरकार समर्थित डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ रणनीतिक साझेदारी बना रहे हैं। साथ ही, हम डिजिटल-प्रथम पीढ़ियों और वंचित उद्यमियों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने के लिए अपने ब्रांड को आधुनिक बनाते हुए उच्च-संभावित सूक्ष्म-बाजारों में अपनी उपस्थिति को और गहरा कर रहे हैं। ये कदम ग्राहक अधिग्रहण और गहन जुड़ाव दोनों का समर्थन करते हैं।

मानव संसाधन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए, हम कार्यात्मक और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप संरचित कौशल विकास कार्यक्रम लागू कर रहे हैं। प्रशिक्षण पहल विश्लेषणात्मक तर्क, डिजिटल साक्षरता और विभिन्न भूमिकाओं में निर्णय लेने की दक्षता बढ़ाने पर केंद्रित हैं। बड़े पैमाने पर कौशल विकास की सुविधा के लिए निरंतर सीखने के प्लेटफॉर्म पेश किए जा रहे हैं, जबकि प्रदर्शन डेटा का उपयोग व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार सीखने के मार्ग को तैयार करने के लिए किया जाता है। इन प्रयासों का उद्देश्य एक ऐसे कार्यबल का निर्माण करना है जो अनुकूलनीय, भविष्य के लिए तैयार हो और एक गतिशील वातावरण में जटिल बैंकिंग परिचालनों का समर्थन करने के लिए सुसज्जित हो।

सतत, जोखिम-समायोजित विकास को प्राप्त करने के लिए, हम क्रेडिट अंडरराइटिंग, पोर्टफोलियो मॉनिटरिंग और प्रारंभिक चेतावनी का पता लगाने के लिए उन्नत एनालिटिक्स का लाभ उठा रहे हैं। हमारे क्षेत्र-विशिष्ट जोखिम ढांचे को परिसंपत्ति की गुणवत्ता को मजबूत करने और एमएसएमई और बुनियादी ढांचे सहित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में जिम्मेदार उधार देने का समर्थन करने के लिए डिजाइन किया गया है।

अंत में, हम अनुशासित लागत प्रबंधन, परिसंपत्ति मिश्रण को अनुकूलित करने और शुल्क-आधारित आय के विस्तार के माध्यम से लाभप्रदता में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मजबूत कासा विकास, डिजिटल क्रॉस-सेल क्षमताओं और मार्जिन-संवर्धनशील परिसंपत्ति आवंटन के साथ, हम सतत प्रतिफल के लिए एक स्केलेबल मॉडल बना रहे हैं।

साथ में, ये कार्यनीतिक उपाय हमें न केवल भारत के सबसे बड़े बैंक के रूप में स्थापित करते हैं, बल्कि सबसे आगे की सोच रखने वाले बैंक के रूप में भी स्थापित करते हैं - ग्राहकों और निवेशकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य प्रदान करने के लिए विश्वास, विस्तार और नवाचार को संतुलित करते हैं।

भवदीय,

चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी

संवहनीयता भविष्य की राह

हमारा मानना है कि सच्ची प्रगति को न केवल वित्तीय विकास में बल्कि पर्यावरणीय जिम्मेदारी में भी मापा जाता है। एसबीआई सक्रिय रूप से अपने व्यावसायिक व्यवहारों में संवहनीयता को एकीकृत करता है, स्वस्थ ग्रह के लिए हरित पहल, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण के प्रति जागरूक विकास का समर्थन करता है।

बैंक ने 2030 तक 7.5% ग्रीन पोर्टफोलियो का लक्ष्य रखा है, जिसमें डीएफआई और एमडीबी से प्राप्त 3.07 बिलियन अमरीकी डॉलर, छोटे किसानों के लिए जुटाए गए 1 बिलियन अमरीकी डॉलर, ग्रीन बॉन्ड के माध्यम से 1050 मिलियन अमरीकी डॉलर और ईवी ऋणों के लिए ग्रीन डिपॉजिट के माध्यम से जुटाए गए 128.31 करोड़ रुपये शामिल हैं। मजबूत ईएसजी ढांचे, विस्तारित सौर वित्तपोषण और एसबीआई-ग्रीन की शुरुआत टिकाऊ वित्त पहल को बढ़ावा दे रही है।

एसबीआई ने सौर ऊर्जा संयंत्रों, वर्षा जल संचयन प्रणालियों, सीवेज उपचार संयंत्रों और ऊर्जा-कुशल इमारतों के साथ संचालन में संवहनीयता को शामिल किया है। कचरे का प्रबंधन खाद बनाने वाली इकाइयों, जैविक अपशिष्ट कन्वर्टर्स और वर्मीकंपोस्टिंग सुविधाओं के माध्यम से किया जाता है, जबकि प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र और पर्यावरण अभियान पर्यावरण-चेतना को मजबूत करते हैं।

2030 तक कार्बन तटस्थता की दिशा में आगे बढ़ते हुए, एसबीआई ने 30 मेगावाट से अधिक सौर क्षमता स्थापित की है, 54 आईजीबीसी-प्रमाणित भवन और 542 वर्षा जल संचयन प्रणालियां स्थापित की हैं, जिसे ग्रीन क्लबों और ईएसजी कार्यशालाओं के माध्यम से मजबूत कर्मचारी सहभागिता द्वारा समर्थन प्राप्त है।



वित्तीय समाधानों के माध्यम से सपनों की पूर्ति



एसबीआई लाखों ग्राहकों के लिए एक पुल के रूप में खड़ा है, जो उनकी आकांक्षाओं को उन वित्तीय साधनों से जोड़ता है जिनकी उन्हें साकार करने के लिए आवश्यकता होती है। चाहे व्यक्तिगत विकास हो, घर का स्वामित्व हो या व्यवसाय का विस्तार, हम अपने ग्राहकों को हमेशा बदलती दुनिया में आगे बढ़ने में मदद करने के लिए तैयार किए गए उत्पादों और सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करते हैं।

विभिन्न चैनलों पर ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना

सभी चैनलों पर ग्राहक अनुभूति को बेहतर बनाने के लिए एसबीआई ने लगातार ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने की पहल की है, कई अभियानों में डोरस्टेप बैंकिंग सेवाओं (डीएसबी) को बढ़ावा देने में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उल्लेखनीय प्रगति में एक एंड-टू-एंड डिजिटल मृतक दावा निपटान प्रक्रिया की शुरुआत शामिल है, जो दावेदारों के लिए ऑनलाइन सबमिशन और वास्तविक समय अपडेट को सक्षम बनाती है। इसके अलावा, एसबीआई ने असंतुष्ट ग्राहकों को जोड़ने के लिए एक केंद्रीकृत कॉलिंग सुविधा शुरू की और बेहतर पहुंच के लिए ग्राहक अनुरोध और शिकायत फॉर्म (सीआरसीएफ) में 15 क्षेत्रीय भाषाएँ जोड़ीं।

डोरस्टेप बैंकिंग सेवाओं को बढ़ावा देना

प्रथम स्थान

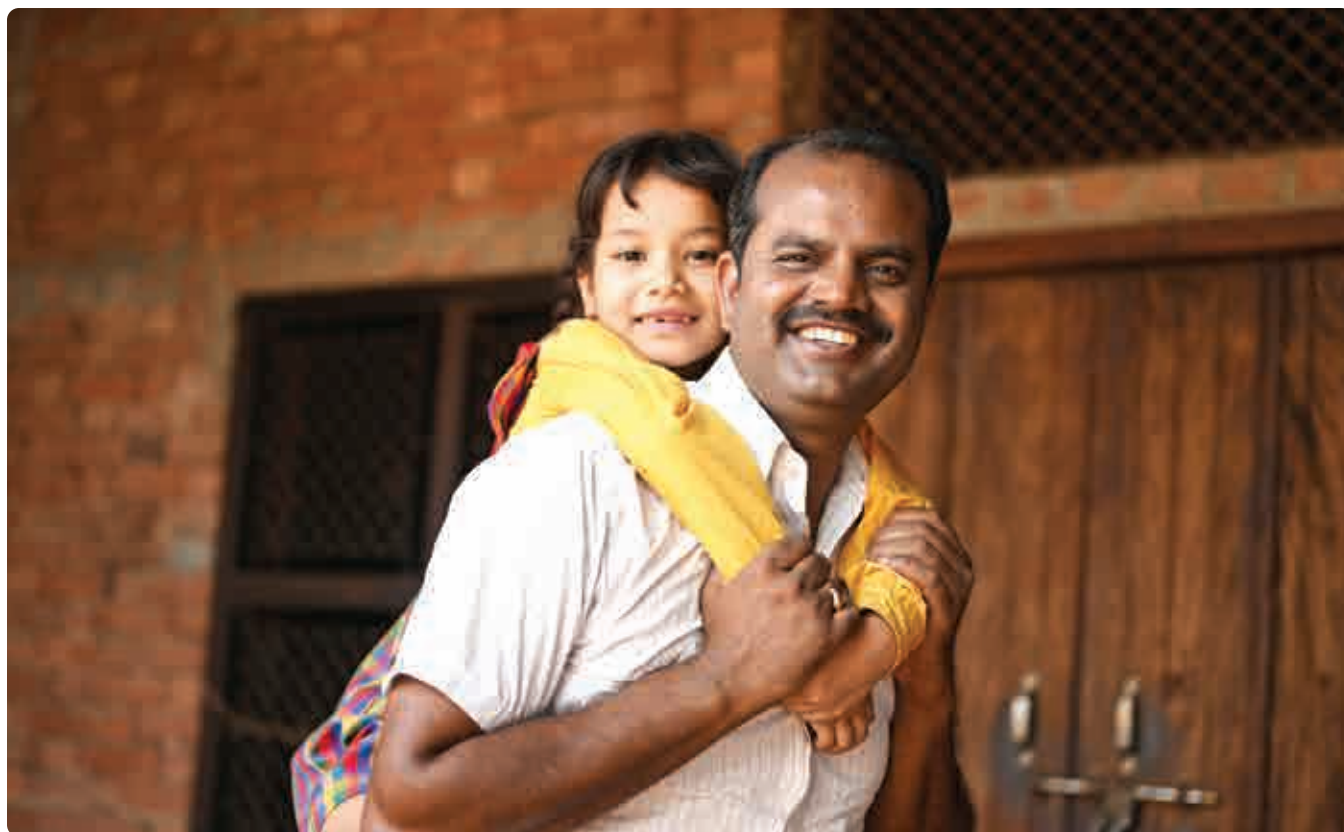
अनेक अभियानों में

ग्राहक संतुष्टि और सहभागिता में उत्कृष्टता लाना

वित्त वर्ष 2025 में, एसबीआई ने प्रमुख ग्राहक संतुष्टि मेट्रिक पर प्रभावशाली प्रदर्शन दर्ज किया: सीएसएटी (शाखा चैनलों के लिए 3.92), एनपीएस (95.24%), और सीईएस (6.9), जो सेवा उत्कृष्टता के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। क्यूआर कोड-आधारित फीडबैक संग्रह जैसे नए फीडबैक टूल ने प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित कर दिया है। टाउनहॉल मीटिंग और डिजिटल अभियानों सहित साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम, ग्राहकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से खुद को बचाने के लिए ज्ञान के साथ सशक्त बना रहे हैं, जो ग्राहक जुड़ाव के लिए बैंक के सक्रिय दृष्टिकोण को मजबूत करता है।

एसबीआई शाखाओं ने वित्त वर्ष 2025 में प्रभावशाली प्रमुख ग्राहक संतुष्टि मेट्रिक दर्ज किए

3.92	95.24%	6.9
सीएसएटी	एनपीएस	सीईएस



भविष्य के लिए तैयार कार्यबल



जैसे-जैसे बैंकिंग का दायरा बढ़ता है, वैसे-वैसे हमारे कार्यबल का कौशल और क्षमताएँ भी बढ़ती हैं। मजबूत प्रशिक्षण, डिजिटल अपस्किलिंग और नेतृत्व विकास के माध्यम से, हम अपने कर्मचारियों को भविष्य में आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार कर रहे हैं। हमारा ध्यान एक समावेशी, उद्देश्य-संचालित कार्य वातावरण बनाने पर है जो नवाचार और विकास का समर्थन करता है।

कर्मचारी-केंद्रित विकास और प्रतिभा प्रबंधन

आपका बैंक संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कर्मचारियों को केंद्र बिंदु मानता है। आपका बैंक लगातार मानव पूंजी में निवेश करता है, एक प्रेरित, प्रतिबद्ध और उच्च प्रदर्शन करने वाले कार्यबल के माध्यम से हमारी विरासत को मजबूत करता है। कौशल-आधारित प्रतिभा प्रबंधन दृष्टिकोण के साथ, कौशल अब प्रदर्शन मूल्यांकन, सीखने, कैरियर की प्रगति और उत्तराधिकार योजना के साथ एकीकृत हैं। सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास जुड़ाव और कल्याण प्रथाओं ने हमें लगातार 2% से नीचे एक एट्रिशन दर बनाए रखने में मदद की है। 31.03.2025 तक, हमारे कार्यबल में अधिकारियों, सहयोगियों और अधीनस्थ कर्मचारियों में 2,36,226 कर्मचारी थे।

वित्त वर्ष 2025 में प्रति कर्मचारी प्रशिक्षण घंटे

60.21



नेतृत्व निर्माण और सहभागिता बढ़ाना

आपके बैंक ने मध्य-प्रबंधन अधिकारियों के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम अभिवृद्धि का आयोजन किया, जिसमें फीडबैक-संचालित सुधारों के साथ कार्य का प्रत्यायोजन, संचार और निर्णय लेने में कौशल को तेज किया गया। हमारा पहला कर्मचारी जुड़ाव सर्वेक्षण, अभ्युदय और इसका उन्नत संस्करण अभ्युदय 2.0, लीप, कर्मचारी खुशी सर्वेक्षण और टीम के आरए कार्यान्वयन जैसी रणनीतिक पहलों को लॉन्च करने के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। निरंतरता, उत्पादकता और सामर्थ्य पर अधिक ध्यान देने के साथ, हम भविष्य के लिए तैयार, अत्यधिक समर्पित कार्यबल का पोषण करना जारी रखते हैं।

वित्त वर्ष 2025 में महिला कर्मचारियों की हिस्सेदारी

27.6%

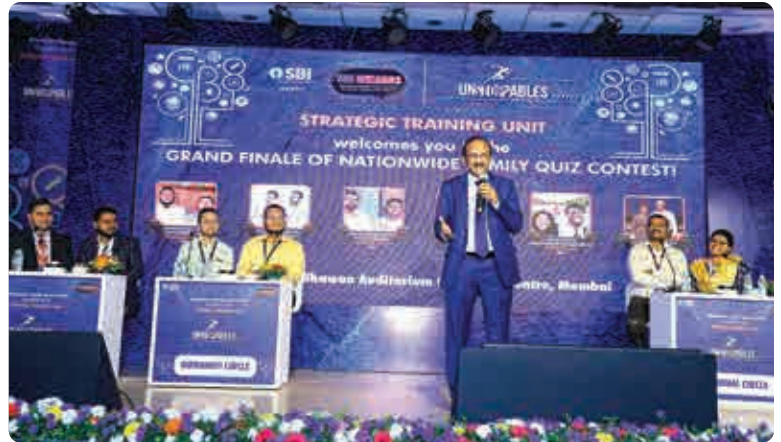


उच्च उत्पादकता के लिए कार्यबल का अनुकूलन

वार्षिक जनशक्ति नियोजन और प्रोजेक्ट लीड जैसी पहलों के माध्यम से, आपका बैंक इष्टतम स्टाफिंग और भूमिकाओं को सुव्यवस्थित करना सुनिश्चित करता है, कर्मचारियों को राजस्व-उत्पादक कार्यों में पुनः तैनात करता है। परिचालन स्थिरता बनाए रखने के लिए हर साल बड़े पैमाने पर पदोन्नति और स्थानांतरण किए जाते हैं, जिससे शाखाओं और प्रशासनिक इकाइयों को अधिक कुशलता से काम करने में मदद मिलती है।

वित्त वर्ष 2025 में प्रशिक्षित कर्मचारी

2.12 लाख



उत्तराधिकार को मजबूत करना और सफलता का जश्न मनाना

उत्तराधिकार के जोखिमों को कम करने और निर्बाध नेतृत्व परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत प्रतिभा पाइपलाइन मौजूद है। कर्मचारी मूल्य निर्माण पर केंद्रित एक नेतृत्व शिखर सम्मेलन ने भविष्य की नेतृत्व आवश्यकताओं के प्रति हमारे दृष्टिकोण को परिष्कृत करने में भी मदद की है। प्रशंसा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, आपके बैंक ने एसबीआई एसीई लॉन्च किया - एक समर्पित कर्मचारी सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म जो उपलब्धियों का जश्न मनाता है, एकता बढ़ाता है और उच्च प्रदर्शन को बढ़ावा देता है।

उत्कृष्टता को पहचानना और पुरस्कृत करना

आपका बैंक वित्तीय और गैर-वित्तीय पुरस्कारों के माध्यम से योगदान का जश्न मनाने में विश्वास करता है। प्रदर्शन-लिंक प्रोत्साहन (पीएलआई), चेयरमैन/एमडी क्लब के सदस्यों के लिए अतिरिक्त अवकाश लाभ, और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों के लिए अतिरिक्त एलएफसी पात्रता। एसबीआई जीईएमएस और एसबीआई अप्लॉज कर्मचारियों की उपलब्धियों का डिजिटल रूप से सम्मान करते हैं, जिसका पहला अप्लॉज सम्मान समारोह 2025 में आयोजित किया जाएगा - जो मान्यता और प्रेरणा की संस्कृति को और मजबूत करेगा।

एक साथ बढ़ना



आपके बैंक की प्रतिबद्धता वित्तीय सेवाओं से कहीं आगे तक जाती है - यह समुदायों में स्थायी प्रभाव पैदा करने के लिए गहराई से कार्य करती है। केंद्रित सीएसआर पहलों, समावेशी विकास कार्यक्रमों और सशक्त बनाने वाली साझेदारियों के माध्यम से, आपका बैंक जीवन को बेहतर बनाने, असमानताओं को पाटने और जमीनी स्तर पर सामर्थ्य विकसित करने का काम जारी रखता है। हर पहल एक ही दृष्टिकोण प्रतिध्वनित करती है: समावेशी, टिकाऊ और लोगों को प्राथमिकता देने वाला विकास।

दिव्यांग जनों को सशक्त बनाना

एसबीआई ने भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के साथ भागीदारी की, जिसके तहत सीएसआर के तहत 20 स्थानों पर 6,000-9,000 लाभार्थियों को व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र और कृत्रिम अंग जैसे सहायक उपकरण वितरित करने के लिए 10 करोड़ का योगदान दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस (3 दिसंबर 2024) पर, कई बैंक कार्यालयों में सहायक उपकरण वितरित किए गए। मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में अध्यक्ष ने व्यक्तिगत रूप से दिव्यांग जनों को उपकरण सौंपे।

सशस्त्र सेना के दिग्गजों का समर्थन

सशस्त्र बलों के प्रति अपने समर्पण और सम्मान की पुष्टि करते हुए, बैंक ने वित्त वर्ष 2025 में सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में 10 करोड़ का योगदान दिया, जिससे दिग्गजों के आश्रित बच्चों की शिक्षा का समर्थन किया जा सके। इसके साथ ही, वित्त वर्ष 2021 से बैंक का संचयी योगदान 40 करोड़ हो गया है।



कावेरी बेसिन को हरा-भरा बनाना

पर्यावरण स्थिरता का समर्थन करने के लिए, बैंक ने तमिलनाडु और कर्नाटक में कावेरी नदी बेसिन में 9 लाख पेड़ लगाने के लिए ईशा आउटरीच के साथ समझौता किया। इस हरित पहल ने किसानों की आय बढ़ाने और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में भी मदद की।



आईआईएससी, बेंगलुरु के साथ स्वास्थ्य सेवा सहायता

एसबीआई ने आईआईएससी में नए मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल के ईएनटी विंग को सुसज्जित करने के लिए वित्त वर्ष 2025 में 3.90 करोड़ का योगदान दिया। इससे पहले, बैंक ने ऑर्थोपेडिक विंग के निर्माण के लिए 24 करोड़ का योगदान दिया था।



महाराष्ट्र में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा का उन्नयन

विश्वनाथ कैंसर केयर फाउंडेशन के साथ 2.72 करोड़ की परियोजना ने महाराष्ट्र के खानू में पीएचसी को अपग्रेड किया। इस सुविधा में अब एक लेबर रूम, 10-बेड वार्ड, बाल चिकित्सा देखभाल और बेहतर मां और बच्चे की सेवाएं हैं।

आंध्र प्रदेश में कैंसर देखभाल को आगे बढ़ाना

कैंसर की शुरुआती पहचान और रोकथाम के लिए टाटा कैंसर केयर फाउंडेशन की संस्था, श्री वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर एंड एडवांस्ड रिसर्च, तिरुपति को 1.16 करोड़ रुपये के चिकित्सा उपकरण प्रदान किए गए।

आरएसईटीआई के माध्यम से ग्रामीण आजीविका

बैंक 29 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 153 आरएसईटीआई का प्रबंधन करता है, जो बेरोजगार ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित करने में मदद करता है। वित्त वर्ष 2025 में, सीएसआर फंड में ₹21.34 करोड़ से एसबीआई प्रायोजित आरएसईटीआई में निर्माण और क्षमता निर्माण का समर्थन किया गया।



कार्यनीतिक नेतृत्व



श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी
अध्यक्ष



श्री अश्विनी कुमार तिवारी
प्रबंध निदेशक



श्री विनय एम. तोन्से
प्रबंध निदेशक



श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह
प्रबंध निदेशक



श्री राम मोहन राव अमारा
प्रबंध निदेशक



श्री केतन एस विक्रमसी
गैर-कार्यकारी निदेशक



श्री मृगांक एम. परांजपे
गैर-कार्यकारी निदेशक



श्री राजेश कुमार दुबे
गैर-कार्यकारी निदेशक



श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत
गैर-कार्यकारी निदेशक



श्रीमती स्वाति गुप्ता
गैर-कार्यकारी निदेशक



श्री नागराजू महिराला
गैर-कार्यकारी निदेशक



श्री अजय कुमार
गैर-कार्यकारी निदेशक

केंद्रीय निदेशक मंडल

अध्यक्ष

श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी

प्रबंध निदेशक

श्री अश्विनी कुमार तिवारी

श्री विनय एम तोन्से

श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह

श्री राम मोहन राव अमारा

एसबीआई अधिनियम की धारा 19 (सी) के अंतर्गत निर्वाचित निदेशक

श्री केतन एस विक्रमसी

श्री मृगांक एम परांजपे

श्री राजेश कुमार दुबे

श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत

एसबीआई अधिनियम की धारा 19 (डी) के अंतर्गत निर्वाचित निदेशक

श्रीमती स्वाति गुप्ता

एसबीआई अधिनियम की धारा 19 (ई) के अंतर्गत निर्वाचित निदेशक

श्री नागराजू मदिराला

एसबीआई अधिनियम की धारा 19 (एफ) के अंतर्गत निर्वाचित निदेशक

श्री अजय कुमार

बोर्ड की समितियां 31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार

केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति (ईसीसीबी)

श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, अध्यक्ष - समिति के अध्यक्ष

श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (सीबी एंड एस) - सदस्य

श्री विनय एम तोन्से, प्रबंध निदेशक (आरबी और ओ) - सदस्य

श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह, प्रबंध निदेशक (आर, सी और एसएआरजी) - सदस्य

श्री राम मोहन राव अमारा, प्रबंध निदेशक (आईबी, जीएम एंड टी) - सदस्य

अन्य सदस्य: एसबीआई अधिनियम, 1955 की धारा 19(एफ) के अंतर्गत नामित निदेशक, तथा अन्य सभी या कोई निदेशक जो सामान्यतः निवासी हों, या जो भारत में किसी ऐसे स्थान पर, जहां बैठक आयोजित की जाती है, उपस्थित हों।

बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति (एसीबी)

श्री केतन एस. विकमसी, स्वतंत्र निदेशक - समिति के अध्यक्ष

श्री मृगांक एम. परांजपे, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री राजेश कुमार दुबे, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री अजय कुमार, भारतीय रिजर्व बैंक नामित निदेशक - सदस्य

बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी)

श्री मृगांक एम. परांजपे, स्वतंत्र निदेशक - समिति के अध्यक्ष

श्री केतन एस विकमसी, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री राजेश कुमार दुबे, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री अश्विनी कुमार तिवारी, एमडी (सीबी एंड एस) - सदस्य (पदेन)

श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह, एमडी (आर, सी और एसएआरजी) - सदस्य (पदेन)

बोर्ड की सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति समिति (आईटीएससी)

श्री राजेश कुमार दुबे, स्वतंत्र निदेशक - समिति के अध्यक्ष

श्री केतन एस विकमसी, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री मृगांक एम. परांजपे, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह, प्रबंध निदेशक (आर, सी और एसएआरजी) - सदस्य (पदेन)

श्री राम मोहन राव अमारा - प्रबंध निदेशक (आईबी, जीएम एंड टी) - सदस्य (पदेन)

धोखाधड़ी के मामलों की निगरानी और अनुवर्ती कार्रवाई के लिए बोर्ड की विशेष समिति (एससीबीएमएफ)

श्री केतन एस विकमसी, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री मृगांक एम. परांजपे, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्रीमती स्वाति गुप्ता, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री विनय एम. तोन्से, प्रबंध निदेशक (आरबी एंड ओ)-सदस्य (पदेन)

श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह, प्रबंध निदेशक (आर, सी और एसएआरजी) - सदस्य (पदेन)

हितधारक संबंध समिति (एसआरसी) सह बोर्ड की ग्राहक सेवा समिति (सीएससीबी)

श्री राजेश कुमार दुबे, स्वतंत्र निदेशक - समिति के अध्यक्ष

श्री केतन एस. विक्रमसी, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्रीमती स्वाति गुप्ता, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री विनय एम. तोन्से, प्रबंध निदेशक (आरबी एंड ओ) - सदस्य (पदेन)

श्री राम मोहन राव अमारा, प्रबंध निदेशक (आईबी, जीएम एंड टी) - सदस्य (पदेन)

बोर्ड की नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति (एनआरसी)

श्री राजेश कुमार दुबे, स्वतंत्र निदेशक - समिति के अध्यक्ष

श्री केतन एस. विक्रमसी, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री मृगांक एम. परांजपे, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्रीमती स्वाति गुप्ता, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति (बीसीएमआर)

श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, अध्यक्ष - समिति के अध्यक्ष

श्री नागराजू मद्रिराला, भारत सरकार के नामित निदेशक - सदस्य

श्री मृगांक एम. परांजपे, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री राजेश कुमार दुबे, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्रीमती स्वाति गुप्ता, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (सीबी एंड एस) - सदस्य (पदेन)

श्री विनय एम. तोन्से, प्रबंध निदेशक (आरबी एंड ओ) - सदस्य (पदेन)

श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह, प्रबंध निदेशक (आर, सी एंड एसएआरजी) - सदस्य (पदेन)

श्री राम मोहन राव अमारा, प्रबंध निदेशक (आईबी, जीएम एंड टी) - सदस्य (पदेन)

बोर्ड की कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति (सीएसआरसी)

श्री विनय एम. तोन्से, प्रबंध निदेशक (आरबी एंड ओ) - सदस्य (पदेन)

श्री राम मोहन राव अमारा, प्रबंध निदेशक (आईबी, जीएम एंड टी) - सदस्य (पदेन)

श्री केतन एस. विक्रमसी, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री मृगांक एम. परांजपे, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

इरादतन चूककर्ताओं की पहचान के लिए समीक्षा समिति (आरसीआईडब्ल्यूडी)

श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, अध्यक्ष - समिति के अध्यक्ष

सदस्य: अध्यक्ष के साथ कम से कम दो स्वतंत्र/गैर-कार्यकारी निदेशकों की उपस्थिति कोरम बनाती है

केंद्रीय प्रबंधन समिति (सैनमैक) के सदस्य (31.03.2025 तक)

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	श्री चह्ला श्रीनिवासुलु शेटी	अध्यक्ष
2	श्री अश्विनी कुमार तिवारी	प्रबंध निदेशक (कॉर्पोरेट बैंकिंग और अनुबंधियां)
3	श्री विनय एम. तोन्से	प्रबंध निदेशक (खुदरा व्यापार और संचालन)
4	श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह	प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन और एसएआरजी)
5	श्री राम मोहन राव अमारा	प्रबंध निदेशक (अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार और प्रौद्योगिकी)
6	श्रीमती सलोनी नारायण	उप प्रबंध निदेशक (वित्त)
7	श्री नितिन चुघ	उप प्रबंध निदेशक और प्रमुख (डिजिटल बैंकिंग और परिवर्तन)
8	श्री पोलुदासु किशोर कुमार	उप प्रबंध निदेशक (आंतरिक लेखा परीक्षा)
9	श्रीमती रूमा डे	उप प्रबंध निदेशक और समूह अनुपालन अधिकारी
10	श्री शमशेर सिंह	उप प्रबंध निदेशक (लेनदेन बैंकिंग और नई पहलें)
11	श्री गुलशन मलिक	उप प्रबंध निदेशक (वाणिज्यिक ग्राहक समूह-I) उप प्रबंध निदेशक (वाणिज्यिक ग्राहक समूह-II) के अतिरिक्त प्रभार के साथ
12	श्री प्रवीण राघवेंद्र	उप प्रबंध निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी
13	श्री सुरेंद्र राणा	उप प्रबंध निदेशक (खुदरा - कृषि और एसएमई)
14	श्री बलदेव प्रकाश	उप प्रबंध निदेशक और समूह मुख्य जोखिम अधिकारी
15	श्रीमती जयति बंसल	उप प्रबंध निदेशक (अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह)
16	श्री बिनोद कुमार मिश्रा	उप प्रबंध निदेशक (मानव संसाधन) और कॉर्पोरेट विकास अधिकारी
17	श्री शिव ओम दीक्षित	उप प्रबंध निदेशक (परिचालन - चैनल प्रबंधन)
18	श्री क्षितिज मोहन	उप प्रबंध निदेशक (तनावग्रस्त संपत्ति समाधान समूह)
19	श्री सतीश राव नागेश	उप प्रबंध निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी)
20	श्री अशोक कुमार शर्मा	उप प्रबंध निदेशक और मुख्य क्रेडिट अधिकारी और मुख्य स्थिरता अधिकारी
21	श्री जी. एस. राणा	उप प्रबंध निदेशक (खुदरा- व्यक्तिगत बैंकिंग और रियल एस्टेट)
22	श्री रवि रंजन	उप प्रबंध निदेशक (वैश्विक बाजार)
23	श्री प्रेम अनूप सिन्हा	उप प्रबंध निदेशक (कॉर्पोरेट लेखा समूह)

प्रबंध निदेशक (व्यवसाय एवं परिचालन) के अलावा स्थानीय बोर्डों के सदस्य के रूप में एसबीआई अधिनियम, 1955 की धारा 21(1)(ए) के तहत अध्यक्ष द्वारा दिनांक 31.03.2025 को नामित

मंडल	नाम	पदनाम
अहमदाबाद	श्री हेमंत करौलिया	मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)
अमरावती	श्री राजेश कुमार पटेल	मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)
बेंगलुरु	सुश्री जूही स्मिता सिन्हा	मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)
भोपाल	श्री चन्द्रशेखर शर्मा	मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)
भुवनेश्वर	श्री दिनेश परुथी	मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)
चंडीगढ़	श्री कृष्ण शर्मा	मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)
चेन्नई	श्री परमिंदर सिंह	मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)
गुवाहाटी	श्री सहादेवन राधाकृष्णन	मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)
हैदराबाद	श्री राजेश कुमार	मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)
जयपुर	श्री संदीप भटनागर	मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)
	श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत	निर्देशक*
कोलकाता	श्री सत्येन्द्र कुमार सिंह	मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)
लखनऊ	श्री दीपक कुमार डे	मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)
महाराष्ट्र	श्री अरविन्द कुमार सिंह	मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)
मुंबई मेट्रो	श्रीमती मंजू शर्मा	मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)
	श्री केतन एस. विकमसे	निर्देशक*
	श्री मृगांक एम. परांजपे	निर्देशक*
	श्री राजेश कुमार दुबे	निर्देशक*
नई दिल्ली	श्री देबाशीष मिश्र	मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)
	सुश्री स्वाति गुप्ता	निर्देशक*
पटना	श्री के वी बंगारराजू	मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)
तिरुवनंतपुरम	सुश्री भुवनेश्वरी ए	मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

* भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 की धारा 21 (बी) के अनुसार स्थानीय बोर्डों में नामित केंद्रीय बोर्ड के निदेशक

बैंक के लेखा परीक्षक (2024-25)

सभी लेखा परीक्षकों की नियुक्ति की तिथि 27.09.2024 है

क्र.सं	लेखापरीक्षा फर्म का नाम	क्र.सं	लेखापरीक्षा फर्म का नाम
1	मेसर्स रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी सनदी लेखाकार	7	मेसर्स वर्मा एंड वर्मा सनदी लेखाकार
2	मेसर्स गोखले एंड साठे सनदी लेखाकार	8	मेसर्स ओ पी बागला एंड सीओ सनदी लेखाकार
3	मेसर्स जेएलएन यूएस एंड कंपनी सनदी लेखाकार	9	मेसर्स गोपाल शर्मा एंड कंपनी सनदी लेखाकार
4	मेसर्स आर जी एन प्राइस एंड कंपनी सनदी लेखाकार	10	मेसर्स बी सी जैन एंड कंपनी सनदी लेखाकार
5	मेसर्स रमा के गुप्ता एंड कंपनी सनदी लेखाकार	11	मेसर्स एस जी सी ओ एंड कंपनी एलएलपी सनदी लेखाकार
6	मेसर्स विनोद कुमार एंड एसोसिएट्स सनदी लेखाकार		

एसबीआई का संसार

गैर-बैंकिंग अनुषंगियाँ/संयुक्त उद्यम



एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड

- एसबीआई कैप सिक््योरिटीज लिमिटेड
- एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड
- एसबीआईसीएपी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड



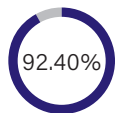
एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड



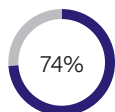
स्टेट बैंक ऑपरेशन सपोर्ट सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड



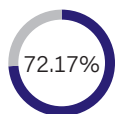
एसबीआई फैक्टर्स लिमिटेड



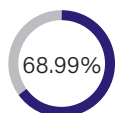
एसबीआई पेशन फंड प्राइवेट लिमिटेड



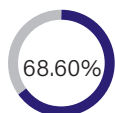
एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड



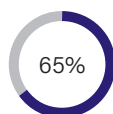
एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड



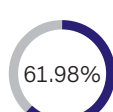
एसबीआई जनरल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड



एसबीआई कार्ग्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड

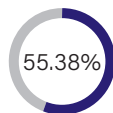


एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक््योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड

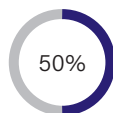


एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड

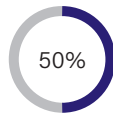
एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्राइवेट लिमिटेड
एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड
एसबीआई फंड इंटरनेशनल (आईएफएससी) लिमिटेड



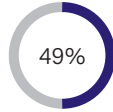
एसबीआई लाइफ इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड



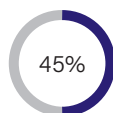
ओमान भारत संयुक्त निवेश कोष- प्रबंधन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड



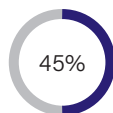
ओमान भारत संयुक्त निवेश कोष-ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड



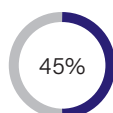
सी-एज टेक्नोलॉजीज लिमिटेड



एसबीआई मैकेरी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड मैकेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी लिमिटेड



मैकेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर प्रबंधन प्राइवेट लिमिटेड



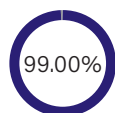
एसबीआई मैकेरी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड

विदेशी बैंकिंग अनुषंगियाँ/संयुक्त उद्यम/सहयोगी



100%

भारतीय स्टेट बैंक (कैलिफोर्निया)



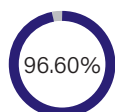
99.00%

पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया



100%

एसबीआई कनाडा बैंक



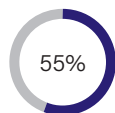
96.60%

एसबीआई (मॉरीशस) लिमिटेड



100%

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (यूके) लिमिटेड

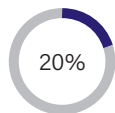


55%

नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड
नेपाल एसबीआई मर्चेन्ट बैंकिंग लिमिटेड

100%

वाणिज्यिक इंडो बैंक एलएलसी, मास्को



20%

बैंक ऑफ भूटान लिमिटेड

विदेशी गैर-बैंकिंग अनुषंगियाँ



100%

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सर्विसेस लिमिटेड, ब्राज़ील

सांविधिक रिपोर्ट एवं वित्तीय विवरण

विषय सूची

सांविधिक रिपोर्ट

निदेशकों की रिपोर्ट

आर्थिक पृष्ठभूमि और बैंकिंग परिदृश्य	38
वित्तीय प्रदर्शन	40
कोर परिचालन	42
खुदरा व्यापार और संचालन	42
व्यक्तिगत बैंकिंग	43
सर्व समय चैनल	49
ग्राहक मूल्य संवर्धन	50
लघु एवं मध्यम उद्यम	51
ग्रामीण बैंकिंग	52
वित्तीय समावेशन	53
सरकारी व्यवसाय	54
लेनदेन बैंकिंग	55
नकद प्रबंधन उत्पाद	56
कॉर्पोरेट बैंकिंग	56
कॉर्पोरेट लेखा समूह	56
राजकोष संचालन	57
अंतर्राष्ट्रीय संचालन	58
वाणिज्यिक ग्राहक समूह	64
परियोजना वित्त और संरचना कार्यनीतिक इकाई	65
दबावग्रस्त संपत्ति प्रबंधन	66
रीडिज़ाइन स्टूडियो	68
सहयोग और नियंत्रण संचालन	70
मानव संसाधन और प्रशिक्षण	70
प्रशिक्षण एवं विकास	74
डिजिटल बैंकिंग और परिवर्तन - उपभोक्ता	80
योनो	80
सूचना प्रौद्योगिकी	80
ग्राहक संबंध प्रबंधन	80
चैनल और संचालन	81
कोर और विशेष परियोजनाएँ	84
योनो विभाग और एनालिटिक्स	87

ग्राहक अनुभव संवर्धन विभाग	88
जोखिम प्रबंधन	91
आंतरिक लेखापरीक्षा और नियंत्रण	95
अनुपालन जोखिम प्रबंधन	97
परिसर	97
राजभाषा	102
विपणन एवं संप्रेषण (एम एंड सी)	104
सतर्कता	107
परिसंपत्ति देयता प्रबंधन	107
सदाचार और व्यावसायिक आचरण	109
कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व	109
एसबीआई फाउंडेशन	112
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	113
अनुषंगियाँ	115
प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण	126
उत्तरदायित्व कथन	126
आभार	126
कॉर्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट	127
सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट	158
निदेशकों के अयोग्य न होने का प्रमाणपत्र	162
कॉर्पोरेट अभिशासन पर लेखा परीक्षक का प्रमाणपत्र	163
व्यावसायिक उत्तरदायित्व और संवहनीयता रिपोर्ट	164
वित्तीय विवरण	
स्टैंडअलोन	166
समेकित	256
स्टंभ 3 प्रकटीकरण (समेकित)	319
सूचना	355
कॉर्पोरेट अभिशासन में हरित पहल	363

आर्थिक पृष्ठभूमि और बैंकिंग परिदृश्य

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य बड़े पैमाने पर निरंतर व्यवधानों के बाद 2025 में कुछ खोई हुई जमीन को पुनः प्राप्त करने के लिए तैयार दिख रहा था। हालांकि, चरम व्यापार और टैरिफ बाधाओं को लगाए जाने से ट्राजेक्टरी आशाजनक नहीं दिखता है। व्यापार संबंधी टैरिफ बाधाओं के अतिव्यापी कारकों, मुद्रा में तेजी से उतार-चढ़ाव और खंडित पूंजी/निवेश प्रवाहों के कारण वैश्विक विकास को अब महत्वपूर्ण प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

आईएमएफ वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (अप्रैल 2025) के आधार पर, वैश्विक विकास ऐतिहासिक (2000-19) औसत 3.7% से बहुत नीचे तक 2025 में 2.8% और 2026 में 3.0% - गिरने का अनुमान है। प्रारंभिक अनुमान नकारात्मक जोखिमों और अप्रत्याशित झटकों को तेज करने के लिए काफी संवेदनशील हैं, खासकर उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में।

वैश्विक हेडलाइन मुद्रास्फीति, एम्बेडेड फॉल्ट लाइनों को प्रतिबिंबित करते हुए, जनवरी में अपेक्षित गति से थोड़ी धीमी गति से घटने की उम्मीद है, जो 2025 में 4.3% और 2026 में 3.6% तक पहुंचने, जिनमें से 2025 में उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के लिए उल्लेखनीय रूप से बढ़ने और ईएमडीई के लिए मामूली रूप से घटने का अनुमान है।

प्रतिबंधात्मक व्यापार नीतियां और विखंडन केवल अल्पकालिक व्यवधान के बजाय वैश्विक व्यापार पैटर्न में दीर्घकालिक बदलाव का कारण बन सकता है। यह परिवर्तन उपभोक्ता और व्यावसायिक लागतों पर ऊपर की ओर दबाव लाएगा, जिनके वित्तीय डोमेन और बैंकिंग व्यवसायों पर चलने का अनुमान केवल वास्तविक समय के आधार पर ही लगाया जा सकता है। अंतर्निहित अनिश्चितता सुधार और विकास संभावनाओं के लिए खतरा पैदा करती है क्योंकि तेजी से बदलते नीतिगत रुख के बीच भावनाएं बिगड़ती हैं। साथ में, घटनाक्रमों का मौद्रिक नीतियों, परिसंपत्ति कीमतों, निवेश और विनिमय गतिशीलता पर एक व्यापक प्रभाव पड़ेगा, जिसमें प्रारंभिक अस्थिरता होगी।

भारत का आर्थिक परिदृश्य

असंख्य वैश्विक चुनौतियों और बहिर्जात झटकों के स्पिलओवर के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था ने अद्वितीय परिपक्वता और लचीलापन प्रदर्शित करना जारी रखा, विकास दर 6% से ऊपर रही। इसके अतिरिक्त, घरेलू विकास इंजन अर्थात् उपभोग और निवेश बाह्य प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रति सापेक्षतया कम संवेदनशील बने हुए हैं। उज्ज्वल संभावनाओं का बेहिचक नेविगेशन भारत के ज्ञान अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने में विश्वास को मजबूत करता है जहां विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण को बिना किसी बाधा के फलना-फूलना चाहिए।

वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 5.6% की 7-तिमाही की कम वृद्धि के बाद वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में भारत की जीडीपी में 6.2% की वृद्धि हुई, हालांकि आर्थिक विकास में सुधार की उम्मीद है, जो विवेकपूर्ण राजकोषीय और मौद्रिक नीति उपायों द्वारा समर्थित है। वित्त वर्ष 2025 (एनएसओ के दूसरे अग्रिम अनुमान) में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 6.5% रहने का अनुमान है, हालांकि व्यापार के मोर्चे पर टैरिफ और अन्य संबंधित बाधाओं के प्रतिकूल प्रभावों के कारण कुछ नरमी देखी जा सकती है।

सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर का मजबूत अनुमान मुख्यतः पूंजीगत व्यय पर भारत सरकार के जोर के साथ-साथ एक लचीला और तेजी से प्रकट होने वाले घरेलू उपभोग और निवेश परिदृश्य से जुड़ा हुआ है। यह रणनीति निजी निवेश में बढ़ोतरी की दिशा में महत्वपूर्ण रही है, जबकि कई राज्य भौतिक, सामाजिक और डिजिटल क्षेत्रों में विश्व स्तर के बुनियादी ढांचे के निर्माण की दिशा में सहयोग कर रहे हैं। इंडिया इंक की अतिरिक्त क्षमताएं, कृषि और एमएसएमई के दोहरे कारकों में रणनीतिक नीतिगत उपाय और सेवा क्षेत्र के अंतर्निहित लचीलेपन की योजनाएं आकांक्षाओं को मजबूत करती हैं। व्यापार की शर्तों पर बातचीत, और एफटीए (मुक्त व्यापार समझौते) जैसी रणनीतियों ने निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ा दिया है। अप्रतिभूत आस्तियों से प्रणालीगत बदलाव के कारण कुछ नरमी के बावजूद ऋण वृद्धि

दोहरे अंकों में बनी हुई है। आगे बढ़ते हुए, मजबूत कॉर्पोरेट और बैंक बैलेंस शीट अर्थव्यवस्था को वैश्विक उथल-पुथल के खतरों और अस्थिरता के आवधिक मुकाबलों से बचाने का प्रयास करेगी। मजबूत खपत और वृद्धिशील निवेश से विकसित भारत की ओर बढ़ने के लिए काफी सहारा मिलना चाहिए।

भारत की खुदरा मुद्रास्फीति में काफी कमी के संकेत दिखाई दे रहे हैं, हालांकि मौसम संबंधी उथल-पुथल सहित आपूर्ति पक्ष में व्यवधान समय-समय पर गणना को हिला सकते हैं। आगे बढ़ते हुए, सीपीआई मुद्रास्फीति 4% (4.2% से 4.4% की सीमा में कोर मुद्रास्फीति) से नीचे आ सकती है, जिससे मजबूत विकास को सहारा देने के लिए मौद्रिक नीति को आसान बनाने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। निकट भविष्य में कच्चे तेल की कीमतें कम रहने की उम्मीद है। बाहरी मोर्चे पर मैक्रोज एक आरामदायक बैडविड्थ के भीतर रहना चाहिए। ब्याज दरों में कटौती का लाभ जमा और ऋण दोनों पर पहुंचने से बैंकों को एनआईएम पर दबाव देखने को मिलेगा। हालांकि, जनता के तेजी से वित्तीयकरण और अर्थव्यवस्था के औपचारिकरण के बीच उभरते अवसरों से इसकी आंशिक रूप से भरपाई हो जाएगी।

बैंकिंग व्यवसाय

भारतीय वाणिज्यिक बैंकिंग क्षेत्र ने 2023-24 और वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही के दौरान निरंतर ताकत का प्रदर्शन किया। हालांकि, वैश्विक अनिश्चितता की वजह से कमजोर आर्थिक गतिविधियों के कारण दूसरी छमाही में ऋण वृद्धि सुस्त रही। 2024-25 के दौरान, प्रतिकूल आधार प्रभाव के कारण, एससीबी की क्रेडिट वृद्धि (वर्षानुवर्ष) पिछले वर्ष की 20.2% की वृद्धि की तुलना में 11.0% तक कम हो गई, जिसने सकारात्मक गति को ऑफसेट किया।



6.2%

भारत की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि तीसरी तिमाही वित्त वर्ष 2025

मुद्रा आपूर्ति (एम3) में 9.6% (पिछले वर्ष: 11.1%) की धीमी वृद्धि के कारण, सकल जमा वृद्धि एक वर्ष पहले के 13.5% से घटकर 2024-25 में 10.3% हो गई। सावधि जमा राशियों में वृद्धि, बचत जमा राशियों की वृद्धि से अधिक रही। नतीजतन, कुल जमाओं में सावधि जमा का हिस्सा बढ़ गया और कासा घटकर 40% से नीचे आ गया। एससीबी का वृद्धिशील क्रेडिट-डिपॉजिट (सीडी) अनुपात 21 मार्च 2025 तक बढ़कर 86.06% हो गया।

बैंकों की लाभप्रदता में वृद्धि जारी रही और जोखिम भारित आस्तियों के अनुपात (सीआरएआर) के लिए सिस्टम-स्तरीय पूंजी 16.4% रही, जो नियामक न्यूनतम स्तर से ऊपर है। सकल एनपीए अनुपात भी दिसंबर 2024 में घटकर 14 वर्ष के निचले स्तर 2.4% पर आ गया, जिसमें सभी प्रमुख क्षेत्रों में आस्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ।

आरबीआई ने खुले बाजार परिचालन (ओएमओ), दैनिक परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी और डॉलर/रुपये की खरीद-बिक्री स्वेप सहित हस्तक्षेपों का एक रणनीतिक मिश्रण अपनाया। इन सक्रिय उपायों ने अप्रत्याशित वैश्विक वातावरण में वित्तीय लचीलापन सुनिश्चित करते हुए बाजार की तरलता स्थितियों को स्थिर करने में मदद की है। फरवरी 2025 से पॉलिसी रेपो दर में 50-बीपीएस की कटौती के जवाब में, बैंकों ने अपने रेपो-लिवड ईबीएलआर को समान परिमाण से कम कर दिया है, जबकि एमसीएलआर, जिसकी लंबी रीसेट अवधि है और फंड की लागत के लिए संदर्भित है, कुछ अंतराल के साथ समायोजित हो सकता है। आने वाली तिमाहियों में जमा दरों में बदलाव की उम्मीद है।

दृष्टिकोण

घरेलू अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2025 में काफी लचीलापन दिखाया है। भावी परिदृश्य ग्रामीण क्षेत्रों से सतत मांग, शहरी खपत में प्रत्याशित बढ़ोतरी और स्थायी पूंजी निर्माण में अपेक्षित सुधार, जो सरकार द्वारा वर्धित पूंजीगत व्यय और सामान्य मानसून से समर्थित है। माल के निर्यात के वैश्विक झटकों के बावजूद सेवा निर्यात में उछाल जारी रहेगा।

विव.2026 में मैक्रोज अपेक्षित दिशा में आगे बढ़ने की उम्मीद है। मुद्रास्फीति विव.2026 के लिए आरबीआई की रेंज के भीतर रहने की उम्मीद है, जिसमें आपूर्ति पक्ष के कारकों का प्रभाव है। नीतिगत मोर्चे पर, राजकोषीय और मौद्रिक नीति प्रतिक्रियाओं दोनों का काफी हद तक अनुमान लगाया जाता है। राजकोषीय समेकन विश्वसनीय बना हुआ है। आरबीआई की नीतिगत कार्रवाइयां फरवरी और अप्रैल 2025 में आरबीआई की कटौती दरों के साथ अपेक्षित दिशा में हैं। आशा है कि वैश्विक अनिश्चितता के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए उभरती स्थिति के आधार पर नीतिगत दरों में बाद में कटौतियां संभव होंगी।

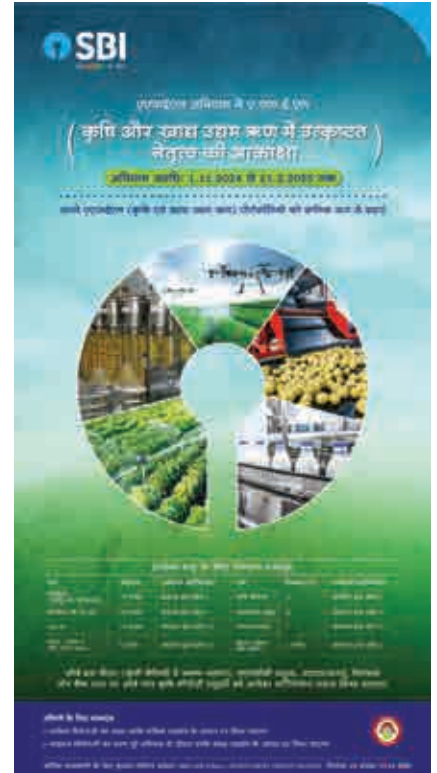
इस पृष्ठभूमि में, आपके बैंक के कार्यानिष्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में सुधार हुआ है। विव 2024 से गति विव 2025 में बनी हुई है, जिसमें बैंक 1 लाख करोड़ के परिचालन लाभ स्तर को पार कर गया है। विवेकपूर्ण जोखिम प्रबंधन, स्वस्थ आंतरिक उपार्जन आपके बैंक को चालू वित्तीय वर्ष में नियमित और उभरते अवसरों का दोहन करने के लिए संतोषप्रद स्थिति में रखते हैं। क्रेडिट की निरंतर मांग और हमारे पर्याप्त सीडी अनुपात के साथ, हम जमा और अग्रिम दोनों में दोहरे अंकों में बढ़ने की उम्मीद करते हैं, जिसमें जमा की तुलना में अग्रिम तेजी से बढ़ रहा है।



₹1 लाख करोड़

आपके बैंक ने विव 2025 में
परिचालन लाभ अर्जित किया

मजबूत बुनियादी घटक, विवेकपूर्ण जोखिम
प्रथाएं और आंतरिक उपचय, उभरते अवसरों
के लिए आपके बैंक की तैयारी सुनिश्चित
करते हैं।



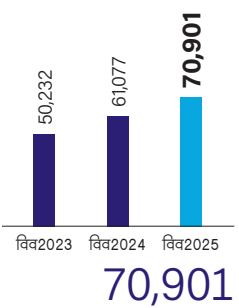
वित्तीय निष्पादन

निवल लाभ तथा परिचालनों से लाभ

निवल लाभ वित्त वर्ष 2024 की ₹61,077 की तुलना में वित्त वर्ष 2025 में 16.08% बढ़कर ₹70,901 हो गया वित्त वर्ष 2025 के लिए आपके बैंक का परिचालन लाभ वित्त वर्ष 2024 में ₹93,797 करोड़ से 17.89% बढ़कर ₹1,10,579 करोड़ हो गया (वित्त वर्ष 2024 में ₹7,100 करोड़ और वित्त वर्ष 2025 में शून्य के असाधारण आइटम को छोड़कर).

निवल लाभ (₹ करोड़ में)

↑ 16.08%

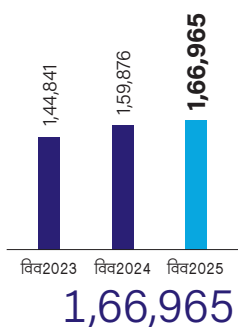


निवल ब्याज आय

निवल ब्याज आय विव2024 में ₹1,59,876 करोड़ से विव2025 में 4.43% बढ़कर ₹1,66,965 करोड़ हो गई. कुल ब्याज आय विव2024 में ₹4,15,131 करोड़ से बढ़कर विव2025 में ₹4,62,489 करोड़ हो गई, जिसमें 11.41% की वृद्धि दर्ज की गई। कुल ब्याज खर्च विव2024 में ₹2,55,255 करोड़ से 15.78% बढ़कर विव2025 में ₹2,95,524 करोड़ हो गया. जमा पर ब्याज खर्च विव2024 में ₹2,21,460 करोड़ से 16.15% बढ़कर विव2025 में ₹2,57,228 करोड़ हो गया.

निवल ब्याज आय (₹ करोड़ में)

↑ 4.43%



अन्य आय

अन्य आय विव2024 में ₹51,682 करोड़ से विव2025 में 19.35% बढ़कर ₹61,683 करोड़ हो गई.

परिचालन व्यय

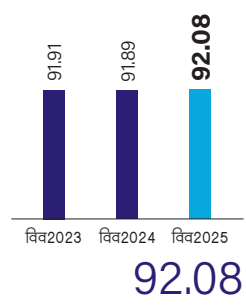
बैंक का परिचालन व्यय (असाधारण मदों को छोड़कर) विव2024 में ₹1,17,761 करोड़ से विव2025 में 0.26% बढ़कर ₹1,18,069 करोड़ हो गया।

प्रावधान एवं आकस्मिकताएं

कुल प्रावधान और आकस्मिकता विव2024 में ₹25,621 करोड़ से 54.87% बढ़कर विव2025 में ₹39,679 करोड़ हो गई. विव2025 में किए गए प्रमुख प्रावधान: अनर्जक आस्तियों के लिए ₹14,418 करोड़ का प्रावधान (विव2024 में ₹9,518 करोड़ के मुकाबले) और निवेश मूल्यहास प्रावधान ₹514 करोड़ (विव2024 में ₹593 करोड़ के राइट बैक और ₹303 करोड़ की मानक आस्ति (विव2024 में ₹1,341 करोड़ के राइट बैक की तुलना में) वर्ष के दौरान बनाए गए थे. 31 मार्च, 2025 को बैंक के सकल अनर्जक आस्ति अनुपात (एयूसीए सहित) का प्रावधान 92.08% (पिछले वर्ष 91.89%) है।

प्रावधान कवरेज अनुपात (ऑफ़ा को शामिल करते हुए) (%)

↑ 19 बीपीएस

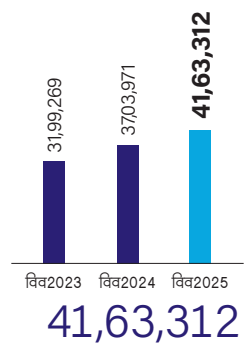


आस्ति एवं देयता

आपके बैंक की कुल आस्ति मार्च 2024 के अंत में ₹61,79,694 करोड़ से मार्च 2025 के अंत तक 8.03% बढ़कर ₹66,76,053 करोड़ हो गई है। निवल ऋण पोर्टफोलियो मार्च 2025 के अंत में 12.40% बढ़कर ₹41,63,312 करोड़ हो गया, जो मार्च 2024 के अंत में ₹37,03,971 करोड़ था. इस अवधि के दौरान, निवेश 16,71,340 करोड़ रुपये से 1.15% बढ़कर 16,90,573 करोड़ हो गया। घरेलू बाजार में निवेश का बड़ा हिस्सा सरकारी प्रतिभूतियों में था.

ऋण पोर्टफोलियो (निवल) (₹ करोड़ में)

↑ 12.40%



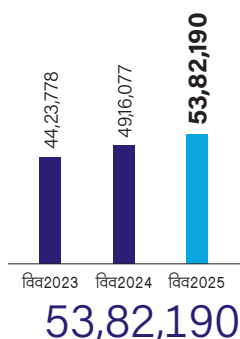
आपके बैंक की कुल देयता (पूंजी और आरक्षित निधियों को छोड़कर) 31 मार्च 2024 के ₹58,02,447 करोड़ से 7.45% बढ़कर 31 मार्च, 2025 को ₹62,34,891 करोड़ हो गई। जमा राशियाँ 31 मार्च 2024 के

₹49,16,077 करोड़ की तुलना में 9.48% बढ़कर मार्च 31, 2025 तक ₹53,82,190 करोड़ हो गई। उधारियाँ मार्च 2025 के अंत में 5.69% घटकर ₹5,63,573 करोड़ हो गई, जो मार्च 2024 के अंत में ₹5,97,561 करोड़ थी।

जमाराशियाँ

(₹ करोड़ में)

↑ 9.48%



आरक्षित निधियां और अधिशेष

₹21,270 करोड़ की राशि (विव2024 में ₹18,323 करोड़ के मुकाबले) को वैधानिक आरक्षित निधियों में स्थानांतरित कर दिया गया था। ₹2,172 करोड़ की राशि (विव2024 में ₹326 करोड़ के मुकाबले) कैपिटल रिजर्व में स्थानांतरित की गई थी। विव2025 में इन्वेस्टमेंट फ्लक्चुएशन रिजर्व में कोई ट्रांसफर नहीं (विव2024 में ₹749 करोड़ की ड्रॉडाउन की तुलना में)। विव2025 में इन्वेस्टमेंट रिजर्व में कोई ट्रांसफर नहीं (विव2024 में ₹3,143 करोड़ की तुलना में) क्योंकि प्रावधान अब लागू नहीं हैं।

लाभांश

आपके बैंक ने मार्च 31, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए ₹15.90 प्रति शेयर जो 1590% है, का लाभांश घोषित किया है।



1,590%

₹1/शेयर के अंकित मूल्य पर लाभांश

आईएनडी एस के कार्यान्वयन में प्रगति

आरबीआई ने दिनांक 22/03/2019 के परिपत्र क्र. डीबीआर/बीपी/बीसी/29/21.07.001/2018-19 के तहत आईएनडी एस के कार्यान्वयन को अगली सूचना तक स्थगित कर दिया। हालांकि, आरबीआई

को हर छमाही में सभी स्टेटमेंट की आवश्यकता होती है। तदनुसार, आपका बैंक में आईएनडी एस के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए गठित एमडी (आर, सी और एसएआरजी) की अध्यक्षता की संचालन समिति की मंजूरी प्राप्त करने के बाद हर छमाही में आरबीआई प्रोफार्मा आईएनडी एस वित्तीय विवरण तैयार और प्रस्तुत कर रहा है।

SBI
हर पासाई का बैंक

अजेय महिलाओं के लिए, बेजोड़ व्यावसायिक सहायता
अब डिजिटल आवेदन की सुविधा के साथ, पाएं बिना कोलेट्रल ऋण

महिला उद्यमियों के लिए उपलब्ध **SBI ASMITA** के साथ
आसानी से अपना व्यवसाय बढ़ाएं

- ऋण राशि 10,00,001 से शुरू, अधिकतम सीमा 5,00,00,000
- सीजीटीएमएसई योजना के तहत बिना कोलेट्रल ऋण
- एसबीआई पूरे भारत में शीर्ष महिला उद्यमियों की पहचान करेगा और उन्हें उद्यमशीलता और प्रबंधन प्रशिक्षण प्रदान करेगा
- डिजिटल रूप से आवेदन करने के लिए <http://sbiloansin59minutes.com> पर जाएं या क्यूआर कोड स्कैन करें

"नियम 8 इतने लागू तथा जग स्वोच्छति का अंतिम निर्णय बैंक के विवेकानुसार होगा।"

एकबीआई अतिथि के बारे में अधिक जानकारी के लिए sbi@sbilife.com पर जाएं या 1800 1234 567 कॉल करें

हमें वहाँ जॉइने करें

कोर परिचालन

खुदरा व्यापार और परिचालन

रिटेल बैंकिंग आपके बैंक का सबसे बड़ा खंड है, जिसकी शाखाओं में 99.48% और कार्यबल में 95.01% हिस्सेदारी है। पांच प्रमुख कार्यक्षेत्रों के माध्यम से परिचालन (व्यक्तिगत बैंकिंग और रियल एस्टेट; एजी और एसएमई; ऑप्स-सीएम; लेनदेन बैंकिंग और नई पहल; मुख्य परिचालन अधिकारी), यह कुल जमाराशियों का 87.68% और ऋण और अग्रिम का 55.32% प्रबंधन करता है, जो 17 मंडलों में एक विशाल 22,937-शाखा नेटवर्क द्वारा समर्थित है।

व्यापक वित्तीय समाधान के माध्यम से

ग्राहकों को सुविधाएं

- होम, एजुकेशन और ऑटो लोन में **मार्केट लीडर**
- **एसएमई के लिए उत्प्रेरक**, विस्तार, तकनीक अपनाने और निर्यात का समर्थन करना
- **कृषि के लिए प्रतिबद्ध**, अनुरूप वित्तपोषण समाधान प्रदान करना
- **सरकार समर्थित कार्यक्रमों के माध्यम से** वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना

निरंतर बदलती ग्राहकों की विशिष्ट पसंद तथा डिजिटल नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, आपका बैंक हितों की रक्षा के लिए जोखिम प्रबंधन और साइबर सुरक्षा को बढ़ाते हुए अपने ग्राहक आधार का विस्तार करना जारी रखे हुए है।



क. वैयक्तिक बैंकिंग

होम लोन

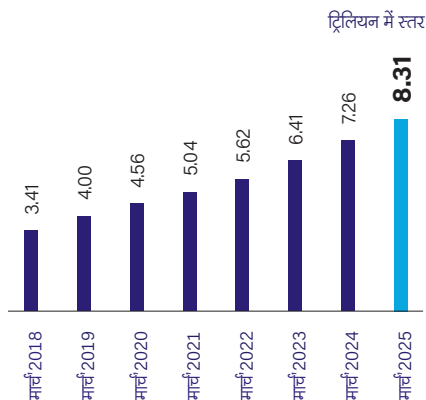
आवास बाजार में पीएमएवाई 2.0 जैसी पहलों द्वारा संचालित शीर्ष और टियर- II/III शहरों में मजबूत वृद्धि देखी गई। आपके बैंक के कार्यनीतिक प्रयासों ने इसके रियल एस्टेट एयूएम को ₹8.31 ट्रिलियन (मार्च 2025 तक) तक पहुंचा दिया है, जो 14.46% वार्षिक वृद्धि को चिह्नित करता है।

उपलब्धियां

- होम लोन पोर्टफोलियो 1 ट्रिलियन (मार्च 2011) से बढ़कर ₹8.31 ट्रिलियन (मार्च 2025) हो गया
- होम लोन कुल घरेलू अग्रिमों का 23.07% और एनबीजी अग्रिमों का 35.19% है
- ₹2.28 ट्रिलियन होम और संबंधित ऋणों का संवितरित (विव.2025)

आपका बैंक आवास वित्त में मार्केट लीडर बना हुआ है, जो घर खरीदने वालों को पहुंच और सामर्थ्य प्रदान करता है।

वर्षों के दौरान विकास यात्रा (होम लोन स्तर)



बाजार हिस्सेदारी

आपका बैंक एससीबी (फरवरी'25) के बीच लगभग 27.31% की बाजार हिस्सेदारी हासिल करते हुए विकास वक्र को लगातार आगे बढ़ा रहा है। पूरे उद्योग स्तर पर एसबीआई का होम लोन मार्केट शेयर दिसंबर'2024 तक 20.30% है।

पीएसएल पोर्टफोलियो

आपके बैंक का प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) पोर्टफोलियो इसके कुल आवास ऋण पोर्टफोलियो का 25.95% है।

आस्ति गुणवत्ता

आपके बैंक की निरंतर सक्रिय निगरानी और अनुवर्ती कार्रवाई, ग्राहकों को सॉफ्ट रीच-आउट कॉल के परिणामस्वरूप मार्च'2025 तक होम लोन में निवल एनपीए को 0.72% तक सीमित कर दिया गया।

पहल

आपके बैंक ने अनुकूलित और टिकाऊ होम लोन समाधान विकसित करना जारी रखा है, जिससे होम लोन के लिए ग्राहकों की नंबर 1 पसंद के रूप में अपनी स्थिति मजबूत होती है।

मैसगैन हाइब्रिड होम लोन

- टर्म लोन (न्यूनतम 60%) और ओवरड्राफ्ट (अधिकतम 40%) के मिश्रण की पेशकश करके एचएनआई ग्राहकों के लिए डिजाइन की गई एक नई ऋण सुविधा।
- यह सुविधा तैयार प्रॉपर्टियों के लिए है और यह निर्माणाधीन संपत्तियों के लिए उपलब्ध नहीं होगी।

कॉम्बो होम लोन

- एक अद्वितीय ऋण उत्पाद जो एक ही मंजूरी के तहत भूमि खरीद और घर निर्माण दोनों का वित्तपोषण करता है
- ऋण राशि 20 लाख से 50 करोड़ तक हो सकती है
- एलटीवी नियमित होम लोन के समान है, जिसमें भूखंडों के लिए 25% मार्जिन और निर्माण के लिए 15% मार्जिन है
- ब्याज दरें मानक होम लोन दरों के साथ संरेखित हैं
- प्लॉट घटक के लिए ऋण कुल ऋण सीमा के 60% तक सीमित है

आश्रय होम लोन

- ईडब्ल्यूएस/एलआईजी/एमआईजी श्रेणियों के अंतर्गत व्यक्तियों के लिए डिजाइन किया गया
- इन उधारकर्ताओं पर लक्षित:

- स्थिर आय लेकिन न्यूनतम या कोई दस्तावेज आय प्रमाण नहीं
- डिजिटल फुटप्रिंट जिससे बैंकिंग और आर्थिक गतिविधियां का पता लगे
- अधिकतम लोन राशि: ₹35 लाख
- संपूर्ण ऋण पोर्टफोलियो प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण (पीएसएल) मानदंडों के तहत योग्य है

इन पेशकशों के साथ, आपका बैंक घर खरीदारों के लिए सामर्थ्य और सुविधा को बढ़ाना जारी रख रहा है।

ऋण प्रक्रिया का डिजिटलीकरण

आपके बैंक ने निम्नलिखित के माध्यम से एक समान अडरसाइटिंग मानकों, निर्बाध ऋण संवितरण और एंड-टू-एंड डिजिटलीकरण सुनिश्चित करने के लिए खुदरा ऋण प्रबंधन समाधान (आरएलएमएस) और विक्रेता सत्यापन मॉड्यूल (वीवीएम) पेश किया है:

- **योनो और आरएएस:** आंतरिक डिजिटल प्लेटफॉर्म को लीड जनरेशन और मार्केट विस्तार के लिए सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया गया। आरएएस अब आपके बैंक की वेबसाइट 'bank.sbi' पर उपलब्ध है, जिससे सीधे ऑनलाइन होम लोन आवेदन किया जा सकता है।
- **ई-स्टाम्पिंग और डिजिटल दस्तावेज़ निष्पादन:** होम लोन ग्राहकों के लिए दस्तावेज़ीकरण को सरल बनाता है, सुविधा बढ़ाता है
- **इंस्टा होम टॉप-अप लोन:** पूर्व-चयनित ग्राहकों के लिए योनो पर उपलब्ध पूरी तरह से डिजिटल, एंड-टू-एंड उत्पाद

बिल्डर टाई-अप

आपका बैंक बिल्डर टाई-अप (बीटीयू) पहल के तहत सक्रिय रूप से ऑनबोर्डिंग परियोजनाओं द्वारा होम लोन पोर्टफोलियो विस्तार और गुणवत्ता सोर्सिंग को चलाना जारी रखता है। यह दृष्टिकोण टर्नअराउंड समय (टीएटी) और ग्राहक अनुभव को काफी बढ़ाता है।

- **बीटीयू ढांचे के तहत 18,537 रेरा-अनुमोदित आवासीय परियोजनाओं** को मंजूरी दी गई है, जो घर खरीदारों के लिए तेजी से प्रसंस्करण और निर्बाध वित्तपोषण सुनिश्चित करती है।

रणनीतिक साझेदारी का लाभ उठाकर, आपका बैंक घर के खरीदारों और डेवलपर्स के लिए समान रूप से पसंदीदा ऋणदाता के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करता है।

ऑटो लोन

ऑटो उद्योग चालू वर्ष में बिक्री में मंदी का सामना कर रहा है, फरवरी 2025 में सबसे कम बिक्री दर्ज की गई है। एसयूवी का दबदबा है, जिसमें भारत की पीवी बिक्री का 55% से अधिक हिस्सा है। एक मार्केट लीडर के रूप में, आपके बैंक ने डीलरशिप उपस्थिति को मजबूत किया, तत्काल ऋण स्वीकृति के लिए ओईएम के साथ भागीदारी की और ईटीबी ग्राहकों के लिए पूर्व-अनुमोदित कार ऋण और डिजिटल दस्तावेज निष्पादन पेश किया।

पर्यावरण की संवहनीयता को बढ़ावा देने और पर्यावरण की रक्षा करने के लिए, आपका बैंक इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए रियायती दरों पर विस्तारित ऋण अवधि के साथ 'ग्रीन कार लोन' प्रदान करता है। इन पहलों ने 31.03.2025 तक ऑटो लोन की वृद्धि को ₹10,557 करोड़ (9.06% YoY) तक बढ़ा दिया, जिसमें 31.03.2025 तक ₹ 50,556 करोड़ के संवितरण और 0.38% पर निहित एनपीए थे, सक्रिय निगरानी और फॉलो-अप के माध्यम से। इन सभी नई पहलों और समर्थकों के साथ, आपका बैंक चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में 5.75 लाख से अधिक नए ग्राहकों को उनके सपनों का वाहन खरीदने में सहायता करके उनके चेहरे पर मुस्कान ला सका।

शिक्षा ऋण

आपका बैंक भारत में सबसे बड़ा शिक्षा ऋण प्रदाता बना हुआ है, जिसकी फरवरी 2025 तक एससीबी के बीच ऋण पोर्टफोलियो में 32.21% बाजार हिस्सेदारी है। वर्ष के दौरान, बैंक ने 1,29,222 छात्रों को कुल ₹ 14,722 करोड़ की वित्तीय सहायता के साथ सशक्त बनाया - जिसमें से 40.40% छात्रों को दिया गया था।

पहुंच, गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि बढ़ाने के लिए, आपके बैंक ने कई पहल की हैं:

- **पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना:** पहचान किए गए गुणवत्ता वाले उच्च शिक्षा संस्थानों (क्यूएचआई) में भर्ती छात्रों के लिए संपार्श्विक-मुक्त, गारंटी-मुक्त ऋण सक्षम बनाती है
- **वैश्विक एड-वाटेज योजना:** आसान शर्तों के साथ अनुकूलित ऋण के माध्यम से प्रमुख



विदेशी विश्वविद्यालयों में शिक्षा संपार्श्विक-मुक्त, गारंटी-मुक्त ऋण सक्षम बनाती है

- **स्कॉलर ऋण योजना:** आसान मानदंडों और रियायती ब्याज दरों के साथ शीर्ष रेटेड संस्थानों में शिक्षा के लिए ऋण
- **डिजिटल दस्तावेज निष्पादन:** उधारकर्ता की सुविधा में सुधार और प्रसंस्करण को कारगर बनाने के लिए स्कॉलर ऋण के लिए शुरू किया गया

इन केंद्रित प्रयासों के माध्यम से, आपका बैंक भारत के युवाओं की आकांक्षाओं का समर्थन करना जारी रखे हुए है और शिक्षा वित्त क्षेत्र में अपने नेतृत्व को सुदृढ़ करता है।

व्यक्तिगत ऋण (eXC)

आपका बैंक व्यक्तिगत ऋण बाजार का नेतृत्व करता है, जो सरकारी और निजी वेतनभोगी दोनों ग्राहकों को पूरा करता है। 31.03.2025 तक, पोर्टफोलियो ₹ 3,50,138 करोड़ है, जिसमें विव.2025 में ₹ 1.51 लाख करोड़ से अधिक ऋण 22 लाख से अधिक ग्राहकों को वितरित किया गया है।

पेशकश को बढ़ाने के लिए, हमने अधिकतम अवधि को 84 महीने तक बढ़ा दिया है और प्री-अप्रूव्ड पर्सनल लोन के लिए कॉन्टैक्ट सेंटर-आधारित प्रक्रिया शुरू की

है, जो गैर-योनो/आईएनबी उपयोगकर्ताओं के लिए आईवीआर के माध्यम से पहुंच को सक्षम बनाता है।



25 राज्य

31.03.2025 तक डिजिटल दस्तावेज निष्पादन के माध्यम से रियल टाइम ऋण दस्तावेज प्रसंस्करण (ई-स्टांपिंग और ई-सिग्नेचर)

6,36,331

व्यक्तिगत ऋण दस्तावेजों को डीडीई के माध्यम से 31.03.2025 तक निष्पादित किया गया है

पेंशन ऋण

आपका बैंक पेंशन ऋण योजना के तहत पेंशनभोगियों को सेवा प्रदान करना जारी रखे हुए है, जिसका पोर्टफोलियो 31.03.2025 तक ₹60,713 करोड़ तक पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2025 में, 7.32 लाख से अधिक ग्राहकों (31.03.2025 तक) को 31,886 करोड़ रुपये से अधिक की मंजूरी दी गई है।

ग्राहकों की संतुष्टि बढ़ाने के लिए, आपके बैंक ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

- अधिकतम ऋण राशि ₹20 लाख तक बढ़ाई गई
- प्रीपेड राशि पर प्रीपेमेंट पेनल्टी को घटाकर 2% करना
- पूर्व-स्वीकृत पेंशन लोन (पीएपीएनएल) डिजिटल रूप से योनो ऐप, इंटरनेट बैंकिंग या संपर्क केंद्र के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है

पर्सनल गोल्ड लोन

आपके बैंक के गोल्ड लोन पोर्टफोलियो ने 53.05% की साल-दर-साल मजबूत वृद्धि दर्ज की, जो 31.03.2025 तक 50,011 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, और 19.54 लाख ग्राहकों को व्यक्तिगत और वित्तीय जरूरतों के लिए अपने निष्क्रिय सोने के मूल्य को अनलॉक करने के लिए सशक्त बनाया। इसके अतिरिक्त, मौजूदा उधारकर्ताओं के लिए एक टॉप-अप गोल्ड लोन उपलब्ध है, जिन्हें अपने गिरवी रखे गए सोने के गहनों के खिलाफ और क्रेडिट की आवश्यकता होती है।

3 से 36 महीने तक की लचीली ऋण अवधि के साथ, बैंक विभिन्न ग्राहक आवश्यकताओं को पूरा करना जारी रखता है। सक्रिय निगरानी और फॉलो-अप ने पर्सनल गोल्ड लोन सेगमेंट में एनपीए को 82 करोड़ रुपये तक सीमित करने में मदद की, जो पोर्टफोलियो का सिर्फ 0.16% है - पिछले पांच वर्षों में सबसे निचला स्तर।

डिजिटल ऋण

ग्राहक सुविधा सुनिश्चित करते हुए उच्च मार्जिन के साथ पोर्टफोलियो वृद्धि को चलाने के लिए, आपका बैंक योनो, आईएनबी और संपर्क केंद्र के माध्यम से डिजिटल ऋण वेरिफाई प्रदान करता है:

- रियल-टाइम एक्सप्रेस क्रेडिट ऋण
- पूर्व-स्वीकृत ऋण: पीएपीएनएल (गैर-सीएसपी)
- आरटीपीएल (रियल टाइम पर्सनल लोन)
- पीएपीएनएल (पूर्व-स्वीकृत पेंशन ऋण)

- एमएफ इकाइयों पर e2e डिजिटल ऋण, एसबीआई एमएफ से परे 16+ एमसी को कवर करता है (जून 2024 में स्थापना के बाद से ग्राहकों को ₹315 करोड़ संवितरित किए गए हैं)

ग्राहक रियल टाइम में, डिजिटल रूप से, भौतिक दस्तावेज या शाखा के दौरे के बिना ऋण का लाभ उठा सकते हैं।

- वित्त वर्ष 2025 में 4,05,689 डिजिटल ऋण स्वीकृत, कुल ₹13,023 करोड़
- 567676 को 'पीएपीएलअकाउंट के अंतिम 4 अंक' भेजकर लोन पात्रता चेक की जा सकती है।

कीमती धातु

(1) स्वर्ण मुद्राकरण योजना (जीएमएस)

आरबीआई द्वारा स्वर्ण मुद्राकरण योजना के मध्यम और दीर्घकालिक सरकारी जमा घटकों को बंद करने के बाद

(GMS) 26 मार्च, 2025 से, आपका बैंक अब GMS के तहत शॉर्ट-टर्म बैंक डिपॉजिट (STBD) श्रेणी के तहत विशेष रूप से गोल्ड डिपॉजिट स्वीकार करता है। विव.2025 के दौरान, आपके बैंक ने रिबैम्पड गोल्ड डिपॉजिट स्कीम के तहत 9,263 किलोग्राम सोना जुटाया।

(2) मेटल गोल्ड लोन (एमजीएल)

आपका बैंक घरेलू और निर्यात बाजारों के लिए सोने के गहने बनाने में लगे जौहरियों को मेटल गोल्ड लोन प्रदान करता है। विव.2025 में, आपके बैंक ने 11,945 किलोग्राम की राशि का मेटल गोल्ड लोन प्रदान किया।

(3) सोने की बिक्री (एसओजी)

आपका बैंक ज्वैलर्स और बुलियन डीलरों को गोल्ड (थोक) योजना की बिक्री की पेशकश कर रहा है। विव.2025 के दौरान, आपके बैंक ने योजना के तहत 2,964 किलोग्राम सोना बेचा।





प्रमुख पहल और ग्राहक मूल्य संवर्धन

बेस्ट बैंक - कार लोन की खुदरा वित्त श्रेणी

एसबीआई को फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन, इंडिया (FADA) द्वारा घोषित किया गया

भारत में स्थित विभिन्न पाठ्यक्रमों अर्थात मेडिकल और नॉनमेडिकल के लिए अधिकतम ऋण सीमा 50 लाख से बढ़ाकर ₹ 1 करोड़ कर दी गई है।

कौशल ऋण के तहत अधिकतम ऋण सीमा ₹ 1.50 लाख से बढ़ाकर ₹ 7.50 लाख

ग्रीन कार लोन योजना में हाइब्रिड करें शामिल हैं (आरओआई में 25 बीपीएस रियायत, 8 साल की अवधि)

उत्पाद/सेवाओं में डिजिटल प्रसार बढ़ाना

मिलेनियल, नियो-मिलेनियल और जेन जेड ग्राहकों के बीच एसबीआई की धारणा को बदलने के लिए

विदेशी शिक्षा के लिए ग्लोबल एड-वेंटेज के तहत ऋण सीमा ₹ 1.50 करोड़ से बढ़ाकर ₹ 3 करोड़ की गई

पेंशन लोन के तहत अधिकतम लोन सीमा 14 लाख से बढ़ाकर 20 लाख

अपुन बहन योजना: कार ऋण और दोपहिया ऋण विशेष रूप से असम राज्य सरकार के स्थायी कर्मचारियों के लिए (₹ 15 लाख तक, 90% ऑन-रोड फाइनेंस)

इन-हाउस लोन प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर आरएलएमएस पर उपलब्ध एसबीआई उत्पाद

ग्लोबल एड-वेंटेज योजना के तहत शीर्ष 100 संस्थानों के लिए ₹ 50 लाख तक के संपार्श्विक-मुक्त शिक्षा ऋण की शुरुआत की गई

शिक्षा ऋण की युक्तिसंगत ब्याज दर मौजूदा बाजार प्रतिस्पर्धियों के बराबर है

एसबीआई सूर्या घर: सोलर रूफटॉप योजना लोन आपका बैंक पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत एक अग्रणी ऋणदाता है, जिसके पास व्यक्तिगत घरों के लिए सोलर रूफटॉप इंस्टॉलेशन के वित्तपोषण में 41.43% बाजार हिस्सेदारी है. 31 मार्च, 2025 तक, आपके बैंक ने देश के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप ₹ 1,516 करोड़ के पोर्टफोलियो का निर्माण करते हुए 94,509 ग्राहकों को वित्तपोषित किया है। पहुंच और ग्राहक सुविधा बढ़ाने के लिए, बैंक ने सह-आवेदक सुविधाएं, डिजिटल दस्तावेज निष्पादन शुरू किया है, और रियल टाइम आवेदन ट्रैकिंग के लिए जन समर्थ पोर्टल के साथ ऋण आवेदन प्रक्रिया को एकीकृत किया है

डिजिटल दस्तावेज निष्पादन (DDE) सक्षम करना

स्कॉलर लोन के लिए उधारकर्ता सुविधा बढ़ाने के साथ-साथ शाखा चैनलों के माध्यम से ईटीबी ग्राहकों को ऑटो लोन के लिए और व्यक्तिगत ऋण ग्राहकों के लिए योनो/आरएलएमएस/शाखा चैनल के माध्यम से मेसर्स एनईएसएल की हस्ताक्षर और ई-स्टाम्प सेवाओं का उपयोग करके जो 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सक्रिय हैं,



देयता और निवेश उत्पाद

आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2025 में कई ग्राहक-केंद्रित पहल शुरू कीं, जो समावेशिता, सुविधा और वित्तीय सशक्तिकरण पर केंद्रित हैं:

- **हर घर लखपति आवर्ती जमा योजना:** यह अनुकूलित उत्पाद जो ग्राहकों को निश्चित मासिक किश्तों के माध्यम से बचत करके लखपति बनने में सक्षम बनाता है
- **एसबीआई पेटर्नस योजना: सुपर वरिष्ठ नागरिकों** के सम्मान में शुरू की गई, जो उन्हें नियमित वरिष्ठ नागरिक दरों पर अतिरिक्त **10 bps ब्याज** की पेशकश करती है, जो बैंक के साथ उनके दीर्घकालिक संबंधों को मान्यता देती है

डोरस्टेप बैंकिंग

आपके बैंक ने 9,159 शाखाओं में एजेंटों के माध्यम से अपनी डोरस्टेप बैंकिंग सेवाओं का विस्तार किया है, जो बेहतर सुविधा के लिए निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करते हैं:

- नकद निकासी
- जीवन प्रमाण के माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र जमा करना
- नामांकन फॉर्म, स्थायी निर्देश, फंड ट्रांसफर अनुरोधों का पिकअप
- चेक बुक की मांग, संग्रह/समाशोधन के लिए चेक पिकअप, चेक के साथ आईटी/ सरकारी/ जीएसटी चालान
- खाता विवरणों की डिलीवरी, सावधि जमा रसीद, टीडीएस और फॉर्म 16
- प्रीपेड इंस्ट्रुमेंट्स/गिफ्ट कार्ड, डिमांड ड्राफ्ट और पे ऑर्डर की डिलीवरी

कमजोर वर्गों के लिए विशेष सुविधाएं

- 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए सभी बैंकिंग केंद्रों में डोरस्टेप सेवाएं उपलब्ध हैं
- दिव्यांगजनों को हर महीने तीन मुफ्त लेनदेन मिलते हैं

- वरिष्ठ नागरिक पीएसबी एलायंस शाखाओं के माध्यम से प्रति माह तीन मुफ्त सेवाओं के हकदार हैं, इस लाभ को बढ़ाने की योजना के साथ पीएसबी एलायंस का विस्तार होता है

वेतन पैकेज

आपके बैंक ने रक्षा, केंद्र और राज्य सरकार के विभागों और कॉर्पोरेट्स में **वेतन पैकेज खातों** की सोर्सिंग के लिए एक केंद्रित रणनीति अपनाना जारी रखा है. **31 मार्च, 2025 तक**, बैंक **184.15 लाख** वेतन खाता ग्राहकों को सेवा प्रदान कर रहा है, जिसमें वित्त वर्ष 2025 के दौरान **5.69 लाख** नए खाते खोले गए हैं।

प्रमुख पहलों में शामिल हैं

- **अनुकूलित सैलरी पैकेज पेशकश** विशिष्ट विभागों और कॉर्पोरेट आवश्यकताओं के अनुरूप
- वेतन खाता वृद्धि के लिए विव.2025 में **3,541 नए कॉर्पोरेट टाई-अप** किए गए
- **425 विशिष्ट माइक्रोसाइट्स** कर्मचारियों के बीच जागरूकता बढ़ाने और आसान पहुंच के लिए कॉर्पोरेट्स हेतु तैयार की गई

एनआरआई व्यवसाय

31 मार्च, 2025 को आपका बैंक दुनिया भर में **3 मिलियन से अधिक एनआरआई ग्राहकों** को सेवाएं प्रदान कर रहा है, भारत में **434 विशेषीकृत एनआरआई शाखाओं**, **29 देशों में विदेशी कार्यालयों** और **223 वैश्विक प्रतिनिधि बैंकों** के माध्यम से समर्पित सेवाएं प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, आपके बैंक ने धन प्रेषण की सुविधा के लिए **45 एक्सचेंज हाउस** और पांच **मध्य पूर्वी बैंकों** के साथ टाई-अप किया है. **एनाकुलम** और **पटियाला** में वैश्विक एनआरआई केंद्र एनआरआई ग्राहकों के गैर-वित्तीय लेनदेन के लिए वन-स्टॉप समाधान प्रदान करते हैं।

एनआरआई खंड की मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं:

- **मार्च 2025 तक** एनआरआई डिपॉजिट बेस **US\$33.10 बिलियन** है, जिसमें **FCNR(B)** डिपॉजिट **US\$8.3 बिलियन** को पार कर गया है
- जनवरी 2025 को एनआरआई डिपॉजिट मार्केट शेयर **20.54%** है

विव.2025 में, आपके बैंक ने एनआरआई कस्टमर के लिए कई नई सेवाएं शुरू कीं:

- एनआरआई शाखाओं और प्रतिनिधि कार्यालयों में टैब के माध्यम से **डिजिटल एनआरआई खाता** खोलना
- नए एनआरआई ग्राहकों को उनकी बैंकिंग को आसान बनाने के लिए **स्वचालित ई-स्वागत पत्र** भेजे गए
- विदेशों में शैक्षिक संस्थानों को शुल्क भुगतान की सुविधा के लिए **पलाईवायर के साथ टाई-अप**
- अपने बैंक की वेबसाइट पर **'नॉलेज हब' टैब का शुभारंभ किया**, जिसमें ग्राहकों को जोड़ने के लिए एनआरआई न्यूजलेटर और ब्लॉग शामिल हैं





कार्यनीतिक फोकस/प्रमुख पहल/ग्राहक मूल्य सृजन

i) कार्यनीतिक फोकस

- उत्पाद/सेवा धारणा बढ़ाने के लिए हमारे डिजिटल फुटप्रिंट का विस्तार करना, विशेष रूप से मिलेनियल्स और नियो-मिलेनियल्स के बीच
- वेलथ और सीएसपी ग्राहकों के लिए टैब-आधारित बचत खाता खोलने का शुभारंभ किया, जिससे रिलेशनशिप मैनेजरों को ग्राहक के स्थान पर भौतिक दस्तावेजों या फोटो के बिना खाते खोलने में सक्षम बनाया गया

ii) प्रमुख पहल

- बाजार पद्धतियों के अनुरूप कॉर्पोरेट, केन्द्रीय/राज्य सरकार, पुलिस, रेल क्षेत्रों के लिए संशोधित वेतन पैकेज की विशेषताएं
- कॉर्पोरेट वेतन पैकेज ग्राहकों के लिए फीचर-लोडेड रुपये डेबिट कार्ड लॉन्च किया गया, जो ओटीटी सदस्यता, मूवी टिकट, स्पा / जिम सदस्यता और स्वास्थ्य जांच ऑफर करता है

- ग्राहक सुविधा के लिए गैर-घरेलू शाखाओं में नकद निकासी सीमा 25,000 रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये की गई।
- आईवीआर के माध्यम से संपर्क केंद्र के माध्यम से नामांकन स्थिति पूछताछ शुरू की, ग्राहकों को अपने जमा खातों को नामांकित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

iii) ग्राहक मूल्य सृजन/सफल प्रयास

- वेब-आधारित बचत बैंक खाता खोलने का शुभारंभ किया गया, जिससे ग्राहक शाखा में आए बिना वीडियो-आधारित ग्राहक पहचान प्रक्रिया (वीसीआईपी) के माध्यम से प्रक्रिया को पूरा कर सकें
- ग्राहक की आसानी के लिए गैर-होम शाखाओं में नामांकन पंजीकरण/संशोधन उपलब्ध कराया गया

- गैर-घरेलू शाखाओं में उपलब्ध री-केवाईसी के माध्यम से निष्क्रिय खातों के डिजिटल पुनर्सक्रियण को सक्षम किया गया
- मृतक जमाकर्ता शेष राशि का दावा करने के लिए नामांकित व्यक्तियों/कानूनी उत्तराधिकारियों के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पेश किया गया, जिसमें लॉकर दावा निपटान को शामिल करने की योजना है
- मृतक जमाकर्ता उत्तराधिकारियों के लिए दावा निपटान सीमा 5 लाख से बढ़ाकर 15 लाख की गई, जिसमें अप्रमाणित वसीयत पर आधारित दावे शामिल हैं
- इंटरनेट बैंकिंग पर एक खाली लॉकर पूछताछ सुविधा के साथ-साथ नामांकन स्थिति और पंजीकरण के लिए आरआईएनबी प्लेटफॉर्म पर लॉकर पूछताछ कार्यक्षमता विकसित करना
- सीआईएनबी में आईपीओ के लिए शेयरधारक श्रेणी जोड़कर कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए सुविधा बढ़ाना

धन प्रबंधन और प्रीमियर बैंकिंग

एसबीआई समर्पित धन प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने वाला पहला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है, जो म्यूचुअल फंड, बीमा, पीएमएस, बॉन्ड और म्यूचुअल फंड जैसे निवेश उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से संपन्न

ग्राहकों को व्यक्तिगत जोखिम प्रोफाइल के साथ सेवाएं प्रदान करता है। इसके लिए 1,068 रिलेशनशिप मैनेजरों और आरएम संरचना द्वारा समर्थित, एसबीआई वेलथ 107 केंद्रों में 247 वेलथ हब के माध्यम से व्यक्तिगत सेवाएं सुनिश्चित करता है। मूल्य प्रस्ताव में लचीले वितरण चैनल, ओपन आर्किटेक्चर और अनुसंधान-

समर्थित सलाहकार शामिल हैं। एक संशोधित टीआरवी परिभाषा और कार्यनीतिक वर्गीकरण, के साथ एसबीआई वेलथ ने वि.2025 में गुणात्मक वृद्धि देखी- इन्वेस्टमेंट एयूएम बढ़कर ₹ 58,821 करोड़, सक्रिय निवेश ग्राहक 1.36 लाख, कुल कस्टमर 3.87 लाख और समग्र एयूएम ₹ 2.83 लाख करोड़ हो गया।



हमारी उपस्थिति

247 वेलथ हब

हमें प्रतिस्पर्धा में बढ़त हासिल करने और दूरस्थ स्थानों में भी निर्बाध सेवाएं प्रदान करने में मदद की है

107 वेलथ सेंटर

1,068

रिलेशनशिप मैनेजर (आरएम) पदस्थ किए गए हैं

ख. सर्व समय चैनल

आपके बैंक का सर्व समय चैनल विभाग पूरे भारत में प्रभावी बैंकिंग को बढ़ाने के लिए अपनी सेवाओं का विस्तार कर रहा है। नवाचार और प्रौद्योगिकी संचालित समाधानों के लिए प्रतिबद्ध, विभाग का लक्ष्य स्वयं सेवा बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी स्थिति को मजबूत करना है।

इसे एटीएम, एडीडब्ल्यूएम, स्वयं कियोस्क, जीसीसी टर्मिनलों और सीडीके से संबंधित गुणवत्ता प्रबंधन प्रथाओं में उत्कृष्टता के लिए आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया है।

1. एटीएम और एडीडब्ल्यूएम

व्यापक पहुंच

आपका बैंक 31 मार्च, 2025 तक 13,366 स्वचालित जमा और निकासी मशीन (एडीडब्ल्यूएम) और 63,791 एटीएम के साथ भारत के सबसे बड़े एटीएम नेटवर्क में से एक का संचालन करता है। आपका बैंक दूरस्थ क्षेत्रों में वित्तीय पहुंच सुनिश्चित कर रहा है, जिसमें शामिल हैं:

- समुद्र तल से लगभग 14,140 फीट की ऊंचाई पर नाथू ला दर्रा, भारत-चीन सीमा (सिक्किम) में एक एटीएम
- उत्तर-पूर्वी चाय बागानों में एटीएम लॉबी
- अंडमान और निकोबार और लक्षद्वीप द्वीप समूह
- डल झील, श्रीनगर में एक तैरता हुआ एटीएम

आपात स्थितियों के दौरान सेवा बनाए रखने और पहुंच बढ़ाने के लिए, आपके बैंक ने सेना की इकाइयों, हाउसिंग सोसायटियों, आईटी पार्कों और बाजार क्षेत्रों जैसे उच्च मांग वाले स्थानों में मोबाइल एटीएम और एडीडब्ल्यूएम लगाए हैं।

बाजार नेतृत्व

आपका बैंक निम्नलिखित के साथ एक मजबूत बाजार स्थिति रखता है:

- स्थापित एटीएम और एडीडब्ल्यूएम का 29% बाजार हिस्सा
- देश की कुल नकदी का 33% संभालना

- प्रतिदिन 1 करोड़ लेनदेन संसाधित करना
- प्रत्येक दिन 6 लाख नकद जमा लेनदेन

बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण और भविष्य में विस्तार

विव.2025 के दौरान, आपके बैंक ने प्रतिस्थापित किया

- ऊर्जा-कुशल मॉडल युक्त 17,649 मशीनें
- ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए विव.2026 में प्रतिस्थापन के लिए अतिरिक्त 25,000+ मशीनें स्थापित की गई हैं

2. स्वयं बारकोड-आधारित पासबुक प्रिंटिंग कियोस्क

- आपके बैंक ने 17,699 शाखाओं में 20,159 बारकोड आधारित पासबुक प्रिंटिंग कियोस्क (स्वयं) लगाकर ग्राहकों को स्वतंत्र रूप से अपनी पासबुक प्रिंट करने के लिए एक सहज और स्वयं सेवा समाधान प्रदान किया है
- स्वयं कियोस्क पर प्रति माह औसतन 3.30 करोड़ लेनदेन किए जाते हैं जिससे शाखा काउंटर्स पर मैनुअल वर्कलोड कम हुआ है।

इस पहल ने लगभग 97% पासबुक प्रिंटिंग लेनदेन को शाखा काउंटर्स से स्वयं कियोस्क तक सफलतापूर्वक स्थानांतरित कर दिया है, जिससे परिचालन दक्षता और संवहनीयता में काफी सुधार हुआ है। कागज के उपयोग को और कम करने के लिए, आपका बैंक सक्रिय रूप से ई-स्टेटमेंट और योनो ऐप में एम-पासबुक सुविधा को बढ़ावा दे रहा है, जिससे भौतिक पासबुक पर निर्भरता कम हो जाती है।

नई पहल

ग्राहकों सुविधा को बेहतर बनाने के लिए, आपका बैंक आसान उपयोग के लिए 'ऑटो-फ्लिप' कार्यक्षमता के साथ 1,000 यूनिट्स के साथ ही 2,000 अतिरिक्त स्वयं कियोस्क भी लगाने की योजना बना रहा है,

3. ग्रीन चैनल काउंटर (जीसीसी)

कागज रहित बैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए, आपके बैंक ने डेबिट कार्ड लेनदेन के लिए 14,998 खुदरा शाखाओं में 12,346 जीसीसी (ग्रीन चैनल काउंटर)

टर्मिनल स्थापित किए हैं। यह पहल ग्रीन बैंकिंग प्रयासों का समर्थन करती है और पेपर वाउचर की आवश्यकता को कम करती है।

जीसीसी मासिक रूप से लगभग 2.1 मिलियन लेनदेन प्रोसेस करते हैं, जिससे ग्राहक भौतिक वाउचर भरे बिना जल्दी से लेनदेन कर सकते हैं। बैंक अधिकारियों को एक डिजिटल सत्यापन प्रक्रिया से लाभ होता है जो सटीकता और सेवा वितरण को बढ़ाता है।

जीसीसी सेवाओं में नकद निकासी, नकद जमा, एसबीआई खातों के भीतर फंड ट्रांसफर, बैलेंस पूछताछ, ग्रीन पिन जनरेशन या परिवर्तन और मिनी स्टेटमेंट शामिल हैं, जो सभी ईएमवी-अनुपालन टर्मिनलों पर सुविधा प्रदान करते हैं।

4. ग्रीन रेमिट कार्ड (जीआरसी)

आपके बैंक का ग्रीन रेमिट कार्ड (जीआरसी) स्वचालित जमा और निकासी मशीन (एडीडब्ल्यूएम) पर ग्राहकों को प्री-मैप किए गए एसबीआई खाते में फंड क्रेडिट करने के लिए 24/7 नकद जमा सुविधा प्रदान करता है, जो प्रवासी श्रमिकों के लिए आदर्श है। ग्राहक ₹ 1,00,000 की मासिक सीमा के साथ प्रति लेनदेन ₹ 25,000 तक जमा कर सकते हैं।

5. चेक जमा कियोस्क (सीडीके)

आपके बैंक ने 2,496 शाखाओं में 2,470 नकद जमा कियोस्क (सीडीके) स्थापित किए हैं, जो एक सुविधाजनक स्व-सेवा चेक जमा अनुभव प्रदान करते हैं। ये कियोस्क मासिक रूप से लगभग 14 लाख सीटीएस-सक्षम चेकों की प्रक्रिया करते हैं, जिससे ग्राहकों को अतिरिक्त पारदर्शिता और सुरक्षा के लिए मुद्रित रसीदें मिलती हैं।

ग्राहक मूल्य संवर्धन

आपका बैंक जीवन और गैर-जीवन बीमा, म्यूचुअल फंड, क्रेडिट कार्ड, डीमैट सेवाओं, एनपीएस और सहायक कंपनियों सहित उत्पादों की एक श्रृंखला की पेशकश करने के लिए विभिन्न कंपनियों के साथ भागीदार है। वित्तीय जरूरतों के लिए वन-स्टॉप समाधान के रूप में, आपके बैंक ने 31 मार्च, 2025 तक इन उत्पादों से 4,546 करोड़ की आय अर्जित की।

हमारे भागीदारों के विभिन्न उत्पादों से आय योगदान निम्नानुसार रहा है:

(₹ करोड़ में)			
उत्पाद	31.03.2024	31.03.2025	% वर्षानुवर्ष बदलाव
एसबीआई लाइफ	2,232	2,356	6%
एसबीआई एमएफ और अन्य	964	1,530	59%
एसबीआई जनरल	436	407	-7%
एसबीआई कार्ड	231	222	-4%
एनपीएस	20	23	16%
एसएसएल	7	8	18%
कुल	3,891	4,546	17%



पहल और सफलताएं

एसबीआई लाइफ

एसबीआई लाइफ के साथ साझेदारी में, आपका बैंक ग्राहकों की विविध आवश्यकताओं के अनुरूप जीवन बीमा उत्पादों की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करता है। एसबीआई लाइफ ने 2018 से व्यक्तिगत रेटेड प्रीमियम में नंबर 1 निजी बीमाकर्ता के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी है। 31.03.2025 को, बैंक ने व्यक्तिगत रेटेड प्रीमियम में 12% YoY वृद्धि दर्ज की और 13वें महीने की दृढ़ता में 86.06% से 86.62% तक सुधार किया। टर्म इंश्योरेंस उत्पाद अब योनो ऐप के माध्यम से सुलभ हैं, जो तत्काल डिजिटल ऑनबोर्डिंग को सक्षम करते हैं।

एसबीआई म्यूचुअल फंड

एसबीआई म्यूचुअल फंड और अन्य एमसी के साथ टाई-अप के माध्यम से, आपका बैंक विविध निवेश विकल्पों की पेशकश करते हुए, म्यूचुअल फंड तक ग्राहक पहुंच की सुविधा प्रदान करता है। बैंक के माध्यम से एयूएम में लगभग 2.31 लाख करोड़ के साथ, एसबीआई प्रमुख म्यूचुअल फंड वितरक बना हुआ है। एसबीआई म्यूचुअल फंड 31.03.2025 को

AUM में ₹ 10.73 लाख करोड़ के साथ AMC में सबसे आगे है। फोलियो क्रिएशन, SIP और एकमुश्त निवेश जैसी सेवाएं YONO और INB पर उपलब्ध हैं।

एसबीआई जनरल

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस के कॉर्पोरेट वितरक के रूप में आपका बैंक, स्वास्थ्य, दुर्घटना, संपत्ति और ऋण बीमा सहित सामान्य बीमा उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। 31.03.2025 तक, सकल लिखित प्रीमियम ₹ 3,164 करोड़ था, जिसमें व्यक्तिगत सुरक्षा योजनाओं का व्यवसाय में लगभग 60% योगदान था।

एसबीआई कार्ड्स

ग्राहक खर्च करने के पैटर्न को विकसित करने में सहायता के लिए, क्रेडिट कार्ड समाधान प्रदान करने के लिए आपका बैंक एसबीआई कार्ड्स के साथ साझेदार है। FY2025 में, 20 लाख से अधिक क्रेडिट कार्ड जारी किए गए थे। ग्राहक योनो और आईएनबी के माध्यम से पूरी तरह से डिजिटल क्रेडिट कार्ड आवेदन प्रक्रिया का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें

कार्ड नंबर और ओटीपी के माध्यम से क्रेडिट कार्ड लिंकिंग शामिल है।

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS):

आपका बैंक 20% बाजार हिस्सेदारी और 14,140 एनपीएस पंजीकरण के साथ अग्रणी बना हुआ है और PFRDA के 2024 अभियान के तहत शीर्ष प्रदर्शन करने वाले पॉइंट ऑफ प्रेजेंस (POP) के रूप में मान्यता दी गई थी। लगभग 80% NPS खाते YONO और INB के माध्यम से डिजिटल रूप से खोले जाते हैं। बैंक माननीय वित्त मंत्री द्वारा शुरू की गई एनपीएस वात्सल्य योजना के तहत नाबालिग खातों की सुविधा भी प्रदान करता है।

डीमैट खाते

पूंजी बाजार और आईपीओ में ग्राहकों की बढ़ती रुचि को पूरा करने के लिए, आपके बैंक ने डीमैट और ट्रेडिंग सेवाओं की पेशकश करने के लिए एसबीआईकैप सिक्योरिटीज लिमिटेड के साथ भागीदारी की है। 31.03.2025 तक, बैंक ने 13 लाख से अधिक डीमैट खातों का स्रोत बनाया। YONO और INB पर एंड-टू-एंड खाता खोलने की सुविधा उपलब्ध है

लघु और मध्यम उद्यम

एमएसएमई भारत की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं, और आपका बैंक लेनदेन, क्रेडिट और नकदी प्रबंधन के लिए अनुकूलित वित्तीय समाधानों के माध्यम से उनका समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। 31.03.2025 को 23 लाख से अधिक ग्राहकों और ₹ 5,06,027 करोड़ (घरेलू अग्रिमों का 14%) के एसएमई पोर्टफोलियो के साथ, बैंक ने 16.86% YoY वृद्धि दर्ज की। हमारी एसएमई रणनीति ग्राहकों की सुविधा, मजबूत जोखिम प्रबंधन और डिजिटल नवाचार पर बनाई गई है।

ग्राहक सुविधा

ग्राहक अनुभव बढ़ाने के लिए, आपके बैंक ने शाखाओं और वैकल्पिक संपर्क बिंदुओं के माध्यम से अपने नेटवर्क का विस्तार किया है। एसेट मैनेजमेंट टीम (एमटी) द्वारा समर्थित एसएमईसी मॉडल, ₹ 2 करोड़ तक के ऋण के लिए एंड-टू-एंड सेवा सुनिश्चित करता है, जबकि ₹ 50 लाख से अधिक के ऋण का प्रबंधन रिलेशनशिप मैनेजर्स (एसएमई) द्वारा किया जाता है। 31.03.2025 तक, पूरे भारत में 2,155 आरएम और 868 एसएमई गहन शाखाएं कार्यरत हैं।

आपूर्ति श्रृंखला वित्त केंद्रीकृत प्रसंस्करण केंद्र (एससीएफ सीपीसी)

आपके बैंक ने पहल को प्राथमिकता देने, एसएमई व्यवसाय को बढ़ाने और वितरण चैनलों में सुधार करने के लिए अखिल भारतीय 16 सर्किलों में एससीएफ सीपीसी की स्थापना की है।

उच्च मूल्य केंद्रीकृत 14 सकलों में प्रसंस्करण केंद्र (सीपीसी)

10 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावों (एसएमई और बिल्डर वित्त) को मूल्यांकन के लिए उच्च मूल्य वाले सीपीसी द्वारा की जाती है। 31.03.2025 तक, 17,537 करोड़ रुपये के 297 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है।

सह-उधार सीपीसी

आपका बैंक मुंबई में एक सह-उधार सीपीसी स्थापित कर रहा है।

डिजिटल पेशकश

आपका बैंक एआई, एमएल और एनालिटिक्स जैसी उन्नत तकनीकों का लाभ उठा रहा है ताकि उत्पाद डिजाइन, प्रसंस्करण, वितरण और निगरानी में एसएमई पेशकशों को बढ़ाया जा सके। योनो बिजनेस कॉर्पोरेट्स के लिए वन-स्टॉप डिजिटल बैंकिंग समाधान प्रदान करता है।

प्री-अप्रूव्ड बिजनेस लोन (पीएबीएल):

एनालिटिक्स का उपयोग करते हुए, पीएबीएल लेनदेन इतिहास के आधार पर ₹ 20 लाख तक के ऋण की तत्काल स्वीकृति प्रदान करता है। विव.2025 में, ₹ 529 करोड़ के 8,750 पीएबीएल लोन स्वीकृत किए गए, जिसमें 19.18% YTD वृद्धि थी।

डिजिटल दस्तावेज़ निष्पादन (डीडीई):

एमओएफ दिशानिर्देशों के तहत सक्षम, डीडीई सुरक्षित, पेपरलेस लेनदेन सुनिश्चित करने के लिए ई-स्टॉपिंग और ई-साइनिंग के साथ डिजिटल अनुबंध की सुविधा प्रदान करता है।

व्यापार रूल इंजन (बीआरई)

बीआरई ₹ 5 करोड़ तक के एसएमई ऋणों के लिए एक क्रेडिट जोखिम मॉडल है जो प्रसंस्करण को स्वचालित और तेज करता है। यह जोखिम मूल्यांकन और निर्णय लेने के लिए ब्यूरो, जीएसटी, आईटीआर और बैंकिंग डेटा का उपयोग करता है।

- दिसंबर'23 में ₹ 10-50 लाख और मार्च'24 में ₹ 50 लाख - ₹ 5 करोड़ के ऋण के लिए अखिल भारतीय शुरुआत की गई
- मार्च'25 तक बीआरई के माध्यम से ₹ 47,789 करोड़ के 93,942 ऋण स्वीकृत

नए डिजिटल एसएमई उत्पाद

- **एमएसएमई सहज (योनो-बी)** - जीएसटी चालान-आधारित ऋण

- **जीएसटी सहाय** - चालान वित्तपोषण के लिए सरकारी प्लेटफॉर्म
- **डिजी सुगम** - योनो-बी के माध्यम से एंड-टू-एंड जीएसटी-आधारित कार्यशील पूंजी वित्त

संपर्क रहित ऋण और सीएलपी पहल

- **psbloanin59minutes.com** - तत्काल सैद्धांतिक एसएमई ऋण अनुमोदन (₹ 1 लाख - ₹ 5 करोड़)
- **विव.2025 प्रदर्शन** - 1,66 लाख लीड, ₹ 82,748 करोड़ स्वीकृत
- **ऑटो-रिन्यूअल प्रक्रिया** - दक्षता और आरएम फोकस में सुधार के लिए डिजिटल लोन रिन्यूअल

प्री-अप्रूव्ड बिजनेस लोन (पीएबीएल)

अच्छे क्रेडिट इतिहास के साथ सूक्ष्म और छोटी इकाइयों पर ध्यान केंद्रित किया। वित्त वर्ष 2025 में, PABL के तहत ₹ 529 करोड़ मंजूर किए गए।

ख. आपूर्ति श्रृंखला वित्त (एससीएफ)

- 35,808 डीलरों के साथ कॉर्पोरेट संबंध का सुदृढीकरण, कुल स्वीकृत सीमाएं:
 - ई-डीएफएस: 52,936 करोड़ रुपये
 - ई-वीएफएस: 39,197 करोड़ रुपये
- नए टाई-अप: विव.2025 में 56
- **सीएलपी एकीकरण** - जीएसटी-पंजीकृत डीलरों के लिए संपर्क रहित ऋण प्रसंस्करण। 2,655 प्रस्ताव, ई-डीएफएस बीआरई के माध्यम से 1,998 करोड़ रुपये स्वीकृत

- **प्रक्रिया सरलीकरण** - डिजिटल फ्रंट-एंड इंटरफ़ेस, सुव्यवस्थित मूल्यांकन और SCF पोर्टफोलियो को सुरक्षित करने के लिए जोखिम-न्यूनीकरण उपाय

ग. हरित ऊर्जा पहल

आपका बैंक नवीकरणीय ऊर्जा और टिकाऊ बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण द्वारा कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए सक्रिय रूप से हरित पहल का समर्थन कर रहा है।



प्रमुख पहल

एसबीआई ईवी-मित्र

- ईवी चार्जिंग इंफ्रा का वित्तपोषण (₹10 लाख-₹5 करोड़)
- FY2025 में टाटा पावर और शरीफी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (STATIQ) के साथ नए टाई-अप

सूर्य शक्ति सोलर फाइनेंस

- ₹10 करोड़ तक के ऋण के साथ सौर परियोजनाओं (कैप्टिव उपयोग) के वित्तपोषण के लिए विशेष उत्पाद
- 10 वर्षों की सुविधाजनक पुनर्भुगतान अवधि
- केंद्रीकृत ऋण प्रसंस्करण और तेजी से अनुमोदन के लिए समर्पित सूर्य शक्ति सेल
- सौर पीवी प्रणालियों के वित्तपोषण के लिए टाटा पावर सोलर, वारी एनर्जीज, महिंद्रा सोलरिज, हैवेल्स इंडिया और रेडिगटन इंडिया के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए
- युवा और महिला उद्यमियों के लिए रियायतें

जैव ईंधन परियोजनाओं के लिए वित्त

- जैव ईंधन 2018 की राष्ट्रीय नीति के तहत सभी जैव ईंधन का समर्थन करना (इथेनॉल,

बायोडीजल, उन्नत जैव ईंधन, जैव-सीएनजी, आदि)

- थर्मल पावर प्लांटों को पैलेट/ब्रिकेट की आपूर्ति करने वाले बायोमास आपूर्तिकर्ताओं/एग्जीक्यूटिवों के लिए वित्तपोषण
- 15 वर्ष तक की सुविधाजनक पुनर्भुगतान अवधि, टर्म लोन और कार्यशील पूंजी फाइनेंस के विकल्पों के साथ

एसएटीएटी योजना के तहत संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी)

- प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण (पीएसएल) के तहत वर्गीकृत ₹100 करोड़ तक के ऋण के साथ सीबीजी विनिर्माण इकाइयों के लिए वित्तपोषण
- उद्यमी प्रोत्साहनों में घटी हुई सीमा शुल्क, 40% मूल्यहास (डब्ल्यूडीवी पद्धति) और 5 वर्ष का कर छूट शामिल है

सौर विक्रेताओं को वित्त

- सौर प्रणाली स्थापित करने वाले विक्रेताओं के लिए पीएम सूर्य घर योजना के तहत नया उत्पाद लॉन्च किया गया (₹10 लाख से ₹5 करोड़)

च. व्यापार प्राप्य बढ़ा प्रणाली (TReDS)

आपका बैंक पीएसबी में पहला बैंक है जिसने तीनों प्लेटफॉर्म- आरएक्सआईएल, एम1 एक्सचेंज और इनवॉइसमार्ट पर टीआरडीएस प्लेटफॉर्म पर फाइनेंस के रूप में पंजीकरण कराया है। विव.2025 में, आपके बैंक ने फाइनेंसिंग में ₹22,332 करोड़ को पार कर लिया है, जिसमें 118.71% की YoY वृद्धि और 29% की मार्केट शेयर प्राप्त हुई है।

छ. एसबीआई अस्मिता (नया उत्पाद)

यह महिला उद्यमियों का समर्थन करने के लिए भारत सरकार की पहल के तहत शुरू किया गया है, जिसमें ₹10 लाख से ₹5 करोड़ तक की ऋण राशि है।

ग्रामीण बैंकिंग

कृषि अग्रिम

कृषि और संबद्ध गतिविधियों में आपके बैंक का ऋण इस वित्तीय वर्ष में ₹3,50,000 करोड़ को पार कर गया है, जो ₹45,600 करोड़ (15% YoY) से अधिक की वृद्धि के साथ भारत में सबसे अधिक है। आपके बैंक ने एग्री गोल्ड लोन, एसएचजी और इन्वेस्टमेंट क्रेडिट में भी वृद्धि की है, जिससे एग्रीकल्चर गोल्ड लोन, जो अब ₹1,20,000 करोड़ से अधिक है, मार्केट लीडर के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखी है।

इस वर्ष, आपके बैंक ने संवहनीय खेती, कृषि बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण, कृषि उद्यमों और कृषि इंफ्रा फंड और किसान समृद्धि ऋण जैसे उत्पादों के माध्यम से प्रगतिशील किसानों पर ध्यान केंद्रित किया, जिससे कृषि और खाद्य उद्यम ऋण और केएसआर में ₹6,600 करोड़ से अधिक की वृद्धि हासिल हुई। मूल्य बढ़ाने और लागत कम करने के लिए एफपीओ, पीसीएस और ग्रामीण सहकारी समितियों को अनुकूलित ऋण प्रदान किया गया था।



इसके अतिरिक्त, आपके बैंक ने कुल ऋण स्वीकृत किया

23,411 उधारकर्ता

आत्मनिर्भर भारत योजनाओं जैसे एग्री इंफ्रा फंड, एचआईडीए और पीएम-एफएमई के तहत

घ. निर्यात ऋण

वैश्विक हेडवर्ड के बावजूद, एसएमई निर्यात ऋण 7.50% YTD बढ़कर ₹19,609 करोड़ (मार्च '25 तक) हो गया। आपका बैंक निर्यात/आयात एलसी, प्रेषण और ई-बीजी के लिए डिजिटल यात्राओं को बढ़ा रहा है - योनी बिजनेस के माध्यम से 25 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू किया

ड. एनबीएफसी के साथ सह-उधार

औपचारिक ऋण तक सीमित पहुंच वाले एमएसएमई का समर्थन करने के लिए, आपके बैंक ने सह-उधार समझौते के तहत नौ एनबीएफसी के साथ भागीदारी की है, जिसमें वित्त वर्ष 2025 में कुल 879 करोड़ रुपये के 1,908 खातों को मंजूरी दी गई है।



इसके अतिरिक्त, आपके बैंक ने कुल ऋण स्वीकृत किया

₹6,150 करोड़

आत्मनिर्भर भारत योजनाओं जैसे एग्री इंफ्रा फंड, एचआईडीएफ और पीएम-एफएमई के तहत

आपके बैंक ने कृषि मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए एग्री इंफ्रा फंड के लिए एग्री एंड रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर स्ट्रैथेनिंग एंडेवर (एआरआईएसई) अभियान और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट (प्रगति) के माध्यम से ग्रामीण और कृषि क्षेत्र विकास को बढ़ावा देने में पहला स्थान हासिल किया है। रणनीतिक रूप से कृषि पोर्टफोलियो के प्रबंधन ने इस वित्तीय वर्ष में सकल एनपीए (%) को एकल अंकों में रखने में मदद की है।

माइक्रो क्रेडिट

आपका बैंक ₹ 59,800 करोड़ से अधिक के पोर्टफोलियो के साथ स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) ऋणों में मार्केट लीडर है, जिससे एक करोड़ से अधिक महिला सदस्य लाभान्वित होती हैं। इस वर्ष, दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) के तहत 6.50 लाख एसएचजी को लगभग 28,000 करोड़ रुपये वितरित किए गए थे और स्वयंसिद्ध पहल के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसमें एक सरलीकृत प्रक्रिया के माध्यम से एसएचजी में व्यक्तिगत महिलाओं को 10 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान किया गया था।



आपके बैंक द्वारा संवितरित और स्वीकृत

~₹52,000 करोड़

कृषि इंफ्रा फंड, एचआईडीएफ और पीएम-एफएमई जैसी आत्मनिर्भर भारत योजनाओं के तहत मुद्रा ऋण



15,900 ऋण

स्टैंड-अप इंडिया योजना के तहत स्वीकृत

4.54 लाख

पीएम-स्वनिधि के तहत स्ट्रीट वेंडर्स को दिए गए ऋण

~₹950 करोड़

कुल राशि

~1,16,000+

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत स्वीकृत ऋण

₹845 करोड़

लगभग राशि

वंचित और अल्पसेवित आबादी के लिए पहुंच बढ़ाने के लिए, आपके बैंक ने सह-उधार मॉडल के तहत 25 एनबीएफसी और एचएफसी के साथ भागीदारी की है, जिसमें 4 लाख से अधिक उधारकर्ताओं को ऋण मंजूर किया गया है, जो कुल मिलाकर लगभग 4,200 करोड़ रुपये हैं, जिसमें 3.90 लाख से अधिक खाते ₹ 3 लाख तक के ऋण के लिए पूरी तरह से डिजिटल हैं।

डिजिटाइजेशन

आपके बैंक ने कृषि ऋणों के लिए एक संशोधित ऋण प्रबंधन प्रणाली लागू की है, जिससे ऋण वितरण के लिए टर्नअराउंड समय (टीएटी) में काफी कमी आई है। इसके अतिरिक्त, बैंक ने जन समर्थ पोर्टल के माध्यम से कर्नाटक में ₹ 1.60 लाख तक के किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) ऋणों के लिए एंड-टू-एंड डिजिटल प्रक्रिया शुरू की है, जिसमें पांच और राज्यों: गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में विस्तार करने की योजना है। केसीसी के लिए संपार्श्विक-मुक्त सीमा में ₹ 1.60 लाख से ₹ 2 लाख तक की हालिया वृद्धि के बाद, आपका बैंक जन समर्थ डिजिटल केसीसी सीमा को ₹ 2 लाख तक बढ़ाने का लक्ष्य रखता है।

वित्तीय समावेशन

आपका बैंक व्यवसाय प्रतिनिधियों (बीसी) और ग्राहक सेवा केंद्रों (सीएसपी) के अपने व्यापक नेटवर्क के माध्यम से वित्तीय समावेशन बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि आवश्यक वित्तीय सेवाओं - लेनदेन, बचत, ऋण, बीमा और पेंशन तक पहुंच सुनिश्चित हो सके।

बीसी चैनल एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है, जो सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना समान बैंकिंग पहुंच प्रदान करता है। इसने 663 बिलियन की जमा राशि के साथ 151 मिलियन से अधिक पीएमजेडीवाई खातों की सुविधा प्रदान की है और प्रतिदिन ~3.2 मिलियन लेनदेन संसाधित किए हैं।

एटीएम सुविधाओं के साथ 'मिनी शाखाओं' के रूप में कार्य करते हुए, सीएसपी 34 उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करते हैं, जिसमें पीएमजेडीवाई खाता खोलना, नकद/फंड ट्रांसफर और लचीले घंटों के साथ डोरस्टेप बैंकिंग शामिल हैं।



आपके बैंक की पीएमजेजेबीवाई में 47%, पीएमएसबीवाई में 40% की बाजार हिस्सेदारी है और एपीवाई के तहत हर तीसरा नामांकन बैंक द्वारा किया जाता है।

सम्मान

- समावेशी वित्त भारत पुरस्कार 2024 - वैश्विक समावेशी वित्त शिखर सम्मेलन
- एपीवाई में अनुकरणीय प्रदर्शन (वित्त वर्ष 2024-25) - पीएफआरडीए

दक्षता सुनिश्चित करने के लिए, सीएसपी नियमित प्रशिक्षण, जोखिम-आधारित ऑडिट और सूचना सुरक्षा ऑडिट से गुजरते हैं। आपका बैंक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और समावेशी सेवा वितरण के लिए बीसी/सीएसपी परिचालनों को नया और डिजिटाइज करना जारी रखे हुए है।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण पहल (आरएसईटीआई)

बैंक ने 29 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में 153 ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों (आरएसईटीआई) की स्थापना की है, जो सामाजिक परिवर्तन के एजेंट के रूप में कार्य कर रहे हैं।

सरकारी व्यवसाय और कमीशन

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	विव.2024	विव.2025
व्यवसाय	65,55,330	65,15,225
कमीशन	3,919	3,914

आपका बैंक भारत सरकार के प्रमुख बैंकों में से एक होने पर गर्व करता है। विकसित हो रहे डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र और सरकार के दृष्टिकोण के साथ संरेखित करने के लिए, आपका बैंक सक्रिय रूप से अनुकूलित प्रौद्योगिकी समाधान विकसित कर रहा है, ऑनलाइन सेवा संक्रमण की सुविधा प्रदान कर रहा है, दक्षता और पारदर्शिता बढ़ा रहा है, और इसके परिणामस्वरूप व्यापार करने में आसानी और नागरिकों के लिए जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

वे कौशल विकास और प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाते हैं, जिससे उन्हें सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने और ग्रामीण रोजगार पैदा करने में मदद मिलती है। स्थापना के बाद से, एसबीआई आरएसईटीआई ने ~48,000 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग ~13.11 लाख उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया है, जिसमें 74% सफलतापूर्वक स्वरोजगार प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा, 5.24 लाख से अधिक प्रशिक्षितों को क्रेडिट सुविधाएं प्रदान की गई हैं।

लीड बैंक योजना

अग्रणी बैंक योजना (एलबीएस) को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों और अल्पसेवित क्षेत्रों के लिए बैंक वित्तपोषण तक पहुंच में सुधार करने, समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

आपका बैंक भारत के 786 जिलों में से 275 जिलों में अग्रणी जिला प्रबंधक के रूप में और 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 14 में एसएलबीसी संयोजक के रूप में कार्य करता है। सरकार ने विभिन्न कार्यक्रम शुरू किए हैं जो समाज के सभी क्षेत्रों को शामिल करते हैं, जिसमें एलडीएम और एसएलबीसी अधिकारी सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

वित्तीय साक्षरता केंद्र (एफएलसी) और वित्तीय साक्षरता केन्द्र (सीएफएल)

आपके बैंक ने देश भर में 341 वित्तीय साक्षरता केंद्रों (एफएलसी) की स्थापना की है, जो मुफ्त वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण और क्रेडिट परामर्श प्रदान करते हैं। इस वर्ष, 28,000 से अधिक शिविर आयोजित किए गए हैं, जिसमें 12 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया है। इसके अतिरिक्त, आपके बैंक ने ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए 1,780 ब्लॉकों में वित्तीय साक्षरता के लिए 595 केंद्र (सीएफएल) प्रायोजित किए हैं।

सरकारी व्यवसाय

आपका बैंक सरकारी व्यवसाय में अग्रणी है और केंद्र सरकार के 26 प्रमुख मंत्रालयों और विभागों के लिए एक मान्यता प्राप्त बैंकर है। आपका बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, सरकारी कारोबार में सबसे बड़ा बाजार हिस्सा रखता है, जिसका केंद्र सरकार के क्षेत्र में कारोबार का 62% से अधिक हिस्सा है।



विव2025 में प्रमुख पहल

1. पीएम किसान सम्मान निधि योजना

- कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के लिए मान्यता प्राप्त बैंक के रूप में, एसबीआई ने प्रायोजक बैंक के रूप में 46,687 करोड़ रुपये संवितरण करने में सहयोग किया

2. प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी)

- एसबीआई पूरे भारत में केंद्र और राज्यों की प्रमुख डीबीटी योजनाओं के कार्यान्वयन को सक्षम बनाता है। यह LPG (DBTL) सब्सिडी को संसाधित करने वाला एकमात्र बैंक है

3. नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

- पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना: नोडल बैंक के रूप में एसबीआई ने सीएनए खाते के माध्यम से 7.16 लाख से अधिक लाभार्थियों को 5,560 करोड़ रुपये वितरित किए हैं

4. रेल मंत्रालय

- एटीवीएम यूपीआई एकीकरण: स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनों के माध्यम से अनारक्षित टिकटों के लिए यूपीआई क्यूआर संग्रह शुरू किया माल ढुलाई संग्रह: भारतीय रेलवे के साथ ई-माल ढुलाई संग्रह के लिए 3 साल के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर।

- रेलवे सुपर ऐप: एसबीआई एक एकीकृत नागरिक-केंद्रित ऐप के लिए ऑर्किस्ट्रेटर-आधारित भुगतान गेटवे को लागू करने के लिए टिकटिंग, माल ढुलाई, खरीद, आदि को एकीकृत करेगा।

5. सीबीडीटी

- एसबीआई पेमेंट गेटवे के माध्यम से एसबीआई के मौजूदा चैनलों (आईएनबी, यूपीआई, आदि) के साथ-साथ नए आयकर भुगतान मोड - अन्य बैंक डेबिट / क्रेडिट कार्ड सक्षम किए गए

6. सीमा शुल्क

- एसबीआई को सीमा शुल्क रिफंड के लिए एकमात्र रिफंड बैंक के रूप में नामित किया गया है

7. विदेश मंत्रालय (एमईए)

- एसबीआईपी के माध्यम से ई-माइग्रेशन परियोजना के तहत शुल्क संग्रह के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

8. पेंशन भुगतान

- एसबीआई 40.39 लाख पेंशनभोगियों को सेवा प्रदान करता है; FY2025 में 2.18 लाख नए अकाउंट जोड़े गए

- फेस ऑथेंटिकेशन प्रौद्योगिकी का उपयोग करके नवंबर 2024 में 300 शाखाओं में 60 स्थानों पर DLC 3.0 ड्राइव का आयोजन किया गया

9. लघु बचत योजनाएं

- एसबीआई सर्विसिंग में अग्रणी है:
 - पीपीएफ: 94.03 लाख खाते
 - एसएसए: 31.77 लाख
 - एससीएसएस: 16.29 लाख
 - महिला सम्मान: 2.09 लाख
- FY2025 में जोड़े गए नए खाते:
 - 4.92 लाख पीपीएफ, 2.95 लाख एसएसए, 2.90 लाख एससीएसएस
- डिजिटल एक्सेस पहल:
 - योनो के माध्यम से पूर्ण पीपीएफ खाता खोलना
 - इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से अनियमित पीपीएफ अकाउंट नियमितीकरण
 - अभिभावक INB के माध्यम से माइनर PPF/SSA अकाउंट को ऑनलाइन एक्सेस कर सकते हैं

ट्रांजेक्शन बैंकिंग (टीबी)

चालू खाते

चालू खाता जमा कम लागत वाले होते हैं और हमारे शुद्ध ब्याज मार्जिन और लाभप्रदता को बढ़ाते हैं। आपका बैंक इसके लिए अनुरूप चालू खाता उत्पादों की एक श्रृंखला प्रदान करता है।

विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों और उच्च मूल्य वाले ग्राहकों को शामिल करते हुए डिजिटल और लेनदेन बैंकिंग समाधानों के समेकन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनी मार्केटिंग रणनीति को परिवर्तित कर दिया है।

वही बेहतर ग्राहक अनुभव के लिए प्री-ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया को अब सुव्यवस्थित किया गया है और आपके बैंक की पेशकश साधियों के साथ प्रतिस्पर्धी बनी हुई है।



प्रमुख पहल

- नए चालू खाता वेरिएंट लॉन्च किए: शुभारम्भ प्रीमियम, एस्करो, नो लियन, आयात-निर्यात ट्रेडर्स सीए और डिजिटल सीए, प्रमुख बाजारों को लक्षित करते हुए
- वीडियो केवाईसी के माध्यम से एकमात्र स्वामित्व के लिए एंड-टू-एंड डिजिटल चालू खाता खोलने में सक्षम
- टैब बैंकिंग के माध्यम से सभी व्यावसायिक संस्थाओं के लिए चालू खाते खोलने के लिए एक कागज रहित डिजिटल प्रक्रिया विकसित करना
- पते के सत्यापन और जियो-टैगिंग के साथ गैर-व्यक्तिगत खातों के लिए ग्राहक उचित सावधानी को मजबूत करना
- पोस्ट-ऑनबोर्डिंग अनुभव बढ़ाने और समस्याओं को संबोधित करने के लिए संपर्क केंद्र के माध्यम से चालू खाता ग्राहकों के लिए जीवन चक्र प्रबंधन शुरू किया
- उन्नत वित्तीय प्रौद्योगिकी तक पहुंच को बढ़ावा देने के लिए छोटे व्यवसायों, एसएमई और एमएसएमई के लिए अनुरूप समाधान प्रदान करने के लिए फिन्टेक के साथ भागीदारी की
- प्रमुख व्यवसाय केन्द्रों में 42 लेन-देन बैंकिंग केन्द्रों और 58 देयता केन्द्रों का प्रचालन, जिनमें एकीकृत समाधान प्रस्तुत करने वाले विशेष संबंध प्रबंधक कार्यरत हैं

नकद प्रबंधन उत्पाद (सीएमपी)

सीएमपी समाधान अतिरिक्त शुल्क आय अर्जित करने और चालू खाता शेष प्रतिधारण में सुधार करने में मदद करते हैं। वर्ष के दौरान, प्लेटफॉर्म ने **130.90 लाख करोड़ रुपये के कुल कारोबार** के साथ **86.07 करोड़ लेनदेन** (संग्रह में 51.90 करोड़ और भुगतान में 34.17 करोड़) संसाधित किए। कॉर्पोरेट मांगों और बाजार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, बैंक ने कई संवर्द्धन शुरू किए, जिसमें **वैन जमा के लिए एसएमएस/ईमेल अलर्ट, ई-भुगतान में यूपीआई एकीकरण, विकेंद्रीकृत ग्राहक ऑनबोर्डिंग (टीएटी को कम करना) और थोक आयकर / टीडीएस भुगतान सुविधाएं शामिल हैं।** इसके अलावा, आपका बैंक **सीएमपी नेक्स्टजेन** लॉन्च करने के लिए सीएमपी में सुधार कर रहा है, जो कॉर्पोरेट्स, संस्थानों और अन्य ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप भविष्य के लिए तैयार, चुस्त और मजबूत समाधान है।

कॉर्पोरेट बैंकिंग

क. कॉर्पोरेट लेखा समूह (CAG)

कॉर्पोरेट लेखा समूह (CAG) बैंक का एक समर्पित वर्टिकल है जो उच्च मूल्य वाले कॉर्पोरेट संबंधों का प्रबंधन करता है, विशेष वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करता है। यह प्रमुख वाणिज्यिक केंद्रों में स्थित पांच शाखाओं के माध्यम से संचालित होता है: मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नई।

• शाखा स्थान और नेतृत्व:

- मुंबई (2 शाखाएं), नई दिल्ली (1), और चेन्नई (1): सभी महाप्रबंधकों के नेतृत्व में कार्यरत
- सीएजी मुंबई शाखा में एफडीआई, एफपीआई, एआईएफ, कस्टोडियन आदि के लिए एक विदेशी संस्थागत निवेश सेल भी है।

• व्यवसाय मॉडल:

- कैग प्रत्येक के साथ एक संबंध प्रबंधन मॉडल का अनुसरण करता है और प्रत्येक कॉर्पोरेट/व्यवसाय समूह एक समर्पित रिलेशनशिप मैनेजर नियुक्त है
- कुशल क्रेडिट और संचालन कर्मचारियों सहित एक क्रॉस-फंक्शनल क्लाइंट सर्विस टीम, समर्थन करती है
- एसबीआई को शीर्ष कॉर्पोरेट्स के लिए पहली पसंद बनाने के लिए संरचित उत्पादों सहित एकीकृत समाधान देने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

वित्तीय संस्थान शाखा (एफआई शाखा)

मुंबई

- **एक उप महाप्रबंधक के नेतृत्व में**, एफआई शाखा, पूर्व में पूंजी बाजार शाखा, वित्तीय संस्थान ग्राहकों को निर्बाध सेवाएं प्रदान करती है।
- **प्रमुख सेवाएं:**
 - स्टॉक ब्रोकर, म्यूचुअल फंड और बीमा कंपनियों के लिए इंटराडे सुविधाएं
 - एक्सचेंजों के साथ मार्जिन के लिए बैंक गारंटी और ई-एफडीआर
 - सेबी के लिए 'जारी करने के लिए बैंकर' के रूप में कार्य करता है, IPO, ऋण और अधिकार मुद्रों और QIP को संभालता है
 - एनएसई, बीएसई, एमसीएक्स और अन्य जैसे एक्सचेंजों के लिए निपटान खातों का प्रबंधन करता है।

कॉर्पोरेट समाधान समूह (सीएसजी)

- आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण और लेनदेन बैंकिंग जैसी गैर-क्रेडिट जरूरतों को पूरा करने के लिए, **सीएजी वर्टिकल के भीतर** कॉर्पोरेट समाधान समूह (सीएसजी) बनाया गया है।

प्रमुख ग्राहक

- प्रमुख समूह, वित्तीय संस्थान और महारत्न/नवरत्न पीएसयू बैंक वर्टिकल के प्रमुख ग्राहक हैं।

क्रेडिट पोर्टफोलियो वृद्धि

- **31 मार्च, 2025 तक:** कुल क्रेडिट पोर्टफोलियो ₹7.79 लाख करोड़ (फंड-आधारित ₹5.58 लाख करोड़, गैर-फंड-आधारित ₹2.25 लाख करोड़)।
- **31 मार्च, 2024 तक:** कुल क्रेडिट पोर्टफोलियो ₹7.44 लाख करोड़ (फंड-आधारित ₹5.46 लाख करोड़, गैर-फंड-आधारित ₹2.06 लाख करोड़)।

ख. ट्रेजरी परिचालन

ग्लोबल मार्केट्स यूनिट (जीएमयू) आपके बैंक के घरेलू ट्रेजरी परिचालनों का प्रबंधन करती है, जोखिम-समायोजित रिटर्न के लिए निधि परिणियोजन का अनुकूलन करती है। इसके पोर्टफोलियो में एसएलआर और गैर-एसएलआर प्रतिभूतियां, इक्विटी, म्यूचुअल फंड, निजी इक्विटी, उद्यम पूंजी और रणनीतिक निवेश शामिल हैं। जीएमयू विदेशी मुद्रा और जोखिम प्रबंधन समाधान भी प्रदान करता है।

विव.2025 में, सेवाओं इत्यादि के कारण में वैश्विक वृद्धि असमान था, जबकि विनिर्माण विशेष रूप से यूरोप और एशिया में पिछड़ गया था। अमेरिकी विकास 2024 में स्थिर रहा, लेकिन टैरिफ से संबंधित अनिश्चितताओं के बीच 2025 की शुरुआत में नरमी के संकेत दिखाए। अवस्फीति आगे बढ़ी लेकिन वर्ष के अंत की ओर स्थिर हो गई, जिससे प्रमुख केंद्रीय बैंकों (बैंक ऑफ जापान को छोड़कर) ने चक्रों को आसान बनाना शुरू कर दिया। भू-राजनीतिक जोखिम और बदलती व्यापार नीतियां प्रमुख चुनौतियां बनी रहीं।

भारत की अर्थव्यवस्था लचीली रही, वास्तविक GDP वृद्धि Q3 विव.25 में बढ़कर 6.2% वर्षानुवर्ष हो गई, जो Q2 में 5.6% से बढ़ गई, Q4 में और गति देखी गई।

रुपया बाजार

(i) ब्याज दर बाजार: एसएलआर और गैर-एसएलआर पोर्टफोलियो

आरबीआई ने अक्टूबर 2024 में अपने पॉलिसी रुख को 'न्यूट्रल' में बदल दिया और फरवरी 2025 में दरों में 25 bps की कटौती की - मई 2020 के बाद से पहली बार - क्योंकि मार्च 2025 में CPI मुद्रास्फीति घटकर 3.34% हो गई। वर्ष के दौरान 10-वर्षीय बेंचमार्क उपज 7.06% से घटकर 6.58% हो गई। आपके बैंक के रणनीतिक निवेशों ने पोर्टफोलियो की पैदावार, आय और व्यापारिक लाभ को बढ़ाया

तरलता अस्थिरता के बावजूद। एसबीआई संशोधित मानदंडों के तहत CDS बेचने वाला पहला भारतीय बैंक बन गया और भारत के त्रिपक्ष बॉन्ड रेपो प्लेटफॉर्म पर पहली अवधि के रेपो सौदे को अंजाम दिया।

(ii) इक्विटी मार्केट

मजबूत विव.2024 प्रदर्शन के बाद, इक्विटी मार्केट H2विव.25 में सही हो गए, जिसमें निफ्टी50 वैल्यूएशन चिंताओं, कमजोर आय और FPI सेल-ऑफ के कारण सिंगल-डिजिट रिटर्न पोस्ट कर रहे थे। आपके बैंक ने गतिशील पोर्टफोलियो प्रबंधन और मजबूत आईपीओ भागीदारी के माध्यम से बेंचमार्क (निफ्टी 50 और निफ्टी 200) से बेहतर प्रदर्शन किया। फोकस एक मजबूत दीर्घकालिक पोर्टफोलियो बनाने और विस्तारित अनुसंधान और प्रशिक्षण द्वारा समर्थित सामरिक पदों के माध्यम से अल्फा वितरित करने पर रहता है।

(iii) प्राइवेट इक्विटी/वेंचरकैपिटल फंड

आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2025 में प्रत्यक्ष इक्विटी भागीदारी के माध्यम से स्टार्टअप-केंद्रित फंड और वित्तीय बाजार के बुनियादी ढांचे में सक्रिय रूप से निवेश किया।

विदेशी मुद्रा बाजार

GMU ने यूएसडी-आईएनआर स्पॉट और फॉरवर्ड मार्केट में नेतृत्व करना जारी रखा और सीसीएसएल एफएक्स जैसे प्लेटफॉर्म पर एक प्रमुख लिक्विडिटी प्रदाता बना रहा। बैंक भी सक्रिय रूप से मुद्रा वायदा में व्यापार करता है



और ई-फॉरेक्स, एफएक्स-ऑल और 360 टी के माध्यम से मूल्य निर्धारण प्रदान करता है। एक प्रमुख मील का पत्थर NPCI के लिए QAR-INR जोड़ी में UPI P2M लेनदेन को सक्षम करना था, जो कम लागत वाले वैश्विक भुगतानों का समर्थन करता था।



10

प्रमुख शहर

43

सैटेलाइट केंद्र

आपके बैंक की ट्रेजरी मार्केटिंग इकाइयां देश भर में फैली हुई हैं ताकि निर्यातकों, व्यापारिक उद्योग निकायों और बड़े कॉर्पोरेट ग्राहकों के साथ बैठकों, सम्मेलनों आदि का आयोजन करके ग्राहकों को उनकी अनूठी आवश्यकताओं के साथ मदद की जा सके ताकि उनकी जरूरतों को समझा जा सके और विदेशी मुद्रा बाजारों और विभिन्न उत्पादों की व्याख्या की जा सके; आपके बैंक में संस्थागत अनिवारी ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करने के लिए एक विशेष डेस्क भी है

डेरिवेटिव

आपका बैंक ओटीसी और एक्सचेंज-ट्रेडेड ब्याज दर और मुद्रा डेरिवेटिव में काम करता है, रुपया ब्याज दर स्वेप (ओआईएस), रुपया ब्याज दर वायदा (आईआरएफ), विदेशी मुद्रा ब्याज दर स्वेप (आईआरएस), क्रॉस मुद्रा स्वेप (सीसीएस), यूएसडी / आईएनआर विकल्प और अधिक जैसे उत्पादों की पेशकश करता है। नवंबर 2024 से, इसने पात्र कॉर्पोरेट्स को नॉन-डिलिवरेबल विकल्प (NDO) प्रदान करना शुरू किया। सभी लेनदेन आपके बैंक की डेरिवेटिव नीति द्वारा नियंत्रित होते हैं, जो ग्राहक की पात्रता, जोखिम सीमा (जैसे ग्रीक, पीवी01) और जोखिम मानदंडों को रेखांकित करती है। इंटरबैंक जोखिमों को पूर्व निर्धारित सीमाओं, आईएसडीए और क्रेडिट सपोर्ट एग्रीमेंट (सीएसए) के माध्यम से प्रबंधित किया जाता है।



प्रमुख पहल

- उन्नत डेटा और ईफॉरेक्स प्लेटफॉर्म: योनो के साथ एकीकृत, दोनों प्लेटफॉर्म अब एक साथ निर्बाध रूप से काम करते हैं, जिससे व्यापार अनुबंधों पर विदेशी मुद्रा बुकिंग के लिए ऐप्स के बीच टॉगल करने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।
- ग्राहक अंतर्निहित दस्तावेजों को सीधे ईफॉरेक्स पर अपलोड कर सकते हैं, शाखा में आने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है
- व्युत्पन्न सीईएल सीमाओं और ईडीपीएमएस / आईडीपीएमएस रिपोर्ट की वास्तविक समय दृश्यता अब ऑनलाइन उपलब्ध है
- ईफॉरेक्स उपयोगकर्ताओं को सूचित रखते हुए, इंस्टाडे मार्केट अपडेट भी प्रदान करता है ट्रेड

एपीआई ग्राहकों को सीधे अपने ईआरपी सिस्टम के माध्यम से लेनदेन की स्थिति प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

- सरलीकृत प्रेषण: ग्राहक अब बैंक शाखाओं के माध्यम से एलआरएस के तहत 250,000 अमेरिकी डॉलर तक भेज सकते हैं
- योनो ऐप पर एफएक्स-आउट सक्षम: खुदरा उपयोगकर्ताओं के लिए बाहरी विदेशी मुद्रा लेनदेन में आसानी बढ़ाना
- आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणन: ग्लोबल मार्केट्स यूनिट ने आईएसओ मान्यता हासिल की, जो गुणवत्ता मानक के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है

ग. अंतरराष्ट्रीय परिचालन

आपके बैंक के अंतरराष्ट्रीय परिचालन दो प्रमुख उद्देश्यों की पूर्ति करते हैं: वैश्विक भारतीय कंपनियों और दुनिया भर में बसे भारतीयों को सहायता प्रदान करना, साथ ही सही मायने में अंतरराष्ट्रीय बैंक बनने के लिए स्थानीय

व्यवसाय विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित करना। इन विदेशी गतिविधियों का प्रबंधन समर्पित अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह (आईबीजी) द्वारा किया जाता है, जिसका नेतृत्व प्रबंध निदेशक (आईबी, जीएम एंड टी) की देखरेख में उप प्रबंध निदेशक (आईबीजी) करते हैं।

वैश्विक उपस्थिति

एसबीआई ने 1864 में कोलंबो (श्रीलंका) में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय परिचालन शुरू करने के साथ अपनी अंतरराष्ट्रीय यात्रा शुरू की। एसबीआई की आज 29 देशों में 244 कार्यालय हैं। बैंक की विदेशी शाखाएं परिसंपत्तियों और देनदारियों दोनों पक्षों में सक्रिय हैं।

इसकी खुदरा बैंकिंग, कॉर्पोरेट बैंकिंग, व्यापार वित्त व्यवसाय और निवेश के लिए विशेष शाखाएँ हैं। बैंक के पास धन का प्रबंधन करने के लिए 5 केंद्रीय ट्रेजरी हैं और उनसे जुड़े कार्यालयों के लिए एएलएम है। डिजिटल बैंकिंग ऐप, योनो उन सभी 14 केंद्रों में लॉन्च किया गया है जहां बैंक का खुदरा संचालन है। बैंक ने फिनटेक, विनिमय कंपनियों के साथ टाईअप किया गया है, और दुनिया भर के 55 देशों में 223 बैंकों के साथ प्रतिनिधि संबंध हैं।

आईबीजी ने लगातार चल रही भू-राजनीतिक उथल-पुथल/संघर्षों, पश्चिम में बैंक विफलताओं, पड़ोसी देशों में आर्थिक मंदी आदि सहित विषम चुनौतियों के लिए अनुकूलित किया है और जोखिम-वापसी गतिशीलता को संतुलित करते हुए एक स्वस्थ विकास प्रक्षेपवक्र पर बना हुआ है। आपके बैंक के अंतरराष्ट्रीय परिचालनों ने कुशल परिसंपत्ति देयता प्रबंधन, देयता प्रबंधन और ओवरहेड्स में लागत दक्षता, नई आय धाराओं की खोज, डिजिटलीकरण को बढ़ाने और नए व्यवसाय के लिए संबंधों का लाभ उठाने के माध्यम से इन बाधाओं के बावजूद अपनी लाभप्रदता बनाए रखी है। आईबीजी का यह निरंतर प्रयास रहा है कि वह बैंक के व्यवसाय और इसकी वैश्विक आकांक्षाओं में योगदान करे, जो इसके विजन के अनुरूप है, जो निम्नानुसार प्रलेखित है:

आईबीजी विजन:

- वैश्विक बैंक के रूप में बैंक की स्थिति को मजबूत करना
- दुनिया भर में अखिल भारतीय संबंधित व्यवसाय के लिए पहली पसंद के बैंकर के रूप में उभरने के लिए
- बैंक के कारोबार और लाभ में अपनी हिस्सेदारी में लगातार सुधार करना
- क्रॉस-वर्टिकल तालमेल के माध्यम से बैंक के समग्र कारोबार को अधिकतम करने के लिए योगदान करना।



खोले/बंद किए गए कार्यालयों का विवरण नीचे दी गई तालिका में दिया गया है:

विदेशी कार्यालय	मार्च '24 को	वर्ष के दौरान खोला गया	वर्ष के दौरान बंद	मार्च '25 की स्थिति अनुसार
शाखाएँ/उप-कार्यालय/अन्य कार्यालय	59	0	0	59
अनुषंगियों के कार्यालय	172	4	0	176
प्रतिनिधि कार्यालय	5	0	0	5
जेवी/एसोसिएट्स/मैनेज्ड एक्सचेंज कंपनी/इन्वेस्टमेंट	5	0	1	4
कुल	241	4	1	244

विव.2025 के दौरान, एसबीआई कनाडा बैंक और नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक की सहायक कंपनियों ने क्रमशः एक और तीन कार्यालय खोले। इस बीच, संयुक्त अरब अमीरात में सिटी एक्सचेंज के प्रबंधन के लिए समझौता वित्त वर्ष 2025 के दौरान समाप्त कर दिया गया था।

विदेशी बैंकिंग अनुषंगियां/संयुक्त उद्यम

अनुषंगियां	शेयर होल्डिंग (%)
भारतीय स्टेट बैंक (कैलिफोर्निया)	100.00
एसबीआई कनाडा बैंक	100.00
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (यूके) लिमिटेड	100.00
वाणिज्यिक इंडो बैंक एलएलसी	100.00
एसबीआई (मॉरीशस) लिमिटेड	96.60
बैंक एसबीआई इंडोनेशिया	99.00
नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	55.00
विदेशी गैर-बैंकिंग अनुषंगी	
एसबीआई सर्विसोस लिमिटेडा, ब्राजील	99.99
संयुक्त सहयोगी	
बैंक ऑफ भूटान लिमिटेड	20.00

आईबीजी के विशिष्ट विभागों ने विभिन्न खंडों में योगदान देकर गति को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है:

1. क्रेडिट योगदान: व्यवसाय चालक

- क) अन्य भारतीय और विदेशी बैंकों के साथ मिलकर सिंडिकेटेड सौदों के माध्यम से ईसीबी, और
- ख) स्थानीय/वैश्विक बैंकों के साथ साझेदारी करके स्थानीय बाजारों में विदेशी कॉरपोरेट्स को द्विपक्षीय रूप से ऋण देना।

आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान भारत से संबंधित कॉरपोरेट्स और भारतीय कॉरपोरेट्स की विदेशी सहायक कंपनियों को 9.06 बिलियन अमरीकी डॉलर और विदेशी संस्थाओं को 11.67 बिलियन अमरीकी डॉलर का विदेशी मुद्रा ऋण वितरित किया है।

आईबीजी स्थानीय ऋण कार्यनीति:

- विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में अच्छी गुणवत्ता वाली परिसंपत्तियों में निवेश करने के लिए आईएफसी, एएफसी, एडीबी, ईसीए समर्थित आदि जैसे बहुपक्षीय संस्थानों के साथ जुड़ना।
- नए भौगोलिक क्षेत्रों में पदचिह्न स्थापित करना जो वैश्विक स्तर पर मजबूत आर्थिक प्रदर्शन प्रदर्शित कर रहे हैं और जिनमें अप्रयुक्त क्षमता है।
- द्विपक्षीय सौदों, आपूर्ति श्रृंखला सौदों और बेहतर मार्जिन/शुल्क के साथ सिंडिकेशन ऋणों की शुरुआत पर ध्यान केंद्रित करना।
- क्रॉस-वर्टिकल तालमेल और घरेलू कॉरपोरेट्स के साथ अपने संबंधों का लाभ उठाकर उनके विदेशी परिचालनों को वित्तपोषित करना।

- स्थानीय बैंकों/वैश्विक बैंकों/विदेशी उपस्थिति वाले भारतीय कॉरपोरेट्स के साथ बेहतर जुड़ाव।
- नेटवर्किंग कार्यक्रमों की मेजबानी करके और स्थानीय बैंकों के साथ जुड़ाव बढ़ाकर स्थानीय/खुदरा ऋण बाजारों में बैंक की दृश्यता में सुधार करना।
- ग्रीन लोन, सोशल लोन और स्थिरता से जुड़े ऋणों में भागीदारी पर अधिक जोर देना।

2. व्यापार वित्त

आपका बैंक भारतीय आयातकों और निर्यातकों को एक व्यापक, अच्छी तरह से सुसज्जित शाखा नेटवर्क के माध्यम से व्यापार वित्त उत्पादों और सेवाओं की एक श्रृंखला की पेशकश करके समर्थन कर रहा है जो भारत और विदेशों में सभी समय क्षेत्रों में संचालित होता है।

आईबीजी का वैश्विक व्यवसाय विभाग (जीटीडी) हमारे विदेशी कार्यालयों (एफओ) को व्यापार वित्त पोर्टफोलियो के व्यवस्थित विकास के लिए सहायता प्रदान करता है, बाजार की मांग और बदलते नियामक मानदंडों के अनुसार एफओ के लिए नीतियां बनाता है और नए उत्पाद उपलब्ध कराता है। जीटीडी भारतीय कॉर्पोरेट्स को उनके आयात के लिए व्यापार ऋण की सुविधा प्रदान करता है और अधिकतम रिटर्न के लिए घरेलू और विदेशी कार्यालयों के बीच व्यापार प्रवाह को समन्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह व्यापार निकायों जैसे बीएफटी (वित्त और व्यापार के लिए बैंकर्स एसोसिएशन), जीटीआर (वैश्विक व्यापार समीक्षा) आदि के साथ साझेदारी करके व्यापार से संबंधित कार्यशालाओं/सम्मेलन का आयोजन भी करता है। निर्यातकों/नियामकों/उद्योग प्रमुखों के साथ नेटवर्किंग के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए आईसीसी, एफआईआईओ आदि के साथ साझेदारी करके कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाता है। आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान हमारे विदेशी कार्यालयों के माध्यम से व्यापार वित्त में 62.19 बिलियन अमरीकी डालर का संवितरण किया है।

- **पुरस्कार और मान्यता** 16.12.2024 को एक प्रेस विज्ञापन में, न्यूयॉर्क स्थित प्रतिष्ठित 'ग्लोबल फाइनेंस पत्रिका' ने विश्व के सर्वश्रेष्ठ व्यापार वित्त प्रदाताओं 2025 की सूची प्रकाशित की है।
 - उभरते बाजारों में व्यापार वित्त के लिए सर्वश्रेष्ठ बैंक।
 - भारत में सर्वश्रेष्ठ व्यापार वित्त बैंक।

आपके बैंक को पहली बार 'उभरते बाजारों में व्यापार वित्त के लिए सर्वश्रेष्ठ बैंक' के रूप में मान्यता मिली है।

3. इसीबी और सिडिकेशन

- इसीबी और सिडिकेशन विभाग, आईबीजी नियामक दिशानिर्देशों के अनुपालन में कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए विदेशी मुद्रा उधारी की सुविधा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- आपका बैंक भारतीय कॉर्पोरेट्स की वैश्विक विकास रणनीति में उनका सक्रिय भागीदार है और अन्य भारतीय और विदेशी बैंकों के साथ द्विपक्षीय

व्यवस्थाओं और सिडिकेटेड सौदों के माध्यम से इसीबी के माध्यम से विदेशी मुद्रा में पूंजीगत व्यय, विस्तार और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए ऋण की व्यवस्था करता है।

- वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों के लिए सफलतापूर्वक धन की व्यवस्था की, जिसमें हरित पहल और सतत बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थिरता से जुड़े ऋण की मंजूरी भी शामिल है।
- ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण और विनियामक अनुपालन के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, इसीबी और सिडिकेशन विभाग बाजार पर नजर रखता है और उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिनमें इसीबी की मांग देखी गई है, जिससे आर्थिक विकास में योगदान मिलता है और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में बैंक की स्थिति मजबूत होती है।

4. विदेशी ट्रेजरी प्रबंधन

आपके बैंक के अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह (TMG-IBG) में ट्रेजरी प्रबंधन समूह विदेशी कार्यालयों के लिए निम्नलिखित कार्य करता है:

- क) तरलता प्रबंधन
- ख) डीलिंग रूम संचालन
- ग) निवेश

TMG-IBG IBG के समग्र परिसंपत्ति देयता पोर्टफोलियो का प्रबंधन करता है और तरलता आवश्यकताओं और परिसंपत्ति देयता प्रबंधन अनुपात की निगरानी करता है।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, आपके बैंक ने विभिन्न चैनलों के माध्यम से 3.6 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक दीर्घकालिक संसाधन जुटाए हैं। आपके बैंक ने 1,750 मिलियन अमरीकी डॉलर (3 साल के लिए 750 मिलियन अमरीकी डॉलर और 5 साल के लिए 1,000 मिलियन अमरीकी डॉलर) का सिडिकेशन सौदा किया है। आपके बैंक ने एमटीएन कार्यक्रम के तहत 5 वर्षीय अमेरिकी ट्रेजरी +82 बीपीएस के ऐतिहासिक सर्वकालिक निम्नतम प्रसार पर कुल 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं और सामाजिक

ऋण पोर्टफोलियो पर 495 मिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाकर आगे व्यापक आधार देयता भी जुटाई है। आपके बैंक ने उच्च दर पर 800 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का पूर्व भुगतान करके और काफी कम ब्याज दर पर उधार लेकर लागत में उल्लेखनीय कमी की है। वर्तमान में लंदन, न्यूयॉर्क, हांगकांग, बहरीन और गिफ्ट सिटी गांधीनगर में पांच प्रमुख डीलिंग रूम हैं जो छोटे विदेशी कार्यालयों को उनके परिचालन में मदद करने के लिए हब और स्पोक मॉडल पर काम करते हैं। आपका बैंक आईएफएससी गिफ्ट सिटी में इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (आईआईबीएक्स) में ट्रेडिंग-कम-विलियरिंग सदस्य (टीसीएम) के रूप में शामिल होने वाला पहला बैंक बन गया है।

5. वैश्विक भुगतान और सेवाएं

वैश्विक भुगतान एवं सेवा (जीपी एंड एस) विभाग, आईबीजी विदेशी स्थानों से भारत में ऑनलाइन आवक रुपया प्रेषण और स्विफ्ट आधारित रुपया प्रेषण, विदेशी मुद्रा चेक संग्रह, रुपया वास्ट्रो खाते (आरवीए)/विशेष रुपया वास्ट्रो खाते (एसआरवीए) खोलना और रखरखाव तथा एशियाई समाशोधन संघ (एसीयू) लेनदेन की सुविधा प्रदान करता है।

आपके बैंक ने विदेशी देशों से भारत में विदेशी आवक रुपया प्रेषण को चैनलाइज करने के लिए 50 से अधिक प्रेषण भागीदारों के साथ गठजोड़ किया है।

वर्ष की मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

- विशेष रुपया वास्ट्रो खातों के माध्यम से भारतीय रुपये में व्यापार के निपटान के लिए आरबीआई के प्रावधानों के अनुसार, जीपी एंड एस ने आरबीआई की मंजूरी के साथ वर्ष के दौरान तीन एसआरवी खाते खोले हैं।
- भारत में धन प्रेषण को चैनलाइज करने के लिए कुवैत में एक नया धन प्रेषण भागीदार शामिल किया गया है

6. एनआरआई के लिए खुदरा रणनीति

आपका बैंक अपने विशेष खुदरा और धन-प्रेषण उत्पादों के माध्यम से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले एनआरआई के लिए "भारत का प्रवेश द्वार" रहा है। वर्ष की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं:

- योनी एसबीआई, बैंक की सबसे महत्वाकांक्षी और सुरक्षित डिजिटल पेशकश में से एक है, जिसे अब हमारे विदेशी कार्यालयों के ग्राहकों तक विस्तारित किया गया है। इसे यूके, कनाडा, मॉरीशस, नेपाल, मालदीव, 60 बांग्लादेश, बहरीन, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, जर्मनी, शिकागो और न्यूयॉर्क में सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया है, जबकि यूके और कनाडा में बिना आमने-सामने खाता खोलने की सुविधा चालू है। योनी के माध्यम से 3.32 लाख से अधिक विदेशी ग्राहक जुड़े हैं।
- वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, आपके बैंक ने जर्मनी, सिंगापुर और मस्कट में भी योनी की शुरुआत की है।
- एसबीआईयूके और एसबीआई कनाडा बैंक में पूरी तरह से डिजिटल बिना व्यक्तिगत भेंट के ऑनलाइन खाता खोलने की सुविधा उपलब्ध है।

नमस्ते यूके: यह उत्पाद भारतीय नागरिकों (जिनके पास लंबी अवधि का यूके वीजा है) को यूके पहुंचने से पहले योनी एसबीआई यूके ऐप में एसबीआईयूके के साथ खाता खोलने में सक्षम बनाता है।

जीआईसी खाता: यह उत्पाद कनाडा (पढ़ाई के लिए) जाने वाले छात्रों को योनी कनाडा ऐप में हमारे एसबीआई कनाडा बैंक के साथ जीआईसी खाता खोलने में सक्षम बनाता है।

योनी ग्लोबल की "वन व्यू" सुविधा हमारे विदेश स्थित ग्राहकों को योनी ग्लोबल ऐप के माध्यम से अपने घरेलू एसबीआई खातों को देखने की अनुमति देती है, जो व्यावहारिक रूप से घरेलू योनी एसबीआई की सभी पूछताछ सुविधाओं को हमारे वैश्विक संस्करण के साथ मिला देता है। 10500 से अधिक एसबीआई विदेश कार्यालय ग्राहक पहले से ही इस सुविधा का उपयोग कर रहे हैं।

7. वित्तीय संस्थान समूह (एफआईजी)

एफआईजी विभाग, आईबीजी बैंक को अंतरराष्ट्रीय हितधारकों जैसे वित्तीय संस्थानों (एफआई), विदेशी सरकारी एजेंसियों और विकासात्मक वित्तीय संस्थानों (डीएफआई) आदि के साथ संबंध स्थापित करने में सहायता करता है। यह आईबीजी और बैंक के अन्य व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों जैसे कॉर्पोरेट खाता समूह, वाणिज्यिक ग्राहक समूह, खुदरा बैंकिंग समूह और

वैश्विक बाजारों आदि के बीच तालमेल स्थापित करने की दिशा में भी काम करता है।

हमारे 55 देशों में फैले 223 प्रतिनिधि बैंकों के साथ व्यावसायिक संबंध हैं। हम घरेलू और विदेशी दोनों कार्यालयों द्वारा स्थापित आरएमए (रिलेशनशिप मैनेजमेंट एप्लीकेशन) के संरक्षक भी हैं। आज, हम 118 देशों में 860+ बैंकों के साथ 4200 से अधिक आरएमए बनाए रखते हैं।

एफआईजी अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह की बैलेंस शीट में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और व्यापार वित्त, ऋण और उधार, फंड जुटाने, आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण, विदेशी मुद्रा और प्रेषण जैसे व्यवसाय श्रेणियों के स्पेक्ट्रम में वित्तीय संस्थानों के साथ 360 डिग्री संबंधों के प्रबंधन में एक धुरी के रूप में कार्य करता है।

वर्ष 2023-24 के दौरान, एफआईजी विभाग को वैश्विक एफआईजी के रूप में उभरने के लिए बढ़ाया गया था, जिसका अंतिम उद्देश्य वित्तीय संस्थानों को हमारे बैंक के उत्पाद मिश्रण को बढ़ाना और ग्राहकों की आवश्यकताओं को एक ही स्थान पर संबोधित करने में सक्षम होना है। वैश्विक एफआईजी अब दुनिया भर में समर्पित/नामित एफआई टीमों के साथ, आईबीजी के विभिन्न विभागों के पहचाने गए एसपीओसी और बैंक के विभिन्न वटिकल/सहायक कंपनियों की व्यावसायिक इकाइयों के एसपीओसी के साथ मिलकर काम करके एक व्यापक भूमिका निभा रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि एफआईजी ने पिछले कुछ वर्षों में दुनिया भर के विभिन्न विदेशी बैंकों और बहुपक्षीय संस्थाओं (वित्तीय संस्थानों - एफआई) के साथ जो व्यापक/गहरी जड़ें स्थापित की हैं, उनका वन एसबीआई मार्केटिंग दृष्टिकोण के तहत विभिन्न एफआई के साथ वैश्विक एफआईजी टीम के सक्रिय सहयोग के माध्यम से बैंक के विभिन्न व्यवसायों के लिए प्रभावी ढंग से लाभ उठाया जा सके।

8. अंतराष्ट्रीय बैंकिंग - घरेलू (आईबीडी)

आपका बैंक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित होने वाले एक व्यापक शाखा नेटवर्क के माध्यम से निर्यातकों और आयातकों को उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है।

- अंतराष्ट्रीय बैंकिंग-घरेलू (आईबीडी) विभाग, आईबीजी व्यापार वित्त और अंतराष्ट्रीय बैंकिंग से संबंधित क्षेत्रों में घरेलू कार्यालयों और विदेशी कार्यालयों के बीच संपर्क के एकल बिंदु के रूप में कार्य करता है। आईबीडी का उद्देश्य घरेलू कार्यालयों और विदेशी कार्यालयों/प्रतिनिधि बैंकों और व्यापारिक समुदाय के बीच तालमेल और व्यापार प्रवाह में सुधार करना है, उनके बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में कार्य करके। आईबीडी शाखाओं, व्यापार निकायों और अन्य हितधारकों को सक्रिय रूप से शामिल करके निर्यात ऋण की वृद्धि की सुविधा प्रदान करता है।
- आईबीडी निर्यात ऋण में सुधार के लिए रणनीति तैयार करके निर्यातकों की बैठकें आयोजित करके और देश के प्रमुख निर्यातमुखी केंद्रों में आईबी, विदेशी मुद्रा, व्यापार वित्त शाखाओं में कार्यरत अधिकारियों के लिए संगोष्ठियों की श्रृंखला आयोजित करके निर्यात ऋण की वृद्धि की सुविधा प्रदान करता है।
- व्यापार समुदाय की सुविधा के लिए, आईबीडी द्वारा हर साल विदेशी मुद्रा सेवा शुल्क को तर्कसंगत बनाया जा रहा है और बाजार के साथ जोड़ा जा रहा है। आईबीडी एक्जिम एंटरप्राइज/स्विफ्ट में आईटी सिस्टम से संबंधित संवर्द्धन और अपडेट की सुविधा भी प्रदान करता है।
- आईबीडी आईसीसी, एफआईओ, फिक्की, सीआईआई आदि के साथ साझेदारी करके आईबी अधिकारियों के कौशल के पुनर्निर्माण में भी सक्रिय रूप से शामिल है और व्यापार से संबंधित कार्यशालाओं/सेमिनारों का आयोजन करता है जो निर्यातकों/नियामकों/उद्योग प्रमुखों के साथ नेटवर्किंग के लिए अच्छा मंच प्रदान करते हैं, साथ ही व्यापार निकायों और आईसीसी उपसमूहों के साथ समन्वय और संपर्क स्थापित करके संबंध विकसित करने और उन्हें मजबूत बनाने का काम करते हैं।
- आईबीडी ने ई-बीजी परियोजना भी शुरू की है, जो बैंक गारंटी के लिए एक एंड-टू-एंड डिजिटल प्रक्रिया है। इसे उन सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू किया गया है जहां एनईएसएल ई-बीजी की सुविधा प्रदान कर रहा है।

- आईबीडी ने कॉरपोरेट्स के लिए एक अतिरिक्त चैनल प्रदान किया है, यानी स्विफ्ट के माध्यम से बैंक को आयात ऋण पत्र अनुरोध बढ़ाने के लिए।
- आईबीडी ने हमारे खुदरा ग्राहकों के लिए स्विफ्ट गो त्वरित प्रेषण सुविधा शुरू की। यह सुविधा आउटवर्ड/इनवर्ड प्रेषण के लिए कम मूल्य के भुगतान (यूएसडी 10,000 तक) के लिए कम टीएटी, प्रतिस्पर्धी शुल्क और पूर्वानुमान सुनिश्चित करती है। यह सेवा यूएसडी में और यूएस और अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में स्विफ्ट गो सदस्य बैंकों के बीच उपलब्ध है।

9. विदेशी कार्यालयों में प्रौद्योगिकी

प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण धुरी बनी हुई है, जिसके इर्द-गिर्द हमारे विदेशी कार्यालयों और सहायक कंपनियों में डिजिटल पेशकशों का लगातार विस्तार और सुधार किया जा रहा है। आपके बैंक ने ग्राहक अनुभव, जोखिम प्रबंधन, अनुपालन नियंत्रण को मजबूत करने, प्रक्रिया स्वचालन/लागत अनुकूलन आदि में सुधार लाने के लिए बहुआयामी उद्देश्यों के साथ प्रौद्योगिकी समाधानों का लाभ उठाना जारी रखा है। विदेशी कार्यालयों में की गई पहलों में से कुछ मुख्य बातें इस प्रकार हैं: -

- योनो - बैंक का प्रमुख डिजिटल ऐप हमारे विदेशी कार्यालयों/सहायक कंपनियों में योनो ग्लोबल

के रूप में भी उपलब्ध कराया गया है। इस वर्ष के दौरान, खुदरा उपस्थिति वाले सभी एफओ/सहायक कंपनियों में ऐप रोल-आउट पूरा हो गया है। इसके अलावा, ऐप में उपलब्ध सुविधाओं की सूची में भी ऑनलाइन खाता खोलना, डेबिट कार्ड प्रबंधन, योनो कैश (कार्डलेस कैश निकासी) आदि को शामिल करने के लिए उत्तरोत्तर विस्तार किया गया है। इसके अलावा, यूपीआई के वैश्विक रूप से लोकप्रिय होने के क्षेत्र को एक व्यवहार्य व्यावसायिक मामले के रूप में लिया गया है और इसे कुछ भौगोलिक क्षेत्रों में सीमा पार भुगतान के लिए सक्षम किया गया है, जहां यह वर्तमान में लाइव है। उभरती हुई व्यावसायिक आवश्यकताओं के आधार पर सुविधाओं का गुलदस्ता विस्तारित होता रहेगा। दुनिया भर में भुगतान प्रणालियाँ एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं - स्विफ्ट उद्योग मानकों को आईएसओ 20022 मानकों के अनुरूप संदेश समृद्ध प्रारूप में अपग्रेड किया जा रहा है। आपके बैंक ने यह सुनिश्चित किया है कि विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में परिचालन, जहाँ भी उद्योग परिवर्तन भुगतान को प्रभावित कर रहे हैं, संदेश के नए प्रारूप में सहजता से स्थानांतरित हो रहे हैं। यह बैंक द्वारा केंद्रीय रूप से तैनात अत्याधुनिक भुगतान प्रसंस्करण केंद्र के साथ हासिल किया जा रहा है। आईटी समाधान को भविष्य की

आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जिसमें बैंक के स्रोत प्रणालियों के साथ आगे (जावक भुगतान) और पूर्व (आवक भुगतान) लिंकेज सुनिश्चित किए गए हैं - इस प्रकार ग्राहकों के साथ-साथ पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर काम करने वाले काउंटर पार्टियों के लिए वास्तविक समय और इंस्टेंट रहित भुगतान अनुभव सुनिश्चित किया गया है।

- ग्राहकों को सुरक्षित बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित करने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप, केंद्रीय घोखाधड़ी निगरानी समाधान को वास्तविक समय परिदृश्य निगरानी और भू-स्थान-आधारित निगरानी को सक्षम करने के साथ और मजबूत किया गया है। आपका बैंक आईटी सुरक्षा/साइबर सुरक्षा के उद्योग मानकों के साथ पूरी तरह से संरेखित है, जिनका पालन किया जा रहा है, और सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करना जारी रखता है, जिसमें ग्राहकों के साथ-साथ आंतरिक हितधारकों के लिए निरंतर जागरूकता अभियान शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं, नीतियों और प्रक्रियाओं को वर्तमान व्यावसायिक परिदृश्यों को दर्शाने के लिए अद्यतन करना, जबकि उत्पाद/प्रक्रिया जीवनचक्र प्रबंधन के मुख्य भाग के रूप में जोखिम प्रबंधन को शामिल करना।



झलक

भारतीय स्टेट बैंक (SBI) को ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन द्वारा वार्शिंगटन, डीसी में अपने 31वें वार्षिक सर्वश्रेष्ठ बैंक पुरस्कारों में 2024 के लिए भारत में सर्वश्रेष्ठ बैंक घोषित किया गया था।



श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, अध्यक्ष, एसबीआई, हांगकांग और मकाऊ में भारतीय महावाणिज्य दूतावास कार्यालय द्वारा आयोजित 'भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति और केंद्रीय बजट 2025-26' कार्यक्रम में प्रतिभागियों के सवालियों का जवाब देते हुए



श्री राम मोहन राव अमारा, प्रबंध निदेशक (आईबी, जीएम एवं टी) ब्रसेल्स में बीएनपी परिबास द्वारा आयोजित यूरोपीय बैंक कार्यकारी समिति (ईबीईसी) फोरम में



वाणिज्यिक ग्राहक समूह (सीसीजी)

सीसीजी वर्टिकल का नेतृत्व एमडी द्वारा किया जाता है, जो दो डीएमडी, छह सीजीएम, दस सीसीजी क्षेत्रीय कार्यालयों (CCGROs) और जीएम की अध्यक्षता वाली तीन प्रत्यक्ष शाखाओं द्वारा समर्थित है।

30 शहरों में 51 शाखाएं, सीसीजी डायमंड शाखा जैसी विशेष शाखाओं सहित मध्यम और बड़े आकार के कॉर्पोरेट्स की क्रेडिट जरूरतों को पूरा करते हैं। वर्टिकल व्यापक कॉर्पोरेट जुड़ाव, ग्रीन फाइनेंस, नए युग पर केंद्रित है

व्यापार वित्तपोषण, जोखिम प्रबंधन और सतत विकास। सीजीएम कवरेज गुणवत्ता बढ़ाने के लिए समूह संबंध मालिकों के रूप में काम करते हैं, जबकि क्रेडिट विशेषज्ञों की एक टीम बड़े क्रेडिट प्रस्तावों का समर्थन करती है।

सीसीजी मार्च 23, मार्च 24 और मार्च 25 स्तर सीसीजी व्यवसाय डेटा

	(₹ करोड़ में)		
स्तर	मार्च 23	मार्च 24	मार्च 25
अग्रिम	4,85,092	5,74,453	6,67,906
निक्षेप	1,06,883	1,15,945	1,57,458
कासा जमा (%)	30.18	27.76	34.39
अन्य आय (AUCA रिकवरी से आय को छोड़कर)	3,824	4,134	4,282
प्री-टीपीएम ऑपरेटिंग प्रॉफिट	33,652	41,380	49,431
नए क्रेडिट ग्राहक जोड़े गए			
ग्राहकों की संख्या	232	267	312
वित्त वर्ष के दौरान स्वीकृत सीमाएं	49,101	84,008	86,210

निर्यात ऋण वृद्धि और कॉर्पोरेट बैंकिंग पहल

- **टी-बिल दर विस्तार:** बाहरी बेंचमार्क (टी-बिल दर) से जुड़ी ब्याज दरें अब रुपया निर्यात पैकिंग क्रेडिट, डब्ल्यूसीएल और एलसी बिल डिस्काउंटिंग पर लागू होती हैं ताकि शीर्ष रेटेड उधारकर्ताओं द्वारा उपयोग को बढ़ावा दिया जा सके
- **निर्यातकों की बैठक:** एसबीआई की बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आईबीजी के सहयोग से राष्ट्रव्यापी आयोजित

डिजिटल और व्यापार वित्त पहल

- **दीपक मूल्य निर्धारण टूल:** कॉर्पोरेट ऋणों के लिए एक डेटा-संचालित मूल्य निर्धारण टूल, जो सभी सीसीजी शाखाओं में सक्रिय रूप से उपयोग किया जाता है
- **व्यापार वित्त सुधार:** एकाधिक चैनल के माध्यम से मानकीकृत प्रसंस्करण गति बढ़ाने और ग्राहक अनुभव बेहतर करने के लिए हैदराबाद और कोलकाता में दो वैश्विक व्यापार वित्त केंद्र स्थापित किए गए
- **वरिष्ठ अधिकारियों की पहचान कर प्रत्येक सीसीजी शाखा में** इनकी तैनाती की गई ताकि कॉर्पोरेट इकोसिस्टम के माध्यम से व्यवसाय वृद्धि की जा सके

- **प्रोजेक्ट एक्सीड:** टैट में सुधार और आरएम प्रक्रियाओं को कारगर बनाने के लिए कॉर्पोरेट बैंकिंग (सीसीजी और कैंग) का आधुनिकीकरण करने वाली डिजिटल परिवर्तन पहल

वृद्धि, ईएसजी और क्षेत्र-वार फोकस

- एनबीएफसी, इंफ्रा, सर्विसेज, सीआरई, पावर, केमिकल्स और इंजीनियरिंग द्वारा संचालित सीसीजी के सकल अग्रिम 16.43% वर्ष (31.03.2025 तक) बढ़ गए
- नवीकरणीय ऊर्जा, इथेनॉल, ईवीएस और सिटी गैस वितरण में ईएसजी पहल फोकस में रही
- बैंक ने ईज 7.0 के तहत डेटा सेंटर को चैंपियन सेक्टर के रूप में पहचाना है
- वरिष्ठ अधिकारियों की पहचान कर प्रत्येक सीसीजी शाखा में इनकी तैनाती की गई ताकि कॉर्पोरेट इकोसिस्टम के माध्यम से व्यवसाय वृद्धि की जा सके

संवहनीय वित्त और ईएसजी लक्ष्य

- **ग्रीन पोर्टफोलियो और लक्ष्य:**
 - 2030 तक घरेलू प्रगति के 7.5% हरित पोर्टफोलियो का लक्ष्य निर्धारित

- वर्षवार लक्ष्यों और निगरानी टूल्स के साथ रोडमैप

संवहनीय वित्तपोषण:

- भारतीय खाद्य सुरक्षा ब्यूरो (डीएफआई) और एमडीबी (एलओसी) से **यूएस 3.07 बिलियन** लाइन ऑफ क्रेडिट
- छोटे किसानों के लिए **1 बिलियन अमेरिकी डॉलर** और ग्रीन बॉन्ड में **1,050 मिलियन अमेरिकी डॉलर** जुटाए गए
- ईवी कार ऋण के लिए ग्रीन डिपॉजिट उत्पादों के तहत **₹128.31 करोड़** जुटाए गए

संवहनीय ढांचा:

- **ईएसजी फाइनेंसिंग फ्रेमवर्क** और **सस्टेनेबिलिटी-लिंक्ड फाइनेंस पॉलिसी** लागू की गई
- **सूर्य शक्ति सेल और पीएम सूर्य घर योजना** के माध्यम से सौर ऊर्जा वित्तपोषण पर ध्यान केंद्रित किया

वैश्विक भागीदारी:

- वैश्विक रिपोर्टिंग मानकों के साथ संरेखित करने के लिए पीसीएफ के लिए साइन अप किया

- सतत विकास और जलवायु कार्रवाई में निवेश के लिए एफसीडीओ, यूके के साथ समझौता ज्ञापन

• ग्रीन फाइनेंस डिजिटल प्लेटफॉर्म:

- हरित वित्तीय उत्पाद, डिजिटल एप्लिकेशन और ईएसजी अभिशासन के लिए **एसबीआई ग्रीन** लॉन्च किया गया

• संवहनीयता रिपोर्टिंग:

- **बीआरएसआर प्रारूप में रिपोर्ट** और जीआरआई मानकों के साथ **संरेखित करना**
- बेहतर **MSCI** (BBB से A) और **DJSI** (37 से 49) स्कोर

• कार्बन तटस्थता और आंतरिक संचालन:

- 2030 तक **कार्बन तटस्थता** के लिए रोडमैप
- **30+ मेगावाट** सौर क्षमता स्थापित, **54 IGBC-प्रमाणित भवन** और **542 वर्षा जल संचयन प्रणालियां**

• कर्मचारी जुड़ाव:

- कार्बन फुटप्रिंट में कमी के लिए **ग्रीन क्लब** की पहल

- **ईएसजी** और जलवायु जोखिम पर कार्यशालाएं, और पर्यावरण दिवस का आयोजन

परियोजना वित्त और संरचना सामरिक व्यापार इकाई

आपके बैंक की परियोजना वित्त और संरचना एसबीयू (पीएफ एंड एस एसबीयू) प्रमुख बुनियादी ढांचे (बिजली, सड़क, बंदरगाह, रेलवे, हवाई अड्डे) और गैर-बुनियादी ढांचे क्षेत्रों (रिफाइनरी, धातु, सीमेंट, तेल और गैस, आदि) में बड़े टिकट वित्त पोषण के मूल्यांकन, संरचना और सिंडिकेट में एक केंद्रीय भूमिका निभाता है। यह सभी वॉटिकल में उच्च मूल्य वाले टर्म लोन प्रस्तावों की भी जांच करता है और सरकारी निकायों और आरबीआई के साथ जुड़कर नीति निर्माण में योगदान देता है।

भारत के मजबूत आर्थिक दृष्टिकोण के बीच- विश्व बैंक की ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट्स (GEP) रिपोर्ट (जनवरी 2025) के अनुसार विव.2026 और विव.2027 में 6.7% की दर से बढ़ने का अनुमान है - बुनियादी ढांचे पर सरकार का ध्यान विव.2026 के लिए 11.21 लाख करोड़ रुपये के पूंजी परिव्यय और राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (NIP) और राष्ट्रीय मुद्रीकरण योजना (NMP) जैसी पहलों में स्पष्ट है।

संचयी एनआईपी निवेश 187.77 लाख करोड़ तक पहुंचने और सेमीकंडक्टर जैसे पीएलआई क्षेत्रों को बढ़ावा देने जैसी योजनाओं के साथ, सौर पीवी मॉड्यूल, और उन्नत रसायन विज्ञान प्रकोष्ठ, पीएफ एंड एस एसबीयू सक्रिय रूप से नए युग के विनिर्माण और टिकाऊ बुनियादी ढांचे का समर्थन कर रहा है।

बैंक अक्षय ऊर्जा, ई-मोबिलिटी, डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन / अमोनिया, डीकार्बोनाइजेशन और स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में विचार नेतृत्व और नवाचार को चलाने के लिए नए युग के क्षेत्रों के लिए 'उत्कृष्टता केंद्र' भी स्थापित कर रहा है। आने वाले वर्ष के प्रयास अक्षय ऊर्जा वित्तपोषण को बढ़ाने, उभरते क्षेत्रों में इन-हाउस विशेषज्ञता बनाने और ईएसजी-लिनक्ड वित्तपोषण को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

चालू और गैर-तुलन-पत्र समर्थन सहित शुरू से अंत तक परियोजना वित्त समाधान प्रदान करके और मजबूत सरकार और उद्योग संबंधों को बनाए रखते हुए, आपका बैंक स्थायी परियोजना वित्तपोषण में अपने नेतृत्व को बढ़ाने और 2047 के लिए भारत के विकास लक्ष्यों और 2070 के लिए शुद्ध-शून्य विजन में सार्थक योगदान करने के लिए तैयार है।



तनावग्रस्त आस्तियां प्रबंधन

तनावग्रस्त आस्तियां समाधान समूह (एसएआरजी) आपके बैंक के सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्षेत्रों में से एक है। एसएआरजी द्वारा तनावग्रस्त आस्तियों का समाधान आपके बैंक के लिए निम्नलिखित अव्यक्त आय सृजन के अवसर प्रस्तुत करता है:

- एनपीए और तकनीकी रूप से बड़े खाते खातों (AUCA) में नकद वसूली
- ऋण हानि प्रावधानों में कमी
- आपके बैंक की बॉटम लाइन में योगदान
- क्रेडिट वृद्धि के लिए उधार योग्य निधियों को अनलॉक करना

पिछले छह वित्तीय वर्षों के दौरान बैंक में एनपीए का संचलन और बड़े खाते में डाले गए खातों में वसूली:

विवरण	(₹ करोड़ में)					
	आर्थिक वर्ष 2020	वित्त वर्ष 2021	वित्त वर्ष 2022	वित्त वर्ष 2023	वित्त वर्ष 2024	वित्त वर्ष 2025
सकल एनपीए	1,49,092	1,26,389	1,12,023	90,928	84,276	76,880
सकल एनपीए %	6.15%	4.98%	3.97%	2.78%	2.24%	1.82%
निवल एनपीए	51,871	36,810	27,966	21,467	21,051	19,667
निवल एनपीए %	2.23%	1.50%	1.02%	0.67%	0.57%	0.47%
नवीन स्लिपेज + ओ / एस में वृद्धि	54,510	29,332	26,776	19,224	20,982	22,124
नकद वसूली/उन्नयन	25,781	17,632	21,437	16,259	11,472	9,211
बड़े खाते में डालना	52,387	34,403	19,705	24,061	16,161	20,309
औका वसूली	9,250	10,297	7,782	7,085	6,934	8,002
पीसीआर	83.62%	87.75%	90.20%	91.91%	91.89%	92.08%

लगातार वसूली के प्रयासों से एनपीए के वर्तमान स्तर में निम्नलिखित कारणों से उल्लेखनीय कमी आई है:

- तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए दिवाला और दिवालियापन संहिता (IBC) 2016 ने बैंक को तनावग्रस्त परिसंपत्तियों से निपटने के लिए एक समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी तंत्र प्रदान किया है। संहिता के तहत एनसीएलटी के पास भेजे गए कुछ उच्च मूल्य वाले एनपीए खातों में समाधान हासिल कर लिया गया है। एनसीएलटी को भेजे गए मामलों की निगरानी एसएआरजी की विशेषज्ञ टीमों द्वारा भी की जाती है। 31 दिसंबर, 2024 तक कुल 1,208 मामले (संपूर्ण बैंक) एनसीएलटी को भेजे गए थे, जिनमें से 983 मामले स्वीकार किए गए हैं और 272 मामलों का समाधान किया गया है। 266 मामलों में समाधान योजना को मंजूरी दी गई है और 524 मामलों में एनसीएलटी ने परिसमापन के आदेश दिए हैं।
- स्टिकी ऋण वसूलने के लिए आपके बैंक के बोर्ड द्वारा अनुमोदित ओटीएस योजना, जो गैर-विवेकाधीन और गैर-भेदभावपूर्ण है, समय-समय

पर पात्र उधारकर्ताओं को अशोध्य ऋणों की वसूली/समाधान के लिए प्रदान की जाती है

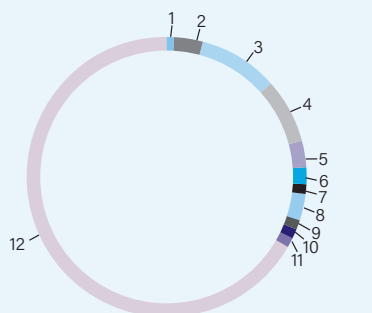
- आरबीआई द्वारा उच्च-मूल्य वाली तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए विवेकपूर्ण ढांचे ने इन खातों (एनसीएलटी प्रक्रिया के बाहर) के समयबद्ध समाधान के लिए एक अवसर प्रदान किया है। आपका बैंक सभी पात्र मामलों में इस विकल्प की खोज कर रहा है
- नकद और/अथवा प्रतिभूति रसीदों (एसआर) आधार पर एनएआरसीएल/एआरसी को परिसंपत्तियों की बिक्री की निगरानी के लिए एक दल का गठन किया गया है
- गैर-एनसीएलटी मामलों में, सरफेसी अधिनियम के तहत कार्रवाई और डीआरटी और अदालतों में मुकदमा दाखिल करके वसूली का पता लगाया जाता है। गिरवी रखी गई संपत्तियों की बिक्री ई-नीलामी प्लेटफॉर्म <https://baanknet.com/> (बैंक एसेट नीलामी नेटवर्क) के माध्यम से करने का प्रयास किया जाता है

- लघु टिकट ऋणों के लिए समाधान ऋण समाधान योजना और मध्यस्थ लोक अदालतों के माध्यम से की जाती है

क्षेत्र-विशिष्ट लक्षित दृष्टिकोण

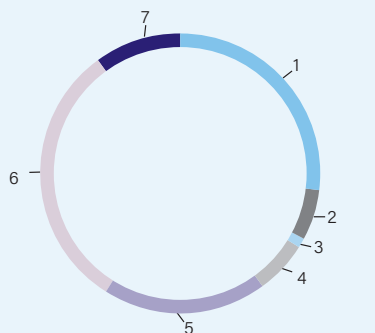
एसएआरजी एनपीए समाधान के लिए एक क्षेत्र-विशिष्ट दृष्टिकोण अपनाता है, जिसका नेतृत्व उप प्रबंध निदेशक करते हैं, जिसमें मुख्य महाप्रबंधकों की निगरानी में क्षेत्रवार और खुदरा एनपीए पोर्टफोलियो की देखरेख होती है। नेटवर्क में अगस्त 2022 में स्थापित 4 SAM क्षेत्रीय कार्यालय (हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, नई दिल्ली) शामिल हैं, जो राष्ट्रव्यापी परिचालन को कवर करते हैं। 15 एसएमबी और 46 एसएआरबी का एक समर्पित बुनियादी ढांचा वर्तमान में आपके बैंक के एनपीए के 41.37% और एयूसी खातों के 84.54% का प्रबंधन करता है, जो परिसंपत्ति वसूली में एसएआरजी की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित करता है।

एनपीए पोर्टफोलियो का उद्योग-वार वितरण (31.03.2025):



1	पावर	1%
2	दूरसंचार	3%
3	ट्रेडिंग	9%
4	सड़कें और बंदरगाह	7%
5	इन्फ्रास्ट्रक्चर (अन्य)	3%
6	इंजीनियरिंग	2%
7	लोहा और स्टील	1%
8	कपड़ा	3%
9	सीआरई/रियल एस्टेट	1%
10	ऑटोमोबाइल/परिवहन	1%
11	धातु और खान	1%
12	अन्य	68%

विभिन्न तरीकों से की गई वसूली (एनपीए+एयूसीए) और कुल वसूली में प्रतिशत हिस्सेदारी (31.03.2025):



1	समझौता	27%
2	सरफेसी	6%
3	डीआरटी	1%
4	एआरसी को बिक्री	6%
5	एनसीएलटी	19%
6	सामान्य वसूली	31%
7	विविध वसूली	10%

तनावग्रस्त आस्तियों के समाधान के लिए नवाचार

आईबीसी के तहत समाधान एक बाजार-उन्मुख तंत्र है, जहां किसी विशेष तनावग्रस्त कॉर्पोरेट देनदार के लिए प्रतिस्पर्धी बोलीदाता बेहतर मूल्यांकन और उच्च वसूली लाने का प्रयास करते हैं।

पात्र परिसंपत्तियों के एनएआरसीएल/एआरसी को हस्तांतरण की निगरानी भी एसएआरजी द्वारा की जा रही है और पहचान की गई परिसंपत्तियों के सुचारु स्थानांतरण को सुनिश्चित करने के लिए अपेक्षित सक्षमताएं मौजूद हैं।

समाधान में तेजी लाने के लिए तनावग्रस्त खातों में किए गए कानूनी उपायों की निगरानी के लिए लिटमास (मुकदमेबाजी प्रबंधन प्रणाली) सहित मजबूत आईटी पहल शुरू की गई हैं। यह प्रक्रिया की पारदर्शिता और दक्षता को और मजबूत करेगा। बेहतर निगरानी और परिचालन उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए विलफुल डिफॉल्ट जांच प्रक्रिया के डिजिटलीकरण के लिए विलफुल डिफॉल्टर प्रबंधन प्रणाली (डब्ल्यूडीएमएस) एप्लिकेशन भी विकसित किया गया है।

प्रमुख एनपीए खाते बिजली, दूरसंचार, व्यापार, सड़क और बंदरगाह, बुनियादी ढांचा (अन्य) आदि जैसे क्षेत्रों से हैं। उपर्युक्त के अलावा, सकल एनपीए का शेष भाग कृषि/प्रति/एमएसएमई से है। कृषि खंड और व्यक्तिगत खंड (क्रमशः कुल जीएनपीए का 38% और 14%) से जीएनपीए भी ऊपर दिखाए गए पाई चार्ट में दूसरों का हिस्सा हैं।



पुनर्रचना स्टूडियो

विव.2025 के दौरान खोली गई शाखाओं का जनसंख्या समूह-वार विवरण



48

मेट्रो

82

शहरी

110

अर्ध-शहरी

182

ग्रामीण

422

कुल



96

वर्ष 2025 के दौरान खोले गए आरएसीपीसी/आरएसीसी/सीपीसी

1. दिव्यांगजनों तक पहुंच

- 31.03.2025 तक 92% शाखाओं को दिव्यांगजनों के लिए सुलभ बनाया गया है। इनमें से 87.86% शाखाएं रैंप के माध्यम से सुलभ हैं, जबकि 4.15% शाखाओं को पोर्टेबल रैंप, भूतल पर सेवाओं के प्रावधान के साथ-साथ एटीएम में जगह जैसे वैकल्पिक समाधानों के माध्यम से सुलभ बनाया गया है।
- पंजीकृत दिव्यांगजन ग्राहकों वाली शाखाओं में विशेष रूप से व्हीलचेयर की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। लगभग 4,753 शाखाओं में व्हीलचेयर की सुविधा है, जो शाखाओं की कुल संख्या का लगभग 21% है।
- दिव्यांगजनों के लिए एक अतिरिक्त उपाय के रूप में एक महीने में तीन मुफ्त लेनदेन के साथ डोरस्टेप बैंकिंग सेवाएं प्रदान की गईं।

2. अधिक फुटफॉल वाली शाखाओं में कतार प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस) की स्थापना

- ग्राहकों के लिए शाखा अनुभव बढ़ाने के लिए, प्रभावी भीड़ प्रबंधन और शाखाओं में आने वाले ग्राहकों को कम करने के लिए आईबीए की उन्नत पहुंच और सेवा उत्कृष्टता (ईज - 7.0) के तहत लगभग 10,000 शाखाओं में कतार प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस) लागू की जा रही है, जिसमें मुख्य रूप से मेट्रो, शहरी और अर्ध-शहरी शाखाएं शामिल हैं।
- टोकन जनरेशन के लिए ओमनी-चैनल (क्यूआर कोड, वेब ब्राउजर, योनो, आदि) की कार्यक्षमता ग्राहकों के अचानक प्रवाह को कम करने के लिए उपलब्ध कराई गई है अन्य विशेषताओं में पूर्व निर्धारित समय और पसंदीदा शाखा चयन, अपेक्षित प्रतीक्षा समय की दृश्यता, अलर्ट और अधिसूचना, बहुभाषी इंटरफ़ेस आदि शामिल हैं।

3. चिन्हित शाखाओं का नया रूप

- उच्च न्यायालय की शाखाओं का नवीकरण अवसंरचना और वातावरण, बैंक के यूनिफॉर्म लेआउट मार्गदर्शन के साथ समन्वित पर ध्यान देने के साथ किया गया जिनका बैंक दिवस पर अध्यक्ष द्वारा आभासी उद्घाटन (01.07.2024) किया गया
- बैंक ने देश की विरासत का जश्न मनाने के इरादे से भारत सरकार के पंच प्राण लक्ष्यों के तहत हेरिटेज भवन शाखाओं के उद्घाटन की शुरुआत की है; परियोजना को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा जिसमें हेरिटेज गैलरी का विकास और विरासत शाखाओं के बाहरी अग्रभाग की रोशनी शामिल है - नागपुर मुख्य शाखा (एक विरासत शाखा भवन) के लिए पायलट फेसलिफ्टिंग का कार्य किया गया

4. I-DSS (इंट्रानेट-आधारित डिजिटल समाधान प्रणाली)

- अनिवार्य प्रकटीकरण प्रदर्शित करें में द्विभाषी/त्रिभाषी बढ़ी हुई दृश्यता के साथ अखिल भारतीय शाखाओं में प्रारूप
- अनिवार्य और अन्य अनुमोदित स्थिर और गतिशील सामग्री का केंद्रीकृत प्रसारण सुनिश्चित करता है, जिसमें ब्याज और विदेशी मुद्रा दर, जन जागरूकता सामग्री,

5. प्रक्रिया परिवर्तन

- आपका बैंक अब नए और मौजूदा ग्राहकों के लिए व्यक्तिगत और गैर-व्यक्तिगत खातों के लिए देयता केंद्रीकृत प्रसंस्करण सेल (एलसीपीसी) में छवि-आधारित दूसरी जांच प्रक्रिया में पूरी तरह से स्थानांतरित हो गया है
- इस प्रक्रिया ने एलसीपीसी द्वारा भौतिक दस्तावेजों-आधारित अनुमोदन की तुलना में खाता सक्रियण के लिए टीएटी (टर्न अराउंड टाइम) को एक दिन से भी कम कर दिया है
- दरें हिंदी और अंग्रेजी के साथ स्थानीय/क्षेत्रीय भाषा में प्रदर्शित की जाती हैं

- एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए प्रणाली को केंद्रीय रूप से नियंत्रित और निगरानी आरएनडब्ल्यूएन विभाग, सीसी द्वारा की जाती है

6. दस्तावेज डिजिटलीकरण

- ग्राहकों से प्राप्त दस्तावेजों को डिजिटाइज करने, खाता खोलने के बाद और खाता खोलने के फॉर्म (AOF) के माइग्रेशन के लिए नया वर्कफ्लो लॉन्च किया गया है
- सुविधा से आठ प्रकार के दस्तावेजों को डिजिटाइज किया जा सकता है; शाखाएं भंडारण और भविष्य की पुनर्प्राप्ति के लिए सीधे दस्तावेज अपलोड कर सकती हैं

7. प्रक्रिया स्वचालन

- सीबीएस में अवितरित स्वागत पत्रों को चिह्नित करने के लिए नया, स्वचालित प्रक्रिया प्रवाह शुरू किया गया, जिससे शाखाओं द्वारा मैनुअल हस्तक्षेप की आवश्यकता को समाप्त किया गया, अनुपालन सुनिश्चित किया गया और वर्कफ्लो को कम किया गया
- दूसरे चरण में, चालू खाता खोलने के लिए, आपका बैंक डेबिट फ्रीज मार्किंग के स्वचालन पर काम कर रहा है जब स्वागत पत्र बिना डिलीवर किए वापस आ जाता है, और अनुपालन के बाद इसे हटाने पर भी काम कर रहा है

8. वीडियो केवाईसी-आधारित खाता

खोलना और पुनः केवाईसी

वीडियो केवाईसी-आधारित ग्राहक पहचान सुविधा को निम्नलिखित खंडों में ग्राहकों के लिए शुरू किया गया है:

- कॉर्पोरेट वेतन पैकेज (सीएसपी) के लिए बचत बैंक खाते
- प्रोपराइटरशिप फर्म के लिए चालू खाता
- केवाईसी अपडेशन

9. खाता खोलने के लिए डिजिटल रूप से मुद्रित एओएफ

- डिजिटल रूप से उत्पन्न एओएफ का उपयोग करके खाता खोलने में सक्षम बनाने, मैनुअल खाता खोलने के फॉर्म (एओएफ) को समाप्त करने और खाता खोलने की प्रक्रिया को मानकीकृत करने के लिए आपके बैंक द्वारा शुरू की गई परियोजना
- सभी ग्राहक अपने स्तर पर खाता खोलने की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं, एओएफ प्रिंट करने के लिए संदर्भ संख्या उत्पन्न कर सकते हैं और कैप्चर किए गए डेटा के माध्यम से खाते खोल सकते हैं; नई प्रक्रिया का उद्देश्य हस्तलिखित एओएफ में मैनुअल त्रुटियों, डेटा विसंगतियों आदि को समाप्त करना है।

10. एसबीआई डिजी वॉल्ट

- डिजिटल प्रारूप में ग्राहक दस्तावेजों के भंडारण और पुनर्प्राप्ति के लिए डिजिटल प्रबंधन समाधान; ऐप विभिन्न दस्तावेज श्रेणियों के तहत ऋण खातों से संबंधित स्कैन किए गए दस्तावेजों को अपलोड करने की सुविधा प्रदान करता है

- एओएफ, एचएल और एसएमई दस्तावेजों को डीआईजीआई वॉल्ट के साथ एकीकृत किया गया है ताकि आरएफआई और शाखा कार्यकर्ताओं के लिए आंतरिक लेखा परीक्षकों को 'जानने की जरूरत' के आधार पर दस्तावेज पहुंच प्रदान की जा सके
- डिजी वॉल्ट ऐप का उपयोग आईडी द्वारा एससीपीसी/आरएसीपीसी/आरएसएमईसी के ऑफ-साइट ऑडिट के लिए किया जाता है

11. टाइल डीड मेटेनेंस एंड ट्रैकिंग सिस्टम (टीडीएमटीएस)

टाइल डीड मेटेनेंस एंड ट्रैकिंग सिस्टम (TDMTS) ऐप को विकसित किया गया है

- जब कभी स्वत्वाधिकार विलेख पुनः प्राप्त किए जाते हैं तो उनके संचलन को ट्रैक करना
- खाता बंद करने/प्रतिभूति जारी करने पर टाइल डीड डिलीवरी को रिकॉर्ड/मार्क-ऑफ करना
- टाइल डीड्स की उपलब्धता और वितरण पर केंद्रीकृत एमआईएस



सहायता और नियंत्रण परिचालन

मानव संसाधन और प्रशिक्षण

कर्मचारी-केंद्रित विकास और प्रतिभा प्रबंधन

आपका बैंक दृढ़ता से मानता है कि उसके कर्मचारी वर्तमान और भविष्य दोनों संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। अपनी मानव पूंजी में लगातार निवेश करके, बैंक एक प्रेरित, प्रतिबद्ध और उच्च प्रदर्शन वाले कार्यबल के माध्यम से लगातार विकास की अपनी विरासत को मजबूत कर रहा है। यह उभरती आकांक्षाओं के साथ रणनीतियों को संरेखित करके, पारदर्शिता को बढ़ावा देने और एक सहभागी कार्य संस्कृति को बढ़ावा देकर कर्मचारी मूल्य बढ़ाने पर केंद्रित है। कौशल-आधारित प्रतिभा प्रबंधन दृष्टिकोण की ओर बढ़ते हुए, आपका बैंक प्रदर्शन मूल्यांकन, सीखने, कैरियर प्रगति और उत्तराधिकार योजना के साथ कौशल को एकीकृत कर रहा है। अपनी सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास सहभागिता और कल्याणकारी प्रथाओं के परिणामस्वरूप, बैंक ने लगातार 2% सालाना से नीचे की संघर्षण दर बनाए रखी है।

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार आपके बैंक का संक्षिप्त एचआर प्रोफाइल:

कोटि	31.03.2024	31.03.2025
अधिकारी	1,10,116	1,15,066
सहयोगी	92,514	94,080
अधीनस्थ स्टाफ और अन्य	29,666	27,080
कुल	2,32,296	2,36,226

स्टाफ सहभागिता और उत्पादकता वृद्धि पहल

नेतृत्व विकास

आपके बैंक ने क्षेत्रीय प्रबंधकों, एजीएम और शाखा प्रमुखों सहित मध्य प्रबंधन अधिकारियों के लिए एक व्यापक कौशल विकास कार्यक्रम, अभिवृद्धि - ग्रूमिंग लीडरशिप एंड रिबिल्डिंग स्टेट बैंक कल्चर का आयोजन किया। एसबीआईएल, कोलकाता और एसबीएससी, हैदराबाद में आयोजित, कार्यक्रम समय प्रबंधन, रणनीतिक प्रतिनिधिमंडल, संचार, जोखिम और अनुपालन, और नैतिक निर्णय लेने जैसे नेतृत्व और कॉर्पोरेट संस्कृति कौशल को बढ़ाने पर केंद्रित था। प्रदर्शन और संस्कृति को चलाने में इन अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए, कार्यक्रम के प्रभाव का आकलन करने के लिए 360-डिग्री फीडबैक तंत्र का उपयोग किया गया था। प्राप्त अंतर्दृष्टि निरंतर नेतृत्व विकास सुनिश्चित करने और संगठन में उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भविष्य की पहलों को प्रेरित करेगी।

कर्मचारी सहभागिता

2023 में, आपके बैंक ने अपना पहला कर्मचारी सहभागिता सर्वेक्षण, अभ्युदय लॉन्च किया, जिसमें क्षमताओं और सुधार क्षेत्रों की पहचान करने के लिए सभी स्तरों पर अंतर्दृष्टि एकत्र की गई। निष्कर्षों के आधार पर, कई कार्यात्मक पहल शुरू की गईं, जिनमें कर्मचारी हेल्पीनेस सर्वेक्षण, एलईएपी, अभिवृद्धि, कर्मचारी योगदान स्कोर डैशबोर्ड, टीम केआरए कार्यान्वयन, सुपर एसबीआई और एसबीआई एसीई शामिल हैं।



Abhivridhi
Grooming Leadership
and Rebuilding State Bank Culture

इस प्रयास को आगे बढ़ाते हुए, अभ्युदय 2.0 की स्थिरता, उत्पादकता और लचीलापन पर एक तेज, थीम-आधारित फोकस के साथ पेश किया गया था। उन्नत सर्वेक्षण में नेतृत्व प्रभावशीलता, महिला सशक्तिकरण और सहयोगियों की आकांक्षाओं पर लक्षित प्रश्न शामिल हैं, जो समृद्ध अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। पारदर्शी और समावेशी संरचना के साथ, अभ्युदय 2.0 निरंतर जुड़ाव और भविष्य के लिए तैयार, प्रेरित कार्यबल के प्रति आपके बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कार्यबल अनुकूलन

आपका बैंक अपने नेटवर्क में इष्टतम स्टाफिंग सुनिश्चित करने के लिए वार्षिक कार्यबल नियोजन प्रक्रिया आयोजित करता है। शाखा स्तर पर, आवश्यकताओं का मूल्यांकन अनुमोदित शाखा जनशक्ति मॉडल का उपयोग करके किया जाता है, जो वित्तीय और गैर-वित्तीय लेनदेन, खाता मात्रा और उत्पादकता मैट्रिक्स दोनों में कारक होता है।

दक्षता बढ़ाने के लिए, प्रोजेक्ट लीड को प्रशासनिक कार्यालयों में भूमिकाओं को युक्तिसंगत बनाने के लिए किया गया था, जिसमें कार्यों को विलय, पुनः डिजाइन या बंद करना, कर्मचारियों को राजस्व अर्जन वाली भूमिकाओं में पुनः तैनाती की अनुमति देना था। इसके अतिरिक्त, आपका बैंक पहली तिमाही में प्रत्येक

वर्ष बड़े पैमाने पर पदोन्नति और स्थानान्तरण का सफलतापूर्वक प्रबंधन करता है - प्रमुख कंपनियों के कुल कार्यबल के बराबर - परिचालन स्थिरता सुनिश्चित करता है और पूरे वर्ष केंद्रित व्यावसायिक प्रयासों को सक्षम करता है।

उत्तराधिकार योजना

आपके बैंक के पास वरिष्ठ नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए निर्बाध उत्तराधिकार सुनिश्चित करने, उत्तराधिकार जोखिमों को प्रभावी ढंग से कम करने और व्यवसाय निरंतरता का समर्थन करने के लिए एक मजबूत प्रतिभा पाइपलाइन है। कर्मचारी मूल्य संवर्धन, बैंकिंग में विकसित प्रतिभा खोज और क्षेत्र में नेतृत्व बनाए रखने के लिए सक्रिय प्रतिभाओं की पहचान करने के उद्देश्य से एक नेतृत्व शिखर सम्मेलन भी आयोजित किया गया था। कई कार्यवाई योग्य लक्ष्य सामने आए हैं और आपके बैंक ने इन पहल को वास्तविक रूप देने के लिए काम करना शुरू कर दिया है।

एसबीआई एसीई - कर्मचारियों के लिए एक सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म

26 जनवरी 2025 को आरंभ किया गया, एसबीआई एसीई कर्मचारियों को उपलब्धियों का जश्न मनाने, प्रशंसा और साझा सफलता की संस्कृति बनाने का अधिकार देता है। यह गतिशील मंच पारंपरिक मान्यताओं से परे है-यह एक प्रयास है जो टीमों को प्रेरित करता है, जुड़ाव बढ़ाता है और एक उच्च-प्रदर्शन

कार्यस्थल को मजबूत करता है। प्रत्येक योगदान को महत्व देते हुए, आपका बैंक एकता, उत्कृष्टता और निरंतर वृद्धि की दिशा में अग्रसर है।

सम्मान और पुरस्कार

- **वित्तीय पुरस्कार:** शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को पहचानने के लिये प्रदर्शन-लिंकड प्रोत्साहन (PLI)।

सम्मान

लिंकडइन टैलेंट अवार्ड्स द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र की श्रेणी में 'सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता ब्रांड' को मान्यता दी गई

- इकोनॉमिक टाइम्स ह्यूमन कैपिटल पुरस्कार 2025 द्वारा निम्नलिखित श्रेणियाँ में सम्मानित किया गया:
- एचआर लीडर ऑफ द ईयर-बड़े संगठन:
- **स्वर्ण**
- परिवर्तन प्रबंधन में उत्कृष्टता: **स्वर्ण**
- स्वास्थ्य और कल्याण पहल में उत्कृष्टता: **रजत**

- **गैर-वित्तीय पुरस्कार:** अध्यक्ष/एमडी क्लब के सदस्यों के लिए अतिरिक्त छुट्टियाँ और अतिरिक्त एलएफसी लाभ।
- **एसबीआई जेम्स:** कर्मचारी उपलब्धियों का दस्तावेजीकरण और प्रोत्साहन के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म।

निष्पादन प्रबंधन प्रणाली

आपके बैंक की कैरियर विकास प्रणाली (सीडीएस) उद्देश्यपूर्ण, पारदर्शी और विश्वसनीय प्रदर्शन मूल्यांकन सुनिश्चित करती है, संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ व्यक्तिगत योगदान को संरेखित करती है। निरंतर विकास उद्देश्यों के लिए इसके परिणाम प्रमुख मानव संसाधन निर्णयों - पदोन्नति, प्रोत्साहन, पोस्टिंग और विकासात्मक जोखिम - निरंतर सुधार को प्रभावित करते हैं।

सर्वोत्तम मानव संसाधन प्रथाओं को बनाए रखने के लिए, आपका बैंक सालाना सीडीएस नीति की समीक्षा करता है। हाल के संवर्द्धन में शामिल हैं:

- कर्मचारी विकास के लिए निष्पादन सुधार योजनाएं (पीआईपी)।
- सहयोग भावना को बढ़ावा देने के लिए टीम प्रदर्शन केआरए।
- केआरए वर्गीकरण के लिए बेहतर लक्ष्य संरेखण।
- लागत-आय अनुपात के लिए वित्तीय दक्षता।
- ईएसजी और जलवायु वित्त लक्ष्यों का समर्थन करने के लिए हरित अग्रिम बजट प्राप्ति।
- वास्तविक समय ट्रेकिंग के साथ डेटा गुणवत्ता सूचकांक (DQI) (जैसे समय स्कोर, टैट अनुपालन)।

वर्तमान में, सीडीएस के तहत **89% कर्मचारियों का** मूल्यांकन **वस्तुनिष्ठ, डेटा-समर्थित केआरए** का उपयोग करके किया जाता है, जो उप प्रबंध निदेशक स्तर तक लागू हैं।

प्रतिभा अधिग्रहण और भर्ती

आपका बैंक पारंपरिक नौकरी विज्ञापनों, सोशल मीडिया, हेड-हंटर्स, सलाहकारों और आकर्षक वीडियो का लाभ उठाकर शीर्ष प्रतिभाओं-विशेष रूप से जेन जेड और लीडरशिप हायर को आकर्षित करने से आगे बढ़ गया है। ये पहल उच्च क्षमतावान अभ्यर्थियों की व्यापक भागीदारी और पहुंच सुनिश्चित करती हैं।



कार्यनीतिक क्षैतिज और विशेष भर्ती

नवोन्मेषण को बनाए रखने के लिए, आपका बैंक क्षैतिज (लेटरल) रूप से विशेषज्ञों की भर्ती करता है:

- आईटी और सूचना सुरक्षा
- जोखिम (जलवायु जोखिम सहित)
- अर्थशास्त्र, धन प्रबंधन और निवेश

खेल और उत्कृष्टता को बढ़ावा देना

68 खिलाड़ियों को नियुक्त कर (प्रक्रिया प्रगति पर), आपका बैंक:

- भारतीय एथलेटिक्स का सहयोग करता है
- कार्यस्थल पर जीतने की मानसिकता विकसित करता है

विव2025 की भर्ती की प्रमुख विशेषताएं

- **प्रवेश स्तर की भूमिकाएँ:**
 - 2,007 परिवीक्षाधीन अधिकारी
 - 954 विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारी
 - 3,719 सर्किल आधारित अधिकारी
 - 8,288 जूनियर एसोसिएट्स

आने वाली भर्तियाँ: 14,191 लिपिकीय रिक्तियां (विव2026) बेहतर ग्राहक सेवा के लिए।

चुस्त और समावेशी कार्यबल

- युवा + अनुभवी: नवाचार और विशेषज्ञता का एक गतिशील मिश्रण।
- लिंग विविधता: 27.60% महिला कार्यबल, सभी स्तरों और क्षेत्रों में पदस्थ।
- विशिष्ट प्रतिभा:
 - **आईटी विशेषज्ञ** सुरक्षित, अत्याधुनिक बैंकिंग सुनिश्चित करते हैं।
 - **कार्यस्थल पर डॉक्टर** कर्मचारी स्वास्थ्य, उत्पादकता और कल्याण अभिवृद्धि।

महिला नेतृत्वकर्ताओं को सशक्त बनाना

आपका बैंक एक ऐसा कार्यस्थल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जहां महिलाएं सभी स्तरों पर प्रगति करती हैं। लक्षित कार्यक्रमों के माध्यम से, हम कार्य स्थल पर नेतृत्व, कार्य-जीवन संतुलन और गरिमा को बढ़ावा देते हैं।



प्रमुख पहल

1. एसबीआई कनेक्ट हर

- महिला कर्मचारियों के लिए संपर्क और विकास हेतु एक विशेष डिजिटल प्लेटफॉर्म।
- उनकी कहानी - उनकी आवाज: साथियों को प्रेरित करने के लिए सफल महिला नेतृत्वकर्ताओं द्वारा साझा की गई प्रेरणादायक कैरियर संस्मरण।

2. सशक्तिकरण

- प्लेगशिप नेतृत्व कार्यक्रम के माध्यम से भविष्य की महिला नेतृत्वकर्ता अधिकारियों की पहचान करना और परामर्श देना:
- संरचित नेतृत्व लैब्स
- निजीकृत कोचिंग सत्र
- महिला नेतृत्वकर्ताओं की एक मजबूत पाइपलाइन तैयार करने का लक्ष्य।

3. रिटर्न-टू-वर्क प्रोग्राम

- मातृत्व/कैरियर ब्रेक के बाद ट्रांजिशन को आसान बनाने के लिए एसबीआईएलडी में दो दिवसीय कार्यशालाएं।
- कैरियर विकास में निरंतरता सुनिश्चित करना और शीर्ष प्रतिभाओं को जोड़े रखना।

4. मैत्रेयी वेलनेस स्पेस

- 50+ महिला कर्मचारियों के साथ कार्यालयों में महिलाओं (विशेष रूप से गर्भवती कर्मचारियों) के लिए निजी विश्राम क्षेत्र।
- केयर बॉक्स: सेनिटरी स्वच्छता प्रावधान सभी शाखाओं/कार्यालयों में उपलब्ध हैं।

5. परिवार संपर्क कार्यक्रम

- समर्थन प्रणालियों को मजबूत करने के लिए मान्यता और समावेशी घटनाओं के माध्यम से परिवारों की सहभागिता

6. क्रेच भत्ता

- चाइल्डकेयर के लिए वित्तीय सहायता, कामकाजी माताओं को पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन को संतुलित करने में मदद करना।

7. गरिमा को मजबूत करना

- भेदभाव/उत्पीड़न के विरुद्ध शून्य सहनशीलता नीति।
 - जागरूकता कार्यक्रम:
 - लिंग संवेदनशीलता
 - अचेतन पूर्वाग्रह
 - कार्यस्थल सम्मान
- संवादात्मक केस स्टडी: गरिमा: आप कितने जागरूक हैं? (अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर लॉन्च किया गया)।

8. सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण

- अविवाहित कर्मचारियों और स्टाफ पुत्रियों के लिए सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण प्रदान करना।
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 पर टीकाकरण शिविर आयोजित किए गए।

आरक्षण और समान अवसर

आपका बैंक एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूबीडी श्रेणियों के लिए आरक्षण पर भारत सरकार के निर्देशों का सख्ती से पालन करता है, सभी संवर्गों में संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है और एक समावेशी और न्यायसंगत कार्यबल को बढ़ावा देता है।

दिनांक 31.03.2025 तक प्रतिनिधित्व

क्र. सं.	कैडर	कुल	एससी	एसटी	ओबीसी	ईडब्ल्यूएस	पीडब्ल्यूबीडी*
1	अधिकारी	1,15,066	21,197	9,951	31,340	1,444	3,095
2	लिपिक	94,080	15,702	7,479	28,724	2,702	2,590
3	अधीनस्थ कर्मचारी	27,080	6,167	2,046	7,993	106	146
	कुल	2,36,226	43,066	19,476	68,057	4,252	5,831

* बेंचमार्क विकलांग व्यक्ति (पीडब्ल्यूबीडी)

वित्तीय वर्ष 2025 के दौरान, आपके बैंक को भारत सरकार की आरक्षण नीतियों और एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूबीडी श्रेणियों के लिए कल्याणकारी पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए प्रमुख वैधानिक निकायों से प्रशंसा प्राप्त हुई, जिनमें राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग आयोग के साथ-साथ एससी/एसटी और ओबीसी कल्याण पर संसदीय समितियां शामिल हैं। एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी/ईएसएम और ओबीसी श्रेणियों के लिए समर्पित मुख्य संपर्क अधिकारी (सीएलओ) नियुक्त किए गए हैं, ताकि शीघ्र शिकायत निवारण सुनिश्चित किया जा सके। बैंक ने 13 प्रशिक्षण कार्यशालाओं का भी आयोजन किया, जिसमें 731 कर्मचारियों को आरक्षण नीतियों पर प्रशिक्षण दिया गया। अनुसूचित जनजाति कल्याण संघ सभी 17 मंडलों में सक्रिय हैं, जबकि मान्यता प्राप्त ओबीसी एसोसिएशन अब सात मंडलों में कार्य करते हैं, दोनों समूहों के साथ जुड़ने के लिए नियमित बैठकें आयोजित की जाती हैं।

विव2025 भर्ती पूर्व और पदोन्नति पूर्व प्रशिक्षण पहल

(एससी/एसटी/ओबीसी उम्मीदवारों के लिए)

उम्मीदवार प्रशिक्षित	भर्ती पूर्व प्रशिक्षण	पदोन्नति पूर्व प्रशिक्षण
अधिकारी	1,75,280	11,062
लिपिक	3,47,688	12,072
अधीनस्थ-कर्मचारी	-	2,710

औद्योगिक संबंध और कर्मचारी कल्याण

आपका बैंक प्रबंधन और कर्मचारी संघों के बीच नियमित बैठकों के माध्यम से पारदर्शी औद्योगिक संबंधों को बढ़ावा देता है। श्रम कानूनों का कड़ाई से अनुपालन विश्वास और उत्पादकता को बढ़ाते हुए विवादों को कम करता है।

- **स्वास्थ्य और फिटनेस:** कार्यालयों में 100+ जिम / खेल सुविधाएं; 12 ग्रीन मैराथन (10,000+ प्रतिभागी); टाटा मैराथन का प्रायोजन (200+ मुंबई कर्मचारी)
- **खेल:** 9 खेलों में वार्षिक इंटर-सर्कल टूर्नामेंट (2,000+ प्रतिभागी)
- **सुविधाएं:**
 - केंद्रीकृत औषधालय प्रबंधन प्रणाली (300 केंद्र)
 - 100+ गेस्ट हाउस (मेडिकल-स्टे सुविधाओं सहित)

कर्मचारी कल्याण, स्वास्थ्य और सुरक्षा

एक समग्र दृष्टिकोण शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण सुनिश्चित करता है:

मानसिक स्वास्थ्य

- योग्य मनोवैज्ञानिकों के साथ 17 मंडलों में परामर्श सेवाएं
- 'लेट्स टॉक' कार्यक्रम (विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर 250+ प्रतिभागी)

निवारक देखभाल

- 20+ स्वास्थ्य शिविर (10,000+ कर्मचारियों की हृदय / मधुमेह / कैंसर के लिए जांच की गई)
- आपातकालीन देखभाल के लिए सीपीआर प्रशिक्षण
- कार्यकारी स्वास्थ्य जांच योजना के तहत 1.60 लाख से अधिक कर्मचारी कवर किए गए

महिलाओं का स्वास्थ्य

- सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण (≤ 26 वर्ष के कर्मचारियों और उनकी बेटियों के लिए नि:शुल्क)
- स्तन कैंसर जागरूकता, गर्भवती कर्मचारियों के लिए पोषण भत्ता

कल्याण पहल

- प्रमुख स्वास्थ्य दिवसों पर योग/ध्यान सत्र
- फाइब्रोस्कैन, मधुमेह और पोषण पर वेबिनार
- रक्तदान अभियान (2024 में 2,500+ यूनिट एकत्रित)

कर्मचारी शिकायत निवारण

संजीवनी, आपके बैंक का मल्टीमॉडल शिकायत निवारण मंच, कुशल शिकायत समाधान सुनिश्चित करता है, दो वर्षों में शिकायतों को 20% तक कम करता है। संजीवनी के दायरे में परामर्श सेवाएं भी प्रदान की जा रही हैं, जहां एक समर्पित, प्रशिक्षित, योग्य और पेशेवर मनोवैज्ञानिक कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को परामर्श सेवाएं प्रदान करता है।

मानव संसाधन प्रौद्योगिकी और सिस्टम

आपके बैंक ने अपने एचआरएमएस को क्लाउड-आधारित प्लेटफॉर्म में बदल दिया है, पेरोल, प्रदर्शन मूल्यांकन और छुट्टी प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया है। अधिकांश एचआरएमएस सुविधाएँ मोबाइल-संगत हैं, और लीडरशिप संबंधी प्रचार अब पूरी तरह से डिजिटल और कागजरहित हैं।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों की देखभाल और सहायता

आपका बैंक अपने लगभग 3 लाख पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों की देखभाल और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष के दौरान, ग्रुप मेडिकलेम पॉलिसी में महत्वपूर्ण वृद्धि किए गए, जिसमें उच्च कवरेज, एचआरएमएस पोर्टल के माध्यम से सरलीकृत डिजिटल नामांकन, कुछ सर्जरी की कैपिंग में वृद्धि, तेजी से कैशलेस क्लेम प्रोसेसिंग, ई-फार्मसी सेवा होम डिलीवरी और वार्षिक स्वास्थ्य जांच शामिल हैं। प्रोजेक्ट एसबीआई केयर्स के अंतर्गत, आपके बैंक ने एचआरएमएस के माध्यम से निर्बाध पहुंच के लिए सेवानिवृत्ति पूर्व और बाद के लाभों को डिजिटाइज किया है, जिसमें निम्नलिखित लाभ और सुविधाएं शामिल हैं:

- अंग दान पंजीकरण
- निर्बाध पहुंच के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सभी सेवाओं का एकीकरण
- सेवानिवृत्त देखभाल में निरंतर निवेश,

बैंक की स्थायी प्रतिबद्धता को मजबूत करना ऐसी पहलों में आपके बैंक का निरंतर निवेश सेवानिवृत्त लोगों के लिए अपने गहरे सम्मान को दर्शाता है। ये उपाय सुनिश्चित करते हैं कि उनका स्वास्थ्य, गरिमा और सुविधा प्राथमिकता बनी रहे।

प्रशिक्षण और विकास

एक संगठन-व्यापी शिक्षण संस्कृति विकसित करना

आज के गतिशील बैंकिंग परिवेश में, आपका बैंक सीखने के प्रति अपने दृष्टिकोण को बदल रहा है - पारंपरिक प्रशिक्षण से आगे बढ़ते हुए सभी परिचालनों में निरंतर विकास को समायोजित कर रहा है। आपके बैंक के 6 शीर्ष प्रशिक्षण संस्थानों और 51 एसबीआईएलडी का मजबूत नेटवर्क रणनीतिक पहलों के माध्यम से इस सांस्कृतिक बदलाव को आगे बढ़ा रहा है:

1. आधारभूत कार्य करना: सफलता के लिए प्रशिक्षण

क. 'सुपर एसबीआई: ग्रेट टू ग्रेटर'

फरवरी 2025 में, आपके बैंक ने एक प्रमुख सामूहिक सहभागिता प्रशिक्षण पहल-सुपर एसबीआई: ग्रेट टू ग्रेटर-शुरू की, जिसे बैंक की विरासत का उत्सव मनाने और कर्मचारियों को इसकी निरंतर सफलता में सार्थक योगदान करने के लिए प्रेरित करने के लिए निर्मित किया

गया है। कार्यक्रम निरंतर प्रदर्शन विषयों के साथ ज्ञान, कौशल और एक प्रदर्शन-उन्मुख मानसिकता के निर्माण पर केंद्रित था। 3 फरवरी 2025 को अध्यक्ष द्वारा उद्घाटन किया गया और 31 मार्च 2025 को यह संपन्न हुआ। इस पहल ने देश भर के 608 केंद्रों में 1,74,441 कर्मचारियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया, जो 10 बैचों में विभाजित किए गए। प्रशिक्षण में एसबीआईएलडी और एटीआई के संकाय के साथ-साथ सेवानिवृत्त और सेवारत अधिकारियों की विशेषज्ञता का लाभ उठाया गया।



सुपर एसबीआई: ग्रेट टू ग्रेटर प्रशिक्षण कार्यक्रम की एक झलक

ख. नींव बनाना: नई प्रतिभाओं का पोषण करना

पीओ, टीओ, टीओ (सिस्टम), सीबीओ और जेए के लिए इंडक्शन और फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए ताकि उन्हें अपने करियर को आकार देने में मदद मिल सके। इन सत्रों में जनरल बैंकिंग, रिटेल क्रेडिट, एसएमई और एग्री क्रेडिट, निवेश बैंकिंग, साथ ही नेतृत्व, टीम निर्माण, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सॉफ्ट कौशल शामिल थे। निम्नलिखित कर्मचारियों ने विव2025 में भाग लिया:

क्र.सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	कुल कर्मचारी
1	परिवीक्षाधीन अधिकारी 2023 (Batch I II)	1,799
2	परिवीक्षाधीन अधिकारी 2022 (Batch II)	79
3	प्रशिक्षु अधिकारी 2024	1,484
4	प्रशिक्षु अधिकारी (Systems) 2024	121
5	मंडल आधारित अधिकारी 2024	1,066
6	जूनियर एसोसिएट 2024	5,124
7	पीओ व टीओ के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम	2,781
कुल		12,454

ग. भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं को प्रशिक्षण

• एसएमजीएस-V तक अनिवार्य शिक्षा

एसएमजीएस-V तक के अधिकारियों को विव25 के लिए 48 आंतरिक भूमिका-आधारित प्रमाणपत्र और 07 ई-पाठ पूरे करने की आवश्यकता थी। 31.03.2025 तक प्रमाणन पूर्णता की स्थिति इस प्रकार है:

कर्मचारी संपर्क	प्रमाणन पूरे किए गए	ईपाठ पूरे किए गए
एसएमजीएस-V तक के अधिकारी	97,145	97,717
अवार्ड स्टाफ	76,719	77,208
कुल	1,73,864	1,74,925

- **विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण:** विशेषज्ञता और वैचारिक स्पष्टता बनाने के लिए पहली बार भूमिका धारकों के लिए डिजाइन किया गया। पहली बार शाखा प्रबंधक, सेवा प्रबंधक, संबंध प्रबंधक (एसएमई), क्रेडिट सहायता अधिकारी (सीएसओ) और मानव संसाधन कर्मियों सहित 2,899 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।
- **मध्य कैरियर प्रोग्राम:** कार्यनीतिक निर्णय लेने, रणनीतिक दूरदर्शिता और सहकर्मों से सीखने को बढ़ावा देने के लिए स्केल- IV और V अधिकारियों के लिए प्रमाणन कार्यक्रम। सभी पात्र अधिकारियों को प्रशिक्षण।
- **अभिवृद्धि:** क्षेत्रीय प्रबंधकों, एजीएम, शाखा/सीपीसी प्रमुखों और एजीएम (बीओपीएम) के लिए एसबीआईएल कोलकाता और एसबीएससी हैदराबाद में दो स्तरीय नेतृत्व कार्यक्रम।
- **जेआईबीओ ओरिएंटेशन:** वैश्विक बैंकिंग नियमों और ब्रांडिंग को कवर करते हुए विदेशी पोस्टिंग के लिए 46 जूनियर और मिडिल मैनेजमेंट अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।
- **प्रथम स्टार रेटिंग - 5 और 4 स्टार आरएम एसएमई:** आईआईएम कोडोड में दो बैचों में 81 अधिकारियों ने एक विशेष कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें आरएमएसएमई / सीएसओ से 70 और एसटीयू से 8 संकाय शामिल थे।
- **प्रीमियर रिलेशनशिप मैनेजर्स ट्रेनिंग:** कौटिल्य लीडरशिप सेंटर के सहयोग से एसबीआईएल में रिलेशनशिप मैनेजर्स प्रीमियर (आरएम-प्रीमियर) और एजीएम (डीवीएस) के लिए बैंकिंग उत्पादों और सॉफ्ट स्किल्स पर 5 दिवसीय कार्यक्रम।
- **बातचीत कौशल कार्यक्रम:** वीमेंटर और एस.पी. जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च के साथ आयोजित, सीएजी, सीसीजी, पीएफएसबीयू, एसएमई और एसएआरजी के 120 अधिकारियों को प्रशिक्षण देना।
- **एआई/एमएल संकाय प्रशिक्षण:** आईआईटी मुंबई के सहयोग से अत्याधुनिक एआई/एमएल तकनीकों में 16 एटीआई फैकल्टी सदस्यों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण।

- **नवीकरणीय ऊर्जा, भंडारण और हाइड्रोजन के आर्थिक और वित्तीय विश्लेषण पर कार्यक्रम:** 4-दिवसीय कक्षा कार्यक्रम स्टेट बैंक अकादमी, गुरुग्राम में सीसीजी/सीएजी/ईएसजी/एसएमई/पीएफएस एवं एसबीयू के 28 अधिकारियों के लिए नवीकरणीय, भंडारण और हाइड्रोजन का वित्तीय विश्लेषण।
- **बाहरी कृषि व्यवसाय प्रशिक्षण (ट्रेन-एजी):** आईआरएमए, गुजरात के सहयोग से रिलेशनशिप मैनेजर्स (ग्रामीण) और कृषि सीपीसी अधिकारियों के लिए 6 दिवसीय उन्नयन कार्यक्रम। विव2025 में 407 कर्मचारियों को शामिल किया गया।
- **नेतृत्व विकास (एसएमजीएस IV एवं V):** भविष्य की भूमिकाओं के लिए एक नेतृत्व समूह कार्यक्रम, जोम्बे आकलन के आधार पर। आईआईएम और एसपीजेआईएमआर में प्रशिक्षण:
 - स्केल IV (एसपीजेआईएमआर): 1,011 अधिकारी
 - स्केल V (आईआईएम -कोलकाता एवं आईआईएम -इंदौर): 437 अधिकारी
- **संकल्प:** प्रदर्शन सुधार योजना: प्रदर्शन अंतराल वाले कर्मचारियों के लिए एक परिवर्तनकारी पहल, कौशल, प्रेरणा और विकास मानसिकता को बढ़ाना। विव2025 में 772 कर्मचारियों को शामिल किया गया।
- **एसएमई विशेषज्ञ एसबीआईएलडी:** प्रत्येक मंडल में एक एसबीआईएलडी को एसएमई प्रशिक्षण हब के रूप में नामित किया गया है, जो स्केल- II तक के अधिकारियों को फाउंडेशन-स्तरीय एसएमई प्रशिक्षण प्रदान करता है।
- एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से दृष्टि/श्रवण बाधित कर्मचारियों को सशक्त और संवेदनशील बनाने के लिए विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई। वित्तीय वर्ष 2025 में आपके बैंक के सर्किलों में 122 VI और 27 HI कर्मचारियों को कवर किया गया था।
- **उन्नत व्यवहार विज्ञान कार्यक्रम:** एक्सएलआरआई जमशेदपुर में 51 एसबीआईएलडीएस और 6 एटीआई के 54 चयनित संकाय के लिए पांच

दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम ने संगठनात्मक व्यवहार के लिए अनुभवात्मक शिक्षाशास्त्र को संभालने के लिए कौशल विकसित करने पर जोर दिया और संकाय को संगठनात्मक व्यवहार में समकालीन सोच से अवगत कराया।

- **संकाय विकास कार्यक्रम में सुधार:** आपके बैंक के प्रशिक्षण संस्थानों में तैनात नए संकाय सदस्यों को कुशल बनाने के लिए, मार्च 2025 में एसबीआईएल में एक संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें 66 संकाय सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया था।

घ. कार्वाइ में नेतृत्व:

कार्यकारी क्षमता को बढ़ाना

टीईजीएस अधिकारियों के लिए अनिवार्य शिक्षा

कवरेज: टीईजीएस -VI से टीईजीएसएस -II अधिकारियों को अनिवार्य शिक्षण के तहत शामिल किया गया।

श्रेणी	कर्मचारियों की सं.	कवरेज(%)
टीईजीएस अधिकारी	1,210	99.92%

विशिष्ट प्रशिक्षण और नेतृत्व कार्यक्रम

- **विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसटीपी):** 642 जीएम और डीजीएम को पांच डोमेन में प्रशिक्षित किया गया- उच्च मूल्य क्रेडिट और जोखिम, डिजिटल बैंकिंग और आईटी, अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग और वैश्विक बाजार, मानव संसाधन और खुदरा व्यापार- आईएसबी, आईआईएम बैंगलोर और एसबीआईएल कोलकाता में।
- **उभरते नेतृत्व विकास:** वित्त वर्ष 2025 में वित्तीय क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने के लिए 177 नए पदोन्नत डीजीएम के लिए आईआईएम लखनऊ में छह दिवसीय कार्यक्रम।
- **आईआईएम-बी एवं एसबीआईएल में नेतृत्व कार्यक्रम:** नेतृत्व के दृष्टिकोण का विस्तार करने के लिए जीएम और डीजीएम के लिए आईआईएम बैंगलोर और एसबीआईएल कोलकाता में छह दिवसीय कार्यक्रम। विव2025 में 396 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

- **डिजाइन थिंकिंग प्रोग्राम:** हास स्कूल ऑफ बिजनेस, बर्कले में 5 दिवसीय कार्यशाला, इसके बाद न्यूनतम व्यवहार्य उत्पादों को विकसित करने के लिए विभिन्न विभागों के 19 अधिकारियों के लिए तीन महीने का कार्य-स्थल अभ्यास।
- **महिला नेतृत्व विकास:** 99 अधिकारियों के लिए निर्णय लेने, बातचीत और नेतृत्व कौशल को बढ़ाने के लिए सेंटर फॉर क्रिएटिव लीडरशिप (सीसीएल) के साथ एसबीआईएल कोलकाता में कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- **नेगोशिएशन स्किल्स मास्टरक्लास:** सीसीजी, सीएजी, एसएआरजी, एसएमई और पीएफ और एसएसबीयू विभागों के 23 वरिष्ठ अधिकारियों के लिए यूके स्थित विशेषज्ञ एड्रियन क्लेस्बी के नेतृत्व में यूरो फाइनेंस के साथ 3-दिवसीय कार्यक्रम। इस गहन, विशेषज्ञ-प्रदत्त मास्टरक्लास ने अनुसंधान-आधारित रणनीतियाँ और तकनीकें प्रदान कीं जिनका उद्देश्य आपके बैंक के शीर्ष अधिकारियों की बातचीत प्रभावशीलता को बढ़ाना है।
- **होगन आकलन:** नेतृत्व और व्यक्तित्व आकलन जिसके बाद वित्त वर्ष 2025 के दौरान टीईजीएसएन-1 (2 वर्ष की सेवा शेष के साथ) और टीईजीएस-VII (3 वर्ष शेष के साथ) के लिए प्रत्येक 60-75 मिनट का एक-पर-एक डीबीफिंग सत्र। (154 अधिकारियों का मूल्यांकन- 37 सीजीएम, 117 जीएम)

वैश्विक और कार्यकारी प्रशिक्षण

- **विदेश में प्रशिक्षण:** वरिष्ठ अधिकारियों (डीएमडी और ऊपर) ने लंदन बिजनेस स्कूल, हार्वर्ड, वार्टन और सेंटर फॉर क्रिएटिव लीडरशिप, यूएसए में नेतृत्व कार्यक्रमों में भाग लिया। विव 2025 में 03 डीएमडी प्रशिक्षित।
- **निदेशक विकास कार्यक्रम (डीडीपी):** आईबीए और अन्य हितधारकों के सहयोग से वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (FSIB) द्वारा संचालित गैर-कार्यकारी निदेशकों के लिये डिजाइन किया गया नौ महीने का कार्यक्रम निदेशक विकास कार्यक्रम (DDP) 2023 लॉन्च किया गया। कार्यक्रम को मैसर्स एगॉन जेडर द्वारा हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग के साथ साझेदारी में वितरित किया गया था,

जिसमें तीन मॉड्यूल शामिल थे: मॉड्यूल I (15 घंटे), मॉड्यूल II (4-5 दिन), मॉड्यूल III (4-5 दिन) ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में।

माइंडसेट और हाइब्रिड लर्निंग पहल

- **डीएमडी के लिए इनर इंजीनियरिंग कार्यक्रम:** कोयंबटूर में ईशा फाउंडेशन के साथ एक 4-दिवसीय आवासीय कार्यक्रम, जो नेतृत्व दृढ़ता और ध्यान केंद्रिकता पर केंद्रित है। वित्त वर्ष 2025 में 12 डीएमडी प्रशिक्षित।
- **हाइब्रिड प्रशिक्षण कार्यक्रम:** आपके बैंक ने बीएफएसआई क्षेत्र के पेशेवरों के लिए सहयोगात्मक शिक्षण कार्यक्रम शुरू किए। 'लीडरशिप डैट गेट्स रिजल्ट', 'यूरोफाइनेंस' और 'लीडरशिप रीडिफाइंड' चार हाइब्रिड ट्रेनिंग प्रोग्राम थे जो विव 2025 में आयोजित किए गए थे।
- **शक्ति: महिला बिजनेस लीडर्स प्रोग्राम:** बीएफएसआई में महिला नेतृत्वकर्ताओं के लिए डिजाइन किया गया। पहले सत्र (जनवरी 2025) में पीएसबी से नामांकन हुआ था, जबकि दूसरे बैच में नेपाल, सेबी, बैंक ऑफ बड़ौदा और बंधन बैंक के प्रतिभागी शामिल थे।
- **निदेशक मंडल के लिए केवायसी-एमएमएल-सीएफटी पर कार्यक्रम:** पीएमएल अधिनियम 2002 के हिस्से के रूप में आरबीआई द्वारा निर्धारित नियामक दिशानिर्देशों के अनुसार भारत में बैंकों के निदेशक मंडल के लिए एक केवायसी-एमएमएल कार्यक्रम अनिवार्य है। केपीएमजी द्वारा हमारे 12 निदेशक मंडल के लिए केवाईसी-एमएमएल-सीएफटी पर एक सत्र दिया गया था।

2. वर्तमान में अग्रणी: समकालीन मामलों के लिए कौशल निर्माण

आपका बैंक नैतिकता, स्थिरता, विविधता और सुरक्षा में प्रमुख चुनौतियों का समाधान करते हुए एक समावेशी सीखने के माहौल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रमुख पहलों में शामिल हैं:

- **सदाचार और डेटा गवर्नेंस:** 'सदाचार संहिता' प्रशिक्षण को विभिन्न कार्यक्रमों में एकीकृत किया गया, जिसमें पूरक के रूप में डेटा गवर्नेंस पर विशेष वेबिनार भी था।

- **जलवायु जोखिम और ईएसजी:** प्रशिक्षण सत्रों में अक्षय ऊर्जा और कार्बन फुटप्रिंट में कमी जैसे ईएसजी विषयों को शामिल किया गया **ईएसजी** और जलवायु वित्त पर एक ई-पाठ 1.75 लाख से अधिक कर्मचारियों तक पहुंचा।
- **शिकायत निवारण एवं मुआवजा नीति:** फ्रंटलाइन स्टाफ का शिकायत तंत्र की समझ और बढ़ाने के लिए मुआवजा नीतियों पर 838 कक्षा सत्र और 42 वेबिनार आयोजित जिससे क्रमशः 21,461 और 732 कर्मचारी लाभान्वित हुए।
- **डिजिटल बैंकिंग, आईएस और साइबर सुरक्षा:** डिजिटल खतरों का मुकाबला करने के लिए, 39,656 कर्मचारियों को कवर करते हुए 1,658 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त, 1.75 लाख कर्मचारियों ने 31 मार्च, 2025 तक आईएस और साइबर सुरक्षा पर अनिवार्य आंतरिक ई-पाठ पूरा कर लिया। 51 माइक्रो-कैप्सूल साइबर जागरूकता वीडियो की एक पाक्षिक श्रृंखला जारी की गई।
- **स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रशिक्षण:** सुरक्षा अधिकारियों और सशस्त्र गार्डों के लिए विशेष कार्यक्रमों के साथ-साथ स्वास्थ्य, कल्याण और सुरक्षा पर वेबिनार के साथ-साथ सीपीआर, बीएलएस और प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

विविधता, इकित्ती और समावेशन (डीईआई)

निम्नलिखित पहलों ने विविधता, लैंगिक समानता और समावेशन को उन्नत किया:

- **साम्या:** लैंगिक संवेदनशीलता और यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पॉश) के बारे में जागरूकता बढ़ाते हुए सम्मान, समानता और निष्पक्ष अवसर को बढ़ावा देने वाली एक पाक्षिक पहल।
- **विविधता और समावेशन प्रशिक्षण:** विविधता, इकित्ती और समावेशन (डीईआई) पर सत्रों को प्रशिक्षु अधिकारियों, परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रमों और मानव संसाधन अधिकारियों, पहली बार शाखा प्रबंधकों और अन्य लोगों के लिए विशेष प्रशिक्षण में एकीकृत किया गया था।

- **पॉश/गरिमा जागरूकता:** ज्ञानार्जन केंद्रों और शीर्ष प्रशिक्षण केंद्रों ने पॉश और गरिमा, कार्यस्थल सुरक्षा और लिंग समावेशिता पर सत्र तथा वेबिनार आयोजित किए।
- **महिला व्यवसाय नेतृत्व कार्यक्रम:** शाखा प्रबंधकों, क्षेत्रीय प्रबंधकों और डीजीएम के लिए डिजाइन किया गया, इस कार्यक्रम ने पीओएसएच / गरिमा पर समर्पित मॉड्यूल के साथ कोर लीडरशिप और कार्यात्मक प्रशिक्षण को जोड़ा।
- **दृष्टिबाधित/श्रवण बाधित कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण:** सहायक प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण सहित विशेष कार्यक्रमों ने दृष्टिहीन और श्रवण बाधित कर्मचारियों के लिए समावेशिता सुनिश्चित की।
- **पदोन्नति पूर्व प्रशिक्षण:** वित्त वर्ष 2026 में पदोन्नति (टीओ/जेएमजीएस-I, एमएमजीएस-II और एमएमजीएस-III) के लिए पात्र एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों के लिए छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

3. संगठनात्मक विकास और संवर्द्धि के लिए व्यक्तिगत कौशल में सुधार

यह मानते हुए कि संबंध सेवा उद्योगों में सफलता को प्रेरित करते हैं, आपका बैंक आंतरिक सहयोग और बाहरी हितधारक जुड़ाव दोनों को मजबूत करने के लिए सभी स्तरों पर अनुकूलित सॉफ्ट स्किल कार्यक्रमों को प्राथमिकता देता है।

कोर प्रशिक्षण पहलों में सॉफ्ट स्किल को शामिल करना:

पारस्परिक कौशल, अनुकूलनशीलता, संघर्ष प्रबंधन और व्यावसायिक शिष्टाचार को मजबूत करने के लिए, सॉफ्ट स्किल्स सत्रों को सभी प्रमुख कार्यात्मक और विशेष कार्यक्रमों में एकीकृत किया गया है, जिनमें शामिल हैं:

- पीओ/टीओ/सीबीओ/जूनियर एसोसिएट्स जैसे नए नियुक्तों के लिए प्रवेश कार्यक्रम
- मैनेजमेंट विकास कार्यक्रम पीओ/टीओ के लिए
- विशिष्ट भूमिका धारकों के लिए कार्यक्रम, जैसे पहली बार शाखा प्रबंधक

- सीएम (एचआर) और प्रबंधक (एचआर) के लिए लक्षित (प्रेसिजन) प्रशिक्षण कार्यक्रम
- पहली बार सेवा प्रबंधकों के लिए प्रशिक्षण
- कॉर्पोरेट वेतन संबंध प्रबंधकों (सीएसआरएम) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
- मध्य कैरियर प्रमाणीकरण एसएमजीएस-IV और V अधिकारियों के लिए कार्यक्रम

एटीआई और एसबीआईएलडी फैकल्टी के लिए व्यवहार कौशल कार्यक्रम:

विभिन्न एटीआई और एसबीआईएलडी के 247 संकाय सदस्यों ने एक विशेष व्यवहार कौशल (फाउंडेशन) कार्यक्रम पूरा किया। इस समूह से चयनित संकाय मार्च 2025 में एक बाहरी संस्थान के सहयोग से उन्नत व्यवहार कौशल प्रशिक्षण से गुजरेंगे।

4. सहयोगात्मक शिक्षण: सामूहिक विकास के लिए अंतर्दृष्टि साझा करना

शिक्षार्थी संचालित संस्कृति को मजबूत करने के लिए, आपके बैंक ने निम्नलिखित पहल शुरू की हैं:

- **ग्राउंड फोर्स के लिए प्रसार:** डीएमडी सहित शीर्ष प्रबंधन ने कर्मचारियों के साथ बाहरी प्रशिक्षण कार्यक्रमों से प्राप्त अंतर्दृष्टि साझा किए।

- **शीर्ष से नेतृत्व:** वरिष्ठ अधिकारियों (सीजीएम और ऊपर) ने कॉर्पोरेट लक्ष्यों और अपेक्षाओं को संप्रेषित करने के लिए इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए।
- **संकाय विनिमय:** एटीआई और एसबीआईएलडी के बीच संकाय दौरे ने प्रशिक्षण गुणवत्ता, कार्यक्रम विकास और बुनियादी ढांचे के प्रबंधन को बढ़ाया।

5. एक प्रतिबद्ध कार्यबल का निर्माण: कर्मचारी जुड़ाव बढ़ाना

अ) एसबीआई विजाइर्स: सकारात्मकता कर्मचारियों की दृढ़ता और कौशल को मजबूत करती है, जिससे कर्मचारियों और संगठन दोनों को लाभ होता है। सौहार्द और जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए, बैंक 'एसबीआई विजाइर्स' फैमिली किज का आयोजन करता है, जिसमें कर्मचारियों और उनके परिवारों को उत्साह की भावना से एक साथ लाया जाता है।

आ) हां, मैं बदलाव ला सकता हूँ - वार्षिक सफलता की कहानियां अभियान: 2021 में आरंभ किया गया, अभियान विव2025 में जारी रहा, जिसमें प्रेरक और प्रभावशाली परिवर्तन की कहानियां सभी स्तरों से प्रदर्शित की गईं।



विव2025 के लिए एसबीआई विजाइर्स किज के विजेताओं का सम्मान

शीर्ष पांच कहानीकारों को मुंबई में एसबीआई के कॉर्पोरेट कार्यालय में सम्मानित किया गया, अध्यक्ष और शीर्ष प्रबंधन से उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्राप्त हुए, जबकि अन्य उल्लेखनीय योगदानकर्ताओं को सर्किल / स्थानीय प्रधान कार्यालय स्तरों पर मान्यता दी गई।



विव2024 के लिए 'हाँ, मैं परिवर्तन ला सकता हूँ' अभियान के तहत अभिनंदन

ग) सेवानिवृत्ति पूर्व तैयारी कार्यक्रम (टीटीआर)

यह प्रमुख कार्यक्रम सेवानिवृत्त अधिकारियों और उनके जीवनसाथी के लिए आयोजित किया गया था ताकि उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद जीवन को संतुलित करने में मदद मिल सके। एजीएम और उससे नीचे के लिए प्रशिक्षण एसबीआईएलडी में आयोजित किया गया था, जबकि टीईजीएस-VI और उनसे वरिष्ठों ने एसबीआईएल में सहभागिता की। कार्यक्रम को सेवानिवृत्ति के बाद कैरियर संभावनाओं, साइबर सुरक्षा जागरूकता और आध्यात्मिक कल्याण को शामिल करने के लिए अद्यतन किया गया था। इस वर्ष कुल 1,445 अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

6. कक्षा से परे: अन्य शिक्षण पहल

क) अनुसंधान अध्ययन

- विव2025 में 75 शोध अध्ययन शुरू किए गए
- अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने के साथ 56 शोध अध्ययन पूरे किए गए।
- 34 शोध अध्ययनों को उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त हुए।

ख) एडएक्स पर एसबीआई पाठ्यक्रम

- नवंबर 2020 से, आपके बैंक ने 31.03.2025 तक 118के+ नामांकन के साथ एडएक्स पर 93 एमओओसी की मेजबानी की है।
- प्राप्य राजस्व: यूएसडी 28,663.91 (अक्तूबर 2020-सितंबर 2024), सदस्यता शुल्क के साथ समायोजित।

ग) वर्चुअल लर्निंग चैनल

- वेबिनार, पॉडकास्ट, वीडियो और ई-पाठ।
- 'माई क्रेस्ट टुडे' क्विज: 1,59,028 कर्मचारी प्रतिभागियों को शामिल किया गया।
- आस्क एसबीआई सर्च इंजन, लिक्विड और टेकविद्या पाठ्यक्रमों ने निरंतर सीखने की प्रवृत्ति को बढ़ाया।

घ) केस स्टडी डिस्कशन बोर्ड

- 15,305 प्रतिभागी समस्या-समाधान में लगे हुए हैं, विजेताओं को ई-गिफ्ट वाउचर प्राप्त हुए हैं

ड) मार्केट इंटेलिजेंस रिपोर्ट

- 387 प्रस्तुतियाँ रणनीतिक अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं, जो 15 अनुसंधान अधिकारियों द्वारा समर्थित हैं।

च) ओटीए पर प्रेरक वीडियो (अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी - महिला कैडेट) और एनएसजी (राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड)

- ओटीए (महिला कैडेट) और एनएसजी वीडियो एमडीपी और एफटीपी कार्यक्रमों में एकीकृत हैं, जो नई भर्तियों को प्रेरित करते हैं।

छ) शिक्षण प्रबंधन प्रणाली

- बैंक के प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र को आधुनिक और डिजिटलाइज करने के लिए, एक नई लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (डिजिटल) शुरू की गई है।
- ऐसा मंच, जिसे स्पार्क - एसबीआई प्लेटफॉर्म फॉर एडप्टिव रीस्किलिंग एंड नॉलेज के रूप में ब्रांडेड किया गया है, सभी शिक्षण और विकास गतिविधियों को एकल, एकीकृत प्रणाली में एकीकृत करेगा।
- स्पार्क का उद्देश्य कर्मचारी के सीखने और योग्यता स्तरों का 360-डिग्री दृश्यता प्रदान करना है।
- एक वेंडर का चयन किया गया है, और सिस्टम कॉन्फिगरेशन वर्तमान में प्रगति पर है।
- प्लेटफॉर्म को 29 मार्च 2025 को ई-लर्निंग फंक्शनलिटी वाले सीयूजी उपयोगकर्ताओं के लिए सॉफ्ट-लॉन्च किया गया था।
- सभी कर्मचारियों के लिए सभी सुविधाओं के साथ पूर्ण पैमाने पर रोलआउट विव 2026 की दूसरी तिमाही में लक्षित है।

7. कार्रवाई में स्पष्टता: अन्य कोचिंग हस्तक्षेप

- **विजिटिंग फैकल्टी स्कीम (वीएफएस):** वीएफएस कक्षा प्रशिक्षण के पूरक के रूप में निरंतर सीखने को बढ़ाता है। संकाय सदस्य कॉर्पोरेट प्राथमिकताओं को सुदृढ़ करने और कौशल अंतराल को पाटने के लिए शाखाओं का दौरा करते हैं।

- **सार्थक:** यह कोचिंग पहल जोखिम जागरूकता, लेखा परीक्षा अनुपालन, और परिचालन उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देती है, पहचान की गई 279 शाखाओं में से 277 का ऑडिट किया गया है (31 मार्च, 2025 तक), 252 को अपग्रेड किया गया, 15 रेटिंग बनाए रखी गई, और 10 डाउनग्रेड की गई।
- **समुन्नति और कालिटी सर्कल:** एक सहभागी एक-पर-एक कोचिंग पहल, जहां एसबीआईएलडी संकाय व्यावसायिक जरूरतों के साथ प्रशिक्षण को सरेखित करने, समस्या-समाधान और गुणवत्ता सुधार में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में शाखाओं का समर्थन करता है।
- **ज्ञान सेतु:** स्टाफ सदस्यों के लिए कॉल सेंटर: आपके बैंक ने ज्ञान सेतु लॉन्च किया, गैर-प्रौद्योगिकी से संबंधित कर्मचारी प्रश्नों को हल करने के लिए एक वास्तविक समय कॉल सेंटर, जिसका उद्देश्य ज्ञान अंतराल को कुशलता से पाटना है।

8. मजबूत साझेदारी के लिए ज्ञान साझा करना

क. मूल्य श्रृंखला भागीदारों (आपूर्तिकर्ताओं, विक्रेताओं, व्यापार संवाददाताओं / सीएसपी, फुट-ऑन-स्ट्रीट, आदि) के लिए प्रशिक्षण

- सीएसपी उड़ान 2.0 ऑनलाइन कार्यशाला ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, अनुपालन, जोखिम और शिकायत निपटान कवर करते हुए एफआई और डिजिटल उत्पादों पर 13,480 सीएसपी कियोस्क ऑपरेटरों को प्रशिक्षित किया।
- 47 विशेष वेबिनार ने 2,311 बीसी चैनल प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।
- एसबीआईएलडी ने एसबीओएसएस से 2,160 फीट-ऑन-स्ट्रीट (एफओएस) को प्रशिक्षित किया, जिसमें 102 एफओ ने एसबीआई पेमेंट्स के टीबी हब में एक दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- एसबीआईएलडी ने 139 एसएसएल अधिकारियों के लिए 11 होम प्रोडक्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जबकि एसबीएससी ने वेबिनार के माध्यम से 346 एसएसएल अधिकारियों / होम लोन काउंसलर्स को प्रशिक्षित किया।

ख. वित्तीय साक्षरता पर प्रशिक्षण

सामाजिक जिम्मेदारी के हिस्से के रूप में, एसबीआईएलडी स्थानीय समुदायों, स्कूलों और कॉलेजों के लिए वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते हैं। एसबीआईएलडी देहरादून ने आर्मी वाइक्स वेलफेयर एसोसिएशन (एडब्ल्यूडब्ल्यूए) के सहयोग से रुड़की और देहरादून में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

9. क्षितिज का विस्तार: क्रॉस-संस्थागत क्षमता निर्माण

एसबीएससी पहल

के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए:

- करुर वैश्य बैंक
- फेडरल बैंक
- नाबार्ड
- एसबीआई कैप सिक्वोरिटीज

एसबीए कार्यक्रम

के लिए प्रशिक्षण दिया गया:

- बैंक ऑफ भूटान
- नेपाल एसबीआई बैंक
- पंजाब एंड सिंध बैंक

साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता

- एसबीआईआईटी ने आईएस और साइबर सुरक्षा पर नाबार्ड नेतृत्व को प्रशिक्षित किया
- एसबीआई मालदीव और मॉरीशस में 300 कर्मचारियों के लिए साइबर जागरूकता का आयोजन किया गया

कृषि वित्त

एसबीआईआरडी ने इसके लिए क्षमताओं को बढ़ाया:

- पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारी
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

नेतृत्व विकास

एसबीएफआई कार्यक्रम केंद्रित हैं:

- क्रेडिट प्रबंधन
- मानव संसाधन सर्वोत्तम अभ्यास

- नेतृत्व कौशल एसबीआई म्यूचुअल फंड, एसबीओएसएस और आरआरबी के लिए

10. साझेदारी को बढ़ावा देना: उद्योग कनेक्ट के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देना

बैंकिंग उत्कृष्टता के लिए एआई/एमएल

- नो-कोड एआई/एमएल और बीआई टूल्स पर एएससीआई के साथ 3-दिवसीय कार्यशाला आयोजित की
- पीएसयू/निजी बैंकों के बैंकरों को डेटा-संचालित निर्णय कौशल से लैस करना
- संबंध प्रबंधन के लिए व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित किया

कृषि वित्त पहल

- बैंकरों को प्रशिक्षित करने के लिए कृषि मंत्रालय के साथ भागीदारी की:
- किसान ऋण पोर्टल
- प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना

11. केंद्र में संवहनीयता

आपके बैंक ने एसडीजी के साथ सरेखित प्रशिक्षण अवसंरचना सहित सभी परिचालनों में स्थायी प्रथाओं को सन्निहित किया है:

हरित अवसंरचना

- सौर ऊर्जा संयंत्र
- वर्षा जल संचयन प्रणाली
- सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट
- ऊर्जा कुशल इमारतें

अपशिष्ट प्रबंधन

- खाद्य अपशिष्ट खाद इकाइयाँ
- जैविक अपशिष्ट कन्वर्टर (ओडब्ल्यूसी)
- वर्मीकम्पोस्टिंग की सुविधा

इको-पहल

- संस्थानों में प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र
- नियमित पर्यावरण अभियान
 - वाकथॉन
 - स्वच्छता अभियान
 - वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्रमाणन

- आईएसओ 21001:2018 प्रमाणन शैक्षिक संगठन प्रबंधन प्रणाली (ईओएमएस) पर केंद्रित है, शिक्षार्थी संतुष्टि और प्रशिक्षण गुणवत्ता में निरंतर सुधार पर जोर देता है।
- विव2025 में, पांच शीर्ष प्रशिक्षण संस्थानों - एसबीआईएल, एसबीएससी, एसबीए, एसबीआईआरडी, और एसबीआईआईटी - को आईएसओ 21001:2018 सर्टिफिकेशन से सम्मानित किया गया, जो सीखने और विकास में उत्कृष्टता के लिए उनकी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

यह समग्र दृष्टिकोण पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देता है और सतत विकास के लिए आपके बैंक की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

विव2025 के लिए लर्निंग स्नैपशॉट:

विव2025 के दौरान प्रति कर्मचारी औसत प्रशिक्षण घंटे 60.21 थे। प्रशिक्षण के घंटों का ग्रेड-वार और लिंग-वार विभाजन इस प्रकार है:

मद	पुरुष	महिला	कुल
औसत कर्मचारी प्रशिक्षण घंटे	59.63	61.72	60.21
एसोसिएट	64.60	60.94	63.19
जूनियर प्रबंधन (जेएमजीएस-I, एमएमजीएस-II, एमएमजीएस-III)	70.19	66.73	69.31
वरिष्ठ प्रबंधन (एसएमजीएस - IV और V)	71.49	74.72	71.99
उच्च प्रबंधन (टीईजी और ऊपर)	95.93	130.69	99.15

डिजिटल परिवर्तन और ई-कॉमर्स

योनो

24 नवंबर, 2017 को लॉन्च किया गया, योनो बैंकिंग, वित्तीय और जीवन शैली की जरूरतों के लिए एक व्यापक मंच के रूप में विकसित हुआ है। 8.8 करोड़ पंजीकृत उपयोगकर्ताओं और 4.2 ऐप रेटिंग के साथ, यह न्यू जनरेशन बैंक के रूप में आपके बैंक की छवि को मजबूत करता है। वित्त वर्ष 2024-25 में जन निवास, इंटरनेशनल फंड ट्रांसफर, एसबीआई लाइफ ई-शिल्ड इंस्टा, लोन अगेंस्ट म्यूचुअल फंड, री-केवाईसी, फास्टैग रिचार्ज, आईसीसीडब्ल्यू और रुपये क्रेडिट कार्ड लिंकिंग सहित 164 फीचर उल्लेखन देखे गए। इसका सहज ज्ञान युक्त डिजाइन उपयोगकर्ताओं के लिए वित्तीय प्रबंधन और पहुंच को सरल बनाता है।

योनो 2.0 को अगले वित्त वर्ष में लॉन्च किया जाना है।

सूचना प्रौद्योगिकी

एंटरप्राइज़ एकीकरण सेवाएँ

ईआईएस विभाग 1200+ मानकीकृत एपीआई और माइक्रोसर्विसेज के माध्यम से योनो, आईएनबी और यूपीआई जैसे 200+ अनुप्रयोगों में सहज एकीकरण को शक्ति प्रदान करता है। वित्त वर्ष 2024-25 की

प्रमुख परियोजनाओं में पीएम-सूर्यघर, आधार-बेस, एनपीसीआई और आई4सी शामिल हैं। इसकी सुरक्षित और स्केलेबल वास्तुकला इनोवेटिव प्लेटफॉर्म के माध्यम से विकास और फिनटेक सहयोग को गति देता है।

ईआईएस योनो और यूपीआई जैसे विभिन्न अनुप्रयोग का समर्थन करता है। इसकी मजबूत वास्तुकला सुरक्षित, मानकीकृत एपीआई सुनिश्चित करती है, विकास के समय को कम करती है। बैंक बढ़ती मांगों को पूरा करने और फिनटेक सहयोग के लिए इनोवेटिव प्लेटफॉर्म के माध्यम से एपीआई-संचालित व्यवसाय विकास को चलाने के लिए एपीआई क्षमताओं का विस्तार कर रहा है।

एंटरप्राइज़ एकीकरण सेवाएँ 2.0

सेल्सफोर्स के म्यूलसॉफ्ट एनीपॉइंट प्लेटफॉर्म पर निर्मित ईआईएस 2.0 में एंटरप्राइज़-लेवल ऑर्किस्ट्रेशन, डायनेमिक स्केलिंग, सेल्फ-हीलिंग, सर्विस मेश, एक्टिव-एक्टिव सेटअप आदि शामिल होंगे। यह सुविधाजनक लो कोड नो कोड प्लेटफॉर्म आईटी सेवा वितरण के लिए टाइम टू मार्केट में तेजी लाएगा, फिनटेक एंजेलमेंट को मजबूत करेगा और नवाचार को बढ़ावा देगा।

नेटवर्क अवसंरचना में सुधार

आपके बैंक ने बैंडविड्थ सुधारों, आर्किटेक्चर ऑप्टिमाइजेशन और क्लाउड-आधारित समाधानों के माध्यम से उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाया है, जिससे बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित हुआ है। अगली पीढ़ी के फायरवॉल और हाइब्रिड डीडीओएस शमन रणनीति के साथ सुरक्षा को मजबूत किया गया है।

एंटरप्राइज़ लघु संदेश सेवा (एसएमएस)

केंद्रीकृत एसएमएस गेटवे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय संदेश, पावर अलर्ट, दो-कारक प्रमाणीकरण और विपणन अभियानों का समर्थन करता है। डीएलटी-आधारित पंजीकरण धोखाधड़ी की रोकथाम और पारदर्शिता सुनिश्चित करता है।

मेघदूत - एसबीआई निजी क्लाउड: नवाचार और संवहनीयता का प्रसार

मेघदूत, आपके बैंक का निजी क्लाउड, 350 से अधिक एप्लिकेशन होस्ट करता है, जिसमें यूपीआई और डीबीटी जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं शामिल हैं। यह 8% अनुप्रयोगों की मेजबानी करते हुए डेटा सेंटर फुटप्रिंट का केवल 76% उपयोग करता है, कार्बन उत्सर्जन को कम करता है और ईएसजी पहल का समर्थन करता है। मेघदूत सुरक्षा और मापनीयता को मिलाकर सार्वजनिक क्लाउड सेवाओं के साथ एकीकृत है। यह डिजिटल परिवर्तन, एआई क्षमताओं, परिचालन दक्षता, ग्राहकों के अनुभवों को बढ़ाने और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है।

ग्राहक संबंध प्रबंधन

आपके बैंक का सीआरएम घरेलू और 15 विदेशी कार्यालयों में बिक्री, सेवा, विपणन और शिकायत प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने के लिए आईएनबी, योनो और ओसीएस को एकीकृत करता है। मंच एआई क्षमताओं द्वारा संचालित एक एकीकृत टचपॉइंट में विकसित हो रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में प्रमुख ग्राहक-केंद्रित पहलों में शामिल हैं:

व्हाट्सएप बैंकिंग के कुल 53.96 लाख पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं, जिनमें औसत दैनिक हिट 12,000 से अधिक है।

- **डिजिटल मृत दावा जमा करना** के लिए तेज, पारदर्शी प्रसंस्करण
- **14सी** वास्तविक समय धोखाधड़ी ट्रैकिंग और वसूली के लिए एनसीआरपी के साथ एकीकरण
- 15 भाषाओं में बहुभाषी शिकायत सहायता
- शाखाओं में क्यूआर-आधारित फीडबैक संग्रह
- सेवा वसूली के लिए असंतुष्ट ग्राहकों को सक्रिय कॉलिंग
- **गैर-वित्तीय सेवाएं** जैसे कार्ड/चेक ट्रैकिंग और निर्बाध वितरण के लिए सीआरएम के माध्यम से ब्याज प्रमाण पत्र

संपर्क केंद्र

- आपके बैंक के संपर्क केंद्र ने निम्नलिखित के माध्यम से सेवा वितरण बढ़ाया है:
- मुंबई, दिल्ली और गुजरात में एआई/एमएल-संचालित वॉयस बॉट
- बिक्री और संग्रह के लिए बेंगलुरु और गुरुग्राम में आउटबाउंड केंद्र
- **24/7** लाइव एजेंट सहायता के माध्यम से योनो व्यवसाय सहायता

डेटा वेयरहाउस और मारटेक

दो रणनीतिक डेटा पहल चल रही हैं:

- मुंबई, दिल्ली और गुजरात में एआई/एमएल-संचालित वॉयस बॉट
- बिक्री और संग्रह के लिए बेंगलुरु और गुरुग्राम में आउटबाउंड केंद्र
- **24/7** लाइव एजेंट सहायता के माध्यम से योनो व्यवसाय सहायता

डेटा वेयरहाउस और मारटेक

दो रणनीतिक डेटा पहल चल रही हैं:

- **मारटेक परियोजना:** चरण 1 एसएमएस, व्हाट्सएप और ईमेल पर एक साथ लाइव, अक्टूबर 2025 तक पूर्ण रोलआउट होना है
- **डेटा लेकहाउस परियोजना:** रीयल-टाइम एनालिटिक्स और निर्णय लेने के लिए एआई/एमएल-सक्षम प्लेटफॉर्म, सितंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा

पुरस्कार

20वां आईबीए बैंकिंग प्रौद्योगिकी पुरस्कार:

- सर्वश्रेष्ठ वित्तीय समावेशन - **विजेता**
- सर्वश्रेष्ठ फिनटेक और डीपीआई अधिग्रहण - **विजेता**
- बेस्ट एआई और एमएल बैंक ऑफ द ईयर - **रनर-अप**

अन्य सम्मान:

- उद्योग पारिस्थितिकी तंत्र के भविष्य में सर्वश्रेष्ठ - आईडीसी फ्यूचर एंटरप्राइज अवार्ड्स 2024
- डिजिगोव - बिजनेस टुडे-केपीएमजी बेस्ट बैंक अवार्ड्स 2024
- एसबीआई विदेश कार्यालय (आरएलएमएस-एफओ) - फिननोविटी अवार्ड 2024

डेटा अभिशासन

आपके बैंक के परिपक्व डेटा अभिशासन फ्रेमवर्क, जिसे अब आईबीए के माध्यम से पीएसबी में दोहराया गया है, ने डेटा गुणवत्ता और अनुपालन में सुधार किया है। शाखा-स्तरीय रोलआउट और एक उन्नत डेटा गुणवत्ता सूचकांक (डीक्यूआई) बेहतर निर्णय लेने में सहयोग करते हैं। वित्त वर्ष 2025 के लिए पीएसयू उपभोक्ता खंड में उच्चतम डीक्यूआई सुधार के लिए बैंक ने **ट्रांसयूनियन सिबिल अवार्ड प्राप्त किया**।

आघात-सहनीयता (रिजिलियेंसी) संचालन केंद्र (आरओसी)

जुलाई 2023 में लॉन्च किया गया, आपके बैंक का तकनीकी लचीलापन कार्यक्रम 24 प्राथमिकताओं को संबोधित करता है, जिसमें 13 आरबीआई-अनिवार्य प्राथमिकताएं शामिल हैं। **चरण 1** उपलब्धियां: 18+ ऐप्स के लिए केंद्रीकृत निगरानी, डीआर ड्रिल, घटना एसओपी और वास्तुकला समीक्षा। जुलाई 2024 से सक्रिय **चरण 2**, मजबूत संचालन सुनिश्चित करने के लिए 9 पहलों, इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और वैकल्पिक मार्गों के साथ पूर्व-खाली लचीलापन पर केंद्रित है।

चैनल और संचालन

भुगतान प्रणाली (पीएस)

आपका बैंक प्रेषण और समाशोधन सेवाओं, प्रसंस्करण में अग्रणी बाजार हिस्सेदारी रखता है:

- **एनईएफटी:** 253.42 करोड़ लेनदेन (14.09% हिस्सा)
- **आरटीजीएस:** 6.75 करोड़ लेनदेन (441.32 लाख करोड़)
- **आईएमपीएस:** 135.19 करोड़ लेनदेन (26.18% हिस्सा)
- **सीटीएस क्लियरिंग:** 6.55 करोड़ आवक (11.77% बाजार हिस्सेदारी), 4.75 करोड़ बाहरी लेनदेन (8.54% बाजार हिस्सेदारी)
- **मूल्य-वार लेनदेन:** ₹9.21 लाख करोड़ के आवक समाशोधन (14.28% बाजार हिस्सेदारी), ₹7.05 लाख करोड़ की जावक समाशोधन (10.93% बाजार हिस्सेदारी)
- **स्विफ्ट:** 47.20 लाख संदेश, स्विफ्ट ग्राहक सुरक्षा अनुपालन ढांचे के सभी 25 अनिवार्य और 7 सलाहकार नियंत्रणों के साथ पूरी तरह से स्विफ्ट-अनुपालन

नोट: उपर्युक्त डेटा भुगतान प्रणाली अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 तक मानी जाती है, सीटीएस, आईएमपीएस और एनईएफटी/आरटीजीएस मार्च 2025 डेटा अभी तक एनपीसीआई/आरबीआई साइटों पर प्रकाशित नहीं हुए हैं

विदेश कार्यालय

- **योनो ग्लोबल:** 14 ग्राहकों के साथ सिंगापुर सहित 300,000 विदेशी कार्यालयों में विस्तारित।
- **उल्लेखनीय अनुकूलन:** मॉरीशस में यूपीआई क्यूआर, नेपाल में वीपीए-आधारित एनपीआर-आईएनआर भुगतान और सिंगापुर में पे-नाउ।
- **ऑरेकल अनुकूलित जोखिम प्रबंधन (ओएआरएम):** इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग के लिए जोखिम-आधारित प्रमाणीकरण के साथ बढ़ी हुई सुरक्षा।
- **ट्रेड फाइनेंशियल बैंक ऑफिस सेंट्रलाइजेशन:** डिजिटलीकरण के माध्यम से 18 विदेशी कार्यालयों में ट्रेड फाइनेंस ऑपरेशंस को स्वचालित करना, 30 जून, 2025 तक चरण 1 रोलआउट के साथ।
- **आईटी आघात-सहनीयता:** प्रदर्शन और अपटाइम सुनिश्चित करने के लिए उच्च उपलब्धता और डीआर स्वचालन के लिए एकीकृत निगरानी उपकरण।



SBI
हर एक भारतीय का बैंक

आराम के लिए लाएं, भरोसे से चलाएं

विश्वसनीय, नए जैसे ऑटोमोबाइल के लिए
प्रमाणित प्री-ओनड कार ऋण, जिसके आप हकदार हैं

- अकर्बक ब्याज दर
- 5 साल तक के लिए ऋण
- न्यूनतम दस्तावेजीकरण

सहायता के लिए, 1800 1234 2100 पर कॉल करें या bank.sbi सिजिट करें हमें यहाँ फॉलो करें

एटीएम

- **पीसीआई डीएसएस अनुपालन:** लगातार सातवां वर्ष; पीसीआई डीएसएस v4.0 हासिल करने वाला पहला भारतीय पीएसबी।
- **पीसीआई-पिन प्रमाणन:** नवीनतम 3.1 संस्करण के तहत पूरा हुआ

- **एटीएम नेटवर्क:** 31 मार्च, 2025 तक 24.07 करोड़ सक्रिय डेबिट कार्ड उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान करने वाले 63,791 एटीएम/एडीडब्ल्यूएम, प्रतिदिन 2 करोड़ लेनदेन संसाधित कर रहे हैं।
- **संवहनीयता:** कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए 13.01 लाख वर्चुअल कार्ड जारी।

- **प्रीपेड कार्ड:** मेट्रो और ट्रांजिट परियोजनाओं के लिए 13 लाख प्रीपेड कार्ड।
- **नई सुविधाएं**
 - इंटरऑपरेबल कार्डलेस कैश विदड्रॉल (आईसीसीडब्ल्यू)
 - नेक्सजेन प्रीपेड कार्ड सास(डरड) मॉडल
 - सभी प्रीपेड कार्डों के लिए वन-व्यू पोर्टल
 - प्रो-एक्टिव शिकायत समाधान प्रणाली (पीसीआरएस)
 - मास ट्रांजिट एनसीएमसी कार्ड जारी करना
 - एम्स के लिए क्लोज्ड लूप कार्ड आधारित समाधान
 - अपरिवर्तित डेबिट कार्डों का जारीकर्ता शाखा को पुनर्निर्देशन
 - ऑनलाइन निगरानी समाधान मोबाइल ऐप
 - एआई-सक्षम डैशबोर्ड के साथ प्रदर्शन निगरानी उपकरण (समस्या का निदान)

सीएमपी और एससीएफ्यू

नकद प्रबंधन उत्पाद (सीएमपी)

आपके बैंक का नकदी प्रबंधन उत्पाद (सीएमपी) भुगतान, संग्रह, अधिदेश प्रबंधन (मैडेट), लाभांश वारंट और प्राप्य प्रबंधन सहित विशेष मॉड्यूल के माध्यम से कॉर्पोरेट और सरकारी ग्राहकों के लिए व्यापक भुगतान और प्राप्ति समाधान प्रदान करता है। 120 लाख करोड़ के वार्षिक कारोबार को संसाधित करते हुए, सीएमपी शुल्क और फ्लोट दोनों आय प्रदान करता है। आरंभ किए गए नवीन सीएमपी नेक्स्टजेन प्लेटफॉर्म भुगतान के साथ सभी सेवाओं को एकीकृत करता है,

मैडेट प्रबंधन, संग्रह, और प्राप्य प्रबंधन मॉड्यूल पहले से ही चालू हैं।

आपूर्ति श्रृंखला वित्त (एससीएफ)

विक्रेता वित्तपोषण (ई-वीएफएस) और डीलर वित्तपोषण (ई-वीएफएस) के माध्यम से एसएमई को सहयोग करता है, निम्न सुविधाओं में संवर्द्धन के साथ:

- फिन्टेक एकीकरण और यूआईएन-आधारित वित्तपोषण

- कम ईओडी प्रसंस्करण समय
- स्वचालित रिपोर्ट निर्माण के लिए गतिशील रिपोर्टिंग मॉड्यूल लॉन्च किया गया
- वास्तविक समय निधि हस्तांतरण और एमआईएस के साथ कागज रहित बैंकिंग की सुविधा प्रदान की
- एपीआई के माध्यम से पूर्ण अनुकूलन और निर्बाध ईआरपी एकीकरण

आगामी उद्गम

- खरीद आदेश वित्तपोषण
- डिजिटल कम्फर्ट लेटर जनरेशन
- क्लाउड-आधारित माइक्रोसर्विसेज और डेवऑप्स (उर्जाजीवी) में संवृद्धि

एचआरएमएस

आपका बैंक कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए एआई/एमएल सुविधाओं के साथ क्लाउड-आधारित एचआरएमएस और एलएमएस लॉन्च कर रहा है।

एचआरएमएस सुविधाएं

- व्यापक हायर-टू-रिटायर एचसीएम
- उच्च उपलब्धता
- बेहतर अनुभव के लिए मोबाइल वेब का उपयोग
- दक्षता और बड़ी हुई उत्पादकता के लिए स्वचालित मानव संसाधन वर्कफ्लो

एलएमएस - एसबीआई ज्ञानधारा

- एआई-सक्षम पाठ्यक्रम सिफारिशें
- व्यक्तिगत सीखने के रास्ते
- स्मार्ट, गेमिफाइड सामग्री के साथ उन्नत ई-लर्निंग
- शीर्ष संस्थानों की सामग्री के साथ एकीकरण
- कौशल अंतराल मूल्यांकन और योग्यता निर्माण
- व्यवस्थापक और शिक्षार्थियों के लिए एआई-सक्षम चैट बॉट
- सीखने की रणनीतियों को अनुकूलित करने के लिए डेटा-संचालित विश्लेषण

इंटरनेट बैंकिंग

आपके बैंक की इंटरनेट बैंकिंग 1387 लाख खुदरा उपयोगकर्ताओं को एक सरल ऑनलाइन अनुभव प्रदान करती है।

उद्गम

- बेहतर सुरक्षा के लिए (.SBI) डोमेन में माइग्रेट किया गया
- लेनदेन की निगरानी के लिए वास्तविक समय पीआरएम एकीकरण
- लॉकर समझौतों को डिजिटल रूप से निष्पादित किया गया
- नई विशेषताएं: पीपीएफ खाता हस्तांतरण, ऑनलाइन सावधि जमा खोलना, म्यूचुअल फंड पर ऋण, वास्तविक समय एसबीआई कार्ड जारी करना

एसबीआईईपी

आपके बैंक के भुगतान एग्जीगेटर समाधान, पीसीआईडीएसएस 4.0 और आईएसओ 27001:2022 प्रमाणित भुगतान एग्जीगेटर, ने विव2025 में 555 नए व्यापारियों को जोड़ा, जिसमें प्रतिष्ठित बॉम्बे हाई कोर्ट ई-प्रोजेक्ट, आईआईटी बॉम्बे और आईआईएम कलकत्ता, कलकत्ता और तेलंगाना उच्च न्यायालय, आंध्र प्रदेश मुख्यमंत्री राहत कोष, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ एसएससी और आरआरबी भुवनेश्वर के प्रमुख ग्राहक शामिल हैं। 31.03.2025 तक, 3,146 व्यापारी एसबीआईईपी के साथ एकीकृत हैं।

प्रमुख घटनाक्रम:

- मोबिक्रिक वॉलेट एकीकरण
- कार्ड लेनदेन के लिए डब्ल्यूआईबीएमओ पीजी
- एमएसईडीसीएल के लिए अनुकूलित एकीकरण
- गतिशील भुगतान लिंक

नए भुगतान चैनल:

- एसवीसी सहकारी बैंक लिमिटेड
- मोबिक्रिक वॉलेट

एसबीआईपीजी (पेमेंट गेटवे)

पीसीआई डीएसएस प्रमाणित ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, एसबीआईपीजी ने वित्तीय वर्ष 2025 में 15,383 उप-व्यापारियों को ऑनबोर्ड किया, जिसमें कुल 22,667 उप-व्यापारी और 18 एग्जीगेटर प्लेटफॉर्म के साथ एकीकृत थे।

प्रमुख गतिविधियाँ

- केंद्रीकृत भुगतान के लिए क्रिस सुपरएप एकीकरण
- एसबीआई एसीएस में एसबीआई रुपये डेबिट कार्ड लेनदेन के लिए ईएमवी 3डीएस2.0

योनो व्यापार और इंटरनेट बैंकिंग

आपके बैंक का **योनो व्यवसाय** एमएसएमई से लेकर बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक 48 लाख कॉर्पोरेट उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान करता है।

कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए नई सेवाएं

- साझेदारी के लिए बीआरई ऋण सुविधा का विस्तार
- सरल और कॉर्पोरेट उपयोगकर्ताओं के लिए यूपीआई त्वरित स्थानांतरण
- एचयूएफ और ट्रस्टों के लिए एसजीबी निवेश
- योनो पे, योनो बिजनेस मोबाइल में भुगतान सुविधा की फिर से परिकल्पना की गई
- **नए एग्जीगेटर:** मार्ग, ईजीबज, ईजीपे, ओपन, जोहो

यूपीआई

आपके बैंक ने प्रतिदिन 220 मिलियन वित्तीय और 110 मिलियन गैर-वित्तीय यूपीआई लेनदेन संसाधित किए, जिसमें कुल यूपीआई भुगतान का 27% हिस्सा है और विव 2025 में 767 मिलियन से अधिक वर्चुअल पेमेंट ट्रेन्स (वीपीए) किया गया।

यूपीआई के नए फीचर्स:

- **टैप एंड पे:** संपर्क रहित पी2एम लेनदेन
- **यूपीआई ग्लोबल:** 28 देशों में मचैट भुगतान, अन्य देशों में चल रहे कवरेज विस्तार के साथ
- **ग्राहक संतुष्टि सूचकांक:** सेवा रेटिंग सुविधा
- **केसीसी और ओडी पर यूपीआई:** मीयादी जमा और म्यूचुअल फंड के लिए सक्षम
- **यूपीआई लाइट ऑटो टॉप-अप:** भीम एसबीआई पे पर लागू
- **ईरूपी बी2सी:** संपर्क रहित वाउचर-आधारित कल्याण भुगतान
- **यूपीआई लाइट** की सीमा 2,000 से बढ़ाकर 5,000 कर दी गई है, प्रत्येक लेनदेन के लिए 1,000 की सीमा के साथ

कोर और विशेष परियोजनाएं

एग्री टेक

आपका बैंक भारत सरकार के एग्री टेक स्टैक और आरबीआईएच के यूएलआई के साथ एकीकृत एक मापनीय, आधुनिक तकनीक के साथ अपने कृषि अनुप्रयोग को बढ़ा रहा है। इसने एनबीएफसी के लिए संपूर्ण एसटीपी समाधान आरंभ किया है और कृषि और एमएसएमई ऋणों में परिचालन में सुधार करने, दक्षता और सेवा वितरण बढ़ाने के लिए एसबीओएसएस की स्थापना की है।



कोर बैंकिंग

आपके बैंक का सीबीएस ग्राहक आधार 520 मिलियन को पार कर गया है। प्रमुख संवर्द्धन में शामिल हैं:

- **ऋण विवरण:** ऋण विवरण: ईएमआई आधारित ऋणों में अब आरबीआई के मानदंडों के अनुसार विस्तृत तिमाही विवरण होते हैं।
- **वॉक-इन लेनदेन:** गैर-एसबीआई ग्राहक के नकद लेनदेन की रिकॉर्डिंग सक्षम बनाता है।
- **केवाईसी अद्यतन:** नियत अद्यतन के लिए स्वचालित एसएमएस / ईमेल द्वारा सूचना
- **खाता सक्रियण:** निष्क्रिय खातों को अब किसी भी शाखा से पुनः सक्रिय किया जा सकता है।
- **द्विभाषी अलर्ट:** हिंदी और अंग्रेजी में लेनदेन ईमेल।
- **व्याज प्रमाण पत्र:** अब एसटीडीआर/टीडीआर खाता शेष और टीडीएस छूट के कारण शामिल हैं।
- **एनआरआई और चालू खाते:** नए ग्राहकों के लिए स्वागत ईमेल।
- **मीयादी जमा नवीनीकरण पर ओवरड्राफ्ट:** एसएमएस अलर्ट और ऑटो-नवीनीकरण सुविधा।
- **हरित आस्ति मैपिंग:** ग्रीन डिपॉजिट और बॉन्ड के लिए नई सीबीएस स्क्रीन।
- **निष्क्रिय खाता परिभाषा:** गैर-वित्तीय लेनदेन को शामिल करने के लिए विस्तारित।

आईटी-खुदरा ऋण

एसबीआई की आंतरिक खुदरा ऋण प्रबंधन प्रणाली (रिटेल लोन मैनेजमेंट सिस्टम, आरएलएमएस) क्रेडिट स्कोरिंग, धोखाधड़ी का पता लगाने और डिजिटल दस्तावेजीकरण के लिए एकीकरण के साथ ऋण प्रसंस्करण को सुव्यवस्थित करती है। प्रमुख विशेषताएँ:

- **बाहरी दस्तावेजीकरण मॉड्यूल:** किसी भी स्थान से होम लोन डॉक्यूमेंटेशन की सुविधा प्रदान करता है।
- **डिजिटल दस्तावेज निष्पादन (डीडीई):** कागज रहित प्रलेखन सुविधा सक्षम, ग्राहक सुविधा में सुधार, टीएटी और कार्बन फुटप्रिंट को कम करना।
- **इंटरनेट-फेसिंग प्रक्रिया:** ग्राहकों को कागजरहित आवास ऋण आवेदन जमा करने की अनुमति देता है।
- **खाता एग्रीगेटर कार्यक्षमता:** बेहतर दक्षता के लिए अन्य बैंक खाता विवरण प्राप्त करता है।
- **स्वचालित कमीशन की गणना:** होम लोन के लिए यह आउटसोर्स संस्थाओं के लिए त्रुटि मुक्त गणना सुनिश्चित करता है।
- **पूर्ण कागजरहित प्रक्रिया:** आरईएच उत्पादों के लिए दक्षता में सुधार और कार्यपूर्णता समय को कम करने के लिए।
- **आरएलएमएस अंतर्दृष्टि:** सोर्सिंग/मंजूरी/संवितरण के लिए वास्तविक-समय व्यवसाय डैशबोर्ड।

- **सीधे प्रसंस्करण (एसटीपी):** सटीकता में सुधार के लिए सभी ऋण यात्राओं को कवर करता है।
- **चरण-वार अपडेट:** एसएमएस/ई-मेल/रिवर्स फीड के माध्यम से ऋण आवेदन ट्रैकिंग में पारदर्शिता प्रदान करता है।
- **म्यूचुअल फंड, पीएम सूर्य घर, पीएमएवाई 2.0, अपुन-वाहन, दिव्यांगजनों के लिए ई-मोबिलिटी वाहनों के लिए ऋण की संपूर्ण प्रक्रिया आरंभ की गई है।**
- **आपदा रिकवरी (डीआर):** निरंतर डेटा उपलब्धता के लिए तीसरी साइट के साथ पूरी तरह से स्वचालित।
- **टाइटल जाँच रिपोर्ट का डिजिटलीकरण टीआईआर:** मानवीय हस्तक्षेप के बिना संपूर्ण डिजिटलीकरण।

आईटी-कॉर्प और एसएमई ऋण

एमएसएमई डिजिटल व्यवसाय ऋण

- आपके बैंक ने स्वचालित क्रेडिट प्रोसेसिंग के लिए बिजनेस रूल इंजन (बीआरई) का उपयोग करके ₹5.0 करोड़ तक के एमएसएमई डिजिटल व्यवसाय ऋण आरंभ किए हैं।
- बीआरई आयकर, जीएसटी रिटर्न, ब्यूरो डेटा और बैंक स्टेटमेंट जैसे स्रोतों से डेटा प्राप्त करता है और पूर्वनिर्धारित नियमों और तर्क का उपयोग करके ऋण आवेदनों को संसाधित करता है।

- डिजिटल क्रेडिट मूल्यांकन प्रणाली 8-10 सेकंड के भीतर गो/नो-गो निर्णय प्रदान करती है, जिससे मानवीय हस्तक्षेप और व्यक्तिपरक पूर्वाग्रह कम होता है।
- यह नवाचार एमएसएमई के लिए व्यापार करने में आसानी को बढ़ाता है, एक तेज और सहज उधार प्रक्रिया की पेशकश करता है।

एलएलएमएस लाइट में पीएम विश्वकर्मा ऋण दस्तावेज

- डिजिटल डॉक्यूमेंट जनरेशन (डीडीजी):** सटीकता और आसान पुनर्प्राप्ति के लिए ऋण दस्तावेजों को स्वतः भरता और संग्रहीत करता है।

वित्तीय समावेशन और सरकारी योजनाएं (एफआई एवं जीएस)

- डीबीटी अनुवृत्ति पोर्टल:** आसान डीबीटी लेनदेन ट्रैकिंग के लिए इन-हाउस प्लेटफॉर्म, जिसे कोणीय, स्प्रिंग बूट और हाइबरनेट के साथ बनाया गया है।
- भारत आधार सीडिंग एनबलर (बेस):** एनपीसीआई पोर्टल के माध्यम से वास्तविक समय पर आधार सीडिंग/डीसीडिंग, निर्बाध डीबीटी लेनदेन को सक्षम करना।

व्यापार वित्त

आपका बैंक एआई/एमएल, ब्लॉकचेन और दस्तावेज प्रबंधन के साथ व्यापार वित्त का डिजिटलीकरण कर रहा है।

व्यापार वित्त सुधार परियोजना में शामिल हैं:

- केंद्रीकृत प्रसंस्करण:** दो वैश्विक व्यापार वित्त केंद्र।
- उन्नत प्लेटफॉर्म:** एक्जिम बिल और ई-ट्रेड आंतरिक/बाहरी प्रणालियों के साथ एकीकृत हैं।
- ई-ट्रेड पोर्टल:** कॉर्पोरेट ग्राहकों को 100 एपीआई के माध्यम से व्यापक व्यापार वित्त सेवाएं और ईआरपी एकीकरण मिलता है।
- सरकारी साझेदारी:** कर्नाटक के ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म पर बीजी प्रकाशित करना और तमिलनाडु के लिए त्रिआइएक्स पर बीजी जारी करना।



इन पहलों का उद्देश्य व्यापार, वित्त और विदेशी मुद्रा में बाजार हिस्सेदारी को बढ़ाना है। ट्रेड फाइनेंस रिवैम्प प्रोजेक्ट (यानी निर्यात यात्रा) का छठा (अंतिम) चरण कार्यान्वयन के अधीन है और इसे 30.04.2025 तक शुरू किया जाएगा। दोनों जीटीएफसी संशोधित केंद्रीकृत वर्कफ्लो पर सभी अंतर्देशीय मॉड्यूल के साथ पूरी तरह से चालू हैं। आयात यात्राओं पर शेष शाखाओं की ऑनबोर्डिंग भी शुरू हो गई है और 30.04.2025 तक पूरी हो जाएगी।

आईटी-विशेष परियोजनाएं

आपके बैंक ने अपने डिजीगोव फंड मैनेजमेंट सॉल्यूशन एप्लिकेशन के लिए 'इनोवेशन में सर्वश्रेष्ठ बैंक 2024-25' जीता।

सब्सिडी संवितरण और भुगतान

- प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना:** लाभार्थियों को 7,500.94 करोड़ रुपये वितरित किए गए।
- डिजीगोव भुगतान:** 30,496.47 करोड़ का कुल भुगतान संभाला गया, ₹30,007 करोड़ की शेष राशि के साथ 1,125 राज्य नोडल एजेंसी खातों का प्रबंधन और ₹5,151 करोड़ की शेष राशि के साथ 215 केंद्रीय नोडल एजेंसी खातों का प्रबंधन

नई योजनाएं ऑनबोर्ड की गईं

- ओडिशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम (ओसेपा) - एनएसीएच मंच
- मप्र श्रम कल्याण बोर्ड - एनएसीएच मंच
- गुजरात वन विभाग

एमपीलैक्स मोबाइल एप्लिकेशन

- एमपीलैक्स - ईसाक्षी:** संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के लिए एक पूरी तरह कार्यात्मक मोबाइल एप्लिकेशन, जो आईओएस और एंड्राइड प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सभी सांसदों को इसमें शामिल कर लिया गया है।



जीएसटी में सुधार

- **मैचिंग लॉजिक्स:** दिसंबर 2024 के लिए आईटीसी का दावा करने के लिए पीआरडीसी मैचिंग प्रतिशत को 96.24% तक बढ़ाया गया।

एसबीआई रिवाइज़ प्रोग्राम

- **डेबिट कार्ड पुरस्कार:** उपयोग और निष्पत्ति के लिए उन्नत ट्रिगर।
- **विस्तारित रिवाइज़ श्रेणियाँ:** म्यूचुअल फंड, क्रेडिट कार्ड, बीमा, शिक्षा शुल्क आदि।
- **चालू खाते:** छह महीने में अच्छी तरह से बनाए गए खातों के लिए 300 इनाम अंक।
- **होम लोन:** ₹30 लाख+ की सीमा के साथ होम लोन और पी-एलएपी कस्टमर के लिए रिवाइज़ पॉइंट।

एसबीआई फास्टैग एन्हांसमेंट

- **यूपीआई क्यूआर रिचार्ज:** किसी भी यूपीआई ऐप के माध्यम से फास्टैग/वॉलेट रिचार्ज।
- **द्विभाषी पोर्टल:** अब हिंदी और अंग्रेजी में।
- **ऑटो-टॉप-अप:** एसबीआई बचत खाता धारकों के लिए।
- **जारी करने की वृद्धि:** वित्तीय वर्ष 2025 में 26.46 लाख नए फास्टैग, कुल आधार 60.52 लाख।

जीबीएसएस साइबर ट्रेजरी मॉड्यूल

- **केंद्रीकृत रिपोर्टिंग:** राज्य सरकार के लेनदेन के लिए लेखांकन, निपटान और प्रोद्घवन कमीशन पोस्टिंग की सुविधा प्रदान करता है।
- **पैरामीटर प्लेटफॉर्म:** केंद्रीकृत रिपोर्टिंग और निपटान के लिए किसी भी राज्य/चैनल को ऑनबोर्ड करना।
- **प्रोद्घवन कमीशन गणना:** राज्य-वार और गृह शाखा-वार, वास्तविक कमीशन के साथ अर्जित कमीशन को संरेखित करना।

जीएडी रिपोर्टिंग और लेखा प्रणाली

(जीआरएस)

- राज्य सरकार के कमीशन प्रोद्घवन की प्रक्रिया को आरबीआई से वास्तविक दावे और प्राप्त के साथ

संरेखित करने के लिए नया आवेदन। इस प्रक्रिया में जीबीएसएस के माध्यम से उपार्जित कमीशन की गणना करना और उसे सीबीएस को पोस्ट करना शामिल है।

- जीआरएस आवेदन के कार्यान्वयन के साथ, यह अर्जित सरकारी कमीशन और वास्तविक कमीशन के दावे और प्राप्त की गणना में सटीकता लाया।

विलंबित अवधि ब्याज (डीपीआई) डैशबोर्ड

- डीपीआई (विलंबित अवधि ब्याज) जीएडी/एस-जीएडी/एफएसएलओ/एफपीएलबी/डीबी स्तर द्वारा डीपीआई दावों की प्रगति को ट्रैक करने के लिए डैशबोर्ड के साथ डीपीआई गणना से संबंधित आवश्यक जानकारी रिकॉर्ड करने के लिए विकसित किया गया है।
- केंद्र और राज्य सरकार के लिए दंडात्मक ब्याज और डीपीआई की निगरानी और रिकॉर्डिंग के लिए केंद्रीकृत उपकरण जो हितधारकों को वास्तविक समय के आधार पर रिपोर्ट प्राप्त करने में सक्षम करेगा।
- सभी हितधारकों और शीर्ष प्रबंधन द्वारा डीपीआई दावे की स्थिति की निगरानी के लिए उपकरण

एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग और नियामक अनुपालन

- **ग्राहक समुचित सावधानी:** मजबूत जाँच और अभिनव स्क्रीनिंग पद्धतियों के साथ इसे और मजबूत किया गया है।
- **रेड फ्लैग संकेतक (आरएफआई):** मनी म्यूल की पहचान करने और साइबर अपराध पर सतर्कता बढ़ाने के लिए विकसित किया गया।
- **स्वचालित प्रतिवेदन:** जोखिम-आधारित दृष्टिकोण के तहत आरबीआई को मनी म्यूल डेटा के लिए लागू किया गया।

आंतरिक लेखापरीक्षा संवर्द्धन

- **एकीकृत ऑडिट प्लेटफॉर्म (आईएपी):** बेहतर दक्षता के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके विभिन्न ऑडिट वेरिएंट को एकीकृत करता है।

- **नए लेखापरीक्षा रूप:** आईटी आउटसोर्स गतिविधियों, निष्क्रिय खातों, आईएस ऑडिट, फेमा ऑडिट आदि को कवर करना।

ये पहलें ग्राहक अनुभव को बढ़ाने, परिचालन दक्षता में सुधार करने और नियामक अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आपके बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी)

- आपके बैंक ने इस प्रक्रिया का उपयोग करके केवाईसी के संपर्क रहित अद्यतन की सुविधा के लिए वीडियो केवाईसी सुविधा शुरू की है, ग्राहक किसी भी शाखा में आए बिना अपने केवाईसी को अपडेट कर सकते हैं।
- व्हाट्सएप, एटीएम के माध्यम से केवाईसी अपडेशन सीकेवाईसी नंबर रखने वाले ग्राहकों के लिए शुरू किया गया है और उनकी केवाईसी जानकारी में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह ग्राहक आसानी से और शाखा में आए बिना केवाईसी अपडेशन करने में सक्षम होगा।
- आधार, ओटीपी प्रमाणीकरण (बैंक खाते और आधार में पंजीकृत एक ही मोबाइल नंबर) और केवाईसी के आधार पर योनो / आईएनबी के माध्यम से केवाईसी अपडेशन
- आधार ओटीपी पर आधारित डिजिलॉकर के माध्यम से अपडेशन उन ग्राहकों के लिए शुरू किया गया है जिनके पास सीकेवाईसी नंबर है या नहीं है और उनकी केवाईसी जानकारी में बदलाव या कोई बदलाव नहीं हुआ है।
- बेस (भारत एनबलर आधार सीडिंग) संस्करण 1.0 को 28.02.2025 को रोल आउट किया गया है। कार्यक्षमता में, बैंक का ग्राहक साइट (<https://npci.org.in>) पर जाकर अपने आधार के बारे में पूछताछ, सीड या डीसीड कर सकता है, इस प्रकार शाखा में जाने की आवश्यकता को समाप्त कर सकता है।

बीमा

आपका बैंक बीमा पॉलिसियों की खरीद कर रहा है जो, बैंक की परिसंपत्तियों और अन्य जोखिमों को कवर करता है। बीमा कवरेज में नकदी और कीमती सामान,

बैंक की संपत्तियां, डेबिट कार्ड / इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग के तहत धोखाधड़ी वाले लेनदेन, साइबर जोखिम, अन्य शामिल हैं।

एफएटीसी और सी-टीडीएस

आपका बैंक एफएटीसीए और सीआरएस दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। एसबीआई हमेशा विशाल ग्राहक डेटा बेस के बावजूद आयकर के वैधानिक दिशानिर्देशों का अनुपालन करता रहा है।

एबीडी

आपका बैंक भारत में कुल करेंसी चेस्ट के 50% का प्रबंधन कर रहा है। यह आरबीआई की स्वच्छ नोट नीति का पालन करके भारत की लंबाई और चौड़ाई में फिर से जारी करने योग्य मुद्रा नोटों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। आपके बैंक के कुल करेंसी चेस्ट का 68% ग्रामीण/अर्ध-शहरी क्षेत्रों में है।

सीईआरएसएआई एवं आईटी समन्वय

बैंक साइबर अपराध की घटना के प्रति सतर्क है और उसने निम्नलिखित कदम उठाए हैं: -

- बैंक ने 12.02.2025 से राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के साथ एपीआई एकीकरण शुरू किया है, जो 5 मिनट की छोटी अवधि के भीतर लगभग 75% शिकायतों का निपटारा कर रहा है, जिससे शिकायतों पर ध्यान देने में कार्य पूरा करने की अवधि (टीएटी) कम हो गया है।
- शिकायतों पर विशेष रूप से ध्यान देने के लिए एक केन्द्रीकृत साइबर प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है।

आईएडी समन्वय

आंतरिक नियंत्रण पर विशेष जोर देने और गुणवत्ता आश्वासन के तहत की गई पहल के साथ, आपके बैंक ने शाखाओं के समग्र स्वास्थ्य में लगातार सुधार सुनिश्चित किया है। आपके बैंक की कुल शाखाओं का

99.46% मएफऔर मबीफश्रेणी के अंतर्गत है, जिसमें मएफन्यूनतम जोखिम को दर्शाता है और मबीफअगले न्यूनतम जोखिम को दर्शाता है।

विक्रेता प्रबंधन

हमारे सम्मानित ग्राहकों को निर्बाध सेवाएं प्रदान करने की दृष्टि से, आपके बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमत विभिन्न वित्तीय और ऋण-संबंधी सेवाओं को आउटसोर्स किया है। आपका बैंक आउटसोर्सिंग जीवनचक्र प्रबंधन प्रणाली (ओएलएमएस) पोर्टल के माध्यम से केंद्रीकृत निगरानी के साथ सेवाओं की आउटसोर्सिंग के संबंध में नियामक द्वारा जारी सभी दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करता है। आपका बैंक संचालन में दक्षता, वर्तमान तकनीक को प्राप्त करने और समर्थन करने की क्षमता में वृद्धि और आउटसोर्सिंग के व्यापक उपयोग के माध्यम से ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता सेवाएं प्रदान करने में कम लीड समय सहित लाभ प्राप्त करता है।

आरटीआई

आरटीआई (सूचना का अधिकार अधिनियम 2005) पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को बढ़ावा देने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरा है और यह सुनिश्चित करता है कि हम लोगों के लिए काम करें। पहल करने वाला (इनिशिएटिव टेकिंग) प्रकटीकरण आरटीआई अधिनियम की आधारशिला है। यह सुनिश्चित करता है कि औपचारिक अनुरोध दर्ज करने की आवश्यकता के बिना नागरिकों की महत्वपूर्ण जानकारी तक पहुंच हो, जिससे शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा मिलता है।

एसबीआई ने एक सार्वजनिक प्राधिकरण के रूप में आरटीआई अधिनियम 2005 के अनुसार देश के नागरिकों को जानकारी प्रदान करने के लिए आवश्यक व्यवस्था की है और अपनी साइट पर ग्राहकों के लिए उपयोगी कई सूचनाओं का सक्रिय रूप से प्रकटीकरण करता है।

योनो विभाग और विश्लेषिकी

योनो बिजनेस/सीआईएनबी के माध्यम से ₹254 ट्रिलियन भुगतान लेनदेन और 5.73 लाख नए डिजिटल ग्राहक ऑनबोर्डिंग के साथ आपका बैंक डिजिटल बैंकिंग और परिवर्तन में अग्रणी बना हुआ है। प्रमुख नवाचारों में स्टार्टअप्स के लिए दो-उपयोगकर्ता उत्पाद, जीएसटी चालान-आधारित वित्तपोषण के लिए एमएसएमई सहज, यूपीआई हस्तांतरण, ऑटो-अपग्रेडेड चालू खाते और पहुंच सुविधाएं शामिल हैं। वाईबी मोबाइल ऐप में अब 16.15 लाख पंजीकृत कॉर्पोरेट, 4.5+ रेटिंग और बायोमेट्रिक लॉगिन और सीआरएम एकीकरण जैसी बेहतर सुविधाएं हैं। एपीआई बैंकिंग अपनाने में 160+ एपीआई, 1,250+ कॉर्पोरेट्स ऑनबोर्ड और लेनदेन में ₹2,950+ करोड़ के साथ वृद्धि हुई है। ई-ट्रेड प्लेटफॉर्म ने व्यापार उत्पादों में 70% से अधिक डिजिटलीकरण हासिल किया है। डिजिटल चालू खाता खोलने की संख्या 1.918 लाख को पार कर गई है, और इंटरनेट बैंकिंग को एक मापनीय, माइक्रोसर्विसेज-आधारित आर्किटेक्चर के साथ फिर से तैयार किया जा रहा है। आगामी पेशकशों में ओटीपी-आधारित लॉगिन, योनो बी कैश, डिजी सुगम, टैब-आधारित ऑनबोर्डिंग और टीडी के खिलाफ ओडी शामिल हैं। 45+ डेटा वैज्ञानिकों और 145+ लाइव मॉडल के साथ इन-हाउस एनालिटिक्स टीम ने ₹1.24 लाख करोड़ का कारोबार किया है। क्लाउड-नेटिव डेटा वेयरहाउस द्वारा समर्थित, बैंक एक जिम्मेदार एआई फ्रेमवर्क और सालाना अपडेट किए गए रोडमैप को भी बनाए रखता है। विशेष रूप से, एसबीआई फाउंडेशन ने आईआईटी-बॉम्बे में डेटा साइंस हब की स्थापना का समर्थन किया। भारत सरकार और आईबीए द्वारा ईज के तहत मान्यता प्राप्त, बैंक की विश्लेषिकी पहल ने एआई-संचालित व्यक्तिगत ऋण मॉडल के लिए आईआईएम अहमदाबाद और ओआरएसआई से प्रशंसा अर्जित की। हाइब्रिड क्लाउड और ओपन-सोर्स टूल का उपयोग करके जनरेटिव एआई चैटबॉट्स की इन-हाउस तैनाती दैनिक कार्यों में एनालिटिक्स को एकीकृत करने में एक नए चरण को चिह्नित करती है।

ग्राहक अनुभव संवर्धन

क) निष्पादन

आपके बैंक ने पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रवर्तित अभियानों के लिए डोरस्टेप बैंकिंग सेवाओं को बढ़ावा देने में प्रथम स्थान हासिल किया है:

अभियान	अवधि	श्रेणी
डीएसबी अभियान	01.06.2024 - 31.07.2024	प्रथम स्थान
डीएसबी डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट	01.11.2024 - 30.11.2024	प्रथम स्थान
डीएसबी अभियान	03.02.2025 - 31.03.2025	प्रथम स्थान

ख) पहल

i. संपूर्ण डिजीटल मृतक दावा निपटान प्रक्रिया

ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के उपाय के रूप में, बैंक ने मृत घटकों के जमा खातों के लिए दावा निपटान के लिए एक संशोधित संपूर्ण डिजीटल प्रक्रिया विकसित और आरंभ की है। नामिती/कानूनी उत्तराधिकारियों द्वारा दावों को प्रस्तुत करना और आवश्यक प्रपत्रों और दस्तावेजों को अपलोड करना अब कभी भी और कहीं से भी ऑनलाइन किया जा सकता है। ग्राहकों के लाभ के लिए, अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) के साथ सभी अपेक्षित प्रपत्र/प्रारूप बैंकों की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। दावा दर्ज करने के बाद, अधिक/अन्य दस्तावेजों की आवश्यकता सहित नियमित अपडेट, यदि कोई हो, एसएमएस और ईमेल के माध्यम से सूचित किए जाते हैं।

प्रक्रिया में एकरूपता और मानकीकरण लाने के लिए, बैंक के सभी स्थानीय प्रधान कार्यालयों (एलएचओ) में केन्द्रीकृत दावा निपटान केंद्र (सीसीएससी) बनाए

गए हैं ताकि मृतक दावों की समय पर जांच, प्रक्रिया और मंजूरी दी जा सके।

अपलोड किए गए दस्तावेजों पर। दावों को मंजूरी देने के बाद ही, नामांकित व्यक्ति, दावेदार और अन्य संबंधित पक्षों को मूल दस्तावेजों को जमा करने/सत्यापन करने और अंतिम भुगतान प्राप्त करने के लिए शाखा में जाना आवश्यक है

ii. असंतुष्ट ग्राहकों को कॉल करना (शाखा चैनल)

प्राथमिकता के आधार पर ग्राहक समस्या बिंदुओं की पहचान करना और उन्हें संबोधित करना संतुष्टि और प्रतिधारण के लिए महत्वपूर्ण है। जुड़ाव बढ़ाने और मुद्दों को प्रभावी ढंग से हल करने के लिए, संपर्क केंद्र में एक केंद्रीकृत कॉलिंग कार्यक्षमता शुरू की गई है। एनपीएस (शाखा चैनल) के माध्यम से खराब प्रतिक्रिया प्रदान करने वाले ग्राहकों को उनकी चिंताओं को समझने के लिए एजेंटों द्वारा सक्रिय रूप से संपर्क किया जाता है। सीआरएम में एक विस्तृत रिपोर्ट भी उपलब्ध है, जो

ऑपरेटिंग टीमों को कम रेटिंग का विश्लेषण करने और सुधारात्मक कार्रवाई करने में सक्षम बनाती है।

iii. ग्राहक अनुरोध शिकायत फॉर्म (सीआरसीएफ) में बहुभाषी समर्थन

ग्राहकों की सुविधा बढ़ाने के लिए, 13 अतिरिक्त भाषाओं को ग्राहक अनुरोध और शिकायत फॉर्म (सीआरसीएफ) पोर्टल में एकीकृत किया गया है, जो मौजूदा हिंदी और अंग्रेजी विकल्पों के पूरक हैं। यह स्थानीय भाषाओं में शिकायत दर्ज करना आसान बनाता है।

iv. ग्राहकों की परेशानी को समझने के लिए गुप्त रूप से 3,100+ शाखाओं का दौरा

आपका बैंक ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सेवा की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए, एक बाहरी एजेंसी ने 3,100+ शाखाओं में गुप्त दौरा किए। एजेंसी के निष्कर्षों और सुझावों का विश्लेषण किया गया है और ग्राहक अनुभव में सुधार के लिए उपयुक्त उपचारात्मक कार्रवाई शुरू की गई है।

ग) उपलब्धियां

• विव2025 के लिए एसबीआई का एनपीएस/सीएसएटी/सीईएस प्रदर्शन

आपका बैंक ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और विभिन्न स्पर्श बिंदुओं पर ग्राहक अनुभव और संतुष्टि के स्तर को मापने के लिए नए उपकरण और तकनीक अपना रहा है। वास्तविक समय के आधार पर ग्राहकों की संतुष्टि और वफादारी को मापने के लिए, एसबीआई ने अपने शाखा चैनल (एसएमएस मोड), बीसी/सीएसपी चैनल और डिजिटल चैनलों के माध्यम से किए गए लेनदेन के लिए ग्राहकों के लिए ग्राहक संतुष्टि स्कोर (सीएसएटी), नेट प्रमोटर स्कोर (एनपीएस) और ग्राहक प्रयास स्कोर (सीईएस) लागू किया था। वित्त वर्ष 2025 (31.03.2025 तक) के लिए उपरोक्त फीडबैक तंत्र पर एसबीआई का प्रदर्शन इस प्रकार है:

	शाखा चैनल	डिजिटल चैनल	बैंक स्तर
सीसैट (4 में से)	3.92	3.55	3.59
एनपीएस (100% में से)	95.24%	92.82%	94.00%
सीईएस (7 में से)	6.9	6.75	6.82

- ग्राहकों/गैर-ग्राहकों द्वारा क्यूआर कोड के माध्यम से फीडबैक प्रस्तुत करना

फीडबैक संग्रह को बढ़ाने के लिए, आपके बैंक ने शाखाओं और कक्षों में एक क्यूआर कोड-आधारित फीडबैक प्रणाली शुरू की है। यह ग्राहक और गैर-ग्राहक दोनों को मौजूदा एसएमएस-आधारित प्रक्रिया के विपरीत किसी भी लेनदेन से स्वतंत्र, बैंक की सेवाओं और उत्पादों पर तुरंत अपनी प्रतिक्रिया साझा करने की अनुमति देता है। यहां तक कि पूछताछ करने वाले भी अब अपनी प्रतिक्रिया सरलता से दे सकते हैं।

- साइबर जोखिम पर जागरूकता बढ़ाना

क) जागरूकता कार्यक्रम - 'साइबर

धोखाधड़ी के विरुद्ध लड़ाई'

धोखाधड़ी के जोखिम को कम करने के लिए ग्राहक जागरूकता बढ़ाना महत्वपूर्ण है। इसके समाधान के लिए, आपके बैंक ने नवंबर 2024 में साइबर धोखाधड़ी के विरुद्ध लड़ाई कार्यक्रम शुरू किया, जो 31 मार्च, 2025 तक जारी रहा।

- साइबर सुरक्षा के लिए 10 सामान्य युक्तियाँ एवं क्या करें और क्या न करें सभी शाखाओं और ग्राहक-उन्मुख केंद्रों पर स्टैडी मुख्यतः स्थानीय भाषाओं में प्रदर्शित किए जाते हैं।

- साइबर सुरक्षा जागरूकता वीडियो सार्वजनिक स्थानों और शाखा परिसरों में डिजिटल डिस्प्ले पर दिखाए जाते हैं। (फोटोग्राफ के लिए अनुबंध-ख देखें।)

ख) टाउनहॉल बैठकें

आपका बैंक ग्राहकों को बैंकिंग सेवाओं, साइबर सुरक्षा और सुरक्षित डिजिटल लेनदेन प्रक्रियाओं के विषय में शिक्षित करने के लिए नियमित रूप से टाउनहॉल बैठकें आयोजित करता है।

- विशेष टाउनहॉल बैठकें (10.05.2024):
- 13 मंडलों में 110 क्षेत्रों में 158 साइबर धोखाधड़ी संभावित शाखाओं में आयोजित किया गया।

- 4,076 ग्राहकों एवं 1,166 स्टाफ सदस्यों (शाखा प्रबंधकों और नियंत्रकों सहित) ने भाग लिया।

- फोकस: डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए साइबर सुरक्षा जागरूकता।

- 'गो सिक्थोर, गो डिजिटल' टाउनहॉल (26.11.2024):

- मंडलों के 526 क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालयों में आयोजित

- 25,000+ ग्राहकों और 6,650 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

- डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए साइबर सुरक्षा जागरूकता पर विशेष बल।

सार्वजनिक स्थानों पर साइबर सुरक्षा वीडियो का प्रदर्शन



मंडलों से एकत्र टाउनहॉल बैठकों की तस्वीरें



जोखिम प्रबंधन

क. जोखिम प्रबंधन परिदृश्य

आपके बैंक में जोखिम प्रबंधन में जोखिम की पहचान, जोखिम मूल्यांकन, जोखिम माप और जोखिम शमन शामिल है जिसका मुख्य उद्देश्य लाभप्रदता और पूंजी पर नकारात्मक प्रभाव को कम करना है।

आपका बैंक विभिन्न जोखिमों के संपर्क में है जो किसी भी बैंकिंग व्यवसाय का एक अंतर्निहित हिस्सा हैं। प्रमुख जोखिम क्रेडिट जोखिम, बाजार जोखिम, तरलता जोखिम और परिचालन जोखिम हैं, जिसमें आईटी जोखिम और तृतीय-पक्ष जोखिम भी शामिल हैं।

आपका बैंक सभी स्तरों पर अधिकतम जोखिम जागरूकता का वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसका उद्देश्य विभिन्न जोखिमों से बचाव या शमन सुनिश्चित करने के लिए साइबर सुरक्षा उपायों सहित नियंत्रण और सुरक्षा उपायों को लगातार उन्नत करना है। आपके बैंक के पास अपने सभी पोर्टफोलियो में जोखिमों को व्यवस्थित रूप से मापने, उनका आकलन, निगरानी और प्रबंधन करने के लिए नीतियां और प्रक्रियाएं मौजूद हैं।

कर्तव्यों के पृथक्करण और जोखिम मापन, निगरानी और नियंत्रण कार्यों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए

अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप एक स्वतंत्र जोखिम अभिशासन संरचना स्थापित की गई है। यह फ्रेमवर्क परिचालन स्तर पर व्यावसायिक इकाइयों के सशक्तिकरण की परिकल्पना करता है, जिसमें प्रौद्योगिकी प्रमुख चालक है, जो उत्पत्ति के स्थान पर ही जोखिम की पहचान और प्रबंधन को सक्षम बनाती है। आपके बैंक और एसबीआई समूह में विभिन्न जोखिमों की निगरानी और समीक्षा कार्यकारी स्तरीय समितियों और बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) के माध्यम से की जाती है, जो नियमित रूप से बैठक करती है। प्रचालनात्मक इकाई और व्यवसाय इकाई स्तर पर जोखिम प्रबंधन समितियां भी मौजूद हैं।

ख. जोखिम और शमन उपाय

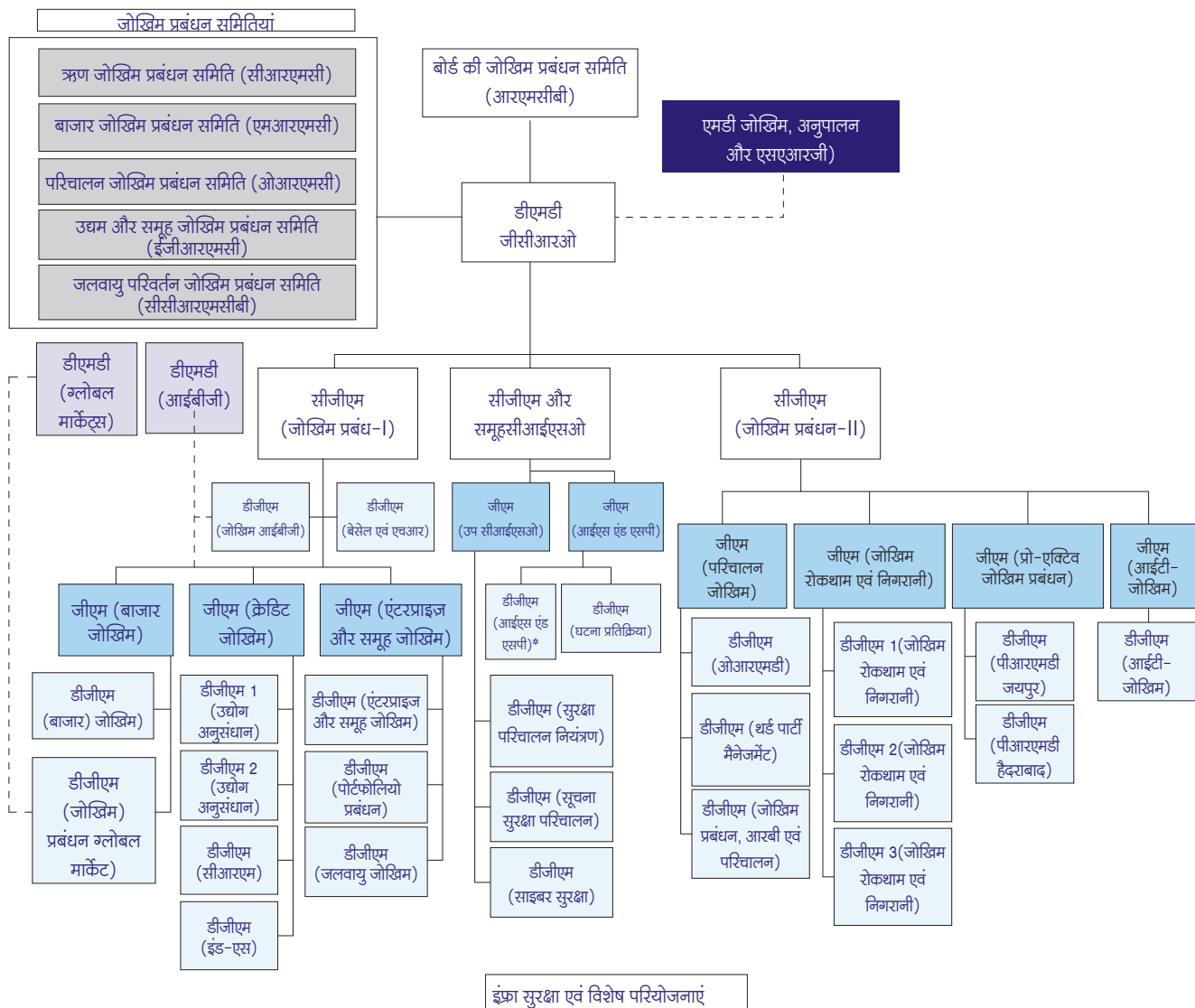
जोखिम	शमन उपाय
ऋण जोखिम	आपके बैंक ने क्रेडिट एक्सपोजर में जोखिमों की पहचान, माप, निगरानी और नियंत्रण के लिए मजबूत क्रेडिट मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन ढांचे की स्थापना की है। औद्योगिक वातावरण को एक समर्पित टीम द्वारा संरचित तरीके से स्कैन, शोध और विश्लेषण किया जाता है ताकि इसका दृष्टिकोण, आउटलुक के आधार पर क्रेडिट रेटिंग सीमा और उद्योग के लिए डिफॉल्ट की संभावना और 37 पहचाने गए उद्योगों और क्षेत्रों के लिए विकास की सीमा तय की जा सके, जो 31 मार्च 2025 को आपके बैंक के कुल अग्रिमों (खुदरा और कृषि को छोड़कर) का लगभग 65% है। सरकारी नीतियों या नियामक दिशानिर्देशों में बदलाव, उद्योगों और बैंक के पोर्टफोलियो पर भू-राजनीतिक मुद्दों के प्रभाव जैसी घटनाओं की लगातार निगरानी की जाती है। विभिन्न उभरते जोखिमों और प्रवृत्तियों पर विशेष अध्ययन किए जाते हैं। इसके अलावा, विभिन्न स्तरों पर ऑपरेटिंग स्टाफ को लाभ पहुंचाने के लिए ज्ञान साझा करने के सत्रों के साथ-साथ उद्योग कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। शीर्ष 18 उद्योगों को कवर करने वाले त्रैमासिक डैशबोर्ड व्यावसायिक इकाइयों को प्रदान किए जाते हैं जो इन महत्वपूर्ण उद्योगों और क्षेत्रों में विकास का विवरण देते हैं ताकि उन्हें नवीनतम जानकारी/विकास पर अद्यतन रखा जा सके। आपका बैंक उधारकर्ता वार क्रेडिट जोखिम का आकलन करने के लिए विभिन्न आंतरिक क्रेडिट जोखिम मूल्यांकन मॉडल और स्कोरकार्ड का उपयोग करता है। उनकी समीक्षा बाहरी वैधीकरण/समीक्षा सहित व्यापक वैधीकरण और पूर्व परीक्षण फ्रेमवर्क के चक्रों के माध्यम से की जाती है। ईएसजी जोखिम को ध्यान में रखते हुए, बैंक ने एक पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) रेटिंग मॉडल रखा है जो विभिन्न उद्देश्य ईएसजी मानदंडों पर बड़े उधारकर्ताओं को रेट करता है। आपके बैंक के पास 'आंतरिक रेटिंग की गतिशील समीक्षा' ढांचा भी है, जो तनाव की शीघ्र पहचान की सुविधा प्रदान करता है और उपयुक्त शमन तंत्र को ट्रिगर करता है। आपके बैंक ने खुदरा ऋण प्रबंधन प्रणाली ऋण/जीवनचक्र प्रबंधन प्रणाली (आरएलएमएस/एलएलएमएस) के माध्यम से ऋण मूल्यांकन प्रक्रियाओं के लिए एक आईटी प्लेटफॉर्म अपनाया है। आपके बैंक द्वारा विकसित मॉडल इन प्लेटफॉर्मों पर होस्ट किए जाते हैं, जो सिबिल/सीआईसी और आरबीआई डिफॉल्टर्स की सूची के साथ इंटरफेस होते हैं। ऋण उत्पादों का मूल्य निर्धारण प्रत्येक उत्पाद से जुड़े जोखिम के साथ सिंक में है, विभिन्न प्रकार के उधारकर्ताओं से जुड़े विशिष्ट जोखिम के अलावा। प्रत्येक उत्पाद और ग्राहक प्रकार के पास इसके साथ जुड़ा एक अद्वितीय क्रेडिट जोखिम प्रीमियम होता है, और यह अंतिम मूल्य निर्धारण का एक हिस्सा बनता है। आपके बैंक के पास पूंजी पर जोखिम-समायोजित रिटर्न (आरएआरओसी) के लिए एक ढांचा है, और ग्राहक स्तर आरएआरओसी गणना को भी डिजिटल किया गया है। आरएआरओसी ढांचा 5 करोड़ और उससे अधिक के मौजूदा/प्रस्तावित एक्सपोजर वाले वाणिज्यिक अग्रिमों पर लागू है। आपका बैंक एक्सपोजर से जुड़े जोखिम की तुलना में रिटर्न की पर्याप्तता का आकलन करने के लिए आवधिक अंतराल पर अपने विभिन्न कॉर्पोरेट और एमएसएमई पोर्टफोलियो का जोखिम-रिटर्न विश्लेषण करता है। आपका बैंक पोर्टफोलियो के उतार-चढ़ाव और इसकी परिसंपत्ति गुणवत्ता में प्रमुख रुझानों की पहचान करने वाले चुनिंदा खुदरा पोर्टफोलियो पर अध्ययन भी करता है। आपका बैंक अपने क्रेडिट पोर्टफोलियो पर हर छमाही में तनाव परीक्षण आयोजित करता है। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों, उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं और वृहद आर्थिक चर में परिवर्तनों के अनुरूप तनाव परिदृश्यों को नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है। आपके बैंक ने क्रेडिट जोखिम मूल्यांकन (सीआरए) मॉडल, डिफॉल्ट की संभावना (पीडी), हानि दिए गए चूक (एलजीडी) और डिफॉल्ट पर एक्सपोजर (ईएडी) जैसे कई उपकरण और प्रक्रियाएं विकसित की हैं और इन्हें बैंक जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया में आत्मसात किया है।

जोखिम	शमन उपाय
बाजार जोखिम	आपके बैंक के बाजार जोखिम प्रबंधन में जोखिमों की पहचान और माप, नियंत्रण उपाय, निगरानी और रिपोर्टिंग सिस्टम शामिल हैं। बाजार जोखिम का प्रबंधन एक सुपरिभाषित बोर्ड अनुमोदित नीति के माध्यम से किया जाता है। निवेश निधियों के प्रभावी और विवेकपूर्ण प्रबंधन के लिए व्यापारिक जोखिम सीमा/ट्रिगर के माध्यम से विभिन्न ट्रेडिंग डेस्क या विभिन्न प्रतिभूतियों में जोखिम। इन जोखिम उपायों में स्थिति सीमा, अंतराल सीमा, अवधि प्रतिबंध, संवेदनशीलता सीमाएं, जैसे कि पीवी01, संशोधित अवधि, उत्तलता, मूल्य-पर-जोखिम (वीएआर) सीमा, स्टॉप लॉस ट्रिगर स्तर, एनओओपी, विदेशी मुद्रा डेलाइट सीमा, विकल्प ग्रीक, एजीएल/आईजीएल, इक्विटी मूल्य संबंधी सीमाएं आदि शामिल हैं। इसके अलावा, बैंक की जोखिम क्षमता के आधार पर समय-समय पर जोखिम सीमाओं की समीक्षा की जाती है। जोखिम पर मूल्य (वीएआर) बैंक की व्यापारिक स्थितियों में संभावित नुकसान का एक अतिरिक्त मात्रात्मक उपाय प्रदान करने के तनाव परीक्षण का पूरक है। आपके बैंक के उद्यम स्तर वीएआर की गणना और दैनिक परीक्षण किया जाता है। बाजार जोखिम के लिए तनावग्रस्त वीएआर की गणना भी दैनिक रूप से की जाती है। इसके लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित दबाव परीक्षण नीति और फ्रेमवर्क पूरा होता है जिसमें दबाव हानियों को मापने तथा उपचारात्मक उपाय शुरू करने के लिए विभिन्न बाजार जोखिम परिदृश्यों का अनुकरण किया जाता है। आपके बैंक के बाजार जोखिम पूंजी प्रभार की गणना निर्धारित नियामक कारकों को लागू करके मानकीकृत अवधि दृष्टिकोण (एसडीए) का उपयोग करके की जाती है। बैंक अपने घरेलू और विदेशी पोर्टफोलियो का जोखिम समायोजित प्रदर्शन विश्लेषण करता है। यह निर्णय लेने के लिए एक उपकरण के रूप में गैर-एसएलआर बॉन्ड के क्रेडिट रेटिंग माइग्रेशन का भी विश्लेषण करता है। ब्याज दर जोखिम परिदृश्यों के भविष्य के दृष्टिकोण और बैंक के ट्रेडिंग पोर्टफोलियो पर इसके संभावित प्रभाव के आधार पर भविष्योन्मुखी विश्लेषण एक विवेकपूर्ण जोखिम अभ्यास के रूप में किया जाता है।
उद्यम जोखिम	उद्यम जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य पूरे बैंक स्तर पर रणनीति के साथ जोखिम का प्रबंधन और सरोक्षित करने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार करना है। इसमें जोखिम सहनीय ढांचा, जोखिम संस्कृति मूल्यांकन ढांचा और सामग्री जोखिम मूल्यांकन ढांचा स्थापित करने जैसी वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया गया है। जोखिम की भूमिका को रणनीतिक कार्य में बदलने के आपके बैंक के दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में, बोर्ड द्वारा अनुमोदित उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) नीति लागू है। बैंक का जोखिम सहनीयता फ्रेमवर्क उन जोखिमों के प्रकारों और स्तरों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करता है जो वह व्यावसायिक उद्देश्यों की खोज में लेने के लिए तैयार है। आपके बैंक ने जोखिम प्रबंधन पर कर्मचारियों को संवेदनशील बनाकर कर्मचारियों के बीच जोखिम संस्कृति का आकलन करने के लिए ढांचा लागू किया है। एक प्रभावी जोखिम संस्कृति बनाने के लिए, आपका बैंक निरंतर प्रशिक्षण प्रदान करता है, वार्षिक सर्वेक्षण आयोजित करता है, विशिष्ट मूल्यांकन समूह स्थापित करता है, सक्रिय जोखिम पहचान और रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करता है, जोखिम रिपोर्टिंग को बढ़ावा देता है, व्हिसलब्लोइंग करता है और मानव संसाधन प्रक्रियाओं में जोखिम संस्कृति को एकीकृत करता है। सामग्री जोखिम मूल्यांकन ढांचे के भाग के रूप में, ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, परिचालन जोखिम और चलनिधि जोखिम के लिए जोखिम-आधारित मापदंडों का आवधिक विश्लेषण किया जाता है। आपके बैंक के पास विभिन्न जोखिमों का आकलन करने और उन्हें कम करने के लिए मॉडलों की एक विस्तृत श्रृंखला है। इन मॉडलों के उपयोग से उत्पन्न होने वाले मॉडल जोखिम को मॉडल जीवनचक्र के प्रत्येक चरण में सर्वोत्तम उद्योग प्रथाओं के माध्यम से कम किया जाता है अर्थात्, ए) शासन, नीतियां और नियंत्रण, बी) विकास, कार्यान्वयन और उपयोग, सी) सत्यापन (आंतरिक और बाहरी दोनों)। इसके अलावा, मॉडल गवर्नेंस के भाग के रूप में, प्रभावी प्रक्रिया दक्षता और संसाधन उपयोग के लिए, मॉडलों को भौतिकता के आधार पर उच्च, मध्यम और निम्न जोखिम स्तरों में वर्गीकृत किया जाता है। आपका बैंक एकल और समूह स्तर पर सामान्य और दबावग्रस्त स्थितियों में पूंजी की पर्याप्तता के संबंध में वार्षिक आधार पर एक व्यापक आंतरिक पूंजी पर्याप्तता मूल्यांकन प्रक्रिया (आईसीएएपी) अभ्यास करता है। आईसीएएपी में, स्तंभ 1 के अलावा, क्रेडिट जोखिम, बाजार जोखिम और परिचालन जोखिम, स्तंभ 2 जोखिम, जैसे तरलता जोखिम, बैंकिंग बुक में ब्याज दर जोखिम (आईआरआरबीबी), एकाग्रता जोखिम और अन्य जैसे जोखिम भी मूल्यांकन किए जाते हैं, और जहां आवश्यक हो पूंजी प्रदान की जाती है। नए और उभरते जोखिमों की पहचान की जाती है और आईसीएएपी में चर्चा की जाती है। आपके बैंक ने एक एकीकृत दबाव परीक्षण ढांचा स्थापित किया है जिसमें कई जोखिम क्षेत्रों के तहत एक साथ कई झटकों की घटना पर विचार करते हुए पहचाने गए भौतिक जोखिमों को शामिल किया गया है और साथ ही मैक्रो इकोनॉमिक वेरिएबल्स के प्रभाव को कवर करने वाले अग्रगामी शॉक परिदृश्य भी शामिल हैं। आपका बैंक जोखिम वापसी व्यापार बंद सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उत्पादों और प्रक्रियाओं के लिए जोखिम सलाहकार प्रदान करता है।

जोखिम	शमन उपाय
जलवायु जोखिम	बैंक उभरते जलवायु जोखिमों के प्रकाश में अपनी लचीलापन बढ़ाने के लिए समर्पित है। बैंक ने एक उच्च स्तरीय कार्यकारी निकाय की स्थापना की है जिसे जलवायु परिवर्तन जोखिम प्रबंधन समिति के रूप में जाना जाता है। यह समिति बैंक के जोखिम प्रबंधन ढांचे के भीतर जलवायु विचारों के एकीकरण को सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन और निरीक्षण प्रदान करती है। बैंक ने एक जलवायु परिवर्तन जोखिम प्रबंधन नीति भी विकसित की है जिसका उद्देश्य विकास के अवसरों का लाभ उठाते हुए जोखिमों को कम करना है। बैंक विनियामक अपेक्षाओं और बैंक की जलवायु संबंधी आकांक्षाओं के अनुसार जलवायु जोखिम से संबंधित कार्यप्रणाली और रूपरेखा विकसित करने की प्रक्रिया में लगा हुआ है। बैंक का उद्देश्य मात्रात्मक और गुणात्मक मैट्रिक्स दोनों से मिलकर जलवायु जोखिम स्कोर कार्ड को नियोजित करके अपने पहचाने गए पोर्टफोलियो पर जलवायु परिवर्तन जोखिमों के संभावित प्रभाव का आकलन करना है। स्कोरकार्ड बैंक को पहचान किए गए उधारकर्ताओं के साथ उनके सामने आने वाले भौतिक जलवायु जोखिमों और अनुकूलन और शमन के लिए उनकी संबंधित प्रबंधन योजनाओं के बारे में संलग्न करने में सहायता करेगा। बैंक ने व्यापार निरंतरता और परिचालन लचीलापन बढ़ाने के लिए अपनी घरेलू शाखाओं, कार्यालयों और एटीएम के स्थानों को प्रभावित करने वाले भौतिक जोखिमों से जुड़ी संभावित कमजोरियों का विश्लेषण भी किया है। बैंक जलवायु जोखिम के क्षेत्र में क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण में लगा हुआ है। इसके लिए, बैंक के प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए जलवायु जोखिम पर वेबिनार 'ट्रेन द ट्रेनर' और क्षेत्रीय डीकार्बोनाइजेशन योजनाओं पर क्रेडिट अधिकारियों के लिए वेबिनार की श्रृंखला नियमित रूप से आयोजित की जाती है।
परिचालन जोखिम (आईटी जोखिम और थर्ड पार्टी जोखिम)	परिचालन जोखिम अपर्याप्त या विफल आंतरिक प्रक्रियाओं, लोगों और प्रणालियों या बाहरी घटनाओं से उत्पन्न नुकसान का जोखिम है। आपके बैंक के परिचालनात्मक जोखिम प्रबंधन के मुख्य तत्वों में, अन्य बातों के साथ-साथ, समय पर घटना की रिपोर्टिंग और प्रणालियों और नियंत्रणों की चल रही समीक्षा, अवशिष्ट जोखिम का मापन और जोखिम और नियंत्रण स्व-मूल्यांकन (आरसीएसए), थीम आधारित आरसीएसए, प्रमुख जोखिम संकेतकों (केआरआई) की निगरानी और जोखिम प्रबंधन गतिविधियों को व्यापार रणनीति के साथ जोड़ना शामिल है। आपका बैंक संभावित कमजोरियों का मूल कारण विश्लेषण (आरसीए) सक्रिय रूप से करता है और निष्कर्षों के आधार पर, यदि कोई अंतर पाया जाता है, तो उसे निरंतर आधार पर दूर किया जा रहा है। पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य नियंत्रण को मजबूत करना, जोखिम को कम करना और नुकसान को कम करना है। आपके बैंक के पास व्यवधानों के दौरान शाखाओं और कार्यालयों में परिचालन की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत व्यापक व्यवसाय निरंतरता और परिचालन लचीलापन (बीसी और ओआर) नीति है। बीसी और ओआर आपके बैंक को प्राकृतिक आपदाओं के दौरान न्यूनतम व्यावसायिक व्यवधान सुनिश्चित करने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा, आपका बैंक चौबीसों घंटे एटीएम की उपलब्धता और नेट बैंकिंग, योनो, मोबाइल बैंकिंग आदि के सुचारु कामकाज को सुनिश्चित करता है। ये सभी घटक विनियामक आवश्यकताओं के अनुपालन को सुनिश्चित करने के अलावा विभिन्न उत्पादों और प्रक्रियाओं में बैंक के परिचालन जोखिम को कम करते हैं। आपके बैंक ने बेसिक इंडिकेटर एप्रोच (बीआईए) के अनुसार परिचालन जोखिम के लिए पूंजी आवंटित की है। आपका बैंक बैंक में जोखिम संस्कृति में सुधार के लिए 1 सितंबर को वार्षिक रूप से जोखिम जागरूकता दिवस मनाता है। संवेदीकरण के हिस्से के रूप में, जोखिम जागरूकता दिवस की शपथ दिलाई जा रही है, और जोखिम जागरूकता फैलाने के लिए बैंक कर्मचारियों के लिए एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की जा रही है। इसके अलावा, आपका बैंक जोखिम संस्कृति के निर्माण और जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता से पूरी तरह अवगत है, जिसे कार्यशालाओं का आयोजन, मासिक पत्रिका जारी करके और सभी स्तरों पर प्रशिक्षण प्रणाली के माध्यम से एम्बेड किया जा रहा है। परिचालन जोखिम अपर्याप्त या विफल आंतरिक प्रक्रियाओं, लोगों और प्रणालियों या बाहरी घटनाओं से उत्पन्न नुकसान का जोखिम है। आपके बैंक के परिचालनात्मक जोखिम प्रबंधन के मुख्य तत्वों में, अन्य बातों के साथ-साथ, समय पर घटना की रिपोर्टिंग और प्रणालियों और नियंत्रणों की चल रही समीक्षा, अवशिष्ट जोखिम का मापन और जोखिम और नियंत्रण स्व-मूल्यांकन (आरसीएसए), थीम आधारित आरसीएसए, प्रमुख जोखिम संकेतकों (केआरआई) की निगरानी और जोखिम प्रबंधन गतिविधियों को व्यापार रणनीति के साथ जोड़ना शामिल है। आपका बैंक संभावित कमजोरियों का मूल कारण विश्लेषण (आरसीए) सक्रिय रूप से करता है और निष्कर्षों के आधार पर, यदि कोई अंतर पाया जाता है, तो उसे निरंतर आधार पर दूर किया जा रहा है। पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य नियंत्रण को मजबूत करना, जोखिम को कम करना और नुकसान को कम करना है। आपके बैंक के पास व्यवधानों के दौरान शाखाओं और कार्यालयों में परिचालन की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत व्यापक व्यवसाय निरंतरता और परिचालन लचीलापन (बीसी और ओआर) नीति है। बीसी और ओआर आपके बैंक को प्राकृतिक आपदाओं के दौरान न्यूनतम व्यावसायिक व्यवधान सुनिश्चित करने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा, आपका बैंक चौबीसों घंटे एटीएम की उपलब्धता और नेट बैंकिंग, योनो, मोबाइल बैंकिंग आदि के सुचारु कामकाज को सुनिश्चित करता है। ये सभी घटक विनियामक आवश्यकताओं के अनुपालन को सुनिश्चित करने के अलावा विभिन्न उत्पादों और प्रक्रियाओं में बैंक के परिचालन जोखिम को कम करते हैं। आपके बैंक ने बेसिक इंडिकेटर एप्रोच (बीआईए) के अनुसार परिचालन जोखिम के लिए पूंजी आवंटित की है। आपका बैंक बैंक में जोखिम संस्कृति में सुधार के लिए 1 सितंबर को वार्षिक रूप से जोखिम जागरूकता दिवस मनाता है। संवेदीकरण के हिस्से के रूप में, जोखिम जागरूकता दिवस की शपथ दिलाई जा रही है, और जोखिम जागरूकता फैलाने के लिए बैंक कर्मचारियों के लिए एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की जा रही है। इसके अलावा, आपका बैंक जोखिम संस्कृति के निर्माण और जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता से पूरी तरह अवगत है, जिसे कार्यशालाओं का आयोजन, मासिक पत्रिका जारी करके और सभी स्तरों पर प्रशिक्षण प्रणाली के माध्यम से एम्बेड किया जा रहा है।

जोखिम	शमन उपाय
समूह जोखिम	समूह जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य समूह संस्थाओं में मानकीकृत जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाओं को स्थापित करना है। समूह जोखिम प्रबंधन, समूह जोखिम भूख ढांचा, समूह आईसीएएपी, समूह चलनिधि और आकस्मिक निधियन योजना (सीएफपी), अंतरा समूह लेन-देन और एक्सपोजर के लिए आम्स लेख आवश्यकताओं को बनाए रखने से संबंधित नीतियां मौजूद हैं। समेकित विवेकपूर्ण एक्सपोजर और समूह जोखिम घटकों की नियमित निगरानी की जा रही है।
बेसल कार्यान्वयन	आपका बैंक बासेल III पूंजी विनियमों पर आरबीआई के दिशानिर्देशों का पूरी तरह से अनुपालन करता है। आपके बैंक ने नियामक अनुदेशों के साथ संरेखण सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक लेखा परीक्षा और आउटरीच कार्यक्रमों जैसे विभिन्न तंत्र स्थापित किए हैं। पूंजी संरक्षण बफर (सीसीबी) के अपेक्षित स्तर को बनाए रखने सहित वर्तमान विनियामक अपेक्षाओं के अनुसार बैंक को पर्याप्त रूप से पूंजीकृत किया जाता है। नियामक द्वारा आपके बैंक की पहचान डी-एसआईबी के रूप में की गई है और तदनुसार 1 अप्रैल 2019 से 0.60% आरडब्ल्यूए का अतिरिक्त कॉमन इक्विटी टियर 1 (सीईटी1) रखना आवश्यक है, जिसे अब 1 अप्रैल 2025 से बढ़ाकर आरडब्ल्यूए का 0.80% कर दिया गया है। डी-एसआईबी आवश्यकताओं के एक भाग के रूप में आपका बैंक लीवरेज अनुपात के लिए 4% की अनिवार्य आवश्यकता के मुकाबले आराम से रखा गया है।

ગ. સંપૂર્ણ એકીકૃત જોશિમ અભિશાસન સંરચના



आंतरिक लेखा परीक्षा एवं नियंत्रण

आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य आपके बैंक के भीतर प्राधिकार और निरीक्षण के साथ एक स्वतंत्र इकाई के रूप में कार्य करता है। उप प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में, यह बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति (एसीबी) के मार्गदर्शन में कार्य करता है।

वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ सरेखित, लेखा परीक्षा प्रक्रिया नियंत्रण प्रभावशीलता का आकलन करने, आंतरिक प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करने और नियामक मानकों के अनुपालन का मूल्यांकन करने के लिए जोखिम प्रबंधन और अनुपालन के साथ मिलकर काम करता है। यह आरबीआई के जोखिम-आधारित पर्यवेक्षण, बेसल के अनुरूप जोखिम-आधारित दृष्टिकोण

बैंकिंग पर्यवेक्षण समिति (बीसीबीएस) दिशानिर्देश, और वित्त मंत्रालय (डीएफएस) द्वारा जारी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक लेखा परीक्षा मानदंड का अनुसरण करता है।

आपके बैंक के तीव्र डिजिटलीकरण के साथ तालमेल रखने के लिए, लेखापरीक्षा कार्य ने दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए तकनीकी प्रक्रियाओं को अपनाया है।



प्रमुख पहल एवं पुरस्कार और सम्मान

- लेखा परीक्षा अभिशासन को सुदृढ़ करने तथा नियंत्रण संवर्द्धन का सुझाव देने के लिए आंतरिक लेखापरीक्षा अभिशासन समिति (आईएजीसी) का गठन किया गया।
- मंडल स्तर पर आश्वासन कार्यों को एकीकृत करने के लिए मंडल लेखा परीक्षा जोखिम और अनुपालन (सीएआरसी) समिति का गठन किया।
- आईएडी की पर्याप्तता की बाह्य लेखा परीक्षा डेलोइट टच तोहामात्सू इंडिया एलएलपी द्वारा की जाती है जिससे वैश्विक सर्वोत्तम पद्धतियों के साथ सरेखण सुनिश्चित होता है।
- दो न्यूज लेटर आरंभ किए गए: ऑपरेटिंग इकाइयों के लिए मऑडिट / अंतरदृष्टिकोण और आंतरिक लेखा परीक्षकों के लिए मऑडिट बीट्स
- आईएडी परिसर में हरित पहल किए गए - सौर पैनल, खाद इकाइयां, वर्षा जल संचयन और फव्वारे।
- आंतरिक लेखा परीक्षा में अनुकरणीय नेतृत्व और तकनीकी शक्ति के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनल ऑडिटर्स (आईआईए), भारत से उत्कृष्टता 2025 के लिए बृहस्पति पुरस्कार प्राप्त किया।

आंतरिक नियंत्रण

आईएडी बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति (एसीबी) के तहत स्वतंत्र रूप से कार्य करता है और जोखिम और अनुपालन विभागों के साथ मिलकर काम करता है। यह आरबीआई, बीसीबीएस और डीएफएस दिशानिर्देशों के साथ सरेखित एक मजबूत जोखिम-आधारित लेखा-परीक्षा फ्रेमवर्क का अनुपालन करता है। प्रमुख प्रौद्योगिकी-संचालित पहलों में संवर्धित ऑफसाइट कवरेज के साथ एक हाइब्रिड ऑडिट मॉडल, लक्षित अनुपालन के लिए मसकल हीट मैपिंग ऑडिट प्रक्रियाओं में एआई/एमएल एकीकरण, क्रेडिट ऑडिट समर्थन के लिए मडीआईएफ बॉट, गैर-आईटी आउटसोर्स गतिविधियों के लिए एक समर्पित पोर्टल और स्वचालित स्व-ऑडिट रिपोर्टिंग

(आरएफआईए-एमओडीओएआरपी) शामिल हैं। 03.12.2024 को आयोजित एक अखिल भारतीय वेबिनार में 4,539 अधिकारियों ने भागीदारी की।

क. शाखा लेखा परीक्षा जोखिम केंद्रित आंतरिक लेखा परीक्षा - आरएफआईए

- व्यावसायिक प्रोफाइल द्वारा वर्गीकृत शाखाएँ; विसंगतियों का एल्गोरिथम आधारित पता लगाने का उपयोग करके ऑडिट को प्राथमिकता दी गई।
- वित्त वर्ष 2025 में 14,151 घरेलू शाखाओं और सीपीसी का आरएफआईए पूरा हुआ।

ख. जोखिम केंद्रित क्रेडिट ऑडिट (आरएफसीए)

- क्रेडिट जोखिमों की पहचान करने और उन्हें कम करने के लिए उच्च मूल्य वाले ऋणों (₹20 करोड़+ या यूएसडी 2 मिलियन+) पर ध्यान केंद्रित करता है।
- वार्षिक लेखा परीक्षा ऋण गुणवत्ता और नियंत्रण व अनुपालन सुनिश्चित करती है।

ग. संस्वीकृति की प्रारंभिक समीक्षा (ईआरएस)

- प्रारंभिक चरणों में बड़े, स्वीकृत प्रस्तावों (₹1 करोड़+/यूएसडी 1 मिलियन+) की समीक्षा करता है।
- एलएलएमएस के माध्यम से पूरी तरह से सिस्टम संचालित और ऑफसाइट मोड में वरिष्ठ लेखा परीक्षा पेशेवरों द्वारा आयोजित किया जाता है।

घ. विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (फेमा) लेखापरीक्षा

- सभी मएफ और मबीफ श्रेणी की विदेशी मुद्रा शाखाओं और टीएफसीपीसी से जुड़ी शाखाओं के 50% के लिए वार्षिक आयोजित किया जाता है।
- विव2025 में 523 शाखाओं/इकाइयों की लेखा परीक्षा की गई।

च. सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा, साइबर सुरक्षा लेखा परीक्षा, सूचना प्रणाली समवर्ती लेखा परीक्षा और आईटी आउटसोर्स किए गए कार्यकलापों की लेखा परीक्षा

- 339 आईटी प्रणालियों के लिए आईएस ऑडिट पूरा हुआ; आईटी आउटसोर्स

गतिविधि लेखा-परीक्षण ने 543 प्रक्रियाओं को कवर किया।

- तिमाही आईएस समवर्ती लेखा परीक्षा के अंतर्गत 86 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं।

साइबर सुरक्षा ऑडिट:

- 118 अनुप्रयोगों/अवसंरचनाओं के लिए बाहरी रूप से आयोजित किया गया।
- 160 अनुप्रयोगों/अवसंरचनाओं के लिए आंतरिक रूप से आयोजित।

च. विदेश स्थित कार्यालय लेखा परीक्षा

- 14 क्षेत्राधिकारों में 17 विदेश कार्यालयों की लेखापरीक्षा की गई।
- गृह कार्यालय लेखा परीक्षा, स्थानीय फर्मों और आईएडी अधिकारियों द्वारा कवर किया गया।
- 36 महीने के चक्र पर विदेशी सहायक कंपनियों और प्रतिनिधि कार्यालयों के लिए प्रबंधन लेखा परीक्षा।

छ. समवर्ती लेखा परीक्षा प्रणाली (सीएस)

- उच्च जोखिम वाली शाखाओं, सीपीसी, मुद्रा चेस्ट और ट्रेजरी संचालन को कवर करता है।
- सीएस के तहत वित्त वर्ष 2025 में 3,450 शाखाओं/इकाइयों को कवर किया गया।

ज. ऑफसाइट लेनदेन निगरानी प्रणाली (ओटीएमएस)

- ओटीएमएस 2.0 में बेहतर एनालिटिक्स और न्यूनतम असत्य पॉजिटिव के लिए संवर्धन।
- लेनदेन की सक्रिय ऑफसाइट निगरानी को सक्षम बनाता है।

झ. विधिक लेखा परीक्षा

- 5 करोड़+ के ऋण और प्रतिभूति दस्तावेज को कवर करता है।

- एलएलएमएस के माध्यम से स्वचालित; वित्त वर्ष 2025 में 22,065 खातों को कवर किया गया।

ट. आउटसोर्स गतिविधियों की लेखा परीक्षा (गैर-आईटी)

- नियामक अनुपालन और जोखिम शमन सुनिश्चित करता है।

वित्त 2025 में:

- 49,184 सीएसपी की लेखा परीक्षा।
- 1,416 विक्रेताओं और 63 व्यापार कॉरिसपोण्डेंट को कवर किया गया।

ठ. कॉर्पोरेट केंद्र विभागों की लेखा परीक्षा

आरबीआई, एसीबी, ईसीसीबी और अन्य शीर्ष निकायों के निदेशों के आधार पर आरएफआई और विभिन्न विषयगत/प्रक्रिया ऑडिट आयोजित करता है।

अनुपालन परीक्षण में शामिल हैं:

- आरबीआई ट्रांच- III डीसीटी
- संपूर्ण बैंक एलएफएआर वेरासिटी
- IFCoFR स्तर 3 नियंत्रण और स्व-मूल्यांकन

ड. प्रबंधन लेखा परीक्षा

- शीर्ष इकाइयों में अभिशासन, जोखिम और नियंत्रण प्रभावशीलता की समीक्षा करता है।
- एलएचओ, आरबीओ, सीसीजीआरओ, एओ, आरआरबी और चुनिंदा कॉर्पोरेट केंद्र विभागों को कवर करता है।
- वित्त वर्ष 2025 में, लेखापरीक्षा प्रभावशीलता के लिए स्कोप और रेटिंग मॉडल को नया रूप दिया गया।

छ. आईएडी परिसर, हैदराबाद - संवहनीयता पहल

कम्पोस्ट मशीन



सौर पैनल



कटाई



फव्वारे



अनुपालन जोखिम प्रबंधन

आपका बैंक एक मजबूत अनुपालन संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें नियामक और वैधानिक मानदंडों का कड़ाई से पालन करना एक मुख्य व्यवसाय सिद्धांत है। एक समर्पित अनुपालन जोखिम प्रबंधन समिति और अभिशासन प्रक्रिया सुनिश्चित करते हैं कि शीर्ष प्रबंधन को नियामकीय स्थितियों से अवगत कराया गया है। सभी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य केवाईसी/एएमएल मॉड्यूल सहित नियमित अनुपालन प्रशिक्षण, परिचालन स्तरों पर इस संस्कृति को मजबूत करता है। जानकारी की कमी को दूर करने और अनुपालन को बढ़ावा देने के लिए शाखाओं में अनुपालन जागरूकता बैठकें आयोजित की जाती हैं। इसके अतिरिक्त, आपका बैंक डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 को लागू करने के लिए नीतियां बना रहा है। आरबीआई के निर्देशों और आंतरिक नीतियों के साथ सरेखण सुनिश्चित करने के लिए कॉर्पोरेट केंद्र, शाखाओं और प्रसंस्करण इकाइयों में कठोर अनुपालन परीक्षण किया जाता है।

परिसर

पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए प्रतिबद्ध एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट के रूप में, आपका बैंक राष्ट्रीय ईएसजी प्राथमिकताओं के साथ सरेखित अपने परिचालनों में संवहनीयता को एकीकृत करना जारी रखता है।

• ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणन

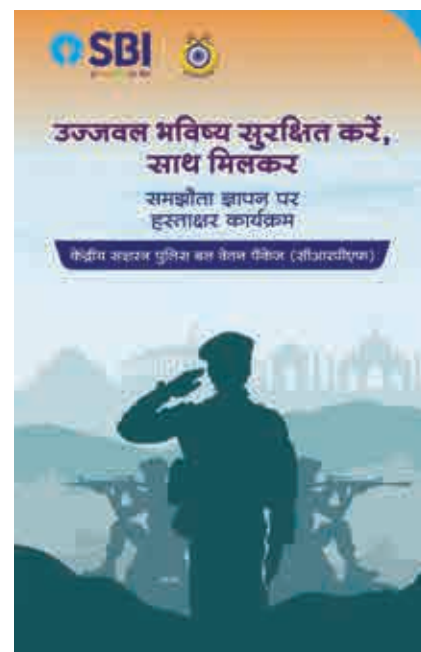
- वित्त वर्ष 2024-25 में 16 अतिरिक्त भवनों के लिए आईबीजीसी ग्रीन बिल्डिंग रेटिंग प्राप्त, जिससे देश भर में प्रमाणित भवनों की कुल संख्या 61 हो गई। (अनुबंध- I)

• ग्रीन पावर प्रोबोयोरमेंट

- इस साल 41 और इमारतों को हरित ऊर्जा में स्थानांतरित कर दिया, कुल 59 इमारतों अब अक्षय ऊर्जा पर काम कर रही हैं। यह परिवर्तन वार्षिक लगभग 2.77 करोड़ यूनिट बिजली की भरपाई करता है। (अनुबंध-II)

• रूफटॉप सोलर लीडरशिप

- डीएएस दिशानिर्देशों के अनुसार, 23.40 मेगावाट की संचयी क्षमता के साथ 801 व्यवहार्य स्वामित्व वाली इमारतों में से 798 में रूफटॉप सौर पैनल स्थापित किए गए हैं। रूफटॉप सोलर अपनाने में एसबीआई सभी पीएसयू बैंकों और वित्तीय संस्थानों में 1 स्थान पर है। (अनुबंध-III)



अनुलग्नक I

विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत भारतीय हरित भवन परिषद (आईजीबीसी) द्वारा उपलब्ध कराए गए भारतीय स्टेट बैंक के प्रमाणित हरित भवनों का विवरण:

मंडल का नाम	क्र.सं.	भवन का नाम	प्रमाणित रेटिंग	आईजीबीसी रेटिंग से सम्मानित किया गया
अहमदाबाद				
1	1	एसबीआईएलडी गांधीनगर	रजत	अगस्त 2018
2	2	अवंती फ्लैट्स अहमदाबाद	स्वर्ण	मार्च 2023
3	3	खुशी फ्लैट्स अहमदाबाद	प्रमाणित	मार्च 2023
अमरावती				
1	4	चित्र मछलीपट्टनम, अमरावती	प्लेटिनम	मार्च 2022
2	5	सबिल्ड विजयनगरम, अमरावती	प्लेटिनम	मार्च 2022
3	6	एलएचओ अमरावती	नेट जीरो	अक्तूबर 2024
4	7	नेक्टर गार्डन एक्स गेस्ट हाउस, माधापुर	स्वर्ण	अक्तूबर 2024
5	8	आरबीओ मछलीपट्टनम	प्लेटिनम	जनवरी 2025
बंगलोर				
1	9	एसबीआईएलडी बंगलोर	प्लेटिनम	जनवरी 2023
भोपाल				
1	10	सीजीएम बंगला रेवा परिसर भोपाल	रजत	दिसंबर 2022
2	11	बिरकोनी शाखा, आरबीओ 5 भोपाल	स्वर्ण	सितंबर 2023
3	12	डीजीएम बंगला	प्लेटिनम	अगस्त 2024
4	13	वीआईपी गेस्ट हाउस	स्वर्ण	अगस्त 2024
भुवनेश्वर				
1	14	एलएचओ भुवनेश्वर	रजत	मार्च 2024
2	15	एओ भुवनेश्वर	स्वर्ण	नवंबर 2024
चंडीगढ़				
चेन्नई				
1	16	अन्नासलाई शाखा, चेन्नई	स्वर्ण	नवंबर 2023
गुवाहाटी				
1	17	एसबीआई क्वार्टर भंगागढ़	स्वर्ण	मार्च 2025
हैदराबाद				
1	18	आरबीओ सिद्धीपेट हैदराबाद	स्वर्ण	जून 2022
2	19	एसबीआईएलडी हैदराबाद	प्लेटिनम	दिसंबर 2022
3	20	एलएचओ हैदराबाद	नेट जीरो परिचालन	नवंबर 2024
4	21	एसबीआई कार्यकारी एन्वलेव	प्लेटिनम	मार्च 2025
5	22	एसबीआई क्वार्टर मौला अली	स्वर्ण	मार्च 2025
जयपुर				
1	23	ज्योतिनगर कॉलोनी जयपुर	प्लेटिनम	जून 2022
2	24	हसनपुरा बैंक्स कॉलोनी	प्लेटिनम	जनवरी 2024
कोलकाता				
1	25	एलएचओ, कोलकाता	रजत	जुलाई 2024

मंडल का नाम	क्र.सं.	भवन का नाम	प्रमाणित रेटिंग	आईजीबीसी रेटिंग से सम्मानित किया गया
लखनऊ				
1	26	एलएचओ लखनऊ		
2	27	डी/एस ऑफिसर्स कॉलोनी, सीतापुर रोड लखनऊ		
3	28	एसबीआई कार्यकारी एन्क्लेव जानकीपुरम लखनऊ		
4	29	एसबीआईएलडी लखनऊ	स्वर्ण	मार्च 2024
5	30	एओ वाराणसी	स्वर्ण	जून 2024
6	31	राप्ती नगर ऑफ कॉलोनी, गोरखपुर	स्वर्ण	मार्च 2025
7	32	ट्रांसपोर्ट नगर ब्रांच	प्रमाणित	मार्च 2025
महाराष्ट्र				
1	33	एसबीआईएलडी औरंगाबाद महाराष्ट्र	स्वर्ण	अगस्त 2022
मुंबई मेट्रो				
1	34	एलएचओ, मुंबई	स्वर्ण	सितंबर 2021
2	35	मात्रा चाया मुंबई	स्वर्ण	मार्च 2023
3	36	कांति पार्क, मुंबई मेट्रो	स्वर्ण	सितम्बर 2023
नई दिल्ली				
1	37	बैंक हाउस कालकाजी	स्वर्ण	मार्च 2025
2	38	बैंक हाउस साउथ एक्सटेंशन	नेट जीरो	मार्च 2025
पटना				
		शून्य		
त्रिवेन्द्रम				
		शून्य		
जीआईटीसी				
1	39	एसबीआई आवासीय कॉलोनी (जीआईटीसी नेरुल)	प्लेटिनम	जुलाई 2016 का नवीनीकरण फरवरी में 2024 में किया गया
2	40	जीआईटीसी कॉलोनी भवन	स्वर्ण	सितंबर 2019
कॉर्पोरेट केंद्र एवं इसके प्रतिष्ठान				
1	41	स्टेट बैंक भवन	स्वर्ण	जुलाई 2020
2	42	डुनेडिन बंगला	प्लेटिनम	जुलाई 2020
3	43	एसबीए गुडगांव	प्लेटिनम	सितंबर 2016
4	44	एसबीएससी हैदराबाद	प्लेटिनम	अगस्त 2021)
5	45	एसबीआई कोलकाता	स्वर्ण	अगस्त 2017
6	46	एसबीआईआईटी हैदराबाद	स्वर्ण	मई 2023
7	47	एसबीआईआईआरबी हैदराबाद	प्लेटिनम	सितंबर 2020
8	48	किनेलन टॉवर	प्लेटिनम	जनवरी 2022
9	49	समृद्धि, सायन	प्लेटिनम	फरवरी 2022
10	50	कल्पतरु, माहिम	प्लेटिनम	फरवरी 2022
11	51	माला टॉवर, अंधेरी वेस्ट	प्लेटिनम	मार्च 2022
12	52	मधुबन, नरीमन पॉइंट	प्लेटिनम	मार्च 2022
13	53	हार्बर हाइट्स (सी विंग) कोलाबा	स्वर्ण	मार्च 2022
14	54	मनीष बिल्डिंग सीसी	स्वर्ण	मार्च 2023
15	55	विधाननगर बिल्डिंग सीसी	स्वर्ण	मार्च 2023
16	56	राधिका बिल्डिंग सीसी	स्वर्ण	मार्च 2023
17	57	वाईजीसी कॉम्प्लेक्स सीसी	चाँदी जैसा	मार्च 2023

मंडल का नाम	क्र.सं.	भवन का नाम	प्रमाणित रेटिंग	आईजीबीसी रेटिंग से सम्मानित किया गया
18	58	मेकर कुंदन सीसी	स्वर्ण	मार्च 2024
19	59	सनराइज टॉवर सीसी	प्लेटिनम	मार्च 2024
20	60	कल्पक बिल्डिंग सीसी	प्लेटिनम	मार्च 2024
21	61	यूटीआई बिल्डिंग सीसी	प्लेटिनम	मार्च 2024
कुल प्लेटिनम प्रमाणन बिल्डिंग				25
कुल गोल्ड प्रमाणन बिल्डिंग				25
कुल सिल्वर प्रमाणन बिल्डिंग				6
कुल प्रमाणन स्तर बिल्डिंग				2
नेट जीरो बिल्डिंग				3

अनुलग्नक II

हरित शुल्क नीति (जीपीपी) के अनुसार अतिरिक्त हरित शुल्क का भुगतान करके हरित ऊर्जा खरीद की स्थिति:

क्र. सं.	मंडल का नाम	कार्यालय का नाम	वर्तमान स्थिति	औसत मासिक खपत (KWh)
1	कॉर्पोरेट केंद्र	स्टेट बैंक भवन	जनवरी 2022 से	5,30,000
2	अहमदाबाद	एलएचओ बिल्डिंग	अगस्त 2023 से	42,000
3	अहमदाबाद	एओ सूरत	अगस्त 2023 से	18,500
4	अमरावती	एलएचओ बिल्डिंग	जनवरी 2023 से	1,05,000
5	भोपाल	जबलपुर के लिए	जुलाई 2023 से	50,000
6	भोपाल	ग्वालियर को	नवंबर 2023 से	23,400
7	भोपाल	इंदौर के लिए	अगस्त 2024 से	40,000
8	भुवनेश्वर	एलएचओ बिल्डिंग	सितंबर 2022 से	1,11,000
9	भुवनेश्वर	भुवनेश्वर मुख्य शाखा एवं एओ बिल्डिंग	सितंबर 2023 से	70,000
10	भुवनेश्वर	संबलपुर ए.ओ.	सितंबर 2023 से	14,000.00
11	भुवनेश्वर	संबलपुर मुख्य शाखा	सितंबर 2023 से	11,200
12	भुवनेश्वर	छतरपुर शाखा	सितंबर 2023 से	8,800
13	भुवनेश्वर	बारगढ़ शाखा	अगस्त 2024 से	17,540
14	चंडीगढ़	पंचकुला को	जनवरी 2023 से	40,000
15	हैदराबाद	एलएचओ बिल्डिंग	सितंबर 2022 से	1,00,000
16	हैदराबाद	तस्वीर: हैदराबाद	सितंबर 2023 से	2,500
17	हैदराबाद	तस्वीर: सिकंदराबाद	सितंबर 2023 से	24,000
18	हैदराबाद	हैदराबाद के लिए	अप्रैल 2024 से	24,486
19	हैदराबाद	सिकंदराबाद के लिए	अप्रैल 2024 से	31,224
20	कोलकाता	एलएचओ बिल्डिंग और एओ हावड़ा	जनवरी 2023 से	2,00,000
21	कोलकाता	एओ कोलकाता	अक्टूबर 2024 से	9,820
22	कोलकाता	एओ एस 24 पी	अक्टूबर 2024 से	9,640
23	कोलकाता	आरबीओ 1	अक्टूबर 2024 से	3,556
24	कोलकाता	आरबीओ 2	अक्टूबर 2024 से	3,846
25	कोलकाता	आरबीओ 3	अक्टूबर 2024 से	4,002
26	कोलकाता	आरबीओ 4	अक्टूबर 2024 से	5,905
27	कोलकाता	आरबीओ 5	अक्टूबर 2024 से	5,770
28	कोलकाता	एनआरआई शाखा, कोलकाता	अक्टूबर 2024 से	10,091
29	कोलकाता	चौरंगी शाखा	अक्टूबर 2024 से	9,514

क्र. सं.	मंडल का नाम	कार्यालय का नाम	वर्तमान स्थिति	औसत मासिक खपत (KWh)
30	कोलकाता	वेल्थ हब	अक्टूबर 2024 से	6,089
31	कोलकाता	सीएजी कोलकाता	अक्टूबर 2024 से	23,827
32	कोलकाता	हावड़ा परिसर	अक्टूबर 2024 से	10
33	कोलकाता	बुरा बाजार	अक्टूबर 2024 से	6,000
34	मुंबई	एलएचओ बिल्डिंग	अगस्त 2021 से	96,000
35	मुंबई	बी-502, कांतिपार्क - अगस्त 2021 से गेस्ट हाउस	अगस्त 2021 से	210
36	लखनऊ	एलएचओ, लखनऊ	सितंबर 2024 से	1,50,000
37	जयपुर	एओ कोटा	मार्च 2025 से	8,000
38	जयपुर	औद्योगिक संपदा शाखा, कोटा		4,500
39	जयपुर	झालावाड़ रोड शाखा, कोटा मार्च 2025 से	9,300	9,300
40	त्रिवेन्द्रम	कोल्लम शाखा	जनवरी 2025 से	31,284
41	त्रिवेन्द्रम	एर्नाकुलम के लिए	जनवरी 2025 से	29,111
42	त्रिवेन्द्रम	आरबीओ3 कालीकट	जनवरी 2025 से	9,794
43	त्रिवेन्द्रम	एओ त्रिवेन्द्रम	जनवरी 2025 से	23,704
44	त्रिवेन्द्रम	आरबीओ5 कन्नूर	जनवरी 2025 से	12,237
45	त्रिवेन्द्रम	आरएसीपीसी 2 एर्नाकुलम	जनवरी 2025 से	26,410
46	त्रिवेन्द्रम	त्रिवेन्द्रम शहर	जनवरी 2025 से	23,498
47	त्रिवेन्द्रम	कालीकट के लिए	जनवरी 2025 से	57,501
48	त्रिवेन्द्रम	कन्नूर शाखा	जनवरी 2025 से	29,511
49	त्रिवेन्द्रम	ओट्टापालम शाखा	जनवरी 2025 से	8,634
50	त्रिवेन्द्रम	त्रिशूर के लिए	जनवरी 2025 से	22,329
51	त्रिवेन्द्रम	तिरुवनंतपुरम	जनवरी 2025 से	13,776
52	त्रिवेन्द्रम	पलक्कड़ मुख्य शाखा	जनवरी 2025 से	20,117
53	त्रिवेन्द्रम	अडूर शाखा	जनवरी 2025 से	6,690
54	त्रिवेन्द्रम	थालास्सेरी शाखा	जनवरी 2025 से	15,921
55	त्रिवेन्द्रम	एर्नाकुलम मेन की छवि	जनवरी 2025 से	8,626
56	त्रिवेन्द्रम	एसबीआईएलडी एनेक्स	जनवरी 2025 से	3,198
57	त्रिवेन्द्रम	एलएचओ त्रिवेन्द्रम	जनवरी 2025 से	1,00,621
58	त्रिवेन्द्रम	आरएसीपीसी कोट्टायम	जनवरी 2025 से	14,637
59	त्रिवेन्द्रम	वाणिज्यिक शाखा	जनवरी 2025 से	20,000
			कुल	23,07,329

हम हरित ऊर्जा खरीद के माध्यम से सालाना लगभग 2.77 करोड़ विद्युत इकाइयों की भरपाई कर रहे हैं जो लगभग 22 मेगावाट सौर संयंत्र के बराबर है।

अनुलग्नक III

बैंक के स्वामित्व वाली इमारतों पर सूर्योप सोलर प्लांट की स्थापना के विषय में जानकारी:

क्रमांक	मंडल का नाम	मंडल के स्वामित्व वाले भवनों की कुल संख्या	सूर्योप सोलर प्लांट के लिए पात्र भवन संख्या	जिन भवनों पर सोलर सूर्योप पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं	स्थापित क्षमता (केडब्ल्यूपी)	इमारतें जिन पर सोलर सूर्योप स्थापित होना है
		संख्या	संख्या	संख्या	क्षमता (किलोवाट)	संख्या
1	अहमदाबाद	112	69	69	950	0
2	अमरावती	56	40	40	2068	0
3	बेंगलुरु	125	51	51	1475	0
4	भोपाल	100	49	49	1920	0
5	भुवनेश्वर	68	65	65	2044	0
6	चंडीगढ़	120	48	48	1815	0
7	चेन्नई	74	44	44	1110	0
8	गुवाहाटी	52	40	39	819	1
9	हैदराबाद	59	38	38	1415	0
4	जयपुर	57	40	40	933	0
11	कोलकाता	70	45	45	845	0
12	लखनऊ	72	58	58	2540	0
13	महाराष्ट्र	84	61	61	2329	0
14	मुंबई मेट्रो	106	28	28	577	0
15	नई दिल्ली	117	38	38	387	0
16	पटना	40	31	29	797	2
17	तिरुवनंतपुरम्	60	26	26	767	0
18	जीआईटीसी	103	8	8	60	0
19	कॉर्पोरेट केंद्र	59	22	22	275	0
कुल		1534	801	798	23126	3

राजभाषा/Official Language

जन-जन तक बैंकिंग सेवाएं हिंदी एवं भारतीय भाषाओं में पहुंचाने के लिए भारतीय स्टेट बैंक प्रतिबद्ध है। वर्ष के दौरान बैंकिंग सुविधाओं को हिंदी एवं भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने के लिए कई उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं।

- भारत सरकार, राज्य सरकारों एवं भारतीय रिजर्व बैंक के राजभाषा हिंदी एवं राज्यों की राजभाषा संबंधी अनुदेशों के कार्यान्वयन व अनुपालन हेतु कार्यशालाओं, परिपत्रों, पत्रिकाओं आदि के माध्यम से जागरूकता के लिए प्रयास किए गए हैं।
- प्रत्येक लेन-देन के पश्चात भेजे जाने वाले ईमेल हिंदी एवं अंग्रेजी में भेजने की परियोजना का कार्यान्वयन किया गया।
- व्हाट्सएप बैंकिंग की सुविधा हिंदी एवं भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराई गई है।
- पासबुक प्रिंट करने की सुविधा अब हिंदी, उड़िया, गुजराती, कन्नड़, तमिल, असमिया, पंजाबी, बांग्ला, मैथिली, मराठी, मलयालम, तेलुगू और अंग्रेजी में उपलब्ध है।
- एसएमएस अलर्ट उड़िया, गुजराती, कन्नड़, तमिल, असमिया, पंजाबी, बांग्ला, मैथिली, मराठी, मलयालम, तेलुगू, हिंदी और अंग्रेजी में प्राप्त करने की सुविधा है।

State Bank of India is committed to provide banking services to the masses in Hindi and Indian languages. During the year, several noteworthy initiatives have been undertaken to provide banking facilities in Hindi and Indian languages.

- Awareness initiatives on official language compliance include workshops, circulars, and publications.
- Transaction emails are now sent in both Hindi and English.
- WhatsApp banking is available in Hindi and multiple Indian languages.
- Passbook printing is supported in Hindi, Odia, Gujarati, Kannada, Tamil, Assamese, Punjabi, Bangla, Maithili, Marathi, Malyalam, Telugu and English.
- SMS alerts can be received in Odia, Gujarati, Kannada, Tamil, Assamese, Punjabi, Bangla, Maithili, Marathi, Malyalam, Telugu, Hindi and English.

- योनी कृषि ऐप किसानों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं को सारी सुविधाएं उनकी भाषा में ही उपलब्ध करा रहा है। योनी लाइट, ऑनलाइन एसबीआई जैसी सुविधाएं ग्राहक अपनी भाषा में उठा रहे हैं। हमारे कॉल सेंटर्स में ग्राहकों की पसंद की भाषा में संवाद करने की सुविधा उपलब्ध है। कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) की सुविधाएं विभिन्न भारतीय भाषाओं में उपलब्ध हैं।
- बैंक के राजभाषा अधिकारियों के कौशल विकास हेतु 'भारतीय अर्थव्यवस्था, बैंकिंग एवं तत्संबंधी व्यवहार कौशल में दक्षता' विषय पर प्रमाणन पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।
- गृह मंत्रालय, भारत सरकार की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों (नराकास) में भारतीय स्टेट बैंक की सक्रिय भागीदारी रही है।
- 2024-25 में भूमिका आधारित प्रमाणन पाठ्यक्रम परीक्षा हिंदी में देने का विकल्प उपलब्ध कराया गया। इसकी अध्ययन सामग्री भी हिंदी में उपलब्ध कराई गई।
- भाषाओं के प्रसार और संवर्धन के लिए बैंक लगातार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है। हिंदी दिवस, मातृभाषा दिवस, मराठी दिवस, कन्नड़ दिवस जैसे आयोजन इसी की कड़ी हैं। महान साहित्यकारों के अवदानों पर परिचर्चा, गोष्ठियां, कवि सम्मेलन आदि लगातार आयोजित किए जाते हैं। इस कड़ी में विदेश स्थित 200 से अधिक कार्यालयों में विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया।
- बैंकिंग के बदलते परिदृश्य में 'बैंक की ब्रांड इमेज एवं राजभाषा' पर परिचर्चा के लिए 08 व 09 जुलाई 2024 को स्टेट बैंक अकादमी, गुरुग्राम में राजभाषा अधिकारियों का अखिल भारतीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
- गृह मंत्रालय द्वारा भारत मंडपम, नई दिल्ली में गृह एवं सहकारिता मंत्री जी की अध्यक्षता में 14 सितंबर 2024 को आयोजित कार्यक्रम में महाप्रबंधक (राभा एवं कॉसे) के नेतृत्व में भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारियों ने सहभागिता की।
- गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा 'कंठस्थ' अनुवाद सॉफ्टवेयर अद्यतन/संशोधन करने में योगदान के लिए स्टेट बैंक के 6 अधिकारियों को सम्मानित किया गया है। 'कंठस्थ' सॉफ्टवेयर और 'हिंदी शब्द सिंधु' शब्दकोश के अद्यतन में भारतीय स्टेट बैंक उल्लेखनीय योगदान दे रहा है।
- वर्ष के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए 3841 कार्यालयों / शाखाओं का निरीक्षण किया गया।
- बैंक के ज्ञानार्जन केंद्रों में वर्ष के दौरान 714 राजभाषा सत्र आयोजित किए गए जिनमें 22,433 से अधिक स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता की।
- YONO Krishi, YONO Lite, and Online SBI offer services in customers' preferred languages, with call centres and Core Banking Solution (CBS) features also supporting regional languages.
- A certification course on Indian economy, banking, and behavioural skills has been introduced for Official Language Officers.
- SBI actively participates in Town Official Language Implementation Committees (TOLIC).
- Mandatory role-based exams and study materials are now available in Hindi.
- The Bank promotes languages through events like Hindi Day, Matrubhasha Day, Marathi Day, Kannada Day, and literary discussions, with World Hindi Day celebrated in over 200 foreign offices.
- An All-India Conference of Official Language Officers was held at State Bank Academy, Gurugram, on 8th & 9th July 2024, discussing SBI's brand image and official language in banking.
- The General Manager (OL & CS) led officers at the Ministry of Home Affairs event in New Delhi on 14 September 2024, presided over by the Hon'ble Home Minister.
- Six SBI officers were awarded by the Ministry of Home Affairs for contributions to the 'Kanthasth' translation software. SBI also supports the 'Hindi Shabda Sindhu' dictionary.
- Implementation of the Official Language was reviewed in 3,841 offices/branches.
- A total of 714 language training sessions were conducted at SBILDs, attended by over 22,433 staff members.



Bank Chairman Shri Challa Sreenivasulu Setty, MDs Shri Vinay M. Tonse and Shri Rana Ashutosh Kumar Singh on Rajbhasha Pakhwada, Kavi Sammelan 2024 at Corporate Centre, Mumbai

राजभाषा पखवाड़ा 2024 के अवसर पर कॉर्पोरेट केंद्र, मुंबई में आयोजित कवि सम्मेलन में बैंक अध्यक्ष श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक श्री विनय एम. तोन्से एवं श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह

विपणन और संप्रेषण (एम एंड सी)

आपके बैंक का विपणन और संचार (एम एंड सी) विभाग एक एकीकृत ब्रांड आख्यान निर्मित करता है, जो ब्रांड आत्मीयता और घनिष्टता बढ़ाने के लिए उत्पाद संदेश और डिजाइन को संरेखित करता है। एक एकीकृत संचार फ्रेमवर्क के माध्यम से, आपका बैंक आंतरिक और बाहरी चैनलों में निरंतरता सुनिश्चित करता है और वैश्विक स्तर पर अपने ब्रांड मूल्य को मजबूत करता है।

आपके बैंक की ब्रांड इकटि जागरूकता, जुड़ाव, ग्रहित गुणवत्ता और घनिष्टता पर बनाई गई है। इसके विपणन प्रयास हितधारकों के बीच आपके बैंक की सकारात्मक छवि को प्रभावी ढंग से सशक्त बनाते हैं।

ब्रांडिंग आंकड़ों में:

- ब्रांड वैल्यू 2025- यूएसडी 9.6 बिलियन, ब्रांड फाइनेंस रिपोर्ट 2025 द्वारा बैंक के अनुसार भारत में छठा सबसे मूल्यवान ब्रांड
- ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन द्वारा वर्ष 2024 के लिए भारत में सर्वश्रेष्ठ बैंक
- वर्ष 2024 के लिए न्यूजवीक द्वारा विश्व स्तर पर चौथा सबसे भरोसेमंद बैंक
- 5वां सबसे मजबूत भारतीय ब्रांड 2024 ब्रांड फाइनेंस इंडिया 100, 2024 द्वारा
- 2024 में 24वीं ग्लोबल बैंक ब्रांड फाइनेंस ग्लोबल 500 दुनिया के सबसे मजबूत ब्रांडों की सूची
- एचआर लीडर ऑफ द ईयर के लिए स्वर्ण पदक - बृहद संगठन, ईटी ह्यूमन कैपिटल अवार्ड्स 2025 द्वारा परिवर्तन प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए स्वर्ण पदक और स्वास्थ्य और कल्याण पहल में उत्कृष्टता के लिए रजत पदक

विव2025 के प्रमुख ब्रांडिंग पहल

क्र. सं. विवरण	मुख्य बिंदु	अवधि
1 टीवी पर श्रीमद् रामायण का प्रायोजन (टेलीकास्ट)	ब्रांड विज्ञापन	65 एपिसोड
2 ब्रांड अभियान (टीवी विज्ञापन और प्रायोजन टैग पर समाचार चैनल)	ब्रांड विज्ञापन	वर्ष भर
3 प्रिंट मीडिया पर ब्रांड अभियान (सामयिक और उत्पाद)	ब्रांड विज्ञापन	वर्ष भर
4 यूरो 24 के सह-प्रस्तुतकर्ता प्रायोजक (टेलीकास्ट)	ब्रांड विज्ञापन	14 जून 2024 से 14 जुलाई 2024
5 जियो पर सह-प्रस्तुतकर्ता प्रायोजक (टेलीकास्ट) पेरिस ओलंपिक 2024 सिनेमा और स्पोर्ट्स 18	ब्रांड विज्ञापन	26 जुलाई 2024 से 11 अगस्त 2024
6 मुंबई मेट्रो और मुंबई लोकल ट्रेन रैपिंग	ब्रांड विज्ञापन	12 माह
7 केबीसी का बैंकिंग पार्टनर टीवी पर टेलीकास्ट	ब्रांड विज्ञापन	100 एपिसोड
8 महिला टी 20 विश्व कप के लिए सह-प्रस्तुतकर्ता भागीदार (टेलीकास्ट)	ब्रांड विज्ञापन	अक्तूबर 2024
9 क्रिकेट के लिए डिज्नी हॉटस्टार और जियो सिनेमा के साथ साझेदारी क्रिकेट मुख्य आकर्षण के लिए	ब्रांड विज्ञापन	चार अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय क्रिकेट श्रृंखला
10 पेरिस पैरालिंपिक 2024 पदक विजेताओं का सम्मान अंतराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस	पैरालंपिक खेलों में पैरालिंपियनों की उपलब्धियों का सम्मान, पेरिस 2024	3 दिसंबर 2024
11 ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आईपीएल के लिए एसोसिएट पार्टनर	ब्रांड विज्ञापन	सीजन 18
12 टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डब्ल्यूपीएल के लिए सह-प्रस्तुतकर्ता ब्रांड विज्ञापन भागीदार	ब्रांड विज्ञापन	सीजन 03



माननीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा द इवोल्यूशन ऑफ स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (1981-1996) खंड 5 का अनावरण इसके ऑडियो संस्करण सहित किया गया जिससे बैंक की विरासत और समृद्ध हुई।



पेरिस पैरालिंपिक 2024 के विजेताओं के लिए सम्मान समारोह

वित्त वर्ष 2025 में, आपके बैंक के विपणन विभाग ने ब्रांड बिल्डिंग, पीआर, इवेंट्स, क्रिएटिव डिजाइन, बजट प्लानिंग, मल्टीमीडिया कंटेंट, प्रायोजन और अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हुए लक्षित मार्केटिंग पहलों को निष्पादित करने के लिए सभी मंडलों और कॉर्पोरेट इकाइयों में एक खंडित रणनीति अपनाई। इसके साथ ही, बैंक ने अपने ऐतिहासिक कालक्रम द इवोल्यूशन ऑफ स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (1981-1996) के पांचवें खंड को अपने ऑडियो संस्करण के साथ लॉन्च करके अपनी विरासत को समृद्ध किया, जिसका अनावरण माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा किया गया था, जो संस्थागत विरासत के संरक्षण में एक और मील का पत्थर है।

लिवडइन, यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर आपके बैंक के रणनीतिक फोकस ने इसकी डिजिटल उपस्थिति में महत्वपूर्ण वृद्धि की है। लिवडइन पर आपके बैंक के फॉलोवर्स में 4,74,594 (16.26%) की वृद्धि हुई, जबकि यूट्यूब पर 38,81,067 नए सब्सक्राइबर (390.05% की वृद्धि) की वृद्धि देखी गई। हम इंस्टाग्राम फॉलोअर्स में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं।

1,91,94,076 फॉलोवर्स
(वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक फॉलो
किया जाने वाला बैंक)



48,39,540 फॉलोवर्स
(वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक फॉलो
किया जाने वाला बैंक)



29,81,618 फॉलोवर्स
(वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक फॉलो
किया जाने वाला बैंक)



33,93,346 फॉलोवर्स
(भारत में दूसरा अधिक फॉलो किया
जाने वाला बैंक)



47,101 फॉलोवर्स
स्थापना के बाद से 484 मिलियन से
अधिक व्यू



11,972 फॉलोवर्स



48,76,062 सब्सक्राइबर

स्थापना के बाद से 1.13 बिलियन से अधिक विडियो व्यू (भारत में सबसे अधिक फॉलो किए जाने वाले बैंक)



आपके बैंक की विपणन और संप्रेषण टीम ने वित्त वर्ष 2025 में 'सपोर्टिंग इंडिया, सपोर्टेड बाय इंडिया', 'ब्रिगिंग ईज टू लाइफ', 'सबको पता है', 'सेलिब्रेशन अनलिमिटेड', 'एसबीआई बैटिंग फॉर नारी शक्ति' और 'बी स्कैम सेफ' जैसे अभियानों सहित प्रभावशाली ब्रांड-निर्माण पहलों की एक श्रृंखला शुरू की। इन पहलों ने एक विश्वसनीय, ग्राहक केंद्रित ब्रांड के रूप में आपके बैंक की स्थिति को मजबूत किया।

ग्राहक जुड़ाव और सेवा को बढ़ाने के लिए, आपके बैंक ने x (पूर्व में ट्विटर) पर एक समर्पित हैंडल, OfficialSBICare लॉन्च किया, जिससे सुव्यवस्थित सहयोग और प्रत्यक्ष संप्रेषण सक्षम हो गया। सोशल मीडिया ग्राहक सेवा का विस्तार हिंदी और अंग्रेजी के साथ-साथ 10 क्षेत्रीय भाषाओं- तेलुगु, तमिल, बंगाली, मराठी, पंजाबी, कन्नड़, ओडिया, मलयालम, गुजराती और असमिया में प्रतिक्रियाओं को शामिल करके किया गया था।

टीम ने होम लोन, पर्सनल लोन, एनआरआई सर्विसेज, डिपॉजिट और डिजिटल ऑफरिंग जैसे प्रमुख उत्पादों के लिए लक्षित मार्केटिंग अभियान भी शुरू किए। इन रणनीतिक प्रयासों के माध्यम से, विपणन और संप्रेषण टीम एक अभिनव, उत्तरदायी और विश्वसनीय वित्तीय संस्थान के रूप में आपके बैंक की प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करना जारी रखती है।



SBI
हर भारतीय का बैंक

सॉलिड बैंक की सॉलिड बैंकिंग के साथ अपना बजट बनाएं

बचत खाता | चालू खाता | लोन | योनी एसबीआई |
एसबीआई वेल्थ | एनआरआई सेवाएँ और बहुत कुछ
आज ही एसबीआई परिवार का हिस्सा बनें

अधिक जानकारी
के लिए स्कैन करें

सहायता के लिए, 1800 1234 | 2100 पर कॉल करें या bank.sbi विजिट करें

हमें यहाँ फॉलो करें

सतर्कता

आपके बैंक के सतर्कता विभाग के प्रमुख प्रबंध निदेशक बैंक के एक मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) हैं, जिन्हें भारत सरकार द्वारा केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के परामर्श से नियुक्त किया जाता है। चेयरमैन को सीधे रिपोर्ट करते हुए, सीवीओ बैंक के सतर्कता ढांचे को तैयार करने, लागू करने और समीक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे पारदर्शिता और ईमानदारी के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित किया जा सके। बैंक के सर्किल, वटिकल और सहायक कंपनियों में सतर्कता निगरानी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा रणनीतिक स्थानों पर छह अतिरिक्त मुख्य सतर्कता अधिकारियों (एडिशनल सीवीओ) को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024

- सतर्कता जागरूकता सप्ताह 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2024 तक मनाया गया, जिसका विषय था “सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि।”
- संचार चैनलों का व्यापक उपयोग - जिसमें एसबीआई टाइम्स, एटीएम, सीडीएम, इंटरनेट बैंकिंग, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और लिंक्डइन शामिल हैं - ने कर्मचारियों और जनता के बीच जागरूकता फैलाने में मदद की।
- देश भर के स्कूलों, कॉलेजों और ग्राम सभाओं के माध्यम से ग्रामीण समुदायों के बीच जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

क्षमता संवर्धन पहल

- सीवीसी के क्षमता संवर्धन पर केंद्रित तीन महीने के सतर्कता जागरूकता सप्ताह पूर्व अभियान के हिस्से के रूप में, एसबीआई ने स्टेट बैंक स्टाफ कॉलेज, हैदराबाद में

- सीटीई टाइप एक्जैमिनेशन बॉय सीवीओ पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की (20-21 सितंबर 2024)।
- कार्यशाला का उद्घाटन केंद्रीय सतर्कता आयुक्त श्री पी. के. श्रीवास्तव, सतर्कता आयुक्त श्री अरविंद कुमार, सीवीसी सचिव श्री पी. डैनियल और एसबीआई के अध्यक्ष श्री सी. एस. शेटी ने किया।
- सीवीसी के सीटीई अधिकारियों द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण में 55 संगठनों के सीवीओ सहित 150 अधिकारियों ने हिस्सा लिया।
- प्रशिक्षण प्रयासों को बैंक के व्यवसाय प्रतिनिधियों (बीसी) और ग्राहक सेवा केंद्रों (सीएसपी) तक बढ़ाया गया, जिसमें निम्नलिखित को प्रशिक्षण दिया गया:

— 27,000+ बैंक अधिकारी

— 41,000+ सीएसपी

निवारक सतर्कता उपाय

सतर्कता विभाग द्वारा निम्न आयोजन किए गए:

- 1,753 निवारक सतर्कता कार्यक्रम
- जांच अधिकारियों (ईओ), प्रस्तुतकर्ता अधिकारियों (पीओ) और जांच लेखा परीक्षकों (आईए) के लिए 117 विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए, जिनमें 35,532 अधिकारी शामिल हुए।

मामले में स्वतः संज्ञान लेकर सक्रिय जांच की गई।

- शिकायत-प्रवण शाखाएँ
- आरएफआईए लेखा परीक्षकों द्वारा गंभीर अनियमितताओं के लिए चिह्नित शाखाएँ

- बैंक के एआई/एमएल इंजन के माध्यम से उच्च जोखिम और अत्यधिक उच्च जोखिम वाली शाखाएँ चिह्नित की गईं।
- निवारक सतर्कता तंत्र को सक्रिय तौर पर सुदृढ़ करने के लिए 1,889 शाखाओं में स्वतः जांच की गई।

सतर्कता संबंधी रेफरल मामलों में रुझान

- वित्त वर्ष 2025 के दौरान सतर्कता संबंधी रेफरल मामले बढ़कर 3,772 हो गए, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 2,990 थी।

संदर्भित कुल मामलों में से:

887 मामलों को सतर्कता मामलों में परिवर्तित किया गया, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 716 थी, जो सतर्कता और शुरुआती पहचान के प्रयासों को दर्शाता है।

आस्ति एवं देयता प्रबंधन

प्रभावी आस्ति और देयता प्रबंधन (एएलएम) बैंक के सतत और गुणात्मक विकास के लिए आवश्यक है। आपके बैंक का एएलएम बाजार की गतिशीलता की समीक्षा करके, उससे उत्पन्न संकेतों को समझकर और मूल्य सृजन करते हुए विनियामक आवश्यकताओं को बनाए रखते हुए बैलेंस शीट को मजबूत करने का प्रयास करता है।

जोखिम प्रबंधन प्रथाओं के प्रति प्रतिबद्धता के एक भाग के रूप में, आपका बैंक नियमित रूप से 'जमा पर ब्याज दरों' और 'आस्ति और देयता प्रबंधन' पर अपनी आंतरिक नीतियों की समीक्षा करता है ताकि बाजार की स्थितियों में होने वाले परिवर्तनों के अनुकूल हो सके। आपका बैंक सबसे खराब स्थिति में उत्पन्न होने वाले किसी भी जोखिम को दूर करने के लिए दबाव परीक्षण और रिवर्स दबाव परीक्षण भी करता है।

तरलता की स्थिति का मूल्यांकन करते समय गैर-संविदात्मक आस्तियों और देयताओं के उचित उपचार के लिए ग्राहक व्यवहार का आकलन करने के लिए नियमित अंतराल पर अध्ययन किए जाते हैं। तरलता और ब्याज दर संवेदनशीलता विवरणों में बहिर्वाह/अंतर्वाह का उचित स्थान सुनिश्चित करने के लिए



व्यवहार संबंधी अध्ययन अर्ध-वार्षिक अंतराल पर किए जाते हैं, जो ऑफ-बैलेंस शीट (ओबीएस) जोखिम या संभावित ऋण घाटे के परिणामस्वरूप हो सकते हैं। गैर-संविदात्मक आस्तियों और देयताओं से संबंधित मान्यताओं की समय-समय पर समीक्षा की जाती है, उनका परीक्षण किया जाता है और नवीनतम अध्ययनों के परिणामों के अनुसार उन्हें संशोधित किया जाता है।

आरबीआई और बैंक के आंतरिक नीति बेंचमार्क द्वारा निर्धारित लिक्विडिटी कवरेज अनुपात (एलसीआर) के रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए गतिशील बाजार परिवेश के तहत उच्च गुणवत्ता वाली लिक्विड आस्तियों (एचक्यूएलए) और नकदी बहिर्वाह के स्टॉक की दैनिक निगरानी की जाती है। आपका बैंक नेट स्टेबल फंडिंग रेशियो (एनएसएफआर) दिशानिर्देशों में नियामक द्वारा निर्धारित फंडों की दीर्घकालिक स्थिरता की निगरानी करता है।

आपका बैंक अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों दृष्टिकोणों से अपनी बैलेंस शीट (ऑन/ऑफ) एक्सपोजर पर ब्याज दरों में बदलाव से जुड़े अंतर्निहित जोखिमों की पहचान करता है। इस उद्देश्य के लिए,

जोखिम में आय (ईएआर) और इक्विटी के बाजार मूल्य (एमवीई) पर ब्याज दरों में बदलाव के प्रभाव का पूर्व-निर्धारित सहनशीलता सीमाओं के साथ मूल्यांकन किया जाता है, जिससे प्रबंधन को एनआईआई/नेट वर्थ में क्षरण के संभावित परिदृश्य में उचित निवारक कदम उठाने में सक्षम बनाया जा सके। आपका बैंक RBI के नए IRRBB दिशा-निर्देशों के तहत बैंकिंग बुक स्थिति को प्रभावित करने वाले ब्याज दरों में प्रतिकूल उतार-चढ़ाव से उत्पन्न बैंक की पूंजी और आय के लिए वर्तमान या संभावित जोखिम को माप रहा है।

शाखाओं को स्थिर निधि जुटाने और निधियों की लागत के आधार पर उनकी लाभप्रदता का आकलन करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, आपके बैंक द्वारा एक मिलान परिपक्वता आधारित निधि अंतरण मूल्य निर्धारण को अपनाया गया था। आपका बैंक अपनी बेंचमार्क उधार दरों के माध्यम से पर्याप्त मौद्रिक नीति संचरण सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करता है।

आपके बैंक की आस्ति देयता प्रबंधन समिति (आलको) बैलेंस शीट में आस्ति-देयता मिश्रण को संशोधित करके और समय-समय पर देयताओं और आस्तियों के मूल्य निर्धारण को पुनः निर्धारित करके तरलता और ब्याज दर जोखिमों की निगरानी और प्रबंधन करती है। आलको, अन्य बातों के साथ-साथ, नियमित रूप से ब्याज दर परिदृश्यों, देयता उत्पादों के विकास पैटर्न, ऋण वृद्धि, प्रतिस्पर्धी लाभ, उभरती हुई तरलता स्थितियों, नियामक नुस्खों के पालन आदि की समीक्षा करती है।

एएलएम से निकलने वाली नियामक रिपोर्ट/रिटर्न के स्वचालन के साथ, आपका बैंक तरलता और ब्याज दर जोखिम प्रबंधन के संबंध में निगरानी और अनुपालन में अच्छी स्थिति में है।

सदाचार और व्यावसायिक आचरण

आपका बैंक सदाचार, सत्यनिष्ठा और व्यावसायिक आचरण के उच्चतम मानकों का पालन करता है तथा सभी परिचालनों में नैतिक प्रथाओं को शामिल करता है। प्रमुख पहलों में विजन, मिशन और मूल्य, आचार संहिता, रिश्ततखोरी और भ्रष्टाचार विरोधी नीति, केंद्रीकृत अनुशासनिक संरचना और अनुशासनिक कार्यवाही प्रबंधन प्रणाली (डीपीएमएस) शामिल हैं, जिसने पारदर्शिता को बढ़ाया है और अनुशासन प्रबंधन को मजबूत किया है।

वित्त वर्ष 2025 में, आपके बैंक ने कार्यशालाओं, वेबिनार, क्विज और सर्वेक्षणों के माध्यम से सदाचार जागरूकता का विस्तार किया, साथ ही स्टाफ जवाबदेही और हितों के टकराव जैसी प्रमुख नीतियों की समीक्षा भी की। गरिमा नीति महिला कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित और समावेशी वातावरण प्रदान करना जारी रखती है, जिसके तहत कार्यस्थल पर शिकायतें वित्त वर्ष 2024 में 45 से घटकर वित्त वर्ष 2025 में 36 हो गई है। बैंक वास्तविक समय की निगरानी सुनिश्चित करने के लिए गरिमा प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण

कर रहा है और अपने शून्य-सहिष्णुता रुख को सुदृढ़ करने के लिए सख्त अनुशासनिक कार्रवाई लागू की है।

मजबूत नैतिक आधार और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, आपका बैंक एक विश्वसनीय संस्थान बना हुआ है और बैंकिंग क्षेत्र में ईमानदारी का एक मानक बना हुआ है।

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व

आपके बैंक ने लगभग पाँच दशक पहले 'अभिनव बैंकिंग' के रूप में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व की शुरुआत की थी, जिसने हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाने की विरासत स्थापित की। आज, यह प्रतिबद्धता रणनीतिक सीएसआर पहलों के माध्यम से जारी है जो आर्थिक विकास को पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक प्रगति के साथ संतुलित करती है, जो सीधे राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों को प्रोत्साहित करती है।

प्रत्यक्ष कार्यान्वयन और एसबीआई फाउंडेशन - जो कि समर्पित धारा 8 कंपनी - दोनों के माध्यम से आपका बैंक पूरे भारत में उच्च-प्रभाव, स्केलेबल परियोजनाओं को क्रियान्वित करता है। फाउंडेशन

का अभिनव दृष्टिकोण सामाजिक मूल्य सृजन को अधिकतम करने के लिए रणनीतिक साझेदारी का लाभ उठाता है।

वित्त वर्ष 2025 में, ये प्रयास अखिल भारतीय स्तर पर हस्तक्षेप के माध्यम से वंचित आबादी के लिए परिवर्तनकारी बदलाव लाने पर केंद्रित रहेंगे, जिससे आपके बैंक की स्थिति संवहनीय, समावेशी विकास में अग्रणी के रूप में मजबूत होगी।

वित्त वर्ष 2024-25 हेतु सीएसआर व्यय
₹610.77 करोड़

कुल कार्यकलापों की संख्या 1,408

शामिल राज्य संपूर्ण भारत

कवर किए गए गांवों की कुल संख्या 20,000 से अधिक

लाभ पाने वाले लोगों की संख्या 65 लाख से अधिक

अखिल भारतीय सीएसआर कार्यकलाप, एक नज़र में

क्र.	कार्यकलाप	कवर किए गए संस्थानों की संख्या	सीएसआर व्यय (₹ करोड़ में)
1	प्राथमिक विद्यालयों के बुनियादी ढांचे का उन्नयन	538	22.89
2	वृद्धाश्रमों/महिला आश्रय गृहों का उन्नयन	138	2.80
3	अनाथालयों/विशेष विद्यालयों का उन्नयन	139	3.17
4	आंगनवाड़ी केंद्रों का उन्नयन	586	5.91
5	प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के बुनियादी ढांचे का उन्नयन	220	5.00
योग		1,621	39.77

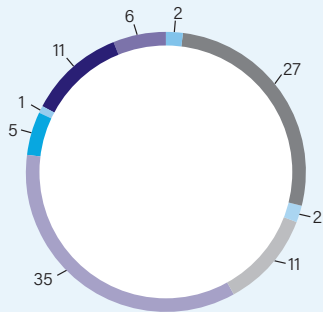
6. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पहल

बालिकाओं के लिए शौचालय निर्माण		सेनेटरी पैड भस्मक की स्थापना		बालिका छात्राओं को साइकिल वितरण	
कवर किए गए संस्थानों की संख्या	184	कवर किए गए संस्थानों की संख्या	1,707	कवर किए गए संस्थानों की संख्या	293
निर्मित शौचालयों की संख्या	250	स्थापित भस्मक की संख्या	2,285	वितरित साइकिलों की संख्या	4,370
सीएसआर व्यय	₹3.95 करोड़	सीएसआर व्यय	₹3.35 करोड़	सीएसआर व्यय	₹3.12 करोड़

आकांक्षी जिलों में सीएसआर

कवर किए गए आकांक्षी जिलों की संख्या	इन जिलों में सीएसआर गतिविधियों की संख्या	सीएसआर व्यय
94	339	₹16.50 करोड़

सीएसआर खर्च (क्षेत्र-वार)



1	आपदा प्रबंधन	2%
2	शिक्षा (आंगनवाड़ी तथा अनाथ आश्रमों/ विशेष स्कूलों को शामिल करते हुए)	27%
3	महिला और वरिष्ठ नागरिक सशक्तिकरण	2%
4	पर्यावरण	11%
5	स्वास्थ्य और स्वच्छता	35%
6	अन्य सीएसआर (खेल, पशु कल्याण आदि)	5%
7	राष्ट्रीय धरोहर का संरक्षण	1%
8	ग्रामीण और झुग्गी-झोपड़ी विकास	11%
9	वीर योद्धाओं	6%

रणनीतिक सीएसआर जुड़ाव और साझेदारी

भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एएलआईएमसीओ)

देश भर में 20 स्थानों पर लगभग 9,000 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों के वितरण के लिए सीएसआर के तहत 10 करोड़ की राशि के लिए भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एएलआईएमसीओ) के साथ समझौता किया गया है। दिव्यांग व्यक्तियों को व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, चलने की छड़ें, कृत्रिम अंग आदि जैसे विभिन्न उपकरण दान किए जाते हैं। 3 दिसंबर 2024 को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के उपलक्ष्य में आपके बैंक के विभिन्न कार्यालयों में जरूरतमंद व्यक्तियों को सहायक उपकरण वितरित करके मनाया गया। आपके बैंक के अध्यक्ष श्री सी एस शेटी ने 03.12.2024 को मुंबई स्थित कॉर्पोरेट केंद्र में आयोजित एक कार्यक्रम में दिव्यांगों को व्हील चेयर और अन्य सहायक उपकरण वितरित किए।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष (एएफ़एफ़डीएफ़)

सशस्त्र सेना के भूतपूर्व सैनिकों के आश्रित बच्चों को उनकी पढ़ाई में सहायता करने के लिए सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में 10 करोड़ की राशि का योगदान

दिया गया। वित्त वर्ष 2021 से, आपका बैंक सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में लगातार सहायता कर रहा है। पिछले पाँच वर्षों में कोष में 40 करोड़ की राशि प्रदान की जा चुकी है।

कावेरी कॉलिंग परियोजना

हरित पर्यावरण में योगदान देना हमेशा से ही आपके बैंक का प्राथमिक लक्ष्य रहा है, ताकि भावी पीढ़ियों के लिए हरित और संवहनीय वातावरण बनाया जा सके। इस दिशा में, आपके बैंक ने तमिलनाडु और कर्नाटक राज्यों में कावेरी बेसिन में 9 लाख पेड़ लगाने के लिए ईशा आउटरीच के साथ करार किया है। आपके बैंक की इस पहल ने किसानों को अतिरिक्त आय अर्जित करने और पर्यावरण पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में मदद की है।

भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु

वित्त वर्ष 2023 के दौरान, आपके बैंक ने आईआईएससी, बेंगलुरु के साथ आईआईएससी में बनने वाले मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल के लिए सहयोग किया है। आपके बैंक ने अस्पताल में ऑर्थोपेडिक विंग के निर्माण और स्थापना के लिए ₹24 करोड़ की राशि का योगदान दिया है। चालू वित्त वर्ष 2025 के दौरान, आपके बैंक ने अस्पताल के ईएनटी विंग में चिकित्सा उपकरणों की खरीद और स्थापना के लिए ₹3.90 करोड़ की राशि का सहयोग किया है।

विश्वनाथ कैसर केयर फाउंडेशन

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के खानू में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को उन्नत करने के लिए विश्वनाथ कैसर केयर फाउंडेशन के साथ समझौता किया गया। उन्नयन का उद्देश्य प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खानू को प्रसव कक्ष के साथ माता एवं शिशु देखभाल इकाई के साथ पूर्णतः क्रियाशील बनाना तथा बाल चिकित्सा परिचर्या (टीकाकरण) सहित पूर्णतः क्रियाशील 10 बेड वाले वार्ड की स्थापना करना है। परियोजना पर ₹2.72 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई थी।



टाटा कैंसर केयर फाउंडेशन

श्री वेंकटेश्वर कैंसर केयर एंड एडवांस्ड रिसर्च संस्थान (एसवीआईसीसीएआर), तिरुपति, आंध्र प्रदेश को ₹1.16 करोड़ मूल्य के चिकित्सा उपकरण प्रदान किए गए। इस संस्थान की स्थापना टाटा कैंसर केयर फाउंडेशन के तत्वावधान में कैंसर का शीघ्र पता लगाने और रोकथाम के लिए की गई थी।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई) की स्थापना और प्रबंधन विभिन्न बैंकों द्वारा किया जाता है, जिसका सामान्य लक्ष्य बेरोजगार युवाओं की पहचान करना, उन्हें प्रशिक्षण देना, प्रेरित करना और उन्हें स्वरोजगार अपनाने में सहायता करना है। यह मॉडल स्वरोजगार के माध्यम से स्थायी आजीविका बनाने में कारगर साबित हुआ है। आपका बैंक देश के सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा प्रायोजित कुल 596 आरएसईटीआई में से 29 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 153 आरएसईटीआई का प्रबंधन करता है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान आपके बैंक द्वारा प्रायोजित आरएसईटीआई पर ₹21.34 करोड़ (केवल इक्कीस करोड़ और चौतीस लाख रुपए) का सीएसआर व्यय किया गया है, ताकि वे निर्माण पूरा कर सकें और अन्य आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें।

अन्य सीएसआर कार्यकलाप

शिक्षा

- **ओडिशा:** शिक्षा विभाग के साथ साझेदारी में 7 जिलों के 46 सरकारी स्कूलों में डिजिटल कक्षाएँ स्थापित की गईं; सीएसआर व्यय - ₹1.28 करोड़
- **राजस्थान** काउंसिल फॉर स्कूल एजुकेशन के सहयोग से सरकारी स्कूलों में 80 स्मार्ट डिजिटल बोर्ड लगाए गए। सीएसआर व्यय - ₹96 लाख
- **आईआईआईटी भोपाल:** श्री संस्कृति एजुकेशन सोसाइटी के साथ एक ग्रीन हाई-टेक (एआई और पयूचर रेडी) कंप्यूटर लैब की स्थापना; सीएसआर व्यय - ₹85 लाख
- **तेलंगाना (नगरकुरनूल):** समाज कल्याण स्कूलों में बालिकाओं के लिए शौचालय और वाटर प्यूरीफायर सहित बुनियादी ढांचे का विकास; सीएसआर व्यय - ₹71.80 लाख
- **मध्य प्रदेश (भोपाल):** एकलव्य फाउंडेशन के लिए एक मोबाइल ग्रीन लाइब्रेरी और सौर ऊर्जा सिस्टम खरीदी; सीएसआर व्यय - ₹70 लाख
- **राजस्थान (भरतपुर):** आदर्श विद्या समिति में कंप्यूटर लैब की स्थापना और एक स्कूल बस की खरीद; सीएसआर व्यय - ₹70 लाख
- **जयपुर और भोपाल:** 300 से अधिक वंचित और मेधावी एससी/एसटी छात्रों को लैपटॉप वितरित किए।

- **तेलंगाना (विकाराबाद):** एकलव्य ग्रामीण विकास फाउंडेशन को पिक-अप वाहन, विज्ञान प्रयोगशाला, डिजिटल लाइब्रेरी और पुस्तकों के साथ सहायता प्रदान की गई; सीएसआर व्यय - ₹50 लाख

स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता

- **अखिल भारतीय:** चिकित्सा उपकरणों और बुनियादी ढांचे के साथ 220 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन; सीएसआर व्यय - ₹5 करोड़
- **केरल:** राज्य स्वास्थ्य विभाग के साथ साझेदारी में वंचित महिलाओं के लिए स्तन कैंसर की जांच और उपचार; सीएसआर व्यय - ₹1 करोड़
- **हैदराबाद:** ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के माध्यम से इलेक्ट्रिक कचरा निकासी वाहनों की खरीद; सीएसआर व्यय - ₹97.58 लाख
- **पश्चिम बंगाल:** एनआईएलडी, बिधाननगर में 3डी स्कैनिंग चिकित्सा उपकरण और ओपन-जिम सुविधाएं प्रदान की गईं; सीएसआर व्यय - ₹96.80 लाख
- **बिहार:** होमी भाभा कैंसर अस्पताल, मुजफ्फरपुर में बुनियादी ढांचे के विस्तार में सहयोग; सीएसआर व्यय - ₹88.62 लाख
- **मध्य प्रदेश (अलीराजपुर):** सरदार सरोवर बांध के पास के गांवों में स्वास्थ्य सेवा पहुंच में सुधार के लिए वाटर एम्बुलेंस की खरीद; सीएसआर व्यय - ₹87.97 लाख

- **केरल (अलपुझा):** टीडी मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया; सीएसआर व्यय - ₹88 लाख
- **तमिलनाडु (चेन्नई):** चाइल्ड्स ट्रस्ट अस्पताल में नवजात आईसीयू, ईएनटी और आर्थोपेडिक इकाइयों के लिए चिकित्सा उपकरण की खरीद; सीएसआर खर्च - ₹76 लाख
- **मुंबई (नेशनल रीच):** कैंसर पेशेंट एड एसोसिएशन के साथ साझेदारी में वंचितों के लिए कैंसर उपचार सहायता; सीएसआर व्यय - ₹60 लाख
- **तमिलनाडु (कोयम्बटूर):** रोटरी क्लब ऑफ कोयम्बटूर मेट्रोपोलिस ट्रस्ट के साथ सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु बालिकाओं के लिए टीकाकरण परियोजना; सीएसआर व्यय - ₹50 लाख

पर्यावरण

- **नौसेना बेस कोच्चि - आईएनएस वेंडुरिती के साथ मिलकर एकीकृत अपशिष्ट पृथक्करण एवं प्रबंधन केंद्र** की स्थापना की गई। इस परियोजना पर ₹50 लाख रुपए के सीएसआर व्यय का उपयोग किया गया है।
- एमवीडीए के साथ साझेदारी में वृंदावन के देवराहा बाबा घाट पर **250 सौर ऊर्जा चालित स्ट्रीट लाइटों** के लिए ₹70 लाख रुपये आबंटित किए गए।

आपदा प्रबंधन

- **केरल के वायनाड में भूस्खलन राहत** के लिए **₹1 करोड़** आबंटित किए गए, साथ ही दवाओं, भोजन और कपड़ों सहित तत्काल सहायता के लिए **₹39 लाख** आबंटित किए गए
- बाढ़ राहत और पुनर्वास के लिए **राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, त्रिपुरा** को **₹25 लाख** का योगदान (अगस्त 2024)

अन्य क्षेत्र

- **गुजरात:** गुजरात उच्च न्यायालय में मिट्टी कैफे की स्थापना, जो पूरी तरह से विकलांग व्यक्तियों द्वारा संचालित होगा; सीएसआर व्यय - **₹55 लाख**
- **मध्य प्रदेश:** शास्त्रीय संगीत को संरक्षित करने के लिए ध्रुपद संस्थान में उन्नत प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे; सीएसआर खर्च - **₹97.76 लाख**

- **उत्तर प्रदेश:** प्रयागराज में महाकुंभ मेले में आगंतुकों के लिए वाटर वेंडिंग मशीन, ट्रैक सूट और लाइफ जैकेट उपलब्ध कराए गए; सीएसआर व्यय - **₹77.50 लाख**
- **मध्य प्रदेश:** बाघों को गोद लेकर पशु कल्याण में सहायता की और एमपी टाइगर फाउंडेशन सोसाइटी को ई-वाहन वितरित किए; सीएसआर खर्च - **₹62.42 लाख**

एसबीआई फाउंडेशन

एसबीआई फाउंडेशन, स्टेट बैंक समूह की सीएसआर शाखा, सभी 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, दिव्यांग सशक्तिकरण, संवहनीयता, आजीविका, महिला और युवा सशक्तिकरण और खेल में पहल करती है। वित्त वर्ष 2025 में, इसने **₹485.83 करोड़** की 180 परियोजनाओं को वित्त पोषित किया, समुदायों में सार्थक प्रभाव पैदा करने के लिए **₹264.00 करोड़** का वितरण किया।

एसबीआई फाउंडेशन के प्लैगशिप कार्यक्रम**1. एसबीआई ग्राम सेवा - एकीकृत ग्रामीण विकास**

- आईसीएआर और केवीके के साथ कृषि-हस्तक्षेप के माध्यम से ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देना, और युवाओं के लिए कौशल विकास।
- ओडिशा के पुरी जिले में जल संरक्षण और मत्स्य पालन पर ध्यान केंद्रित करते हुए एसबीआई ग्राम सक्षम का शुभारंभ किया गया।
- एसबीआई सम्मान - राष्ट्रीय नायकों के जन्मस्थानों पर कल्याणकारी पहलों को समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय नायकों को श्रद्धांजलि

2. एसबीआई यूथ फॉर इंडिया फेलोशिप

- 13 गैर सरकारी संगठनों के साथ समुदाय के नेतृत्व वाली ग्रामीण विकास परियोजनाओं को लागू करने के लिए सामाजिक रूप से प्रेरित युवाओं को सशक्त किया।
- 12वें बैच की समीक्षा और समापन समारोह की मेजबानी की गई; 91 फेलो

के साथ 13वें बैच (2024-25) का शुभारंभ किया गया। 14वें बैच के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए।

- सामुदायिक पहल के लिए पूर्व छात्रों को प्रोत्साहित किया गया।

3. दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एसबीआईएफ उत्कृष्टता केंद्र (पीडब्ल्यूडी)

- दृष्टिबाधित छात्रों के लिए डिजिटल प्रयोगशालाएं स्थापित की गईं।
- उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में क्लबफुट उपचार बढ़ाया गया।
- मनोनंदना ट्रस्ट के साथ मिलकर एक प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र की शुरुआत की, जिससे हजारों दिव्यांग बच्चों को सहायता मिली।

4. एसबीआईएफ जीवनम - स्वास्थ्य देखभाल पहल

- ग्रामीण क्षेत्रों में विस्तारित मोबाइल मेडिकल यूनिट (100+ एसबीआई संजीवनी वैन)

- वंचितों के लिए आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं और कार्डियक केयर एक्सेस शुरू किया।

- टीबी एवं कैंसर का पता लगाने और उपशामक देखभाल में सहायता की गई।
- टीबी मुक्त गुजरात पहल में साझेदारी के माध्यम से जांच, उपचार और पोषण प्रदान किया।

5. एसबीआईएफ इंडीग्रेटेड लर्निंग मिशन (आईएलएम)

- कम आय वाले परिवारों के 10,000 छात्रों को एसबीआईएफ आशा छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- स्कूल के बुनियादी ढांचे को उन्नत किया गया और डिजिटल शिक्षा के टूल शुरू किए गए।
- केजी से लेकर कक्षा 12 तक के लिए क्षेत्रीय भाषाओं और अंग्रेजी में निःशुल्क एलएमएस शुरू किया गया।

6. एसबीआईएफ शक्ति - महिला सशक्तिकरण

- मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता तथा मासिक धर्म के अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने की पहल की गई।

7. एसबीआईएफ परामर्श - पर्यावरणीय संवहनीयता

- वनरोपण अभियान और अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाओं को बढ़ावा दिया।
- मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए तकनीक का प्रयोग किया गया।
- एसबीआईएफ अरण्य के अंतर्गत केरल में मैंग्रोव पुनरुद्धार का कार्य शुरू किया गया।

- दक्षिण कन्नड़ और पन्ना में एसबीआईएफ वेस्ट नो मोर के तहत विस्तारित रीसाइक्लिंग परियोजना
- शिवगढ़, मध्य प्रदेश में वाटरशेड पुनरुद्धार और पौधारोपण का कार्य आरंभ किया गया।

8. एसबीआईएफ लीप - आजीविका और उद्यमिता

- इन्क्यूबेशन कार्यक्रमों और व्यवसाय केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण उद्यमियों को सहायता प्रदान की गई।
- महिलाओं और किसानों के लिए पशुधन और कृषि आधारित उद्यमों पर केंद्रित।
- मेंटरशिप, सामाजिक नवाचार और सामुदायिक स्तर पर क्षमता निर्माण पर वेबिनार आयोजित किए।

9. एसबीआईएफ एसीई - खेल संवर्धन

- पेरिस पैरालिम्पिक्स 2024 में 15 पैरा-एथलीटों को प्रोत्साहित किया; भारत के लिए 9 पदक सुनिश्चित किए।

मान्यता और पुरस्कार

- एसोचैम मासिक धर्म स्वच्छता उत्कृष्टता पुरस्कार
- सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस अवार्ड
- सबेरा अवार्ड
- बीडब्ल्यू डिसरप्ट सोशल इम्पैक्ट लीडर्स अवार्ड
- टीएलएमटी चैंज मेकर अवार्ड
- नवभारत सीएसआर अवार्ड 2025

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर, माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, संरक्षण और महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित एसबीआई फाउंडेशन की प्रमुख परियोजनाओं का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया:

- विज्ञान शिक्षा की पुनर्कल्पना (कर्नाटक):** प्रयोग के साथ साझेदारी में विज्ञान शिक्षकों को सशक्त बनाना।
- टीबी मुक्त पहल (तेलंगाना):** टीबी की रोकथाम और देखभाल को बढ़ावा देने के लिए भविष्य भारत लॉन्च किया गया।
- ग्रामीण अस्पताल उन्नयन (पाली, राजस्थान):** ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया फाउंडेशन (टीआरआईएफ) के साथ स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना।

- एसबीआईएफ कंजर्व हीटर ऑफ होप (महाराष्ट्र):** एसबीआईएफ कंजर्व हीटर ऑफ होप (महाराष्ट्र): ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व के पास आदिवासी महिलाओं को बायोमास हीटर वितरित करके वन्यजीव संरक्षण ट्रस्ट को प्रोत्साहित करना।

- एसबीआईएफ ग्राम सक्षम (नाशिक):** स्वदेश फाउंडेशन के साथ 300+ आदिवासी महिलाओं के लिए पशुपालन आधारित आजीविका को बढ़ावा देना।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी)

भारत की दो-तिहाई आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, इसलिए यह क्षेत्र बैंकिंग क्षेत्र के लिए उच्च-संभावित विकास का मार्ग बना हुआ है। समुदाय के गहरे भरोसे

और व्यापक पहुंच का लाभ उठाते हुए, आपके बैंक के 14 प्रायोजित आरआरबी 13 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश में काम करते हैं, जिनका 242 जिलों में 4,774 शाखाओं का संयुक्त शाखा नेटवर्क है। सीबीएस प्लेटफॉर्म के साथ पूरी तरह से एकीकृत, वे वाणिज्यिक बैंकों के बराबर बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हैं।

आरआरबी ने रणनीतिक रूप से अपने आवास ऋणों में 11.66% और स्वर्ण ऋणों में 40.74% की वृद्धि की, जिसका उद्देश्य पोर्टफोलियो में विविधता लाना था। व्यापक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद, मुख्य आय में वृद्धि, शुल्क-आधारित आय में वृद्धि और परिचालन दक्षता बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

वित्त वर्ष 2025 की व्यावसायिक मुख्य विशेषताएं

- जमाराशि: ₹1,47,576 करोड़ (↑8.57% वर्षानुवर्ष)
- अग्रिम: ₹1,13,734 करोड़ (↑14.68% वर्षानुवर्ष)
- निवल लाभ: ₹2,300.42 करोड़
- सकल एनपीए: 3.29% (↓3.53% से घटकर)
- निवल एनपीए: 0.64% (↑0.40% से बढ़कर)
- प्रति कर्मचारी व्यवसाय: ₹13.23 करोड़ (↑12.98 करोड़ से बढ़कर)

वित्त वर्ष 2025 की मुख्य उपलब्धियां

1. आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक (एपीजीवीबी) का विभाजन

- आंध्र प्रदेश के पुनर्गठन के बाद, एपीजीवीबी - जो आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों में काम कर रहा था - को डीएफएस अधिसूचना दिनांक 13.11.2024 के अनुसार विभाजित कर दिया गया।
- आस्ति और देयताओं का विभाजन 31.12.2024 को पूरा हो गया, और नई इकाइयाँ 01.01.2025 से परिचालनगत हो गईं।
- एपीजीवीबी अब विशेष रूप से आंध्र प्रदेश में जबकि तेलंगाना ग्रामीण बैंक केवल तेलंगाना में सेवाएँ प्रदान करता है।

2. एसबीआई प्रायोजित आरआरबी में आईटी और परिचालन संबंधी प्रगति

- जनसुरक्षा पोर्टल: आठ प्रायोजित क्षेत्र.ग्रा.बैं. - ते.ग्रा.बैं., झा.रा.ग्रा.बैं., छ.रा.ग्रा.बैं., मिजो ग्रा.बैं., मेघालय ग्रा.बैं., इलाकाई देहाती बैंक, एनआरबी

और उत्तराखंड ग्रा.बैं. को इसमें शामिल किया गया, जिससे ये 8 देश भर में ऐसा करने वाले 43 आरआरबी में से पहले बन गए।

- मोबाइल बैंकिंग का विस्तार: उत्कल ग्रा.बैं. और मध्यांचल ग्रा.बैं. ने मोबाइल बैंकिंग की शुरुआत की, जिससे 14 में से 12 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक इस सेवा की पेशकश कर रहे हैं। प्रणाली, मोबाइल बैंकिंग सेवाओं वाले आरआरबी में सिम बाइंडिंग समाधान, भारत आधार सीडिंग इनेबलर (बेस), संपर्क रहित डेबिट कार्ड और धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन सुविधाएं आरआरबी में लाइव कर दी गईं।

साइबर सुरक्षा संवर्धन

- सभी आरआरबी में एक्टिव डायरेक्ट्री (एडी) सेवाओं को मजबूत करके आरआरबी की सुरक्षा स्थिति को भी बढ़ाया गया है, हमारे आरआरबी के सी-एज टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एप्लीकेशन सर्विस प्रोवाइडर) द्वारा प्रदान किए गए प्रॉक्सी

समाधान के माध्यम से आरआरबी की सभी एडी-सक्षम शाखाओं में इंटरनेट एक्सेस की अनुमति दी गई है और हमारे सभी प्रायोजित आरआरबी में ओ365 मेलिंग समाधान सक्षम किया गया है। आरआरबी की सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने के लिए नेटवर्क एक्सेस कंट्रोल (एनएसी) का भी कार्यान्वयन किया जा रहा है।

मानकीकरण और अभिशासन:

- सभी प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में एक समान बोर्ड नीतियां लागू की गईं।
- आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली में सुधार प्रक्रिया चल रही है, जिसमें मानकीकृत लेखापरीक्षा मापदण्ड और जोखिम-केंद्रित आंतरिकलेखापरीक्षा (आरएफआईए) प्रक्रिया का स्वचालन शामिल है।

सहयोगी

क्र.	सहयोगी का नाम (आरआरबी)	निगमन	समूह की हिस्सेदारी (%)	
			चालू वर्ष (2024-25)	पिछला वर्ष (2023-24)
1	आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक	भारत	35%	35%
2	अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक	भारत	35%	35%
3	छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक	भारत	35%	35%
4	एलाक्काई देहाती बैंक	भारत	35%	35%
5	झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक	भारत	35%	35%
6	मध्यांचल ग्रामीण बैंक	भारत	35%	35%
7	मेघालय ग्रामीण बैंक	भारत	35%	35%
8	मिजोरम ग्रामीण बैंक	भारत	35%	35%
9	नागालैंड ग्रामीण बैंक	भारत	35%	35%
10	राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक	भारत	35%	35%
11	सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक	भारत	35%	35%
12	तेलंगाना ग्रामीण बैंक	भारत	35%	35%
13	उत्कल ग्रामीण बैंक	भारत	35%	35%
14	उत्तराखंड ग्रामीण बैंक	भारत	35%	35%

अनुषंगी

एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईसीएपीएस)

(राशि ₹ करोड़ में)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का %	31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए शुद्ध लाभ (घाटा)
एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड.	58.03	100%	590.70
एसबीआईकैप सिक्क्योरिटीज लिमिटेड (एसएसएल)	100%	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स	595.00
एसबीआईकैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एसटीसीएल)	लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी		36.49

1986 में गठित एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईसीएपीएस) भारत के अग्रणी घरेलू निवेश बैंकों में से एक है और सेबी के साथ श्रेणी I मर्चेन्ट बैंकर और अनुसंधान विश्लेषक के रूप में पंजीकृत है। एसबीआईसीएपीएस अपने ग्राहकों को निवेश बैंकिंग और कॉर्पोरेट सलाहकार सेवाओं का पूरा गुलदस्ता प्रदान करता है। इन सेवाओं में प्रोजेक्ट एडवाइजरी, लोन सिंडिकेशन, स्ट्रक्चर्ड डेट प्लेसमेंट, विलय और अधिग्रहण, प्राइवेट इक्विटी, रीस्ट्रक्चरिंग एडवाइजरी, स्ट्रेट्स एसेट्स रेजोल्यूशन, आईपीओ, एफपीओ, राइट्स इश्यू, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट, डेट और हाइब्रिड कैपिटल जुटाना शामिल हैं। एसबीआईसीएपीएस सरकार की एसेट मोनेटाइजेशन योजना के अनुरूप रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरईआईटी) और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनवित) जैसे नए उत्पादों के माध्यम से फंड जुटाने में भी शामिल है। मुंबई में मुख्यालय वाली एसबीआईकैप्स के भारत भर में 6 क्षेत्रीय कार्यालय हैं (अहमदाबाद, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, नई दिल्ली और बेंगलुरु), अबू धाबी ग्लोबल मार्केट में एक कार्यालय और 2 पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियां - एसबीआईकैप सिक्क्योरिटीज लिमिटेड और एसबीआईकैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड।

- मैन्डेटेड लीड अरेंजर (इंडिया बॉरोअर लोकल करेंसी लोन) के लिए 58.98% (अप्रैल'24-मार्च'25) की बाजार हिस्सेदारी के साथ नंबर 1 स्थान पर। (स्रोत ब्लूमबर्ग)।
- मैन्डेटेड लीड अरेंजर (इंडिया बॉरोअर ऑल करेंसी लोन) के लिए 28.65% (अप्रैल'24-मार्च'25) की बाजार हिस्सेदारी के साथ नंबर 1 स्थान पर। (स्रोत ब्लूमबर्ग)।

- डेट कैपिटल मार्केट्स डोमेस्टिक लीग टेबल (स्रोत ब्लूमबर्ग) में 11.87% (अप्रैल'24-मार्च'25) की बाजार हिस्सेदारी के साथ नंबर 2 स्थान पर।

- 01 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 के बीच किए गए इश्यू के लिए ईसीएम लीग टेबल (इश्यू राशि और सौदों की संख्या के अनुसार) में नंबर 5 स्थान पर (स्रोत: प्राइम डेटाबेस, जिसमें आईपीओ, व्यूआईपी, एफपीओ, ओएफएस, इनविट्स/आरईआईटी और राइट्स इश्यू शामिल हैं)

इस अवधि के दौरान, कंपनी कई प्रमुख लेन-देन में शामिल रही है, जिनमें से कुछ नीचे सूचीबद्ध हैं:

- एमएसआईडीसी के लिए एकमात्र वित्तीय सलाहकार और अधिदेशित लीड अरेंजर, 'सुधारित हाइब्रिड एन्युटी प्रोजेक्ट' के तहत महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में 3,517 किलोमीटर के ब्राउनफील्ड विकास के लिए समग्र अवधि ऋण सुविधाओं का सिंडिकेटिंग।
- एमएसआरडीसी के लिए एकमात्र वित्तीय सलाहकार और अधिदेशित लीड अरेंजर, ग्रीनफील्ड पुणे रिंग रोड परियोजनाओं के निर्माण के लिए समग्र अवधि ऋण सुविधाओं का सिंडिकेटिंग।
- भूतान के पहले हाइड्रोपावर रिसेवेबल्स ग्रीन सिक्क्योरिटाइजेशन लोन की संरचना के लिए ड्रक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए सलाहकार।
- ग्रीनफील्ड एमएसआरडीसी जालना नॉर्द्रेड एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए वित्तीय सलाहकार और ऋण व्यवस्थाकर्ता
- बजाज हाउसिंग फाइनेंस (इश्यू साइज - ₹6,560 करोड़), आधार हाउसिंग फाइनेंस (इश्यू साइज - ₹3,000 करोड़), ओला इलेक्ट्रिक (इश्यू साइज

- ₹6,145 करोड़), एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर (इश्यू साइज - ₹5,430 करोड़), वारी एनर्जीज (इश्यू साइज - ₹4,321 करोड़), बंसल वायर्स (इश्यू साइज - ₹650 करोड़), डी डेवलपमेंट इंजीनियरिंग (इश्यू साइज - ₹525 करोड़), इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (इश्यू साइज - ₹4,225 करोड़), मोबिक्रिक (इश्यू साइज - ₹572 करोड़) का आईपीओ ऑफरिंग

- अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस का व्यूआईपी (इश्यू साइज 8,000 करोड़), केपीआई ग्रीन एनर्जी (इश्यू साइज 1,000 करोड़), मिसेज बेवर्ट्स फूड स्पेशलिटीज (400 करोड़), अदानी एंटरप्राइजेज (इश्यू साइज - ₹4,200 करोड़), पीएसपी प्रोजेक्ट्स (इश्यू साइज - ₹244 करोड़) और हिम्मतसिंगका साइड (₹400 करोड़)
- अदानी विल्मर की बिक्री का प्रस्ताव (इश्यू साइज - ₹4,850 करोड़)
- कोहलबर्ग क्राविस रॉबर्ट्स (केकेआर) द्वारा लगभग ₹1,800 करोड़ की राशि के लिए बिक्री का प्रस्ताव, जो इंडीग्रिड ट्रस्ट (पूर्ववर्ती इंडिया ग्रिड ट्रस्ट) में यूनिट कैपिटल का 17.32% है
- इंडीग्रिड ट्रस्ट (पूर्ववर्ती इंडिया ग्रिड ट्रस्ट) के लिए 695 करोड़ की राशि के लिए इकाइयों का अधिमानी निर्गम
- नैबफिड द्वारा कुल ₹8,910 करोड़ के एनसीडी निर्गम के लिए सलाहकार और व्यवस्थाकर्ता

पुरस्कार और मान्यता

कंपनी ने निम्नलिखित श्रेणियों के लिए 2024 में आईजे ग्लोबल - एपीएसी पुरस्कार जीता है:

- वर्ष का परिवहन सौदा, एपीएसी - पुणे रिंग रोड
- बाजार प्रभाव पुरस्कार, एपीएसी - ड्रक ग्रीन का ताला हाइड्रोपावर
- वर्ष का तेल और गैस सौदा - पेटकेम श्रेणी - मुंद्रा पेट्रोकेम एसबीआई कैप्स ने पिछले वर्ष के ₹1336.31 करोड़ की तुलना में विव2025 के लिए ₹590.70 करोड़ का पीएटी हासिल किया है। पिछले वित्तीय वर्ष के लाभ में एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड और एसबीआई वेंचर्स लिमिटेड में निवेश की बिक्री के कारण 871.07 करोड़ का एकमुश्त असाधारण लाभ शामिल है।

एसबीआईकैप सिक्वोरिटीज लिमिटेड (एसएसएल)

एसएसएल, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जिसने खुदरा ग्राहकों को प्राथमिक और द्वितीयक पूंजी बाजार तक पहुंच प्रदान करने के लिए 2006 में परिचालन शुरू किया और भारतीय स्टेट बैंक समूह की ब्रोकिंग शाखा बन गई। एसएसएल को नकद और वायदा एवं ऑप्शन खंडों में ग्राहकों को व्यापक इक्विटी ब्रोकिंग सेवाएं प्रदान करने में विशेषज्ञता है। एसएसएल को म्यूचुअल फंड, टैक्स फ्री बॉन्ड, होम लोन, ऑटो लोन, एजुकेशन लोन आदि सहित विभिन्न वित्तीय उत्पादों की बिक्री और वितरण में भी सक्रिय रूप से शामिल है। यह विविध दृष्टिकोण एसएसएल को अपने ग्राहकों की विभिन्न निवेश और वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में सक्षम बनाता है, जिससे उन्हें विकल्पों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान की जाती है।

रिटेल ट्रेडिंग में, एसएसएल की बाजार हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2024 में 1.04% से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 1.20% हो गई है। मार्जिन फंडिंग उत्पाद में, बुक साइज पिछले वर्ष के 4.82% की तुलना में वित्त वर्ष 2025 में 5.11% हो गया है। डेरिवेटिव सेगमेंट में, बाजार हिस्सेदारी पिछले वर्ष के 0.28% की तुलना में वित्त वर्ष 2025 में 0.33% हो गई है। वित्त वर्ष 2025 के दौरान, एसएसएल ने 13.15 लाख डीमैट खाते हासिल किए हैं, जिनमें रिटेल बेस से 13.09 लाख, 1,324

एनआरआई खाते (सालाना आधार पर 693% की वृद्धि) और 4,127 वेल्थ खाते (सालाना आधार पर 729% की वृद्धि) शामिल हैं। 31 मार्च, 2025 तक, कुल खाता आधार 57.70 लाख है, जबकि 31 मार्च, 2024 तक यह 48.34 लाख था।

खुदरा आस्तियों में, एसएसएल एसबीआई की कैपिटल सोर्सिंग शाखा होने के नाते, बैंक के समग्र गृह ऋण और ऑटो ऋण खंड में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कंपनी के पास अपने ग्राहकों की सेवा करने के लिए गृह ऋण के लिए 450 से अधिक स्थानों और ऑटो ऋण के लिए पूरे भारत में 710 से अधिक स्थानों पर भौगोलिक उपस्थिति हैं। बैंक के लिए खुदरा आस्ति (गृह ऋण और ऑटो ऋण) व्यवसाय (वितरित राशि) वित्त वर्ष 2025 में 23% बढ़कर ₹1,30,758 करोड़ हो गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में ₹1,06,317 करोड़ थी।

कंपनी ने कई उत्पाद संवर्द्धन शुरू किए हैं, जैसे कि ट्रेडिंग के लिए नए सेगमेंट के रूप में बीएसई डेरिवेटिव्स को जोड़ना, म्यूचुअल फंड निवेश के लिए सीबीएस का एकीकरण, चार्ट या ऑप्शन चेन से सीधे ट्रेडों का निर्बाध निष्पादन, वांछित मूल्य पर बड़े एफएंडओ ऑर्डरों का कई छोटे ऑर्डरों में स्वचालित विभाजन, जिससे ट्रेडिंग प्रक्रिया तेज और अधिक कुशल हो गई है।

थर्ड पार्टी प्रोडक्ट ऑफरिंग में वृद्धि

- **पिरिमिड से एफएनओ एक्टिवेशन**– सीधे बैंक स्टेटमेंट प्राप्त करके सेगमेंट को एक्टिवेट करना, जिससे मैनुअल अपलोड की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।
- **नया निवेश अनुभाग**– नया निवेश अनुभाग, एक सरल और सहज निवेश अनुभव प्रदान करने का लक्ष्य रखता है जो विभिन्न निवेश आवश्यकताओं और लक्ष्यों को पूरा करेगा
- **स्मॉलकेस**– एक क्लिक में स्टॉक के क्यूरेटेड पोर्टफोलियो में निवेश करें, जो व्यापक बाजार ज्ञान की आवश्यकता के बिना पेशेवर प्रबंधन और शोध प्रदान करता है।
- **नया डिजिटल ऑनबोर्डिंग (डीआईवाई पीडब्ल्यूए)**– प्रगतिशील वेब ऐप (पीडब्ल्यूए) के साथ ग्राहक डिजिटल ऑनबोर्डिंग यात्रा को बढ़ाना जो प्लेटफॉर्म-विशिष्ट ऐप अनुभव प्रदान करता है

एसएसएल ने पिछले वर्ष ₹1805.88 करोड़ की तुलना में विव2025 के लिए ₹2329.01 करोड़ की सकल आय प्राप्त की है, जिसमें 28.97% की वार्षिक वृद्धि हुई है। एसएसएल ने पिछले वर्ष ₹453.00 करोड़ की तुलना में विव2025 के लिए ₹595.00 करोड़ का पीएटी दर्ज किया।

एसबीआईकैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एसटीसीएल)

एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एसटीसीएल ने 1 अगस्त 2008 से सिक्वोरिटी ट्रस्टी व्यवसाय का संचालन शुरू किया। इसकी अखिल भारतीय उपस्थिति है और यह मुंबई से संचालित होती है, जिसकी छह शाखाएं नई दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता में स्थित हैं।

एसटीसीएल कॉर्पोरेट और प्रोजेक्ट फाइनेंस लोन के लिए ऋणदाताओं के लिए सुरक्षा ट्रस्टी के रूप में कार्य करता है और कॉर्पोरेट, बैंक, पीएसयू और नगर निगमों द्वारा जारी किए गए डिबेंचर/बॉन्ड के लिए डिबेंचर ट्रस्टी की भूमिका निभाता है। एसटीसीएल अन्य संबंधित सेवाएं भी प्रदान करता है जैसे शेयर प्लेज ट्रस्टी, एस्क्रो ट्रस्टी, एआईएफ ट्रस्टी, ईएसओपी ट्रस्टी, वर्चुअल डेटा रूम (वीडीआर) आदि।

एसटीसीएल ने वित्त वर्ष 2025 के लिए ₹69.17 करोड़ की सकल आय और ₹36.49 करोड़ का पीएटी दर्ज किया है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के लिए ₹60.79 करोड़ की सकल आय और ₹29.95 करोड़ का पीएटी था।

एसबीआई वेंचर्स लिमिटेड (एसवीएल)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	(राशि ₹ करोड़ में)
			31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए शुद्ध लाभ (घाटा)
एसबीआई वेंचर्स लिमिटेड	603.78	100%	41.76

एसवीएल, वैकल्पिक निवेश क्षेत्र में एसबीआई की एक प्रमुख वैकल्पिक आस्ति प्रबंधन सहायक कंपनी वर्तमान में नीव फंड- I, नीव II (एसवीएलएसएमई) फंड और स्वामिह इन्वेस्टमेंट फंड I (स्वामिह) का प्रबंधन करती है। कंपनी तीन फंड्स ऑफ फंड्स: आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड, यूके इंडिया डेवलपमेंट कोऑपरेशन फंड (यूकेआईडीसीएफ) और त्रिपक्षीय विकास सहकारी फंड (टीडीसीएफ) के लिए निवेश प्रबंधक भी है।

नीव I सेबी पंजीकृत श्रेणी I एआईएफ है जिसमें आठ कम आय वाले राज्यों के बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश करने का जनादेश है। एसवीएल 31 मार्च, 2025 तक ₹15.54 करोड़ के शुद्ध निवेश के साथ फंड में एक जनरल पार्टनर है। फंड ने दस (10) पोर्टफोलियो कंपनियों में ₹450.10 करोड़ के अपने निवेश योग्य कोष का पूरी तरह से निवेश किया है, जिनमें से पांच (05) पूरी तरह से बाहर निकल गए हैं और तीन (03) आंशिक रूप से मार्च 31, 2025 तक बाहर निकल गए हैं।

नीव II (एसवीएल-एसएमई) फंड सेबी पंजीकृत श्रेणी I एआईएफ है जिसका अंतिम समापन मार्च 2024 में हुआ था। फंड कॉर्पस ₹1,004 करोड़ है। फंड ने सात (07) निवेशों में ₹706 करोड़ की प्रतिबद्धता की है और 31 मार्च, 2025 तक ₹666 करोड़ की वास्तविक कुल प्रतिबद्धता की है।

स्वामिह एक सेबी पंजीकृत श्रेणी - II एआईएफ का अंतिम समापन 06 दिसंबर, 2022 को भारत सरकार के प्रायोजक के रूप में ₹15,531 करोड़ था। इसमें किफायती आवास/मध्यम आय श्रेणी में रुकी हुई आवास परियोजनाओं को अंतिम छोर तक वित्त पोषण प्रदान करने का जनादेश है। फंड ने ₹8,557 करोड़ का वितरण किया है, जहां 127 परियोजनाओं में ₹12,842 करोड़ की प्रतिबद्ध राशि है। फंड ने 31 मार्च, 2025 तक 40 पूर्ण निकास और 44 आंशिक निकास के माध्यम से निवेशकों को ₹3,372.40 करोड़ वापस लौटाए हैं।

यूकेआईडीसीएफ फंड, एक सेबी पंजीकृत श्रेणी - II एआईएफ का पहला बंद जून 2021 में ₹253 करोड़ था और बाद में अक्टूबर 2024 में अतिरिक्त ₹2,003 करोड़ के लिए बंद हुआ। फंड ने ₹329 करोड़ के तीन पहचाने गए डाउनस्ट्रीम फंडों में प्रतिबद्धता दी है और मार्च 2025 तक ₹124 करोड़ का निवेश किया है।

SRI फंड की स्थापना अक्टूबर 2021 में राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) द्वारा एमएसएमई मंत्रालय की ओर से ₹10,006 करोड़ के कोष के साथ की गई है। ₹7,770 करोड़ की राशि के डॉटर फंड में 68 निवेशों के लिए अंतिम मंजूरी दी गई है। फंड का डॉटर फंड में 63 निवेशों के लिए ₹7,350 करोड़ की प्रतिबद्धता है।

टीडीसी फंड सेबी पंजीकृत श्रेणी II एआईएफ है जिसमें ₹300 करोड़ के ग्रीनशू विकल्प के साथ ₹700 करोड़ का कॉर्पस है। फंड ने मार्च 2024 में ₹199 करोड़ में अपना पहला क्लोज पूरा कर लिया है। टीडीसी के लिए योगदान समझौते पर 27 फरवरी, 2024 को एमईए और एसवीएल के साथ हस्ताक्षर किए गए थे।

एसवीएल ने वित्त वर्ष 2025 के लिए ₹123.52 करोड़ का सकल राजस्व और ₹41.76 करोड़ का पैट अर्जित किया है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष के लिए आय ₹127.13 करोड़ और ₹43.17 करोड़ का पैट अर्जित किया है।

एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड (एसबीआईसीपीएसएल)

(राशि ₹ करोड़ में)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए शुद्ध लाभ (घाटा)
एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड	652.63	68.60%	1,916.41

एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड (एसबीआईसीपीएसएल/एसबीआई कार्ड्स) भारतीय स्टेट बैंक की अनुषंगी कंपनी है जिसकी सहायक कंपनी में 68.60% शेयरधारिता है। एसबीआई कार्ड एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है जो व्यक्तिगत कार्डधारकों और कॉर्पोरेट ग्राहकों को एक व्यापक क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो प्रदान करती है जिसमें जीवन शैली, रिवार्ड, यात्रा और ईंधन और बैंकिंग साझेदारी कार्ड के साथ-साथ कॉर्पोरेट कार्ड शामिल हैं जो आय प्रोफाइल और जीवन शैली के मामले में सभी प्रमुख कार्डधारकों के सेगमेंट को शामिल करते हैं। इसमें विविध ग्राहक अधिग्रहण चैनल हैं जो संभावित ग्राहकों को व्यापक स्पेक्ट्रम में संलग्न करने में सक्षम बनाते हैं।

प्रदर्शन हाइलाइट्स

- 31 मार्च, 2025 तक ₹2.08 करोड़ कार्ड के साथ दूसरा सबसे बड़ा क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता।
- बढ़ता पोर्टफोलियो: 10% वर्षानुवर्ष वृद्धि पर ₹2.08 करोड़ के कार्ड-इन-फोर्स, 1% वर्षानुवर्ष वृद्धि पर ₹333,480 करोड़ खर्च करता है, 10% वर्षानुवर्ष वृद्धि पर प्राप्य ₹55,840 करोड़।
- मार्केट शेयर: विव2025 के लिए कार्ड में #2 प्लेयर और खर्च में #3; लागू कार्ड @19.0% (विव2024-18.6%), खर्च @15.7% (विव2024-17.8%), लेनदेन @16.7% (विव2024 17.0%)

- लाभदायक संचालन: पैट ₹1,916 करोड़, आरओए 3.1% पर, आरओई 14.6% पर एसेट क्वालिटी: जीएनपीए 3.08%, एनएनपीए 1.46%, जीसीएल मार्च 24 के 7.2% की तुलना में मार्च 25 में 9.0% है।
- तरलता: उपलब्ध पर्याप्त बैंकिंग लिमिट के साथ विविध उधार मिश्रण। कार @22.9%, टी-1 @17.5%। एलसीआर @146%।

नए उत्पादों का शुभारंभ

- यात्रा क्रेडिट माइल्स क्रेडिट कार्ड
- सिंगापुर एयरलाइंस के साथ क्रिसपलायर एसबीआई कार्ड

डिजिटल पहल

- योनो व इंटरनेट बैंकिंग के साथ डिजिटल नए खातों के प्लेटफॉर्म एसपीआरआईएनटी का एकीकरण।
- फ्लेक्सी पे, सेगमेंटेड कैपेन (क्रॉसबॉर्डर) और माइलस्टोन (एलीट) जैसे तीन प्रमुख अभियानों के साथ हाइपर-पर्सनलाइजेशन फेज 1 (एमवीपी) का शुभारंभ जो कंपनी को ग्राहक विशिष्ट ऑफर भेजने में सक्षम बनाता है जो ग्राहक प्रोफाइल को देखते हुए सबसे उपयुक्त हैं।
- 10 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ता पंजीकरण के साथ डिजिटल चैनलों और व्हाट्सएप चैनल पर तत्काल लिमिट बढ़ाने के लिए ऑन डिमांड सीएलआई (क्रेडिट सीमा वृद्धि) कार्यक्रम का कार्यान्वयन

- कंपनी ने बेहतर टेल्को एकीकरण, ओटीपी के साथ ईपीएफओ, ओटीपी के साथ जीएसटी, ओटीपी के बिना जीएसटी, फॉर्म 26एस, आदि जैसे कई चैनलों के साथ एकीकरण करके एप्लिकेशन प्रोसेसिंग क्षमता और डिजिटल प्रोसेसिंग में बढ़ोतरी की है।

पुरस्कार एवं सम्मान

- रीडर्स डाइजैस्ट द्वारा सबसे भरोसेमंद ब्रांड 2024 के रूप में सम्मानित किया गया।
- अपने 25वें वर्षगांठ समारोह अभियान के लिए 'बेस्ट सिंगल कमर्शियल - बीएफएसआई' श्रेणी में e4m गोल्डन माइक'24 द्वारा कांस्य पुरस्कार से सम्मानित।
- एसबीआई कार्ड्स को मडिजिटल कस्टमर एक्सपीरियंस एंड एंगेजमेंट में सर्वश्रेष्ठ पहल - एनबीएफसी/एचएफसी/एमएफआई श्रेणी में ईटी बीएफएसआई एक्सेलर अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है।
- एसबीआई कार्ड ने अपने 25वें वर्षगांठ समारोह अभियान के लिए 'रेडियो के अभिनव उपयोग' श्रेणी में मीडिया एबिस'24 द्वारा रजत पुरस्कार अर्जित किया।
- एसबीआई कार्ड ने अपने रिटेल एक्टिवेशन प्रोग्राम के लिए RetailEX 2025 में सिल्वर अवार्ड जीता, जिसे मोस्ट इनोवेटिव रिटेल मॉडल श्रेणी के तहत मान्यता प्राप्त है।

कंपनी ने पिछले वित्तीय वर्ष में इसी अवधि के लिए ₹2,407.88 करोड़ की तुलना में विव2025 के लिए ₹1,916.41 करोड़ के कर (पीएटी) पश्चात लाभ की सूचना दी।

एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड

(राशि ₹ करोड़ में)

अनुपंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए शुद्ध लाभ (घाटा)
एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड	131.52	69.04%	330.86

एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड अखिल भारतीय उपस्थिति के साथ सबसे बड़े स्टैंडअलोन प्राथमिक डीलरों (पीडी) में से एक है। प्राथमिक डीलर (पीडी) के रूप में, कंपनी को प्राथमिक नीलामियों में बही निर्माण प्रक्रिया का समर्थन करने और जी-सेक में द्वितीयक बाजारों में गहराई और तरलता प्रदान करने के लिए अनिवार्य है। सरकारी प्रतिभूतियों के अलावा, यह मुद्रा बाजार उपकरणों, गैर-जी-सेक ऋण उपकरणों में भी काम करता है। पीडी के रूप में, इसकी व्यावसायिक गतिविधियां आरबीआई द्वारा विनियमित की जाती हैं।

एसबीआई समूह का कंपनी में 72.17% (एसबीआई-69.04%, एसबीआईकैप्स-3.13%) हिस्सेदारी है। बैलेंस शीट का कुल आकार 31 मार्च 2025 को ₹27,430 करोड़ था जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के लिए यह ₹23,262 करोड़ था।

प्रमुख पहल

- स्टेट एपेक्स बैंक, अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक, विभिन्न केंद्र यथा कोलकाता, जयपुर, बेंगलूरु, सिसी (हुबली),

हैदराबाद, भोपाल, मैसूरु, पुणे, कोयमबतूर तथा चेन्नई में नियत आय बाजार, एसटीआरआईपीएस, एसएलआर/गैर-एसएलआर में निवेश के अवसर, मनी मार्केट लिखत तथा प्रोडक्ट जानकारी के बारे में एक द्वितीय संगोष्ठी का आयोजन।

- अप्रैल, जुलाई, अगस्त और सितंबर 2024 में प्राथमिक डीलर व्यवसाय और संचालन, पर कॉलेज ऑफ सुपरवाइजर्स में आरबीआई अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया।

कंपनी ने पिछले वर्ष की इसी अवधि के लिए ₹180.44 करोड़ की तुलना में विव2025 के लिए ₹330.86 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया।

एसबीआई जनरल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

(राशि ₹ करोड़ में)

अनुपंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए शुद्ध लाभ (घाटा)
एसबीआई जनरल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	154.37	68.99%	508.76

एसबीआई जनरल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को 24 फरवरी, 2009 को एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी के रूप में शामिल किया गया था, जिसका उद्देश्य बाजार के बदलते रुझानों और ग्राहकों की अपेक्षाओं के साथ तालमेल रखते हुए विश्वसनीय और ग्राहक-केंद्रित बीमा समाधान प्रदान करना था। विव2025 में, कंपनी ने सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम (जीडीपी) में 10.64% की वृद्धि दर्ज की, जो ₹13,890 करोड़ की राशि है, जो उद्योग की 6.20% की वृद्धि दर को पार कर गई है। एसबीआई जनरल भारत में सभी सामान्य बीमाकर्ताओं में 10 वें स्थान पर है जबकि निजी बीमा कंपनियों में 6 वें स्थान पर है। एसबीआई जनरल ने विव2024 में अपनी निजी बाजार हिस्सेदारी 6.67% से बढ़ाकर विव2025 में 6.90% कर दी है, जबकि सभी कंपनियों के बीच, एसबीआई जनरल ने विव2024 में 4.33% के मुकाबले विव2025 में 4.52% की बाजार हिस्सेदारी हासिल की है। मोटर और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में, एसबीआई जनरल ने मोटर में 83 आधार अंक और स्वास्थ्य में 25 आधार अंकों की बाजार हिस्सेदारी हासिल की है।

145 से अधिक शाखाओं की राष्ट्रव्यापी उपस्थिति के साथ, एसबीआई जनरल ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बेस्ट-इन-क्लास कवरेज के साथ किफायती उत्पाद प्रदान करता है। इसके पास एसबीआई शाखा नेटवर्क द्वारा समर्थित वितरण शक्ति के साथ एक अच्छा उत्पाद सूट है जो पूरे भारत में मजबूत एजेंसी नेटवर्क के साथ ~52 करोड़ ग्राहकों की सेवा करता है।

इसके मजबूत बहु-वितरण मॉडल में बैंकएश्योरेंस, एजेंसी, ओईएम पार्टनरशिप, ब्रोकिंग, रिटेल डायरेक्ट चैनल और डिजिटल टाई-अप शामिल हैं, जो देश भर में व्यापक पहुंच सुनिश्चित करते हैं। कंपनी के व्यापक वितरण नेटवर्क में 47,000 से अधिक एजेंट और 600 से अधिक ब्रोकर शामिल हैं, जो दूरदराज के क्षेत्रों में भी बीमा उपलब्ध कराते हैं। इसके अलावा, कंपनी के 24 ओईएम टाई-अप निर्बाध मोटर बीमा सेवाएं प्रदान करते हैं। एसबीआई जनरल साझा सेवा केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण वितरण नेटवर्क में निजी कंपनियों के बीच नंबर एक कंपनी बन गया है।

एसबीआई जनरल के पास एक मजबूत इन-हाउस क्लेम टीम के साथ 17,000 से अधिक अस्पतालों का एक व्यापक नेटवर्क भी है, जिसके परिणामस्वरूप एसबीआई जनरल ने निजी खिलाड़ियों के बीच सबसे अच्छा दावा भुगतान अनुपात (स्वास्थ्य) प्रदान किया है।

विविध ग्राहक क्षेत्रों को पूरा करने के लिए, एसबीआई जनरल व्यापार की सभी लाइनों में एक व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जिसमें आरोग्य एडवांस्ड, सुपर हेल्थ, साइबर वॉलेंट एज (साइबर जोखिम कवरेज), पे-एज-यू-ड्राइव (मोटर बीमा), और वाणिज्यिक उत्पाद जैसे थ्योरिटी बॉन्ड और ज्वैलर्स ब्लॉक जैसे प्रमुख उत्पाद शामिल हैं। कंपनी फसल बीमा में भी एक प्रमुख खिलाड़ी है, जो इस श्रेणी में निजी बीमाकर्ताओं के बीच तीसरे स्थान पर है, और राष्ट्रव्यापी किसानों का समर्थन करना जारी रखती है। निजी बीमा कंपनियों में व्यक्तिगत दुर्घटना खंड में एसबीआई जनरल शीर्ष स्थान रखता है।

पुरस्कार एवं सम्मान

एसबीआई जनरल अपने 15 वर्षों के परिचालन में सामान्य बीमा क्षेत्र में एक टॉप-ऑफ-द-माइंड रिकॉल बनाने में सक्षम रहा है और निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त किए हैं:

- इंडोरेसएशिया न्यूज अवार्ड्स फॉर एक्सीलेंस 2024- कंट्री अवार्ड्स में बेस्ट जनरल इंडोरेस (इंडिया) के रूप में सम्मानित किया गया
- इंडोरेस एशिया अवार्ड्स 2023 सिंगापुर में 'टेक्नोलॉजी एक्सीलेंस इनिशिएटिव ऑफ द ईयर - इंडिया' के रूप में सम्मानित किया गया
- क्वांटिक में मार्टेक एक्सलेंस अवार्ड 2024 में 'सर्वश्रेष्ठ ब्रांड जागरूकता अभियान' के लिए सम्मानित किया गया (सामान्य बीमा)
- ईटी नाउ बीएफएसआई बेस्ट ब्रांड्स 2025 द्वारा 'बेस्ट ब्रांड 2024' में 'बेस्ट क्लेम मैनेजमेंट-इंडोरेस एंड बेस्ट सीएसआर कैपेन ऑफ द ईयर इंडोरेस'
- इस वर्ष टोयोटा प्रोटेक्ट प्रोग्राम में स्पाइस अवार्ड जीता, जिसमें कार्यक्रम के तहत 20% की उच्चतम बाजार हिस्सेदारी है।
- एमडी और सीईओ, एसबीआई जनरल को भारत का सबसे प्रभावशाली सीईओ, 2024 पुरस्कार मिला- टाइम्स नाउ
- 25वें एशियाई व्यापार और सामाजिक मंच पर इंडियाज फास्टेस्ट ग्रोइंग ब्रांड्स 2025 से सम्मानित किया गया।
- एसबीआई जनरल इंडोरेस को बीडब्ल्यू बिजनेसवर्ल्ड भारत की सबसे सम्मानित कंपनियों में सूचीबद्ध किया गया था

कंपनी ने पिछले वर्ष की इसी अवधि के लिए ₹239.84 करोड़ की तुलना में विव2025 के लिए ₹508.76 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया।

एसबीआई फैक्टर्स लिमिटेड (एसबीआई फैक्टर्स)

अनुपंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	(राशि ₹ करोड़ में)
			31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए शुद्ध लाभ (घाटा)
एसबीआई फैक्टर्स लिमिटेड	159.89	100%	57.02

एसबीआई फैक्टर्स लिमिटेड (पूर्ववर्ती एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड) एक अग्रणी एनबीएफसी है जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए फैक्ट्रिंग सेवाएं प्रदान करती है। यह भारतीय स्टेट बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित है। 26 फरवरी, 2025 को कंपनी का नाम बदलकर एसबीआई फैक्टर्स लिमिटेड कर दिया गया।

कंपनी की सेवाएं एमएसएमई क्षेत्र के ग्राहकों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त हैं ताकि वे बही ऋणों में फंसे संसाधनों को मुक्त कर सकें और उन्हें आवश्यक तरलता प्रदान कर सकें। फैक्टर्स चेन इंटरनेशनल (एफसीआई) की अपनी सदस्यता के आधार पर, एसबीआईजीएफएल एफसीआई के 2-कारक मॉडल के तहत निर्यात प्रारितियों से क्रेडिट जोखिम को कम करने में सक्षम

है। डिजिटलीकरण की पहल के तहत कंपनी ने 21 लाख रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण पूरा कर लिया है और डिजिटल दस्तावेज निष्पादन और ई-स्टॉपिंग को लागू किया है। कंपनी ने फिनटेक और एनबीएफसी के साथ टाई-अप, बिक्री गतिविधि ट्रैकिंग और वर्कफ्लो आदि का स्वचालन जैसी विभिन्न व्यावसायिक पहलें की हैं।

कंपनी ने पिछले वर्ष की इसी अवधि के लिए ₹44.47 करोड़ की तुलना में विव2025 के लिए ₹57.02 करोड़ का शुद्ध लाभ पोस्ट किया।

एसबीआई लाइफ इंडोरेस कंपनी लिमिटेड

अनुपंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	(राशि ₹ करोड़ में)
			31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए शुद्ध लाभ (घाटा)
एसबीआई लाइफ इंडोरेस कंपनी लिमिटेड	555	55.38%	2,413.30

एसबीआई लाइफ के पास एक मल्टी-चैनल वितरण नेटवर्क है, जिसमें भारत में सबसे बड़ा बैंकइंडोरेस पार्टनर स्टेट बैंक, 31 मार्च, 2025 तक 240,304 एजेंटों वाला एक बड़ा और उत्पादक व्यक्तिगत एजेंट नेटवर्क शामिल है, साथ ही कॉर्पोरेट एजेंटों, दलालों, बीमा विपणन फर्मों और अन्य मध्यस्थों के माध्यम से प्रत्यक्ष बिक्री और बिक्री सहित अन्य वितरण चैनल शामिल हैं।

31 मार्च, 2025 को समाप्त अवधि के दौरान, कंपनी ग्राहक-केंद्रित लोकाचार और अद्वितीय बिक्री टीम के साथ भारत के जीवन बीमा परिदृश्य में सबसे आगे खड़ी थी, जिसने गुणवत्ता के साथ-साथ मात्रा को बनाए रखा और एक मजबूत बाजार स्थिति स्थापित की। कंपनी ने निजी बीमा कंपनियों के बीच व्यक्तिगत नए व्यवसाय प्रीमियम, व्यक्तिगत रेटेड प्रीमियम, कुल रेटेड प्रीमियम और कुल नए व्यवसाय प्रीमियम में नंबर एक की स्थिति के साथ अपने बाजार नेतृत्व को साबित किया है।

31 मार्च, 2025 तक, कंपनी ने सभी निजी खिलाड़ियों के बीच व्यक्तिगत नए व्यवसाय प्रीमियम (एनबीपी) में 25.3%, व्यक्तिगत रेटेड प्रीमियम में 22.08% और कुल नए व्यवसाय प्रीमियम (NBP) में 20.8% की बाजार हिस्सेदारी हासिल की है। कंपनी के लिए व्यक्तिगत नया बिजनेस प्रीमियम ₹26,360 करोड़ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11% की वृद्धि दर्शाता है और 31 मार्च, 2025 को समाप्त अवधि के लिए कुल नया बिजनेस प्रीमियम ₹35,577 करोड़ है।

कंपनी जारी की गई पॉलिसियों की संख्या में निजी कंपनियों के बीच नेतृत्व की स्थिति को बनाए रखना जारी रखती है, जो भौगोलिक क्षेत्रों में जीवन बीमाकर्ता के रूप में इसके बड़े पैमाने पर कवरेज और मजबूत बाजार स्वीकृति को दर्शाती है।

31 मार्च, 2025 को समाप्त अवधि के दौरान, 22.03 लाख से अधिक नई व्यक्तिगत पॉलिसियां जारी की गईं।

कंपनी के एयूएम ने 4 ट्रिलियन का आंकड़ा पार कर लिया और पिछले वर्ष के ₹3,88,923 करोड़ की तुलना में 31 मार्च, 2025 को ₹4,48,039 करोड़ पर 15% की वृद्धि दर्ज की। विव2025 के लिए, कंपनी का भारतीय एम्बेडेड वैल्यू (आईईवी) 21% की वृद्धि के साथ ₹70,250 करोड़ है और नए बिजनेस का मूल्य (वीओएनबी) 7% की वृद्धि के साथ ₹5,954 करोड़ है। वीओएनबी मार्जिन 27.8% रहा। सॉल्वेंसी अनुपात 31 मार्च, 2025 को 1.50 की नियामक आवश्यकता की तुलना में स्वस्थ 1.96 था, जो कंपनी की मजबूत वित्तीय स्थिति को दर्शाता है।

प्रमुख पहल

- कंपनी ने अपने ग्राहकों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने और अपनी बाजार उपस्थिति बढ़ाने के लिए चाइल्ड प्लान- स्मार्ट प्लेटिना यंग अचीवर, स्मार्ट फ्यूचर स्टार और स्मार्ट स्कॉलर प्लस, वेल्थ क्रिएशन प्लान्स- ईवेल्थ प्लस, स्मार्ट एलीट प्लस, स्मार्ट फॉर्च्यून बिल्डर और स्मार्ट प्रिविलेज प्लस, प्रोटेक्शन प्लान्स- ईशील्ड इंस्टा प्लान, स्मार्ट शील्ड प्रीमियर और स्मार्ट स्वाधन नियोज, स्मार्ट प्लेटिना सुप्रीम सेविंग्स प्लान्स, स्मार्ट बचत प्लस और रिटायरमेंट प्लान जैसे विभिन्न नए उत्पादों को जोड़ा है।
- कंपनी ने इंडसइंड बैंक, एनएसडीएल पेमेंट्स बैंक, हिमाचल प्रदेश एससीबी, आंध्र प्रदेश एससीबी, और कैपरी ऋण के साथ गठ-जोड़ करके अपने वितरण नेटवर्क का विस्तार किया।
- कंपनी ने एर्जेसी 2.0 लांच किया जिससे एजेंट ऐक्टिवेशन, एर्जेसी चैनल उत्पादकता, नए एजेंटों को जोड़ना और एजेंटों के बीच बेहतर समन्वय में महत्वपूर्ण सुधार हुआ।

पुरस्कार और मान्यताएं

- एसबीआई लाइफ ने उदयन एनजीओ के सहयोग से पश्चिम बंगाल में कुष्ठरोग प्रभावित परिवारों के लिए 'इंडिया सीएसआर लीडरशिप अवार्ड 2024-लार्ज इम्पैक्ट' जीता।

- पिच बीएफएसआई मार्केटिंग अवार्ड्स 2024 द्वारा सबसे प्रभावी 360 डिग्री मार्केटिंग अभियान के रूप में सम्मानित
- 10 वें 'इंटरनेशनल बेस्ट प्रैक्टिज' प्रतियोगिता 2024 में 'कस्टमर एंड मार्केट फोकस' श्रेणी में ग्राहक केंद्रितता की ओर सत्यापन प्रक्रिया के डिजिटलीकरण के लिए सम्मानित
- एसबीआई लाइफ को डन एंड ब्रैडस्ट्रीट द्वारा आयोजित भारत के शीर्ष 500 वैल्यू क्रिएटर्स 2024 में मान्यता दी गई है।
- ईटी नाउ इश्योरेंस समिट एंड अवार्ड्स 2024 के 11वें संस्करण में 'स्मार्ट इश्योरेंस' और 'मिलनसार बीमाकर्ता' के रूप में सम्मानित किया गया
- एसबीआई लाइफ को उभरती प्रौद्योगिकी के सुनियोजित एकीकरण द्वारा एजेंट ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया की पुनर्रचना और परिवर्तन के लिए 'ऑनबोर्डएक्स' आईएमसी आरबीएनक्यूए एमक्यूएच बेस्ट प्रैक्टिसेज अवार्ड जीता
- एसबीआई लाइफ को प्रतिष्ठित मिट बीएफएसआई समिट 2025 में सर्वश्रेष्ठ जीवन बीमा - बड़ी श्रेणी

के रूप में मान्यता दी गई थी, और यह पुरस्कार एसबीआई लाइफ इश्योरेंस के अध्यक्ष और सीडीओ श्री एम आनंद द्वारा प्राप्त किया गया था।

- एसबीआई लाइफ ने आईसीसी इमर्जिंग एशिया कॉन्क्लेव एंड अवार्ड्स 2025 में सर्वश्रेष्ठ जीवन बीमा कंपनी - भारत जीता है।
- एसबीआई लाइफ को आईसीसी इमर्जिंग एशिया कॉन्क्लेव एंड अवार्ड्स 2025 में सर्वश्रेष्ठ जोखिम प्रबंधन रणनीति - भारत से पुरस्कृत किया गया है।
- एसबीआई लाइफ ने डेटा एनालिटिक्स और एआई शो 2025 के दूसरे संस्करण में सर्वश्रेष्ठ एआई-पावर्ड कन्वर्सेशनल एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म पुरस्कार जीता।

वित्त वर्ष 2025 के लिए कंपनी की निवल संपत्ति पिछले वर्ष की इसी अवधि के लिए रु 14,906/- करोड़ की तुलना में 14% वर्षानुवर्ष की वृद्धि के साथ ₹16,981 करोड़ हो गई, एसबीआई लाइफ ने विव2024 में ₹1,893.78 करोड़ के मुकाबले विव2025 में ₹2,413.30 करोड़ का पीएटी 27.43% की वर्षानुवर्ष वृद्धि हासिल किया।



एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एसबीआईएमएफएल)

(राशि ₹ करोड़ में)

अनुपंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए शुद्ध लाभ (घाटा)
एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड.	18.90 Cr	61.98%	2531.46
एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्रा. लिमिटेड।	0.10 Cr	100.00%	1.26
एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड	0.10 Cr	100.00%	0.46
एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्राइवेट लिमिटेड	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड की 100% सहायक कंपनी		7.23
एसबीआई फंड्स इंटरनेशनल (आईएफएससी) लिमिटेड			(3.18)

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड, जो कि एसबीआई म्यूचुअल फंडकी एसेट मैनेजमेंट कंपनी है, सबसे तेजी से बढ़ने वाली एमसीयों में से एक है जिसका वर्ष के दौरान औसत एयूएम (एयूएम) में ₹1.58 लाख करोड़ से अधिक की पूर्ण वृद्धि हुई है। यह एमसी वित्त वर्ष 2020 की चौथी तिमाही से मार्केट लीडर रहा है, जिसके एयूएम 31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार रु 10,72,949 करोड़ और 15.91% की बाजार हिस्सेदारी है जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 16.89% की बाजार हिस्सेदारी के साथ ₹914,365 करोड़ के एयूएम रहा है।

एसबीआई एफएमएल के पास मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में लगभग 62.56 लाख नए निवेशक फोलियो के साथ 189.48 लाख निवेशक फोलियो का सबसे बड़ा निवेशक आधार है। फंड हाउस में 58.70 लाख प्रत्यक्ष लाइव निवेशक और 3.47 लाख से अधिक संस्थागत निवेशक हैं। एसबीआई एफएमएल ने 39.40% की बाजार हिस्सेदारी के साथ देश में ईटीएफ प्रबंधक के रूप में अपनी शीर्ष नेतृत्व की स्थिति बनाए रखी है।

कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली विदेशी सहायक कंपनी अर्थात एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्राइवेट

लिमिटेड है, जो मॉरीशस में स्थित है और विदेशी निधियों का प्रबंधन करती है। एसबीआई एफएमएल पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाएं (पीएमएस) भी प्रदान करता है और वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) का प्रबंधन करता है। कंपनी ने 07.02.2024 को एसबीआई फंड्स इंटरनेशनल (आईएफएससी) लिमिटेड नामक एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी को शामिल किया और गिफ्ट सिटी, गुजरात में पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं और निवेश प्रबंधन गतिविधियों/सलाहकार सेवाओं के उपक्रम के लिए 18.07.2024 से परिचालन शुरू किया। कंपनी ने एसबीआई एफएमएल (आईएफएससी शाखा), गुजरात के मौजूदा फंड प्रबंधन व्यवसाय का अधिग्रहण किया है।

एसबीआई एफएमएल ने विव2025 के लिए ₹2,531.46 करोड़ का पीएटी पोस्ट किया, जबकि पिछले वर्ष में इसी अवधि के दौरान ₹2,062.95 करोड़ अर्जित किया गया था।

एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआईपीएफपीएल)

(राशि ₹ करोड़ में)

अनुपंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए शुद्ध लाभ (घाटा)
एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड *	24	80%	71.71

* एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड कंपनी में 20% इक्विटी धारक है।

एसबीआईपीएफपीएल को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत पेंशन कॉर्पस का प्रबंधन करने के लिए पेंशन फंड मैनेजर (PFM) के रूप में नियुक्त किया गया है। एसबीआईपीएफपीएल केंद्र सरकार (सशस्त्र बलों को छोड़कर) और राज्य सरकार के कर्मचारियों और अटल पेंशन योजना, भारत में असंगठित क्षेत्र के लिए भारत सरकार द्वारा परिभाषित योजना के तहत पेंशन फंड के प्रबंधन के लिए पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA) द्वारा नियुक्त तीन PFM में से एक है।

कंपनी सभी पीएसयू बैंक कर्मचारियों के एनपीएस योगदान के लिए कॉर्पोरेट सीजी योजनाओं के लिए अनुमत 2 पीएफएम में से एक है। इसके अलावा, एसबीआईपीएफपीएल निजी क्षेत्र के तहत 10 अन्य एनपीएस योजनाओं का सक्रिय रूप से प्रबंधन कर रहा है। कंपनी एनपीएस ग्राहकों के विपणन और खाता खोलने के लिए 2019 से पीओपी (प्वाइंट ऑफ प्रेजेंस) के रूप में भी काम करती है। एसबीआईपीएफपीएल 01 अप्रैल, 2025 से एकीकृत पेंशन योजना के लिए डिफॉल्ट पीएफएम भी है।

मार्च 31, 2025 को कंपनी के मैनेजमेंट (एयूएम) के तहत कुल एसेट ₹5,14,753 करोड़ है। कंपनी 35.63% की बाजार हिस्सेदारी के साथ एयूएम के मामले में 11 पीएफएम के बीच नेतृत्व की स्थिति बनाए रखती है। कंपनी ने पीओपी वॉटिकल के तहत एनपीएस ग्राहकों के विपणन और ऑनबोर्डिंग के लिए अपने शाखा नेटवर्क को 19 (मार्च'24) से 31 (मार्च'25) तक सुधार दिया है।

कंपनी ने पिछले वित्तीय वर्ष 2024 में ₹62.76 करोड़ के मुकाबले विव2025 के लिए ₹71.71 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया है।

एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआई पेमेंट्स)

(राशि ₹ करोड़ में)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए शुद्ध लाभ (घाटा)
एसबीआई पेमेंट्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	4.50	74%	138.90

एसबीआई सर्वप्रथम सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है जिसने मर्चेट एक्वायरिंग बिजनेस के लिए एक विशेष संयुक्त उद्यम शुरू किया यथा एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड जिसकी कंपनी में 74% हिस्सेदारी है। कंपनी का उद्देश्य राष्ट्रव्यापी एक अत्याधुनिक स्वीकृति वातावरण का निर्माण करना है और व्यापारियों को विभिन्न फॉर्म कारकों में डिजिटल रूप से भुगतान स्वीकार करने में सक्षम बनाना है। एसबीआई पेमेंट्स भुगतान समाधानों का एक व्यापक सूट प्रदान करता है, जिसमें कार्ड, क्यूआर और योनो जैसे विभिन्न प्रकार के कारक शामिल हैं।

एसबीआई पेमेंट्स 31 मार्च, 2025 तक 37.12 लाख से अधिक मर्चेट पेमेंट एक्सेप्टेंस टच पॉइंट्स के साथ देश के सबसे बड़े अधिग्रहणकर्ताओं में से एक बना हुआ है, जिसमें भौगोलिक क्षेत्रों (टियर 1 से टियर 6) में तैनात 16.06 लाख पीओएस मशीनें शामिल हैं।

प्रमुख पहल

- नए उत्पाद, एसबीआई पेमेंट्स-साथी का शुभारंभ, सभी आकारों के व्यापारियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक विशिष्ट रूप से डिजाइन किया गया, एकीकृत भुगतान उपकरण।
- भुगतान की सुविधा के लिए तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम (TNSTC), और तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) जैसी विभिन्न पारगमन परियोजनाओं पर काम किया।
- मौके पर ही संग्रहण की सुविधा प्रदान करने के लिए उत्तराखंड उत्तराखंड ट्रैफिक पुलिस विभाग, दिल्ली परिवहन विभाग, अंडमान ट्रैफिक पुलिस विभाग, मध्य प्रदेश परिवहन विभाग, महा मेट्रो (नागपुर), गुजरात स्टेट ट्रैफिक पुलिस विभाग के साथ साझेदारी।

- उपयोगिता बिल भुगतान की सुविधा के लिए पंजीकरण महानिरीक्षक पश्चिम बंगाल, ग्रामीण विकास विभाग कर्नाटक, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबाई), और विभिन्न नगर पालिकाओं जैसे सरकारी निकायों को ऑनबोर्ड किया और एम्स दिल्ली, स्वायत्त राज्य नेशनल मेडिकल कॉलेज (एसएसएमसी), कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग, केरल स्वास्थ्य मिशन, डॉ राजेंद्र प्रसाद सरकारी मेडिकल कॉलेज, दरभंगा मेडिकल कॉलेज को एकीकृत पीओएस समाधान प्रदान किया।
- कंपनी ने इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह के लिए टोलवेज के साथ भी सहयोग किया है, उदाहरण के लिए, अशोक संबलपुर बराखा टोलवे लिमिटेड, आईआरबी एमपी एक्सप्रेसवे प्राइवेट लिमिटेड, आदि।

कंपनी ने पिछले वित्तीय वर्ष के ₹144.36 करोड़ के मुकाबले विव2025 के लिए ₹138.90 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया है।

एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक्योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआई-एसजी)

(राशि ₹ करोड़ में)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए शुद्ध लाभ (घाटा)
एसबीआई एसजी ग्लोबल सिक्योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	52.00	65%	137.40

एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक्योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड भारतीय स्टेट बैंक और सोसाइटी गेनेराल, पेरिस के बीच एसबीआई द्वारा 65% इक्विटी होल्डिंग के साथ एक संयुक्त उद्यम है। कंपनी ने 2010 में परिचालन शुरू किया और समाशोधन और निपटान, नकद और विदेशी मुद्रा समाधान, परिसंपत्ति सर्विसिंग, डेरिवेटिव समाशोधन, घरेलू (एमएफ, एआईएफ, पीएमएस, बैंक, कॉर्पोरेट्स, और अन्य) और विदेशी निवेशकों (एफपीआई, एफडीआई, एफवीसीआई) के लिए गोल्ड ईटीएफ के लिए गोल्ड कस्टडी पर एंड-टू-

एंड सहयोग के साथ कस्टोडियल सेवाएं प्रदान करती है। कंपनी घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों को फंड अकाउंटिंग सेवाएं भी प्रदान करती है।

31 मार्च, 2025 तक, कंपनी ₹21,35,201 करोड़ की असेट अंडर कस्टडी और ₹17,60,415 करोड़ के असेट अंडर एडमिनिस्ट्रेशन का प्रबंधन कर रही है। एसबीआई-एसजी आईएसई 3402, ISO 27001: 2013 और आईएसओ 9001: 2015 जैसे विभिन्न प्रमाणपत्रों से प्रमाणित उच्च गुणवत्ता मानकों को बनाए रखता है।

पुरस्कार और मान्यता

- कस्टडी एशिया अवार्ड्स 2024, सिंगापुर में ग्लोबल कस्टोडियन लीडर्स में सर्वश्रेष्ठ ग्राहक सेवा और संबंध प्रबंधन पुरस्कार के रूप में सम्मानित किया गया।
- सीएसआर हेड के तहत, एसबीआई-एसजी को वर्ष 2024 की सर्वश्रेष्ठ सड़क सुरक्षा परियोजना - भारतीय सामाजिक प्रभाव पुरस्कार 2024 और वर्ष 2024 के लिए काम करने वाली सर्वश्रेष्ठ कंपनी - भारतीय सामाजिक प्रभाव पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।

कंपनी ने पिछले वित्तीय वर्ष 2024 के ₹111.76 करोड़ के मुकाबले विव2025 के लिए ₹137.40 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया है।

स्टेट बैंक ऑपरेशंस सपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसबीओएस)

(राशि ₹ करोड़ में)

अनुपंगी कंपनी का नाम	(एसबीआई हित स्वामित्व का%)	स्वामित्व का%	31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए शुद्ध लाभ (घाटा)
स्टेट बैंक परिचालन सहायता सेवाएं प्राइवेट लिमिटेड	10	100%	20.57

स्टेट बैंक ऑपरेशंस सपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसबीओएसएस), जो कि एसबीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है को जुलाई 2022 में एसबीआई की रूसु शाखाओं को विभिन्न उत्पादों और खंडों में संचालन सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए निगमित किया गया था। एसबीओएसएस का नई दिल्ली में अपना पंजीकृत कार्यालय है।

एसबीओएसएस वर्तमान में 3 गतिविधियों में शामिल है, अर्थात बैंक के 17 मंडलों में कृषि और एमएसएमई

सेगमेंट में प्रतिस्पर्धी लागत पर सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए 8,800 + फीट-ऑन-स्ट्रीट के साथ जुड़ाव, 299+ एटीएम समन्वयकों की तैनाती और सीकेवाईसी प्रक्रिया के तहत ग्राहकों से एफआई पुराने खातों के दस्तावेजों का संग्रह करना। एसबीओएसएस ने विव2025 के दौरान 1,000+ एटीएम को बढ़ाने का लक्ष्य रखा है ताकि एटीएम की निर्बाध ट्रैकिंग और निगरानी के माध्यम से एटीएम के मजबूत अपटाइम को सुनिश्चित करने में चैनल प्रबंधकों की सहायता की

जा सके। एसबॉस एसबीआई के साथ मिलकर कुछ अन्य कार्यकलापों की आउटसोर्सिंग पर काम कर रहा है जैसे कि बीआई (बिजनेस रूल इंजन) के तहत संपर्क रहित प्लैटफॉर्म के साथ एफओएस ऐप के एकीकरण से सभी एमएसएमई उत्पादों के लिए लोन सोर्सिंग के लिए एफओएस सहयोग प्रदान करना, जिससे एंड-टु-एंड डिजिटल अधिग्रहण सक्षम हो सके।

कंपनी ने कृषि और एसएमई क्षेत्रों में परिचालन के लिए बहुआयामी समर्थन प्रदान करने के लिए एक मजबूत अखिल भारतीय हाई टेक, हाई टच और कम लागत मॉडल विकसित किया है।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 के लिए ₹20.57 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया है, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के लिए यह ₹17.31 करोड़ था।



29 मार्च 2025 को श्री सी.एस.शेट्टी, अध्यक्ष, एसबीआई द्वारा श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (सीबी एंड एस) एसबीआई, कंपनी के स्वतंत्र निदेशक तथा अन्य सदस्यों की उपस्थिति में एसबीआई फैक्टर्स के पुनर्निर्मित परिसर के उद्घाटन पट्टिका का अनावरण



जनवरी 2025 के दौरान दुबई में श्री अश्विनी कुमार तिवारी, एमडी (सीबी एंड एस) एसबीआई, एसबीआईसीपीएस के निदेशक और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के अन्य पदाधिकारियों की भागीदारी के साथ एसबीआई के अध्यक्ष श्री सीएस शेट्टी की अध्यक्षता में एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की स्ट्रेटिजी मीट



श्री सीएस शेटी, अध्यक्ष द्वारा श्रीमती माधवी पुरी बुच, अध्यक्ष, सेबी, श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (सीबी एंड एस) एसबीआई की उपस्थिति में फरवरी 2025 में मुंबई में जननिवेश एसआईपी योजना का शुभारंभ

मुंबई में जननिवेश एसआईपी योजना का शुभारंभ



15 मार्च 2025 को मुंबई में श्री सी एस शेटी, अध्यक्ष, एसबीआई की अध्यक्षता में तथा श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (सीबी एंड एस) एसबीआई, एसबीआई कार्ड के निदेशकों तथा कंपनी के अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड की स्ट्रेटिजी मीट

श्री अमित झिंगरन, एमडी और सीईओ, एसबीआई लाइफ द्वारा 24 मार्च 2025 को मुंबई में श्री सीएस शेटी, अध्यक्ष, एसबीआई को श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (सीबी एंड एस) एसबीआई की उपस्थिति में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 149.85 करोड़ रुपए का लाभान्श चेक सौंपते हुए



प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट (एमडीए)

सेबी (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियमन 34 के अनुपालन में, इस वार्षिक रिपोर्ट के अलग अनुभाग में बैंक के मामलों की स्थिति पर विवरण शामिल है।

निम्नलिखित अनुपात तुरंत पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 25% से अधिक बदल गया है:

(% में)	मार्च 24	मार्च 25	भिन्नता (bps)	% बदलाव
	शून्य			

उत्तरदायित्व कथन

निदेशक मंडल एतद्वारा सूचित करता है कि:

- वार्षिक लेखे तैयार करते समय लागू लेखा मानकों का समुचित अनुपालन किया गया है और महत्वपूर्ण विचलनों की स्थिति में समुचित स्पष्टीकरण दिया गया है;
- उन्होंने ऐसी लेखा नीतियों का चयन और निरंतर प्रयोग किया है और उचित एवं विवेकपूर्ण निर्णय व प्राक्कलन किए हैं, ताकि 31 मार्च 2025 तक आपके बैंक के कार्य व्यापार की स्थिति और उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आपके बैंक के लाभ एवं हानि का एक सच्चा व उचित दृष्टिकोण दिया जा सके;
- उन्होंने आपके बैंक की आस्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमितताओं को रोकने व उनका पता लगाने के लिए बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों के रखरखाव के लिए उचित और सावधानी बरती है;
- उन्होंने वार्षिक लेखों को सतत कार्यशील संस्था के अनुसार तैयार किया है;
- बैंक द्वारा अनुपालन किए जाने के लिए आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त एवं प्रभावी रूप से काम कर रहे हैं;

- सभी प्रयोज्य विधियों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त प्रणाली तैयार की गई है तथा ऐसी प्रणाली पर्याप्त एवं प्रभावी रूप से काम कर रही है।

आभार

वर्ष के दौरान, श्री आलोक कुमार चौधरी सेवानिवृत्ति पर 30 जून 2024 को प्रबंध निदेशक के रूप में बोर्ड से सेवानिवृत्त हुए। श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह को केंद्र सरकार द्वारा 7 अगस्त 2024 से 30 जून 2027 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, बोर्ड में प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

श्री दिनेश कुमार खारा अपना कार्यकाल पूरा होने पर 27 अगस्त 2024 को बोर्ड के अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त हुए। श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी को केंद्र सरकार द्वारा 28 अगस्त 2024 से तीन वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, भारतीय स्टेट बैंक का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

श्री नागराजू मादिराला को केंद्र सरकार द्वारा एसबीआई अधिनियम, 1955 की धारा 19 (ई) के तहत 30 अगस्त 2024 से डॉ. विवेक जोशी के स्थान पर या अगले आदेश तक बोर्ड में निदेशक के रूप में नामित किया गया है।

श्री राम मोहन राव अमारा को केंद्र सरकार द्वारा 18 दिसंबर 2024 से तीन वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, बोर्ड में प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड, एसबीआई अधिनियम, 1955 की धारा 19 (डी) के तहत नामित निदेशक, अपना कार्यकाल पूरा होने पर 20 दिसंबर 2024 को बोर्ड से सेवानिवृत्त हुए।

निदेशक बोर्ड के विचार-विमर्श में श्री दिनेश कुमार खारा, श्री आलोक कुमार चौधरी, डॉ. विवेक जोशी और श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड द्वारा बोर्ड की चर्चाओं में दिए गए योगदान के लिए सराहना की। निदेशक श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी का बैंक के नए अध्यक्ष के रूप में स्वागत करते हैं। निदेशक बैंक के केंद्रीय बोर्ड में नए निदेशकों के रूप में श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह, श्री नागराजू मादिराला और श्री राम मोहन राव अमारा का भी स्वागत करते हैं।

निदेशकों ने भारत सरकार, आरबीआई, सेबी, आईआरडीए और अन्य सरकारी और नियामक एजेंसियों से प्राप्त मार्गदर्शन और सहयोग के लिए अपनी कृतज्ञता प्रकट की। निदेशकों ने सभी मूल्यवान ग्राहकों, शेयरधारकों, बैंकों और वित्तीय संस्थानों, स्टॉक एक्सचेंजों, रेटिंग एजेंसियों और अन्य हितधारकों को उनके संरक्षण और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और इस अवसर पर बैंक के कर्मचारियों की समर्पित और प्रतिबद्ध टीम के लिए अपना आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय निदेशक बोर्ड के लिए और की ओर से

अध्यक्ष

दिनांक: 3 मई, 2025

कॉरपोरेट अभिशासन रिपोर्ट

अभिशासन संहिता पर बैंक का दर्शन

भारतीय स्टेट बैंक कॉर्पोरेट गवर्नेंस के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए अक्षरशः प्रतिबद्ध है। बैंक का मानना है कि अच्छा कॉर्पोरेट गवर्नेंस कानूनी और नियामक आवश्यकताओं के अनुपालन से कहीं अधिक है। सुशासन व्यवसाय के प्रभावी प्रबंधन और नियंत्रण की सुविधा प्रदान करता है, बैंक को उच्च स्तर की व्यावसायिक नैतिकता बनाए रखने और अपने सभी हितधारकों के लिए मूल्य का अनुकूलन करने में सक्षम बनाता है। उद्देश्यों को संक्षेप में निम्नानुसार प्रस्तुत किया जा सकता है:

- शेयरधारक मूल्य की संरक्षा एवं संवर्धन
- ग्राहकों, कर्मचारियों और समाज जैसे अन्य सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करना।
- संचार में पारदर्शिता और अखंडता सुनिश्चित करना और सभी संबंधितों को पूर्ण, सटीक और स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराना।
- प्रदर्शन और ग्राहक सेवा के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करना और सभी स्तरों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन
- उच्चतम मानक का कॉर्पोरेट नेतृत्व प्रदान करना ताकि अन्य सभी इसका अनुकरण करें।

बैंक निम्न हेतु प्रतिबद्ध है:

- यह सुनिश्चित करना कि बैंक के निदेशक मंडल की नियमित बैठकें हों, व्यवसाय और कार्यात्मक मामलों में प्रभावी नेतृत्व और अंतर्दृष्टि प्रदान की जाए तथा बैंक के प्रदर्शन की निगरानी की जाए।
- रणनीतिक नियंत्रण का ढांचा तैयार करना और इसके प्रभाव की लगातार समीक्षा करना।
- नीति विकास, कार्यान्वयन और समीक्षा, निर्णय लेने, निगरानी, नियंत्रण और रिपोर्टिंग के लिए स्पष्ट रूप से प्रलेखित और पारदर्शी प्रबंधन प्रक्रियाएं स्थापित करना।

- बोर्ड को सभी प्रासंगिक जानकारी, सलाह और संसाधनों तक स्वतंत्र पहुंच प्रदान करना, ताकि वह अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभा सके।
- यह सुनिश्चित करना कि अध्यक्ष के पास कार्यकारी प्रबंधन के सभी पहलुओं की जिम्मेदारी है और वह बैंक के निर्णायक प्रदर्शन और बोर्ड द्वारा निर्धारित नीतियों के कार्यान्वयन के लिए बोर्ड के प्रति जवाबदेह है। अध्यक्ष और निदेशक मंडल की भूमिका भी एसबीआई अधिनियम द्वारा निर्देशित होती है, जिसमें सभी प्रासंगिक संशोधन शामिल हैं।
- यह सुनिश्चित करना कि वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी को भारत सरकार/आरबीआई तथा अन्य विनियामकों और बोर्ड द्वारा निर्धारित सभी लागू विधियों, विनियमों और अन्य प्रक्रियाओं, नीतियों के अनुपालन का दायित्व दिया जाए, तथा यदि कोई विचलन हो तो उसकी रिपोर्ट दी जाए।

बैंक ने सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 (समय-समय पर संशोधित) के अनुसार कॉर्पोरेट प्रशासन के प्रावधानों का अनुपालन किया है, सिवाय उन मामलों के जहाँ इन विनियमों के प्रावधान एसबीआई अधिनियम और एसबीआई सामान्य विनियम, 1955 और आरबीआई/भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप नहीं हैं। बैंक में कॉर्पोरेट प्रशासन के इन प्रावधानों के कार्यान्वयन पर एक रिपोर्ट निम्नानुसार प्रस्तुत है:

केंद्रीय बोर्ड: भूमिका और संरचना

भारतीय स्टेट बैंक की स्थापना 1955 में संसद के एक अधिनियम, यानी भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (एसबीआई अधिनियम) द्वारा की गई थी। अधिनियम के अनुसार एक केंद्रीय निदेशक मंडल का गठन किया गया।

बैंक का केंद्रीय बोर्ड एसबीआई अधिनियम और विनियम 1955 के प्रावधानों के अनुपालन में अपनी शक्तियां अर्जित करता है और अपने कार्यों को अंजाम देता है। इसकी प्रमुख भूमिकाओं में अन्य के अलावा निम्न कार्य शामिल हैं,

- बैंक के जोखिम प्रोफाइल की देखरेख करना;
- अपने व्यवसाय और नियंत्रण तंत्र की समग्रता की निगरानी करना;
- विशेषज्ञ प्रबंधन सुनिश्चित करना, और
- अपने हितधारकों के अधिकतम हित सुनिश्चित करना

केंद्रीय बोर्ड का नेतृत्व अध्यक्ष करते हैं, जिन्हें एसबीआई अधिनियम की धारा 19 (ए) के तहत नियुक्त किया जाता है। चार प्रबंध निदेशकों को एसबीआई अधिनियम की धारा 19 (बी) के तहत बोर्ड के सदस्यों के रूप में नियुक्त किया जाता है। अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक पूर्णकालिक निदेशक होते हैं। 31.03.2025 तक, बोर्ड में सात गैर-कार्यकारी निदेशक थे जो बैंकिंग, वित्त, अर्थशास्त्र, प्रौद्योगिकी, लेखा, शिक्षाविदों आदि का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिष्ठित पेशेवर हैं। 31.03.2025 तक केंद्रीय बोर्ड की संरचना निम्नानुसार थी:

- धारा 19(ए) के तहत आरबीआई के परामर्श से केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त अध्यक्ष
- धारा 19(बी) के तहत आरबीआई के परामर्श से केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त चार प्रबंध निदेशक (एमडी)
- धारा 19 (सी) के तहत शेयरधारकों द्वारा चुने गए चार निदेशक,
- धारा 19(डी) के तहत केंद्र सरकार द्वारा नामित एक निदेशक,
- धारा 19(ई) के तहत केंद्र सरकार द्वारा नामित एक निदेशक, और
- धारा 19(एफ) के तहत आरबीआई की सिफारिशों पर केंद्र सरकार द्वारा नामित एक निदेशक।

बोर्ड की संरचना सेबी (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 17 (1) में निर्धारित प्रावधानों का अनुपालन करती है, इस हद तक कि वे एसबीआई अधिनियम की धारा 19 के तहत प्रदान किए गए प्रावधानों का उल्लंघन नहीं करते हैं। निदेशकों के बीच कोई पारस्परिक संबंध नहीं है।

प्रत्येक गैर-कार्यकारी निदेशक का संक्षिप्त विवरण अनुलब्धक-I में दिया गया है। विभिन्न बोर्डों/समितियों में सभी निदेशकों द्वारा धारित निदेशक पदों/सदस्यताओं का विवरण अनुलब्धक-II में दिया गया है तथा बैंक में उनकी शेयरधारिता का विवरण अनुलब्धक-III में दिया गया है।

केंद्रीय बोर्ड की बैठकें

बैंक के केंद्रीय बोर्ड को प्रत्येक वर्ष कम से कम छह बार तथा तिमाही में कम से कम एक बार बैठक करनी होती है। वर्ष 2024-25 के दौरान केंद्रीय बोर्ड की सोलह बैठकें आयोजित की गईं। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान केंद्रीय बोर्ड की बैठकों की तारीख तथा निदेशकों की उपस्थिति निम्नानुसार है:

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित केंद्रीय बोर्ड की बैठकों की तारीख और निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या: 16

बैठकों की तारीख: 25.04.2024, 09.05.2024, 19.06.2024, 11.07.2024, 03.08.2024, 26.08.2024, 27.09.2024, 18.10.2024, 08.11.2024, 27.11.2024, 27.12.2024, 16.01.2025, 06.02.2025, 27.02.2025, 27.02.2025, 27.03.2025

निदेशकों के नाम	नामांकन/चयन के बाद/कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में सहभागिता
श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष (27.08.2024 तक)	6	6
श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, अध्यक्ष (28.08.2024 तक)	10	10
श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक (27.08.2024 तक)	6	6
श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक	16	15
श्री आलोक कुमार चौधरी, प्रबंध निदेशक (30.06.2024 तक)	3	3
श्री विनय एम. तोंसे, प्रबंध निदेशक	16	13
श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह, प्रबंध निदेशक (07.08.2024 तक)	11	11
श्री राम मोहन राव अमरा, प्रबंध निदेशक (18.12.2024 तक)	6	6
श्री केतन एस. विक्रमसी	16	16
श्री मृगांक एम. परांजपे	16	15
श्री राजेश कुमार दुबे	16	14
श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत	16	16
श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड (20.12.2024 तक)	10	8
श्रीमती स्वाति गुसा	16	16
डॉ. विवेक जोशी (30.08.2024 तक)	6	3
श्री नागराजू मद्रिराला (30.08.2024 तक)	10	10
श्री अजय कुमार	16	14

केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति (ईसीसीबी)

केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति (ईसीसीबी) का गठन एसबीआई अधिनियम की धारा 30 के अनुसार किया जाता है। भारतीय स्टेट बैंक के सामान्य विनियम (46 और 47) में प्रावधान है कि केंद्रीय बोर्ड के सामान्य या विशेष निर्देशों के अधीन, ईसीसीबी केंद्रीय बोर्ड की क्षमता के भीतर किसी भी मामले से निपट सकता है। एसबीआई अधिनियम के अनुसार, ईसीसीबी में

अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक, एसबीआई अधिनियम की धारा 19(एफ) के तहत नामित निदेशक और अन्य सभी या कोई भी निदेशक, जो सामान्य रूप से निवासी होते हैं या फिलहाल भारत के किसी भी स्थान पर मौजूद हो सकते हैं जहां बैठक आयोजित की जाती है, शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, 'बैंकों में कॉर्पोरेट प्रशासन - निदेशकों की नियुक्ति और बोर्ड की समितियों का गठन' पर आरबीआई के दिनांक 26.04.2021

के दिशा-निर्देशों के अनुसार, बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति का अध्यक्ष केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति का हिस्सा नहीं है। एसबीआई अधिनियम के अनुसार ईसीसीबी की बैठकें साप्ताहिक रूप से आयोजित की जाती हैं। वर्ष 2024-25 के दौरान ईसीसीबी की बावन बैठकें आयोजित की गईं। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ईसीसीबी बैठकों और ईसीसीबी बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति का विवरण इस प्रकार है:

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित ईसीसीबी बैठकों और निदेशकों की उपस्थिति का विवरण

आयोजित बैठकों की संख्या: 52

निदेशकों के नाम	नामांकन/चयन के बाद/कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में सहभागिता
श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष (27.08.2024 तक)	22	22
श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, अध्यक्ष (28.08.2024 से प्रभावी)	30	30
श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक (27.08.2024 तक)	22	21
श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक	52	49
श्री आलोक कुमार चौधरी, प्रबंध निदेशक (30.06.2024 तक)	13	12
श्री विनय एम. तोंसे, प्रबंध निदेशक	52	48
श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह, प्रबंध निदेशक (07.08.2024 से प्रभावी)	33	31
श्री राम मोहन राव अमरा, प्रबंध निदेशक (18.12.2024 से प्रभावी)	14	11
श्री मृगांक एम. परांजपे	52	43
श्री राजेश कुमार दुबे	52	47
श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड (20.12.2024 तक)	38	33
श्री अजय कुमार	52	35
वे निदेशक जो सामान्यतः बैठक स्थल के निवासी नहीं हैं, परंतु बैठक में उस स्थान पर उपस्थित थे/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हिस्सा लिया :		
श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत	-	3
श्रीमती स्वाति गुप्ता	-	4

अन्य बोर्ड स्तरीय समितियाँ:

एसबीआई अधिनियम और सामान्य विनियम, 1955 के प्रावधानों और सरकार/आरबीआई/सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार, केंद्रीय बोर्ड ने नौ अन्य बोर्ड स्तरीय समितियों का गठन किया है, अर्थात् बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति (एसीबी), बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी), बोर्ड की हितधारक संबंध समिति (सह ग्राहक सेवा समिति (एसआरसी सह सीएससीबी), धोखाधड़ी के मामलों की निगरानी और अनुवर्ती कार्यवाई के लिए बोर्ड की विशेष समिति (एससीबीएमएफ), बोर्ड की आईटी रणनीति समिति (आईटीएससी), बोर्ड की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी समिति (सीएसआरसी), बोर्ड की नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी), वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति (बीसीएमआर) और इरादतन चूककर्ताओं की पहचान के लिए समीक्षा समिति (आरसीआईडब्ल्यूडी)। ये समितियाँ लेखा परीक्षा और लेखा, जोखिम प्रबंधन, शेयरधारकों/निवेशकों की शिकायतों का समाधान, धोखाधड़ी की समीक्षा और नियंत्रण, ग्राहक सेवा की समीक्षा और ग्राहक शिकायतों का निवारण, प्रौद्योगिकी प्रबंधन, कॉर्पोरेट

रेट सामाजिक दायित्व, ऋण और अग्रिम की वसूली पर निगरानी, इरादतन चूक करने वालों

की पहचान की समीक्षा और निदेशकों के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवारों की 'उपयुक्त और उचित' स्थिति का निर्धारण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में बोर्ड की निगरानी में प्रभावी पेशेवर सहायता प्रदान करती हैं। जबकि नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) वित्तीय वर्ष में कम से कम एक बार मिलती है, अन्य समितियाँ केंद्रीय बोर्ड द्वारा अनुमोदित समीक्षाओं के कैलेंडर के अनुसार नीतिगत मुद्दों पर विचार-विमर्श करने और/या डोमेन प्रदर्शन की समीक्षा करने के लिए समय-समय पर, आम तौर पर तिमाही में एक बार मिलती हैं। समितियाँ जरूरत पड़ने पर बैंक के शीर्ष अधिकारियों की सेवाएं लेने के अलावा बाहरी विशेषज्ञों को भी बुलाती हैं।

अन्य बोर्ड स्तरीय समितियों का समय-समय पर, जब भी आवश्यकता होती है, पुनर्गठन किया जाता है। पिछली बार इस तरह के पुनर्गठन को 21.06.2023 को आयोजित अपनी बैठक में केंद्रीय बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया और यह 26.06.2023 से प्रभावी है। बोर्ड स्तरीय समितियों की बैठकों में हुई चर्चाओं पर संक्षिप्त

रिपोर्ट वाले मिनट और कार्यवाही केंद्रीय बोर्ड के समक्ष रखी जाती है।

बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति (एसीबी)

बैंक में बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति (एसीबी) का गठन पहली बार 27.07.1994 को किया गया। एसीबी आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार काम करती है और समय-समय पर संशोधित सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के प्रावधानों का अनुपालन करती है, इस सीमा तक कि वे आरबीआई/भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों/दिशा-निर्देशों का उल्लंघन न करें।

एसीबी की कार्य पद्धति

(ए) एसीबी बैंक में संपूर्ण लेखापरीक्षा कार्य के संचालन को दिशा प्रदान करता है तथा उसकी देखरेख भी करता है। संपूर्ण लेखापरीक्षा कार्य का तात्पर्य बैंक के भीतर आंतरिक लेखापरीक्षा और निरीक्षण के संगठन, संचालन और गुणवत्ता नियंत्रण तथा सांविधिक/बाह्य लेखापरीक्षा, आरबीआई निरीक्षण के अनुपालन पर अनुवर्ती कार्यवाई से है। यह बैंक के सांविधिक लेखापरीक्षकों की

नियुक्ति भी करता है तथा समय-समय पर उनके प्रदर्शन की समीक्षा करता है।

(बी) एसीबी अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बैंक की वित्तीय, जोखिम प्रबंधन, आईएस लेखा परीक्षा नीतियों और लेखा नीतियों/प्रणालियों की समीक्षा करता है।

(सी) एसीबी द्वारा बैंक में आंतरिक निरीक्षण/लेखा परीक्षा योजना और कार्यों की समीक्षा के साथ ही प्रणाली, इसकी गुणवत्ता और अनुवर्तन के संदर्भ में प्रभावशीलता की दृष्टि से समीक्षा करता है। यह विशेष रूप से निम्नलिखित के अनुवर्तन पर ध्यान केंद्रित करता है:

- केवाईसी-एमएल दिशानिर्देश;
- हाउसकीपिंग के प्रमुख क्षेत्र;
- सेबी का अनुपालन (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण) आवश्यकताएँ विनियम, 2015। सेबी (एलओडीआर) संशोधन विनियम, 2018 के अनुरूप केंद्रीय बोर्ड द्वारा 06.03.2019 को

आयोजित अपनी बैठक में लेखापरीक्षा समिति के संदर्भ और भूमिका की समीक्षा की गई, जो 01.04.2019 से प्रभावी थे।

(डी) यह बैंक के अनुपालन विभाग से रिपोर्ट प्राप्त कर उसकी समीक्षा करता है।

(व) एसीबी बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 35 के तहत आरबीआई के जोखिम आधारित पर्यवेक्षण और सांविधिक लेखा परीक्षकों की लंबी प्रारूप लेखा परीक्षा रिपोर्ट और अन्य आंतरिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में उठाए गए सभी मुद्दों पर अनुवर्ती कार्यवाई करता है। यह वार्षिक/तिमाही वित्तीय खातों और रिपोर्टों को अंतिम रूप देने से पहले बाहरी लेखा परीक्षकों के साथ बातचीत करता है। लेखा परीक्षा समिति के एक औपचारिक 'लेखा परीक्षा चार्टर' या 'संदर्भ की शर्तें' को केंद्रीय बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है और लेखा परीक्षा समिति को प्रस्तुत किए जाने वाले समीक्षाओं का कैलेंडर भी मौजूद है जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है

और इस तरह के अंतिम संशोधन को केंद्रीय बोर्ड द्वारा 27.04.2022 को आयोजित अपनी बैठक में अनुमोदित किया गया।

2024-25 के दौरान संरचना और उपस्थिति

एसीबी का अंतिम पुनर्गठन 26.06.2023 को किया गया। 31.03.2025 तक इसके चार गैर-कार्यकारी निदेशक सदस्य हैं। समिति का एक नियमित अध्यक्ष होता है और इसकी अध्यक्षता एक गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक करता है। आरबीआई/सेबी के दिशा-निर्देशों के अनुसार संविधान और कोरम की आवश्यकताओं का अनुपालन किया जाता है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, आरबीआई/सेबी के दिशा-निर्देशों के अनुसार आंतरिक नियंत्रण, प्रणालियों और प्रक्रियाओं और अन्य पहलुओं से जुड़े विभिन्न मामलों की समीक्षा के लिए एसीबी की सत्रह बैठकें आयोजित की गईं। एसीबी की बैठक तिमाही में कम से कम एक बार और साल में चार बार होती है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान एसीबी बैठकों की तारीख और निदेशकों की उपस्थिति इस प्रकार है:

आयोजित एसीबी की बैठकों की तारीख और वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या: 17

बैठकों की तारीख: 19.04.2024, 08.05.2024, 22.05.2024, 18.06.2024, 23.07.2024, 02.08.2024, 27.08.2024, 10.09.2024, 24.09.2024, 22.10.2024, 07.11.2024, 26.11.2024, 17.12.2024, 14.01.2025, 05.02.2025, 25.02.2025, 19.03.2025

निदेशकों के नाम	नामांकन/चयन के बाद/कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में सहभागिता
श्री श्री केतन एस. विक्रमसी (समिति के अध्यक्ष)	17	17
श्री मृगांक एम. परांजपे	17	14
श्री राजेश कुमार दुबे	17	15
श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड़ (20.12.2024 तक सदस्य)	13	12
श्री अजय कुमार	17	15

बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति

क्रेडिट जोखिम, बाजार जोखिम और परिचालन जोखिम से संबंधित एकीकृत जोखिम प्रबंधन के लिए नीति और रणनीति की देखरेख के लिए बैंक में बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) का गठन पहली बार 23.03.2004 को किया गया। आरएमसीबी के कार्यक्षेत्र

और भूमिका की समीक्षा केंद्रीय बोर्ड द्वारा 06.03.2019 को सेबी (एलओडीआर) संशोधन विनियम, 2018 के अनुरूप की गई, जो 01.04.2019 से प्रभावी थे। समिति का अंतिम बार गठन 26.06.2023 की प्रभावी तारीख से किया गया। 31.03.2025 तक इसके पांच सदस्य हैं। समिति का एक नियमित अध्यक्ष होता है और इसकी

अध्यक्षता एक गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक करते हैं। बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति की प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक बैठक होती है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति की आठ बैठकें आयोजित की गईं। आरएमसीबी बैठकों की तारीखें और वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान निदेशकों की उपस्थिति इस प्रकार है:

बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति की बैठकों की तारीख और वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या: 08

बैठकों की तारीख: 21.05.2024, 25.06.2024, 26.07.2024, 03.09.2024, 05.11.2024, 31.12.2024, 01.03.2025, 18.03.2025

निदेशकों के नाम	नामांकन/चयन के बाद/कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में सहभागिता
श्री मृगांक एम. परांजपे (समिति के अध्यक्ष)	8	8
श्री केतन एस. विक्रमसी	8	7
श्री राजेश कुमार दुबे	8	6
श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड़ (सदस्य 20.12.2024 तक)	5	4
श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक	8	6
श्री आलोक कुमार चौधरी, प्रबंध निदेशक (30.06.2024 तक सदस्य)	2	2
श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह (सदस्य 07.08.2024 से प्रभावी)	5	5
श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक (वैकल्पिक सदस्य के रूप में)	-	1
श्री विनय एम. तोंसे, प्रबंध निदेशक (वैकल्पिक सदस्य के रूप में)	-	1
श्री राम मोहन राव अमारा, प्रबंध निदेशक (वैकल्पिक सदस्य के रूप में)	-	1

हितधारक संबंध समिति (एसआरसी) सह ग्राहक सेवा बोर्ड की समिति (सीएससीबी)

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियम 20 के अनुसरण में, शेयरधारक संबंध समिति (एसआरसी) जिसे पहले बोर्ड की शेयरधारकों/ निवेशकों की शिकायत समिति (एसआईजीसीबी) के रूप में जाना जाता था, जिसका गठन 30 जनवरी 2001 को हुआ था का गठन शेयरों के हस्तांतरण, वार्षिक रिपोर्ट की प्राप्ति न होने, बांड/ घोषित लाभांश पर ब्याज न मिलने आदि के संबंध में शेयरधारकों और निवेशकों की शिकायतों

के निवारण के लिए किया गया। बैंक द्वारा प्रदान की जाने वाली ग्राहक सेवा की गुणवत्ता में निरंतर आधार पर सुधार लाने के लिए बोर्ड की ग्राहक सेवा समिति (सीएससीबी) का गठन 26.08.2004 को किया गया। 11.06.2020 को अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित भारत में वाणिज्यिक बैंकों में शासन पर आरबीआई के चर्चा पत्र में व्यक्त दृष्टिकोण के अनुरूप, और बोर्ड स्तरीय समितियों की संख्या को युक्तिसंगत बनाने के उद्देश्य से, हितधारक संबंध समिति (एसआरसी) और बोर्ड की ग्राहक सेवा समिति (सीएससीबी) के विलय को केंद्रीय बोर्ड ने 25.06.2020 की

अपनी बैठक में मंजूरी दे दी थी और विलय की गई समिति को हितधारक संबंध समिति सह बोर्ड की ग्राहक सेवा समिति का नाम दिया गया और यह 26.06.2020 से प्रभावी हो गई। समिति की संरचना और उसकी भूमिका सेबी विनियमों का अनुपालन करती है। समिति का अंतिम गठन 26.06.2023 की प्रभावी तारीख से हुआ था। 31.03.2025 तक इसमें छह सदस्य हैं। समिति का एक नियमित अध्यक्ष होता है और इसकी अध्यक्षता एक गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान समिति की चार बैठकें हुईं।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित एसआरसी सह सीएससीबी की बैठकों की तारीख और निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या: 04

बैठकों की तारीख: 11.06.2024, 06.12.2024, 22.01.2025, 18.02.2025

निदेशकों के नाम	नामांकन/चयन के बाद/कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में सहभागिता
श्री राजेश कुमार दुबे (समिति के अध्यक्ष)	4	4
श्री केतन एस विक्रमसी	4	4
श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत	4	4
श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड़ (20.12.2024 तक सदस्य)	2	1
श्रीमती स्वाति गुप्ता	4	4
श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक (27.08.2024 तक सदस्य)	1	1
श्री विनय एम. तोंसे, प्रबंध निदेशक	4	4
श्री राम मोहन राव अमारा, प्रबंध निदेशक (18.12.2024 से सदस्य)	2	2
श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह, प्रबंध निदेशक (वैकल्पिक सदस्य के रूप में)	-	1

वर्ष 2024-25 के दौरान शेयरधारकों की शिकायतों का विवरण

वर्ष के दौरान प्राप्त शेयरधारकों की शिकायतों की संख्या: 314

शेयरधारकों की संतुष्टि से हल नहीं की गई: शून्य

लंबित शिकायतों की संख्या (शिकायतें जो न्यायाधीन हैं): शून्य

अनुपालन अधिकारी का नाम और पदनाम: अरुणा नितिन डाक (डीजीएम अनुपालन और कंपनी सचिव)

बोर्ड की आईटी रणनीति समिति (आईटीएससी)

बैंक की आईटी पहलों की प्रगति पर नज़र रखने के उद्देश्य से, 26 अगस्त 2004 को बैंक में पहली बार बोर्ड की एक प्रौद्योगिकी समिति का गठन किया गया। 24 अक्टूबर 2011 से प्रौद्योगिकी समिति का नाम बदलकर बोर्ड की आईटी रणनीति समिति कर दिया गया है। समिति ने बैंक के प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक रणनीतिक भूमिका निभाई है। समिति को निम्नलिखित भूमिकाएँ और दायित्व सौंपे गए हैं:

- आईटी रणनीति और नीति दस्तावेजों को मंजूरी देना, यह सुनिश्चित करना कि प्रबंधन ने एक प्रभावी रणनीतिक योजना प्रक्रिया लागू की है;
- यह सुनिश्चित करना कि आईटी संगठनात्मक संरचना व्यवसाय मॉडल और उसकी दिशाओं का पूरक हो;
- यह सुनिश्चित करना कि आईटी निवेश जोखिम और लाभ के बीच संतुलन दर्शाता है और बजट स्वीकार्य हैं;
- आईटी जोखिमों की प्रबंधन निगरानी की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना और बैंक

स्तर पर आईटी के समग्र वित्तपोषण की देखरेख करना; तथा

- आईटी प्रदर्शन मापन और व्यवसायों में आईटी के योगदान की समीक्षा करना (अर्थात वादा किए गए मूल्य की आपूर्ति करना)।

समिति का अंतिम पुनर्गठन 26.06.2023 को किया गया। 31.03.2025 तक इसमें 5 सदस्य हैं। समिति का एक नियमित अध्यक्ष होता है और इसकी अध्यक्षता एक गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक करता है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान समिति की सात बैठकें हुईं।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित आईटीएससी की बैठकों की तारीख और निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या: 07

बैठकों की तारीख: 30.04.2024, 09.07.2024, 06.09.2024, 12.11.2024, 18.12.2024, 21.01.2025, 04.03.2025

निदेशकों के नाम	नामांकन/चयन के बाद/कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में सहभागिता
श्री राजेश कुमार दुबे (समिति के अध्यक्ष)	7	7
श्री केतन एस. विक्रमसी	7	6
श्री मृगांक एम. परांजपे	7	7
श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड (सदस्य 20.12.2024 तक)	5	4
श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक (27.08.2024 तक सदस्य)	2	2
श्री आलोक कुमार चौधरी, प्रबंध निदेशक (30.06.2024 तक सदस्य)	1	0
श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह, प्रबंध निदेशक (07.08.2024 से सदस्य)	5	4
श्री राम मोहन राव अमरा, प्रबंध निदेशक (18.12.2024 से सदस्य)	2	2
श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (वैकल्पिक सदस्य के रूप में)	-	5
श्री विनय एम. तोंसे, प्रबंध निदेशक (वैकल्पिक सदस्य के रूप में)	-	1

धोखाधड़ी के मामलों की निगरानी और अनुवर्ती कार्रवाई के लिए बोर्ड की विशेष समिति (एससीबीएमएफ)

बैंक में सबसे पहले 29.03.2004 को बड़े मूल्य की धोखाधड़ी की निगरानी के लिए बोर्ड की विशेष समिति (एससीबीएमएफ) का गठन किया गया। आरबीआई के निर्देशों का पालन करने के लिए 27.11.2024 को आयोजित केंद्रीय बोर्ड की बैठक में बड़े मूल्य की धोखाधड़ी की निगरानी के लिए बोर्ड की विशेष समिति

का नाम बदलकर धोखाधड़ी के मामलों की निगरानी और अनुवर्ती कार्रवाई के लिए बोर्ड की विशेष समिति कर दिया गया। समिति का मुख्य कार्य सभी बड़े मूल्य की धोखाधड़ी की निगरानी और समीक्षा करना है, ताकि प्रणालीगत खामियों की पहचान की जा सके, यदि कोई हो, पता लगाने और रिपोर्ट करने में देरी के कारणों की पहचान की जा सके, सीबीआई/पुलिस जांच की प्रगति, वसूली की स्थिति की निगरानी की जा सके, यह सुनिश्चित किया जा सके कि कर्मचारियों

की जवाबदेही का काम जल्दी पूरा हो, धोखाधड़ी की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए किए गए उपचारात्मक उपायों की प्रभावकारिता की समीक्षा की जा सके और उपयुक्त निवारक उपाय किए जा सकें। समिति का अंतिम पुनर्गठन 26.06.2023 को किया गया। 31.03.2025 तक इसके चार सदस्य हैं। समिति की अध्यक्षता एक गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान समिति की चार बैठकें हुईं।

आयोजित एससीबीएमएफ की बैठकों की तारीख और वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या: 04

बैठकों की तारीख: 16.04.2024, 08.08.2024, 10.12.2024, 25.03.2025

निदेशकों के नाम	नामांकन/चयन के बाद/कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में सहभागिता
श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड़ (अध्यक्ष और समिति के सदस्य 20.12.2024 तक)	3	3
श्री केतन एस. विक्रमसी	4	3
श्री मृगांक एम. परांजपे	4	4
श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत	4	4
श्रीमती स्वाति गुप्ता	4	4
श्री आलोक कुमार चौधरी, प्रबंध निदेशक (30.06.2024 तक सदस्य)	1	1
श्री विनय एम. तोंसे, प्रबंध निदेशक	4	3
श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह, प्रबंध निदेशक (07.08.2024 से सदस्य)	3	3

* श्री मृगांक एम. परांजपे ने 25.03.2025 को आयोजित एससीबीएमएफ की बैठक की अध्यक्षता की।

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति (सीएसआरसी)

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति (सीएसआरसी) का गठन पहली बार 24.09.2014 को कॉर्पोरेट

सामाजिक दायित्व नीति के तहत बैंक द्वारा की जाने वाली गतिविधियों की समीक्षा करने के लिए अच्छे कॉर्पोरेट अभिशासन के उपाय के रूप में किया गया। समिति का पिछला पुनर्गठन 26.06.2023 को किया गया।

31.03.2025 तक इसके पाँच सदस्य हैं। वरिष्ठ प्रबंध निदेशक, जो समिति के सदस्य हैं, बैठक की अध्यक्षता करते हैं। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान समिति की चार बैठकें आयोजित की गईं।

सीएसआरसी की बैठकों की तारीख और 2024-25 के दौरान निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या: 04

बैठकों की तारीख: 23.04.2024, 06.08.2024, 03.12.2024, 11.03.2025

निदेशकों के नाम	नामांकन/चयन के बाद/कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में सहभागिता
श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, एमडी (अध्यक्ष और समिति के सदस्य 27.08.2024 तक)	2	2
श्री विनय एम. तोंसे, प्रबंध निदेशक (18.12.2024 से समिति के अध्यक्ष)	4	3
श्री केतन एस. विक्रमसी	4	3
श्री मृगांक एम. परांजपे	4	4
श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत	4	4
श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड़ (20.12.2024 से सदस्य)	3	2
श्री राम मोहन राव अमारा, प्रबंध निदेशक (18.12.2024 से सदस्य)	1	1
श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (वैकल्पिक सदस्य के रूप में)	-	2

* श्री अश्विनी कुमार तिवारी ने 03.12.2024 एवं 11.03.2025 को आयोजित सीएसआरसी बैठक की अध्यक्षता की।

बोर्ड की नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी)

आरबीआई ने अपने मास्टर डायरेक्शन डीबीआर. अपडेटमेंट नंबर: 9/29.67.001/2019-20 दिनांक 02.08.2019 के माध्यम से, और भारत सरकार ने अपने पत्र संख्या एफ. नंबर 16/19/2019-बीओ. आई दिनांक 30.08.2019 के माध्यम से बैंक को एकल

नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) गठित करने का निर्देश दिया है और तदनुसार 25.10.2019 से एकल एनआरसी का गठन किया गया। समिति आवश्यक सम्यक तत्परता से कार्य करती है और शेरधारक निदेशक के पद के लिए चुनाव हेतु नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवारों की उपयुक्त एवं उचित स्थिति का पता लगाती है।

इसके अलावा, एनआरसी अन्य बातों के साथ-साथ बोर्ड, बोर्ड स्तरीय समितियों और निदेशकों के प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए मानदंड/ढांचा भी तैयार करता है। एनआरसी के संदर्भ/अधिदेश की शर्तों की समीक्षा की गई और 27.09.2023 को आयोजित केंद्रीय बोर्ड की बैठक में उसे अनुमोदित किया गया।

समिति का पिछला पुनर्गठन 26.06.2023 को किया गया। 31.03.2025 तक इसके सदस्य के रूप में पाँच गैर-कार्यकारी निदेशक हैं। समिति का एक नियमित अध्यक्ष होता है और इसकी अध्यक्षता एक गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक करता है। समिति की बैठक एक वित्तीय वर्ष में कम से कम एक बार होती है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, एनआरसी की एक बैठक हुई।

एनआरसी के बैठकों की तारीख और 2024-25 के दौरान निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या: 01

बैठक की तारीख: 09.08.2024

निदेशकों के नाम	नामांकन/चयन के बाद/कार्यकाल के दौरान बैठकों में सहभागिता	आयोजित बैठकों की संख्या
श्री राजेश कुमार दुबे (समिति के अध्यक्ष)	1	1
श्री केतन एस विकमसी	1	1
श्री मृगांक एम. परांजपे	1	0
श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत	1	1
श्रीमती स्वाति गुप्ता	1	1

वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति (बीसीएमआर)

भारत सरकार के परामर्श के अनुसार, वसूली की निगरानी के लिए एक बोर्ड समिति का गठन पहली बार केंद्रीय बोर्ड द्वारा 20.12.2012 को आयोजित अपनी बैठक में ऋणों और अग्रिमों की वसूली की निगरानी के लिए किया गया था। समिति का पिछली बार पुनर्गठन 26.06.2023 से किया गया था। 31.03.2025 तक इसमें दस सदस्य हैं, जिनमें अध्यक्ष, चार प्रबंध निदेशक और भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक सहित पांच गैर-कार्यकारी निदेशक शामिल हैं। समिति ने वर्ष के दौरान तीन बैठकों की और बैंक के बड़े एनपीए खातों और समग्र एनपीए प्रबंधन की समीक्षा की।

इरादतन चूककर्ता की पहचान के लिए समीक्षा समिति (आरसीआईडब्ल्यूडी)

आरसीआईडब्ल्यूडी का गठन पहली बार आरबीआई के निर्देशों के अनुसार 17.05.2016 को आयोजित केंद्रीय बोर्ड की बैठक में किया गया था। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, 15.01.2025 तक समिति की अध्यक्षता प्रबंध निदेशक- जोखिम, अनुपालन और एसएआरजी द्वारा की गई थी। इसके बाद, आरबीआई के मास्टर निर्देश का पालन करने के लिए 16.01.2025 को आयोजित केंद्रीय बोर्ड की बैठक में बोर्ड स्तरीय आरसीआईडब्ल्यूडी का पुनर्गठन किया गया और नए संविधान के अनुसार, बैंक के अध्यक्ष को बोर्ड स्तरीय आरसीआईडब्ल्यूडी

के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है, जिसमें दो अन्य गैर-कार्यकारी निदेशकों की उपस्थिति से कोरम बनता है।

इस बोर्ड स्तरीय आरसीआईडब्ल्यूडी की भूमिका इरादतन चूककर्ता पहचान समिति (विलफुल डिफॉल्टर के रूप में उधारकर्ता/गारंटीकर्ता की पहचान के लिए बैंक के वरिष्ठ कार्यपालकों के साथ प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता वाली समिति) के आदेश की समीक्षा करना है, जो केंद्रीय बोर्ड द्वारा अनुमोदित एक निश्चित सीमा पर आधारित है। आरसीआईडब्ल्यूडी द्वारा पुष्टि किए जाने के बाद ही डब्ल्यूडीआईसी का आदेश अंतिम हो जाता है। समिति की वर्ष 2024-25 के दौरान चार बैठकें हुईं।

स्थानीय बोर्ड

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम और सामान्य विनियम 1955 के उपबंधों के अनुसार, प्रत्येक केन्द्र जहां बैंक का स्थानीय प्रधान कार्यालय (एलएचओ) है, स्थानीय बोर्डों/स्थानीय बोर्ड की समितियां कार्य कर रही हैं। स्थानीय बोर्ड ऐसी शक्तियों का प्रयोग करते हैं और केंद्रीय बोर्ड द्वारा उन्हें सौंपे गए ऐसे अन्य कार्यों और कर्तव्यों का पालन करते हैं। 31 मार्च 2025 तक, तीन एलएचओ में स्थानीय बोर्ड और शेष चौदह एलएचओ में स्थानीय बोर्डों की समितियां कार्य कर रही थीं। स्थानीय बोर्डों की बैठकों के कार्यवृत्त और कार्यवाही को केंद्रीय बोर्ड के समक्ष रखा जाता है।

सहभागिता शुल्क

पूर्णकालिक निदेशक और गैर-कार्यकारी निदेशक जो केंद्र सरकार या भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारी हैं, उन्हें बोर्ड/बोर्ड स्तरीय समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए बैठक शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है। बैंक के गैर-कार्यकारी गैर-सरकारी निदेशकों को बोर्ड/बोर्ड स्तरीय समितियों की बैठकों में भाग लेने के लिए बैठक शुल्क का भुगतान किया जाता है। बैठक शुल्क के अलावा गैर-कार्यकारी गैर-सरकारी निदेशकों को कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जाता है। बैठक शुल्क की राशि भारत सरकार के दिशानिर्देशों द्वारा निर्देशित होती है और बैंक के केंद्रीय बोर्ड द्वारा अनुमोदित होती है। 25.10.2019 से केंद्रीय बोर्ड की बैठकों में भाग लेने के लिए 70,000/- रुपये और बोर्ड स्तरीय समितियों की बैठकों में भाग लेने के लिए 30,000/- रुपये की बैठक शुल्क का भुगतान किया जाता है। वर्ष 2024-25 के दौरान भुगतान की गई बैठक शुल्क का विवरण अनुलग्नक-खत में दिया गया है।

बैंक की आचार संहिता का अनुपालन

बैंक के केंद्रीय बोर्ड के निदेशकों और वरिष्ठ प्रबंधन ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बैंक की आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है। अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित इस आशय की घोषणा अनुलग्नक-V में दी गई है। आचार संहिता का मसौदा बैंक की वेबसाइट पर भी डाला गया है।

वर्ष के दौरान कार्यकलाप

- वर्ष के दौरान निदेशक मंडल के लिए कई जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें वित्तीय क्षेत्रों के उभरते मुद्दे जैसे एनबीएफसी, ईएसजी, विशिष्ट क्षेत्रों को ऋण वितरण, निवेश, सूचना सुरक्षा, व्यावसायिक समूह आदि शामिल थे। बोर्ड के सदस्यों को व्यावसायिक समूहों और बैंक की सहायक कंपनियों द्वारा आईटी विकास, आईटी और साइबर सुरक्षा, मानव संसाधन और प्रशिक्षण, डिजिटल बैंकिंग, खुदरा बैंकिंग, कॉर्पोरेट बैंकिंग, ग्राहक सेवा, कॉर्पोरेट प्रशासन, आश्वासन कार्य आदि पर लागू की जा रही रणनीतियों के बारे में भी जानकारी दी गई। वित्तीय क्षेत्र में नवीनतम प्रवृत्ति और घटनाओं के साथ तालमेल बिठाने के लिए बोर्ड के सदस्यों को अपडेट रखने के लिए वर्ष के दौरान बोर्ड के समक्ष कई प्रासंगिक प्रस्तुतियाँ दी गईं।

निदेशकों ने वर्ष के दौरान भारत सरकार और सीएफआरएल (आरबीआई द्वारा प्रायोजित) जैसे व्यावसायिक निकायों द्वारा आयोजित विभिन्न सेमिनारों/बैठकों/कार्यक्रमों में भी भाग लिया। इस तरह के कार्यक्रमों में अन्य बातों के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन, जोखिम और स्थिरता, केवाईसी और एमएल आदि पर कार्यक्रम पर कार्यशाला शामिल हैं। ऐसे कार्यक्रमों

में जलवायु परिवर्तन जोखिम और स्थिरता पर कार्यशाला, केवाईसी और एमएल आदि पर कार्यक्रम शामिल हैं।

- बोर्ड का प्रदर्शन मूल्यांकन:** कॉर्पोरेट प्रशासन में निरंतर सुधार लाने के उद्देश्य से, एक प्रतिष्ठित बाहरी परामर्श फर्म ने अध्यक्ष, निदेशकों, बोर्ड स्तरीय समितियों और केंद्रीय बोर्ड के समग्र रूप से प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए मापदंड निर्धारित करने में बैंक की सहायता की और प्रदर्शन मूल्यांकन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाया। बोर्ड की नामांकन और पारिश्रमिक समिति ने उक्त प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए रूपरेखा/मानदंड को मंजूरी दी थी। मूल्यांकन के मापदंड और समग्र प्रक्रिया सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 और बोर्ड मूल्यांकन पर सेबी मार्गदर्शन नोट, 2017 के प्रावधानों के अनुरूप हैं। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रदर्शन मूल्यांकन अभ्यास बाहरी परामर्श फर्म द्वारा किया गया था। प्रदर्शन मूल्यांकन अभ्यास ने बैंक के शासन मूल्यों, निदेशक मंडल और शीर्ष प्रबंधन के बीच तालमेल और सहयोग में निदेशक मंडल के विश्वास को मान्य किया है।
- बैंकिंग उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है, जो पारंपरिक व्यापार मॉडल को बाधित करने वाली नई प्रौद्योगिकियों और भू-राजनीतिक कारकों से प्रभावित वैश्विक आर्थिक परिवर्तनों से प्रेरित

है। गतिशील वित्तीय क्षेत्र के माहौल में अवस्था से आगे रहने और कॉर्पोरेट प्रशासन में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू करने के बैंक के प्रयास को ध्यान में रखते हुए, बोर्ड के सदस्यों और बैंक के शीर्ष प्रबंधन को वित्तीय क्षेत्र में नवीनतम प्रवृत्ति के साथ संरेखित करने और आगे का तय करने के लिए 9 और 10 जनवरी 2025 को एक रणनीति कार्यशाला 'एसबीआई एसेंट 2025' का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य उभरते आर्थिक परिदृश्य, वैश्विक बाधाओं, विघटनकारी प्रौद्योगिकियों और नए युग के प्लेयर्स से उभरती चुनौतियों पर जोर देते हुए बैंक की भविष्य की रणनीतियों पर विचार-विमर्श, विचार और रूपरेखा तैयार करना था ताकि बैंक को प्रमुख बैंक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने में सक्षम बनाया जा सके। रणनीति कार्यशाला के ज्ञान भागीदार के रूप में एक विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित परामर्श फर्म को शामिल किया गया और कई प्रतिष्ठित अतिथि वक्ताओं ने कार्यशाला के दौरान विभिन्न विषयों पर अंतर्दृष्टि साझा की। कार्यशाला के दौरान, विकसित भारत, वैश्विक बैंकिंग रुझान, एआई का उपयोग कर परिचालन उत्कृष्टता को बढ़ाना, स्थिरता और समावेशन को रणनीतिक बनाना आदि विषयों पर प्रसिद्ध अतिथि वक्ताओं द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गईं, जो प्रतिभागियों के लिए उपयुक्त थीं।

वित्त वर्ष 2025 में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशकों को भुगतान किए गए वेतन एवं भत्ते (₹)

क्र.सं.	नाम	मूलवेतन	ईए	अन्य	कुल	अवधि
1	दिनेश कुमार खारा	10,95,967	5,74,983	27,17,014	43,87,964	1 अप्रैल 2024 - 27 अगस्त 2024
2	चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी	26,97,077	14,36,183	22,54,240	63,87,500	1 अप्रैल 2024 - 31 मार्च 2025
3	आलोक कुमार चौधरी	6,73,200	3,63,528	3,96,907	14,33,635	1 अप्रैल 2024 - 30 जून 2024
4	अश्विनी कुमार तिवारी	26,92,800	14,33,916	22,14,240	63,40,956	1 अप्रैल 2024 - 31 मार्च 2025
5	विनय एम तोन्से	26,73,300	14,23,386	8,15,386	49,12,072	1 अप्रैल 2024 - 31 मार्च 2025
6	राणा आशुतोष कुमार सिंह	17,51,767	9,28,436		26,80,203	7 अगस्त 2024 - 31 मार्च 2025
7	राम मोहन राव अमारा	7,74,541	4,10,507		11,85,048	18 दिसंबर 2024 - 31 मार्च 2025

वार्षिक महासभा में उपस्थिति

बैंक की वार्षिक महासभा (एजीएम) आम तौर पर मुंबई में बैंक के कॉर्पोरेट केंद्र में आयोजित की जाती है। भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के अनुसार केवल एक एजेंडा अर्थात् मार्च के पिछले 31 दिन तक बने बैंक के तुलन पत्र और लाभ-हानि खाते पर चर्चा करना और उसे अंगीकृत करना, निदेशक की रिपोर्ट और उस पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट को एजीएम में शेयरधारकों के समक्ष रखा जाता है। भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 और एसबीआई सामान्य विनियम, 1955 में डाक मतपत्र की सुविधा का प्रावधान नहीं है।

बैंक की पिछली तीन वार्षिक महासभाओं (एजीएम) का विवरण निम्नानुसार है:

- (i) वर्ष 2023-24 के लिए एजीएम 19 जून 2024 को दोपहर 3.00 बजे वीसी/ओएवीएम द्वारा मुंबई में आयोजित की गई और शेयरधारकों को ई-वोटिंग की सुविधा प्रदान की गई। निम्नलिखित निदेशकों ने बैठक में हिस्सा लिया: (i) श्री दिनेश कुमार खारा (ii) श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी (iii) श्री अश्विनी कुमार तिवारी (iv) श्री आलोक कुमार चौधरी (v) श्री विनय एम. तोंसे (vi) श्री केतन एस. विक्रमसी (vii) श्री राजेश कुमार दुबे (viii) श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड (ix) श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत (x) श्रीमती स्वाति गुप्ता
- (ii) वर्ष 2022-23 के लिए एजीएम 27 जून 2023 को मुंबई में वीसी/ओएवीएम द्वारा अपराह्न 3.00 बजे आयोजित की गई और कोविड 19 महामारी के कारण एमसीए और सेबी द्वारा दी गई छूट के अनुसार शेयरधारकों को ई-वोटिंग की सुविधा प्रदान की गई।
- (iii) वर्ष 2021-22 के लिए एजीएम 22 जून 2022 को मुंबई में वीसी/ओएवीएम द्वारा अपराह्न 3.00 बजे आयोजित की गई और कोविड 19 महामारी के कारण एमसीए और सेबी द्वारा दी गई छूट के अनुसार शेयरधारकों को ई-वोटिंग की सुविधा प्रदान की गई।

प्रकटीकरण

1. बैंक ने अपने प्रमोटर्स, निदेशकों या प्रबंधन, बैंक ने अपने प्रमोटर्स, निदेशकों या प्रबंधन, उनकी

सहायक कंपनियों या रिश्तेदारों आदि के साथ कोई भी महत्वपूर्ण संबंधित पक्ष लेनदेन नहीं किया है, जिससे बैंक के हितों के साथ संभावित टकराव हो सकता है।

2. बैंक ने सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 में दिए गए लागू अनिवार्य आवश्यकताओं का अनुपालन किया है। इस रिपोर्ट में गैर-अनिवार्य आवश्यकताओं के कार्यान्वयन की सीमा भी दी गई है। सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट में बताए गए आरबीआई द्वारा लगाए गए जुर्माने को छोड़कर बैंक पर उनके द्वारा कोई दंड या प्रतिबंध नहीं लगाया गया है।
3. आपके बैंक में सार्वजनिक हित प्रकटीकरण और मुखबिर की सुरक्षा (पीआईडीपीआई) पर 4 नवंबर 2011 को भारत सरकार के परिपत्र के माध्यम से व्हिसल ब्लोअर नीति शुरू की गई थी। उक्त नीति की समय-समय पर समीक्षा की जाती है। सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 बैंक की आचार संहिता या नैतिक नीति के उल्लंघन या धोखाधड़ी के बारे में प्रबंधन को रिपोर्ट करने के लिए व्हिसल ब्लोअर नीति नामक एक तंत्र की स्थापना को अनिवार्य बनाता है। यह नीति बैंक की वेबसाइट www.sbi.co.in पर उपलब्ध है। व्हिसल ब्लोअर नीति के अनुसार किसी भी कर्मचारी को बोर्ड की ऑडिट समिति तक पहुँचने से रोका नहीं गया।
4. संबंधित पार्टी लेनदेन की भौतिकता पर नीति और मभौतिकफसहायक कंपनियों के निर्धारण की नीति बैंक की वेबसाइट www.sbi.co.in और <https://bank.sbi> पर वेबपेज लिंक के कोड और नीतियां अनुभाग के अंतर्गत उपलब्ध है: <https://sbi.co.in/web/investor-relations/disclosure-under-regulation-46> <https://bank.sbi/web/investor-relations/disclosure-under-regulation-46>।
5. सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 25(9) के अनुसार, केंद्रीय बोर्ड ने 19 अप्रैल 2023 को आयोजित अपनी बैठक में सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के

विनियम 25(8) के अंतर्गत स्वतंत्र निदेशकों से प्राप्त घोषणा और पुष्टि को रिकॉर्ड में ले लिया है और स्वतंत्र निदेशक सेबी (एलओडीआर) विनियम के विनियम 16(1)(बी) के अंतर्गत निर्दिष्ट शर्तों को पूरा करते हैं और प्रबंधन से स्वतंत्र हैं।

6. सेबी (एलओडीआर) विनियमों की अनुसूची II के भाग ई में निर्दिष्ट विवेकाधीन आवश्यकताएँ इस प्रकार हैं: (i) बैंक के पास एक कार्यकारी अध्यक्ष है, जिसे भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से केंद्र सरकार द्वारा एसबीआई अधिनियम, 1955 की धारा 19 (ए) के तहत नियुक्त किया गया है। (ii) बैंक अपने निवेशकों/विश्लेषकों के लिए तिमाही आधार पर वित्तीय प्रदर्शन पर प्रस्तुति तैयार करता है और निवेशकों की जानकारी के लिए बीएसई और एनएसई को इसकी प्रति प्रस्तुत करता है और बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराता है। (iii) बैंक ने स्टॉक एक्सचेंजों के साथ एक घोषणा प्रस्तुत की है कि बैंक के वैधानिक लेखा परीक्षकों ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित वित्तीय परिणामों (स्टैंडअलोन और समेकित) पर लेखा परीक्षा रिपोर्ट बिना संशोधित राय के जारी की है। (iv) बैंक के पास अलग आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग है जो समय-समय पर अपनी रिपोर्ट सीधे बैंक की लेखा परीक्षा समिति को प्रस्तुत करता है।
7. बैंक ने विनियमन 17 से 27 और विनियमन 46(2) के खंड (बी) से (आई) और अनुसूची त के पैरा सी, डी और ई में निर्दिष्ट कॉर्पोरेट प्रशासन आवश्यकताओं का इस सीमा तक अनुपालन किया है, कि खंड की आवश्यकताएँ भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 के प्रावधानों, इसके तहत बनाए गए नियमों और विनियमों और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों या निर्देशों का उल्लंघन नहीं करती हैं।
8. वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान बैंक की प्रतिभूतियों को ट्रेडिंग से हटाया नहीं गया।
9. बैंक के गैर-कार्यकारी निदेशकों का बैंक के साथ कोई वित्तीय संबंध या लेन-देन नहीं होता

है, सिवाय बैंकिंग कारोबार के सामान्य क्रम में किए गए लेन-देनों और बैंक के बोर्ड तथा बोर्ड की समिति की बैठकों में उनकी उपस्थिति के लिए बैंक द्वारा उन्हें दिए गए बैठक शुल्क के।

संचार माध्यम

बैंक का दृढ़ विश्वास है कि सभी हितधारकों को इसकी गतिविधियों, प्रदर्शन और उत्पाद पहलों की पूरी जानकारी तक पहुंच होनी चाहिए। वर्ष 2023-24 के लिए बैंक के वार्षिक, अर्धवार्षिक और त्रैमासिक परिणाम भारत में व्यापक प्रसार वाले देश के प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित किए गए।

परिणाम बैंक की वेबसाइट www.sbi.co.in या <https://bank.sbi> पर भी प्रदर्शित किए गए। पूर्ण वार्षिक रिपोर्ट की सॉफ्ट कॉपी उन सभी शेयरधारकों को भेजी जाती है, जिन्होंने बैंक या डिपॉजिटरी के साथ अपना ई-मेल पता पंजीकृत किया है और वार्षिक रिपोर्ट की भौतिक प्रति उन अन्य शेयरधारकों को भेजी जा रही है, जो विशेष रूप से इसके लिए अनुरोध करते हैं। बैंक की वेबसाइट पर अन्य बातों के साथ-साथ बैंक की आधिकारिक समाचार विज्ञापियाँ, बैंक की वार्षिक रिपोर्टें, अर्धवार्षिक और त्रैमासिक परिणाम और विभिन्न उत्पाद पेशकशों का विवरण प्रदर्शित होता है।

प्रत्येक वर्ष, वार्षिक/अर्ध-वार्षिक/तिमाही परिणाम घोषित होने के पश्चात, उसी दिन एक प्रेस-मीट आयोजित की जाती है, जिसमें अध्यक्ष मीडिया को संबोधित करते हैं और उनके सवालियों के जवाब देते हैं। इसके बाद एक और बैठक होती है जिसमें विश्लेषकों/निवेशकों को आमंत्रित किया जाता है। बैठक में विश्लेषकों/निवेशकों के साथ बैंक के प्रदर्शन के विवरण पर चर्चा की जाती है। तिमाही परिणाम घोषित होने के बाद, प्रेस अधिसूचनाएँ जारी की जाती हैं और निवेशकों/विश्लेषकों के लिए बैंक के प्रदर्शन पर प्रस्तुत की गई प्रस्तुति की प्रति के साथ स्टॉक एक्सचेंजों को इसकी प्रति प्रस्तुत की जाती है।

शेयरधारकों के लिए सामान्य जानकारी

वार्षिक महासभा: दिनांक: 13 जून 2025, समय अपराह्न 2.30 बजे स्थान: स्टेट बैंक ऑडिटोरियम, स्टेट बैंक भवन, मैदम कामा रोड, मुंबई 400 021, वीसी/ओएवीएम के माध्यम से।

वित्तीय कैलेंडर	: 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025
लाभांश भुगतान तिथि	: xx.xx.xxxx
स्टॉक एक्सचेंजों पर	: बीएसई लिमिटेड, मुंबई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, मुंबई। जीडीआर लंदन स्टॉक एक्सचेंज (एलएसई) में
प्रतिभूतियों की लिस्टिंग	: सूचीबद्ध हैं, डॉलर मूल्यवर्ग के बॉन्ड सिंगापुर एक्सचेंज लिमिटेड में सूचीबद्ध हैं। लिस्टिंग शुल्क का भुगतान एलएसई सहित सभी स्टॉक एक्सचेंजों को कर दिया गया है। स्टॉक कोड 500112 (बीएसई), एसबीआईएन (एनएसई), सीयूएसआईपी यूएस8565522039 (एलएसई)
स्टॉक कोड/सीयूएसआईपी	: सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के अनुसार, प्रतिभूतियों का हस्तांतरण 1 अप्रैल 2019 से केवल डीमैट रूप में प्रभावी होगा।
शेयर ट्रांसफर सिस्टम	: इसके अलावा, शेयरों के पारेषण के बदले में, सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार आरटीए द्वारा पारेषित शेयरों के सभी विवरणों वाला पुष्टिकरण पत्र जारी किया जाएगा। तिमाही शेयर अंतरण लेखा परीक्षा और शेयर पूंजी लेखा परीक्षा का मिलान कंपनी सचिवों की एक स्वतंत्र फर्म द्वारा किया जाता है।
रजिस्ट्रार एंड ट्रांसफर एजेंट (वर्तमान)	केफिन टेक्नॉलाजीस लिमिटेड
यूनिट का पता	सेलिनियम टॉवर बी, प्लॉट 31 व 32, फिनॉन्शियल डिस्ट्रिक्ट, नानकमगुड, हैदराबाद-500032
फोन नंबर	18003094001, 040-67162222
ई-मेल पता	einward.riskfintech.com
केपीआरआईएसएम एक्सेस करने के लिए क्यूआर कोड	
संपर्क के लिए पता	एसबीआई, शेयर एंड बांड विभाग, कॉर्पोरेट केंद्र, 14वां तल, स्टेट बैंक भवन, मैदम कामा रोड, नरीमन पॉइंट, मुंबई 400 021.
टेलीफोन नंबर	(022) 22740841 से 22740848
ईमेल पता	investor.sevasbi.co.in
संपर्क के पूरे विवरण सहित डिबेंटर	आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज लिमिटेड, एशियन बिल्डिंग, भूतल, 17.आर कमानी मार्ग, बलॉर्ड एस्टेट, मुंबई-400001
ट्रस्टी का नाम (भारतीय रुपए में जारी पूंजीगत लिखत)	संपर्क: 91-22-4080 7006 फैक्स नंबर: 91-22-66311776 एक्सिस ट्रस्टीशिप सर्विसेज लिमिटेड, एक्सिस हाउस, बाम्बे डारिंग मिल्स कंपाउंड, पांडुरंग मार्ग, वरली, मुंबई-400025 संपर्क: 91-22-6230 0451 फैक्स नंबर: +91-22-6230 0700

निवेशकों का हित

निवेशकों की उनकी होल्डिंग के संबंध में विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, बैंक का मुंबई में एक पूर्ण विभाग - शेयर और बांड विभाग है। निवेशकों की शिकायतें, चाहे वे बैंक के कार्यालयों में प्राप्त हों अथवा रजिस्ट्रार एवं अंतरण एजेंटों के कार्यालय में प्राप्त हों, का शीघ्रता से निवारण किया जाता है और शीर्ष प्रबंधन स्तर पर उनकी निगरानी की जाती है। बैंक ने वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम आयोजित करने और सभी शेयरधारकों को ई-वोटिंग सुविधा प्रदान करने का निर्णय लिया है।

सेबी (एलओडीआर) विनियमन, 2015 के विनियमन 44 (6) के अनुसार बैंक वार्षिक महासभा की कार्यवाही

का एकतरफा लाइव वेबकास्ट करता है। वेबकास्ट सुविधा 19.06.2024 को दोपहर 02:30 बजे से उपलब्ध होगी और शेयरधारक <https://www.evoting.nsdl.com/> या <https://bank.sbi> पर इसका उपयोग कर सकते हैं।

विव2025 के दौरान पूँजी वृद्धि

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कोई इक्विटी पूँजी नहीं जुटाई गई।

बकाया वैश्विक डिपॉजिटरी रसीदें (जीडीआर)

1996 में जीडीआर जारी करने के समय, सरकार/आरबीआई द्वारा दोतरफा विनियम की अनुमति नहीं

थी, अर्थात्, यदि जीडीआर धारक भारतीय कंपनी के अंतर्निहित इक्विटी शेयर प्राप्त करना चाहता था, तो ऐसे जीडीआर को भारतीय कंपनी के शेयरों में परिवर्तित किया जाना था लेकिन इसके विपरीत नहीं।

बाद में, भारत सरकार/आरबीआई द्वारा एडीआर/जीडीआर की दोतरफा विनियम की अनुमति दी गई। बैंक ने बैंक के जीडीआर कार्यक्रम के लिए दोतरफा विनियम की अनुमति दी है।

31 मार्च 2025 तक बैंक के पास 79,78,747 जीडीआर थे, जो 7,97,87,470 इक्विटी शेयरों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

बिना दावा वाले शेयर

शेयरधारक की श्रेणी	शेयरधारकों की संख्या	शेयरों की संख्या
शेयरधारकों की संख्या तथा वर्ष के आरंभ में दावा रहित उंचत खाते में बकाया शेयर	1,973	5,73,086
जोड़े: शेयरधारकों की संख्या तथा वर्ष के दौरान दावा रहित उंचत खाते में अंतरित शेयर	29,749	93,30,652
कुल	31,722	99,03,738
शेयरधारकों की संख्या जिन्होंने जारीकर्ता से दावा रहित उंचत खाते से शेयरों का दावा किया	283	1,21,916
शेयरधारकों की संख्या और दावा रहित उंचत खाते से वर्ष के दौरान संबंधित शेयरधारकों के डीमैट खाते में अंतरित शेयर	283	1,21,916
वर्ष के अंत में शेयरधारकों की समग्र संख्या और दावा रहित उंचत खाते में बकाया शेयर	31,439	97,81,822

ऐसे दावा रहित शेयरों पर मतदान का अधिकार तब तक अवरुद्ध रहेगा जब तक कि ऐसे शेयरों का वास्तविक स्वामी उन शेयरों पर दावा नहीं कर लेता।

लाभांश वितरण नीति

बैंक के पास केंद्रीय बोर्ड द्वारा अनुमोदित लाभांश वितरण नीति है। यह नीति बैंक की वेबसाइट पर वेबपेज के कोड और नीतियाँ अनुभाग के अंतर्गत उपलब्ध है: <https://bank.sbi/web/investor-relations/disclosure-under-regulation-46>.

डेरिवेटिव ट्रांज़ैक्शन पर गुणात्मक प्रकटीकरण वित्तीय वर्ष 2024-25

बैंक वर्तमान में ब्याज दर और मुद्रा जोखिमों से बचाव के लिए ओवर द काउंटर (ओटीसी) डेरिवेटिव्स का कारोबार करता है। यह करेंसी फ्यूचर्स और करेंसी ऑप्शंस का भी कारोबार करता है।

बैंक द्वारा निपटाए जाने वाले ब्याज दर डेरिवेटिव में रुपया ब्याज दर स्वेप (ओआईएस), एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर फ्यूचर्स, विदेशी मुद्रा ब्याज दर स्वेप (आईआरएस), फॉरवर्ड रेट एजीमेंट (एफआरए), कैप्स, फ्लोर और कॉलर शामिल हैं। बैंक द्वारा निपटाए जाने वाले करेंसी डेरिवेटिव में करेंसी स्वेप (सीआईआरएस/सीसीएस), यूएसडी / आईएनआर ऑप्शन और क्रॉस करेंसी ऑप्शन शामिल हैं। बैंक आरबी द्वारा अनुमत बैंक एनडीओ और एनडीएफ ट्रेड भी करता है।

ये उत्पाद बैंक के ग्राहकों को उनके जोखिमों की हेजिंग के लिए पेश किए जाते हैं। इनका उपयोग बैंक की बैलेंस शीट के जोखिम को कम करने के लिए भी किया जाता है। डेरिवेटिव पर ट्रेडिंग/आर्बिट्रिज गतिविधियाँ जब भी अवसर दिखाई देते हैं, तो निर्धारित जोखिम सीमाओं के भीतर चुनिंदा रूप से की जाती हैं।

बैंक यूएसडी / आईएनआर ऑप्शन बुक चलाता है और ग्रीक सीमाओं का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करता है। बैंक यूएसडी / आईएनआर स्वेप मूल्य बनाने के लिए मिफोर बुक भी चलाता है।

डेरिवेटिव लेनदेन में बाजार जोखिम होता है, यानी ब्याज दरों और/या विनियम दरों में प्रतिकूल उतार-चढ़ाव के कारण बैंक को होने वाला संभावित नुकसान। डेरिवेटिव स्थिति में ऋण जोखिम भी होता है, यानी प्रतिपक्षों द्वारा अपने दायित्वों को पूरा करने में विफल रहने पर बैंक को होने वाला संभावित नुकसान। बोर्ड द्वारा अनुमोदित बैंक की डेरिवेटिव नीति जोखिमों को नियंत्रित करने के लिए किए जाने वाले उपायों को निर्धारित करती है। नीति में बाजार जोखिम मापदंडों (ग्रीक सीमाएं, हानि सीमाएं, कट-लॉस ट्रिगर्स, ओपन पोজিশन सीमाएं, वीएआर, संशोधित अवधि, पीवी01, आदि) को स्पष्ट रूप से

परिभाषित किया गया है, जिनका कड़ाई से पालन किया जाता है। ऋण जोखिम को नियंत्रित करने के लिए, नीति ग्राहक/प्रतिपक्ष पात्रता मानदंड क्रेडिट रेटिंग, संबंध की अवधि, सीईएल सीमा की उपलब्धता, ग्राहक उपयुक्तता और उपयुक्तता (सीएसए) परीक्षण आदि निर्धारित करती है, बैंक प्रत्येक डेरिवेटिव प्रतिपक्षकार - कॉर्पोरेट और अंतरबैंक दोनों - के साथ आईएसडीए समझौता निष्पादित करता है।

प्रत्येक अंतरबैंक प्रतिपक्ष के लिए, जोखिम वॉटिकल द्वारा प्रतिपक्ष जोखिम सीमा निर्धारित की जाती है। बैंक ने कुछ प्रतिपक्षों के साथ आईएसडीए मास्टर समझौते का एक हिस्सा सीएसए (क्रेडिट सपोर्ट एनेक्स) निष्पादित किया है। सीएसए की शर्तों के अनुसार, 'इन द मनी' डेरिवेटिव स्थितियों से उत्पन्न होने वाले क्रेडिट जोखिम को कम करने के लिए स्वैप प्रतिपक्षों के साथ संपार्श्विक पोस्ट या स्थानांतरित किया जाता है।

बैंक की एसेट लायबिलिटी मैनेजमेंट कमेटी (एएलसीओ) इन जोखिमों के कुशल प्रबंधन की देखरेख करती है। बैंक का मार्केट रिस्क मैनेजमेंट डिपार्टमेंट (एमआरएमडी) डेरिवेटिव लेनदेन से जुड़े बाजार जोखिम की पहचान करता है, उसे मापता है और उसकी निगरानी करता है। एमआरएमडी इन जोखिमों को नियंत्रित करने और प्रबंधित करने में अलको की सहायता करता है और नियमित अंतराल पर बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) को नीतिगत निर्देशों के अनुपालन की रिपोर्ट देता है।

डेरिवेटिव्स के लिए लेखांकन नीति आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार की गई है, जिसका विवरण अनुसूची 17: प्रमुख लेखांकन नीतियां (पीएपी) के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया है।

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 (समय-समय पर संशोधित) के अंतर्गत आवश्यक प्रकटीकरण)

1. बैंक के केंद्रीय बोर्ड ने सेबी (एलओडीआर) विनियमों में संशोधन के संदर्भ में क्रमशः विभिन्न बोर्ड स्तरीय समितियों जैसे ऑडिट, स्टेकहोल्डर्स रिलेशनशिप, जोखिम प्रबंधन और नामांकन और पारिश्रमिक समिति के संदर्भ/भूमिका/पुनर्गठन की शर्तों की समीक्षा की और उन्हें मंजूरी दी। एनआरसी के संदर्भ/भूमिका/अधिदेश की शर्तों की समीक्षा केंद्रीय बोर्ड ने 27.09.2023 को हुई अपनी बैठक में की और उसे मंजूरी दी। अन्य बोर्ड स्तरीय समितियों के संदर्भ/भूमिका की शर्तों की समीक्षा केंद्रीय बोर्ड ने आखिरी बार 06.03.2019 को सेबी (एलओडीआर) संशोधन विनियम, 2018 के अनुरूप की थी। वर्ष के दौरान बोर्ड स्तरीय समितियों के अंतिम पुनर्गठन को केंद्रीय बोर्ड ने 21.06.2023 को हुई अपनी बैठक में मंजूरी दी है और यह 26.06.2023 से प्रभावी है।
2. लिस्टिंग विनियमों के विनियमन 24ए के अनुसार 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट वार्षिक रिपोर्ट के साथ संलग्न है।
3. विव2025 के दौरान, बैंक ने प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट या क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट के माध्यम से पूंजी नहीं जुटाई। इसलिए, जुटाई गई निधियों के उपयोग में विचलन/भिन्नता का शून्य विवरण सेबी (एलओडीआर), विनियम, 2015 के विनियमन 32 (1) के तहत स्टॉक एक्सचेंजों के पास दायर किया गया था।
4. बैंक ने लिस्टिंग विनियमनों के विनियमन 34 और अनुसूची V के अंतर्गत प्रमाण-पत्र प्राप्त किया है तथा बैंक के किसी भी निदेशक को किसी भी वैधानिक प्राधिकरण द्वारा नियुक्त किए जाने से वंचित या अयोग्य नहीं ठहराया गया है। (प्रमाण-पत्र की प्रति संलग्न है)
5. स्वतंत्र निदेशकों के लिए आयोजित परिचय कार्यक्रमों का विवरण बैंक की वेबसाइट पर वेब लिंक: <https://sbi.co.in/web/corporate-governance/corporate-governance> के अंतर्गत विनियामक प्रकटीकरण टैब के अंतर्गत दिया गया है।
6. लिस्टिंग विनियमों की अनुसूची त पैरा सी, खंड 10 (के) के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान मौजूदा वैधानिक केंद्रीय लेखा परीक्षकों (एससीए) को भुगतान की गई कुल फीस केवल 6,21,24,665.85 है।
7. जहां बोर्ड ने बोर्ड की किसी समिति की किसी सिफारिश को स्वीकार नहीं किया है, जो कि अनिवार्य रूप से आवश्यक है, वित्त वर्ष 2024-25 में - शून्य
8. सूचीबद्ध इकाई के साथ गैर-कार्यकारी निदेशकों के सभी आर्थिक संबंध या लेनदेन - शून्य

वरिष्ठ प्रबंधन 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार

क्र.सं.	पी एफ	संबोधन नाम	वर्तमान पदभार
1	3341224	श्री अभिजित चक्रवर्ती (31.03.2025 को सेवानिवृत्त)	एमडी एंड सीईओ, एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लि. गुडगाव
2	3434613	श्री अमित झिन्न	एमडी एंड सीईओ, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि. मुंबई
3	3355756	श्री अशोक कुमार शर्मा	डीएमडी एंड सीसीओ एवं मुख्य संवहनीयता अधिकारी, सीसी मुंबई
4	3258130	श्री बलदेव प्रकाश	डीएमडी एवं समूह प्रमुख जोखिम अधिकारी, सीसी मुंबई
5	3688399	श्री बिनोद कुमार मिश्रा	डीएमडी (एचआर) एंड सीडीओ, सीसी मुंबई
6	3219216	श्री दीपक कुमार लल्ला	एमडी एंड सीईओ एसबीआई कैप सिक्योरिटीज लि. मुंबई
7	3258157	श्री जी एस राणा	डीएमडी (रिटेल-पी एंड आरई) सीसी मुंबई
8	3214117	श्री गुलशन मलिक	डीएमडी (सीसीजी - 1), सीसीजी सीसी, मुंबई (डीएमडी(सीसीजी-2) के अतिरिक्त पदभार सहित)
9	3454967	सुश्री जयति बंसल	डीएमडी (अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह) सीसी मुंबई
10	3348539	श्री क्षितिज मोहन	डीएमडी एसएआरजी, सीसी मुंबई
11	3716767	श्री नंद किशोर	एमडी एंड सीईओ, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लि. मुंबई
12	3938573	श्री नवीन चंद्र झा	एमडी एंड सीईओ, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि. मुंबई
13	3393607	श्री पोलुदासु किशोर कुमार	डीएमडी (आंतरिक लेखापरीक्षा) हैदराबाद
14	3603210	श्री प्रवीण राघवेंद्र	डीएमडी एंड सीओओ, सीसी मुंबई
15	3444619	श्री प्रेम अनूप सिंहा	डीएमडी (सीएजी) सीसी मुंबई
16	3799514	श्री रवि रंजन	डीएमडी (ग्लोबल मार्केट्स) सीसी मुंबई
17	2340798	श्री रुमा डे	डीएमडी एवं समूह अनुपालन अधिकारी, सीसी मुंबई
18	3798070	सुश्री सलोनी नारायण	डीएमडी (वित्त) सीसी मुंबई
19	3851885	श्री सतीश राव नागेश	डीएमडी (आईटी) जीआईटीसी, नवी मुंबई
20	3723283	श्री शमशेर सिंह	डीएमडी (ट्रांसैक्शन बैंकिंग एंड न्यू इनीशिएटिव) सीसी मुंबई
21	3342336	श्री शिव ओम दीक्षित	डीएमडी (ऑप्स-चैनल मैनेजमेंट) सीसी मुंबई
22	3726193	श्री सुरेंद्र राणा	डीएमडी (रिटेल-अग्री एंड एसएमई) सीसी मुंबई
23	3519112	श्री वीरेंद्र बंसल	एमडी एंड सीईओ एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि. मुंबई
24	1025428	श्री नितिन चुग	डीएमडी एंड हेड (डिजिटल बैंकिंग एंड ट्रांसफार्मेशन) सीसी मुंबई
25	3697665	श्री कामेश्वर राव कोदवंती	मुख्य वित्त अधिकारी सीसी मुंबई

पिछले वित्त वर्ष (01.04.2024 से 31.03.2025) की समाप्ति के बाद वरिष्ठ प्रबंधन में परिवर्तन

क्र.सं.	पी एफ	संबोधन नाम	वर्तमान पदभार	परिवर्तन का कारण
1	3355756	श्री अशोक कुमार शर्मा	डीएमडी एंड सीसीओ एवं मुख्य संवहनीयता अधिकारी सीसी मुंबई	नियुक्ति
2	3258157	श्री जी एस राणा	डीएमडी (रिटेल-पी एंड आरई) सीसी मुंबई	नियुक्ति
3	3348539	श्री क्षितिज मोहन	डीएमडी एसएआरजी, सीसी मुंबई	नियुक्ति
4	3938573	श्री नवीन चंद्र झा	एमडी एंड सीईओ, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि. मुंबई	नियुक्ति
5	3444619	श्री प्रेम अनूप सिंहा	डीएमडी (सीएजी) सीसी मुंबई	नियुक्ति
6	3799514	श्री रवि रंजन	डीएमडी (ग्लोबल मार्केट्स) सीसी मुंबई	नियुक्ति
7	3851885	श्री सतीश राव नागेश	डीएमडी (आईटी) जीआईटीसी, नवी मुंबई	नियुक्ति
8	3342336	श्री शिव ओम दीक्षित	डीएमडी (ऑप्स-चैनल मैनेजमेंट) सीसी मुंबई	नियुक्ति
9	3519112	श्री वीरेंद्र बंसल	एमडी एंड सीईओ एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि. मुंबई	नियुक्ति
10	3799573	श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह	डीएमडी (रिटेल-पी एंड आरई) सीसी मुंबई	प्रबंध निदेशक के रूप में पदोन्नत
11	3393410	श्री राम मोहन राव अमारा	डीएमडी एंड जीसीआरओ, सीसी मुंबई	प्रबंध निदेशक के रूप में पदोन्नत

क्र.सं.	पी एफ	संबोधन नाम	वर्तमान पदभार	परिवर्तन का कारण
12	3219216	श्री दीपक कुमार लल्ला	एमडी एंड सीईओ एसबीआई कैप सिक्योरिटीज लि. मुंबई	कोई परिवर्तन नहीं
13	3341224	श्री अभिजित चक्रवर्ती	एमडी एंड सीईओ, एसबीआई कार्गो एंड पेमेंट सर्विसेज लि. गुडगाव	31.03.2025 को सेवानिवृत्त
14	3798070	श्रीमती सलोनी नारायण	डीएमडी (वित्त) सीसी मुंबई	कोई परिवर्तन नहीं
15	3454967	सुश्री जयति बंसल	डीएमडी (अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह) सीसी मुंबई	कोई परिवर्तन नहीं
16	2340798	श्रीमती रुमा डे	डीएमडी एवं समूह अनुपालन अधिकारी, सीसी मुंबई	कोई परिवर्तन नहीं
17	3603210	श्री प्रवीण राघवेंद्र	डीएमडी एंड सीओओ, सीसी मुंबई	कोई परिवर्तन नहीं
18	3688399	श्री बिनोद कुमार मिश्रा	डीएमडी (एचआर) एंड सीडीओ, सीसी मुंबई	कोई परिवर्तन नहीं
19	3434613	श्री अमित झिन्नन	एमडी एंड सीईओ, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि. मुंबई	कोई परिवर्तन नहीं
20	1025428	श्री नितिन चुग	डीएमडी एंड हेड (डिजिटल बैंकिंग एंड ट्रांसफार्मेशन) सीसी मुंबई	कोई परिवर्तन नहीं
21	3697665	श्री कामेश्वर राव कोडवंती	मुख्य वित्त अधिकारी सीसी मुंबई	कोई परिवर्तन नहीं
22	3393607	श्री पोलुदासु किशोर कुमार	एमडी एंड सीईओ, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि. मुंबई से डीएमडी (आंतरिक लेखापरीक्षा) हैदराबाद	स्थानांतरण
23	3723283	श्री शमशेर सिंह	एमडी एंड सीईओ, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लि. मुंबई से डीएमडी (ट्रांसैक्शन बैंकिंग एंड न्यू इनीशिएटिव) सीसी मुंबई	स्थानांतरण
24	3214117	श्री गुलशन मलिक	डीएमडी (सीसीजी-1) सीसीजी सीसी मुंबई, अतिरिक्त पदभार डीएमडी (सीएजी) से डीएमडी (सीसीजी-1), सीसीजी सीसी, मुंबई (डीएमडी(सीसीजी-2) के अतिरिक्त पदभार सहित)	स्थानांतरण
25	3258130	श्री बलदेव प्रकाश	प्रतिनियुक्ति पर: एमडी एंड सीईओ जे एंड के बैंक लि. श्रीनगर से डीएमडी एवं समूह प्रमुख जोखिम अधिकारी, सीसी मुंबई	स्थानांतरण
26	3716767	श्री नंद किशोर	डीएमडी (ग्लोबल मार्केट्स) सीसी मुंबई से एमडी एंड सीईओ, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लि. मुंबई	स्थानांतरण
27	3726193	श्री सुरेंद्र राणा	डीएमडी (रिटेल-अग्री, एसएमई एंड एफआई) सीसी मुंबई से डीएमडी (रिटेल-अग्री एंड एसएमई) सीसी मुंबई	पदनाम का पुनर्नामकरण
28	3688348	श्री महेश कुमार शर्मा	डीएमडी (ट्रांसैक्शन बैंकिंग एंड न्यू इनीशिएटिव) सीसी मुंबई	सेवानिवृत्ति
29	3679365	श्रीमती विद्या कृष्णन	डीएमडी (आईटी) जीआईटीसी, नवी मुंबई	सेवानिवृत्ति
30	2973618	श्री सली एस	डीएमडी एंड सीसीओ एवं मुख्य संवहनीयता अधिकारी, सीसी मुंबई	सेवानिवृत्ति
31	2973669	श्री विश्वनाथन रामनाथन	डीएमडी (आंतरिक लेखापरीक्षा) हैदराबाद	सेवानिवृत्ति
32	3341208	श्री शंकर बलभद्रपतरुणी	डीएमडी एसएआरजी सीसी मुंबई	सेवानिवृत्ति
33	3603571	श्री अमिताभ चटर्जी	डीएमडी (सीसीजी-2) वाणिज्यिक ग्राहक समूह सीसी मुंबई	इस्तीफा

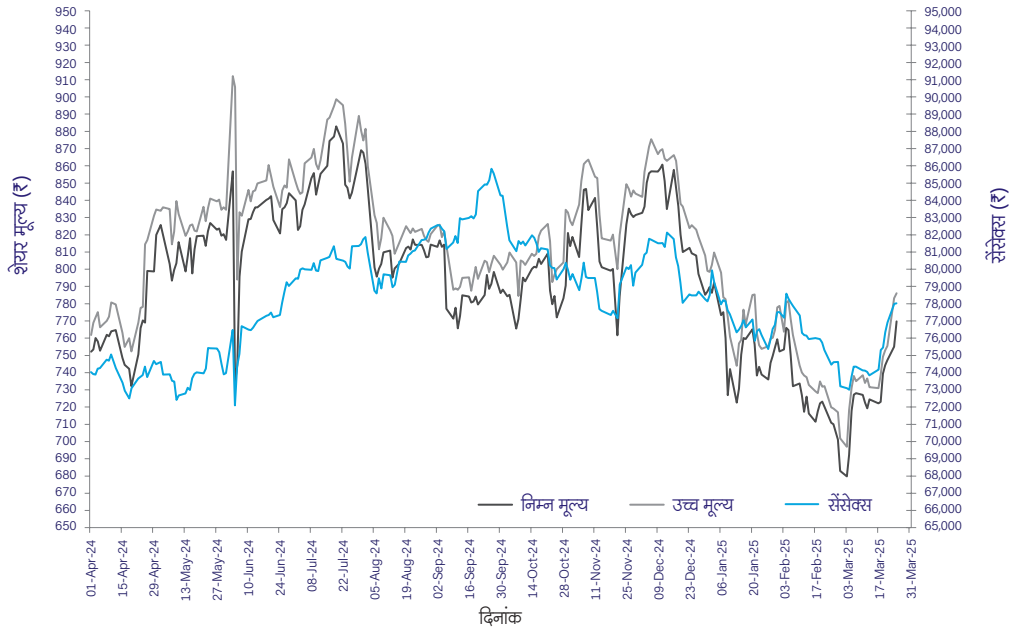
10. क्रेडिट रेटिंग: वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान बैंक द्वारा प्राप्त सभी क्रेडिट रेटिंग की सूची, साथ ही भारत या विदेश में धन जुटाने वाले सभी ऋण साधनों के लिए किसी भी संशोधन की सूची।

रेटिंग एजेंसी	रेटिंग				आउटलुक
	अतिरिक्त टियर 1	टियर 2	लॉन्ग टर्म बॉन्ड	सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट	
क्रिसिल	AA+	AAA	AAA	A1+	स्टेबल
आईसीआरए	AA+	AAA	AAA		स्टेबल
केयर	AA+	AAA	AAA		स्टेबल
इंडिया रेटिंग्स	AA+	AAA	AAA		स्टेबल
रेटिंग एजेंसी	रेटिंग/आउटलुक				
मूडीज	बीएए3/स्टेबल/पी-3				
एस एंड पी	बीबीबी- /स्टेबल/ए-3				
फिच रेटिंग	बीबीबी- /स्टेबल/एफ-3				

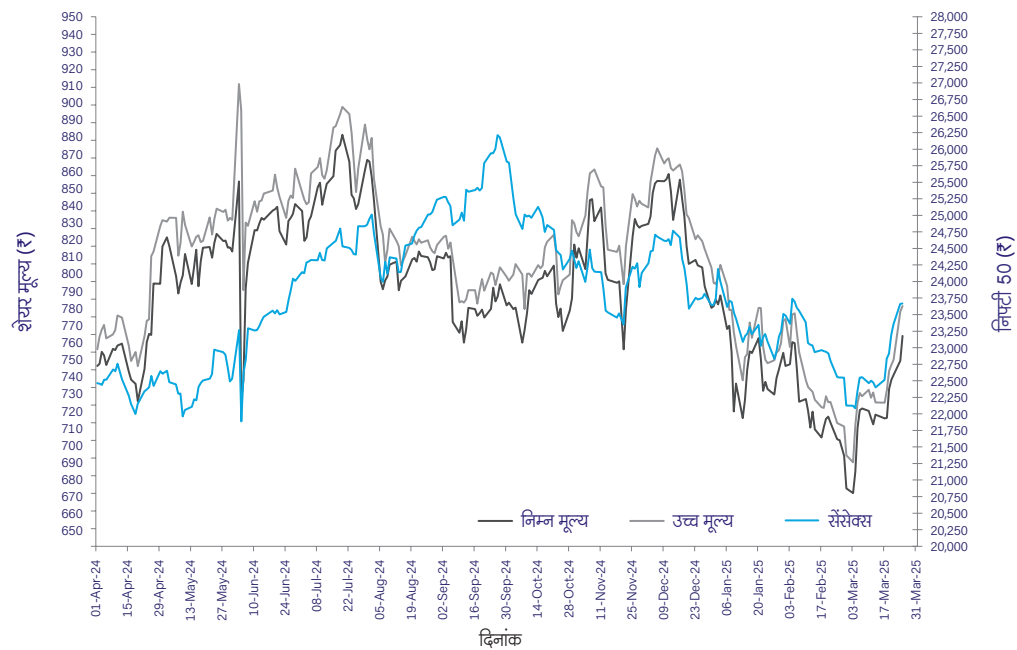
शेयर मूल्य उतार-चढ़ाव

बीएसई सेंसेक्स / एनएसई निफ्टी के साथ एसबीआई शेयर मूल्य (उतार और चढ़ाव) की गति निम्नलिखित ग्राफ में प्रस्तुत की गई है।

बीएसई में स्टॉक प्रदर्शन (विव2024-25)



एनएसई में स्टॉक का प्रदर्शन (विव2024-25)



बाजार मूल्य आंकड़े

माह	बीएसई (₹ में)		एनएसई (₹ में)		एलएसई (₹ में)	
	उच्चतम	न्यूनतम	उच्चतम	न्यूनतम	उच्चतम	न्यूनतम
अप्रैल-24	826.15	744.80	826.50	744.80	99.40	89.15
मई-24	834.10	801.95	833.70	801.90	99.93	97.80
जून-24	905.80	775.20	905.65	775.20	108.93	92.81
जुलाई-24	893.40	826.35	893.55	826.15	106.81	98.94
अगस्त-24	862.75	797.30	862.65	797.55	102.52	94.98
सितंबर-24	824.75	768.30	824.80	768.60	98.23	91.53
अक्टूबर-24	832.65	769.80	832.70	770.65	99.04	91.77
नवंबर-24	859.25	780.85	859.60	780.75	101.88	92.40
दिसम्बर-24	867.60	788.30	867.50	788.30	102.24	92.20
जनवरी-25	801.05	729.60	801.20	729.50	93.43	84.25
फरवरी-25	779.20	688.25	779.20	688.80	89.48	88.72
मार्च-25	781.40	695.15	780.80	695.30	91.17	79.59

नोट: मासिक उच्च और निम्न शेयर के दैनिक समापन मूल्य से निकाला जाता है। 31.03.2025 को प्रति शेयर बुक वैल्यू ₹435.95 रहा।

31 मार्च 2025 तक शेयरधारिता पैटर्न

क्र. सं. विवरण	कुल शेयरों का %
1 भारत के राष्ट्रपति	56.92
2 अनिवासी (एफआईआई/ओसीबी/एनआरआई/जीडीआर)	11.07
3 म्यूचुअल फंड और यूटीआई	12.54
4 निजी कॉर्पोरेट निकाय	0.56
5 बैंक/वित्तीय संस्थान/बीमा कंपनियां, आदि।	12.28
6 अन्य (निवासी व्यक्तियों सहित)	6.63
कुल	100.00

31 मार्च 2025 को शीर्ष दस शेयरधारक

क्र. सं. नाम	कुल इक्विटी में शेयरों का%
1 भारत के राष्ट्रपति	56.92
2 भारतीय जीवन बीमा निगम	9.29
3 एसबीआई म्यूचुअल फंड	2.94
4 एचडीएफसी म्यूचुअल फंड	1.65
5 एनपीएस ट्रस्ट	1.47
6 बैंक ऑफ न्यूयॉर्क मेलन	1.33
7 निप्पॉन भारत म्यूचुअल फंड	1.20
8 सिंगापुर सरकार	0.95
9 आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड	0.89
10 कोटक म्यूचुअल फंड	0.71

31.03.2025 को शेयरों को डीमैट रूप में रखना और चलनिधि

क्र.सं.	विवरण	मामले	शेयर	% इक्विटी
1	भौतिक	1,11,995	5,54,30,695	0.62
2	एनएसडीएल	14,12,493	3,53,04,05,410	39.56
3	सीडीएसएल	24,71,592	5,33,87,83,929	59.82
कुल		39,96,080	8,92,46,20,034	100.00

वितरण अनुसूची - 31.03.2025 तक समेकित

क्र.सं.	श्रेणी (शेयर)	मामलों की संख्या	मामलों का %	राशि	राशि का %
1	1-5000	39,85,838	99.74	50,12,89,970	5.62
2	5001- 10000	5,284	0.13	3,73,93,858	0.42
3	10001- 20000	2,136	0.05	2,96,83,361	0.33
4	20001- 30000	625	0.02	1,55,12,054	0.17
5	30001- 40000	295	0.01	1,02,64,772	0.12
6	40001- 50000	201	0.01	91,83,900	0.10
7	50001- 100000	432	0.01	3,07,42,354	0.34
8	100001 - अधिक	1,269	0.03	8,29,05,49,765	92.90
कुल		39,96,080	100.00	8,92,46,20,034	100.00

अनुलग्नक - I

31.03.2025 तक बोर्ड में गैर-कार्यपालक निदेशकों का संक्षिप्त विवरण

सीए केतन एस विकमसी

सीए केतन एस विकमसी भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19(सी) के तहत 26 जून 2023 से 25 जून 2026 तक की अवधि के लिए शेयरधारकों द्वारा पुनः निर्वाचित निदेशक हैं।

वे केकेसी एंड एसोसिएट्स एलएलपी, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स में वरिष्ठ भागीदार हैं, जिसकी स्थापना 1936 में हुई थी। उनकी योग्यताओं में आईसीएआइ का आइएफआरएस सर्टिफिकेशन; आईसीएआइ की सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा (डीआइएसए) में डिप्लोमा; और आईडीआरबीटी, हैदराबाद का बोर्ड सदस्यों के लिए आईटी व साइबर सुरक्षा में सर्टिफिकेशन शामिल है। वे भारतीय कॉर्पोरेट मामलों के संस्थान के साथ एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में पंजीकृत हैं।

तीन दशकों से अधिक के व्यापक अनुभव के साथ, श्री विकमसी ने प्रमुख बैंकों, विनिर्माण कंपनियों, निवेश बैंकों, बीमा कंपनियों और म्यूचुअल फंडों के ऑडिट का नेतृत्व और प्रबंधन किया है। वे एक लोकप्रिय वक्ता हैं और उन्होंने आईसीएआई, इसकी क्षेत्रीय परिषदों, शाखाओं और अध्ययन मंडलों के साथ-साथ आरबीआई, सी एवं एजी और विभिन्न अन्य संस्थानों द्वारा आयोजित कई सेमिनारों, सम्मेलनों और व्याख्यानो की अध्यक्षता की है।

अपने पेशेवर प्रयासों से परे, वे विपासना अनुसंधान संस्थान, इगतपुरी और श्री वी एल विद्यार्थीगृह के ट्रस्टी हैं, जो मुंबई शहर के बीच 175 छात्रों की क्षमता युक्त अत्याधुनिक छात्रावास संचालित करने वाला एक गैर-सरकारी संगठन है। वे वन्यजीव और प्रकृति प्रेमी हैं, पेशेवर फोटोग्राफी में उनकी गहरी रुचि है और उन्हें नए स्थानों और विभिन्न दिलचस्प संस्कृतियों की खोज में दुनिया भर की यात्रा करना पसंद है।

श्री मृगांक एम. परांजपे

श्री मृगांक एम परांजपे भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2023 से 25 जून 2026 तक के लिए पुनः निर्वाचित निदेशक हैं।

वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मुंबई से बैचलर इन टेक्नोलॉजी हैं, साथ ही वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट हैं। वे एक प्रसिद्ध पूंजी और कमोडिटी बाजार विशेषज्ञ, सेवा इंटरनेशनल के न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष और ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड के बोर्ड में एक स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशक भी हैं।

उन्हें विभिन्न कार्यात्मक एवं भौगोलिक क्षेत्रों में बैंकिंग, पूंजी और कमोडिटी बाजार, परिसंपत्ति प्रबंधन विनियम और प्रतिभूति सेवाओं में 33 से अधिक वर्षों का अनुभव प्राप्त है। वह MC3 (www.mcquebe.in) के प्रबंध भागीदार के साथ-साथ परामर्शदाता के रूप में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। पूर्व में वे एनसीडीईएक्स ई मार्केट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी रहे हैं और इससे पहले मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड - भारत का पहला सूचीबद्ध और अग्रणी कमोडिटी एक्सचेंज के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी रहे हैं। उन्होंने 26 वर्षों में भारत और सिंगापुर में डॉयचे बैंक, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, डब्ल्यूआई कैर सिक्योरिटीज, आईएनजी बैरिंग्स और सिटीबैंक जैसे वित्तीय सेवा संगठनों में कई सफल कार्यकाल दिए।

श्री राजेश कुमार दुबे

श्री राजेश कुमार दुबे एसबीआई अधिनियम, 1955 की धारा 19 (सी) के तहत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2023 से 25 जून 2026 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए निर्वाचित निदेशक हैं।

वे भारतीय जीवन बीमा निगम के पूर्व कार्यकारी निदेशक हैं। वर्ष 1988 में वे सीधी भर्ती के माध्यम से अधिकारी के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम में शामिल हुए और फरवरी 2024 में कार्यकारी निदेशक (कार्मिक) के रूप में सेवानिवृत्त हुए। श्री दुबे इंजीनियरिंग डिग्री धारक हैं। भारतीय जीवन बीमा निगम में 36 वर्षों की सेवा में श्री दुबे को भारत और विदेश (यूके) में जीवन बीमा व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं में अनुभव हासिल है। सेवा की प्रारंभिक अवधि के दौरान उन्होंने व्यक्तिगत और समूह व्यवसाय दोनों में सामान्य प्रशासन, ग्राहक सेवा और विपणन में एक्सपोजर के साथ शाखाओं में

कार्य किया। तत्पश्चात, वे चार वर्ष तक एलआईसी के यूके कार्यालय में प्रबंधक (बिक्री) के रूप में तैनात रहे और मुंबई एवं बेंगलुरु में निगम के डिवीजनल कार्यालयों का नेतृत्व भी किया।

आईटी, न्यू बिजनेस, इंटरनेशनल ऑपरेशंस, कार्मिक/प्रशासन, सीआरएम, मार्केटिंग, यूलिप, ईआर-डिसिप्लिन और कार्मिक में विभिन्न विभागों में एक्सपोजर के बाद श्री राजेश कुमार दुबे ने 22 अप्रैल 2021 को कार्यकारी निदेशक (कार्मिक) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। कार्यकारी निदेशक (कार्मिक) की भूमिका संगठन के भीतर जनशक्ति योजना, नियुक्ति, मूल्यांकन, अनुशासन और औद्योगिक संबंधों के विकास की जिम्मेदारियों के साथ एक विशेषज्ञ पद है। आईटी, सीआरएम, यूलिप और कार्मिक में अपने कार्यों के दौरान उन्होंने विभिन्न प्रक्रियाओं को कागज रहित बनाने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाने में अपनी टीमों का मार्गदर्शन किया, जिससे अधिकृत कर्मचारियों को कहीं से भी काम करने की अनुमति मिली और ग्राहकों को ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करने में। उन्होंने निजी क्लाउड पर यूलिप प्रशासन के केंद्रीकरण, प्रौद्योगिकी के एकीकरण (यूडीआईटी) के माध्यम से उन्नत अनुशासनात्मक वर्कफ्लो के विकास और कार्यान्वयन और एचआरएमएस के कार्यान्वयन के लिए वेंडर चयन प्रक्रिया को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने आईआईएम, आईएसबी, एनआईए और सीएफएआरएल द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और सीआईआई, यूके से वित्तीय योजना प्रमाणपत्र हासिल किया है और उन्हें केएसएफसी और टीएफसीआई के बोर्ड पर नामित निदेशक के रूप में भी कार्य करने का अनुभव प्राप्त है।

सीए धर्मेन्द्र सिंह शेखावत

सीए धर्मेन्द्र सिंह शेखावत एसबीआई अधिनियम, 1955 की धारा 19 (सी) के तहत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2023 से 25 जून 2026 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए निर्वाचित निदेशक हैं। उन्होंने वाणिज्य में स्नातक किया है और पेशे से वे चार्टर्ड एकाउंटेंट हैं। वे सितंबर 2002 से मेसर्स डीएस शेखावत एंड एसोसिएट्स, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के मुख्य भागीदार हैं तथा जसवंत सिंह मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं।

उन्हें अकाउंटेंसी, ऑडिट, फाइनेंस, इकोनॉमिक्स, लॉ, ह्यूमन रिसोर्सेज, रिस्क एंड बिजनेस मैनेजमेंट, एग्रीकल्चर और रूरल इकोनॉमी में 20 से अधिक वर्षों का विविध अनुभव और ज्ञान हासिल है। उन्होंने 22.09.2017 से 21.09.2020 तक इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में कार्य किया है और वे आईओसीएल बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष भी थे।

श्रीमती स्वाति गुप्ता

श्रीमती स्वाति गुप्ता एक निदेशक हैं, जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा एसबीआई अधिनियम, 1955 की धारा 19(डी) के तहत 8 मई 2023 से तीन वर्ष की अवधि के लिए नामित किया गया है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक किया और राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर किया। वे एलएलबी डिग्री धारक भी हैं और उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान से कॉर्पोरेट लीडर्स का एडवांस्ड मैनेजमेंट प्रोग्राम किया है।

उन्हें प्रशासन में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव प्राप्त है। वर्ष 2012-2017 तक उनका चयन दिल्ली पूर्वी दिल्ली नगर निगम की निगम पार्षद और जोनल चेयरमैन के रूप में हुआ था। उन्हें 2017-2022 तक निगम की शिक्षा समिति का सदस्य नामित किया गया। वे एक सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् हैं और दिल्ली में एक चैरिटेबल ट्रस्ट और प्री-स्कूल चलाती हैं। उन्हें महिलाओं, कानूनी, सामाजिक और उपभोक्ता संबंधी मुद्दों का वृहत अनुभव है।

श्री नागराजू मद्रिराला, आईएसएस

श्री नागराजू मद्रिराला एसबीआई अधिनियम 1955 की धारा 19(ई) के तहत केंद्र सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं, जो 30 अगस्त 2024 से अगले आदेश तक कार्यरत हैं। श्री मद्रिराला, आईएसएस, सचिव, वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय 1993 बैच के आईएसएस अधिकारी हैं। उन्होंने हैदराबाद विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है।

सेवा के दौरान, उन्होंने सार्वजनिक व्यवस्था, राजस्व एवं विकास प्रशासन, आदिवासी विकास, वित्त, अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध, उद्योग एवं वाणिज्य, स्वास्थ्य सेवा और राज्य वित्त के क्षेत्रों में राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्य किया। राज्य सरकार में, उन्होंने जिला मजिस्ट्रेट, आदिवासी कल्याण निदेशक, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, वित्त और उद्योग एवं वाणिज्य विभागों के सचिव/प्रधान सचिव के रूप में कार्य किया।

वर्ष 2004-08 के दौरान उन्होंने वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग में जापान/उत्तरी अमेरिका और विश्व बैंक प्रभागों में निदेशक के रूप में कार्य किया। तत्पश्चात, उन्होंने 2008 से 2012 तक वार्शिंगटन डीसी में विश्व बैंक में कार्यकारी निदेशक के सलाहकार के रूप में काम किया। वे 2012-13 में एक वर्ष के लिए अमेरिका के पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय में विजिटिंग फेलो और 2018-19 में स्टोनहिल कॉलेज में विजिटिंग रिसर्च स्कॉलर थे।

उन्होंने 30.01.2020 को कोयला मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया और 03.11.2020 से कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव के रूप में पदोन्नत हुए और उसी मंत्रालय में बने रहे। श्री नागराजू को भारत सरकार के सचिव के रूप में पदोन्नत किया गया और उन्हें तुरंत 19.8.2024 से वित्तीय सेवा विभाग के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया।

श्री अजय कुमार

श्री अजय कुमार एसबीआई अधिनियम, 1955 की धारा 19(एफ) के तहत केंद्र सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं, जो 14 जुलाई 2023 से अगले आदेश तक प्रभावी है।

श्री कुमार वर्तमान में कार्यपालक निदेशक (ईडी), भारतीय रिजर्व बैंक के पद पर कार्यरत हैं और उनके पास i) आंतरिक ऋण प्रबंधन विभाग, ii) बाहरी निवेश और संचालन विभाग, iii) जोखिम निगरानी विभाग और iv) राजभाषा विभाग का कार्यभार है। ईडी के रूप में कार्यभार संभालने से पूर्व वे क्षेत्रीय निदेशक के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक के नई दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय के प्रमुख थे। अतीत में, उन्होंने जनवरी 2017 से अप्रैल 2021 तक बैंक ऑफ बड़ौदा के बोर्ड में भारतीय रिजर्व बैंक नामिती निदेशक के रूप में कार्य किया है।

श्री कुमार ने अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर और बैंकिंग में एमएस किया है। वे इंस्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट एंड रिसर्च, हैदराबाद से प्रमाणित बैंक प्रबंधक हैं। उन्होंने केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, शिकागो से कार्यकारी प्रबंधन कार्यक्रम किया है और उनके पास भारतीय बैंकिंग और वित्त संस्थान (सीएआईआईबी) के प्रमाणित एसोसिएट सहित अन्य पेशेवर योग्यताएं हैं।

श्री कुमार दिसंबर 1991 में भारतीय रिजर्व बैंक में शामिल हुए और उन्हें बैंकिंग पर्यवेक्षण, विदेशी मुद्रा प्रबंधन, वित्तीय समावेशन, मुद्रा प्रबंधन, ऋण प्रबंधन, जोखिम निगरानी, और विदेशी मुद्रा भंडार के क्षेत्रों में विभिन्न क्षमताओं में काम करने का 33 वर्षों का व्यापक अनुभव है।

अनुलग्नक - II

सेबी (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 26 (1) के उचित अनुपालन में 31.03.2025 को बैंक सहित सूचीबद्ध संस्थाओं में बैंक के निदेशकों द्वारा आयोजित लेखा परीक्षा/हितधारक समिति (समितियों) सहित सूचीबद्ध संस्थाओं में निदेशक का विवरण

क्र. सं. निदेशक का नाम	पदनाम	वर्तमान कार्यकाल में नियुक्ति की तिथि/समाप्ति	बैंक सहित सूचीबद्ध संस्थाओं में निदेशक पद और लेखा परीक्षा/हितधारक समिति(यों) में अध्यक्षता/सदस्यता की संख्या
1. श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी	अध्यक्ष	28.08.2024 / 27.08.2027	निदेशक: 3 समिति सदस्य: शून्य समिति के अध्यक्ष: शून्य शून्य
2. श्री अश्विनी कुमार तिवारी	प्रबंध निदेशक	28.01.2024 / 27.01.2026	निदेशक: 3 समिति सदस्य: 5 समिति के अध्यक्ष: शून्य
3. श्री विनय एम. तोंसे	प्रबंध निदेशक	21.11.2023 / 30.11.2025	निदेशक: 1 समिति सदस्य: 1 समिति के अध्यक्ष: शून्य
4. श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह	प्रबंध निदेशक	07.08.2024 / 30.06.2027	निदेशक: 1 समिति सदस्य: शून्य समिति के अध्यक्ष: शून्य
5. श्री राम मोहन राव अमारा	प्रबंध निदेशक	18.12.2024 / 17.12.2027	निदेशक: 1 समिति सदस्य: 1 समिति के अध्यक्ष: शून्य
6. श्री केतन एस. विक्रमसी	गैर-कार्यकारी निदेशक	26.06.2023 / 25.06.2026	निदेशक: 1 समिति सदस्य: 2 समिति के अध्यक्ष: 1
7. श्री मृणांक एम. परांजपे	गैर-कार्यकारी निदेशक	26.06.2023 / 25.06.2026	निदेशक: 2 समिति सदस्य: 2 समिति के अध्यक्ष: 1
8. श्री राजेश कुमार दुबे	गैर-कार्यकारी निदेशक	26.06.2023 / 25.06.2026	निदेशक: 1 समिति सदस्य: 2 समिति के अध्यक्ष: 1
9. श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत	गैर-कार्यकारी निदेशक	26.06.2023 / 25.06.2026	निदेशक: 1 समिति सदस्य: 1 समिति के अध्यक्ष: शून्य
10. श्रीमती स्वाति गुप्ता	गैर-कार्यकारी निदेशक	08.05.2023 / 07.05.2026	निदेशक: 1 समिति सदस्य: 1 समिति के अध्यक्ष: शून्य
11. श्री नागराजू मद्रिराला	गैर-कार्यकारी निदेशक	30.08.2024/ till further order	निदेशक: 1 समिति सदस्य: शून्य समिति के अध्यक्ष: शून्य
12. श्री अजय कुमार	गैर-कार्यकारी निदेशक	14.07.2023/ till further order	निदेशक: 1 समिति सदस्य: 1 समिति के अध्यक्ष: शून्य

अनुलग्नक - II ए

31.03.2025 को बैंक/अन्य कंपनियों के बोर्ड/बोर्ड-स्तरीय समितियों में निदेशकों द्वारा धारित सदस्यता/अध्यक्षता की कुल संख्या

1. श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक	समिति(यों) का नाम-अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	अध्यक्ष	केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति- अध्यक्ष वसुली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति - अध्यक्ष विलफुल डिफॉल्टर्स की पहचान के लिए समीक्षा समिति- अध्यक्ष
2	एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	अध्यक्ष	--
3	एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड	अध्यक्ष	--
4	एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	अध्यक्ष	--
5	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड	अध्यक्ष	--
6	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड	अध्यक्ष	--
7	एसबीआई फाउंडेशन	अध्यक्ष	--
8	स्टेट बैंक ऑपरेशंस सपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	अध्यक्ष	--
9	एसबीआई वेंचर्स लिमिटेड	अध्यक्ष	--
10	भारतीय आयात-निर्यात बैंक	निदेशक	--
11	इंडियन इस्टीमेट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस	निदेशक	--

2. श्री अश्विनी कुमार तिवारी

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक	समिति(यों) का नाम-अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	प्रबंध निदेशक	केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति- सदस्य बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति- सदस्य वसुली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति- सदस्य
2	एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड	निदेशक	कार्यकारी समिति - अध्यक्ष लेखा परीक्षा समिति - सदस्य नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति - सदस्य
3	एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	निदेशक	लेखा परीक्षा समिति - सदस्य पॉलिसीधारक संरक्षण समिति - सदस्य निवेश समिति - सदस्य जोखिम प्रबंधन समिति - सदस्य नामांकन और पारिश्रमिक समिति - सदस्य कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति - सदस्य हितधारक संबंध और स्थिरता समिति - सदस्य लाभ समिति - सदस्य
4	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड	निदेशक	नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति- सदस्य निदेशकों की समिति- सदस्य
5	एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	निदेशक	निवेश समिति- अध्यक्ष लेखा परीक्षा समिति- सदस्य नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति- सदस्य हितधारक संबंध समिति- सदस्य
6	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड	निदेशक	निदेशकों की समिति- अध्यक्ष नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति- सदस्य
7	एसबीआई कैप वेंचर्स लिमिटेड	निदेशक	नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति- अध्यक्ष
8	एसबीआई कैप सिक्वोरिटीज लिमिटेड	अध्यक्ष	नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति- सदस्य
9	एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड	अध्यक्ष	नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति- सदस्य
10	एसबीआई फैक्टर्स लिमिटेड	अध्यक्ष	नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति- सदस्य
11	एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	अध्यक्ष	-
12	एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड	अध्यक्ष	नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति- सदस्य
13	एसबीआई फाउंडेशन	निदेशक	-

3. श्री विनय एम तोन्से

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	प्रबंध निदेशक	केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति- सदस्य धोखाधड़ी के मामलों की निगरानी और अनुवर्ती कार्रवाई के लिए बोर्ड की विशेष समिति- सदस्य बोर्ड की हितधारक संबंध समिति सह ग्राहक सेवा समिति - सदस्य वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति- सदस्य कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति- अध्यक्ष
2	एसबीआई फाउंडेशन निदेशक	निदेशक	--
3	स्टेट बैंक ऑपरेशंस सपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	निदेशक	--

4. श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	प्रबंध निदेशक	केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति- सदस्य बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति- सदस्य बोर्ड की आईटी रणनीति समिति- सदस्य धोखाधड़ी के मामलों की निगरानी और अनुवर्ती कार्रवाई के लिए बोर्ड की विशेष समिति- सदस्य वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति- सदस्य

5. श्री राम मोहन राव अमारा

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	प्रबंध निदेशक	केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति- सदस्य बोर्ड की आईटी रणनीति समिति- सदस्य बोर्ड की हितधारक संबंध समिति सह ग्राहक सेवा समिति - सदस्य वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति- सदस्य कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति- सदस्य

6. श्री केतन एस विक्रमसी

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति- अध्यक्ष बोर्ड की हितधारक संबंध समिति सह ग्राहक सेवा समिति- सदस्य बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति- सदस्य बोर्ड की आईटी रणनीति समिति- सदस्य धोखाधड़ी के मामलों की निगरानी और अनुवर्ती कार्रवाई के लिए बोर्ड की विशेष समिति- सदस्य नामांकन और पारिश्रमिक समिति- सदस्य कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति- सदस्य जानबूझकर ऋण न चुकाने वालों की पहचान के लिए समीक्षा समिति- सदस्य

7. श्री मृगांक एम परांजपे

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति- सदस्य बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति- सदस्य बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति- अध्यक्ष बोर्ड की आईटी रणनीति समिति- सदस्य धोखाधड़ी के मामलों की निगरानी और अनुवर्ती कार्रवाई के लिए बोर्ड की विशेष समिति- सदस्य नामांकन और पारिश्रमिक समिति- सदस्य वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति- सदस्य कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति- सदस्य
2	ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड	निदेशक	लेखा परीक्षा समिति- अध्यक्ष नामांकन और पारिश्रमिक समिति- अध्यक्ष जोखिम प्रबंधन समिति- सदस्य ईएसओपी आबंटन समिति- सदस्य

8. श्री राजेश कुमार दुबे

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति- सदस्य बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति- सदस्य बोर्ड की हितधारक संबंध समिति सह ग्राहक सेवा समिति - अध्यक्ष बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति- सदस्य बोर्ड की आईटी रणनीति समिति- अध्यक्ष नामांकन और पारिश्रमिक समिति- अध्यक्ष वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति- सदस्य जानबूझकर चूक करने वालों की पहचान के लिए समीक्षा समिति- सदस्य

9. श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	बोर्ड की हितधारक संबंध समिति सह ग्राहक सेवा समिति- सदस्य धोखाधड़ी के मामलों की निगरानी और अनुवर्ती कार्रवाई के लिए बोर्ड की विशेष समिति- सदस्य नामांकन और पारिश्रमिक समिति- सदस्य वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति- सदस्य कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति- सदस्य

10. श्रीमती स्वाति गुप्ता

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	धोखाधड़ी के मामलों की निगरानी और अनुवर्ती कार्रवाई के लिए बोर्ड की विशेष समिति- सदस्य बोर्ड की हितधारक संबंध समिति सह ग्राहक सेवा समिति- सदस्य नामांकन और पारिश्रमिक समिति- सदस्य वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति- सदस्य जानबूझकर चूक करने वालों की पहचान के लिए समीक्षा समिति- सदस्य

11. श्री नागराजू मढ़िराला

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति- सदस्य
2	भारतीय रिजर्व बैंक	निदेशक	--

12. श्री अजय कुमार

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति- सदस्य बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति- सदस्य

(नोट: केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति में वे सभी या एवं अन्य निदेशक शामिल हैं जो सामान्यतः भारत में निवास करते हैं या उस समय भारत में उस स्थान पर उपस्थित रहते हैं, जहां एसबीआई के सामान्य विनियमों के विनियम 46 के अंतर्गत ईसीसीबी की बैठक आयोजित की जा रही हो। इसके साथ, बैंकों में कॉर्पोरेट अभिशासन-निदेशकों की नियुक्ति एवं बोर्ड समितियों के गठन संबंधी 26 अप्रैल 2021 को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, एसबीआई के अध्यक्ष को ईसीसीबी का सदस्य नहीं बनाया जाता है।)

अनुलग्नक - III

31.03.2025 को बैंक के केंद्रीय बोर्ड में निदेशकों की शेयरधारिता का विवरण

क्रम सं.	निदेशक का नाम	शेयरों की संख्या
1	श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी	500
2	श्री अश्विनी कुमार तिवारी	310
3	श्री विनय एम. तोन्से	2500
4	श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह	निरंक
5	श्री राम मोहन राव अमारा	निरंक
6	श्री केतन एस. विकमसी	5000
7	श्री मृगांक एम. परांजपे	10000
8	श्री राजेश कुमार दुबे	5000
9	श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत	5100
10	श्रीमती स्वाति गुसा	निरंक
11	श्री नागराजू मद्दिराला	निरंक
12	श्री अजय कुमार	निरंक

अनुलग्नक - IV

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान केंद्रीय बोर्ड और बोर्ड स्तरीय समितियों की बैठकों में उपस्थित होने के लिए निदेशकों को भुगतान की गई बैठक फीस का विवरण

क्रम सं.	निदेशक का नाम	केन्द्रीय बोर्ड की बैठकें (₹)	बोर्ड स्तरीय समितियों की बैठकें (₹)	कुल (₹)
1	श्री केतन एस. विकमसी	10,90,000	14,10,000	25,00,000
2	श्री मृगांक एम. परांजपे	7,00,000	18,00,000	25,00,000
3	श्री राजेश कुमार दुबे	5,80,000	19,20,000	25,00,000
4	श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत	11,20,000	6,90,000	18,10,000
5	श्री प्रफुल्ल पी छाजेड़	5,60,000	19,40,000	25,00,000
6	श्रीमती स्वाति गुसा	11,20,000	6,90,000	18,10,000

अनुलग्नक - V

बैंक की आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि (वित्त वर्ष 2025)

मैं घोषणा करता हूँ कि सभी बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बैंक की आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी

अध्यक्ष

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पॉश)- रोकथाम, निषेध और निवारण वर्ष 2024-25 की स्थिति

वर्ष की शुरुआत में लंबित शिकायतों की संख्या	08
वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	36
कुल मामलों की संख्या	44
वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतों की संख्या	35
वर्ष के अंत में लंबित मामलों की संख्या	09

31 मार्च 2025 को बोर्ड का हिस्सा रहे निदेशकों के कौशल/विशेषज्ञता/ दक्षता का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं	नाम	अर्हता	कौशल/विशेषज्ञता/दक्षता
1	श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी, अध्यक्ष	बीएससी (कृषि), सीएआईआईबी	आपको बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कॉर्पोरेट क्रेडिट, रिटेल, डिजिटल, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग और विकसित बाजार में बैंकिंग का 37 वर्षों से अधिक का समृद्ध अनुभव है। अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, श्री शेटी जनवरी 2020 से बोर्ड में प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत थे। प्रबंध निदेशक के रूप में, आपने वर्ष 2020 से 2022 तक रिटेल एवं डिजिटल बैंकिंग वटिकल तथा उसके बाद बैंक के अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार एवं प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो का नेतृत्व किया है। आप भारत सरकार द्वारा गठित विभिन्न टास्क फोर्स/समितियों का भी नेतृत्व कर चुके हैं। श्री शेटी ने भारतीय स्टेट बैंक में स्ट्रेट्स एसेट्स मैनेजमेंट, कॉर्पोरेट बैंकिंग, मिड-कॉर्पोरेट बैंकिंग, वैश्विक बाजार, प्रौद्योगिकी तथा भारत व विदेशों में सिडिकेशन में प्रमुख पदों पर कार्य किया है।
2	श्री अश्विनी कुमार तिवारी, एमडी (कॉर्पोरेट बैंकिंग एवं अनुषंगियाँ)	बी.टेक (इलेक्ट्रिकल), सर्टिफाइड फाइनेंशियल प्लानर (सीएफपी), सर्टिफिकेट कोर्स इन मैनेजमेंट (एक्सएलआरआई) सीएआईआईबी	आपको बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं में 34 वर्ष से अधिक का व्यापक अनुभव है। आपने भारत व विदेश में खुदरा, एसएमई, बड़े कॉर्पोरेट और वाणिज्यिक ऋण, आईटी, लेनदेन बैंकिंग और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग कार्यों का नेतृत्व किया है। वर्तमान में, प्रबंध निदेशक (कॉर्पोरेट बैंकिंग एवं अनुषंगियाँ) के रूप में आप बड़े व मध्यम कॉर्पोरेट्स, प्रोजेक्ट फाइनेंस और बैंक की 17 गैर-बैंकिंग अनुषंगियों को संभालते हैं तथा अधिकांश कंपनियों के बोर्ड में हैं। इससे पहले आप प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन व दबावग्रस्त आस्ति) थे, जहां आपने बैंक के जलवायु जोखिम प्रबंधन ढांचे, दबावग्रस्त आस्ति कार्यनीति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इससे पहले आपने प्रबंध निदेशक अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, प्रौद्योगिकी एवं अनुषंगियों के रूप में कार्य किया, जहां आपने बैंक के लिए प्रौद्योगिकी नवीकरण और चुनौतियों से पार पाने की क्षमता पर काम किया। प्रबंध निदेशक बनने से पहले, आपने एसबीआई कार्ड्स के एमडी एवं सीईओ के रूप में कार्य किया और एसबीआई के कंट्री हेड-यूएसए और क्षेत्रीय प्रमुख-पूर्वी एशिया के रूप में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय भूमिकाएं निभाईं।
3	श्री विनय एम. तोन्से, एमडी (खुदरा व्यवसाय एवं परिचालन)	वाणिज्य में स्नातकोत्तर, सीएआईआईबी	आपको बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कॉर्पोरेट क्रेडिट, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, ट्रेजरी ऑपरेशन, इक्विटी पोर्टफोलियो प्रबंधन, खुदरा बैंकिंग, प्रशिक्षण, कृषि एवं ग्रामीण बैंकिंग में बैंकिंग का 37 वर्षों से अधिक का गहन अनुभव है। आपने भारत एवं विदेशों में विभिन्न भौगोलिक स्थानों पर विभिन्न व्यावसायिक कार्यों का नेतृत्व किया है। एमडी के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, श्री तोन्से बैंक के कॉर्पोरेट खाता समूह का नेतृत्व कर रहे थे। इससे पहले आप भारत की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी एसबीआई म्यूचुअल फंड्स के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ थे। आपने मुख्य महाप्रबंधक के रूप में एसबीआई के चेन्नई मंडल का भी नेतृत्व किया है।

क्र.सं	नाम	अर्हता	कौशल/विशेषज्ञता/दक्षता
4	श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह, एमडी (जोखिम, अनुपालन एवं सार्ग)	बी.एससी., एस.पी. जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, मुंबई से एमबीए (पीजीईएमपी), सीएआईआईबी	आपके पास बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में समृद्ध अनुभव है। 34 से अधिक वर्षों के करियर में, आपने दुनिया भर में विभिन्न व्यावसायिक कार्यनीतिक नेतृत्व भूमिकाओं में कार्य किया है। आपने विभिन्न क्षेत्रों जैसे रिटेल और डिजिटल बैंकिंग, ट्रांजेक्शन बैंकिंग, क्रेडिट, मानव संसाधन और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग में महत्वपूर्ण कार्यभार संभाला है। श्री सिंह ने एसबीआई के चंडीगढ़ मंडल को मुख्य महाप्रबंधक के रूप में भी संचालित किया है। आपने फ्रैंकफर्ट में एसबीआई के जर्मन परिचालन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में भी काम किया है। श्री सिंह ने नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) और इसकी अनुषंगियों एनआईपीएल और एनबीबीएल के बोर्ड तथा पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड के बोर्ड में एसबीआई के नामित निदेशक के रूप में भी कार्य किया है।
5	श्री राम मोहन राव अमारा, एमडी (अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार एवं प्रौद्योगिकी)	एमआईई (सिविल इंजी.), सीएफए लेवल III, एफआरएम, सीएआईआईबी	आपको बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों जैसे जोखिम प्रबंधन, पूंजी नियोजन, प्रदर्शन निगरानी, आस्ति देयता प्रबंधन (एलएम), प्रौद्योगिकी, विश्व बाजार और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग में बैंकिंग का 34 वर्षों से अधिक का समृद्ध अनुभव है। श्री अमारा ने वित्तीय, परिचालन और कार्यनीतिक दोनों दृष्टिकोणों से बैंकिंग उद्योग की गहरी समझ का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण भूमिकाओं का निर्वहन किया है। श्री अमारा की इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि, सीएफए और एफआरएम जैसी प्रतिष्ठित वित्तीय योग्यताओं के साथ मिलकर उन्हें तकनीकी एवं वित्तीय डोमेन को सहजता से जोड़ने में सक्षम बनाती है। आपके बहु-विषयक कौशल उन्हें प्रौद्योगिकी एवं वित्त को एकीकृत करने, एसबीआई के लिए अभिनव व कुशल समाधान सुनिश्चित करने के लिए सशक्त बनाते हैं। इससे पहले आपने बैंक के डीएमडी एवं जीसीआरओ, एसबीआई कार्ड के एमडी एवं सीईओ, भोपाल मंडल के सीजीएम, सीजीएम (वित्तीय नियंत्रण) और एसबीआई शिकागो शाखा के सीईओ के रूप में कार्य किया है। श्री अमारा इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ क्रेडिट पोर्टफोलियो मैनेजर्स (आईएसीपीएम), न्यूयॉर्क के बोर्ड सदस्य भी हैं तथा निरंतर विकसित हो रहे क्रेडिट पोर्टफोलियो प्रबंधन में वैश्विक प्रथाओं को आकार देने में योगदान देते हैं।
6	श्री केतन एस. विकमसी, गैर-कार्यकारी निदेशक	बी. कॉम, एफसीए	आप पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। आपके पास बड़े बैंकों, विनिर्माण संस्थाओं, निवेश बैंकों, बीमा कंपनियों और म्यूचुअल फंडों के ऑडिट के क्षेत्र में 35 से अधिक वर्षों का अनुभव है। आप आईसीआईआई, आईसीआईआई की क्षेत्रीय परिषदों, आईसीआईआई की शाखाओं व अध्ययन मंडलों, आरबीआई, सीएजी और कई अन्य संगठनों द्वारा आयोजित विभिन्न सेमिनारों, बैठकों, व्याख्यानों में नियमित वक्ता/अध्यक्ष हैं। आप इंडियन मर्चेन्ट्स चैंबर की बैंकिंग, वित्त एवं बीमा समिति, बैंकिंग एवं वित्त समिति, बॉम्बे चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की पूंजी बाजार समिति और चैंबर ऑफ टैक्स कंसल्टेंट्स की आरआरसी समिति के सदस्य रहे हैं।
7	श्री मृगांक एम. परांजपे, गैर-कार्यकारी निदेशक	बी.टेक (आईआईटी, बॉम्बे), पीजीडीएम (आईआईएम, अहमदाबाद)	आपको बैंकिंग, पूंजी एवं कमोडिटी बाजार, एसेट मैनेजमेंट, स्टॉक ब्रोकिंग, ट्रांजेक्शन व रिटेल बैंकिंग, जोखिम प्रबंधन, टेक्नोलॉजी, डेरिवेटिव्स, पॉलिसी मेकिंग, एक्सचेंज एवं सिक्वोरिटीज सेवाओं में विविध कार्यात्मक और भौगोलिक क्षेत्रों आदि में 35 वर्षों से अधिक का अनुभव है। आप पूंजी एवं कमोडिटी बाजार के प्रसिद्ध विशेषज्ञ हैं। आप सेवा इंटरनेशनल के न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष तथा ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड के बोर्ड में एक स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशक भी हैं। इससे पहले आप एनसीडीईएक्स ई मार्केट्स लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ थे और उससे पहले मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) - भारत का पहला सूचीबद्ध व अग्रणी कमोडिटी एक्सचेंज के एमडी एवं सीईओ थे। आपने छब्बीस वर्षों में भारत और सिंगापुर में वित्तीय सेवा संगठनों जैसे ड्यूश बैंक, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, डब्ल्यू आई कार सिक्वोरिटीज, आईएनजी बैरिंग्स और सिटी बैंक में विभिन्न सफल कार्यकाल पूरे किए हैं।
8	श्री राजेश कुमार दुबे, गैर-कार्यकारी निदेशक	बी.ई. (सिविल)	आपके पास 37 वर्षों से अधिक का समृद्ध कार्य अनुभव है। आप भारतीय जीवन बीमा निगम के पूर्व कार्यकारी निदेशक (ईडी) हैं और आपने भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ छत्तीस वर्षों से अधिक समय तक कार्य किया है, जिस दौरान आपने भारत और विदेशों में जीवन बीमा व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं की समझ हासिल की है। आपके पास आईटी, न्यू बिजनेस, इंटरनेशनल ऑपरेशंस, सीआरएम, मार्केटिंग, यूएलआईपी, ईआर-डिसिप्लिन, कार्मिक और सामान्य प्रशासन में विभिन्न विभागों में अनुभव है। ईडी (कार्मिक) के रूप में, आपने संगठन के भीतर जनशक्ति नियोजन, प्लेसमेंट, मूल्यांकन, अनुशासन और औद्योगिक संबंधों के विकास से संबंधित क्षेत्रों को संभाला है।
9	श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत, गैर-कार्यकारी निदेशक	बी. कॉम., एफ.सी.ए	आप पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। उनके पास अकाउंटेंसी, ऑडिट, वित्त, अर्थशास्त्र, कानून, मानव संसाधन, जोखिम और व्यवसाय प्रबंधन, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में 23 वर्षों से अधिक का विविध अनुभव और ज्ञान है। आपने अतीत में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में कार्य किया है और आप आईओसीएल के बोर्ड की ऑडिट समिति के अध्यक्ष भी रहे हैं।

क्र.सं	नाम	अर्हता	कौशल/विशेषज्ञता/दक्षता
10	श्रीमती स्वाति गुसा, गैर-कार्यकारी निदेशक	एम.ए., एल.एल.बी.	आपको प्रशासन में 32 वर्षों से अधिक का अनुभव है। आप पांच वर्षों तक दिल्ली के पूर्वी दिल्ली नगर निगम की नगर पार्षद और क्षेत्रीय अध्यक्ष चुनी गईं। आप पांच वर्षों तक निगम की शिक्षा समिति की मनोनीत सदस्य भी रहीं। आप एक सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् हैं और दिल्ली में एक चैरिटेबल ट्रस्ट व प्री-स्कूल का संचालन करती हैं। आपके पास महिलाओं, कानूनी, सामाजिक और उपभोक्ता मुद्दों के मामलों में समृद्ध अनुभव है।
11	श्री नागराजू मद्रिराला, गैर-कार्यकारी निदेशक	एम.ए.	आप 1993 बैच के आईएस अधिकारी हैं और वर्तमान में भारत सरकार के सचिव, वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय के पद पर कार्यरत हैं। आपको प्रशासन में 32 वर्षों से अधिक का अनुभव है। सेवा के दौरान, आपने सार्वजनिक व्यवस्था, राजस्व और विकास प्रशासन, आदिवासी विकास, वित्त, अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध, एवं और वाणिज्य, स्वास्थ्य व और राज्य वित्त के क्षेत्रों में राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य किया है।
12	श्री अजय कुमार, गैर-कार्यकारी निदेशक	अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर, आईसीएफआई से बैंकिंग में एमएस, केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, शिकागो, यूएसए से एक्जीक्यूटिव मैनेजमेंट कार्यक्रम, सीआईआईबी	आप वर्तमान में भारतीय रिजर्व बैंक में कार्यकारी निदेशक (ईडी) के पद पर कार्यरत हैं। आपको बैंकिंग पर्यवेक्षण, विदेशी मुद्रा प्रबंधन, वित्तीय समावेशन, मुद्रा प्रबंधन, ऋण प्रबंधन, जोखिम निगरानी और विदेशी मुद्रा भंडार के प्रबंधन और निवेश के क्षेत्रों में विभिन्न पदों पर 33 वर्षों का व्यापक अनुभव है। इससे पहले, आपने जनवरी 2017 से अप्रैल 2021 तक बैंक ऑफ बड़ौदा के बोर्ड में आरबीआई नामित निदेशक के रूप में कार्य किया है।

नीचे दी गई तालिका, एसबीआई अधिनियम 1955 और 2 अगस्त 2019 के आरबीआई मास्टर परिपत्र के अनुरूप व्यावसायिक संदर्भों में निदेशक मंडल के प्रमुख गुणों और कौशल मैट्रिक्स का सारांश देती है, जिसे निदेशक का चयन करते समय विचार किया गया है:

- उद्योग ज्ञान/अनुभव:** उद्योग का अनुभव, क्षेत्र का ज्ञान, व्यापक नीति दिशा का ज्ञान, सरकारी कानून/विधायी प्रक्रिया की समझ।
- तकनीकी कौशल/अनुभव:** लेखांकन, वित्त, कानून, विपणन अनुभव, सूचना प्रौद्योगिकी, जनसंपर्क, पूंजी आबंटन, लागत निर्धारण, बजटीय नियंत्रण, कार्यनीति विकास व कार्यान्वयन।
- शासन क्षमताएँ:** पूर्व निदेशक अनुभव, वित्तीय साक्षरता, अनुपालन फोकस, शासन के दृष्टिकोण से कार्यनीतिक सोच/योजना।
- निदेशक के लिए आरबीआई और एसबीआई योग्यता:** (i) सूचना प्रौद्योगिकी (ii) भुगतान एवं निपटान प्रणाली निम्नलिखित में से एक या अधिक क्षेत्रों के संबंध में विशेष ज्ञान या अनुभव होना चाहिए, अर्थात्: - (i) कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था, (ii) बैंकिंग, (iii) सहकारिता, (iv) अर्थशास्त्र, (v) वित्त, (vi) कानून, (vii) लघु उद्योग, (viii) कोई अन्य क्षेत्र जिसका विशेष ज्ञान व अनुभव, जो रिजर्व बैंक की राय में भारतीय स्टेट बैंक के लिए उपयोगी होगा। जमाकर्ताओं के हितों का प्रतिनिधित्व करें, किसानों, श्रमिकों और कारीगरों के हितों का प्रतिनिधित्व करें।

निदेशक	विशेषताएँ			
	उद्योग ज्ञान/अनुभव	तकनीकी कौशल/ अनुभव	प्रशासन दक्षता	निदेशक के लिए आरबीआई व एसबीआई योग्यता
श्री चह्ला श्रीनिवासुलु शेटी	✓	✓	✓	✓
श्री अश्विनी कुमार तिवारी	✓	✓	✓	✓
श्री विनय एम. तोन्से	✓	✓	✓	✓
श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह	✓	✓	✓	✓
श्री राम मोहन राव अमारा	✓	✓	✓	✓
श्री केतन एस. विक्रमसी	✓	✓	✓	✓
श्री मृगांक एम. परांजपे	✓	✓	✓	✓
श्री राजेश कुमार दुबे	✓	✓	✓	✓
श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत	✓	✓	✓	✓
श्रीमती स्वाति गुसा	✓	✓	✓	✓
श्री नागराजू मद्रिराला	✓	✓	✓	✓
श्री अजय कुमार	✓	✓	✓	✓

महत्वपूर्ण अनुबंधियों के लिए वार्षिक प्रकटीकरण

(रुपए करोड़ में)

	31.03.2025		31.03.2025		
	कुल आय	10% से अधिक	नेटवर्क #	10% से अधिक	कुल मिलाकर
एसबीआई (समेकित)	6,63,343		3,89,071		
कुल आय/नेटवर्क का 10%	66334		38,907		
महत्वपूर्ण सूचीबद्ध अनुबंधी					
एसबीआई लाइफ इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	1,18,235	हाँ	16,981	नहीं	हाँ

एसबीआई लाइफ इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

निगमन की तिथि और स्थान: 11.10.2000, मुंबई

31 मार्च 2025 को
(राशि करोड़ में)

सांविधिक लेखा परीक्षक और सीएजी द्वारा नियुक्ति की तिथि: 1. मैसर्स. ए जॉन मॉरिस एंड कंपनी (01.10.2024)
2. मैसर्स. के एस अय्यर एंड कंपनी (11.10.2024)

1	कुल संपत्ति	4,57,095
2	चालू वित्त वर्ष के लिए निवल लाभ	2,413
3	प्रबंधन के तहत आस्ति	4,48,039
4	नए व्यवसाय प्रीमियम की राशि	35,577
5	नए व्यवसाय प्रीमियम की वृद्धि -	-7%
6	नए व्यवसाय मार्जिन	27.8%
7	बाजार हिस्सेदारी *	20.80%
8	सॉल्वेंसी अनुपात	1.96

* नए व्यवसाय प्रीमियम के आधार पर जीवन बीमा कम्पनियों के बीच बाजार हिस्सेदारी

प्रबंधन टीम की शैक्षणिक योग्यता

बैंक के केंद्रीय बोर्ड के निदेशकों की शैक्षणिक योग्यता वार्षिक रिपोर्ट के कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट भाग में दी गई है। बैंक के उप प्रबंध निदेशकों की शैक्षणिक योग्यता नीचे दी गई है-

क्रमांक अधिकारी का नाम	योग्यता
1 श्रीमती सलोनी नारायण	बी.ए. (ऑनर्स)
2 श्री पोलुदासु किशोर कुमार	पीजीईएमपी (एमबीए)
3 श्रीमती रुमा डे	बीएससी (ऑनर्स)
4 श्री नितिन चुघ	बी. टेक, पीजीडीबीएम
5 श्री शमशेर सिंह	बी. कॉम
6 श्री गुलशन मलिक	बी कॉम (ऑनर्स), एमबीए
7 श्री प्रवीण राघवेंद्र	बीएससी (ऑनर्स)
8 श्री दीपक कुमार लल्ला	एम.कॉम, वित्तीय सेवा प्रबंधन में पीजी
9 श्री अमित झिंगरान	अर्थशास्त्र में एम. ए.
10 श्री सुरेन्द्र राणा	बी. टेक. (सिविल इंजीनियरिंग)
11 श्री बलदेव प्रकाश	एम. ए.
12 श्रीमती जयति बंसल	एम. ए., एमबीए
13 श्री नंद किशोर	बी. ए. (अर्थशास्त्र)
14 श्री बिनोद कुमार मिश्रा	बीएससी
15 श्री शिव ओम दीक्षित	एमएससी (फिजिक्स), प्रबंधन में डिप्लोमा
16 श्री क्षितिज मोहन	एम.बी.ए
17 श्री सतीश राव नागेश	बी. कॉम
18 श्री वीरेंद्र बंसल	बी. ई. (मैकेनिकल)
19 श्री अशोक कुमार शर्मा	एमएससी (भौतिकी)
20 श्री जी एस राणा	एमएससी (रसायन विज्ञान), पीजीईएमपी
21 श्री रवि रंजन	एम.बी.ए, एमएससी (वनस्पति विज्ञान)
22 श्री प्रेम अनुप सिन्हा	एम.बी.ए
23 श्री नवीन चंद्र झा	औद्योगिक इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन में पी.जी

फॉर्म संख्या एमआर-3

सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204(1) और कंपनी

(प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम 9 के अनुसार

01-04-2024 से 31-03-2025 तक की अवधि के लिए

प्रति,

सदस्यगण,

भारतीय स्टेट बैंक

कॉर्पोरेट केंद्र, 14वीं मंजिल,

स्टेट बैंक भवन, मैडम कामा मार्ग, मुंबई,

महाराष्ट्र, 400021

हमने भारतीय स्टेट बैंक (जिसे इसके बाद बैंक कहा गया है) पर लागू सांविधिक प्रावधानों और सुशासन व्यवहारों के उनके द्वारा अनुपालन की सविचालयीन लेखा परीक्षा की है। सविचालयीन लेखा परीक्षा इस तरह से आयोजित की गई कि इससे हमें कॉर्पोरेट व्यवहारों/सांविधिक अनुपालनों की स्थिति के मूल्यांकन के लिए और उस पर अपना अभिमत व्यक्त करने के लिए उचित आधार मिला है।

बैंक की बहियों, कागजातों, कार्यविवरण, दाखिल किए गए फॉर्म और रिटर्न तथा बैंक द्वारा बनाए गए अन्य अभिलेखों के हमारे सत्यापन और सचिवीय लेखा परीक्षा के दौरान बैंक, उसके अधिकारियों, एजेंटों और अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा प्रदान की गई जानकारी के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि हमारी राय में, बैंक ने 1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक की लेखा परीक्षा अवधि के दौरान नीचे सूचीबद्ध वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन किया है और यह भी कि बैंक के पास इस सीमा तक, तरीके से और इसके बाद की गई रिपोर्टिंग के अधीन उचित बोर्ड-प्रक्रियाएं और अनुपालन-तंत्र मौजूद हैं:

हमने बहियों, कागजात, कार्यविवरण बही, फॉर्मों और दायर की गई विवरणियों तथा बैंक द्वारा 01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान रखे गए अन्य अभिलेखों की निम्नलिखित प्रावधानों के अनुसार जांच पड़ताल की है :

i. भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 ('अधिनियम') और उनके तहत बनाए गए भारतीय स्टेट बैंक सामान्य विनियम, 1955 ('विनियम')

ii. प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम 1956 ('एससीआरए') और उनके तहत बनाए गए नियम;

iii. निक्षेपागार अधिनियम, 1996 एवं उनके तहत बनाए गए विनियम एवं उप-विधियां;

iv. विदेशी विनियम प्रबंधन अधिनियम, 1999 एवं उनके तहत बनाए गए नियमों एवं विनियमों जहां तक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, समुद्रपार प्रत्यक्ष निवेश और विदेशी वाणिज्यिक ऋणों का संबंध है;

v. निम्नलिखित भारतीय विनियम और दिशानिर्देश जहां तक भारतीय प्रतिभूति एवं एक्सचेंज बोर्ड अधिनियम, 1992 ('सेबी अधिनियम') का संबंध है:-

क) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015; (सूचीबद्धता विनियमन)।

ख) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अधिग्रहण और अधिग्रहण) विनियम, 2011; (समीक्षाधीन अवधि के दौरान बैंक पर लागू नहीं)

ग) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंदरूनी व्यापार का निषेध) विनियम, 2015;

घ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी जारी करना और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2009; (समीक्षाधीन अवधि के दौरान बैंक पर लागू नहीं)

ङ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयर आधारित कर्मचारी लाभ और स्वेट इक्विटी) विनियम, 2021; (समीक्षाधीन अवधि के दौरान बैंक पर लागू नहीं)

च) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (गैर-परिवर्तनीय प्रतिभूतियों का जारी करना और सूचीबद्ध करना) विनियम, 2021;

छ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इक्विटी शेयरों की डीलिंग) विनियम, 2021; (समीक्षाधीन अवधि के दौरान बैंक पर लागू नहीं)

ज) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूतियों की पुनर्खरीद) विनियम, 2018; (समीक्षाधीन अवधि के दौरान बैंक पर लागू नहीं)

झ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निवेशक संरक्षण और शिक्षा निधि) विनियम, 2009;

झ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (रजिस्ट्रार टू इश्यू और शेयर ट्रांसफर एजेंट) विनियम, 1993, बैंक पर लागू सीमा तक;

ठ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिपॉजिटरी और प्रतिभागी) विनियम, 2018, बैंक पर लागू सीमा तक।

बैंकों के लिए विशेष रूप से लागू अधिनियमों, कानूनों और विनियमों की सूची नीचे दी गई है:

- i. यथासंशोधित बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949, यथासंशोधित
- ii. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर जारी मास्टर निदेश, अधिसूचनाएं और दिशानिर्देश।

हमने बैंक और उसके अधिकारियों, प्रणालियों और बैंक के अन्य लागू अधिनियमों, कानूनों और विनियमों के तहत अनुपालन के लिए गठित तंत्र पर निर्भर किया।

हमने निम्नलिखित के लागू खंडों के अनुपालन की भी जांच की है:

क) भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी सचिवीय मानक। (परीक्षा के दौरान लागू नहीं समीक्षाधीन अवधि)

ख) भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 (लिस्टिंग विनियमन)।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान बैंक ने अधिनियम, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों आदि के प्रावधानों का अनुपालन निम्नलिखित को छोड़कर किया है:

- बैंक ने लिस्टिंग विनियमनों के विनियमन 17(1) (बी) के तहत निदेशक मंडल के कम से कम आधे सदस्यों को स्वतंत्र निदेशक के रूप में रखने की आवश्यकता का अनुपालन नहीं किया।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि :

बैंक के निदेशक मंडल का गठन कार्यकारी निदेशकों, गैर-कार्यकारी निदेशकों और स्वतंत्र निदेशकों के उचित संतुलन के साथ किया गया है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान निदेशक मंडल की संरचना में जो परिवर्तन हुए, वे अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन में किए गए। हालाँकि, बैंक अधिनियम, नियमों और विनियमों के प्रावधानों के तहत अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति की आवश्यकता का अनुपालन नहीं कर सका।

बोर्ड मीटिंग के लिए सभी निदेशकों को पर्याप्त सूचना दी जाती है, एजेंडा और एजेंडा पर विस्तृत नोट पहले ही भेजे जाते हैं, और बैठक से पहले एजेंडा मर्दानों पर आगे की जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने और बैठक में सार्थक भागीदारी के लिए एक प्रणाली मौजूद है।

निर्णय बहुमत से लिए जाते हैं, जबकि असहमत सदस्यों के विचारों को मिनटों के हिस्से के रूप में दर्ज किया जाता है।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि बैंक के आकार और संचालन के अनुरूप बैंक में पर्याप्त प्रणालियाँ और प्रक्रियाएँ हैं जो लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों के अनुपालन की निगरानी और सुनिश्चित करती हैं।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि लेखापरीक्षा अवधि के दौरान, बैंक में निम्नलिखित विशिष्ट घटनाएँ या कार्य हुए, जिनका उपर्युक्त कानूनों, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों, मानकों आदि के अनुसरण में बैंक के कामकाज पर असर हो सकता है:

1. 27 जून, 2024 को 7.36% पर 10,000 करोड़ रुपए के डिबेंचर की प्रकृति में गैर-परिवर्तनीय, कर योग्य, मोचन योग्य, प्रतिभूति रहित, पूरी तरह से भुगतान किए गए दीर्घकालिक बांड का आबंटन।
2. 11 जुलाई, 2024 को 7.36% पर 10,000 करोड़ रुपए के डिबेंचर की प्रकृति में गैर-परिवर्तनीय, कर योग्य, मोचन योग्य, प्रतिभूति रहित, पूरी तरह से भुगतान किए गए दीर्घकालिक बांड का आबंटन।
3. 29 अगस्त, 2024 को 7.42% पर डिबेंचर की प्रकृति में 7500 करोड़ रुपए के गैर-परिवर्तनीय, कर योग्य, मोचन योग्य, अधीनस्थ, प्रतिभूति रहित, पूरी तरह से भुगतान किए गए बेसल III अनुपालक टियर 2 बांड का आबंटन।
4. प्रतिदेय, अधीनस्थ, प्रतिभूति रहित, पूर्णतः चुकता बेसल III अनुरूप टियर 2 बांड, 1000 रुपए के डिबेंचर की प्रकृति में। 20 सितंबर, 2024 को 7.33% पर 7500 करोड़।

5. 24 अक्टूबर, 2024 को 7.98% पर डिबेंचर की प्रकृति में 5,000 करोड़ रुपए के गैर-परिवर्तनीय, कर योग्य, स्थायी, प्रतिभूति रहित, अधीनस्थ, पूरी तरह से चुकता बेसल III अनुपालक अतिरिक्त टियर 1 बॉन्ड का आबंटन।

6. 19 नवंबर, 2024 को 7.23% पर डिबेंचर की प्रकृति में 10,000 करोड़ रुपए के गैर-परिवर्तनीय, कर योग्य, मोचनीय, प्रतिभूति रहित, पूरी तरह से चुकता दीर्घ-अवधि बॉन्ड का आबंटन।

7. कॉल ऑप्शन के प्रयोग के कारण 28 जून, 2024 को 5000 करोड़ रुपए के डिबेंचर की प्रकृति में गैर-परिवर्तनीय, मोचनीय, प्रतिभूति रहित बेसल III अनुपालक टियर 2 बॉन्ड का मोचन।

8. कॉल ऑप्शन के प्रयोग के कारण 30 अगस्त, 2024 को 3,104.80 करोड़ रुपए के गैर-परिवर्तनीय, कर योग्य, सतत, प्रतिभूति रहित, अधीनस्थ, पूरी तरह से भुगतान किए गए बेसल III अनुपालक अतिरिक्त टियर 1 बॉन्ड का मोचन।

9. कॉल ऑप्शन के प्रयोग के कारण 22 नवंबर, 2024 को 3,813.60 करोड़ रुपए के गैर-परिवर्तनीय, कर योग्य, सतत, प्रतिभूति रहित, अधीनस्थ, पूरी तरह से भुगतान किए गए बेसल III अनुपालक अतिरिक्त टियर 1 बॉन्ड का मोचन।

10. 17 दिसंबर, 2024 को 500 करोड़ रुपए के डिबेंचर की प्रकृति में गैर-परिवर्तनीय, रिडीमेबल, प्रतिभूति रहित बेसल III अनुपालक टियर 2 बॉन्ड का मोचन।

11. 22 जनवरी, 2025 को 950 करोड़ रुपए के डिबेंचर की प्रकृति में गैर-परिवर्तनीय, रिडीमेबल, प्रतिभूति रहित बेसल III अनुपालक टियर 2 बॉन्ड का मोचन।

12. 20 मार्च, 2025 को 200 करोड़ रुपए के डिबेंचर की प्रकृति में गैर-परिवर्तनीय, रिडीमेबल, प्रतिभूति रहित बेसल III अनुपालक टियर 2 बॉन्ड का मोचन।

13. 31 मार्च, 2025 को 393 करोड़ रुपए के डिबेंचर की प्रकृति में गैर-परिवर्तनीय, रिडीमेबल, प्रतिभूति रहित बेसल III अनुपालक टियर 2 बॉन्ड का मोचन।

कृते **रागिनी चोकसी एंड कंपनी (कंपनी सचिव)**

फर्म पंजीकरण संख्या: 92897

पीआर नंबर: 4166/2023

रागिनी चोकसी

(भागीदार)

एफसीएस नंबर: 2390

सीपी. नंबर: 1436

यूडीआईएन: F002390G000258800

स्थान: मुंबई

दिनांक: 3 मई 2025

अनुलग्नक 'अ'

प्रति

सदस्यगण,

भारतीय स्टेट बैंक

कॉर्पोरेट केंद्र, 14वां तल, स्टेट बैंक भवन,

मैडम कामा मार्ग, मुंबई, महाराष्ट्र, 400021

31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए हमारी सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट इस पत्र के साथ पढ़ी जाए।

1. सचिवीय अभिलेखों का रखरखाव बैंक प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने ऑडिट के आधार पर इन सचिवीय अभिलेखों पर अपनी राय व्यक्त करें।
2. हमने सचिवीय अभिलेखों की सामग्री की सत्यता के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए उचित लेखा परीक्षा प्रथाओं और प्रक्रियाओं का पालन किया है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सचिवीय अभिलेखों में सही तथ्य परिलक्षित हों, सत्यापन परीक्षण के आधार पर किया गया था। हमारा मानना है कि हमारे द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाएं और प्रथाएं हमारी राय के लिए उचित आधार प्रदान करती हैं।
3. हमने बैंक के वित्तीय अभिलेखों और लेखा पुस्तकों की शुद्धता और उपयुक्तता का सत्यापन नहीं किया है।
4. जहाँ भी आवश्यक हुआ, हमने कानूनों, नियमों और विनियमों के अनुपालन और घटनाओं आदि के बारे में प्रबंधन अभ्यावेदन प्राप्त किया है।
5. कॉर्पोरेट प्रशासन और अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के प्रावधानों का अनुपालन प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जांच परीक्षण के आधार पर प्रक्रियाओं के सत्यापन तक सीमित थी।
6. सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट न तो बैंक की भावी व्यवहार्यता के बारे में आश्वासन है, न ही उस प्रभावकारिता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने बैंक के कार्यों का संचालन किया है।

कृते रागिनी चोकसी एंड कंपनी

(कंपनी सचिव)

फर्म पंजीकरण संख्या: 92897

पीआर नंबर: 4166/2023

रागिनी चोकसी

(भागीदार)

एफसीएस नंबर: 2390

सीपी. नंबर: 1436

यूडीआईएन: F002390G000258800

स्थान: मुंबई

दिनांक: 3 मई 2025

निदेशकों के अयोग्य न होने का प्रमाणपत्र

सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 34 (3) और अनुसूची V पैरा सी खंड (10) (i) के अनुसार

सेवा में

सदस्यगण

भारतीय स्टेट बैंक

स्टेट बैंक भवन, मैडम कामा मार्ग, मुंबई- 400 021

हमने भारतीय स्टेट बैंक (जिसे कि आगे 'बैंक' कहा गया है) जिसका केंद्रीय कार्यालय स्टेट बैंक भवन, मैडम कामा रोड, मुंबई- 400021 में स्थित है, के निदेशकों से प्राप्त संबंधित रजिस्ट्रारों, अभिलेखों, प्रपत्रों, विवरणियों और प्रकटीकरण की जांच की है, जिसे कि विनियमन 34(3) के अनुसार भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड (लिस्टिंग दायित्वों और प्रकटीकरण आवश्यकताओं) विनियम 2015 के अनुसूची त पैरा सी उप खंड 10(क) के साथ पड़े गए इस प्रमाण-पत्र को जारी करने के उद्देश्य से बैंक द्वारा हमारे समक्ष प्रस्तुत किया गया।

हमारे विचार से और हमें प्राप्त जानकारी के अनुसार तथा आवश्यकतानुसार सत्यापन (www.mca.gov.in पोर्टल पर निदेशक पहचान संख्या (डीआईएन) स्थिति सहित) तथा बैंक एवं उसके अधिकारियों द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार हम यह प्रमाणित करते हैं कि 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए नीचे उल्लिखित बैंक के केंद्रीय बोर्ड में शामिल निदेशकों में से किसी को भी भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड, कारपोरेट मामलों के मंत्रालय, या अन्य किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा कंपनियों के निदेशक के रूप में नियुक्त या जारी रखने से रोकने के लिए या अयोग्य घोषित नहीं किया गया है।

क्र. सं.	निदेशक का नाम	डीआईएन	बैंक में नियुक्ति की तिथि
1.	श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी	08335249	20-01-2020
2.	श्री अश्विनी कुमार तिवारी	08797991	28-01-2021
3.	श्री विनय एम. तोन्से	06695367	21-11-2023
4.	श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह	08949873	07-08-2024
5.	श्री राम मोहन राव अमारा	08951394	18-12-2024
6.	श्री केतन एस. विकमसी	00282877	26-06-2020
7.	श्री मृगांक एम. परांजपे	02162026	26-06-2020
8.	श्री राजेश कुमार दुबे	10040521	26-06-2023
9.	श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत	07404367	26-06-2023
10.	सुश्री स्वाति गुप्ता	आबंटित नहीं	08-05-2023
11.	श्री नागराजू महिराला	06852727	30-08-2024
12.	श्री अजय कुमार	07732926	14-07-2023

बोर्ड में प्रत्येक निदेशक की नियुक्ति/निरंतरता के लिए पात्रता सुनिश्चित करना बैंक के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने सत्यापन के आधार पर इन पर राय व्यक्त करें।

यह प्रमाणपत्र न तो बैंक की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में आश्वासन है और न ही उस दक्षता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने बैंक के मामलों का संचालन किया है।

कृते रागिनी चोकसी एंड कंपनी

(कंपनी सचिव)

फर्म पंजीकरण संख्या: 92897

पीआर नंबर: 4166/2023

रागिनी चोकसी

(भागीदार)

एफसीएस नंबर: 2390

सीपी. नंबर: 1436

यूडीआईएन: F002390G000258844

स्थान: मुंबई

दिनांक: 3 मई 2025

कॉर्पोरेट अभिशासन पर लेखापरीक्षकों का प्रमाण पत्र

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के तहत कॉर्पोरेट अभिशासन आवश्यकताओं के अनुपालन पर स्वतंत्र लेखा परीक्षक का प्रमाणपत्र

प्रति

सदस्य गण,

भारतीय स्टेट बैंक

1. यह प्रमाणपत्र हमारे 31 मार्च 2025 के अनुबंध पत्र की शर्तों के अनुसार जारी किया गया है।
2. हम, मेसर्स रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, भारतीय स्टेट बैंक (बैंक) के संयुक्त वैधानिक केंद्रीय लेखा परीक्षकों ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक द्वारा कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों के अनुपालन की जांच की है, जैसा कि विनियम 17 से 27 और विनियमन 46 के उप विनियमन (2) के खंड (बी) से (आई) और (टी) और सेबी (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 (लिस्टिंग विनियम) की अनुसूची वी के पैरा सी, डी और ई में निर्धारित है।

प्रबंधन की जिम्मेदारी

3. बैंक का प्रबंधन यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है कि बैंक लिस्टिंग विनियमों में निर्धारित कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों का अनुपालन करता है इस जिम्मेदारी में लिस्टिंग विनियमों में निर्धारित कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक नियंत्रण और प्रक्रियाओं का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव भी शामिल है।

लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

4. हमारी जिम्मेदारी कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए बैंक द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं और उनके कार्यान्वयन की जांच करने तक सीमित है। यह न तो ऑडिट है और न ही बैंक के वित्तीय विवरणों पर राय की अभिव्यक्ति है।

5. हमने बैंक द्वारा कॉर्पोरेट प्रशासन आवश्यकताओं के अनुपालन पर उचित आश्वासन प्रदान करने के उद्देश्य से बैंक द्वारा बनाए गए खाते की पुस्तकों और अन्य प्रासंगिक रिकॉर्ड और दस्तावेजों की जांच की है।
6. हमने अपनी परीक्षा कॉर्पोरेट गवर्नेंस के प्रमाणन पर मार्गदर्शन नोट और भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी किए गए ऑडिटिंग मानकों के अनुसार आयोजित की, जहाँ तक इस प्रमाण पत्र के उद्देश्य के लिए लागू है और आईसीएआई द्वारा जारी विशेष उद्देश्यों के लिए रिपोर्ट या प्रमाण पत्र पर मार्गदर्शन नोट के अनुसार जिसके लिए आवश्यक है कि हम आईसीएआई द्वारा जारी आचार संहिता की नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें।
7. हमने आईसीएआई द्वारा जारी गुणवत्ता नियंत्रण (एसक्यूसी) 1, ऐतिहासिक वित्तीय जानकारी की ऑडिट और समीक्षा करने वाली फर्मों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण, और अन्य आश्वासन और संबंधित सेवा अनुबंधों पर मानक की प्रासंगिक लागू आवश्यकताओं का अनुपालन किया है।

राय

8. उपरोक्त हमारी जांच और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण तथा प्रबंधन द्वारा दिए गए अभ्यावेदन के आधार पर, हम प्रमाणित करते हैं कि बैंक ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान विनियम 17 से 27 तथा विनियम 46(2) के खंड (बी) से (आई) और लिस्टिंग विनियमों की अनुसूची वी के पैराग्राफ सी और डी में निर्धारित कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों का अनुपालन किया है, सिवाय इसके कि:
9. बैंक में लिस्टिंग विनियमों के विनियम 17(1) के तहत आवश्यक स्वतंत्र निदेशक के रूप में

निदेशक मंडल का कम से कम आधा हिस्सा नहीं था।

10. हम आगे कहते हैं कि ऐसा अनुपालन न तो बैंक की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में आश्वासन है और न ही उस दक्षता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने बैंक के मामलों का संचालन किया है।

उपयोग पर प्रतिबंध

11. यह प्रमाणपत्र बैंक के सदस्यों को संबोधित है और उन्हें केवल कॉर्पोरेट प्रशासन से संबंधित लिस्टिंग विनियमों की आवश्यकताओं को समझने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से प्रदान किया गया है, और इसका उपयोग किसी अन्य व्यक्ति या किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जाना चाहिए। तदनुसार, हम किसी अन्य उद्देश्य या किसी अन्य व्यक्ति के लिए कोई दायित्व या देखभाल का कोई कर्तव्य स्वीकार नहीं करते हैं या ग्रहण नहीं करते हैं, जिसे यह प्रमाणपत्र दिखाया गया है या जिसके हाथों में यह हमारी पूर्व लिखित सहमति के बिना आ सकता है। इस प्रमाणपत्र की तिथि के बाद होने वाली किसी भी घटना या परिस्थिति के लिए इस प्रमाणपत्र को अपडेट करने की हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है।

कृते रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी

कंपनी सचिव,

एफआरएन: 009073छ/छ000320

सुमित कुमार

भागीदार

एम. सं.: 512555

यूडीआईएन: F002390G000258844

स्थान: मुंबई

दिनांक: 3 मई 2025

व्यावसायिक उत्तरदायित्व और संवहनीयता रिपोर्ट के बारे में

बैंक की व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट (बीआरआर) वित्त वर्ष 2023 से वार्षिक आधार पर प्रकाशित की जाती है। भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियमन 34(2) (एफ) को सेबी परिपत्र संख्या सीआईआर/सीएफडी/सीएमडी/10/2015 दिनांक 04 नवंबर 2015 और सेबी अधिसूचना संख्या सेबी/एलएडी-एनआरओ/जीएन/2021/22 दिनांक

5 मई 2021 के साथ पढ़ा जाता है, के अनुसार बीएसई और एनएसई में बाजार पूंजीकरण (प्रत्येक वित्तीय वर्ष की 31 मार्च तक गणना करते हुए) के आधार पर शीर्ष 1000 सूचीबद्ध संस्थाओं के लिए वार्षिक रिपोर्ट के एक भाग के रूप में व्यावसायिक उत्तरदायित्व और संवहनीयता रिपोर्ट (बीआरएसआर) को शामिल करना अनिवार्य है। 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए अपेक्षित मानचित्रण के साथ बैंक की व्यावसायिक

उत्तरदायित्व और संवहनीयता रिपोर्ट बैंक की वेबसाइट <https://www.sbi.co.in> पर निवेशक संबंध वार्षिक रिपोर्ट लिंक के अंतर्गत रखा गया है। इसकी एक भौतिक प्रति प्राप्त करने का इच्छुक शेयरधारक बैंक को लिख सकता है (ईमेल आईडी: dgm2.esgcfusbi.co.in और डाक पता: उप महाप्रबंधक (सीएसआर और स्थिरता), भारतीय स्टेट बैंक, 9वीं मंजिल, कॉर्पोरेट केंद्र, स्टेट बैंक भवन, मैडम कामा रोड, मुंबई - 400 021)।

वित्तीय विवरण

भारतीय स्टेट बैंक

31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र

(000 को छोड़ दिया गया)

	अनुसूची सं.	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछले वर्ष) ₹
पूंजी और देयताएं			
पूंजी	1	892,46,20	892,46,12
आरक्षित निधियाँ व अधिशेष	2	440269,65,81	376354,07,25
जमा राशियाँ	3	5382189,52,83	4916076,76,93
उधार राशियाँ	4	563572,52,36	597560,90,78
अन्य देयताएँ व प्रावधान	5	289129,09,67	288809,73,42
योग		6676053,26,87	6179693,94,50
आस्तियाँ			
भारतीय रिजर्व बैंक के पास नकद और जमा राशियाँ	6	227217,49,40	225141,69,61
बैंकों में जमा राशियाँ और माँग तथा अल्प सूचना पर प्राप्त राशि	7	113012,19,31	85660,29,19
निवेश	8	1690572,74,65	1671339,65,61
अग्रिम	9	4163312,10,16	3703970,85,40
अचल आस्तियाँ	10	44107,55,26	42617,25,25
अन्य आस्तियाँ	11	437831,18,09	450964,19,44
योग		6676053,26,87	6179693,94,50
आकस्मिक देयताएँ	12	2668237,39,65	2389320,82,36
वसूली के लिए बिल	-	64446,99,52	67795,94,05
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	17		
लेखा टिप्पणियाँ	18		

उपर्युक्त अनुसूचियाँ तुलन-पत्र का अभिन्न भाग हैं

श्री राम मोहन राव अमारा

प्रबंध निदेशक

(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार और प्रौद्योगिकी)

श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह

प्रबंध निदेशक

(जोखिम अनुपालन और एसएआरजी)

श्री विनय एम. तोन्से

प्रबंध निदेशक

(खुदरा व्यापार और परिचालन)

श्री अश्विनी कुमार तिवारी

प्रबंध निदेशक

(कॉर्पोरेट बैंकिंग और अनुबंधित)

निदेशक:

श्री केतन एस विकमसे

श्री मृगांक एम परांजपे

श्री राजेश कुमार दुबे

श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत

श्रीमती स्वाति गुप्ता

श्री अजय कुमार

श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी

अध्यक्ष

स्थान: मुंबई

दिनांक: 03 मई 2025

इस तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म पं.क्र.009073N/N500320

सीए सुमित कुमार
भागीदार: एम क्र.512555

कृते विनोद कुमार एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म पं.क्र.002304N

सीए विनोद जैन
भागीदार: एम क्र. 081263

कृते वर्मा एंड वर्मा
सनदी लेखाकार
फर्म पं.क्र.004532S

सीए पी आर प्रसन्ना वर्मा
भागीदार: एम क्र.025854

कृते ओ पी बागला एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म पं.क्र.000018N/N500091

सीए राकेश कुमार
भागीदार: एम क्र. 087537

स्थान: मुंबई
दिनांक: 03 मई 2025

कृते गोखले एंड साठे
सनदी लेखाकार
फर्म पं.क्र.103264W

सीए राहुल जोगलेकर
भागीदार: एम क्र 129389

कृते आर जी एन प्राइस एंड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म पं.क्र .002785S

सी.ए. पी.एम. वीरमणि
भागीदार: एम क्र. 023933

कृते गोपाल शर्मा एंड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म पं.क्र.002803C

सीए अभिषेक शर्मा
भागीदार: एम क्र.079224

कृते एस जी सी ओ एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म पं.क्र.112081थ/थ100184

सीए सुरेश मुरारका
भागीदार: एम क्र.044739

कृते जेएलएनयूएस एंड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म पं.क्र. 101543W

सीए शलभ कुमार डागा
भागीदार: एम क्र . 401428

कृते रमा के गुप्ता एंड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म पं.क्र. 005005C

सीए रमाकांत गुप्ता
भागीदार: एम क्र. 073853

कृते बी सी जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म पं.क्र.001099C

सीए रणजीत सिंह
भागीदार: एम क्र.073488

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र का अभिन्न भाग है

अनुसूची 1 - पूंजी

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछले वर्ष) ₹
प्राधिकृत पूंजी :		
5000,00,00,000 शेयर ₹1 प्रति शेयर (पिछला वर्ष 5000,00,00,000 शेयर ₹1 प्रति शेयर)	5000,00,00	5000,00,00
निर्गमित पूंजी		
892,54,05,164 इक्विटी शेयर ₹1 प्रति शेयर (पिछला वर्ष 892,54,05,164 इक्विटी शेयर ₹1 प्रति शेयर)	892,54,05	892,54,05
अभिदत्त एवं संदत्त पूंजी :		
892,46,20,034 इक्विटी शेयर ₹1 प्रति शेयर (पिछला वर्ष 892,46,11,934 इक्विटी शेयर ₹1 प्रति शेयर)	892,46,20	892,46,12
उपरोक्त में 7,97,87,470 इक्विटी शेयर ₹1 प्रति शेयर शामिल है (पिछले वर्ष 9,58,88,670 इक्विटी शेयर ₹1 प्रति शेयर) द्वारा प्रतिनिधित्व किया 79,78,747 (पिछला वर्ष 95,88,867) ग्लोबल डिपॉजिटरी रसीदें		
योग	892,46,20	892,46,12

अनुसूची 2 - आरक्षित निधियाँ व अधिशेष

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछले वर्ष) ₹
I. सांविधिक आरक्षित निधियाँ		
प्रारंभिक शेष	118960,74,29	100637,75,69
वर्ष के दौरान परिवर्धन	21270,18,84	18322,98,60
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-
	140230,93,13	118960,74,29
II. पूंजी आरक्षित निधियाँ		
प्रारंभिक शेष	16319,00,11	15992,79,07
वर्ष के दौरान परिवर्धन	2171,56,83	326,21,04
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-
	18490,56,94	16319,00,11
III. शेयर प्रीमियम		
प्रारंभिक शेष	79115,47,68	79115,47,68
वर्ष के दौरान परिवर्धन	1,280	-
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-
	79115,60,48	79115,47,68
IV. शेयर प्रीमियम		
प्रारंभिक शेष	11522,30,12	12271,38,17
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	749,08,05
	11522,30,12	11522,30,12

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछले वर्ष) ₹
V. विदेशी मुद्रा रूपांतर आरक्षित		
प्रारंभिक शेष	13543,94,38	12755,17,91
वर्ष के दौरान परिवर्धन	1906,70,30	788,76,47
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-
	15450,64,68	13543,94,38
VI. राजस्व और अन्य आरक्षित निधियाँ *		
प्रारंभिक शेष	59209,04,91	54088,42,53
वर्ष के दौरान परिवर्धन	1737,30,02	5120,62,38
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	1339,01,04	-
	59607,33,89	59209,04,91
VII. पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधियाँ		
प्रारंभिक शेष	27555,64,70	27756,25,90
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	200,03,03	200,61,20
	27355,61,67	27555,64,70
VIII. एएफएस आरक्षित निधियाँ		
प्रारंभिक शेष	-	-
वर्ष के दौरान परिवर्धन	6637,28,29	-
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-
	6637,28,29	-
IX. लाभ-हानि खाते का अधिशेष	81859,36,61	50127,91,06
योग	440269,65,81	376354,07,25

* नोट: राजस्व और अन्य आरक्षितियों में शामिल हैं:

- i ₹5,00,00 हजार (पिछले वर्ष ₹5,00,00 हजार) एकीकरण एवं विकास निधि (भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 36 के अंतर्गत रखी गई)
- ii आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (viii) के तहत विशेष आरक्षित निधियाँ ₹21064,32,76 हजार (पिछले वर्ष ₹19527,05,76 हजार)
- iii निवेश आरक्षित निधियाँ चालू वर्ष शून्य (पिछले वर्ष 3142,84,35 हजार)

अनुसूची 3 - जमा राशियाँ

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछले वर्ष) ₹
क. I. माँग जमा राशियाँ		
(i) बैंकों से	4511,89,19	5960,27,24
(ii) अन्य से	371436,17,31	293617,61,43
II. बचत बैंक जमा राशियाँ	1707929,51,93	1661843,63,48
III. सावधि जमा राशियाँ		
(i) बैंकों से	14579,14,17	5197,59,09
(ii) अन्य से	3283732,80,23	2949457,65,69
योग	5382189,52,83	4916076,76,93
ख. I. भारत में शाखाओं की जमा राशियाँ	5166863,46,11	4724335,65,10
II. भारत के बाहर स्थित शाखाओं की जमा राशियाँ	215326,06,72	191741,11,83
योग	5382189,52,83	4916076,76,93

जमा राशियों में ₹447427,89,09 हजार (पिछले वर्ष एच ₹420734,09,91 हजार) की ग्रहणाधिकार चिह्नित जमा राशियाँ शामिल हैं

अनुसूची 4 - उधार राशियाँ

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछले वर्ष) ₹
I. भारत में उधार-राशियाँ		
(i) भारतीय रिजर्व बैंक	19298,00,00	97399,00,00
(ii) अन्य बैंक	-	-
(iii) अन्य संस्थान और एजेंसियाँ	-	57817,41,02
(iv) बॉण्ड एवं डिबेंचर (पूँजीगत लिखतों के अतिरिक्त)	69718,00,00	39718,00,00
(v) पूँजी लिखतें :		
क. नवोन्मेषी सतत ऋण लिखतें (आईपीडीआई)	48708,00,00	50626,40,00
ख. गौण ऋण	51131,00,00	43174,00,00
	99839,00,00	93800,40,00
योग	188855,00,00	288734,81,02
II. भारत के बाहर उधार-राशियाँ		
(i) भारत के बाहर उधार राशियाँ और पुनर्वित्त	374717,52,36	308826,09,76
(ii) पूँजीगत लिखतें		
नवोन्मेषी सतत ऋण लिखतें (आईपीडीआई)	-	-
योग	374717,52,36	308826,09,76
कुल योग	563572,52,36	597560,90,78
उपर्युक्त I व II में प्रतिभूति उधार-राशियाँ सम्मिलित हैं	49719,11,54	181331,85,62

अनुसूची 5 - अन्य देयताएँ और प्रावधान

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछले वर्ष) ₹
I. संदेय बिल	27701,08,11	15663,55,27
II. अंतर-कार्यालय समायोजन (निवल)	-	1126,59,56
III. उपचित ब्याज	38468,06,29	32315,57,67
IV. आस्थगित कर देयताएँ (निवल)	54,93,15	7,60,03
V. व्युत्पन्नी देनदारियाँ	19830,78,90	7106,03,31
VI. अन्य (प्रावधानों सहित)*	203074,23,22	232590,37,58
कुल	289129,09,67	288809,73,42

* मानक आस्तियों के लिए ₹24423,64,33 हजार का विवेकशील प्रावधान शामिल है (पिछले वर्ष ₹24112,56,90 हजार)

अनुसूची 6 - नकदी व भारतीय रिज़र्व बैंक में जमाराशियाँ

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछले वर्ष) ₹
I. हाथ में नकदी (विदेशी मुद्रा नोट और स्वर्ण सहित)	18391,32,86	18401,50,96
II. भारतीय रिज़र्व बैंक जमाराशियाँ		
(i) चालू खाते में	208826,16,54	206740,18,65
(ii) अन्य खातों में	-	-
कुल	227217,49,40	225141,69,61

अनुसूची 7 - बैंकों में जमाराशियाँ व माँग तथा अल्प सूचना पर प्राप्य राशि

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछले वर्ष) ₹
I. भारत में		
(i) बैंकों में जमाराशियाँ		
(क) चालू खातों में	-	-
(ख) अन्य जमा खातों में	-	-
(ii) माँग तथा अल्पकालीन सूचना पर प्राप्य राशि		
(क) बैंकों के साथ	-	2550,00,00
(ख) अन्य संस्थानों में	7980,86,94	27266,70,25
योग	7980,86,94	29816,70,25
II. भारत के बाहर		
(i) चालू खातों में	92776,77,86	44600,92,07
(ii) अन्य जमा खातों में	500,74,86	2196,18,92
(iii) माँग तथा अल्पकालीन सूचना पर प्राप्य राशि	11753,79,65	9046,47,95
योग	105031,32,37	55843,58,94
कुल योग (I और II)	113012,19,31	85660,29,19

अनुसूची 8 - निवेश

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछले वर्ष) ₹
I. भारत में निवेश:		
(i) सरकारी प्रतिभूतियाँ	1326676,69,34	1365740,19,30
(ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
(iii) शेयर	23302,39,97	7199,25,77
(iv) डिबेंचर और बॉण्ड	180074,65,18	177647,08,12
(v) अनुषंगियों तथा/अथवा संयुक्त उद्यमों में (इसमें सहयोगी सम्मिलित हैं)	16363,62,57	15559,74,88
(vi) अन्य (म्यूचुअल फंड की यूनिट इत्यादि)	69972,44,36	38937,32,34
योग	1616389,81,42	1605083,60,41
II. भारत के बाहर निवेश:		
(i) सरकारी प्रतिभूतियाँ (स्थानीय प्राधिकरण सम्मिलित हैं)	34338,94,76	31679,82,31
(ii) विदेश में स्थापित अनुषंगियों तथा /अथवा संयुक्त उद्यम	5680,21,97	5680,21,97
(iii) अन्य निवेश (शेयर, डिबेंचर आदि)	34163,76,50	28896,00,92
योग	74182,93,23	66256,05,20
कुल योग (I और II)	1690572,74,65	1671339,65,61
III. भारत में निवेश:		
(i) निवेश का सकल मूल्य	1619772,86,64	1614852,06,26
(ii) घटाएं : कुल प्रावधान/मूल्यहास	3383,05,22	9768,45,85
(iii) निवल निवेश (ऊपर I के अनुसार)	1616389,81,42	1605083,60,41
IV. भारत के बाहर निवेश:		
(i) निवेश का सकल मूल्य	74182,93,23	67362,37,80
(ii) घटाएं : कुल प्रावधान/मूल्यहास	-	1106,32,60
(iii) निवल निवेश (ऊपर II के अनुसार)	74182,93,23	66256,05,20
कुल योग (III और IV)	1690572,74,65	1671339,65,61

अनुसूची 9 - अग्रिम

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछले वर्ष) ₹
क. I. क्रय किए गए और बढ़ाकृत बिल	243284,21,86	217376,95,24
II. कैश क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट तथा माँग पर प्रतिसदेय बिल	1178837,27,92	1001454,43,22
III. सावधि ऋण	2741190,60,38	2485139,46,94
योग	4163312,10,16	3703970,85,40
ख. I. मूर्त आस्तियों द्वारा प्रतिभूत (इसमें बही ऋणों पर अग्रिम शामिल हैं)	2736334,51,70	2391775,49,19
II. बैंक/सरकारी गारंटी द्वारा संरक्षित	220931,11,57	193146,54,72
III. अप्रतिभूत	1206046,46,89	1119048,81,49
कुल योग (क + ख)	4163312,10,16	3703970,85,40

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछले वर्ष) ₹
ग. (I) भारत में अग्रिम		
(i) प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	907348,31,61	804184,20,86
(ii) सार्वजनिक क्षेत्र	218328,15,43	252558,00,04
(iii) बैंक	4027,86,19	276,89,81
(iv) अन्य	2415672,51,05	2108978,83,43
योग	3545376,84,28	3165997,94,14
(II) भारत के बाहर अग्रिम		
(i) बैंकों से प्राप्त	202732,91,35	178879,83,35
(ii) अन्यो से प्राप्त		
क) क्रय किए गए और बढ़ाकृत बिल	39011,07,61	42424,38,12
ख) सिंडिकेटेड ऋण	247231,64,38	215890,02,77
ग) अन्य	128959,62,54	100778,67,02
योग	617935,25,88	537972,91,26
कुल योग [ग-I & ग-II]	4163312,10,16	3703970,85,40

अनुसूची 10 - अचल आस्तियां

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछले वर्ष) ₹
I. परिसर (पुनर्मूल्यांकित परिसरों सहित)		
पिछले वर्ष के 31 मार्च को लागत / (पुनर्मूल्यांकित परिसरों सहित) परिवर्धन	35116,37,08	35053,43,85
- वर्ष के दौरान	352,80,38	63,52,52
- पुनर्मूल्यांकन हेतु कटौतियाँ	-	-
- वर्ष के दौरान कटौतियाँ	12,87	1,11
- वर्ष के दौरान पुनर्मूल्यांकन	-	58,18
अघतन मूल्यहास		
- लागत पर	1441,10,64	1317,45,31
- पुनर्मूल्यांकन पर	1628,92,58	1428,89,56
	32399,01,37	32370,02,21
II. अन्य अचल आस्तियां (इसमें फर्नीचर तथा फिक्सचर सम्मिलित हैं)		
पिछले वर्ष के 31 मार्च की स्थिति के अनुसार	43574,60,06	40859,75,07
वर्ष के दौरान परिवर्धन	4786,55,83	3375,97,87
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	968,36,10	661,12,88
अघतन मूल्यहास	36107,10,65	33818,25,36
	11285,69,14	9756,34,70
III. निर्माणाधीन आस्तियां (परिसर सहित)	422,84,75	490,88,34
कुल (I, II, और III)	44107,55,26	42617,25,25

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र का अभिन्न भाग है

अनुसूची 11 - अन्य आस्तियां

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछले वर्ष) ₹
I. अंतर-कार्यालय समायोजन (निवल)	8184,06,97	-
II. प्रोद्भूत ब्याज	47310,86,68	45724,50,59
III. अग्रिम कर भुगतान / स्रोत पर कटौती	31382,10,90	23640,47,23
IV. आस्थगित कर आस्तियां (निवल)	9284,36,35	11431,46,52
V. लेखन सामग्री तथा स्टैम्प	29,36,46	28,92,68
VI. दावों के निपटान से प्राप्त की गई गैर-बैंकिंग आस्तियां	56,10	56,10
VII. डेरिवेटिव आस्तियां	17802,39,41	3765,02,99
VIII. अन्य *	323837,45,22	366373,23,34
योग	437831,18,09	450964,19,44

* नाबार्ड/सिडबी/एनएचबी के पास जमा रखे गए ₹262916,23,60 हजार (पिछले वर्ष ₹270995,47,35 हजार) जमाराशियां शामिल हैं

अनुसूची 12 - आकस्मिक देयताएं

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछले वर्ष) ₹
I. बैंक के विरुद्ध दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है	117645,01,48	117868,87,40
II. आंशिक रूप से भुगतान किए गए निवेश / वेंचर फंड के लिए देयताएं	2089,38,84	2174,05,04
III. बकाया वादा विनिमय संविदाओं के संबंध में देयता	1454089,93,81	1349504,18,92
IV. ग्राहकों की ओर से दी गई गारंटियां		
क) भारत में	219093,69,28	190056,09,60
ख) भारत के बाहर	101282,29,14	94237,18,86
V. प्रतिग्रहण, पृष्ठांकन तथा अन्य दायित्व	157848,82,48	158349,94,55
VI. अन्य मर्दे जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से उत्तरदायी है	616188,24,62	477130,47,99
योग	2668237,39,65	2389320,82,36

भारतीय स्टेट बैंक

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ हानि खाता

(000 को छोड़ दिया गया)

	अनुसूची सं.	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. आय			
अर्जित ब्याज	13	462489,35,35	415130,65,55
अन्य आय	14	61683,05,92	51682,16,37
योग		524172,41,27	466812,81,92
II. व्यय			
व्यय किया गया ब्याज	15	295524,22,52	255254,82,88
परिचालन व्यय	16	118069,02,22	124860,81,35
प्रावधान और आकस्मिक व्यय		39678,53,72	25620,55,67
योग		453271,78,46	405736,19,90
III. लाभ			
वर्ष के लिए निवल		70900,62,81	61076,62,02
जोड़ें: आगे लाया गया लाभ/(हानि)		50127,91,06	24098,71,82
योग		121028,53,87	85175,33,84
IV. विनियोजन			
सांविधिक आरक्षित निधियों को अंतरित		21270,18,84	18322,98,60
पूंजी आरक्षित निधियों को अंतरित		2171,56,83	326,21,04
निवेश उतार-चढ़ाव निधि को अंतरित		-	(749,08,05)
राजस्व एवं अन्य आरक्षित निधियों को अंतरित		1537,27,00	4920,59,36
चालू वर्ष के लिए लाभांश		14190,14,59	12226,71,83
तुलन पत्र में आगे ले जायी गई शेष राशि		81859,36,61	50127,91,06
योग		121028,53,87	85175,33,84
V. प्रति इक्विटी शेयर आय (अंकित मूल्य ₹1 प्रति शेयर)			
मूल (₹)		79.44	68.44
प्रति शेयर कम की गई आय (₹)		79.44	68.44
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	17		
लेखा टिप्पणियाँ	18		

उपर्युक्त संदर्भित अनुसूचियां लाभ और हानि लेखा का अभिन्न अंग हैं।

श्री राम मोहन राव अमारा

प्रबंध निदेशक

(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार और प्रौद्योगिकी)

श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह

प्रबंध निदेशक

(जोखिम अनुपालन और एसएआरजी)

श्री विनय एम. तोन्से

प्रबंध निदेशक

(खुदरा व्यापार और परिचालन)

श्री अश्विनी कुमार तिवारी

प्रबंध निदेशक

(कॉर्पोरेट बैंकिंग और अनुषंगियां)

निदेशक:

श्री केतन एस विक्रमसे

श्री मृगांक एम परांजपे

श्री राजेश कुमार दुबे

श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत

श्रीमती स्वाति गुप्ता

श्री अजय कुमार

श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी

अध्यक्ष

स्थान: मुंबई

दिनांक: 03 मई 2025

इस तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी
 सनदी लेखाकार
 फर्म पं.क्र.009073N/N500320

सीए सुमित कुमार
 भागीदार: एम क्र.512555

कृते विनोद कुमार एंड एसोसिएट्स
 सनदी लेखाकार
 फर्म पं.क्र.002304N

सीए विनोद जैन
 भागीदार: एम क्र. 081263

कृते वर्मा एंड वर्मा
 सनदी लेखाकार
 फर्म पं.क्र.004532S

सीए पी आर प्रसन्ना वर्मा
 भागीदार: एम क्र.025854

कृते ओ पी बागला एंड कंपनी एलएलपी
 सनदी लेखाकार
 फर्म पं.क्र.000018N/N500091

सीए राकेश कुमार
 भागीदार: एम क्र. 087537

स्थान: मुंबई
दिनांक: 03 मई 2025

कृते गोखले एंड साठे
 सनदी लेखाकार
 फर्म पं.क्र.103264W

सीए राहुल जोगलेकर
 भागीदार: एम क्र 129389

कृते आर जी एन प्राइस एंड कंपनी
 सनदी लेखाकार
 फर्म पं.क्र .002785S

सी.ए. पी.एम. वीरमणि
 भागीदार: एम क्र. 023933

कृते गोपाल शर्मा एंड कंपनी
 सनदी लेखाकार
 फर्म पं.क्र.002803C

सीए अभिषेक शर्मा
 भागीदार: एम क्र.079224

कृते एस जी सी ओ एंड कंपनी एलएलपी
 सनदी लेखाकार
 फर्म पं.क्र.112081थ/थ100184

सीए सुरेश मुरारका
 भागीदार: एम क्र.044739

कृते जेएलएनयूएसएंड कंपनी
 सनदी लेखाकार
 फर्म पं.क्र. 101543W

सीए शलभ कुमार डागा
 भागीदार: एम क्र . 401428

कृते रमा के गुप्ता एंड कंपनी
 सनदी लेखाकार
 फर्म पं.क्र. 005005C

सीए रमाकांत गुप्ता
 भागीदार: एम क्र. 073853

कृते बी सी जैन एंड कंपनी
 सनदी लेखाकार
 फर्म पं.क्र.001099C

सीए रणजीत सिंह
 भागीदार: एम क्र.073488

अनुसूची

31 मार्च 2025 लाभ हानि खाता का अभिन्न भाग है

अनुसूची 13 - अर्जित ब्याज

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. अग्रिम/बिलों पर ब्याज/छूट	330626,97,23	289783,81,12
II. निवेशों पर आय	115031,34,11	108640,50,37
III. भारतीय रिजर्व बैंक तथा अन्य अंतर बैंक निधियों के अधिशेष पर ब्याज	4416,01,22	5090,19,24
IV. अन्य	12415,02,79	11616,14,82
योग	462489,35,35	415130,65,55

अनुसूची 14 - अन्य आय

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. कमीशन, विनिमय और दलाली	30918,64,52	28126,11,94
II. निवेश की बिक्री पर लाभ/(हानि) (निवल)	9850,17,35	6896,60,13
III. निवेश के पुनर्मूल्यांकन पर लाभ/(हानि) (निवल)	5453,15,66	4939,17,35
IV. भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री पर लाभ / (हानि) (निवल)	(20,37,07)	(33,20,20)
V. विनिमय/व्युत्पन्न लेनदेन (निवल) पर लाभ/(हानि)	4379,23,28	1715,15,09
VI. विदेश/भारत में अनुषंगियों/कंपनियों तथा/या संयुक्त उद्यमों से लाभांशों इत्यादि के रूप में अर्जित आय	1863,32,44	1961,61,63
VII. विविध आय *	9238,89,74	8076,70,43
योग	61683,05,92	51682,16,37

* विविध आय में बड़े खाते में डाले गए खातों ₹8002,29,22 हजार (पिछले वर्ष ₹6933,56,32 हजार) में की गई वसूली शामिल है।

अनुसूची 15 - व्यय किया गया ब्याज

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. जमाराशियों पर ब्याज	257227,72,00	221459,94,10
II. भारतीय रिजर्व बैंक/अंतर-बैंक उधार पर ब्याज	25546,94,72	22443,53,50
III. अन्य	12749,55,80	11351,35,28
योग	295524,22,52	255254,82,88

अनुसूची

31 मार्च 2025 लाभ हानि खाते का अभिन्न अंग है

अनुसूची 16 - परिचालन व्यय

(000 को छोड़ दिया गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. कर्मचारियों को भुगतान और उनके लिए प्रावधान *	64352,24,48	78336,98,41
II. किराया, कर और लाइटींग	6283,36,09	6081,83,48
III. मुद्रण और लेखन सामग्री	883,96,70	824,47,35
IV. विज्ञापन और प्रचार	509,20,24	532,32,39
V. बैंक की संपत्ति पर मूल्यहास	3528,90,73	3351,91,61
VI. निदेशकों की फीस, भत्ते और खर्च	1,58,84	1,81,65
VII. लेखा परीक्षकों की फीस और व्यय (शाखा लेखा परीक्षकों सहित)	317,38,56	298,28,96
VIII. विधि प्रभार	402,04,44	346,23,70
IX. डाक व्यय, तार, टेलीफोन इत्यादि	800,48,84	662,12,53
X. मरम्मत और अनुरक्षण	1268,01,99	1198,06,57
XI. बीमा	8962,90,24	6224,12,20
XII. अन्य व्यय	30758,91,07	27002,62,50
योग	118069,02,22	124860,81,35

* कर्मचारियों को भुगतान और उनके लिए प्रावधान में असाधारण मर्दे शामिल हैं जो चालू वर्ष के लिए शून्य है पिछले वर्ष का प्रावधान ₹7100,00,00 हजार (सभी पेंशनभोगियों के लिए पेंशन की गणना की मौजूदा दोहरी दर के स्थान पर भावी रूप से 50% की एक समान दर पर पेंशन के कारण अनुमानित देयता के लिए ₹5400,00,00 हजार और नवंबर 2002 से पूर्व सेवानिवृत्त और पारिवारिक पेंशनभोगियों को अनुग्रह लाभ और महंगाई राहत के निष्प्रभावीकरण के लिए ₹1700,00,00 हजार)

अनुसूची 17: महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

क. पृष्ठभूमि:

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई अथवा बैंक) बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा सांविधिक निकाय है जो व्यक्तियों, वाणिज्यिक उद्यमों, बड़े कॉर्पोरेटों, सार्वजनिक निकायों एवं संस्थागत ग्राहकों को व्यापक श्रेणी के उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने में लगा हुआ है। बैंक बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 द्वारा शासित होता है।

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों अर्थात् बैंक के वित्तीय विवरणों को तैयार करने तथा उनकी प्रस्तुति में लागू किए जाने वाले विशिष्ट लेखा सिद्धांतों एवं लागू करने की विधियां निम्नानुसार हैं।

ख. तैयार करने का आधार:

बैंक के वित्तीय विवरण स्थिरता और संचय की मौलिक लेखा मान्यताओं के साथ, अवधिगत लागत परिपाटी, ग्राइंग कंसर्वन अवधारणा, जबतक अन्यथा उल्लिखित न हो, को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं। वे भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत (भारतीय जीएपी) के अनुरूप हैं, जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा निर्धारित विनियामक मानदंड, निर्देश और दिशानिर्देश, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955, के सांविधिक दिशानिर्देश और बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानक और भारत में बैंकिंग उद्योग में प्रचलित सामान्य लेखांकन व्यवहारों के अनुरूप हैं।

विदेशी स्थित कार्यालयों के मामले में, संबंधित देश के सांविधिक प्रावधान और प्रथाओं का पालन किया जाता है, बशर्ते कि वे भारत में संबंधित मानदंडों की तुलना में अधिक विवेकपूर्ण हों।

ये वित्तीय विवरण बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की तीसरी अनुसूची के अंतर्गत आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किए गए हैं।

ग. प्राक्कलनों का प्रयोग:

वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए प्रबंधन को उन प्राक्कलनों और धारणाओं को प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है, जिन्हें वित्तीय विवरणों की तिथि और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान रिपोर्ट की गई आय और व्यय में आस्तियों और देयताओं (आकस्मिक देनदारियों सहित) की कथित राशि में माना जाता है। प्रबंधन का मानना है कि वित्तीय विवरणों की तैयारी में उपयोग किया गया प्राक्कलन विवेकपूर्ण और तर्कसंगत है। वास्तविक परिणाम इन प्राक्कलनों से से भिन्न हो सकते हैं। लेखांकन अनुमानों में कोई भी संशोधन परिवर्तन की अवधि से भावी रूप से मान्यता प्राप्त है, जब तक कि अन्यथा न कहा गया हो।

घ. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ:

1. राजस्व निर्धारण:

- 1.1 जब तक अन्यथा उल्लिखित न हो, आय और व्यय की गणना सामान्यतः उपचय आधार पर की गई है।
- 1.2 अनर्जक आस्तियों (एनपीए) से होने वाली आय गैर-निष्पादित निवेश भी शामिल हैं, को वसूली के आधार पर लाभ और हानि खाते में मान्यता दी जाती है।
- 1.3 सभी कमीशन और शुल्क आय की पहचान वसूली के आधार पर की जाती है, सिवाय साख पत्र (एलसी), बैंक गारंटी (बीजी), आस्थगित भुगतान गारंटी, सरकारी व्यवसाय, यूपीआई लेनदेन पर प्रोत्साहन, एटीएम इंटरचेंज शुल्क और पुनर्गठित खातों पर अग्रिम शुल्क से प्राप्त कमीशन आय के, जिन्हें प्रोद्भव आधार पर (प्रासंगिक अवधि में आनुपातिक रूप से) पहचाना जाता है।
- 1.4 म्यूचुअल फंड, वैकल्पिक निवेश फंड और अन्य ऐसे संयोजित/सामूहिक निवेश फंड की इकाइयों से आय को प्राप्ति के आधार पर लाभ हानि खाते में मान्यता दी जाती है।
- 1.5 निवेश की सभी श्रेणियों अर्थात् एचटीएम, एएफएस, एचएफटी-एफवीटीपीएल में सभी ऋण प्रतिभूतियों के अधिग्रहण पर छूट या प्रीमियम (यदि कोई हो) को केवल मूलधन और ब्याज के भुगतान (एसपीपीआई) मानदंड को पूरा करते हुए स्थिर उपज पद्धति का उपयोग करके उपकरण के शेष जीवन पर परिशोधित किया जाता है।
तथापि, विदेशी निवेश और फ्लोर्टिंग रेट बॉन्ड में निवेश के मामले में, अधिग्रहण पर कोई छूट या प्रीमियम होने पर उसे स्ट्रेट लाइन पद्धति का उपयोग करके साधन के शेष जीवन पर परिशोधित किया जाता है। परिशोधित राशि अनुसूची 13 के मद 11 'निवेश पर आय' के अंतर्गत दर्शाई जाती है: 'अर्जित ब्याज' अनुसूची 8 में एक कॉन्ट्रा के साथ: 'निवेश'।
- 1.6 लाभांश आय को तब मान्यता दी जाती है जब लाभांश प्राप्त करने का अधिकार स्थापित किया जाता है।
- 1.7 बैंक जब अपनी वित्तीय आस्तियों की बिक्री प्रतिभूतिकरण कंपनी (एससी)/पुनर्निर्माण कंपनी (आरसी) को बिक्री करते समय पर अपनी वित्तीय परिसंपत्तियों की पहचान रद्द कर देता है, और लेनदेन का लेखा निम्नानुसार करता है:
 - i. यदि विक्रय मूल्य निवल बही मूल्य से कम है मूल्य (एनबीवी) (अर्थात् बही मूल्य में से धारित प्रावधानों को घटाकर) के आधार पर, कमी को हस्तांतरण/बिक्री के वर्ष में लाभ और हानि खाते में डेबिट कर दिया जाता है।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

- ii. यदि बिक्री एनबीवी से अधिक कीमत पर की जाती है, तो अतिरिक्त प्रावधान उस वर्ष में वापस लिखा जाता है जिस वर्ष राशि प्राप्त होती है। यदि भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत एसआर बिक्री प्रतिफल के एक भाग के रूप में प्राप्त होते हैं, तो भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत सुरक्षा रसीदों के अंकित मूल्य की सीमा तक अतिरिक्त प्रावधान हस्तांतरण/बिक्री के वर्ष में वापस लिखा जाता है।

- 1.8 रुपया डेरिवेटिव्स पर आय को ट्रेडिंग आय के रूप में नामित किया जाता है, जिसे प्राप्ति के आधार पर लाभ और हानि खाते में मान्यता दी जाती है।

2. निवेश

निवेशों का लेखा-जोखा निवेश वर्गीकरण और मूल्यांकन पर भारतीय रिजर्व बैंक के वर्तमान दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाता है, जैसा कि नीचे दिया गया है:

2.1 वर्गीकरण:

बैंक संपूर्ण निवेश पोर्टफोलियो (स्वयं की अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों में निवेश को छोड़कर) को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत करता है, अर्थात् परिपक्वता तक धारित (एचटीएम), बिक्री के लिए उपलब्ध (एफएस) और लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीटीपीएल) और ट्रेडिंग के लिए धारित (एचएफटी) नामक उपश्रेणी के तहत वर्गीकृत करता है।

तुलन पत्र में प्रकटीकरण के लिए, निवेशों को भारत में और भारत के बाहर निवेश के रूप में वर्गीकृत किया गया है। भारत में निवेश को आगे (i) सरकारी प्रतिभूतियाँ, (ii) अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ, (iii) शेयर, (iv) बॉन्ड और डिबेंचर, (v) सहायक कंपनियाँ और/या संयुक्त उद्यम (सहयोगी कंपनियों सहित) और (vi) अन्य निवेश के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

भारत के बाहर किए गए निवेशों को आगे (i) सरकारी प्रतिभूतियाँ (ii) अनुषंगियाँ और/या संयुक्त उद्यम (सहयोगी कंपनियों सहित) (iii) अन्य निवेश के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

2.2 वर्गीकरण का आधार:

- i. **परिपक्वता तक धारित (एचटीएम):** संविदागत नकदी प्रवाह को इकट्ठा करने के लिए परिपक्वता तक धारण करने के इरादे से अर्जित प्रतिभूतियाँ और प्रतिभूति की संविदागत शर्तें नकदी प्रवाह को जन्म देती हैं जो निर्दिष्ट तिथि पर केवल मूलधन और ब्याज (एसपीपीआई मानदंड) का भुगतान होता है, जिसे परिपक्वता तक धारण (एचटीएम) के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- ii. **बिक्री के लिए उपलब्ध (एफएस):** वे प्रतिभूतियाँ जिन्हें इस उद्देश्य से अधिग्रहित किया जाता है कि संविदात्मक नकदी प्रवाह को एकत्रित करके और परिपक्वता से पहले प्रतिभूतियों को बेचकर प्राप्त किया जाता है; और प्रतिभूति की संविदात्मक शर्तें

नकदी प्रवाह को जन्म देती हैं जो केवल मूलधन और ब्याज का भुगतान (एसपीपीआई मानदंड) हैं, उन्हें बिक्री के लिए उपलब्ध (एफएस) के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

प्रारंभिक मान्यता पर, बैंक, आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुरूप, एफएस के तहत किसी इक्विटी उपकरण को वर्गीकृत करने के लिए अपरिवर्तनीय चयन करता है, जिसे व्यापार के उद्देश्य से नहीं रखा जाता है।

- iii. **लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीटीपीएल):** जो प्रतिभूतियाँ एचटीएम या एफएस में शामिल होने के योग्य नहीं हैं, उन्हें लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीटीपीएल) के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है, जिसमें ट्रेडिंग के लिए होल्ड (एचएफटी) नामक उपश्रेणी होती है। कोई भी उपकरण जो निम्नलिखित में से एक या अधिक उद्देश्यों के लिए होल्ड किया जाता है, उसे ट्रेडिंग के लिए होल्ड (एचएफटी) उपकरण के रूप में नामित किया जाता है:

- क. अल्पकालिक पुनर्विक्रय;
- ख. अल्पकालिक मूल्य चलन से लाभ कमाना; ग. मध्यस्थता लाभ को लॉक करना; या
- घ. उपरोक्त (क), (ख) या (ग) को पूरा करने वाले उपकरणों से उत्पन्न होने वाले जोखिमों को कम करना।

2.3 निवेशों की प्रारंभिक मान्यता:

सभी प्रतिभूतियों में लेन-देन को प्रारंभिक मान्यता पर उचित मूल्य पर मापा जाता है, इस धारणा के साथ कि अधिग्रहण लागत उचित मूल्य है। इस धारणा का परीक्षण संबंधित पक्षों के साथ लेन-देन, दबाव में होने वाले लेन-देन, मुख्य बाजार के बाहर लेन-देन और किसी भी अन्य स्थिति के लिए किया जाता है, जहां तथ्य और परिस्थितियाँ धारणा के परीक्षण की मांग करती हैं।

उचित मूल्य मापन को निम्नलिखित 3 उचित मूल्य पदानुक्रम में वर्गीकृत किया गया है, जो इस बात पर आधारित है कि उचित मूल्य मापन के इनपुट किस हद तक अवलोकनीय हैं,

- क) स्तर 1 - जिसमें किसी वित्तीय साधन के मूल्यांकन के लिए उपयोग किए जाने वाले इनपुट समान साधनों के लिए सक्रिय बाजारों में उद्धृत मूल्य (असमायोजित) होते हैं, जिन तक बैंक माप तिथि पर पहुंच सकता है;
- ख) स्तर 2 - जिसमें वित्तीय साधन के मूल्यांकन के लिए उपयोग किए जाने वाले इनपुट उद्धृत कीमतों के अलावा अन्य इनपुट होते हैं जो परिसंपत्ति या देयता के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अवलोकनीय होते हैं (जैसे कि उपज वक्र, क्रेडिट स्प्रेड आदि);
- ग) स्तर 3 - जिसमें मूल्यांकन निम्नलिखित पर आधारित है: ठी। सहायक कंपनियों, अप्राप्य इनपुट, सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों में निवेश का बाद का मूल्यांकन;

i. पहले दिन के लाभ/हानि की पहचान:

- क. स्तर 1 और स्तर 2 पदानुक्रम की प्रारंभिक पहचान में उत्पन्न होने वाले दिन 1 लाभ/हानि को, अनुसूची 14: अन्य आय के अंतर्गत, निवेशों के पुनर्मूल्यांकन (शुद्ध) पर मद III-लाभ/हानि के अंतर्गत, लाभ और हानि खाते में मान्यता दी जाती है।
- ख. स्तर 3 निवेश से उत्पन्न किसी भी दिन 1 की हानि को तुरंत मान्यता दी जाती है।
- ग. स्तर 3 निवेशों से होने वाले किसी भी दिन 1 लाभ को स्थगित कर दिया जाता है। ऋण साधनों के मामले में, दिन 1 लाभ को परिपक्वता तिथि (या सतत साधनों के लिए सबसे प्रारंभिक कॉल तिथि) तक सीधी रेखा के आधार पर परिशोधित किया जाता है, जबकि अनकोटेड इक्विटी साधनों के लिए, लाभ को देयता के रूप में तब तक अलग रखा जाता है जब तक कि सुरक्षा सूचीबद्ध या मान्यता रद्द नहीं हो जाती।
- ii. सभी प्रतिभूतियों में लेनदेन निपटान तिथि पर दर्ज किए जाते हैं और प्रतिभूतियों को सभी श्रेणियों के निवेशों के लिए भारत औसत लागत पद्धति पर रखा जाता है।
- iii. ब्रोकरेज, निवेश के अधिग्रहण के संबंध में भुगतान किए गए कमीशन, प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) आदि को पहले ही व्यय कर दिया जाता है और लागत से बाहर रखा जाता है।
- iv. ऋण साधनों पर भुगतान/प्राप्त खंडित अवधि ब्याज को ब्याज व्यय/आय के रूप में माना जाता है तथा उसे लागत/बिक्री प्रतिफल से बाहर रखा जाता है।

2.4 निवेश का अनुवर्ती मापन:

- i. एचटीएम में रखी गई प्रतिभूतियों को लागत पर रखा जाता है और प्रारंभिक मान्यता के बाद उन्हें बाजार मूल्य (एमटीएम) पर अंकित नहीं किया जाता है।
- ii. एफएस में रखी गई प्रतिभूतियों का तिमाही अंतराल पर उचित मूल्यांकन किया जाता है। एफएस के तहत रखे गए सभी प्रदर्शनकारी निवेशों में मूल्यांकन लाभ और हानि को समेकित किया जाता है। शुद्ध मूल्यवृद्धि या मूल्यहास को लाभ और हानि खाते के माध्यम से रूट किए बिना सीधे एफएस-रिजर्व में जमा या डेबिट किया जाता है।
- iii. एफवीटीपीएल के भीतर एचएफटी उप-श्रेणी के अंतर्गत वर्गीकृत प्रतिभूतियों का उचित मूल्यांकन दैनिक आधार पर किया जाता है, जबकि एफवीटीपीएल में अन्य प्रतिभूतियों का उचित मूल्यांकन प्रत्येक तिमाही के अंत में किया जाता है। ऐसे मूल्यांकन पर होने वाले शुद्ध लाभ या हानि को लाभ और हानि खाते में जमा या डेबिट किया जाता है।

iv. सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में निवेश का अनुवर्ती मूल्यांकन:

- क. सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में सभी निवेश (अर्थात् ऋण और इक्विटी सहित) अधिग्रहण लागत पर रखे जाते हैं।
- ख. यदि कोई मौजूदा निवेश सहायक, सहयोगी या संयुक्त उद्यम बन जाता है, तो वर्गीकरण में परिवर्तन की तिथि पर उसका संशोधित वहन मूल्य निम्नानुसार निर्धारित किया जाता है:
 - एचटीएम के तहत रखे गए निवेश के लिए: वहन मूल्य में से स्थायी हानि घटाई गई राशि।
 - एफएस के अंतर्गत रखे गए निवेश के लिए: एफएस रिजर्व में पहले से मान्यता प्राप्त संचयी लाभ और हानि के साथ-साथ स्थायी कमी, यदि कोई हो, के लिए समायोजित वहन मूल्य।
 - एफवीटीपीएल के अंतर्गत रखे गए निवेश के लिए: वर्गीकरण में परिवर्तन की तिथि पर उचित मूल्य।
- सी. जब कोई निवेश सहायक, सहयोगी या संयुक्त उद्यम नहीं रह जाता है, तो संबंधित श्रेणी में पुनर्वर्गीकरण निम्नानुसार किया जाता है।
 - एचटीएम में पुनर्वर्गीकृत निवेश के लिए, वहन मूल्य में कोई परिवर्तन नहीं होगा।
 - एफएस या एफवीटीपीएल में पुनर्वर्गीकृत निवेश के लिए, पुनर्वर्गीकरण की तिथि पर उचित मूल्य को संशोधित और पिछले वहन मूल्यों के बीच अंतर को क्रमशः एफएस-रिजर्व और लाभ और हानि खाते में स्थानांतरित करके वहन मूल्य माना जाता है।
- डी. बैंक तिमाही अंतराल पर सहायक कंपनियों, सहयोगी कंपनियों या संयुक्त उद्यमों में निवेश की हानि का मूल्यांकन करता है। जब यह निर्धारित करने की आवश्यकता होती है कि किसी सहायक कंपनी, सहयोगी कंपनी या संयुक्त उद्यम के संबंध में हानि हुई है या नहीं, तो यह एक स्वतंत्र पंजीकृत मूल्यांकक द्वारा निवेश के मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है और यदि कोई कमी होती है तो उसे लाभ और हानि खाते में व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है। यदि कमी को उलट दिया जाता है तो इसे बाद में लाभ और हानि खाते के माध्यम से उलट दिया जाता है।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

v. निवेश के अंतर श्रेणी हस्तांतरण की स्थिति में मूल्यांकन:

श्रेणियों (जैसे एचटीएम, एफएस और एफवीटीपीएल) के बीच पुनर्वर्गीकरण यदि कोई हो, तो बोर्ड की मंजूरी और आरबीआई की पूर्व मंजूरी से किया जाता है। पुनर्वर्गीकरण पुनर्वर्गीकरण तिथि से भावी रूप से लागू किया जाता है और आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में इसका लेखा-जोखा रखा जाता है।

vi. प्रतिभूति प्राप्तियों (एसआर) का मूल्यांकन:

क. प्रतिभूतिकरण कंपनी (एससी)/परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी (एआरसी) को एनपीए की बिक्री के माध्यम से प्राप्त एसआर को निम्न में से कम पर मान्यता दी जाती है: (i) एनपीए का शुद्ध बही मूल्य (एनबीवी) (अर्थात बही मूल्य में से धारित प्रावधानों को घटाया गया) और (ii) एसआर का मोचन मूल्य।

ख. प्रतिभूति रसीदों में निवेश का मूल्यांकन गैर-एसएलआर उपकरणों पर लागू दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाता है। तदनुसार, ऐसे मामलों में जहां एससी/एआरसी द्वारा जारी एसआर संबंधित योजना में उपकरणों को सौंपी गई वित्तीय परिसंपत्तियों की वास्तविक प्राप्ति तक सीमित हैं, एससी/एआरसी से प्राप्त शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य को ऐसे निवेशों के मूल्यांकन के लिए माना जाता है।

ग. भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत एस.आर. का मूल्यांकन अंकित मूल्य या ए.आर.सी. द्वारा घोषित शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य (एन.ए.वी.) (ऐसे उपकरणों के लिए प्राप्त रिकवरी रेटिंग के आधार पर) जो भी कम हो, पर किया जाता है। सरकारी गारंटी के अंतिम निपटान या गारंटी अवधि की समाप्ति के बाद बकाया किसी भी एस.आर. का मूल्यांकन एच ₹ 1 पर किया जाता है।

vii. ट्रेजरी बिल, वाणिज्यिक पत्र, जमा प्रमाणपत्र और शून्य-कूपन बांड जैसे शून्य-कूपन छूट वाले उपकरणों को वहन लागत पर रखा जाता है, अर्थात अधिग्रहण के समय प्रचलित दर पर अर्जित छूट के लिए समायोजित अधिग्रहण लागत।

2.5 गैर-निष्पादित निवेश (एनपीआई):

i. घरेलू कार्यालयों में, निवेशों को अग्रिमों से संबंधित आय पहचान, आस्ति वर्गीकरण और प्रावधान (आईआरएसीपी) संबंधी वर्तमान विवेकपूर्ण मानदंडों में निर्धारित मानदंडों के अनुसार अनुपयोज्य अथवा मानक में उन्नत के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

क) बांड या डिबेंचर जैसे ऋण साधनों को एनपीआई के रूप में मान्यता दी जाती है, जहां ब्याज/किस्त (परिपक्वता आय सहित) देय है और 90 दिनों से अधिक समय तक भुगतान नहीं किया जाता है। यह वरीयता शेयरों पर यथोचित परिवर्तनों के साथ लागू होता

है, जहां किसी वर्ष में निश्चित लाभांश घोषित/भुगतान नहीं किया जाता है; और उस विशेष वर्ष के लिए जारीकर्ता की बैलेंस शीट की तारीख को परिसंपत्ति वर्गीकरण के लिए देय तिथि के रूप में माना जाता है।

ख) यदि किसी कंपनी के इक्विटी शेयरों में निवेश का मूल्य नवीनतम तुलन पत्र की अनुपलब्धता के कारण ₹ 1 प्रति कंपनी है या वह 18 महीने से अधिक पुराना है, तो उन इक्विटी शेयरों को एनपीआई के रूप में गिना जाएगा।

ग) बैंक वरीयता शेयरों सहित किसी निवेश को भी गैर-निष्पादित निवेश के रूप में वर्गीकृत करता है, यदि उसी उधारकर्ता द्वारा प्राप्त किसी ऋण सुविधा को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया हो और इसके विपरीत। हालांकि, यह शर्त उन मामलों में लागू नहीं होती है जहाँ केवल वरीयता शेयरों को एनपीआई के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। अर्थात् ऐसे मामलों में, न तो उसी जारीकर्ता द्वारा जारी किसी अन्य निष्पादित प्रतिभूतियों में निवेश को एनपीआई के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और न ही उस उधारकर्ता को दी गई किसी निष्पादित ऋण सुविधा को एनपीए माना जाता है।

घ) मूलधन और/या ब्याज को इक्विटी, डिबेंचर, बांड आदि में रूपांतरित करने की स्थिति में, ऐसे उपकरणों को ऋण के समान ही परिसंपत्ति वर्गीकरण श्रेणी के साथ एचटीएम, एफएस या एफवीटीपीएल (एचएफटी सहित) के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है और मानदंडों के अनुसार प्रावधान किया जाता है।

ii. एनपीआई के रूप में वर्गीकृत निवेश को उसी श्रेणी के बाकी निवेशों से अलग किया जाता है और मूल्यांकन लाभ और हानि को शुद्ध करने के लिए विचार नहीं किया जाता है। गैर-निष्पादित निवेशों पर आय को केवल उसी की वसूली पर पहचाना जाता है। इन एनपीआई प्रतिभूतियों में यदि कोई एमटीएम मूल्यवृद्धि होती है तो उसे अनदेखा कर दिया जाता है।

iii. निवेश को जिस भी श्रेणी (यानी एचटीएम, एफएस या एफवीटीपीएल (एचएफटी सहित) में रखा गया है, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता, हानि के लिए प्रावधान के लिए व्यय को लाभ और हानि खाते में मान्यता दी जाती है। एनपीआई पर रखा जाने वाला प्रावधान आईआरएसीपी मानदंडों के अनुसार एनपीआई के रूप में वर्गीकृत किए जाने से ठीक पहले निवेश के वहन मूल्य पर प्रावधान की राशि और एनपीआई के रूप में वर्गीकरण की तिथि पर उसके वहन मूल्य के संदर्भ में निवेश पर मूल्यहास में से जो अधिक हो, वह है।

बशर्ते कि एफएस के अंतर्गत वर्गीकृत निवेश के मामले में जिसके विरुद्ध एफएस-रिजर्व में संचयी लाभ हैं, आवश्यक प्रावधान एफएस-रिजर्व को

ऐसे उपलब्ध लाभों की सीमा तक चार्ज करके बनाया जाता है। आगे यह भी प्रावधान है कि एफएस के अंतर्गत वर्गीकृत निवेश के मामले में जिसके विरुद्ध एफएस-रिजर्व में संचयी घाटा है, संचयी घाटे को एफएसरिजर्व से लाभ और हानि खाते में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

- iv. निवेश के उन्नयन पर, मान्यता प्राप्त प्रावधान को उलट दिया जाता है और एमटीएम लाभ और हानि की मान्यता फिर से शुरू की जाती है।
- v. विदेशी कार्यालयों के संबंध में, अनुपयोज्य निवेशों (एनपीआई) के लिए वर्गीकरण और प्रावधान स्थानीय विनियमों अथवा भारतीय रिजर्व बैंक के मानदण्डों, जो भी अधिक विवेकपूर्ण हों, के अनुसार किए जाते हैं।

2.6 रेपो/रिवर्स रेपो लेनदेन के लिए लेखांकन:

बैंक चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत और बाजार सहभागियों के साथ आरबीआई के साथ पुनर्खरीद और रिवर्स पुनर्खरीद लेनदेन करता है। पुनर्खरीद लेनदेन प्रतिभूतियों को पुनर्खरीद करने के लिए एक समझौते के साथ प्रतिभूतियों को बेचकर उधार लेने का प्रतिनिधित्व करता है। दूसरी ओर, रिवर्स रेपो लेनदेन, प्रतिभूतियों को खरीदकर उधार देने वाले धन का प्रतिनिधित्व करते हैं।

- i. चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक के साथ लेन-देन को संपार्श्विक उधार और उधार लेन-देन के रूप में माना जाता है।
- ii. रेपो और रिवर्स रेपो लेनदेन में, बेची गई (खरीदी गई) और पुनर्खरीद की गई (पुनःबिक्री) प्रतिभूतियों को सामान्य प्रत्यक्ष बिक्री (खरीद) लेनदेन के रूप में गिना जाता है और प्रतिभूतियों की ऐसी आवाजाही रेपो/रिवर्स रेपो खातों और कॉन्ट्रा प्रविष्टियों का उपयोग करके दर्शाई जाती है। उपरोक्त प्रविष्टियाँ परिपक्वता तिथि पर उलट दी जाती हैं।
- iii. रेपो खाते में शेष को अनुसूची 4 'उधार' के तहत वर्गीकृत किया गया है।
- iv. चलनिधि समायोजन सुविधा के अंतर्गत आने वाले रेपो सहित भारतीय रिजर्व बैंक के पास सभी प्रकार के रिवर्स रेपो उप-मद (ii) 'अन्य खातों में' के अंतर्गत प्रस्तुत किए जाते हैं।
- v. बैंकों और अन्य संस्थाओं के साथ 14 दिनों तक की मूल अवधि वाले रिवर्स रेपो को अनुसूची 7 'बैंकों के साथ शेष राशि और कॉल पर धन और अल्प सूचना' के तहत कॉल और अल्प सूचना पर धन के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। 14 दिनों से अधिक लेकिन 1 वर्ष तक की मूल परिपक्वता वाले रिवर्स रेपो को अनुसूची 9 'अग्रिम' के तहत नकद क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट और मांग पर चुकाए जाने वाले ऋण के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। अन्य सभी रिवर्स रेपो को अनुसूची 9 'अग्रिम' के तहत सावधि ऋण के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

- vi. आरबीआई या अन्य के साथ रेपो लेनदेन और रिवर्स रेपो लेनदेन पर राजस्व की उधार लागत को क्रमशः ब्याज व्यय और ब्याज आय के रूप में माना जाता है।

3 ऋण/अग्रिम और उन पर प्रावधान:

3.1 भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों/निर्देशों के आधार पर, भारत में ऋणों और अग्रिमों को निष्पादनकारी और गैर-निष्पादनकारी के रूप में निम्नानुसार वर्गीकृत किया जाता है:

- i. यदि ब्याज और/या मूलधन की किस्त 90 दिनों से अधिक की अवधि के लिए अतिदेय रहती है, तो सावधि ऋण को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- ii. ओवरड्राफ्ट या कैश क्रेडिट को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, यदि खाता आउट ऑफ ऑर्डर रहता है, यानी यदि सीसी/ओडी खाते में बकाया राशि स्वीकृत सीमा/आहरण शक्ति से कम है, लेकिन 90 दिनों तक लगातार कोई क्रेडिट नहीं है, या क्रेडिट पिछले 90 दिनों की अवधि के दौरान डेबिट किए गए ब्याज को कवर करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।
- iii. खरीदे गए/छूट दिए गए बिलों को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि बिल 90 दिनों से अधिक की अवधि के लिए अतिदेय रहता है।
- iv. कृषि अग्रिमों को गैर-निष्पादनकारी के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि,
 - क) अल्प अवधि की फसलों के लिए, जहां मूलधन या ब्याज की किस्त दो फसल मौसमों तक बकाया रहती है; तथा
 - ख) लंबी अवधि की फसलों के लिए, जहां मूलधन या ब्याज एक फसल के मौसम के लिए अतिदेय रहता है।

3.2 एनपीए को आरबीआई द्वारा निर्धारित निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर उप-मानक, संदिग्ध और हानि वाली आस्तियों में वर्गीकृत किया जाता है:

- i. **अव-मानक:** एक ऋण संपत्ति जो 12 महीने से कम या उसके बराबर अवधि के लिए गैर-निष्पादित रही है।
- ii. **संदिग्ध:** एक ऋण संपत्ति जो 12 महीने की अवधि के लिए उप-मानक श्रेणी में बनी हुई है या उप-मानक खाते जहां बैंक द्वारा मूल्यांकन किए गए मूल्य के 50% से अधिक या आरबीआई द्वारा अंतिम निरीक्षण के समय स्वीकार किए गए प्रतिभूति के मूल्य में क्षरण हुआ है, जैसा भी मामला हो।
- iii. **हानि:** एक ऋण परिसंपत्ति जहां हानि की पहचान की गई है लेकिन राशि को पूरी तरह से बट्टे खाते में नहीं डाला गया है या यदि बैंक/अनुमोदित

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

मूल्यांकनकर्ताओं/आरबीआई द्वारा मूल्यांकन की गई सुरक्षा का वसूली योग्य मूल्य बकाया राशि के 10 प्रतिशत से कम है।

- 3.3 नियामक प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार एनपीए के लिए प्रावधान किए जाते हैं:

अवमानक	i.	सुरक्षित	15%	
आस्तिः	ii.	असुरक्षित आरंभिक (अर्थात जहां प्रतिभूति का वसूली योग्य मूल्य आरंभिक 10 प्रतिशत से अधिक नहीं है)।	25%	
	iii.	बुनियादी ढांचे के अग्रिमों के संबंध में जहां एस्क्रो खातों जैसे कुछ सुरक्षा उपाय उपलब्ध हैं	20%	
संदिग्ध	सुरक्षित	i.	एक वर्ष तक	25%
आस्तिः	हिस्सा	ii.	एक से तीन वर्ष	40%
		iii.	तीन वर्षों से अधिक	100%
	असुरक्षित भाग			100%
हानि वाली आस्तिः				100%

- 3.4 विदेशी कार्यालयों के संबंध में, ऋणों और अग्रिमों का वर्गीकरण तथा एनपीए के लिए प्रावधान स्थानीय विनियमों या आरबीआई के मानदंडों, जो भी अधिक कठोर हो, के अनुसार किए जाते हैं।
- 3.5 अग्रिम राशि में विशिष्ट ऋण हानि प्रावधान, अप्राप्त ब्याज, प्राप्त ईसीजीसी दावे और पुनर्भुनाए गए बिल शामिल नहीं हैं।
- 3.6 पुनर्गठित/पुनर्निर्धारित परिसंपत्तियों के लिए, आरबीआई द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रावधान किए जाते हैं, जिसके अनुसार पुनर्गठन से पहले और बाद में ऋणों/अग्रिमों के उचित मूल्य के बीच के अंतर के लिए प्रावधान किया जाना आवश्यक है, इसके अलावा संबंधित ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान किया जाना चाहिए। उचित मूल्य में कमी (डीएफवी) और ब्याज त्याग, यदि कोई हो, के लिए प्रावधान, उपरोक्त से उत्पन्न होता है, तो उसे अग्रिम राशि से घटा दिया जाता है।
- 3.7 एनपीए के रूप में वर्गीकृत ऋण खातों के मामले में, यदि कोई खाता नियामक प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप है, तो उसे निष्पादित परिसंपत्ति के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया जा सकता है।
- 3.8 पिछले वर्षों में बट्टे खाते में डाले गए ऋणों के विरुद्ध वसूल की गई राशि को वसूली के वर्ष में राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है।
- 3.9 एनपीए पर प्रावधान के अलावा, आरबीआई के मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार मानक परिसंपत्तियों के लिए भी प्रावधान किए गए हैं। ये प्रावधान बैलेंस शीट की अनुसूची 5 में अन्य देयताएं और प्रावधान - अन्य शीर्षक के तहत दर्शाए गए हैं और शुद्ध एनपीए की गणना के लिए उन पर विचार नहीं किया जाता है।
- 3.10 बैंक विशिष्ट गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों पर अतिरिक्त प्रावधान भी करता है।
- 3.11 गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) से वसूली प्राथमिकता के निम्नलिखित क्रम में विनियोजित की जाती है:

क) शुल्क, लागत, कमीशन आदि

ख) अप्राप्त ब्याज / ब्याज

ग) मूलधन

तथापि, राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) के जरिए समझौता और समाधान/निपटान के मामलों में वसूलियों को संबंधित समझौते/समाधान/निपटान की शर्तों के अनुसार विनियोजित किया जाता है। और वाद दायर खातों के मामले में, वसूली संबंधित न्यायालयों के निर्देशों के अनुसार विनियोजित की जाती है।

4. फ्लोटिंग प्रावधान और काउंटरसाइक्लिकल प्रोविजनिंग बफर:

बैंक के पास अच्छे समय में काउंटरसाइक्लिकल प्रोविजनिंग बफर बनाने और उसका उपयोग करने के साथ-साथ अग्रिम, निवेश और सामान्य उद्देश्यों के लिए अलग से फ्लोटिंग प्रावधानों के लिए नीति है। बनाए जाने वाले फ्लोटिंग प्रावधानों और काउंटरसाइक्लिकल प्रोविजनिंग बफर की मात्रा का आकलन वित्तीय वर्ष के अंत में किया जाता है। इन प्रावधानों का उपयोग केवल भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्व अनुमति से नीति में निर्दिष्ट असाधारण परिस्थितियों में आकस्मिकताओं के लिए किया जाता है।

5. कंट्री एक्सपोजर के लिये प्रावधान:

परिसंपत्ति वर्गीकरण स्थिति के अनुसार रखे गए विशिष्ट प्रावधानों के अलावा, व्यक्तिगत देश के जोखिमों (स्वदेश के अलावा) के लिए भी प्रावधान किए गए हैं। देशों को सात जोखिम श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है, अर्थात् महत्वहीन, बहुत कम, कम, मध्यम, उच्च, बहुत अधिक, प्रतिबंधित और मौजूदा भारतीय रिजर्व बैंक दिशानिर्देशों के अनुसार प्रावधान किए गए हैं। यदि प्रत्येक देश के संबंध में बैंक का देश जोखिम (शुद्ध) कुल वित्तपोषित परिसंपत्तियों के 1% से अधिक नहीं है, तो ऐसे देश जोखिमों पर कोई प्रावधान नहीं रखा जाता है। प्रावधान बैलेंस शीट की अनुसूची 5 में अन्य देयताएं और प्रावधान - अन्य शीर्षक के तहत दर्शाया गया है।

6. डेरिवेटिव:

- 6.1 बैंक बैलेंस शीट/ऑफबैलेंस शीट परिसंपत्तियों और देनदारियों को हेज करने या ट्रेडिंग उद्देश्यों के लिए ब्याज दर डेरिवेटिव (जैसे ब्याज दर स्वीप, ब्याज दर वायदा, ब्याज दर विकल्प, ब्याज दर कैप और फ्लोर, फॉरवर्ड रेट एग्जिमेंट) और विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव (जैसे विदेशी मुद्रा अनुबंध, मुद्रा/क्रॉस करेंसी स्वीप, मुद्रा विकल्प, मुद्रा वायदा) में प्रवेश करता है। बैंक डेरिवेटिव पोर्टफोलियो को निवेश के लिए परिभाषित तीन उचित मूल्य पदानुक्रमों अर्थात स्तर 1, स्तर 2 और स्तर 3 में वर्गीकृत करता है।

बैंक इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए लेखांकन पर मार्गदर्शन नोट (संशोधित 2021) में निर्धारित हेज अकाउंटिंग उपचार का पालन करता है, जिसमें:

- i. उचित मूल्य हेज अकाउंटिंग मॉडल के तहत, हेजिंग इंस्ट्रूमेंट को उचित मूल्य पर मापा जाता है, जिसमें लाभ और हानि खाते में उचित मूल्य में परिवर्तन को मान्यता दी जाती है। हेज किए गए आइटम को हेज किए गए जोखिम के संबंध में उचित मूल्य पर फिर से मापा जाता है और परिणामी परिवर्तन को लाभ और हानि में मान्यता दी जाती है। इस प्रकार, हेज किए गए आइटम और हेजिंग इंस्ट्रूमेंट के उचित मूल्य में परिवर्तन ऑफसेट होते हैं और हेज अप्रभावीता के प्रभाव को छोड़कर लाभ और हानि के विवरण में कोई शुद्ध प्रभाव नहीं होता है।
- ii. कैश फ्लो हेज के तहत, हेजिंग इंस्ट्रूमेंट को उचित मूल्य पर मापा जाता है, जिसमें कैश फ्लो हेज रिजर्व में मान्यता प्राप्त प्रभावी हेज के उचित मूल्य में परिवर्तन और लाभ और हानि खाते में मान्यता प्राप्त लाभ या हानि के अप्रभावी हिस्से के उचित मूल्य में परिवर्तन होता है। कैश फ्लो रिजर्व में मान्यता प्राप्त हेजिंग इंस्ट्रूमेंट के उचित मूल्य में परिवर्तन को पुनः चक्रित किया जाता है और लाभ और हानि खाते में मान्यता दी जाती है जबकि हेज किए गए आइटम के प्रभाव को लाभ और हानि खाते में मान्यता दी जाती है।
- 6.3 हेज अकाउंटिंग का अनुप्रयोग तब बंद हो जाता है जब हेज अकाउंटिंग सिद्धांतों को पहली बार लागू करने के समय मूल रूप से परिभाषित जोखिम प्रबंधन उद्देश्य अब पूरा नहीं होता है। हेज संबंध तब बंद हो जाता है जब:
- हेजिंग इंस्ट्रूमेंट की समय-सीमा समाप्त हो जाती है या उसे बेच दिया जाता है, समाप्त कर दिया जाता है या उसका प्रयोग किया जाता है।
 - हेज आइटम परिपक्व हो जाते हैं या उन्हें बेच दिया जाता है/समाप्त कर दिया जाता है या पूर्वानुमानित लेनदेन के होने की अब उम्मीद नहीं रहती।
 - हेजिंग संबंध (या हेजिंग संबंध का एक हिस्सा) हेज अकाउंटिंग के लिए योग्यता मानदंडों को पूरा करना बंद कर देता है।
- 6.4 जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, को छोड़कर, अन्य सभी व्युत्पन्न अनुबंध उद्योग में प्रचलित सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा प्रथाओं के अनुसार बाजार के अनुसार चिह्नित किए जाते हैं। ऐसे व्युत्पन्न अनुबंधों के संबंध में जिन्हें बाजार के अनुसार चिह्नित किया जाता है, परिवर्तन की अवधि में बाजार मूल्य में परिवर्तन लाभ और हानि खाते में पहचाने जाते हैं। व्युत्पन्न अनुबंधों के तहत कोई भी प्राप्य, जो 90 दिनों से अधिक समय तक अतिदेय रहता है, उसे लाभ और हानि खाते के माध्यम से सस्पेंस खाता क्रिस्टलाइज्ड प्राप्य में उलट दिया जाता है। ऐसे मामलों में जहां व्युत्पन्न अनुबंध भविष्य में अधिक निपटान प्रदान करते हैं और यदि 90 दिनों तक अवैतनिक रहने वाले अतिदेय प्राप्य पर व्युत्पन्न अनुबंध समाप्त नहीं किया जाता है, तो भविष्य की प्राप्य राशि से संबंधित सकारात्मक एमटीएम को भी लाभ और हानि खाते से सस्पेंस खाता - सकारात्मक एमटीएम में उलट दिया जाता है।

- 6.5 भुगतान किया गया या प्राप्त किया गया ऑप्शन प्रीमियम ऑप्शन की समाप्ति पर लाभ और हानि खाते में दर्ज किया जाता है। बेचे गए ऑप्शन पर प्राप्त प्रीमियम और खरीदे गए ऑप्शन पर भुगतान किए गए प्रीमियम में शेष राशि को फॉरवर्ड ओवर द काउंटर (ओटीसी) ऑप्शन के लिए मार्क-टू-मार्केट मूल्य पर पहुंचने के लिए माना जाता है।
- 6.6 ट्रेडिंग उद्देश्यों के लिए दर्ज किए गए एक्सचेंज ट्रेडेड डेरिवेटिव्स का मूल्यांकन एक्सचेंज द्वारा दी गई दरों के आधार पर प्रचलित बाजार दरों पर किया जाता है और परिणामी लाभ और हानि को लाभ और हानि खाते में मान्यता दी जाती है।

7. अचल संपत्ति, मूल्यहास और परिशोधन:

- 7.1 अचल संपत्तियों को लागत में से संचित मूल्यहास/परिशोधन घटाकर रखा जाता है, सिवाय फ्रीहोल्ड परिसरों के, जो पुनर्मूल्यांकन की तिथि पर उचित मूल्य से संचित मूल्यहास घटाकर पुनर्मूल्यांकित राशि पर रखे जाते हैं, जब तक कि अन्यथा न कहा गया हो।
- 7.2 लागत में खरीद की लागत और साइट की तैयारी, स्थापना लागत और उपयोग में लाए जाने से पहले संपत्ति पर किए गए सभी व्यय शामिल हैं। उपयोग में लाई गई संपत्तियों पर किए गए बाद के व्यय को केवल तभी पूंजीकृत किया जाता है जब इससे ऐसी संपत्तियों से भविष्य के लाभ या उनकी कार्य करने की क्षमता में वृद्धि होती है। घरेलू कार्यालयों में अचल संपत्तियों का मूल्यहास संपत्तियों के उपयोगी जीवन के आधार पर सीधी रेखा पद्धति से किया जाता है, जैसा कि नीचे बताया गया है:

क्र. सं.	अचल संपत्तियों का विवरण	मूल्यहास के लिए उपयोगी जीवन
i.	कंप्यूटर	3 वर्ष
ii.	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर कंप्यूटर हार्डवेयर का एक अभिन्न अंग है	3 वर्ष
iii.	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर जो कंप्यूटर हार्डवेयर का एक अभिन्न अंग नहीं है और सॉफ्टवेयर विकास की लागत	3 वर्ष
iv.	ऑटोमेटेड टेलर मशीन/कैश डिपॉजिट मशीन/सिक्का डिस्पेंसर/सिक्का वेंडिंग मशीन	5 वर्ष
v.	सर्वर	4 वर्ष
vi.	नेटवर्क उपकरण	5 वर्ष
vii.	अन्य प्रमुख अचल आस्तियां:	
	परिसर	60 वर्ष
	सुरक्षित जमा लॉकर	20 वर्ष
	फर्नीचर और फिक्स्चर	10 वर्ष
	एयर कंडीशनर	8 वर्ष
	वाहन	5 वर्ष

- 7.3 वर्ष के दौरान अधिग्रहित परिसंपत्तियों (घरेलू परिचालन के लिए) के संबंध में, वर्ष के दौरान परिसंपत्तियों के उपयोग में लाए गए दिनों की संख्या के अनुपातिक आधार पर मूल्यहास लगाया जाता है।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

- 7.4 प्रत्येक ₹1,000 से कम लागत वाली परिसंपत्तियों को खरीद के वर्ष में ही काट लिया जाता है।
- 7.5 लीजहोल्ड परिसर के संबंध में, लीज प्रीमियम, यदि कोई हो, लीज की अवधि (स्थायी लीज पर परिसर और भूमि को छोड़कर) में परिशोधित किया जाता है और परिचालन लीज पर ली गई परिसंपत्तियों के लिए लीज भुगतान को लीज अवधि के दौरान लाभ और हानि खाते में सीधी रेखा के आधार पर व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है।
- 7.6 विदेशी कार्यालयों में रखी गई अचल संपत्तियों के संबंध में, संबंधित देशों के नियमों/मानदंडों के अनुसार मूल्यहास प्रदान किया जाता है।
- 7.7 बैंक हर तीन साल में फ्रीहोल्ड अचल संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन करता है। पुनर्मूल्यांकन के कारण संपत्ति के शुद्ध बही मूल्य में वृद्धि को लाभ और हानि खाते के माध्यम से रूट किए बिना पुनर्मूल्यांकन रिजर्व खाते में जमा किया जाता है। पुनर्मूल्यांकित परिसंपत्ति पर अतिरिक्त मूल्यहास लाभ और हानि खाते में लगाया जाता है और पुनर्मूल्यांकन रिजर्व से सामान्य रिजर्व में विनियोजित किया जाता है। पुनर्मूल्यांकित परिसंपत्ति का मूल्यहास परिसंपत्ति के शेष उपयोगी जीवन पर किया जाता है, जैसा कि पुनर्मूल्यांकन के समय मूल्यांकन किया गया था।

8. संपत्ति की हानि:

जब भी किसी घटना या परिस्थितियों में परिवर्तन के कारण यह आवश्यक हो जाता है कि किसी परिसंपत्ति की वहन राशि वसूली योग्य न हो, तो परिसंपत्तियों की हानि के लिए समीक्षा की जाती है। धारण की जाने वाली और उपयोग की जाने वाली परिसंपत्तियों की वसूली योग्यता को परिसंपत्ति द्वारा उत्पन्न होने वाले भावी शुद्ध छूट वाले नकदी प्रवाह से परिसंपत्ति की वहन राशि की तुलना करके मापा जाता है। यदि ऐसी परिसंपत्तियाँ क्षतिग्रस्त हैं, तो पहचानी जाने वाली हानि को उस राशि से मापा जाता है जिससे परिसंपत्ति की वहन राशि परिसंपत्ति के उचित मूल्य से अधिक हो जाती है।

9. विदेशी विनिमय दर में परिवर्तन का प्रभाव:

9.1 विदेशी मुद्रा लेनदेन:

- विदेशी मुद्रा लेनदेन को रिपोर्टिंग मुद्रा में प्रारंभिक मान्यता पर रिपोर्टिंग मुद्रा और लेनदेन की तिथि पर विदेशी मुद्रा के बीच विनिमय दर को विदेशी मुद्रा राशि पर लागू करके दर्ज किया जाता है।
- विदेशी मुद्रा मौद्रिक वस्तुओं की रिपोर्ट फॉरेन एक्सचेंज डीलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (FEDAI) के समापन (स्पॉट/फॉरवर्ड) दरों का उपयोग करके की जाती है।
- विदेशी मुद्रा गैर-मौद्रिक मर्चे, जिन्हें ऐतिहासिक लागत पर रखा जाता है, लेनदेन की तिथि पर विनिमय दर का उपयोग करके रिपोर्ट की जाती हैं।

iv. विदेशी मुद्रा में मूल्यवर्गित आकस्मिक देनदारियों को ऋण-ख समापन स्पॉट दरों का उपयोग करके रिपोर्ट किया जाता है।

v. व्यापार के लिए रखे गए बकाया विदेशी मुद्रा हाजिर और वायदा अनुबंधों का, निर्दिष्ट परिपक्वताओं के लिए FEDAI द्वारा अधिसूचित विनिमय दरों पर पुनर्मूल्यांकन किया जाता है, और परिणामी लाभ या हानि को लाभ और हानि खाते में मान्यता दी जाती है।

vi. किसी मौद्रिक परिसंपत्ति या देयता के भुगतान को सुरक्षित रखने के लिए किए गए विदेशी मुद्रा वायदा या भावी अनुबंध और विदेशी मुद्रा ऋण के मूलधन के पुनर्भुगतान को सुरक्षित रखने वाले मुद्रा स्वैप अनुबंध (केवल मूलधन; कोई ब्याज दर तत्व नहीं) का समापन हाजिर दर पर पुनर्मूल्यांकन किया जाता है और ऐसे अनुबंधों पर विनिमय अंतर को लाभ और हानि खाते में मान्यता दी जाती है।

किया जाता है। ऐसे अनुबंधों के रद्दीकरण या नवीनीकरण पर उत्पन्न होने वाले किसी भी लाभ या हानि को उस अवधि के लिए आय या व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है।

vii. मौद्रिक मर्चों के उन दरों से भिन्न दरों पर निपटान से उत्पन्न विनिमय अंतरों को, जिस अवधि में वे उत्पन्न होते हैं, आय या व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है। मुद्रा वायदा व्यापार में खुली स्थिति की विनिमय दरों में परिवर्तन के कारण होने वाले viii. लाभ/हानि का निपटान दैनिक आधार पर एक्सचेंज क्लियरिंग हाउस के साथ किया जाता है और ऐसे लाभ/हानि को लाभ और हानि खाते में मान्यता दी जाती है।

9.2 विदेशी संचालन:

बैंक की विदेशी शाखाओं और अपतटीय बैंकिंग इकाइयों (ओबीयू) को गैर-अभिन्न संचालन के रूप में वर्गीकृत किया गया है और प्रतिनिधि कार्यालयों को अभिन्न संचालन के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

i. गैर-अभिन्न संचालन:

- मौद्रिक और गैर-मौद्रिक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों और गैर-अभिन्न विदेशी परिचालनों की आकस्मिक देनदारियों सहित देनदारियों को बैलेंस शीट की तारीख पर FEDAI द्वारा अधिसूचित समापन विनिमय दरों पर अनुवादित किया जाता है।
- गैर-अभिन्न विदेशी परिचालनों की आय और व्यय को FEDAI द्वारा अधिसूचित तिमाही औसत समापन दरों पर परिवर्तित किया जाता है।
- गैर-अभिन्न विदेशी परिचालनों में निवेश पर उत्पन्न होने वाले विनिमय अंतर को निवेश के निपटान तक विदेशी मुद्रा अनुवाद रिजर्व में संचित किया जाता है।

(घ) विदेशी मुद्रा में विदेशी कार्यालयों की परिसंपत्तियों और देनदारियों (विदेशी कार्यालयों की स्थानीय मुद्रा के अलावा) को बैलेंस शीट की तिथि पर उस देश पर लागू स्पॉट दरों का उपयोग करके स्थानीय मुद्रा में परिवर्तित किया जाता है।

ii. अभिन्न संचालन:

क. विदेशी मुद्रा लेनदेन को रिपोर्टिंग मुद्रा में प्रारंभिक मान्यता पर दर्ज किया जाता है, जिसमें विदेशी मुद्रा राशि पर रिपोर्टिंग मुद्रा और लेनदेन की तिथि पर विदेशी मुद्रा के बीच विनिमय दर लागू की जाती है।

ख. अभिन्न विदेशी परिचालनों की मौद्रिक विदेशी मुद्रा आस्तियों और देनदारियों को बैलेंस शीट की तिथि पर FEDA द्वारा अधिसूचित समापन (स्पॉट/फॉरवर्ड) विनिमय दरों पर परिवर्तित किया जाता है और परिणामी लाभ/हानि को लाभ और हानि खाते में शामिल किया जाता है। आकस्मिक देनदारियों को स्पॉट दर पर परिवर्तित किया जाता है।

ग. विदेशी मुद्रा गैर-मौद्रिक वस्तुएं, जिन्हें ऐतिहासिक लागत पर रखा जाता है, लेनदेन की तिथि पर विनिमय दर का उपयोग करके रिपोर्ट की जाती हैं।

10. कर्मचारी लाभ:

10.1 अल्पकालिक कर्मचारी लाभ:

चिकित्सा लाभ जैसे अल्पकालिक कर्मचारी लाभों की छूट रहित राशि, जो कर्मचारियों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के बदले में भुगतान किए जाने की उम्मीद है, उस अवधि के दौरान मान्यता प्राप्त होती है जब कर्मचारी सेवा प्रदान करता है।

10.2 दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ:

i. परिभाषित लाभ योजनाएँ:

क. बैंक एक भविष्य निधि योजना संचालित करता है। सभी पात्र कर्मचारी बैंक की भविष्य निधि योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के हकदार हैं। बैंक कर्मचारी के मूल वेतन के 10% और पात्र कर्मचारी के वेतन के 10% के बराबर निधि तथा पात्र मासिक भत्ता मासिक आधार पर दिया जाता है। ये अंशदान इस उद्देश्य के लिए स्थापित ट्रस्ट को भेजे जाते हैं और लाभ-हानि खाते में जमा किए जाते हैं। बैंक ऐसे वार्षिक अंशदानों को उस वर्ष के व्यय के रूप में मान्यता देता है, जिससे वे संबंधित हैं। यदि कोई कमी है, तो उसे एक्चुरियल मूल्यांकन के आधार पर पूरा किया जाता है।

ख. बैंक ग्रेच्युटी और पेंशन योजनाएं संचालित करता है जो परिभाषित लाभ योजनाएं हैं।

- बैंक सभी पात्र कर्मचारियों को ग्रेच्युटी प्रदान करता है। यह लाभ निहित कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर, या रोजगार के दौरान मृत्यु पर, या रोजगार की समाप्ति पर एकमुश्त भुगतान के रूप में है, जो सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए देय 15 दिनों के मूल वेतन के बराबर राशि है, जो सांविधिक प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित सीमा के अधीन है या पूर्ववर्ती सहयोगी बैंक के कर्मचारियों के लिए बिना सीमा के सेवा ग्रेच्युटी है। पांच साल की सेवा पूरी होने पर निहितता होती है। बैंक ट्रस्टियों द्वारा प्रशासित एक फंड में समय-समय पर योगदान देता है जो सालाना किए गए एक स्वतंत्र बाहरी बीमांकिक मूल्यांकन पर आधारित होता है।

- बैंक सभी पात्र कर्मचारियों को पेंशन प्रदान करता है। यह लाभ, सेवानिवृत्ति पर या रोजगार के दौरान मृत्यु पर या रोजगार की समाप्ति पर निहित कर्मचारियों को नियमों के अनुसार मासिक भुगतान के रूप में दिया जाता है। नियमों के अनुसार निहितकरण विभिन्न चरणों में होता है। एसबीआई कर्मचारी पेंशन फंड विनियमों के अनुसार बैंक वेतन के 10% के हिसाब से पेंशन फंड में मासिक अंशदान करता है। पेंशन देयता की गणना सालाना किए गए एक स्वतंत्र बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर की जाती है और बैंक समय-समय पर फंड में ऐसे अतिरिक्त अंशदान करता है, जो पेंशन फंड विनियमों के तहत लाभों के भुगतान को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक हो सकते हैं।

ग. परिभाषित लाभ प्रदान करने की लागत अनुमानित इकाई क्रेडिट विधि का उपयोग करके निर्धारित की जाती है, जिसमें प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर एक्चुरियल मूल्यांकन किया जाता है। एक्चुरियल लाभ/हानि को लाभ और हानि खाते में तुरंत मान्यता दी जाती है और उन्हें स्थगित नहीं किया जाता है।

ii. परिभाषित अंशदान योजना:

परिभाषित अंशदान योजना अर्थात् नई पेंशन योजना (एनपीएस) 1 अगस्त 2010 को या उसके बाद बैंक में शामिल होने वाले सभी अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए लागू है। इस योजना के अनुसार, ये कर्मचारी अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 10% इस योजना में योगदान करते हैं, तथा साथ ही बैंक का योगदान मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 14% होता है। संबंधित कर्मचारियों की पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने तक, ये अंशदान बैंक में जमा के रूप में रखे जाते हैं और भविष्य

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

निधि शेष पर लागू दर पर ब्याज अर्जित करते हैं। बैंक ऐसे वार्षिक अंशदान और ब्याज को उस वर्ष के व्यय के रूप में मान्यता देता है, जिससे वे संबंधित हैं। स्थायी सेवानिवृत्ति खाता संख्या (PRAN) प्राप्त होने पर, समेकित अंशदान राशि NPS ट्रस्ट में स्थानांतरित कर दी जाती है।

iii. अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ:

क. बैंक के सभी पात्र कर्मचारी क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति, रजत जयंती पुरस्कार, अवकाश यात्रा रियायत, सेवानिवृत्ति पुरस्कार और पुनर्वास भत्ते के लिए पात्र हैं। ऐसे दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों की लागत बैंक द्वारा आंतरिक रूप से वित्तपोषित की जाती है।

ख. अन्य दीर्घकालिक लाभ प्रदान करने की लागत का निर्धारण अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके किया जाता है, जिसमें प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर एक्चुरियल मूल्यांकन किया जाता है। पिछली सेवा लागत, यदि कोई हो, को तुरंत लाभ और हानि खाते में मान्यता दी जाती है और उसे स्थगित नहीं किया जाता है।

10.3 विदेशी कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों से संबंधित कर्मचारी लाभों का मूल्यांकन और लेखा संबंधित स्थानीय कानूनों/विनियमों के अनुसार किया जाता है।

11. खंड रिपोर्टिंग:

बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार तथा भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखांकन मानक 17 के अनुपालन में व्यवसाय खंड को प्राथमिक रिपोर्टिंग खंड तथा भौगोलिक खंड को द्वितीयक रिपोर्टिंग खंड के रूप में मान्यता देता है।

12. आय पर कर:

आयकर व्यय बैंक द्वारा वहन किए गए वर्तमान कर और आस्थगित कर व्यय की कुल राशि है। वर्तमान कर व्यय और आस्थगित कर व्यय आयकर अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किए जाते हैं, 1961 और लेखांकन मानक 22- आय पर करों के लिए लेखांकन के अनुसार क्रमशः विदेशी कार्यालयों में भुगतान किए गए करों पर विचार करने के बाद, जो संबंधित अधिकार क्षेत्र के कर कानूनों पर आधारित हैं। आस्थगित कर समायोजन में वर्ष के दौरान आस्थगित कर परिसंपत्तियों या देनदारियों में परिवर्तन शामिल हैं। आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देनदारियों को चालू वर्ष के लिए कर योग्य आय और लेखांकन आय के बीच समय के अंतर के प्रभाव और आगे ले जाने वाले नुकसानों पर विचार करके पहचाना जाता है। आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देनदारियों को कर दरों और कर कानूनों का उपयोग करके मापा जाता है जिन्हें बैलेंस शीट तिथि पर अधिनियमित या मूल रूप से अधिनियमित किया गया

है। आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देनदारियों में परिवर्तन के प्रभाव को लाभ और हानि खाते में पहचाना जाता है। आस्थगित कर परिसंपत्तियों को प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर पहचाना और पुनर्मूल्यांकन किया जाता है, जो प्रबंधन के निर्णय पर आधारित होता है कि क्या उनकी प्राप्ति को उचित रूप से निश्चित माना जाता है। आस्थगित कर परिसंपत्तियों को अनवशोषित मूल्यहास और कर हानियों को आगे ले जाने पर तभी मान्यता दी जाती है, जब इस बात की वास्तविक निश्चितता हो कि ऐसी आस्थगित कर परिसंपत्तियों को भविष्य के लाभों के विरुद्ध वसूल किया जा सकता है।

13. प्रति शेयर आय:

13.1 बैंक भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी एएस 20 - प्रति शेयर आय के अनुसार प्रति शेयर मूल और कम हुई आय रिपोर्ट करता है। प्रति शेयर मूल आय की गणना इक्विटी शेयरधारकों को वर्ष के लिए दिए जाने वाले शुद्ध लाभ को वर्ष के लिए बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है।

13.2 कम हुई प्रति शेयर आय से यह संभावित कमी सूचित होती है, जो इक्विटी शेयरों को जारी करने हेतु प्रतिभूतियों अथवा अन्य संविदाओं को वर्ष के दौरान जारी करने या संपरिवर्तित करने घटती है। कम हुई प्रति शेयर आय की गणना वर्ष के अंत में इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या और कम संभावित इक्विटी शेयरों के बीच तुलना करके की जाती है।

14. प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां:

14.1 भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी एएस 29, प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक संपत्तियों के अनुरूप, बैंक प्रावधान को तभी मानता है, जब उसमें पिछली घटना के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व उत्पन्न हुआ हो और इससे देयता की पूर्ति करने के लिए आर्थिक लाभों से जुड़े संसाधनों का संभावित बहिर्गमन हो तथा जब देयता की राशि का सही आकलन किया जा सके।

14.2 निम्नलिखित के लिए कोई प्रावधान मान्यता प्राप्त नहीं है:

- कोई संभावित दायित्व जो अतीत की घटनाओं से उत्पन्न होता है और जिसके अस्तित्व की पुष्टि केवल एक या अधिक अनिश्चित भविष्य की घटनाओं के घटित होने या न घटित होने से होगी जो पूरी तरह से बैंक के नियंत्रण में नहीं हैं; या
- कोई भी वर्तमान दायित्व जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होता है लेकिन मान्यता प्राप्त नहीं है क्योंकि

क. यह सम्भावना नहीं है कि दायित्व का निपटान करने के लिए आर्थिक लाभ वाले संसाधनों के बहिर्गमन की आवश्यकता होगी; या

ख. दायित्व की राशि का विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता।

ऐसे दायित्वों को आकस्मिक देयताओं के रूप में दर्ज किया जाता है। इनका नियमित अंतराल पर मूल्यांकन किया जाता है और दायित्व के केवल उस हिस्से के लिए प्रावधान किया जाता है जिसके लिए आर्थिक लाभ वाले संसाधनों का बहिर्वाह संभावित है, सिवाय उन अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों के जहां कोई विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।

14.3 बैंक के उद्यम-व्यापी वफादारी कार्यक्रम के संबंध में पुरस्कार अंकों का प्रावधान बीमांकिक अनुमानों के आधार पर किया जा रहा है।

14.4 भारी भरकम अनुबंधों के लिए प्रावधान तब पहचाने जाते हैं जब बैंक द्वारा अनुबंध से प्राप्त किए जाने वाले अपेक्षित लाभ अनुबंध के तहत भविष्य के दायित्वों को पूरा करने की अपरिहार्य लागतों से कम होते हैं। प्रावधान को अनुबंध को समाप्त करने की अपेक्षित लागत और अनुबंध को जारी रखने की अपेक्षित शुद्ध लागत में से जो भी कम हो, उसके वर्तमान मूल्य पर मापा जाता है। प्रावधान स्थापित होने से पहले, बैंक उस अनुबंध से जुड़ी परिसंपत्तियों पर किसी भी हानि को पहचानता है।

14.5 आकस्मिक परिसंपत्तियों को वित्तीय विवरणों में मान्यता नहीं दी जाती है।

15. बुलियन लेनदेन:

बैंक अपने ग्राहकों को बेचने के लिए परेषण आधार पर बहुमूल्य धातु की छड़ों सहित बुलियन का आयात करता है। ये आयात आमतौर पर एक के बाद एक होते हैं और आपूर्तिकर्ता द्वारा उद्धृत दर के आधार पर कीमत तय की जाती है।

बैंक इन लेन-देन से शुल्क कमाता है, जिसे कमीशन आय के रूप में दर्ज किया जाता है। बैंक सोने की जमाराशि भी स्वीकार करता है और सोने के ऋण भी प्रदान करता है, जिन्हें क्रमशः जमा और अग्रिम माना जाता है। इन पर भुगतान या प्राप्त ब्याज को ब्याज व्यय या आय के रूप में दर्ज किया जाता है।

16. विशेष आरक्षित निधियां:

विशेष आरक्षित निधियां : राजस्व और अन्य आरक्षित निधियों में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(i)(viii) के अंतर्गत सृजित विशेष आरक्षित निधि शामिल है। बैंक के निदेशक मंडल ने एक संकल्प पारित कर इस आरक्षित निधि के सृजन के लिए अनुमोदन किया है और यह भी पुष्टि की है कि उसका इस विशेष आरक्षित निधि से आहरण करने की कोई मंशा नहीं है।

17. पूंजी आरक्षित निधियां :

17.1 परिपक्वता तक धारित (एचटीएम) श्रेणी में निवेशों की बिक्री पर लाभ; किसी सहायक कंपनी, सहयोगी या संयुक्त उद्यम में निवेश की बिक्री / पुनर्वर्गीकरण और स्थायी परिसंपत्तियों की बिक्री को पूंजी रिजर्व में विनियोजित किया जाता है (लागू करें और सांविधिक रिजर्व में स्थानांतरित किए जाने वाली राशि को घटाकर)।

17.2 एफएस के तहत नामित इक्विटी उपकरणों की बिक्री पर कोई भी लाभ या हानि एफएस-रिजर्व से कैपिटल रिजर्व (लागू करें और सांविधिक रिजर्व में स्थानांतरित की जाने वाली राशि को घटाकर) में स्थानांतरित की जाती है। इसके विपरीत, एफएस श्रेणी में ऋण उपकरणों की बिक्री पर लाभ या हानि एफएस-रिजर्व से लाभ और हानि खाते में स्थानांतरित की जाती है।

18. शेयर जारी करने का खर्च:

शेयर जारी करने का खर्च शेयर प्रीमियम खाते में जमा किया जाता है।

19. नकदी और नकदी समकक्ष:

नकदी और नकदी समतुल्य में आरबीआई के पास नकदी और शेष राशि, बैंकों के पास शेष राशि तथा मांग और अल्प सूचना पर धन शामिल हैं।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

अनुसूची 18: लेखा-टिप्पणियाँ

18.1 विनियामक पूंजी

क. विनियामक पूंजी की संरचना (बेसल III के अनुसार):

		(₹ करोड़ में)	
क्र.सं	मदें	31 मार्च 2025 तक की स्थिति के अनुसार	31 मार्च 2024 तक की स्थिति के अनुसार
i)	सामान्य इक्विटी टियर 1 कैपिटल	3,94,378.80	3,33,705.96
ii)	अतिरिक्त टियर 1 पूंजी	47,591.33	50,471.40
iii)	टियर 1 पूंजी (i + ii)	4,41,970.13	3,84,177.36
iv)	टियर 2 पूंजी	78,091.97	75,846.02
v)	कुल पूंजी (टियर 1 + टियर 2)	5,20,062.10	4,60,023.38
vi)	कुल जोखिम भारित आस्तियाँ (आरडब्ल्यूए)	36,49,286.55	32,22,358.28
vii)	सीईटी 1 अनुपात (%) (जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में सीईटी 1)	10.81%	10.36%
viii)	टियर 1 पूंजी अनुपात (%) (जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में टियर 1 पूंजी)	12.11%	11.93%
ix)	टियर 2 पूंजी अनुपात (%) (जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में टियर 2 पूंजी)	2.14%	2.35%
x)	जोखिम भारित संपत्ति अनुपात (सीआरएआर) की तुलना में पूंजी (%) (जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में कुल पूंजी)	14.25%	14.28%
xi)	उत्तोलन अनुपात	6.01%	5.67%
xii)	भारत सरकार की शेयरधारिता का प्रतिशत	56.92%	56.92%
xiii)	वर्ष के दौरान जुटाई गई चुकता इक्विटी पूंजी की राशि *	0.00081	Nil
xiv)	वर्ष के दौरान जुटाई गई गैर-इक्विटी टियर 1 पूंजी की राशि: बेसल III अनुपालन स्थायी ऋण उपकरण	5,000.00	8,101.00
xv)	वर्ष के दौरान जुटाई गई टियर 2 पूंजी की राशि: बेसल III अनुरूप ऋण पूंजी उपकरण	15,000.00	10,000.00

आरबीआई ने 1 मार्च 2016 को जारी परिपत्र संख्या डीबीआर.सं.बीपी.बीसी.83/21.06.201/2015-16 के माध्यम से बैंकों को पूंजी पर्याप्तता की गणना के लिए पुनर्मूल्यांकन रिजर्व, विदेशी मुद्रा अनुवाद रिजर्व और आस्थगित कर परिसंपत्ति को सीईटी-ख पूंजी अनुपात के रूप में मानने का विवेकाधिकार दिया है। बैंक ने उपरोक्त गणना में विकल्प का प्रयोग किया है।

* वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, बैंक ने राइट इश्यू-2008 के शीर्षक के लिए विवाद के समाधान के लिए स्थगित रखे गए शेयरों में से ₹1/- प्रत्येक के 8.100 इक्विटी शेयर 158/- प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम पर नकद के लिए आवंटित किए हैं। कुल अभिदान में से 18.100/- शेयर पूंजी खाते में और ₹12.79,800/- शेयर प्रीमियम खाते में स्थानांतरित किए गए। वित्तीय वर्ष के अंत में राइट इश्यू-2008 के शीर्षक के लिए विवाद के समाधान के लिए 7,85,130 शेयर स्थगित रखे गए हैं।

I. आरक्षित निधि से निकासी:

बैंक ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान रिजर्व से कोई राशि नहीं निकाली है।

क. नवोन्मेषी सतत ऋण उपकरण (आईपीडीआई):

जारी किए गए आईपीडीआई का विवरण जो संमिश्र टियर ख पूंजी के लिए पात्र हैं और 31 मार्च 2025 तक बकाया है, उन आईपीडीआई का ब्योरा निम्नानुसार है:

क्र.सं. बांड की प्रकृति	मूल धनराशि (₹ करोड़ में)	जारी करने की तिथि	व्याज दर % प्रति वर्ष
i) एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैर-जमानती बेसल III एटी 1 बॉण्ड 2020-21 श्रृंखला I	4,000.00	09.09.2020	7.74
ii) एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैर-जमानती बेसल III एटी 1 बॉण्ड 2020-21 श्रृंखला II	2,500.00	24.11.2020	7.73
iii) एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैर-जमानती बेसल III एटी 1 बॉण्ड 2021-22 श्रृंखला I	4,000.00	03.09.2021	7.72
iv) एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैर-जमानती बेसल III एटी 1 बॉण्ड 2021-22 श्रृंखला II	6,000.00	18.10.2021	7.72
v) एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैर-जमानती बेसल III एटी 1 बॉण्ड 2021-22 श्रृंखला III	3,974.00	14.12.2021	7.55
vi) एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैर-जमानती बेसल III एटी 1 बॉण्ड 2022-23 श्रृंखला I	6,872.00	09.09.2022	7.75
vii) एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैर-जमानती बेसल III एटी 1 बॉण्ड 2022-23 श्रृंखला II	4,544.00	21.02.2023	8.20
viii) एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैर-जमानती बेसल III एटी 1 बॉण्ड 2022-23 श्रृंखला III	3,717.00	09.03.2023	8.25
ix) एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैर-जमानती बेसल III एटी 1 बॉण्ड 2023-24 श्रृंखला I	3,101.00	14.07.2023	8.10
x) एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैर-जमानती बेसल III एटी 1 बॉण्ड 2023-24 श्रृंखला II	5,000.00	19.01.2024	8.34
xi) एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैर-जमानती बेसल III एटी 1 बॉण्ड 2024-25 I	5,000.00	24.10.2024	7.98
कुल	48,708.00		

घ. गौण ऋण

बाण्ड अप्रतिभूत, दीर्घावधि, अपरिवर्तनीय हैं एवं सममूल्य पर मोचनीय होते हैं बकाया गौण ऋणों का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं. बाण्डों का स्वरूप	मूल राशि (₹ करोड़ में)	निर्गम तिथि / मोचन की तिथि	व्याज दर % प्रति वर्ष	परिपक्वता अवधि (माह में)
i) ई-एसबीएच टियर II बासेल III अनुपालक (श्रृंखला दत्त)	500.00	30.12.2015 30.12.2025	8.40	120
ii) ई-एसबीएम टियर II बासेल III अनुपालक	300.00	31.12.2015 31.12.2025	8.40	120
iii) ई-एसबीएम टियर II बासेल III अनुपालक	200.00	18.01.2016 18.01.2026	8.45	120
iv) ई-एसबीएच टियर II बासेल III अनुपालक (श्रृंखला XVI)	200.00	08.02.2016 08.02.2026	8.45	120
v) एसबीआई अपरिवर्तनीय, अप्रतिभूत बासेल III टियर खख बॉण्ड 2020-21 श्रृंखला I	8,931.00	21.08.2020 21.08.2035	6.80	180
vi) एसबीआई अपरिवर्तनीय, अप्रतिभूत बासेल III टियर II बॉण्ड 2020-21 श्रृंखला II	7,000.00	21.09.2020 21.09.2030	6.24	120
vii) एसबीआई अपरिवर्तनीय, अप्रतिभूत बासेल III टियर II बॉण्ड 2020-21 श्रृंखला III	5,000.00	26.10.2020 26.10.2030	5.83	120
viii) एसबीआई अपरिवर्तनीय, अप्रतिभूत बासेल III टियर II बॉण्ड 2022-23 श्रृंखला I	4,000.00	23.09.2022 23.09.2037	7.57	180
ix) एसबीआई अपरिवर्तनीय, अप्रतिभूत बासेल III टियर II बॉण्ड 2023-24	10,000.00	02.11.2023 02.11.2038	7.81	180
x) एसबीआई अपरिवर्तनीय, अप्रतिभूत बासेल III टियर II बॉण्ड 2024-25 श्रृंखला I	7,500.00	29.08.2024 29.08.2039	7.42	180
xi) एसबीआई अपरिवर्तनीय, अप्रतिभूत बासेल III टियर II बॉण्ड 2024-25 श्रृंखला II	7,500.00	20.09.2024 20.09.2039	7.33	180
कुल	51,131.00			

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

18.2. आस्ति देयता प्रबंधन

क. 31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार आस्तियों व देयताओं की कुछ मदों की परिपक्वता पद्धति

	दिन 1	2 से 7 दिन	8 से 14 दिन	15 से 30 दिन	31 से अधिक दिन	2 माह अधिक तथा 3 माह तक	3 माह से अधिक तथा 6 माह तक	6 माह से अधिक तथा 1 वर्ष तक	1 वर्ष से अधिक तथा 3 वर्ष तक	3 वर्ष से अधिक तथा 5 वर्ष तक	5 वर्ष से अधिक	कुल (₹ करोड़ में)
जमा	71,320.39	1,14,914.53	51,959.28	80,701.48	1,15,301.78	94,956.61	2,38,139.88	10,78,275.61	15,65,899.80	5,26,373.78	14,44,346.39	53,82,189.53
	(62,388.64)	(91,980.91)	(48,883.19)	(76,745.22)	(96,162.50)	(73,330.72)	(2,23,144.27)	(10,91,758.84)	(13,08,824.69)	(4,99,189.18)	(13,43,668.61)	(49,16,076.77)
अग्रिम	57,92,389	22,324.04	19,273.16	66,965.61	1,00,191.22	60,463.49	2,09,083.92	2,90,875.10	16,15,800.15	5,08,882.11	12,11,529.41	41,63,312.10
	(48,490.57)	(20,243.78)	(18,200.46)	(63,527.57)	(79,495.23)	(59,539.62)	(1,77,491.33)	(2,58,065.63)	(14,21,478.78)	(4,99,508.52)	(10,57,929.36)	(37,03,970.86)
निवेश	20,363	2,129.80	560.30	7,238.04	9,698.19	14,780.13	31,462.90	1,28,934.35	2,55,613.91	3,43,126.82	8,96,824.68	16,90,572.75
	(401.67)	(4,656.47)	(2,612.69)	(12,025.91)	(20,920.94)	(29,133.31)	(47,085.63)	(1,41,889.43)	(3,12,103.33)	(2,13,496.44)	(8,87,013.84)	(16,71,339.66)
उधारियाँ	2,54,082	25,365.61	6,203.40	38,634.75	38,669.08	34,547.03	85,976.72	76,812.87	67,928.29	42,690.10	1,44,203.85	5,63,572.52
	(59,009.00)	(1,00,380.89)	(4,567.20)	(27,865.05)	(29,449.90)	(35,365.03)	(73,860.39)	(49,411.34)	(80,558.21)	(42,787.25)	(94,306.65)	(5,97,560.91)
विदेशी मुद्रा	17,001.48	9,554.60	8,968.88	40,764.49	53,880.40	43,169.18	1,11,516.90	95,799.96	2,28,356.41	96,916.46	85,263.59	7,91,192.35
आस्तियाँ #	(15,621.97)	(9,830.90)	(8,385.25)	(42,254.85)	(40,481.78)	(45,373.87)	(89,465.07)	(73,261.52)	(1,82,089.19)	(1,08,502.14)	(57,547.38)	(6,72,813.92)
विदेशी मुद्रा	29,108.56	9,307.13	10,149.01	48,649.25	64,211.11	62,276.30	1,19,832.52	1,27,862.75	1,22,011.75	55,320.36	19,769.90	6,68,498.64
देयताएँ \$	(23,328.17)	(7,999.52)	(7,797.35)	(36,812.27)	(42,343.85)	(45,723.86)	(1,11,574.02)	(96,735.79)	(99,192.23)	(64,387.38)	(19,293.86)	(5,55,186.30)

Foreign Currency Assets represent advances and investments.

\$ Foreign Currency Liabilities represent borrowings and deposits.

(Figures in brackets are as at 31st March 2024).

ख. चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर)

i. स्टैंडएलोन एलसीआर

बैंक में चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर) मानक की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली चलनिधि आस्तियों (एक्व्यूएलए) का पर्याप्त स्तर बनाए रखना है, जिन्हें नकदी में परिवर्तित किया जा सकता है ताकि गंभीर तरलता दबाव परिदृश्य में 30 कैलेंडर दिनों की समयावधि के लिए इसकी तरलता आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

एलसीआर = $\frac{\text{उच्च गुणवत्ता वाली तरल आस्तियों को स्टॉक (एक्व्यूएलए)}}{\text{अगले 30 कैलेंडर दिनों में कुल निवल नकदी बहिर्गमन}}$

तरल परिसंपत्तियों में उच्च गुणवत्ता वाली परिसंपत्तियाँ शामिल होती हैं जिन्हें तनाव की स्थिति में नकदी प्राप्त करने के लिए आसानी से भुनाया या संपार्श्विक के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। एक्व्यूएलए के स्टॉक में दो प्रकार की परिसंपत्तियाँ शामिल हैं, अर्थात् स्तर 1 और स्तर 2 (स्तर 2ए और स्तर 2बी) परिसंपत्तियाँ। जहाँ स्तर 1 की परिसंपत्तियों पर 0% हेयरकट लगता है, वहीं स्तर 2- और स्तर 2इ की परिसंपत्तियों पर क्रमशः 15% और 50% हेयरकट लगता है। कुल शुद्ध नकदी बहिर्वाह कुल अपेक्षित नकदी बहिर्वाह में से अगले 30 कैलेंडर दिनों के लिए कुल अपेक्षित नकदी अंतर्वाह को घटाकर प्राप्त किया जाता है। कुल अपेक्षित नकदी बहिर्वाह की गणना विभिन्न श्रेणियों या देनदारियों के प्रकारों और ऑफ-बैलेंस शीट प्रतिबद्धताओं के बकाया शेष को उन दूरों से गुणा करके की जाती है जिस पर उनके समान होने या कम होने की उम्मीद है। कुल अपेक्षित नकदी प्रवाह की गणना संविदागत प्राप्तियों की विभिन्न श्रेणियों के बकाया शेष को उन दूरों से गुणा करके की जाती है, जिस पर उन्हें कुल अपेक्षित नकदी बहिर्वाह के 75% की कुल सीमा तक प्रवाह की उम्मीद है।

मात्रात्मक प्रकटीकरण:

(₹ करोड़ में)

चलनिधि कवरेज अनुपात (भारतीय स्टेट बैंक - स्टैंडअलोन)										
एलसीआर घटक	तिमाही समाप्ति 31 मार्च 2025		तिमाही समाप्ति 31 दिसंबर 2024		तिमाही समाप्ति 30 सितंबर 2024		तिमाही समाप्ति 30 जून 2024		तिमाही समाप्ति 31 मार्च 2024	
	कुल अभारित मूल्य (औसत)	कुल भारित मूल्य (औसत)	कुल अभारित मूल्य (औसत)	कुल भारित मूल्य (औसत)	कुल अभारित मूल्य (औसत)	कुल भारित मूल्य (औसत)	कुल अभारित मूल्य (औसत)	कुल भारित मूल्य (औसत)	कुल अभारित मूल्य (औसत)	कुल भारित मूल्य (औसत)
उच्च गुणवत्ता वाले चल आस्तियां (एचव्यूएलए)										
1. कुल उच्च गुणवत्तावाली चल आस्तियां (एचव्यूएलए)		14,37,326		14,27,211		13,65,149		12,93,543		13,13,148
नकदी बहिर्वाह										
2. छोटे व्यवसाय ग्राहकों से खुदरा जमा और जमा, जिनमें से:										
i) स्थिर जमाराशियां	10,28,565	51,428	10,14,744	50,737	10,02,005	50,100	9,89,176	49,459	9,73,866	48,693
ii) कम स्थिर जमाराशियां	25,19,525	2,51,953	24,66,230	2,46,623	24,23,637	2,42,364	23,52,707	2,35,271	22,91,273	2,29,127
3. अप्रत्याभूत थोक निधियन, जिनमें से										
i) परिचालन जमाराशियां (सभी प्रतिपक्षकार)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ii) गैर-परिचालन जमा (सभी प्रतिपक्षकार)	13,31,463	7,74,932	12,93,396	7,54,654	13,08,139	7,66,396	12,61,845	7,40,152	12,70,853	7,46,617
iii) अप्रत्याभूत ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4. प्रत्याभूत थोक निधियन	1,01,557	990	81,040	107	67,123	456	1,65,343	364	1,48,018	188
5. अतिरिक्त आवश्यकताएं, जिनमें से										
i) डेरीवेटिव एक्सपोजर तथा अन्य संपार्श्विक आवश्यकताओं से संबंधित बहिर्वाह	1,03,698	1,03,698	3,91,482	3,91,482	3,78,232	3,78,232	4,76,429	4,76,429	4,13,077	4,13,077
ii) ऋण उत्पादों पर निधियन की हानि से संबंधित बहिर्वाह	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
iii) ऋण और चलनिधि सुविधाएं	1,45,996	49,006	1,23,331	37,883	1,13,027	33,866	1,14,050	33,921	1,15,723	33,872
6. अन्य संविदागत निधियन दायित्व	60,814	60,814	67,253	67,253	59,141	59,141	54,003	54,003	52,747	52,747
7. अन्य आकस्मिक निधियन दायित्व	10,13,634	40,385	9,69,012	38,577	9,38,962	37,363	9,44,579	37,735	9,50,450	38,029
8. कुल नकदी बहिर्वाह	63,05,252	13,33,205	64,06,488	15,87,316	62,90,266	15,67,918	63,58,132	16,27,334	62,16,008	15,62,351
नकदी अंतर्वाह										
9. प्रत्याभूत ऋण (जैसे रिवर्स रेपो)	691	-	286	-	1,790	-	3,833	-	4,445	-
10. पूर्णतः अर्जक एक्सपोजर से अंतर्वाह	2,41,580	1,95,770	5,32,159	4,86,446	5,08,302	4,65,551	5,96,895	5,57,826	5,35,048	4,94,161
11. अन्य नकदी अंतर्वाह	63,539	50,704	59,762	49,428	56,964	47,571	63,986	51,723	65,374	50,401
12. कुल नकदी अंतर्वाह	3,05,810	2,46,475	5,92,207	5,35,874	5,67,056	5,13,122	6,64,714	6,09,549	6,04,867	5,44,562
13. कुल एचव्यूएलए		14,37,326		14,27,211		13,65,149		12,93,543		13,13,148
14. कुल निवल नकदी बहिर्वाह		10,86,730		10,51,442		10,54,796		10,17,785		10,17,789
15. चलनिधि कवरेज अनुपात (%)		132.26%		135.74%		129.42%		127.09%		129.02%

आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार परिपत्र संख्या आरबीआई/2014-15/529 डीबीआर. संख्या बीपी.बीसी.80/21.06.201/2014-15 दिनांक 31 मार्च 2015, औसत भारित और अभारित राशियों की गणना साधारण दैनिक औसत लेकर की गई है। बैंक ने जनवरी से मार्च 2025 की तिमाही के लिए 68 डेटा बिंदुओं पर विचार किया है।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

तीन महीने (वित्त वर्ष 24-25) की दैनिक औसत के आधार पर बैंक का एलसीआर 132.26% है, यह नियामक द्वारा निर्धारित न्यूनतम 100% सीमा से अधिक है। तिमाही के लिए औसत एचक्यूएलए ₹14,37,326 करोड़ रूपए था, जिसमें 96.47% स्तर 1 की आस्तियां थीं। स्तर 2 ए और स्तर 2 बी आस्तियां क्रमशः कुल एचक्यूएलए 2.82% और 0.71% है। सरकारी प्रतिभूतियों ने कुल स्तर 1 आस्तियों का 92.76% हिस्सा बनाया। तिमाही के दौरान, अतिरिक्त सीआरआर शेष में वृद्धि के कारण भारत औसत एचक्यूएलए स्तर में ₹10,115 करोड़ की वृद्धि हुई। इसके अलावा, सभी खंडों में जमा स्तर में वृद्धि के कारण भारत औसत शुद्ध नकदी बहिर्वाह की स्थिति में 35,288 करोड़ की वृद्धि हुई। तिमाही के दौरान, यूएसडी (बैंक की बैलेंस शीट का 5% से अधिक हिस्सा बनाने वाली महत्वपूर्ण विदेशी मुद्रा) के लिए एलसीआर औसतन 418.77% थी।

बैंक में चलनिधि प्रबंधन बैंक की एएलएम नीति और विनियामक नुस्खों द्वारा संचालित होता है। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कोषागार बैंक की आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एलसीओ) को चलनिधि की स्थिति से अवगत करा रहे हैं। बैंक के बोर्ड द्वारा एल्को को बैंक की वित्तपोषण रणनीतियों को तैयार करने का अधिकार दिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि फंडिंग स्रोत अच्छी तरह से विविध हैं और बैंक की परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। एल्को के सभी प्रमुख निर्णयों की सूचना बाद में बैंक के बोर्ड को दी जाएगी। दैनिक/मासिक एलसीआर रिपोर्टिंग के अलावा, बैंक निरंतर आधार पर बैंक की चलनिधि आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए दैनिक संरचनात्मक चलनिधि विवरण भी तैयार करता है।

बैंक मुख्य रूप से अनिवार्य आवश्यकताओं के अतिरिक्त एसएलआर निवेश के रूप में एचक्यूएलए बनाए रखता रहा है। खुदरा जमा कुल वित्तपोषण स्रोतों का बड़ा हिस्सा है, जो अच्छी तरह से विविधीकृत हैं। प्रबंधन का मानना है कि भविष्य की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए बैंक के पास पर्याप्त तरलता कुशल है।

ii. समेकित एलसीआर

आरबीआई ने 31 मार्च 2015 को जारी एक पूरक दिशानिर्देश के माध्यम से 1 जनवरी 2016 से समेकित स्तर पर एलसीआर के कार्यान्वयन को निर्धारित किया था और तदनुसार, एलसीआर की गणना समूह स्तर पर की गई है।

ग्रुप एलसीआर में शामिल संस्थाएं एसबीआई और सात (7) विदेशी बैंकिंग अनुषंगियां हैं - कमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी, मॉस्को, नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक (कैलिफोर्निया), एसबीआई कनाडा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (मॉरीशस) लिमिटेड, पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया और भारतीय स्टेट बैंक (यूके) लिमिटेड और एक गैर-बैंकिंग सहायक कंपनी (एनबीएस) - एसबीआई काईर्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड।

जनवरी, फरवरी और मार्च 2025 के तीन महीनों के औसत के आधार पर 31 मार्च 2025 तक एसबीआई ग्रुप एलसीआर 132.83% है, जो 100% की न्यूनतम विनियामक आवश्यकता से अधिक है।

ग्रुप अनिवार्य आवश्यकताओं के अलावा मुख्य रूप से एसएलआर निवेश के रूप में एचक्यूएलए बनाए रखता रहा है। खुदरा जमा कुल फंडिंग स्रोतों का बड़ा हिस्सा है, और ऐसे फंडिंग स्रोत अच्छी तरह से विविध हैं। प्रबंधन का मानना है कि बैंक के पास अपनी संभावित भविष्य की अल्पकालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता कवर है।

मात्रात्मक प्रकटीकरण:

(₹ करोड़ में)

एलसीआर घटक	चलनिधि कवरेज अनुपात (भारतीय स्टेट बैंक ग्रुप)									
	तिमाही समाप्ति 31 मार्च 2025		तिमाही समाप्ति 31 दिसंबर 2024		तिमाही समाप्ति 30 सितंबर 2024		तिमाही समाप्ति 30 जून 2024		तिमाही समाप्ति 31 मार्च 2024	
	कुल अभारित मूल्य (औसत)**	कुल भारित मूल्य (औसत)	कुल अभारित मूल्य (औसत)**	कुल भारित मूल्य (औसत)	कुल अभारित मूल्य (औसत)**	कुल भारित मूल्य (औसत)	कुल अभारित मूल्य (औसत)**	कुल भारित मूल्य (औसत)	कुल अभारित मूल्य (औसत)**	कुल भारित मूल्य (औसत)
उच्च गुणवत्तावाली चल आस्तियां (एचव्यूएलए)										
1. कुल उच्च गुणवत्तावाली चल आस्तियां (एचव्यूएलए)		14,48,277		14,36,833		13,74,090		13,13,366		13,33,091
नकदी बहिर्वाह										
2. खुदरा जमाराशियां तथा लघु व्यवसाय ग्राहकों से प्राप्त जमाराशियां, जिनमें से :										
i) स्थिर जमाराशियां	10,38,833	51,942	10,24,762	51,238	10,11,622	50,581	9,98,648	49,932	9,83,580	49,179
ii) कम स्थिर जमाराशियां	25,37,396	2,53,740	24,83,064	2,48,306	24,39,519	2,43,952	23,67,879	2,36,788	23,07,011	2,30,701
3. अप्रत्याभूत शोध निधीयन, जिनमें से										
i) परिचालन जमाराशियां (सभी प्रतिपक्षकार)	236	59	233	58	202	50	236	59	225	56
ii) गैर-परिचालन जमाराशियां (सभी प्रतिपक्षकार)	13,36,968	7,78,177	12,98,638	7,57,723	13,13,662	7,69,776	12,67,200	7,43,740	12,76,114	7,49,851
iii) अप्रत्याभूत शोध निधीयन, जिनमें से	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4. प्रत्याभूत शोध निधीयन	1,06,919	6,352	86,248	5,315	71,304	4,637	1,70,852	5,873	1,56,781	8,952
5. अतिरिक्त आवश्यकताएं, जिनमें से										
i) डेरिवेटिव एक्सपोजर तथा अन्य संपार्श्विक आवश्यकताओं से संबंधित बहिर्वाह	1,03,829	1,03,829	3,91,641	3,91,641	3,78,385	3,78,385	4,76,584	4,76,584	4,13,228	4,13,228
ii) उधार उत्पादों पर निधीयन की हानि से संबंधित बहिर्वाह	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
iii) ऋण एवं चलनिधि सुविधाएं	1,50,609	51,359	1,27,910	40,390	1,17,471	36,306	1,18,426	36,329	1,20,142	36,444
6. अन्य संविदागत निधीयन दायित्व	71,267	71,267	78,069	78,069	69,557	69,557	61,308	61,308	58,389	58,389
7. अन्य आकस्मिक निधीयन दायित्व	10,16,076	40,459	9,71,446	38,650	9,41,293	37,434	9,46,956	37,806	9,52,861	38,103
8. कुल नकदी बहिर्वाह	63,62,133	13,57,181	64,62,010	16,11,390	63,43,016	15,90,679	64,08,089	16,48,419	62,68,331	15,84,903
नकदी अंतर्वाह										
9. प्रत्याभूत ऋण (उदा. रिवर्स रिपो)	691	-	286	-	1,790	-	3,833	-	4,445	-
10. पूर्णतः अर्जक एक्सपोजर से अंतर्वाह	2,49,170	1,99,745	5,40,316	4,91,118	5,16,548	4,70,269	6,05,673	5,62,834	5,43,472	4,98,808
11. अन्य नकदी अंतर्वाह	79,984	67,150	76,450	66,116	72,810	63,417	79,601	67,338	80,505	65,532
12. कुल नकदी अंतर्वाह	3,29,845	2,66,895	6,17,052	5,57,234	5,91,148	5,33,686	6,89,106	6,30,172	6,28,422	5,64,340
13. कुल एचव्यूएलए		14,48,277		14,36,833		13,74,090		13,13,366		13,33,091
14. कुल निवल नकदी बहिर्वाह		10,90,286		10,54,157		10,56,993		10,18,247		10,20,563
15. चलनिधि कवरेज अनुपात (%)		132.83%		136.30%		130.00%		128.98%		130.62%

** ओवरसीज बैंकिंग सब्सिडियरीज, एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड के लिए 3 महीने के आंकड़ों का मासिक औसत और एसबीआई (सोलो) के लिए दैनिक औसत माना गया।

एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड के एलसीआर आंकड़ों को मौजूदा नियामक दिशानिर्देशों के साथ सरेखित करने के लिए जीएलसीआर में शामिल किया गया है।

नोट: उपरोक्त आंकड़े ओवरसीज बैंकिंग सब्सिडियरीज (जिनकी समीक्षा/लेखा परीक्षा नहीं हुई है), एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंधन प्रमाणित आंकड़ों और भारतीय स्टेट बैंक (सोलो) के प्रारंभिक रिकॉर्ड के आधार पर संकलित किए गए हैं।

ग. निवल स्थिर निधीयन अनुपात:

i. एकल निवल स्थिर निधीयन अनुपात:

निवल स्थिर निधीयन अनुपात (एनएसएफआर) दिशानिर्देश भविष्य के फंडिंग तनाव के जोखिम को कम करने के लिए बैंकों को पर्याप्त रूप से स्थिर फंडिंग स्रोतों के साथ अपनी गतिविधियों के निधीयन की आवश्यकता द्वारा दीर्घकालिक समय अवधि में फंडिंग जोखिम में कमी सुनिश्चित करते हैं। एनएसएफआर को आवश्यक स्थिर फंडिंग की राशि के सापेक्ष उपलब्ध स्थिर फंडिंग की राशि के रूप में परिभाषित किया गया है।

$$\text{एनएसएफआर} = \frac{\text{उपलब्ध स्थिर निधीयन राशि (एसएफ)}}{\text{आवश्यक स्थिर निधीयन राशि (आरएसएफ)}} \geq 100\%$$

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

मात्रात्मक प्रकटीकरण: निम्नलिखित तालिका में 31 मार्च 2025, 31 दिसंबर 2024, 30 सितंबर 2024 और 30 जून 2024 (यानी तिमाही अंत अवलोकन) के अनुसार एसबीआई (सोलो) के एनएसएफआर घटकों के अनिर्धारित और भारित मूल्य शामिल हैं।

(₹ करोड़ में)

एनएसएफआर घटक	निवल स्थिर निधीयन अनुपात (भारतीय स्टेट बैंक- एकल)									
	30.03.2025 की स्थिति					30.12.2024 की स्थिति				
	शेष परिपक्वता अवधि के आधार पर अभारित मूल्य				भारित मूल्य	शेष परिपक्वता अवधि के आधार पर अभारित मूल्य				भारित मूल्य
	परिपक्वता नहीं	< 6 माह	6 माह से < 1 वर्ष	≥ 1 वर्ष		परिपक्वता नहीं	< 6 माह	6 माह से < 1 वर्ष	≥ 1 वर्ष	
एसएसएफ मद										
1. पूंजी: (2+3)	4,41,162	4000	2500	80,139	5,27,801	4,35,406	-	6500	80,539	5,22,445
2. विनियामक पूंजी	4,22,254	4000	2500	80,139	5,08,893	4,16,566	-	6500	80,539	5,03,606
3. अन्य पूंजी लिखते	18,908	-	-	-	18,908	18,840	-	-	-	18,840
4. खुदरा जमाएँ तथा लघु व्यवसाय ग्राहकों से जमाएँ : (5+6)	16,77,856	6,60,808	7,46,907	6,10,920	33,79,552	16,76,230	6,63,797	6,80,734	6,09,976	33,19,392
5. स्थिर जमाएँ	4,67,846	1,89,080	2,19,538	1,61,110	9,85,919	4,85,895	1,90,739	2,02,647	1,55,306	9,82,857
6. घटा स्थिर जमाएँ	12,10,010	4,71,728	5,27,369	4,49,810	23,93,633	11,90,335	4,73,058	4,78,087	4,54,670	23,36,535
7. थोक निधियाँ: (8+9)	3,83,672	4,59,823	3,71,390	3,73,720	9,51,376	2,96,431	3,54,676	3,36,417	3,92,365	8,54,484
8. परिचालन जमाएँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. अन्य थोक जमाएँ	3,83,672	4,59,823	3,71,390	3,73,720	9,51,376	2,96,431	3,54,676	3,36,417	3,92,365	8,54,484
10. अन्य देयताएँ: (11+12)	7,45,918	2,77,056	14,075	51,541	-	2,12,672	6,53,121	2,17,946	2,92,361	-
11. एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएँ	-	118	730	344	-	-	657	862	832	-
12. उपर्युक्त श्रेणियों में शामिल न की गई अन्य देयताएँ व इकिटी	7,45,918	2,76,938	13,345	51,197	-	2,12,672	6,52,464	2,17,084	2,91,529	-
13. कुल एसएसएफ (1+4+7+10)					48,58,729					46,96,322
आरएसएफ मद										
14. एनएसएफआर उच्च गुणवत्ता वाली कुल तरल आस्तियाँ (एचक्यूएलए)					83,958					83,200
15. परिचालन उद्देश्य से अन्य वित्तीय संस्थानों के पास रखी गई जमा राशियाँ	8,525	7,201	-	-	7,863	30,088	8,044	-	-	19,066
16. निष्पादक ऋण तथा प्रतिभूतियाँ: (17+18+19+21+23)	-	10,58,415	4,04,832	9,73,267	12,96,438	-	10,30,592	2,97,491	10,34,379	12,71,669
17. स्तर 1 एचक्यूएलए से प्रत्याभूत अन्य वित्तीय संस्थानों को निष्पादित ऋण	-	3,424	-	-	342	-	-	-	-	-
18. गैर-स्तर 1 एचक्यूएलए द्वारा प्रत्याभूत न किए गए अन्य वित्तीय संस्थानों को निष्पादित ऋण तथा वित्तीय संस्थानों को वित्तीय संस्थानों को अप्रत्याभूत निष्पादित ऋण	-	2,58,517	-	-	38,778	-	2,54,971	-	-	38,246
19. गैर-वित्तीय कॉर्पोरेट ग्राहकों को निष्पादित ऋण, खुदरा व लघु व्यवसाय ग्राहकों को ऋण तथा राष्ट्रीय, केंद्रीय बैंकों व पीएसई को ऋण, जिसमें से	-	7,96,474	4,04,832	3,71,234	8,41,955	-	7,75,621	2,97,491	4,18,733	8,08,732
20. ऋण जोखिम के लिए बेसल खख मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	-	-	-	3,71,234	2,41,302	-	-	-	4,18,733	2,72,176
21. निष्पादक देशीय बंधक, जिसमें से:	-	-	-	4,81,828	3,13,188	-	-	-	4,93,041	3,20,477
22. ऋण जोखिम के लिए बेसल खख मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	-	-	-	4,81,828	3,13,188	-	-	-	4,93,041	3,20,477
23. प्रतिभूतियाँ जिनमें चूक नहीं हुई है तथा एचक्यूएलए विशेषक नहीं हैं, एक्सचेंज व्यापारित इकिटियों सहित	-	-	-	1,20,205	1,02,175	-	-	-	1,22,605	1,04,214
24. अन्य आस्तियाँ : (25 से 29 पंक्तियों का योग)	11,93,035	33,203	1,008	15,38,912	25,54,582	9,75,655	2,14,364	1,731	16,55,366	26,35,209
25. स्वर्ण सहित भौतिक रूप से व्यापारित पण्य	522	-	-	-	443	51	-	-	-	43
26. डेरिवेटिव्स संविदा के लिए आरम्भिक मार्जिन के रूप में पोस्ट की गई आस्तियाँ तथा सीसीपी की चूक निधियाँ	-	-	-	-	1,366	-	-	-	-	1,153
27. एनएसएफआर डेरिवेटिव आस्तियाँ	-	792	-	1,343	1,421	-	90	-	3,113	1,695
28. पोस्ट किए गए परिवर्तन मार्जिन की कटौती से पहले एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएँ	-	113	85	272	469	-	162	72	349	583
29. उपर्युक्त श्रेणियों में शामिल न की गई अन्य सभी आस्तियाँ	11,92,513	32,298	923	15,37,297	25,50,883	9,75,604	2,14,112	1,659	16,51,904	26,31,735
30. तुलन पत्र बाह्य मदें		11,56,892	-	-	47,541		11,31,805	-	-	46,522
31. कुल आरएसएफ (14+15+16+24+30)					39,90,382					40,55,666
32. निवल स्थिर निधीयन अनुपात (%)					121.76%					115.80%

(₹ करोड़ में)

एनएसएफआर घटक	निवल स्थिर निधीयन अनुपात (भारतीय स्टेट बैंक- एकल)									
	30.09.2024 की स्थिति					30.06.2024 की स्थिति				
	शेष परिपक्वता अवधि के आधार पर अभांरित मूल्य परिपक्वता नहीं	< 6 माह	6 माह से < 1 वर्ष	≥ 1 वर्ष	भारित मूल्य	शेष परिपक्वता अवधि के आधार पर अभांरित मूल्य परिपक्वता नहीं	< 6 माह	6 माह से < 1 वर्ष	≥ 1 वर्ष	भारित मूल्य
एसएफ मद										
1) पूंजी : (2+3)	4,19,559	3,814	4,000	83,839	5,11,212	3,97,389	6,918	-	79,839	4,84,146
2) विनियामक पूंजी	4,00,679	3,814	4,000	83,839	4,92,332	3,78,831	6,918	-	79,839	4,65,588
3) अन्य पूंजी लिखते	18,880	-	-	-	18,880	18,558	-	-	-	18,558
4) खुदरा जमाएँ तथा लघु व्यवसाय ग्राहकों से जमाएँ: (5+6)	16,74,035	6,10,661	6,70,903	6,35,613	32,84,254	16,50,507	5,84,091	6,82,144	5,65,499	31,68,414
5) स्थिर जमाएँ	4,87,259	1,79,196	2,04,855	1,57,758	9,77,614	4,79,922	1,77,173	2,08,836	1,46,245	9,57,319
6) घटा स्थिर जमाएँ	11,86,776	4,31,465	4,66,048	4,77,855	23,06,640	11,70,585	4,06,918	4,73,308	4,19,254	22,11,095
7) थोक निधियाँ: (8+9)	2,91,693	3,24,687	3,59,172	3,55,997	7,99,907	2,68,703	2,98,092	3,23,056	3,49,718	7,80,955
8) परिचालन जमाएँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9) अन्य थोक जमाएँ	2,91,693	3,24,687	3,59,172	3,55,997	7,99,907	2,68,703	2,98,092	3,23,056	3,49,718	7,80,955
10) अन्य देयताएँ: (11+12)	2,07,624	4,41,435	50,233	4,27,561	-	8,17,472	3,05,820	19,070	65,572	-
11) एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएँ	-	437	209	371	-	-	784	614	1,143	-
12) उपयुक्त श्रेणियों में शामिल न की गई अन्य देयताएँ व इक्विटी	2,07,624	4,40,998	50,024	4,27,190	-	8,17,472	3,05,036	18,456	64,429	-
13) कुल एसएफएफ (1+4+7+10)					45,95,373					44,33,515
आरएसएफ मद										
14) एनएसएफआर उच्च गुणवत्ता वाली कुल तरल आस्तियाँ (एचक्यूएलए)					82,028					75,544
15) परिचालन उद्देश्य से अन्य वित्तीय संस्थानों के पास रखी गई जमा राशियाँ	11,638	55,148	-	-	33,393	14,649	50,591	-	-	32,620
16) निष्पादक ऋण तथा प्रतिभूतियाँ: (17+18+19+21+23)	-	8,82,818	2,70,766	8,44,865	10,94,797	-	7,68,713	2,68,599	8,51,701	10,37,148
17) स्तर 1 एचक्यूएलए से प्रत्याभूत अन्य वित्तीय संस्थानों को निष्पादित ऋण	-	830	-	-	83	-	3,912	-	-	391
18) गैर-स्तर 1 एचक्यूएलए द्वारा प्रत्याभूत न किए गए अन्य वित्तीय संस्थानों को निष्पादित ऋण तथा वित्तीय संस्थानों को वित्तीय संस्थानों को अप्रत्याभूत निष्पादित ऋण	-	1,53,267	-	-	22,990	-	1,52,373	-	-	22,856
19) गैर-वित्तीय कॉर्पोरेट ग्राहकों को निष्पादित ऋण, खुदरा व लघु व्यवसाय ग्राहकों को ऋण तथा राष्ट्रीय, केंद्रीय बैंकों व पीएसई को ऋण, जिसमें से	-	7,28,721	2,70,766	3,63,877	7,36,264	-	6,12,428	2,68,599	3,80,872	6,88,080
20) ऋण जोखिम के लिए बेसल खख मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	-	-	-	3,63,877	2,36,520	-	-	-	3,80,872	2,47,567
21) निष्पादक देशीय बंधक, जिसमें से:	-	-	-	3,66,900	2,38,485	-	-	-	3,71,922	2,41,750
22) ऋण जोखिम के लिए बेसल खख मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	-	-	-	3,66,900	2,38,485	-	-	-	3,71,922	2,41,750
23) प्रतिभूतियाँ जिनमें चूक नहीं हुई है तथा एचक्यूएलए विशेषक नहीं हैं, एक्सचेंज व्यापारित ईक्विटियों सहित	-	-	-	1,14,088	96,975	-	-	-	98,907	84,071
24) अन्य आस्तियाँ : (25 से 29 पंक्तियों का योग)	10,27,316	1,38,840	7,672	16,57,033	26,62,319	14,52,059	59,058	3,672	14,13,692	27,56,472
25) स्वर्ण सहित भौतिक रूप से व्यापारित पण्य	93	-	-	-	78	39	-	-	-	33
26) डेरिवेटिव्स संविदा के लिए आरंभिक मार्जिन के रूप में पोस्ट की गई आस्तियाँ तथा सीसीपी की चूक निधियाँ	-	-	-	-	1,092	-	-	-	-	1,092
27) एनएसएफआर डेरिवेटिव आस्तियाँ	-	67	-	2,153	1,517	-	-	-	3,073	1,922
28) पोस्ट किए गए परिवर्तन मार्जिन की कटौती से पहले एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएँ	-	67	54	225	345	-	98	61	345	503
29) उपयुक्त श्रेणियों में शामिल न की गई अन्य सभी आस्तियाँ	10,27,223	1,38,706	7,618	16,54,655	26,59,287	14,52,020	58,960	3,611	14,10,274	27,52,922
30) तुलन पत्र बाह्य मदें		10,59,558	-	-	43,259		10,35,721	-	-	42,305
31) कुल आरएसएफ (14+15+16+24+30)					39,15,796					39,44,089
32) निवल स्थिर निधीयन अनुपात (%)					117.35%					112.41%

भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र सं आरबीआई/2017-18/178, डीबीआर.बीपी.बीसी.सं.106/21.04.098/2017-18 दिनांक 17 मई, 2018 में दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार तिमाही अंत के अनुवीक्षण को उपरोक्त टेम्पलेट में प्रस्तुत किया गया है। पूंजी से संबंधित एसएफ मदों को मौजूदा नियामक दिशा-निर्देशों के साथ सरेखित करने के लिए पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के अंत में बैंक का एनएसएफआर 121.76% है और 01 अक्टूबर 2021 से प्रभावी आरबीआई दिशानिर्देशों में निर्धारित 100% की न्यूनतम नियामक आवश्यकता से अधिक है। 31 मार्च 2025 तक, उपलब्ध स्थिर निधि (एसएफ) की स्थिति ₹48,58,729 करोड़ और आवश्यक स्थिर निधि (आरएसएफ) ₹39,90,382 करोड़ रहा। कुल एसएफ के मूल्यों में 31 दिसंबर 2024 को वृद्धि हुई है, जबकि कुल आरएसएफ में 31 दिसंबर 2024 की स्थिति के अनुसार कमी आई है। एसएफ को पूंजी और देनदारियों के उस हिस्से के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो एनएसएफआर के लिए विचार किए गए समय क्षितिज पर विश्वसनीय होने की उम्मीद है। किसी विशिष्ट संस्था का आरएसएफ उस संस्था द्वारा धारित विभिन्न परिसंपत्तियों की तरलता विशेषताओं और अवशिष्ट परिपक्वताओं के साथ-साथ उसके ऑफ-बैलेंस शीट (ओबीएस) जोखिमों पर आधारित होता है।

बैंक में चलनिधि प्रबंधन बैंक की एलएम नीति और नियामक दिशानिर्देशों द्वारा संचालित होता है। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कोषागार परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति (एलको) को रिपोर्ट कर रहे हैं। एलको को बैंक के बोर्ड द्वारा वित्तपोषण रणनीतियों को तैयार करने के लिए सशक्त किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वित्त पोषण के स्रोत अच्छी तरह से विविध हैं और बैंक की परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। एलको के सभी प्रमुख निर्णयों की सूचना आवधिक रूप से बैंक बोर्ड को दी जाती है।

बैंक मुख्य रूप से अनिवार्य आवश्यकताओं के अतिरिक्त एसएलआर निवेश के रूप में एचव्यूएलए बनाए रखता रहा है। खुदरा जमा कुल वित्तपोषण स्रोतों का बड़ा हिस्सा है, जो अच्छी तरह से विविधीकृत हैं। प्रबंधन का मानना है कि बैंक के पास अपनी तत्काल/संभावित भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता है।

ii. समेकित निवल निधीयन अनुपात

आरबीआई के दिशानिर्देशों में दिसंबर 2021 तिमाही से समेकित स्तर पर एनएसएफआर के कार्यान्वयन को निर्धारित किया गया था और तदनुसार, समूह स्तर पर एनएसएफआर की गणना की गई है।

समूह एनएसएफआर में शामिल संस्थाएं एसबीआई और सात विदेशी बैंकिंग सहायक कंपनियां हैं। कमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी, मॉस्को, नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक (कैलिफोर्निया), एसबीआई कनाडा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (मॉरीशस) लिमिटेड, पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया और भारतीय स्टेट बैंक (यूके) लिमिटेड।

31 मार्च 2025 तक एसबीआई समूह का एनएसएफआर 122.02% हो जाएगा, जो 100% की न्यूनतम नियामक आवश्यकता से अधिक है।

उपलब्ध स्थिर निधि (एसएफ) को पूंजी और देनदारियों के उस हिस्से के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो एनएसएफआर द्वारा विचारित समय क्षितिज पर विश्वसनीय होने की उम्मीद है, जो एक वर्ष तक विस्तारित है। किसी विशिष्ट समूह का आवश्यक स्थिर निधि (RSF) उस समूह द्वारा धारित विभिन्न परिसंपत्तियों की तरलता विशेषताओं और अवशिष्ट परिपक्वताओं के साथ-साथ उसके ऑफ-बैलेंस शीट (ओबीएस) जोखिमों का एक कार्य है।

मात्रात्मक प्रकटीकरण

(₹ करोड़ में)

प्रकटीकरण टेम्पलेट	निवल स्थिर निधीयन अनुपात (भारतीय स्टेट बैंक- एकल)									
	31.03.2025 की स्थिति					31.12.2024 की स्थिति				
	शेष परिपक्वता अवधि के आधार पर अभांशित मूल्य					भारित शेष परिपक्वता अवधि के आधार पर अभांशित मूल्य				
एनएसएफआर घटक	परिपक्वता नहीं	< 6 माह	6 माह से < 1 वर्ष	≥ 1 वर्ष	भारित मूल्य	परिपक्वता नहीं	< 6 माह	6 माह से < 1 वर्ष	≥ 1 वर्ष	भारित मूल्य
एसएफ मद्										
1) पूंजी : (2+3)	4,50,153	4,000	2,500	91,397	5,48,051	4,44,518	-	6,500	91,908	5,42,926
2) विनियामक पूंजी	4,31,245	4,000	2,500	83,514	5,21,259	4,25,678	-	6,500	83,459	5,15,637
3) अन्य पूंजी लिखतें	18,908	-	-	7,883	26,791	18,840	-	-	8,449	27,289
4) खुदरा जमाएँ तथा लघु व्यवसाय ग्राहकों से जमाएँ : (5+6)	16,93,446	6,76,278	7,54,799	6,11,695	34,16,628	16,90,001	6,79,380	6,87,071	6,10,689	33,53,380
5) स्थिर जमाएँ	4,80,159	1,97,891	2,24,108	1,61,861	10,11,042	4,96,750	2,00,112	2,06,204	1,55,994	10,06,106
6) घटा स्थिर जमाएँ	12,13,287	4,78,387	5,30,691	4,49,834	24,05,586	11,93,251	4,79,269	4,80,867	4,54,695	23,47,274
7) शोक निधियाँ: (8+9)	3,85,571	4,65,065	3,74,938	3,73,720	9,56,720	2,98,052	3,58,908	3,39,525	3,92,365	8,58,965
8) परिचालन जमाएँ	38	-	-	-	19	33	-	-	-	16
9) अन्य शोक जमाएँ	3,85,533	4,65,065	3,74,938	3,73,720	9,56,701	2,98,019	3,58,908	3,39,525	3,92,365	8,58,949
10) अन्य देयताएँ: (11+12)	7,49,395	2,81,768	14,075	51,613	-	2,16,785	6,58,256	2,17,946	2,92,423	-
11) एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएँ	38	119	730	344	-	33	657	862	832	-
12) उपर्युक्त श्रेणियों में शामिल न की गई अन्य देयताएँ व इक्विटी	7,49,357	2,81,649	13,345	51,269	-	2,16,753	6,57,598	2,17,084	2,91,591	-
13) कुल एसएफ (1+4+7+10)	32,78,565	14,27,111	11,46,311	11,28,426	49,21,399	26,49,356	16,96,544	12,51,042	13,87,386	47,55,272
आरएसएफ मद्										
14) एनएसएफआर उच्च गुणवत्ता वाली कुल तरल आस्तियाँ (एचव्यूएलए)	14,597	3,676	1,071	3,882	84,856	14,286	2,748	1,036	3,773	84,166
15) परिचालन उद्देश्य से अन्य वित्तीय संस्थानों के पास रखी गई जमा राशियाँ	8,850	7,201	2,444	-	9,248	30,409	8,044	1,399	-	19,926
16) निष्पादक ऋण तथा प्रतिभूतियाँ: (17+18+19+21+23)	599	10,64,948	4,07,085	10,07,833	13,27,682	523	10,36,759	2,99,746	10,68,092	13,01,729
17) स्तर 1 एचव्यूएलए से प्रत्याभूत अन्य वित्तीय संस्थानों को निष्पादित ऋण	-	3,424	-	-	342	-	-	-	-	-
18) गैर-स्तर 1 एचव्यूएलए द्वारा प्रत्याभूत न किए गए अन्य वित्तीय संस्थानों को निष्पादित ऋण तथा वित्तीय संस्थानों को वित्तीय संस्थानों को अप्रत्याभूत निष्पादित ऋण	202	2,60,441	-	-	39,097	148	2,57,953	-	-	38,715
19) गैर-वित्तीय कॉर्पोरेट ग्राहकों को निष्पादित ऋण, खुदरा व लघु व्यवसाय ग्राहकों को ऋण तथा राष्ट्रीय, केंद्रीय बैंकों व पीएसई को ऋण, जिसमें से	396	8,01,082	4,07,085	3,73,676	8,47,185	375	7,78,806	2,99,746	4,21,125	8,13,211
20) ऋण जोखिम के लिए बेसल खरख मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	-	171	-	3,73,603	2,42,953	-	169	-	4,21,063	2,73,801
21) निष्पादक देशीय बंधक, जिसमें से :	-	-	-	5,12,229	3,37,418	-	-	-	5,22,333	3,43,864
22) ऋण जोखिम के लिए बेसल खरख मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	-	-	-	5,04,173	3,32,181	-	-	-	5,14,779	3,38,954
23) प्रतिभूतियाँ जिनमें चूक नहीं हुई है तथा एचव्यूएलए विशेषक नहीं है, एक्सचेंज व्यापारित इक्विटियों सहित	-	-	-	1,21,929	1,03,639	-	-	-	1,24,634	1,05,939
24) अन्य आस्तियाँ: (25 से 29 पंक्तियों का योग)	11,93,331	33,318	1,076	15,47,375	25,63,524	9,75,935	2,14,449	1,906	16,63,729	26,44,112
25) स्वर्ण सहित भौतिक रूप से व्यापारित पण्य	522	-	-	-	443	51	-	-	-	44
26) डेरिवेटिव्स सविदा के लिए आरंभिक मार्जिन के रूप में पोस्ट की गई आस्तियाँ तथा सीसीपी की चूक निधियाँ	-	-	-	-	1,366	-	-	-	-	1,153
27) एनएसएफआर डेरिवेटिव आस्तियाँ	-	792	-	1,343	1,437	-	91	-	3,113	1,696
28) पोस्ट किए गए परिवर्तन मार्जिन की कटौती से पहले एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएँ	-	112	85	272	469	-	162	72	349	583
29) उपर्युक्त श्रेणियों में शामिल न की गई अन्य सभी आस्तियाँ	11,92,809	32,413	991	15,45,761	25,59,809	9,75,883	2,14,197	1,834	16,60,267	26,40,638
30) तुलन पत्र बाह्य मद्	-	11,59,547	-	-	47,869	-	2,295	-	-	46,836
31) कुल आरएसएफ (14+15+16+24+30)	-	-	-	-	40,33,179	-	-	-	-	40,96,769
32) निवल स्थिर निधीयन अनुपात (%)					122.02%					116.07%

आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार परिपत्र संख्या आरबीआई/2017-18/178, डीबीआर.बीपी.बीसी.सं.106/21.04.098/2017-18 दिनांक 17 मई, 2018, में दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार तिमाही अंत के अनुवीक्षण को उपरोक्तानुसार प्रस्तुत किया गया है।

टिप्पणी उपर्युक्त आंकड़े विदेशी बैंकिंग अनुबंधियों प्रबंधन प्रमाणित आंकड़ों (जो समीक्षा/लेखापरीक्षा के अधीन नहीं हैं) और भारतीय स्टेट बैंक (सोलो) के प्रासंगिक रिकार्डों के आधार पर संकलित किए गए हैं।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

(₹ करोड़ में)

प्रकटीकरण टेम्पलेट	निवल स्थिर निधीयन अनुपात (भारतीय स्टेट बैंक- एकल)									
	30.09.2024 की स्थिति					30.06.2024 की स्थिति				
	शेष परिपक्वता अवधि के आधार पर अभांरित मूल्य					शेष परिपक्वता अवधि के आधार पर अभांरित मूल्य				
एनएसएफआर घटक	परिपक्वता नहीं	< 6 माह	6 माह से < 1 वर्ष	≥ 1 वर्ष	भांरित मूल्य	परिपक्वता नहीं	< 6 माह	6 माह से < 1 वर्ष	≥ 1 वर्ष	भांरित मूल्य
एसएसएफ मद										
1) पूंजी: (2+3)	4,28,728	3,814	4,000	94,536	5,31,078	4,05,905	6,918	-	89,505	5,02,329
2) विनियामक पूंजी	4,09,847	3,814	4,000	86,529	5,04,190	3,87,347	6,918	-	82,341	4,76,606
3) अन्य पूंजी लिखतें	18,881	-	-	8,007	26,888	18,558	-	-	7,164	25,722
4) खुदरा जमाएँ तथा लघु व्यवसाय ग्राहकों से जमाएँ: (5+6)	16,88,929	6,27,030	6,76,105	6,36,184	33,18,879	16,63,332	5,98,604	6,88,109	5,66,144	32,00,140
5) स्थिर जमाएँ	4,99,361	1,89,117	2,08,113	1,58,326	10,02,171	4,90,102	1,85,977	2,12,667	1,46,884	9,79,600
6) घटा स्थिर जमाएँ	11,89,568	4,37,912	4,67,992	4,77,858	23,16,708	11,73,230	4,12,627	4,75,442	4,19,260	22,20,540
7) थोक निधियाँ: (8+9)	2,93,292	3,29,396	3,61,523	3,55,997	8,04,237	2,70,763	3,01,635	3,25,387	3,49,718	7,84,922
8) परिचालन जमाएँ	31	-	-	-	15	25	-	-	-	12
9) अन्य थोक जमाएँ	2,93,261	3,29,396	3,61,523	3,55,997	8,04,222	2,70,738	3,01,635	3,25,387	3,49,718	7,84,910
10) अन्य देयताएँ: (11+12)	2,11,593	4,47,869	50,233	4,27,599	-	8,18,753	3,11,071	19,070	65,572	-
11) एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएँ	31	437	209	371	-	25	784	614	1,143	-
12) उपर्युक्त श्रेणियों में शामिल न की गई अन्य देयताएँ व इकिटी	2,11,562	4,47,432	50,024	4,27,227	-	8,18,728	3,10,287	18,456	64,429	-
13) कुल एसएसएफ (1+4+7+10)	26,22,542	14,08,109	10,91,861	15,14,317	46,54,194	31,58,752	12,18,228	10,32,566	10,70,940	44,87,391
आरएसएफ मद										
14) एनएसएफआर उच्च गुणवत्ता वाली कुल तरल आस्ति (एचक्यूएलए)	14,307	2,375	1,677	3,840	83,043	13,746	2,217	1,423	3,455	76,451
15) परिचालन उद्देश्य से अन्य वित्तीय संस्थानों के पास रखी गई जमा राशियाँ	11,975	55,148	968	-	34,046	15,029	50,591	918	495	33,516
16) निष्पादक ऋण तथा प्रतिभूतियाँ: (17+18+19+21+23)	500	8,89,477	2,72,882	8,78,632	11,24,942	1,242	7,75,470	2,69,650	8,82,737	10,65,296
17) स्तर 1 एचक्यूएलए से प्रत्याभूत अन्य वित्तीय संस्थानों को निष्पादित ऋण	-	830	-	-	83	-	3,912	-	-	391
18) गैर-स्तर 1 एचक्यूएलए द्वारा प्रत्याभूत न किए गए अन्य वित्तीय संस्थानों को निष्पादित ऋण तथा वित्तीय संस्थानों को वित्तीय संस्थानों को अप्रत्याभूत निष्पादित ऋण	179	1,56,465	-	-	23,497	-	1,55,344	-	-	23,302
19) गैर-वित्तीय कॉर्पोरेट ग्राहकों को निष्पादित ऋण, खुदरा व लघु व्यवसाय ग्राहकों को ऋण तथा राष्ट्रीय, केंद्रीय बैंकों व पीएसई को ऋण, जिसमें से	321	7,32,183	2,72,882	3,66,195	7,40,734	892	6,16,213	2,69,650	3,82,913	6,92,288
20) ऋण जोखिम के लिए बेसल खस मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	-	171	-	3,66,121	2,38,089	-	170	-	3,82,853	2,48,965
21) निष्पादक देशीय बंधक, जिसमें से:	-	-	-	3,95,811	2,61,497	-	-	-	3,99,166	2,63,459
22) ऋण जोखिम के लिए बेसल खस मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	-	-	-	3,87,999	2,56,419	-	-	-	3,91,927	2,58,753
23) प्रतिभूतियाँ जिनमें चूक नहीं हुई है तथा एचक्यूएलए विशेषक नहीं हैं, एक्सचेंज व्यापारित ईकिटियों सहित	-	-	-	1,16,626	99,132	350	-	-	1,00,658	85,857
24) अन्य आस्ति: (25 से 29 पंक्तियों का योग)	10,27,726	1,39,267	7,791	16,65,503	26,71,745	14,52,412	59,198	3,672	14,21,920	27,65,194
25) स्वर्ण सहित भौतिक रूप से व्यापारित पण्य	93	-	-	-	79	39	-	-	-	34
26) डेरिवेटिव्स संविदा के लिए आरंभिक मार्जिन के रूप में पोस्ट की गई आस्ति तथा सीसीपी की चूक निधियाँ	-	-	-	-	1,092	-	-	-	-	1,092
27) एनएसएफआर डेरिवेटिव आस्ति	-	67	-	2,153	1,579	-	11	-	3,073	1,935
28) पोस्ट किए गए परिवर्तन मार्जिन की कटौती से पहले एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएँ	-	67	54	225	345	-	97	61	345	503
29) उपर्युक्त श्रेणियों में शामिल न की गई अन्य सभी आस्ति	10,27,633	1,39,133	7,737	16,63,125	26,68,649	14,52,372	59,090	3,611	14,18,502	27,61,631
30) तुलन पत्र बाह्य मदें	-	10,61,771	-	-	43,563	-	10,38,006	-	-	42,588
31) कुल आरएसएफ (14+15+16+24+30)	-	-	-	-	39,57,339	-	-	-	-	39,83,045
32) निवल स्थिर निधीयन अनुपात (%)	117.61%					112.66%				

भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र सं आरबीआई/2017-18/178, डीबीआर.बीपी.बीसी.सं.106/21.04.098/2017-18 दिनांक 17 मई, 2018 में दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार तिमाही अंत के अनुवीक्षण को उपरोक्त टेम्पलेट में प्रस्तुत किया गया है। पूंजी से संबंधित एसएसएफ मदों को मौजूदा नियामक दिशा-निर्देशों के साथ सरेखित करने के लिए पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

18.3. निवेश

क. दिनांक 31 मार्च 2025 तक की स्थिति के अनुसार निवेश पोर्टफोलियो की संरचना

(₹ करोड़ में)												
भारत में निवेश												
विवरण		सरकारी प्रतिभूतियाँ	अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	शेयर	डिबेंचर व बॉण्ड	अनुबंधित और/या संयुक्त उद्यम	अन्य	भारत में कुल निवेश	सरकारी प्रतिभूतियाँ (स्थानीय प्राधिकरणों सहित)	अनुबंधित और/या संयुक्त उद्यम	अन्य	भारत के बाहर कुल निवेश
विव 2024-25												
परिपक्वता तक धारित												
सकल		11,51,035.10	-	-	53,025.93	NA	9,571.88	12,13,632.91	3,898.17	NA	1,261.80	5,159.97
घटाएँ: अलाभकारी निवेशों (एनपीआई) के लिए प्रावधान												
		-	-	-	-	NA	-	-	-	NA	-	-
निवल		11,51,035.10	-	-	53,025.93	NA	9,571.88	12,13,632.91	3,898.17	NA	1,261.80	5,159.97
बिक्री के लिए उपलब्ध												
सकल		1,13,856.67	-	7,548.47	1,04,455.53	NA	-	2,25,861.49	30,440.78	NA	32,878.99	63,319.77
घटाएँ: मूल्यहास तथा एनपीआई हेतु प्रावधान												
		-	-	64.86	-	NA	-	64.86	-	NA	-	-
निवल		1,13,856.67	-	7,483.61	1,04,455.53	NA	-	2,25,796.63	30,440.78	NA	32,878.99	63,319.77
पी एंड एल के माध्यम से उचित मूल्य												
(ए) एक्जफ्टी												
सकल		61,784.92	-	14,161.29	20,678.82	NA	52,957.39	1,49,582.42	-	NA	-	-
घटाएँ: मूल्यहास तथा एनपीआई हेतु प्रावधान												
		-	-	15.58	-	NA	-	15.58	-	NA	-	-
निवल		61,784.92	-	14,145.71	20,678.82	NA	52,957.39	1,49,566.84	-	NA	-	-
पी एंड एल के माध्यम से उचित मूल्य												
(बी) एक्जफ्टी												
सकल		-	-	2,391.68	3,317.48	NA	8,571.91	14,281.07	-	NA	22.98	22.98
घटाएँ: मूल्यहास तथा एनपीआई हेतु प्रावधान												
		-	-	719.42	1,403.10	NA	1,128.75	3,251.27	-	NA	-	-
निवल		-	-	1,672.26	1,914.38	NA	7,443.16	11,029.80	-	NA	22.98	22.98
अनुबंधित, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में निवेश												
सकल		-	-	-	-	16,414.98	-	16,414.98	-	5,680.22	-	5,680.22
घटाएँ: मूल्यहास तथा एनपीआई हेतु प्रावधान												
		-	-	-	-	51.35	-	51.35	-	-	-	-
निवल		-	-	-	-	16,363.63	-	16,363.63	-	5,680.22	-	5,680.22
कुल निवेश												
सकल		13,26,676.69	-	24,101.44	1,81,477.75	16,414.98	71,101.19	16,19,772.87	34,338.95	5,680.22	34,163.77	74,182.94
घटाएँ: अलाभकारी निवेशों (एनपीआई) के लिए प्रावधान												
		-	-	377.21	984.74	-	-	1,361.95	-	-	-	-
घटाएँ: मूल्यहास के लिए प्रावधान												
		-	-	251	283.78	51.35	1,128.75	1,467.21	-	-	-	-
घटाएँ: एलआईसीआर*												
		-	-	419.32	134.58	-	-	553.89	-	-	-	-
निवल		13,26,676.69	-	23,302.40	1,80,074.65	16,363.63	69,972.44	16,16,389.81	34,338.95	5,680.22	34,163.77	74,182.94
16,90,572.75												

(*एलआईसीआर - पुनर्गठित खातों पर ब्याज पूंजीकरण पर देयता)

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

निवेश संविभाग की संरचना 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार:

विवरण विव 2023-24	भारत में निवेश					भारत के बाहर निवेश		भारत के बाहर कुल निवेश	संपूर्ण बैंक कुल निवेश
	सरकारी प्रतिभूतियाँ	अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	शेयर	डिबेंचर व बाण्ड	अनुपंगियाँ और/या अन्य संयुक्त उद्यम	अन्य	अनुपंगियाँ तथा/या संयुक्त उद्यम		
परिपक्वता तक धारित									
सकल	10,65,696.16	-	800	16,620.41	7,792.63	1,580.00	5,680.22	133.90	10,98,289.39
घटाएँ: अलाभकारी निवेशों (एनपीआई) के लिए प्रावधान	-	-	800	-	42.87	112.05	-	6.66	169.58
निवल	10,65,696.16	-	-	16,620.41	7,749.76	1,467.95	5,680.22	127.24	10,98,119.81
बिक्री के लिए उपलब्ध									
सकल	2,94,170.75	-	7,994.55	1,62,615.06	7,810.00	43,921.54	-	29,543.88	5,77,282.09
घटाएँ: मूल्यह्रास तथा एनपीआई हेतु प्रावधान	8.42	-	7,952.8	2,349.66	-	6,452.17	-	775.11	10,705.20
निवल	2,94,162.33	-	7,199.27	1,60,265.40	7,810.00	37,469.37	-	28,768.77	5,66,576.89
ट्रेडिंग के लिए धारित									
सकल	5,881.70	-	-	761.26	-	-	-	-	6,642.96
घटाएँ: मूल्यह्रास तथा एनपीआई हेतु प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	-	-
निवल	5,881.70	-	-	761.26	-	-	-	-	6,642.96
कुल निवेश									
सकल	13,65,748.61	-	8,002.55	1,79,996.73	15,602.63	45,501.54	5,680.22	29,677.78	16,82,214.44
घटाएँ: अलाभकारी निवेशों (एनपीआई)* के लिए प्रावधान	-	-	692.30	1,128.52	-	-	-	-	1,820.82
घटाएँ: मूल्यह्रास तथा एनपीआई के लिए प्रावधान	8.42	-	110.98	1,221.14	42.87	6,564.22	-	781.77	9,053.96
निवल	13,65,740.19	-	7,199.27	1,77,647.07	15,559.76	38,937.32	5,680.22	28,896.01	16,71,339.66

* इसमें एलआईसीआरए शामिल है

गुणात्मक प्रकटीकरण:

- वाणिज्यिक बैंकों के निवेश पोर्टफोलियो के वर्गीकरण, मूल्यांकन और संचालन (निर्देश), 2023 पर भारतीय रिजर्व बैंक के दिनांक 12 सितंबर 2023 के मास्टर निर्देश DOR.MRG.36/21.04.141/2023-24 के तहत निवेश ढांचे को संशोधित किया गया है। 1 अप्रैल 2024 को, बैंक ने इन निर्देशों के अध्याय खखख में निर्धारित निर्देशों के अनुसार निवेश पोर्टफोलियो को पुनर्वर्गीकृत किया है और संशोधित ढांचे को अपनाया है। परिवर्तन पर संशोधित ढांचे के संदर्भ में किए गए समायोजन निम्नानुसार हैं:
 - पोर्टफोलियो के पुनर्वर्गीकरण पर निवल हानि 1,331.38 करोड़ (कर का निवल) सामान्य रिजर्व में नामे की गई है।
 - पोर्टफोलियो के पुनर्वर्गीकरण पर निवल लाभ 3,869.44 करोड़ (कर का निवल) एफएस रिजर्व में जमा की गई है।
- प्रतिभूति निपटान के लिए भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड (सीसीआईएल/एनएससीसीएल/एमसीएक्स/एनएसईआईएल/बीएसई) के पास 1,48,965.70 करोड़ (पिछले वर्ष 1,97,965.23 करोड़ रुपये) के अंकित मूल्य की प्रतिभूतियाँ मार्जिन के रूप में रखी गई हैं।
- 9 अगस्त 2024 को बैंक ने क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (CCIL), जो उस समय सहयोगी कंपनी थी, में अपनी हिस्सेदारी का 2% विनिवेश किया। हिस्सेदारी की बिक्री पर प्राप्त 111.80 करोड़ लाभ को लाभ और हानि खाते में लिया गया है। इस विनिवेश के बाद, सीसीआईएल अब एक सहयोगी नहीं है, और उसमें निवेश को एफवीटीपीएल - गैर-एचएफटी के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

आ. निवेश पर मूल्यहास और निवेश उतार-चढ़ाव रिज़र्व के लिए घटता-बढ़ता प्रावधान:**1. निवेश पर मूल्यहास की दिशा में प्रावधानों में बदलाव:**

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
वर्ष की शुरुआत में शेष	10,320.49	16,238.34
घटाएं: संशोधित निवेश ढांचे में परिवर्तन के कारण समायोजन	2,490.61	-
जोड़ें: वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	-	331.32
घटाएं: वर्ष के दौरान उपयोग किया गया प्रावधान	-	-
घटाएं: विदेशी मुद्रा पुनर्मूल्यांकन समायोजन	-	8.64
घटाएं: वर्ष के दौरान अतिरिक्त प्रावधान को बट्टे खाते में डालना/वापस करना	5000.72	6,240.53
वर्ष के अंत में शेष	2,829.16	10,320.49

(एलआईसीआरए को छोड़कर)

ii घटते बढ़ते निवेश आरक्षित निधि (इन्वेस्टमेंट प्लक्चुएशन रिज़र्व) में उतार-चढ़ाव:

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
प्रारंभिक शेष	11,522.30	12,271.38
जोड़ें: वर्ष के दौरान अंतरित राशि	-	-
घटाएं : आहरण	-	749.08
अंतिम शेष	11,522.30	11,522.30
AFS FVTPL-HFT/(वित्त वर्ष 23-24 में HFT) श्रेणी में निवेश का समापन शेष	4,38,763.68	5,76,115.05
एफएस और एचएफटी श्रेणी में निवेश के समापन शेष के प्रतिशत के रूप में आईएफआर में अंतिम शेष	2.63%	2.00%

ग. एचटीएम श्रेणी को/से प्रतिभूतियों की बिक्री और अंतरण:

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, एचटीएम श्रेणी में/से कोई अंतरण नहीं किया गया है।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

घ. गैर-सांविधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) निवेश पोर्टफोलियो:

i. गैर-निष्पादित गैर-एसएलआर निवेश:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
प्रारंभिक शेष	1,824.99	3,215.69
वर्ष के दौरान वृद्धि	48.10	5.50
वर्ष के दौरान कमी	189.49	1,396.20
अंतिम शेष	1,683.60	1,824.99
उपरोक्त पर आयोजित कुल प्रावधान	1,681.55	1,820.82

ii. गैर एसएलआर निवेशों की निर्गमकर्ता संरचना:

बैंक के गैर-एसएलआर निवेशों की निर्गमकर्ता संरचना निम्नानुसार है:

क्र. सं.	निर्गमकर्ता	राशि		निजी प्लेसमेंट की सीमा		निवेश ग्रेड से नीचे प्रतिभूतियों की सीमा*		रेटिंग रहित प्रतिभूतियों की सीमा*		असूचीबद्ध प्रतिभूतियों की सीमा*	
		चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i	सार्वजनिक उपक्रम	45,172.79	38,276.77	31,726.21	28,154.55	-	-	-	-	-	-
ii	वित्तीय संस्थाएं	1,28,576.00	1,12,966.27	84,869.32	71,839.06	-	100.00	-	-	198.00	-
iii	बैंक	22,179.54	27,558.41	4,669.01	15,853.58	-	23.62	-	23.62	-	23.62
iv	निजी कॉर्पोरेट	1,04,079.63	74,073.77	22,008.38	25,583.41	287.36	1,991.30	22.98	1,966.70	-	375.00
v	अनुषंगियां/संयुक्त उद्यम**	22,095.20	21,282.84	-	-	-	-	-	-	-	-
vi	अन्य	45,175.95	42,307.77	5,546.28	3,723.36	1,946.63	2,605.13	-	133.67	-	-
vii	मूल्यहास के लिए किया गया प्रावधान एलआईसीआरए सहित	3,383.05	10,866.36	-	24.58	-	22.09	-	220.29	-	-
कुल		3,63,896.06	3,05,599.47	1,48,819.20	1,45,129.38	2,233.99	4,697.96	22.98	1,903.70	198.00	398.62

* इक्विटी, इक्विटी उन्मुख म्यूचुअल फंड, वेंचर कैपिटल, रेटेड आस्तियों से समर्थित प्रतिभूतियां, केन्द्र और राज्य सरकार की प्रतिभूतियां तथा एआरसीआईएल में निवेशों को इन श्रेणियों के अंतर्गत अलग नहीं किया जाता है क्योंकि इन्हें रेटिंग/सूचीकरण दिशानिर्देशों से छूट प्राप्त है।

** अनुषंगियों/संयुक्त उद्यमों में निवेशों को विभिन्न श्रेणियों में अलग नहीं किया गया है क्योंकि ये भारतीय रिजर्व बैंक के संगत दिशानिर्देशों के अंतर्गत शामिल नहीं हैं।

ड. चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) सहित रेपो लेनदेन:

वर्ष के दौरान एलएएफ सहित रेपो और रिवर्स रेपो के अधीन विक्रय एवं क्रय की गई प्रतिभूतियों का विवरण निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया		वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया		वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया		31 मार्च 2025 तक बकाया	
	अंकित मूल्य	बाजार मूल्य	अंकित मूल्य	बाजार मूल्य	अंकित मूल्य	बाजार मूल्य**	अंकित मूल्य	बाजार मूल्य
1) रेपो के अधीन बिक्री की गई प्रतिभूतियां								
i. सरकारी प्रतिभूतियां	3,055.83	3,055.90	2,35,710.38	2,39,568.23	1,04,992.55	20,506.05	19,298.00	19,683.96
ii. कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	11,763.23	10,863.60	19,555.46	17,674.66	15,574.04	15,471.76	17,262.48	15,644.07
iii. कोई अन्य प्रतिभूति	-	-	334.78	332.74	1.76	1.74	-	-
2) रिवर्स रेपो के अधीन खरीदी गई प्रतिभूतियां								
i. सरकारी प्रतिभूतियां	-	-	26,013.06	24,558.09	1,723.55	3,441.04	3,420.87	3,456.19
ii. कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	-	-	93.16	93.39	3.52	3.52	-	-
iii. कोई अन्य प्रतिभूति	-	-	-	-	-	-	-	-

** सरकारी प्रतिभूतियों के औसत की गणना 31.03.2025 तक रेपो के तहत बेची गई/रिवर्स रेपो के तहत खरीदी गई बकाया प्रतिभूतियों के औसत बाजार मूल्य को लेकर की गई है।

उ. सरकारी प्रतिभूति ऋण (जीएसएल) लेनदेन (बाजार मूल्य के संदर्भ में)

सरकारी प्रतिभूति ऋण-2023 पर आरबीआई के दिनांक 27 दिसंबर 2023 के परिपत्र क्र. FMRD.DIRD. क्र. 05/14.03.061/2023-2024 द्वारा जारी निर्देशों के संदर्भ में प्रकटीकरण।

(₹ करोड़ में)

विवरण	वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया		वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया		वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया		वर्ष के दौरान लेनदेनों की कुल मात्रा		बकाया	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	31 मार्च 2025 को	31 मार्च 2024 को
जीएसएल लेनदेनों के माध्यम से उधार दी गई प्रतिभूतियां	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं
जीएसएल लेनदेनों के माध्यम से उधार ली गई प्रतिभूतियां	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं
जीएसएल लेनदेनों के अधीन संपार्श्विक के रूप में रखी गई प्रतिभूतियां	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं
जीएसएल लेनदेनों के अधीन संपार्श्विक के रूप में ली गई प्रतिभूतियां	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

18.4. आस्ति गुणवत्ता

क. 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए धारित अग्रिमों और प्रावधानों का वर्गीकरण:

विवरण	मानक अग्रिम	अवमानक अग्रिम	संदिग्ध अग्रिम	हानिग्रस्त अग्रिम	कुल गैर-निष्पादित अग्रिम	कुल
(₹ करोड़ में)						
सकल मानक अग्रिम और एनपीए						
क. आरंभिक शेष	36,83,258.18	14,996.69	41,552.12	27,727.52	84,276.33	37,67,534.51
ख. जोड़ें: वर्ष के दौरान वृद्धि					20,817.57	4,81,381.93
ग. घटाएं: वर्ष के दौरान कमी *					28,213.70	28,213.70
अंतिम शेष (क+ख-ग)	41,43,822.54	15,829.89	36,672.73	24,377.58	76,880.20	42,20,702.74
* सकल एनपीए में कमी के कारण:						
i) उन्नयन (अपग्रेडेशन)					2,963.26	2,963.26
ii) वसूली (उन्नत खातों से वसूलियों को छोड़कर)					4,941.73	4,941.73
iii) तकनीकी/विवेकपूर्ण बट्टे खाते					-	-
iv) उपर्युक्त (लाल) के अंतर्गत बट्टेखाते के अतिरिक्त अन्य					20,308.71	20,308.71
प्रावधान (अस्थिर प्रावधानों को छोड़कर)						
धारित प्रावधानों का प्रारंभिक शेष	24,112.57	2,926.47	32,379.65	27,727.52	63,033.64	87,146.21
जोड़ें: वर्ष के दौरान किए गए नए प्रावधान					14,446.47	14,446.47
घटाएं: अतिरिक्त प्रावधानों का प्रत्यावर्तन/राइट-ऑफ ऋण					20,458.44	20,147.36
धारित प्रावधानों का अंतिम शेष	24,423.64[§]	3,004.42	29,639.67	24,377.58	57,021.67	81,445.31
निवल एनपीए						
प्रारंभिक शेष		12,070.23	8,980.85	-	21,051.08	
जोड़ें: वर्ष के दौरान नवीन बढ़ोतरी					6,371.10	
घटाएं: वर्ष के दौरान कमी					7,755.26	
अंतिम शेष		12,825.48	6,841.44	-	19,666.92^{§§}	

[§] विनियामक आवश्यकता के अतिरिक्त और उससे अधिक पुनर्गठित मानक आस्तियों पर 4,562.00 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान शामिल नहीं है।

^{§§} निवल एनपीए की गणना के लिए 191.61 करोड़ रुपये अस्थिर प्रावधानों को घटाया गया है।

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए अग्रिमों का वर्गीकरण एवं धारित प्रावधान

(₹ करोड़ में)

विवरण	मानक अग्रिम	अवमानक अग्रिम	संदिग्ध अग्रिम	हानि अग्रिम	कुल गैर-निष्पादित अग्रिम	कुल
सकल मानक अग्रिम और एनपीए						
क. आरंभिक शेष	31,78,314.03	12,665.08	51,204.29	27,058.41	90,927.78	32,69,241.81
ख. जोड़ें: वर्ष के दौरान वृद्धि					20,316.90	5,25,261.06
ग. घटाएं: वर्ष के दौरान कमी *					26,968.35	26,968.35
अंतिम शेष (क+ख-ग)	36,83,258.18	14,996.69	41,552.12	27,727.52	84,276.33	37,67,534.51
* सकल एनपीए में कमी के कारण:						
i) उन्नयन (अपग्रेडेशन)					3,236.50	3,236.50
ii) वसूली (उन्नत खातों से वसूलियों को छोड़कर)					7,570.48	7,570.48
iii) तकनीकी/विवेकपूर्ण बट्टे खाते					-	-
iv) उपर्युक्त (iii) के अंतर्गत बट्टे खाते के अतिरिक्त अन्य					16,161.37	16,161.37
प्रावधान (अस्थिर प्रावधानों को छोड़कर)						
धारित प्रावधानों का प्रारंभिक शेष	25,673.65	2,551.32	39,659.80	27,058.41	69,269.53	94,943.18
जोड़ें: वर्ष के दौरान किए गए नए प्रावधान					9,469.33	9,469.33
घटाएं: अतिरिक्त प्रावधानों का प्रत्यावर्तन/राइट-ऑफ ऋण					15,705.22	17,266.32
धारित प्रावधानों का अंतिम शेष	24,112.57[§]	2,926.45	32,379.65	27,727.52	63,033.64	87,146.19
निवल एनपीए						
प्रारंभिक शेष		10,113.76	11,352.88	-	21,466.64	
जोड़ें: वर्ष के दौरान नवीन बढ़ोतरी					10,847.57	
घटाएं: वर्ष के दौरान कमी					11,263.13	
अंतिम शेष		12,070.23	8,980.85	-	21,051.08^{§§}	

[§] विनियामक आवश्यकता के अतिरिक्त पुनर्संचित मानक आस्तियों पर 6,385.00 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान शामिल है।

^{§§} निवल एनपीए की गणना के लिए 191.61 करोड़ रुपए अस्थिर प्रावधानों को घटाया गया है।

अस्थिर (फ्लोटिंग) प्रावधान:

(₹ करोड़ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
प्रारंभिक शेष	193.75	193.75
जोड़ें: वर्ष के दौरान किए गए अतिरिक्त प्रावधान	-	-
घटाएं: वर्ष के दौरान आहरित राशि	-	-
अस्थिर प्रावधानों का अंतिम शेष	193.75	193.75

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

तकनीकी बट्टे खाते में डाली गई राशि और उस पर की गई वसूलियां:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
तकनीकी/विवेकपूर्ण बट्टे खाते में डाले गए खातों का प्रारंभिक शेष	--	--
जोड़ें: वर्ष के दौरान तकनीकी/विवेकपूर्ण बट्टे खाते में डाली गई राशि	--	--
घटाएं: वर्ष के दौरान पूर्व के तकनीकी/विवेकपूर्ण बट्टे खाते से की गई वसूलियां	--	--
अंतिम शेष	--	--

आस्ति गुणवत्ता अनुपात:

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सकल अग्रिम की तुलना में सकल एनपीए	1.82%	2.24%
निवल अग्रिम की तुलना में निवल एनपीए	0.47%	0.57%
औका को छोड़कर प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर)	74.42%	75.02%
औका सहित प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर)	92.08%	91.89%

औका का तात्पर्य पूरी तरह से प्रावधान किए गए खातों से है, जिसमें बैलेंस शीट की सफाई के स्पष्ट उद्देश्य से 1,71,433.33 करोड़ की राशि को एडवांस अंडर कलेक्शन अकाउंट नामक एक अलग शीर्ष में अंतरित किया गया है। इनमें से 17,404.32 करोड़ रुपये का एयूसीए 10 वर्ष से अधिक पुराना है; 94,898.77 करोड़ 5 वर्ष से अधिक लेकिन 10 वर्ष से कम पुराना है और 59,130.24 करोड़ की राशि औका 5 वर्ष से कम पुराना है।

ख. क्षेत्रवार अग्रिम और सकल एनपीए

क्षेत्र	चालू वर्ष			पिछला वर्ष		
	बकाया कुल अग्रिम	कुल एनपीए	उस क्षेत्र में कुल अग्रिमों के लिए सकल एनपीए का%	बकाया कुल अग्रिम	सकल एनपीए	उस क्षेत्र में कुल अग्रिमों के लिए सकल एनपीए का%
क प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र						
1 कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ	3,47,983.48	29,259.87	8.41	3,02,705.43	29,169.55	9.64
2 उद्योग क्षेत्र प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के रूप में पात्र	1,44,738.35	6,350.31	4.39	1,26,230.54	5,725.61	4.54
3 सेवाएँ	2,33,888.72	7,789.36	3.33	1,96,081.81	5,829.68	2.97
4 व्यक्तिगत ऋण	2,07,730.35	2,164.74	1.04	2,09,771.10	2,270.63	1.08
उप-योग (A)	9,34,340.90	45,564.28	4.88	8,34,788.88	42,995.47	5.15
ख गैर-प्राथमिकता क्षेत्र						
1 कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ	2,792.46	129.02	4.62	2,472.13	151.19	6.12
2 उद्योग	8,95,714.81	16,363.29	1.83	8,43,110.36	23,652.73	2.81
3 सेवाएँ	10,87,669.43	5,834.29	0.54	9,42,305.34	10,193.16	1.08
4 व्यक्तिगत ऋण	13,00,185.14	8,989.32	0.69	11,44,857.80	7,283.78	0.64
उप-योग (B)	32,86,361.84	31,315.92	0.95	29,32,745.63	41,280.86	1.41
कुल (A+B)	42,20,702.74	76,880.20	1.82	37,67,534.51	84,276.33	2.24

ग. विदेशी आस्तियां, एनपीए और राजस्व:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
कुल आस्तियां	7,85,727.87	6,65,740.67
कुल एनपीए (सकल)	1,373.26	1,498.04
कुल राजस्व	42,859.06	39,709.56

घ. समाधान योजना और पुनर्संरचना:**i. आरबीआई परिपत्र डीबीआर सं.बीपी.बीसी.45/21.04.048/2018-19 दिनांक 7 जून 2019 के अनुसार अग्रिमों की पुनर्संरचना:**

समाधान योजना और पुनर्संरचना के अधीन आस्ति वर्गीकरण	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	उधारकर्ताओं की संख्या	बकाया राशि (₹ करोड़ में)	उधारकर्ताओं की संख्या	बकाया राशि (₹ करोड़ में)
मानक	4	1	1	23
अवमानक	1	1	1	12
संदिग्ध	1	12	1	271
कुल	6	14	3	306

ii. पुनर्संरचना प्रक्रिया के दौरान ऋण को इक्विटी में परिवर्तन के कारण शेयरों का अधिग्रहण: पुनर्संरचना प्रक्रिया के दौरान ऋण को इक्विटी में परिवर्तन के माध्यम से इक्विटी शेयरों के अधिग्रहण से पूंजी बाजार एक्सपोजर, पैरा बैंकिंग कार्यकलापों में निवेश और अंतर-समूह एक्सपोजर के संबंध में निर्धारित विनियामक सीमा/ प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं हुआ है।**iii. एमएसएमई पुनर्संरचना:**

भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र सं. डीबीआर. सं. बीपी.बीसी. 18/21.04.048/2018-19 दिनांक 1 जनवरी 2019 के अनुसार पुनर्संरचित एमएसएमई खातों का विवरण नीचे दिया गया है:

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
पुनर्संरचित खातों की संख्या	26,994	50,248
सकल बकाया (₹ करोड़ में)	4,080.28	5,840.92

ड. आस्ति वर्गीकरण में विचलन एवं प्रावधान:

भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र सं. DOR.ACC.REC.No.74/21.04.018/2022-23 दिनांक 11 अक्टूबर 2022 में उल्लिखित शर्तों के आधार पर 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आरबीआई की पर्यवेक्षी प्रक्रिया के संबंध में आस्ति वर्गीकरण में विचलन एनपीए के लिए प्रावधान के संबंध में प्रकटीकरण अपेक्षित नहीं है।

च. भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र सं. DOR.STR.REC.51/21.04.048/2021-22 दिनांक 24 सितंबर 2021 के अनुसार ऋण खातों (एसएमए और एनपीए) के अंतरण का प्रकटीकरण:

द्वितीयक बाजार में ऋणों का अंतरण विदेशी क्षेत्राधिकार में एक नियमित परिघटना है। इसके अतिरिक्त, ऋणों में एक मजबूत द्वितीयक बाजार को बढ़ावा देने के लिए ऋण जोखिम के अंतरण को नियंत्रित करने वाले व्यापक आरबीआई दिशानिर्देशों के आशय पर विचार करते हुए, यहां दिए गए प्रकटीकरण में केवल घरेलू द्वितीयक बाजार लेनदेन शामिल हैं।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

ऋणों की बिक्री:

i. अंतरित एनपीए का ब्यौरा नीचे तालिका में दिया गया है:

विवरण	चालू वर्ष			पिछला वर्ष		
	एआरसी को	अनुमत अंतरितियों को	अन्य अंतरितियों को	एआरसी को	अनुमत अंतरितियों को	अन्य अंतरितियों को
खातों की संख्या	20	22	-	24	12	-
अंतरित ऋण की सकल बकाया मूलधन (₹ करोड़ में)	7,016.81	122.28	-	7,541.73	181.42	-
अंतरित ऋणों की भारित औसत अवशिष्ट अवधि (वर्ष)	-	-	-	0.82	-	-
अंतरित ऋणों का निवल बही मूल्य (अंतरण के समय) (₹ करोड़ में)	-	-	-	34.94	-	-
कुल प्रतिफल (₹ करोड़ में)	3,969.21	45.13	-	2,127.88	41.64	-
पिछले वर्षों में अंतरित खातों के संबंध में वसूल किया गया अतिरिक्त प्रतिफल (₹ करोड़ में)	80.97	-	-	383.29	-	-

- ii) ₹523.37 करोड़ (पिछले वर्ष ₹1122.18 करोड़) की राशि का अतिरिक्त प्रावधान जो प्रतिभूतिकरण कंपनी (एससी)/पुनर्निर्माण कंपनी (आरसी) को एनपीए की बिक्री से प्राप्त हुआ, लाभ और हानि खाते में जमा किया गया है। 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान, प्रतिभूति प्राप्ति (एसआर) में ₹3,175.28 करोड़ (₹674.18 करोड़) का निवेश किया गया था।
- iii) 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार सरकार द्वारा गारंटीकृत प्रतिभूति प्राप्ति को छोड़कर अन्य प्रतिभूति प्राप्ति के लिए प्रावधान किया गया है। अतः क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा प्रतिभूति प्राप्ति को दी गई रेटिंग की विभिन्न श्रेणियों के लिए इसका बही मूल्य शून्य है।
- iv) बैंक ने कोई विशेष उल्लेख खाता और चूक रहित ऋण का अंतरण नहीं किया है।

ऋण खरीद:

- v) बैंक ने किसी दबावग्रस्त ऋण का अधिग्रहण नहीं किया है।
- vi) बैंक ने एनबीएफसी/एचएफसी/एमएफआई से ऋण एक्सपोजर के अंतरण के अंतर्गत प्रत्यक्ष समनुदेशन मार्ग से चूक रहित ऋणों की मानक आस्तियों की खरीद की है। बैंक ने प्रतिभूत गृह ऋण और प्रतिभूत और अप्रतिभूत एसएमई और एबीयू ऋणों की खरीद की है।

समानुद्देशन के माध्यम से अधिग्रहीत बिना चूक ऋणों का विवरण निम्नानुसार है:

विवरण	चालू वर्ष				पिछला वर्ष			
	एससीबी, आरआरबी, यूसीबी, एसआईसीबी, डीसीसीबी, एआईएफआई, एसएफबी और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों (एचएफसी) सहित एनबीएफसी से		एआरसी से		एससीबी, आरआरबी, यूसीबी, एसआईसीबी, डीसीसीबी, एआईएफआई, एसएफबी और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों (एचएफसी) सहित एनबीएफसी से		एआरसी से	
	प्रतिभूत ऋण	अप्रतिभूत ऋण	प्रतिभूत ऋण	अप्रतिभूत ऋण	प्रतिभूत ऋण	अप्रतिभूत ऋण	प्रतिभूत ऋण	अप्रतिभूत ऋण
अधिग्रहण किए गए ऋण के सकल मूलधन का बकाया (₹ करोड़ में)	10,100.65	12,750.56	-	-	7,599.31	13,317.08	-	-
भुगतान किया गया कुल प्रतिफल (₹ करोड़ में)	9,072.53	11,426.55	-	-	6,797.64	11,870.64	-	-
अर्जित ऋणों की भारित औसत परिपक्वता अवधि (वर्ष)	1.24	0.70	-	-	1.16	0.56	-	-
प्रवर्तक द्वारा भारित औसत होल्डिंग अवधि (वर्ष)	10.17%	10.38%	-	-	10.55%	10.86%	-	-
प्रवर्तक द्वारा लाभकारी आर्थिक हित का प्रतिधारण	295.52%	लागू नहीं	-	-	328.30%	लागू नहीं	-	-
मूर्त प्रतिभूत कवरेज								

vii) अधिग्रहीत ऋणों की रेटिंग नहीं की जाती है क्योंकि ये कॉर्पोरेट उधारकर्ता नहीं हैं।

viii) प्रत्यक्ष समानुद्देशन के अंतर्गत पूल का रेटिंग अनिवार्य नहीं है तदनुसार, उद्योग प्रथाओं और बैंक की समानुद्देशन नीति के अनुसार हानि अनुमान बाहरी एजेंसियों से प्राप्त किए गए हैं।

ख. वर्ष के दौरान रिपोर्ट की गई धोखाधड़ी के मामले और किए गए प्रावधान:

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
रिपोर्ट की गई धोखाधड़ी मामलों की संख्या	3,437	1,586
धोखाधड़ी में शामिल राशि (₹ करोड़ में)	8,079.31	3,406.87
ऐसी धोखाधड़ियों के लिए किए गए प्रावधान की राशि (₹ करोड़ रुपये में)	8,079.31	3,406.87
वर्ष के अंत में 'अन्य रिजर्वों' से नामे किए गए अपरिशोधन प्रावधान की राशि (₹ करोड़ रुपये में)	शून्य	शून्य

उपर्युक्त के अतिरिक्त, 31.03.2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान, बैंक ने ₹10,465 (पिछले वर्ष 13,158) डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी की सूचना दी, जिसकी राशि ₹67.52 करोड़ (पिछले वर्ष ₹88.91 करोड़) है। इन धोखाधड़ी में ग्राहकों द्वारा स्वयं वन टाइम पासवर्ड, कार्ड वेरिफिकेशन वैल्यू, पासवर्ड आदि जैसे क्रेडेंशियल्स शेयर करने के प्रकरण शामिल हैं या जहां बैंक को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

ग. कोविड-19 संबंधी दबाव का समाधान:

आरबीआई परिपत्र डीओआर सं. BP/BC/3/21.04.048/2020-21 दिनांक 06 अगस्त, 2020 (समाधान फ्रेमवर्क 1.0) और DOR.STR. REC.11/21.04.048/2021-22 दिनांक 05 मई, 2021 (समाधान ढांचा 2.0) के अनुसार 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार समाधान योजना का विवरण निम्नानुसार है:

उधारकर्ता के प्रकार	(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ङ)
	समाधान योजना को लागू करने के परिणामस्वरूप मानक के रूप में वर्गीकृत खातों का कुल एक्सपोजर - पिछली छमाही के अंत में स्थिति	(क) में से, कुल ऋण जो छमाही के दौरान एनपीए में फिसल गया	(क) में से छमाही के दौरान बड़े खाते में डाली गई राशि	(क) में से छमाही के दौरान उधारकर्ताओं द्वारा भुगतान की गई राशि	समाधान योजना को लागू करने के परिणामस्वरूप मानक के रूप में वर्गीकृत खातों का कुल एक्सपोजर - वर्तमान छमाही के अंत में स्थिति
वैयक्तिक ऋण	9,864	264		633	8,967
कॉर्पोरेट व्यक्ति इनमें से,	4,966	174		836	3,956
एमएसएमई	4,227	174		675	3,378
अन्य	-	-		-	-
कुल	14,830	438		1,469	12,923

18.5 एक्सपोजर

क) स्थावर संपदा (रियल इस्टेट) क्षेत्र को एक्सपोजर

क्र. सं. विवरण	(₹ करोड़ में)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
I प्रत्यक्ष एक्सपोजर		
i) आवासीय बंधक		
ऋणकर्ता के कब्जे में या कब्जे में आने वाली या किराए पर दी गई आवासीय संपत्ति के बंधक द्वारा पूरी तरह सुरक्षित ऋण।	8,23,363.63	7,14,143.23
जिसमें से आवासीय इकाई खरीदने/निर्माण के लिए प्रति परिवार महानगरीय क्षेत्रों (जनसंख्या >= 10 लाख) में ₹35 लाख रुपये तथा अन्य क्षेत्रों पर ₹25 लाख रुपये है।	2,74,941.85	2,76,083.66
ii) वाणिज्यिक स्थावर संपदा		
वाणिज्यिक स्थावर संपदा पर बंधक द्वारा प्रतिभूत (कार्यालय भवन, खुदरा क्षेत्र, बहु-उद्देशीय वाणिज्यिक परिसर, बहु-परिवार आवासीय भवन, बहु-किराएदार वाणिज्यिक परिसर, औद्योगिक या माल गोदाम स्थान, होटल, भूमि अधिग्रहण, विकास और निर्माण इत्यादि) गैर-निधि आधारित सीमा (एनएफबी) भी इस एक्सपोजर में शामिल है।	87,849.66	71,840.90
iii) बंधक समर्थित प्रतिभूतियों (एमबीएस) में निवेश तथा अन्य प्रतिभूतिकृत एक्सपोजर:		
क) आवासीय	-	-
ख) वाणिज्यिक स्थावर संपदा	-	-
II अप्रत्यक्ष एक्सपोजर		
राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) तथा आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) में निधि आधारित और गैर-निधि आधारित एक्सपोजर	1,77,490.03	1,61,873.44
स्थावर संपदा क्षेत्र में कुल एक्सपोजर	10,88,703.32	9,47,857.57

ख) पूंजी बाजार:

		(₹ करोड़ में)	
क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	इक्विटी शेयरों, परिवर्तनीय बांडों, परिवर्तनीय डिबेंचर और इक्विटी-उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों में प्रत्यक्ष निवेश, जिसका कॉर्पस विशेष रूप से कॉर्पोरेट ऋण में निवेश नहीं किया जाता है।	22,072.77	6,893.84
ii)	शेयरों / बांड / डिबेंचर या अन्य प्रतिभूतियों की प्रतिभूति पर या शेयरों (आईपीओ / ईएसओपी सहित), परिवर्तनीय बांड, परिवर्तनीय डिबेंचर और इक्विटी-उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों में निवेश के लिए व्यक्तियों को बेजमानती आधार पर अग्रिम।	446.44	106.66
iii)	किसी अन्य प्रयोजन के लिए अग्रिम जिसमें शेयर या परिवर्तनीय बांड या परिवर्तनीय डिबेंचर या इक्विटी उन्मुख म्यूचुअल फंड के यूनितों को प्राथमिक प्रतिभूति के रूप में लिया जाता है।	-	-
iv)	किसी अन्य प्रयोजन के लिए ऐसे अग्रिम जिनके लिए शेयरों या परिवर्तनीय बांडों या परिवर्तनीय डिबेंचर या इक्विटी उन्मुख म्यूचुअल फंडों के यूनितों की संपार्श्विक प्रतिभूति दी गई है, अर्थात् जिसमें शेयरों / परिवर्तनीय बांड / परिवर्तनीय डिबेंचर / इक्विटी उन्मुख म्यूचुअल फंड के यूनितों के अलावा प्राथमिक प्रतिभूति अग्रिम की राशि की पूर्ण प्रतिभूति के रूप में अपर्याप्त है।	1,381.35	642.57
v)	शेयर दलालों को प्रतिभूत और प्रतिभूति रहित अग्रिम और शेयर दलालों और बाजार नियामकों की ओर से जारी गारंटियाँ	24,214.15	29,678.27
vi)	संसाधन वृद्धि की अपेक्षा से नई कंपनी की इक्विटी में प्रमोटर के हिस्से को पूरा करने के लिए कॉर्पोरेटों को शेयरों/बांडों/डिबेंचर या अन्य प्रतिभूतियों की प्रतिभूति पर या बिना जमानत के संस्वीकृत ऋण।	-	-
vii)	अपेक्षित इक्विटी प्रवाह/शेयर निर्गमों की प्रतिभूति पर कंपनियों को दिए गए पूरक ऋण।	-	-
viii)	शेयरों या परिवर्तनीय बांड या परिवर्तनीय डिबेंचर या इक्विटी उन्मुख म्यूचुअल फंड के यूनितों के प्राथमिक निर्गम के संबंध में बैंकों द्वारा किया गया हामीदारी कारोबार।	-	-
ix)	शेयर दलालों को मार्जिन क्रय-विक्रय के लिए वित्तपोषण।	-	-
x)	वेंचर कैपिटल फंड से संबंधित एक्सपोजर (पंजीकृत और गैर-पंजीकृत दोनों)	5,522.39	4,795.07
पूंजी बाजार में कुल एक्सपोजर		53,637.10	42,116.41

ग) जोखिम श्रेणीवार देशगत एक्सपोजर:

भारतीय रिजर्व बैंक के वर्तमान दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक के देशगत एक्सपोजर को निम्नलिखित तालिका में सूचीबद्ध विभिन्न जोखिम श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

(₹ करोड़ में)				
जोखिम श्रेणी	31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार		31 मार्च 2024 तक की स्थिति के अनुसार	
	निवल निधिकृत एक्सपोजर	किया गया प्रावधान	निवल निधिकृत एक्सपोजर	किया गया प्रावधान
नगण्य	28,335.05	शून्य	2,542.18	शून्य
बहुत कम	3,16,729.49	288.99	2,48,017.45	246.91
कम	64,183.60	शून्य	79,789.39	शून्य
मध्यम	28,227.01	शून्य	32,082.57	शून्य
अधिक	27,898.87	शून्य	24,736.25	शून्य
अत्यधिक	7,240.76	शून्य	6,327.27	शून्य
प्रतिबंधित	10,155.63	शून्य	9,318.34	शून्य
कुल	4,82,770.41	288.99	4,02,813.45	246.91

यूएसए को छोड़कर किसी भी अन्य देश में बैंक का देशगत एक्सपोजर (निवल निधिकृत) उसकी कुल आस्तियों के 1% से अधिक नहीं है, अतः यूएसए के लिए देशगत एक्सपोजर का प्रावधान किया गया है।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

घ) प्रतिभूति रहित अग्रिम:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बैंक के कुल अप्रतिभूत अग्रिम	12,06,046.47	11,19,048.81
जिसमें से अधिकार शेयरों, लाइसेंसों, प्राधिकार आदि जैसी अमूर्त प्रतिभूतियों पर प्रभार के प्रति देय अग्रिम बकाया।	शून्य	शून्य
ऊपर दी गई ऐसी अमूर्त प्रतिभूतियों का अनुमानित मूल्य	शून्य	शून्य

ड) फैक्टरिंग एक्सपोजर:

31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार बैंक के फैक्टरिंग एक्सपोजर ₹59,068.84 करोड़ है (पिछला वर्ष ₹48,784.96 करोड़) है जिसमें ₹22,334.29 करोड़ (पिछला वर्ष ₹10,214.32 करोड़) की राशि ट्रेड रिसीवबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (TreDS) के माध्यम से किए गए फैक्टरिंग से बकाया है, जो दिनांक 7 जून 2023 के आरबीआई परिपत्र CO.DPSS.POLC.No.S-258/02-01-010/2023-24 के अनुसार है।

च) इंट्रा-ग्रुप एक्सपोजर:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
इंट्रा-ग्रुप एक्सपोजर की कुल राशि	66,888.10	64,039.95
शीर्ष-20 इंट्रा-ग्रुप एक्सपोजर की कुल राशि	66,878.35	64,039.95
ऋणकर्ताओं/ग्राहकों पर बैंक के कुल एक्सपोजर की तुलना में इंट्रा-ग्रुप एक्सपोजर का प्रतिशत	1.08%	1.15%
अंतर-समूह एक्सपोजर सीमा के उल्लंघन और उस पर नियामक कार्रवाई का विवरण	शून्य	शून्य

छ) अरक्षित विदेशी मुद्रा एक्सपोजर:

- 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार ₹252.95 करोड़ रुपए की राशि (पिछले वर्ष ₹250.67 करोड़ रुपए) मुद्रा जनित ऋण जोखिम के लिए रखी गई है।
- मुद्रा जनित ऋण जोखिम के लिए ₹574.69 करोड़ रुपए की राशि (पिछला वर्ष ₹533.46 करोड़) पूंजी आबंटन किया गया।

ज) बैंक द्वारा एकल ऋणकर्ता और समूह ऋणकर्ता एक्सपोजर सीमा का उल्लंघन:

बैंक ने आरबीआई द्वारा निर्धारित एकल ऋणकर्ता एक्सपोजर और समूह ऋणकर्ता एक्सपोजर विवेकपूर्ण सीमा का उल्लंघन नहीं किया है।

18.6 जमाराशियों, अग्रिमों, एक्सपोजर और अलाभकारी आस्तियों का संकेंद्रण:

अ) जमाराशियों का संकेंद्रण:

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बीस सबसे बड़े जमाकर्ताओं की कुल जमाराशियाँ (करोड़ रुपये में)	2,80,250.98	2,33,073.04
बैंक की कुल जमाराशियों में बीस सबसे बड़े जमाकर्ताओं की जमाराशियों का प्रतिशत	5.21%	4.74%

आ) अग्रिमों का संकेंद्रण:

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं को कुल अग्रिम (करोड़ रुपये में)	4,00,080.69	4,17,625.39
बैंक के कुल सकल अग्रिमों में बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं के अग्रिमों का प्रतिशत	9.48%	11.08%

इ) एक्सपोजर का संकेन्द्रण:

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बीस सबसे बड़े उधारकर्ता/ग्राहक (करोड़ रुपये में) का कुल एक्सपोजर	5,91,012.00	5,72,651.53
बैंक के कुल एक्सपोजर की तुलना में बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं/ग्राहकों के एक्सपोजर का प्रतिशत	9.59%	10.31%

ई) अलाभकारी आस्तियों का संकेन्द्रण:

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
कुल सकल एनपीए में शीर्ष सबसे बड़े बीस एनपीए का कुल एक्सपोजर (₹ करोड़ में)	22,419.49	20,415.45
कुल सकल एनपीए में बीस सबसे बड़े एनपीए खातों में एक्सपोजर का प्रतिशत	29.16%	24.22%

18.7. डेरिवेटिव

अ. वायदा दर करार (FRA)/ब्याज दर स्वैप (IRS):

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अदला-बदली करारों की अनुमानित मूलराशि #	11,57,701.27 [§]	7,48,317.86
करार के अधीन प्रतिपक्ष द्वारा अपने दायित्वों को पूरा करने में विफल रहने पर होनेवाली हानियाँ	4,009.94	3,399.77
स्वैप में शामिल होने पर बैंक द्वारा अपेक्षित संपार्श्विक	-	-
स्वैप से उत्पन्न होने वाले ऋण जोखिम का संकेन्द्रण	महत्वपूर्ण नहीं	महत्वपूर्ण नहीं
स्वैप बही का उचित मूल्य	(692.83)	(2,925.93)

इसमें बैंक के अपने विदेशी कार्यालयों के साथ किए गए ₹35,818.50 करोड़ (पिछले वर्ष ₹50,517.50 करोड़) की आईआरएस/एफआरए राशि शामिल नहीं है।

§ सैद्धांतिक मूलधन में ₹2,335 करोड़ रुपये की बॉन्ड फारवर्ड रेट एग्जिमेंट नोशनल राशि शामिल है। 31 मार्च 2025 को ब्याज दर स्वैप की प्रकृति और शर्तें नीचे दी गई हैं:

प्रकृति	संख्या	आनुमानिक मूलधन	आधार	शर्तें
ट्रेडिंग	8346	4,19,352.03	मिबोर	स्थिर प्राप्य बनाम अस्थिर देय
ट्रेडिंग	7779	3,99,416.91	मिबोर	स्थिर देय बनाम अस्थिर प्राप्य
ट्रेडिंग	276	1,21,834.71	एसओएफआर	स्थिर देय बनाम अस्थिर प्राप्य
ट्रेडिंग	131	54,694.63	एसओएफआर	स्थिर देय बनाम अस्थिर प्राप्य
ट्रेडिंग	362	53,071.04	एमओडी मिफोर	स्थिर देय बनाम अस्थिर प्राप्य
ट्रेडिंग	322	34,689.00	एमओडी मिफोर	स्थिर प्राप्य बनाम स्थिर देय
हेजिंग	30	27,785.60	एसओएफआर	स्थिर प्राप्य बनाम अस्थिर देय
हेजिंग	53	26,374.37	एसओएफआर	स्थिर प्राप्य बनाम अस्थिर देय
ट्रेडिंग	17	9,530.46	एसओएफआर	अस्थिर देय बनाम अस्थिर प्राप्य
ट्रेडिंग	5	5,230.75	एसओएफआर	अस्थिर प्राप्य बनाम स्थिर देय
हेजिंग	2	2,136.88	एसओएफआर	स्थिर देय बनाम अस्थिर प्राप्य
ट्रेडिंग	31	1,164.41	एमओडी मिफोर	अस्थिर देय बनाम स्थिर प्राप्य
हेजिंग	2	85.48	एसओएफआर	अस्थिर प्राप्य बनाम स्थिर देय
		11,55,366.27		

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

ख. बाजार में क्रय-विक्रय किए गए ब्याज दर डेरिवेटिव

		(₹ करोड़ में)	
क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	वर्ष के दौरान किए गए विनिमय कारोबार ब्याज दर डेरिवेटिव की अनुमानित मूल राशि		
	क. ब्याज दर फ्यूचर्स	शून्य	शून्य
	ख. भारत सरकार की 10 वर्षीय प्रतिभूतियां	2,479.50	15,275.42
2	वित्तीय वर्ष के अंत में बकाया विनिमय कारोबार ब्याज दर डेरिवेटिव की अनुमानित मूल राशि		
	क. ब्याज दर फ्यूचर्स	शून्य	शून्य
	ख. भारत सरकार की 10 वर्षीय प्रतिभूतियां	शून्य	शून्य
3	एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरिवेटिव की अनुमानित मूल राशि बकाया है और अत्यधिक प्रभावी नहीं है	एन.ए.	एन.ए.
4	एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरिवेटिव का मार्क-टू-मार्केट मूल्य बकाया है और अत्यधिक प्रभावी नहीं है।	एन.ए.	एन.ए.

ग. डेरिवेटिव में जोखिम एक्सपोजर:

गुणात्मक जोखिम एक्सपोजर

- 1) बैंक वर्तमान में काउंटर (ओटीसी) ब्याज दर और मुद्रा डेरिवेटिव के साथ-साथ ब्याज दर फ्यूचर्स और एक्सचेंज ट्रेडेड करेंसी डेरिवेटिव्स में भी काम करता है। बैंक द्वारा निपटाए जाने वाले अन्य दर डेरिवेटिव रुपये ब्याज दर स्वेप, विदेशी मुद्रा ब्याज दर स्वेप और वायदा दर समझौते, कैप, फ्लोर और कॉलर हैं। बैंक द्वारा निपटाए गए मुद्रा डेरिवेटिव मुद्रा स्वेप, रुपया डॉलर विकल्प और क्रॉस-मुद्रा विकल्प हैं। बैंक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथा अनुमत गैर-सुपुर्दगी योग्य विकल्पों और गैर-सुपुर्दगी योग्य फॉर्वर्ड्स में भी कार्य करता है। बैंक के ग्राहकों को अपने एक्सपोजरों की हेजिंग के लिए उत्पादों की पेशकश की जाती है और बैंक ऐसे एक्सपोजरों को कवर करने के लिए व्युत्पन्नी संविदाओं में भी प्रवेश करता है। बैंक द्वारा डेरिवेटिव का उपयोग व्यापार के साथ-साथ तुलन पत्र मर्दों की हेजिंग के लिए भी किया जाता है। बैंक अमेरिकी डॉलर/भारतीय रुपये में विकल्प स्थिति भी चलाता है, जिसे विभिन्न प्रकार की हानि और ग्रीक सीमाओं के माध्यम से प्रबंधित किया जाता है।
- 2) डेरिवेटिव लेनदेन में बाजार जोखिम होता है अर्थात ब्याज दरों/विनिमय दरों और ऋण जोखिम में प्रतिकूल उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप बैंक को संभावित नुकसान हो सकता है। यदि प्रतिपक्ष अपने दायित्वों को पूरा करने में विफल रहते हैं तो बैंक को संभावित नुकसान हो सकता है। बोर्ड द्वारा अनुमोदित बैंक की डेरिवेटिव्स के लिए नीति में बाजार जोखिम पैरामीटर (ग्रीक सीमाएं, हानि सीमाएं, कट-लॉस ट्रिगर, ओपन पोজীशन सीमाएं, अवधि, संशोधित अवधि, पीवी1 आदि) के साथ-साथ ग्राहक पात्रता मानदंड (क्रेडिट रेटिंग, संबंध की अवधि, सीमाएं और ग्राहक उपयुक्तता और पॉलिसी की उपयुक्तता (सीएस) आदि) निर्धारित की गई है।
- 3) डेरिवेटिव लेनदेन के लिए, क्रेडिट जोखिम को केवल पॉलिसी में निर्धारित मानदंडों को पूरा करने वाले प्रतिपक्षों के साथ डेरिवेटिव लेनदेन में प्रवेश करके नियंत्रित किया जाता है। दायित्वों का सम्मान करने की उनकी क्षमता को ध्यान में रखते हुए प्रतिपक्षों के लिए उचित सीमाएं निर्धारित की जाती हैं और बैंक प्रत्येक प्रतिपक्ष के साथ आईएसडीए समझौते में प्रवेश करता है।
- 4) बैंक की आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एलसीओ) इन जोखिमों के कुशल प्रबंधन की देखरेख करती है। बैंक का बाजार जोखिम प्रबंधन विभाग (एमआरएमडी) डेरिवेटिव लेनदेन से जुड़े बाजार जोखिम की पहचान, उपाय, निगरानी करता है, इन जोखिमों को नियंत्रित करने और प्रबंधित करने में एलसीओ की सहायता करता है और नियमित अंतराल पर बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) को नीति निर्धारण के अनुपालन की रिपोर्ट करता है।
- 5) डेरिवेटिव्स के लिए लेखांकन नीति आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार की गई है, जिसका विवरण अनुसूची 17: महत्वपूर्ण लेखा नीतियां (एसएपी) के तहत प्रस्तुत किया गया है।
- 6) ब्याज दर स्वेप मुख्य रूप से आस्तियों और देनदारियों की हेजिंग के लिए उपयोग किया जाता है।

- 7) अधिकांश स्वैप प्रथम श्रेणी के काउंटरपार्टी बैंकों के साथ किए गए थे।
- 8) डेरिवेटिव लेनदेन में स्वैप शामिल होते हैं जिन्हें आकस्मिक देनदारियों के रूप में प्रकट किया जाता है। स्वैप को ट्रेडिंग या हेजिंग के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- 9) डेरिवेटिव सौदे केवल उन इंटरबैंक प्रतिभागियों के साथ दर्ज किए जाते हैं जिनके लिए प्रतिपक्ष जोखिम सीमाएं स्वीकृत हैं। इसी प्रकार, डेरिवेटिव सौदे केवल उन कारपोरेटों के साथ किए गए जिनके लिए ऋण जोखिम सीमा स्वीकृत है। डेरिवेटिव लेनदेन के लिए संपार्श्विक आवश्यकताओं को मामला-दर-मामला आधार पर क्रेडिट स्वीकृति शर्तों के एक भाग के रूप में निर्धारित किया जाता है। ऐसी संपार्श्विक आवश्यकताओं को सामान्य क्रेडिट मूल्यांकन प्रक्रिया के आधार पर निर्धारित किया जाता है। बैंक कुछ मामलों में जोखिम कम करने के उपाय के रूप में लेनदेन को समाप्त करने का अधिकार रखता है।

मात्रात्मक जोखिम एक्सपोजर

चालू वर्ष का विवरण	मुद्रा डेरिवेटिव		व्याज दर डेरिवेटिव	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
I. डेरिवेटिव (अनुमानित मूल राशि)				
(क) हेजिंग के लिए	30,514.45	12,045.74	56,382.32	57,751.90
(ख) ट्रेडिंग के लिए *	16,46,050.26	15,56,113.28	11,01,318.95	6,90,565.96
II. बाजार की स्थिति के अनुसार अंकित				
(क) आस्ति (+)	11,298.36	6,055.27	4,009.94	3,399.77
(ख) देयता (-)	13,552.40	9,753.69	3,167.69	2,899.14
III. ऋण एक्सपोजर	67,503.07	49,567.78	13,039.54	9,972.98
IV. व्याज दर में एक प्रतिशत परिवर्तन का संभावित प्रभाव (100*पीवी 01)				
(क) हैजिंग डेरिवेटिव पर	-	6.73	1,693.32	1,985.57
(ख) व्यापार डेरिवेटिव पर	(-)1,634.57	1,031.40	121.71	294.50
V. वर्ष के दौरान अधिकतम और न्यूनतम 100*पीवी 01				
(क) हैजिंग पर:				
अधिकतम	6.75	18.51	3,079.73	2,053.57
न्यूनतम	-	6.71	1,132.65	1,407.18
(ख) व्यापार पर:				
अधिकतम	(-)1,010.85	464.33	156.40	186.44
न्यूनतम	(-)1,658.86	1,035.25	(-)561.38	417.03

- बैंक के अपने विदेशी कार्यालयों के साथ दर्ज शून्य (पिछले वर्ष ₹1,831.10 करोड़) की राशि की स्वैप शामिल नहीं है।
- बैंक के अपने विदेशी कार्यालयों के साथ दर्ज ₹35,818.50 करोड़ (पिछले वर्ष ₹50,517.50 करोड़) की राशि के आईआरएस/एफआरए को बाहर रखा गया है।
- * बैंक के विदेशी कार्यालयों के साथ किए गए ₹3,167.27 करोड़ (पिछले वर्ष ₹2,835.68 करोड़ रुपये) और एनडीएफ ₹3,470.20 करोड़ (पिछले वर्ष ₹5,895.67 करोड़) के मुद्रा डेरिवेटिव शामिल नहीं हैं।
- 31 मार्च 2025 तक ग्लोबल मार्केट्स यूनिट और इंटरनेशनल बैंकिंग ग्रुप के बीच किए गए डेरिवेटिव की बकाया अनुमानित राशि ₹35,818.50 करोड़ (पिछले वर्ष ₹50,517.50 करोड़) थी और 31 मार्च 2025 तक एसबीआई के विदेश स्थित कार्यालयों के बीच किए गए डेरिवेटिव की राशि शून्य थी। (पिछले वर्ष ₹1,831.10 करोड़)।
- व्याज दर डेरिवेटिव की बकाया अनुमानित राशि जो मार्क-टू-मार्केट (MTM) नहीं है, जहां अंतर्निहित आस्ति/देयताओं को 31 मार्च 2025 तक बाजार में चिह्नित नहीं किया गया है की राशि शून्य थी। (पिछले वर्ष ₹ 85,426.07 करोड़)।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

घ. ऋण चूक स्वैप (सीडीएस):

क्रमांक विवरण	संरक्षण क्रेता के रूप में	संरक्षण विक्रेता के रूप में
i. वर्ष के दौरान लेनदेन की संख्या:		
- लेन-देन जो भौतिक रूप से निपटाए गए हैं	शून्य	शून्य
- नकद निपटान	शून्य	1
ii. वर्ष के दौरान खरीदी/बेची गई संरक्षण की राशि		
- लेन-देन जो भौतिक रूप से निपटाए गए हैं	शून्य	शून्य
- नकद निपटान	शून्य	₹25.00 करोड़
iii. लेनदेन की संख्या जहां वर्ष के दौरान क्रेडिट इवेंट भुगतान प्राप्त हुआ/किया गया:		
- चालू वर्ष के लेनदेन से संबंधित	शून्य	शून्य
- पिछले वर्ष के लेनदेन से संबंधित	शून्य	शून्य
iv. वर्ष के दौरान आज तक सीडीएस लेनदेन के संबंध में निवल आय/लाभ (व्यय/हानि):		
- प्रीमियम भुगतान/प्राप्ति	शून्य	शून्य
- किए गए क्रेडिट भुगतान (प्राप्त आस्ति का निवल मूल्य)/प्राप्त (वितरण योग्य दायित्वों का निवल मूल्य)	शून्य	अग्रिम शुल्क का भुगतान ₹0.12 करोड़ 4 अप्रैल 2024 और अनवाइंड शुल्क ₹0.13 करोड़ 12 अप्रैल 2024 को प्राप्त हुआ
v. 31 मार्च 2025 तक बकाया लेनदेन		
- लेन-देन की संख्या	शून्य	शून्य
- संरक्षण की मात्रा	शून्य	शून्य
vi. वर्ष के दौरान बकाया लेनदेन का उच्चतम स्तर:		
- लेन-देन की संख्या (4 अप्रैल 2024 को)	शून्य	1
- संरक्षण की राशि (4 अप्रैल 2024 को)	शून्य	₹25.00 करोड़

पिछले वित्तीय वर्ष 2023-2024 के दौरान, कोई सीडीएस लेनदेन नहीं हुआ था।

18.8. प्रतिभूतिकरण से संबंधित प्रकटीकरण

बैंक ने किसी भी मानक संपत्ति का प्रतिभूतिकरण नहीं किया है।

18.9. तुलन पत्र से इतर प्रायोजित एसपीवी:

बैंक ने तुलन-पत्र से इतर कोई एसपीवी जारी नहीं किया है।

18.10. दावा न की गई देनदारियां जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता निधि में अंतरित

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
डीईए फंड में अंतरित राशियों का प्रारंभिक शेष	14,423.47	8,952.21
जोड़ें: डीईए फंड में अंतरित राशि	4,622.60	6,038.85
घटाएं: डीईए फंड द्वारा प्रतिपूर्ति की गई राशि	376.17	567.59
डीईए फंड में अंतरित राशियों का अंतिम शेष	18,669.90	14,423.47

जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता निधि में अंतरित राशि का अंतिम शेष, जैसा कि ऊपर बताया गया है, अनुसूची 12-आकस्मिक देयताएं-अन्य मर्दे जिनके लिए बैंक निरंतर उत्तरदायी है, के अंतर्गत शामिल है।

18.11. शिकायतों का प्रकटीकरण

अ) बैंक द्वारा ग्राहकों एवं लोकपाल के कार्यालय से प्राप्त शिकायतों तथा उनके निवारण की सार रूप में सूचना:

क्रमांक	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बैंक द्वारा अपने ग्राहकों से प्राप्त शिकायतें:			
1	वर्ष की शुरुआत में लंबित शिकायतों की संख्या	1,31,423	1,35,112
2	वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	28,50,520	32,33,561
3	वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतों की संख्या	28,61,823	32,37,250
3.1	जिनमें से, बैंक द्वारा अस्वीकार की गई शिकायतों की संख्या	92,586	69,877
4	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	1,20,120	1,31,423
लोकपाल कार्यालय से बैंक को प्राप्त अनुरक्षणीय शिकायतें:			
5	लोकपाल कार्यालय से बैंक द्वारा प्राप्त अनुरक्षणीय शिकायतों की संख्या	27,338 ^०	31,719 [#]
5.1	में से, लोकपाल के कार्यालय द्वारा बैंक के पक्ष में हल की गई शिकायतों की संख्या	10,169	12,681
5.2	में से कई शिकायतों को लोकपाल कार्यालय द्वारा जारी सुलह/मध्यस्थता/परामर्शी पत्र के माध्यम से हल किया गया	14,448	17,456
5.3	में से कई शिकायतों का समाधान लोकपाल के कार्यालय द्वारा बैंक के विरुद्ध अवार्ड पारित करने के बाद किया गया	1	6
6	निर्धारित समय के भीतर लागू नहीं किए गए अवार्ड की संख्या (अपील किए गए अवार्ड के अलावा)	शून्य	शून्य

^० उन शिकायतों को शामिल किया गया है जो वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में लंबित थीं और वित्त वर्ष 2024-25 तक ले जाई गईं।

[#] उन शिकायतों को शामिल किया गया है जो वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में लंबित थीं और वित्त वर्ष 2023-24 तक ले जाई गईं।

नोट: अनुरक्षणीय शिकायतें विशेष रूप से एकीकृत लोकपाल योजना, 2021 (पहले बैंकिंग लोकपाल योजना, 2006) में उल्लिखित आधारों पर शिकायतों को संदर्भित करती हैं और योजना के दायरे में शामिल हैं।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

आ) बैंक द्वारा ग्राहकों से प्राप्त शिकायतों के प्रमुख पांच आधार:

चालू वर्ष:

शिकायतों के आधार, (अर्थात् शिकायतों के कारण)	वर्ष की शुरुआत में लंबित शिकायतों की संख्या	वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	पिछले वर्ष की तुलना में प्राप्त शिकायतों की संख्या में वृद्धि/कमी%	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	5 में से, 30 दिनों से अधिक दिनों में लंबित शिकायतों की संख्या
1	2	3	4	5	6
इंटरनेट बैंकिंग/मोबाइल/ इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग	1,01,483	17,57,070	(-)19.79	92,927	14,672
एटीएम/डेबिट कार्ड	25,680	7,06,788	(-)26.17	21,696	96
खातों का संचालन	474	44,631	141.88	479	0
अग्रिम	146	15,539	120.35	214	0
प्रभार/अत्यधिक प्रभार लगाना	144	11,694	69.33	176	0
अन्य	3,496	3,14,798	490.08	4,628	0
कुल	1,31,423	28,50,520	(-)11.85	1,20,120	14,768

पिछला वर्ष:

शिकायतों के आधार, (अर्थात् शिकायतों के कारण)	वर्ष की शुरुआत में लंबित शिकायतों की संख्या	वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	पिछले वर्ष की तुलना में प्राप्त शिकायतों की संख्या में वृद्धि/कमी%	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	5 में से, 30 दिनों से अधिक दिनों में लंबित शिकायतों की संख्या
1	2	3	4	5	6
इंटरनेट बैंकिंग/मोबाइल/ इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग	83,450	21,90,461	4.39	1,01,483	37,233
एटीएम/डेबिट कार्ड	49,435	9,57,342	(-)35.95	25,680	5,240
खातों का संचालन	92	18,452	(-)21.03	474	0
अग्रिम	7	7,052	(-)52.95	146	0
प्रभार/अत्यधिक प्रभार लगाना	38	6,906	(-)77.62	144	0
अन्य	2,090	53,348	(-)72.41	3,496	0
कुल	1,35,112	32,33,561	(-)16.30	1,31,423	42,473

इ) आरबीआई लोकपाल के अक्टूबर 2022 के वार्षिक सम्मेलन में नीति संबंधी कार्रवाई बिंदु के संदर्भ में प्रथम प्राप्त शिकायतें और की गई कार्रवाई का प्रकटीकरण:

रिजर्व बैंक एकीकृत लोकपाल योजना-2021 (आरबी-आईओएस) के खंड 10 के तहत, बैंकिंग लोकपाल द्वारा अस्वीकृत सेवा की कमी से संबंधित शिकायतों को गैर-रखरखाव योग्य के रूप में खारिज कर दिया गया है, जो शिकायतकर्ताओं को सीधे संबंधित विनियमित संस्था से संपर्क करने की सलाह देते हैं, उन्हें प्रथम उपाय शिकायत (एफआरसी) कहा जाता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आरबी-आईओ द्वारा कुल 23,604 एफआरसी प्राप्त किए गए थे।

एफआरसी में कमी सुनिश्चित करने के लिए बैंक ने निम्नानुसार पहल की है:

- आरबी-आईओएस-2021 की मुख्य विशेषताओं को सभी शाखाओं में प्रदर्शित किया गया है और डिजिटल रूप से एटीएम, बैंक की वेबसाइट, इंटरनेट बैंकिंग पेज और योनो ऐप पर प्रदर्शित किया गया है।
- बैंक ग्राहकों की जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार कर रहा है ताकि ग्राहक जहां कहीं बैंक द्वारा प्रदान किए गए समाधानों से संतुष्ट न हों, वहां भारतीय रिजर्व बैंक के लोकपाल से संपर्क कर सकें।

18.12. भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा लगाए गए अर्थ दंडों का प्रकटीकरण

आ) प्रूडेंशियल अथॉरिटी (पीए), दक्षिण अफ्रीकी रिज़र्व बैंक (एसएआरबी) ने 2001 के वित्तीय खुफिया केंद्र अधिनियम 38 की धारा 45 सी के संदर्भ में एएमएल/सीएफटी निरीक्षण में यथा उल्लिखित वित्तीय आसूचना केन्द्र अधिनियम (एफआईसी अधिनियम) के कतिपय उपबंधों का अनुपालन न करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक, दक्षिण अफ्रीका शाखा (एसबीआईएसए) पर आर 10 मिलियन के वित्तीय दंड (आर 5.50 मिलियन के कुल वित्तीय दंड का तत्काल देय हिस्सा, और 36 महीने के लिए निलंबित आर 4.50 मिलियन की राशि) सहित प्रशासनिक प्रतिबंध लगाए। अपील बोर्ड के अंतिम निर्णय पर, एसबीआईएसए ने 23 मई 2024 को आर 5.50 मिलियन (₹2.48 करोड़) का भुगतान किया है। 36 महीने के लिए निलंबित ₹4.50 मिलियन का जुर्माना सूचित तारीख से 36 महीने के भीतर यानी 13 जुलाई 2026 से पहले भुगतान किया जाएगा।

(आर दक्षिण अफ्रीकी रैंड को दर्शाता है)

- आ) 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान, बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 46(4)(i) और 51(1) के साथ पठित धारा 47A(1)(c) के प्रावधानों के तहत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा कोई जुर्माना नहीं लगाया गया था।
- इ) भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 के प्रावधानों के तहत उल्लंघन के लिए बैंक पर कोई अर्थ दंड नहीं लगाया गया है।
- ई) सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 (एसजीएल बाउंसिंग के लिए) के प्रावधानों के अंतर्गत उल्लंघन के लिए बैंक पर कोई अर्थ दंड नहीं लगाया गया है।
- उ) रिवर्स रेपो लेनदेन में कोई चूक नहीं है।

18.13. अन्य प्रकटीकरण

आ) व्यवसाय अनुपात:

क्रमांक विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i. कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में ब्याज आय	7.09%	7.07%
ii. कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में गैर-ब्याज आय	0.95%	0.88%
iii. जमा की लागत (घरेलू)	5.11%	4.81%
iv. निवल ब्याज मार्जिन	3.09%	3.28%
v. कार्यशील फंड के प्रतिशत के रूप में परिचालन लाभ	1.69%	1.48%
vi. आस्ति पर रिटर्न (नेट-आस्ति आधार पर)	1.10%	1.04%
vii. व्यवसाय (जमा प्लस अग्रिम) प्रति कर्मचारी (₹करोड़ में)	37.37	34.10
viii. प्रति कर्मचारी लाभ (₹ लाख में)	29.91	26.20

आ) बैंकाश्योरेंस व्यवसाय:

बीमा ब्रोकिंग, एजेंसी और बैंकाश्योरेंस व्यवसाय के संबंध में अर्जित शुल्क/ब्रोकरेज।

कंपनी का नाम	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	2,355.89	2,232.16
एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	406.91	436.04
अवीवा	3.57	1.46
एनटीयूसी और मनुलाइफ फाइनेंशियल लिमिटेड	0.35	0.33
टोकियो मरीन और एसीई	0.03	0.29
यूनिट ट्रस्ट और एलआईसी	0.01	0.13
आईफास्ट	0.07	0.07
कुल	2,766.83	2,670.48

(₹ करोड़ में)

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

इ) विपणन और वितरण:

विपणन और वितरण कार्य (बैंकायोरेंस व्यवसाय को छोड़कर) के संबंध में प्राप्त फीस/पारिश्रमिक का विवरण निम्नानुसार है:

कंपनी का नाम	(₹ करोड़ में)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
एसबीआई म्यूचुअल फंड	1,453.72	915.55
एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड	222.14	231.24
राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली	22.94	19.80
अन्य म्यूचुअल फंड	62.20	41.22
एसबीआईसीएपी सिव्योरिटीज लिमिटेड	8.44	7.12
अन्य (पीएमएस, बॉन्ड, कॉर्पोरेट एफडी आदि)	13.63	7.41
कुल	1,783.07	1,222.34

ई) प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण प्रमाणपत्र (PSLC):

बैंक ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र उधार प्रमाणपत्रों की खरीद/बिक्री की है:

श्रेणी	(₹ करोड़ में)			
	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	क्रय	विक्रय	क्रय	विक्रय
पीएसएलसी माइक्रो एंटरप्राइजेज	85,732.50	-	42,750.00	-
पीएसएलसी कृषि	-	11,000.00	8,660.00	15,510.00
पीएसएलसी जनरल	35,000.00	-	47,145.25	-
पीएसएलसी छोटे और सीमांत किसान	89,098.25	-	99,573.75	-
कुल	2,09,830.75	11,000.00	1,98,129.00	15,510.00

उ) प्रावधान और आकस्मिकताएँ:

लाभ और हानि खाते में व्यय शीर्ष के अंतर्गत दर्शाए गए प्रावधान और आकस्मिकताएं का विवरण निम्नानुसार है:

लाभ-हानि खाते में नामे किए गए प्रावधान	(₹ करोड़ में)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
कराधान के लिए प्रावधान		
- चालू कर	24,843.75	22,871.63
- सृजित आस्थगित कर आस्ति	(-)473.11	(-)2,165.29
निवेश पर मूल्यहास के लिए प्रावधान	514.28	(-)593.18
अनर्जक आस्तियों पर प्रावधान	14,446.47	9,469.33
पुनर्गठित आस्तियों पर प्रावधान	(-)28.14	48.30
मानक आस्तियों पर प्रावधान	302.76	(-)1,340.87
अन्य प्रावधान	72.53	(-)2,669.36
कुल	39,678.54	25,620.56

ऊ) आईएफआरसी अभिसरण भारतीय लेखा मानकों के कार्यान्वयन (इंड एस):

आरबीआई के परिपत्र डीबीआर/बीपी/बीसी सं. 29/21.07.001/2018-19 दिनांक 22 मार्च 2019 द्वारा आईएन एस के कार्यान्वयन को अगली सूचना तक स्थगित कर दिया है। हालांकि, आरबीआई को सभी बैंकों को हर छमाही में प्रोफार्मा इंड एस वित्तीय विवरण प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है। तदनुसार, बैंक बैंक में इंड एस के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए गठित एमडी (आर, सी और एसएआरजी) की अध्यक्षता वाली परिचालन समिति के अनुमोदन के बाद हर छमाही में आरबीआई प्रोफार्मा इंड एस वित्तीय विवरण तैयार और प्रस्तुत करता है।

ऋ) डीआईसीजीसी बीमा प्रीमियम का भुगतान:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
डीआईसीजीसी बीमा प्रीमियम का भुगतान	5,415.67	4,899.79
डीआईसीजीसी प्रीमियम के भुगतान में बकाया	-	-

ए) बैंक के कर्मचारियों की परिवार पेंशन में वृद्धि के कारण व्यय के परिशोधन पर प्रकटीकरण:

परिवार पेंशन योजना के कारण तुलन-पत्र में कोई अपरिशोधित व्यय नहीं है।

ऐ) लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी):

- चालू वित्तीय वर्ष के दौरान, बैंक ने 24 सितंबर 2024 को ईलाकायी देहाती बैंक के लिए मुद्रा लिमिटेड को ₹1.11 करोड़ के लेटर ऑफ कंफर्ट और लागू ब्याज और शुल्क जारी किए हैं, जो भी बाद में पुनर्वित्त देनदारियों के पुनर्भुगतान के लिए मुद्रा लिमिटेड द्वारा कोई बकाया प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है।
- उपरोक्त के अलावा, 31 मार्च 2025 को सहायक कंपनियों के लिए बैंक द्वारा जारी एलओसी की संचयी स्थिति इस प्रकार है:
 - बैंक ने अपनी अनुषंगी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया, जो एक विदेशी सहायक कंपनी है, के लिए 12 दिसम्बर, 2005 को बैंक ऑफ इंडोनेशिया के गवर्नर को लेटर ऑफ कंफर्ट दिया है। विदेशी सहायक कंपनी एसबीआई कनाडा बैंक के लिए 6 अगस्त 1981 को वित्त मंत्री, ओटावा, ओंटारियो, कनाडा को लेटर ऑफ कम्फर्ट दिया गया है। इस लेटर ऑफ कम्फर्ट के लिए समेकित राशि 31 मार्च, 2025 तक ₹2,136.88 करोड़ (USD 250 मिलियन) है। (पिछले वर्ष ₹2,085.13 करोड़)।
 - बैंक ने 22 नवंबर 2023 को नागालैंड ग्रामीण बैंक के लिए मुद्रा लिमिटेड को ₹0.71 करोड़ के लेटर ऑफ कम्फर्ट और लागू ब्याज और शुल्क जारी किए हैं, जो भी बाद में पुनर्वित्त देनदारियों के पुनर्भुगतान के लिए मुद्रा लिमिटेड द्वारा अदेयता प्रमाण पत्र जारी करने तक जारी किए जाने की तारीख से तीन साल की अवधि के लिए जारी किए गए हैं।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

ओ) हरित जमा से जुटाए गए फंड का उपयोग:

वर्ष के दौरान जुटाई गई हरित जमा राशियों और अब तक जुटाई गई निधियों के उपयोग का विवरण इस प्रकार है:

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	(₹ करोड़ में)
			संचयी* 31 मार्च की स्थिति के अनुसार 2025
(क) वर्ष के दौरान जुटाई गई कुल हरित जमा राशियां	105.92	22.39	128.31
1) अक्षय ऊर्जा	--	--	--
2) ऊर्जा दक्षता	--	--	--
3) स्वच्छ परिवहन: ग्रीन कार (इलेक्ट्रिक वाहन)	105.92	--	128.31
4) जलवायु परिवर्तन अनुकूलन	--	--	--
5) सतत जल और अपशिष्ट प्रबंधन	--	--	--
6) प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण	--	--	--
7) हरित भवन	--	--	--
8) जीवित प्राकृतिक संसाधनों और भूमि उपयोग का उपयोगी प्रबंधन	--	--	--
9) स्थलीय और जलीय जैव विविधता संरक्षण	--	--	--
(ख) कुल हरित जमा फंड आवंटित (B = 1 से 9 का योग)	105.92	--	128.31
(ग) आवंटित नहीं की गई हरित जमा फंड की राशि (C = A - B)	--	22.39	--
(घ) पात्र हरित कार्यक्रमों/परियोजनाओं के लिए उनके आबंटन के लंबित हरित निक्षेप प्राप्ति	--	22.39 **	--

* संचयी आंकड़े 11 जनवरी 2024 से संचयी राशि को दर्शाते हैं, जब से बैंक ने हरित जमा जुटाना शुरू किया था।

** 31 मार्च 2024 तक, पात्र ग्रीन फाइनेंस को आवंटन के लिए लंबित ₹22.39 करोड़ अस्थायी रूप से ग्रीन फाइनेंसिंग फ्रेमवर्क के तहत निर्दिष्ट तरल लिखतों में लगाए गए थे। इन फंडों का उपयोग FY2024-25 में ग्रीन कार (इलेक्ट्रिक वाहन) लोन पोर्टफोलियो के लिए किया गया था।

18.14. लेखांकन मानकों के अनुसार प्रकटीकरण आवश्यकताएँ

अ. लेखांकन मानक 5: अवधि के लिए निवल लाभ या हानि, पूर्व अवधि की मदों और लेखांकन नीतियों में परिवर्तन:

वर्ष के दौरान, कोई भी अवधि पूर्व अवधि आय/व्यय मद नहीं थे।

निम्नलिखित को छोड़कर 31 मार्च 2024 को समाप्त हुए पिछले वित्तीय वर्ष में अपनाई गई महत्वपूर्ण लेखा नीतियों की तुलना में 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान अपनाई गई महत्वपूर्ण लेखा नीतियों में कोई बदलाव नहीं है:

- आरबीआई मास्टर निदेश **RBI/DOR/2023-24/104 DOR/MRG.36/21.04.141/202324 दिनांक 12 सितंबर 2023**, के कारण 1 अप्रैल 2024 से लागू आवश्यक परिवर्तन जिनका विवरण इस प्रकार है:

- **निवेश के वर्गीकरण और मूल्यांकन पर नीतियां:**

1 अप्रैल 2024 से बैंक ने आरबीआई द्वारा मास्टर निदेश सं आरबीआई/डीओआर/2023-24/104 डीओआर.एमआरजी.36/ 21.04.141/2023-24 वाणिज्यिक बैंकों के निवेश पोर्टफोलियो के वर्गीकरण, मूल्यांकन और संचालन पर (निर्देश), 2023 दिनांक 12 सितंबर 2023 के तहत जारी किए गए निवेश के वर्गीकरण और मूल्यांकन के संशोधित ढांचे को अपनाया है। भारतीय रिजर्व बैंक परिपत्र के पैरा 43 के संदर्भ में ट्रांजिशन प्रभाव का प्रकटीकरण पैरा 18.3 के अंतर्गत प्रकट किया गया है।

- **एचटीएम प्रतिभूतियों में लेनदेन रिकॉर्ड करने की विधि:**

वर्तमान पॉलिसी के अनुसार, एचटीएम श्रेणी के निवेश के अधिग्रहण पर भुगतान किए गए प्रीमियम को निरंतर प्रतिफल के आधार पर परिपक्वता के लिए अवधि में परिशोधन किया गया था। नए निवेश ढांचे के संदर्भ में, बैंक ने निवेशों की सभी श्रेणियों में समान रूप से लेनदेन रिकॉर्ड करने और प्रीमियम और अधिग्रहण पर छूट दोनों के परिशोधन के लिए फर्स्ट इन फर्स्ट आउट (एफआईएफओ) पद्धति से भारित औसत वहन लागत (डब्ल्यूएसीसी) को अपना लिया है।

• **फ्लोटिंग रेट बॉन्ड के लिए परिशोधन की विधि:**

निवेश पर संशोधित ढांचा निवेश की सभी श्रेणियों में प्रीमियम और छूट के परिशोधन की अनुमति देता है। इन परिशोधन मानदंडों का पालन करने के लिए, बैंक ने अब कॉन्स्टेंट प्रतिफल विधि से स्ट्रेट लाइन विधि पर स्विच किया है।

संक्रमण तिथि से पूर्व की अवधि के लिए संशोधित ढांचे के प्रभाव का पता नहीं लगाया जा सकता है। इसके परिणामस्वरूप, 31 मार्च 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए निवेश से आय/लाभ या हानि 31 मार्च 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए रिपोर्ट किए गए आंकड़ों से तुलनीय नहीं है।

- भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र सं RBI/DOR/2024-25/135 DOR.STR.REC.72/ 21.04.048/2024-25 दिनांक 29 मार्च 2025 के अनुसार, सरकार द्वारा गारंटीकृत सुरक्षा प्राप्तियों के दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंकों को नेट बुक वैल्यू (एनबीवी) से अधिक मूल्य के लिए किसी आस्ति पुनर्निर्माण कंपनी (एआरसी) को ऋण के हस्तांतरण के वर्ष में लाभ और हानि खाते में किसी भी अतिरिक्त प्रावधान को रिवर्स करने की अनुमति दी जाती है, बशर्ते प्रतिफल में केवल भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत नकद और एसआर शामिल हों। ऐसे एसआर का मूल्यांकन आवधिक रूप से एआरसी द्वारा घोषित निवल आस्ति मूल्य (एनएवी) की गणना करके ऐसे लिखतों के लिए प्राप्त रिकवरी रेटिंग के आधार पर किया जाएगा।

बैंक ने भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत अंकित मूल्य या एआरसी द्वारा घोषित निवल आस्ति मूल्य (एनएवी), जो भी कम हो, को लाभ और हानि खाते ₹3,874.99 करोड़ में जमा करके क्रेडिट किया है, जो नेशनल आस्ति रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल) द्वारा प्रबंधित 19 ट्रस्ट खातों से संबंधित अंकित मूल्य या एनएवी से कम है।

आ. लेखा मानक - 15 कर्मचारी हितलाभ:

ऊपर सूचीबद्ध कर्मचारी लाभ भारत में कर्मचारियों के संबंध में हैं। विदेशी प्रचालनों के कर्मचारी उपर्युक्त योजनाओं में शामिल नहीं हैं।

1. नियत हितलाभ योजनाएं

1. कर्मचारी पेंशन योजना और ग्रेच्युटी योजना

निम्नलिखित तालिका नियत लाभ पेंशन योजना और ग्रेच्युटी योजना की स्थिति के अनुसार निर्धारित करती है बैंक द्वारा नियुक्त स्वतंत्र बीमांकिक द्वारा बीमांकिक मूल्यांकन: -

विवरण	पेंशन प्लान		ग्रेच्युटी प्लान	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नियत लाभ देयता के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन				
1 अप्रैल को नियत लाभ देयता	1,90,944.96	1,56,966.26	12,833.94	12,390.48
वर्तमान सेवा लागत	1,109.80	956.93	490.61	471.41
ब्याज लागत	13,805.32	11,537.02	925.33	926.81
पिछली सेवा लागत (निहित लाभ)	-	7,100.00	-	-
बीमांकिक (लाभ) / हानि	11,883.95	26,225.01	489.79	570.84
भुगतान किए गए लाभ	(6083.50)	(5,165.42)	(1,363.06)	(1,525.60)
बैंक द्वारा सीधे भुगतान	(7,189.74)	(6,674.84)	-	-
31 मार्च को नियत लाभ देयता	2,04,470.79	1,90,944.96	13,376.61	12,833.94
प्लान आस्तियों में परिवर्तन				
1 अप्रैल को योजना आस्तियों का उचित मूल्य	1,51,643.97	1,33,148.54	12,139.72	11,065.66
प्लान आस्ति पर अपेक्षित रिटर्न	10,963.86	9,786.42	875.27	827.71
नियोक्ता द्वारा अंशदान	8,112.88	7,634.52	694.22	1,324.82
कर्मचारियों द्वारा अपेक्षित अंशदान	2.78	-	0.10	0.09
भुगतान किए गए लाभ	(6,083.50)	(5,165.42)	(1,363.06)	(1,525.60)
प्लान एसेट्स पर बीमांकिक लाभ / (हानि) - अनुभव के कारण	2,791.26	6,239.91	208.63	447.04
31 मार्च को योजना आस्तियों का उचित मूल्य	1,67,431.25	1,51,643.97	12,554.88	12,139.72

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

(₹ करोड़ में)

विवरण	पेंशन प्लान		ग्रेज्युटी प्लान	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
देयता के वर्तमान मूल्य और योजना आस्तियों के उचित मूल्य का समाधान				
वर्ष के अंत में वित्त पोषित देयता का वर्तमान मूल्य	2,04,470.79	1,90,944.96	13,376.61	12,833.94
वर्ष के अंत में योजना आस्तियों का उचित मूल्य	1,67,431.25	1,51,643.97	12,554.88	12,139.72
वित्त पोषित स्थिति घाटा/(अधिशेष)	37,039.54	39,300.99	821.73	694.22
शामिल नहीं की गई पिछली सेवा लागत (निहित) इतिशेष	-	-	-	-
शामिल नहीं की गई संक्रमणकालीन देयता इतिशेष	-	-	-	-
निवल देयता/(आस्ति)	37,039.54	39,300.99	821.73	694.22
तुलन पत्र में शामिल की गई राशि				
देयता	2,04,470.79	1,90,944.96	13,376.61	12,833.94
आस्तियां	1,67,431.25	1,51,643.97	12,554.88	12,139.72
तुलन पत्र में शामिल की गई राशि (आस्ति)/ निवल देयता	37,039.54	39,300.99	821.73	694.22
शामिल नहीं की गई पिछली सेवा लागत (निहित) इतिशेष	-	-	-	-
शामिल नहीं की गई संक्रमणकालीन देयता इतिशेष	-	-	-	-
तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त निवल देयता/(आस्ति)	37,039.54	39,300.99	821.73	694.22
लाभ और हानि खाते में शामिल निवल लागत				
वर्तमान सेवा लागत	1,109.80	956.93	490.61	471.41
ब्याज लागत	13,805.32	11,537.02	925.33	926.81
प्लान आस्ति पर अपेक्षित रिटर्न	(10,963.86)	(9,786.42)	(875.27)	(827.71)
कर्मचारियों द्वारा अपेक्षित अंशदान	(2.78)	-	(0.10)	(0.09)
पिछली सेवा लागत (परिशोधित)	-	-	-	-
पिछली सेवा लागत (निहित लाभ)	-	7,100.00	-	-
निवल बीमांकिक हानियां/(लाभ) वर्ष के दौरान शामिल	9,092.69	19,985.10	281.16	123.80
अनुसूची 16 में शामिल नियत लाभ योजनाओं की कुल लागत कर्मचारियों के लिए भुगतान और प्रावधान	13,041.17	29,792.63	821.73	694.22
योजना आस्तियों पर अपेक्षित रिटर्न और वास्तविक रिटर्न का समाधान				
प्लान आस्ति पर अपेक्षित रिटर्न	10,963.86	9,786.42	875.27	827.71
योजना आस्तियों पर बीमांकिक लाभ/(हानि)- अनुभव के कारण	2,791.26	6,239.91	208.63	447.04
प्लान आस्ति पर वास्तविक रिटर्न	13,755.12	16,026.33	1,083.90	1,274.75
तुलन पत्र में शामिल निवल देयता/(आस्ति) अधिशेष व इतिशेष का समाधान				
1 अप्रैल को निवल देयता/(आस्ति)	39,300.99	23,817.72	694.22	1,324.82
लाभ और हानि खाते में शामिल व्यय	13,041.17	29,792.63	821.73	694.22
सीधे बैंक द्वारा भुगतान	(7,189.74)	(6,674.84)	-	-
अन्य प्रावधान के लिए डेबिट	-	-	-	-
रिजर्व में शामिल	-	-	-	-
नियोक्ता का अंशदान	(8,112.88)	(7,634.52)	(694.22)	(1,324.82)
तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त निवल देयता/(आस्ति)	37,039.54	39,300.99	821.73	694.22

31 मार्च 2025 तक पेंशन फंड और ग्रेच्युटी फंड की प्लान आस्तियां इस प्रकार हैं:

आस्तियों की श्रेणी	पेंशन फंड		ग्रेच्युटी योजना	
	प्लान आस्तियों का %		प्लान आस्तियों का %	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
केंद्र सरकार की प्रतिभूतियां	12.71%	13.82%	14.99%	15.25%
राज्य सरकार की प्रतिभूतियां	38.41%	36.25%	33.50%	34.25%
ऋण प्रतिभूतियां, मुद्रा बाजार प्रतिभूतियां और बैंक जमा	29.42%	28.36%	25.53%	26.14%
ईटीएफ और म्यूचुअल फंड	16.58%	15.06%	14.05%	13.22%
बीमाकर्ता प्रबंधित फंड	1.07%	1.10%	10.56%	10.05%
अन्य	1.81%	5.41%	1.37%	1.09%
कुल	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

प्रमुख बीमांकिक आकलन

विवरण	पेंशन प्लान		ग्रेच्युटी प्लान	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बट्टा दर	7.02%	7.23%	6.82%	7.21%
प्लान आस्ति पर रिटर्न की अपेक्षित दर	7.02%	7.23%	6.82%	7.21%
वेतन वृद्धि दर	6.00%	6.00%	6.00%	6.00%
पेंशन वृद्धि दर	2.00%	2.00%	लागू नहीं	लागू नहीं
संघर्षण दर	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%
रोजगार के दौरान मृत्यु दर तालिका	आईएलएम 2012-14 (शहरी)	आईएलएम 2012-14 (शहरी)	आईएलएम 2012-14 (शहरी)	आईएलएम 2012-14 (शहरी)
रोजगार के बाद मृत्यु दर तालिका	आईएलएम 2006-08 (अंतिम)	आईएलएम 2006-08 (अंतिम)	लागू नहीं	लागू नहीं

योजना में अधिशेष/घाटा

पेंशन

तुलन पत्र में शामिल राशि	(₹ करोड़ में)				
	31-03-2021 को समाप्त वर्ष	31-03-2022 को समाप्त वर्ष	31-03-2023 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	31-03-2025 को समाप्त वर्ष
वर्ष के अंत में देयताएं	1,25,806.37	1,46,124.99	1,56,966.26	1,90,944.96	2,04,470.79
वर्ष के अंत में प्लान आस्तियों का उचित मूल्य	1,06,445.86	1,30,590.73	1,33,148.54	1,51,643.97	1,67,431.25
अंतर	19,360.51	15,534.26	23,817.72	39,300.99	37,039.54
नहीं ली गई पिछली सेवा लागत	-	-	-	-	-
नहीं ली गई संक्रमण देयता	-	-	-	-	-
तुलन पत्र में शामिल राशि	19,360.51	15,534.26	23,817.72	39,300.99	37,039.54

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

एक्सपिरियंस समायोजन

(₹ करोड़ में)

तुलन पत्र में ली गई राशि	31-03-2021 को समाप्त वर्ष	31-03-2022 को समाप्त वर्ष	31-03-2023 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	31-03-2025 को समाप्त वर्ष
प्लान देयता पर (लाभ)/हानि	12,528.38	4,162.26	8,997.32	21,009.20	7,928.54
प्लान आस्ति पर (हानि)/लाभ	3,705.91	(436.95)	(4,364.24)	6,239.91	2,791.26

ग्रेच्युटी योजना

अधिशेष/घाटा

(₹ करोड़ में)

तुलन पत्र में ली गई राशि	31-03-2021 को समाप्त वर्ष	31-03-2022 को समाप्त वर्ष	31-03-2023 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	31-03-2025 को समाप्त वर्ष
वर्ष के अंत में देयता	13,447.17	12,714.22	12,390.48	12,833.94	13,376.61
वर्ष के अंत में योजना आस्तियों का उचित मूल्य	10,950.23	10,925.06	11,065.66	12,139.72	12,554.88
अंतर	2,496.94	1,789.16	1,324.82	694.22	821.73
नहीं ली गई पिछली सेवा लागत	-	-	-	-	-
नहीं ली गई संक्रमण देयता	-	-	-	-	-
तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त राशि	2,496.94	1,789.16	1,324.82	694.22	821.73

विगत (एक्सपिरियंस) समायोजन

(₹ करोड़ में)

तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त राशि	31-03-2021 को समाप्त वर्ष	31-03-2022 को समाप्त वर्ष	31-03-2023 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष	31-03-2025 को समाप्त वर्ष
योजना देयता पर (लाभ)/हानि	1,053.04	366.15	138.91	542.28	38.49
योजना आस्ति पर (हानि)/लाभ	331.37	(76.85)	(336.70)	447.04	208.63

अगले वर्ष के लिए पेंशन और ग्रेच्युटी फंड में क्रमशः ₹3,045.99 करोड़ और ₹1,347.52 करोड़ का अंशदान होने की उम्मीद है।

जब योजना आस्तियों को सरकारी प्रतिभूतियों से प्राप्त उत्पादकता वक्र के आधार पर बाजार में चिह्नित किया जाता है, तो वापसी की अपेक्षित दर छूट दर के समान रखी गई है।

बीमांकिक मूल्यन में फैक्टर भावी वेतन वृद्धि के अनुमानों में मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति और रोजगार बाजार में आपूर्ति एवं मांग जैसे अन्य संगत कारकों को ध्यान में रखा जाता है। ऐसे अनुमान बहुत दीर्घावधिक होते हैं और पिछले सीमित अनुभव/निकट भविष्य पर आधारित नहीं होते हैं। अनुभवजन्य साक्ष्य यह भी बताते हैं कि बहुत लंबी अवधि में, लगातार उच्च वेतन वृद्धि दर संभव नहीं है। लेखापरीक्षकों द्वारा उक्त अनुमानों व आकलन पर भरोसा किया गया है।

2. कर्मचारी भविष्य निधि

नियतात्मक दृष्टिकोण के अनुसार, बैंक के भविष्य निधि ट्रस्ट में ब्याज की कमी के संबंध में किया गया बीमांकिक मूल्यांकन शून्य देयता दर्शाता है इसलिए वित्त वर्ष 2024-25 में कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

निम्नलिखित तालिका बैंक द्वारा नियुक्त स्वतंत्र बीमांकिक द्वारा बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार भविष्य निधि की स्थिति निर्धारित करती है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	भविष्य निधि	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नियत लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन		
1 अप्रैल को नियत लाभ दायित्व की आरंभिक राशि	41,827.21	38,236.80
वर्तमान सेवा लागत	2,145.88	2,123.44
ब्याज लागत	3,518.56	3,087.84
कर्मचारी अंशदान (वीपीएफ सहित)	2,830.62	2,822.83
बीमांकिक हानि/(लाभ)	27.58	(3.96)
प्रदत्त लाभ	(4,230.90)	(4,439.74)
31 मार्च को नियत लाभ दायित्व का इतिशेष	46,118.95	41,827.21
प्लान आस्तियों में बदलाव		
1 अप्रैल को योजना आस्तियों का उचित मूल्य	42,600.99	39,210.05
प्लान आस्ति पर अपेक्षित रिटर्न	3,518.56	3,087.84
अंशदान	4,976.50	4,946.27
अनर्जक निवेश की परिपक्वता पर हानि का प्रावधान	-	-
प्रदत्त लाभ	(4,230.90)	(4,439.74)
योजना आस्तियों पर बीमांकिक लाभ / (हानि)	(434.71)	(203.43)
31 मार्च को योजना आस्तियों का उचित मूल्य	46,430.44	42,600.99
दायित्व के वर्तमान मूल्य और योजना आस्तियों के उचित मूल्य का समायोजन		
वर्ष के अंत में वित्त पोषित दायित्व का वर्तमान मूल्य	46,118.95	41,827.21
वर्ष के अंत में योजना आस्तियों का उचित मूल्य	46,430.44	42,600.99
वित्त पोषित स्थिति घाटा/(अधिशेष)	(311.49)	(773.78)
तुलन पत्र में निवल आस्ति को मान्यता नहीं दी गई	311.49	773.78
लाभ और हानि खाते में मान्यता प्राप्त निवल लागत		
वर्तमान सेवा लागत	2,145.88	2,123.44
ब्याज लागत	3,518.56	3,087.84
प्लान आस्ति पर अपेक्षित रिटर्न	(3,518.56)	(3,087.84)
कम ब्याज को रिवर्स किया गया	-	-
अनुसूची 16 में शामिल नियत हितलाभ योजनाओं की कुल लागत कर्मचारियों के लिए भुगतान और प्रावधान	2,145.88	2,123.44
तुलन पत्र में शामिल की गई निवल देयता/(आस्ति) का समाधान		
1 अप्रैल को आरंभिक नेट देयता	-	-
उपरोक्त के रूप में व्यय	2,145.88	2,123.44
नियोक्ता का अंशदान	(2,145.88)	(2,123.44)
तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त निवल देयता/(आस्ति)	-	-

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

31 मार्च 2025 तक भविष्य निधि की योजना आस्ति इस प्रकार है:

आस्तियों की श्रेणी	भविष्य निधि	
	योजना आस्तियों का %	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
केंद्र सरकार की प्रतिभूतियां	16.43%	18.10%
राज्य सरकार की प्रतिभूतियां	38.53%	34.96%
ऋण प्रतिभूतियां, मुद्रा बाजार प्रतिभूतियां और बैंक जमा	31.93%	32.29%
म्युचुअल फंड	10.40%	8.83%
अन्य	2.71%	5.82%
कुल	100.00%	100.00%

प्रमुख बीमांकिक आकलन

विवरण	भविष्य निधि	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बढ़ा दर	6.82%	7.21%
गारंटीड रिटर्न	8.25%	8.15%
पलायन दर	2.00%	2.00%
वेतन वृद्धि दर	6.00%	6.00%
मृत्यु दर तालिका	आईएलएम 2012-14 (शहरी)	आईएलएम 2012-14 (शहरी)

एसबीआई कर्मचारी भविष्य निधि के तहत देयता के लिए एक गारंटीकृत रिटर्न लागू है जो इनमें से किसी से भी कम नहीं होगा:

(अ) पूर्ववर्ती वर्ष में बारह महीनों के लिए निर्धारित नई जमाराशियों के लिए बैंक द्वारा उद्धृत औसत मानक दर (ब्याज एक चौथाई प्रतिशत तक समायोजित या नीचे) से आधा प्रतिशत ऊपर (मार्च के 31 वें दिन से पहले समाप्त); अथवा

(आ) कार्यकारी समिति के अनुमोदन के अधीन तीन प्रतिशत प्रति वर्ष।

ii. नियत अंशदान योजना:

बैंक की नियत अंशदान पेंशन योजना (डीसीपीएस) है जो 1 अगस्त 2010 को या उसके बाद बैंक में शामिल होने वाले सभी श्रेणियों के अधिकारियों और कर्मचारियों पर लागू है। इस योजना का प्रबंधन पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण के तत्वावधान में एनपीएस ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड को एनपीएस के लिए केंद्रीय रिकॉर्ड कीपिंग एजेंसी के रूप में नियुक्त किया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, बैंक ने ₹1,797.66 करोड़ (पिछले वर्ष ₹1,552.41 करोड़) का अंशदान दिया।

iii. दीर्घकालिक कर्मचारी हितलाभ (अनधिकृत देयताएं):

(क) संचित क्षतिपूर्ति अनुपस्थितियां (अर्जित अवकाश)

निम्नलिखित तालिका के अनुसार बैंक द्वारा नियुक्त स्वतंत्र बीमांकिक द्वारा बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार संचित प्रतिपूर्ति अनुपस्थिति (विशेषाधिकार अवकाश) जमा करने की स्थिति दर्शाई गई है: -

विवरण	संचित क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति (अर्जित अवकाश)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नियत हितलाभ देयता के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन		
1 अप्रैल को नियत हितलाभ देयता	13,543.96	11,068.33
वर्तमान सेवा लागत	454.91	363.76
ब्याज लागत	976.52	827.91
बीमांकिक हानि/(लाभ)	2,108.89	2,372.84
प्रदत्त लाभ	(1,188.67)	(1,088.88)
31 मार्च को नियत हितलाभ देयता	15,895.61	13,543.96
लाभ और हानि खाते में शामिल की गई निवल लागत		
वर्तमान सेवा लागत	454.91	363.76
ब्याज लागत	976.52	827.91
बीमांकिक (लाभ)/हानि	2,108.89	2,372.84
अनुसूची 16 में शामिल नियत लाभ योजनाओं की कुल लागत कर्मचारियों के लिए भुगतान और प्रावधान	3,540.32	3,564.51
तुलन पत्र में शामिल की गई निवल देयता/(आस्ति) का समाधान		
1 अप्रैल को प्रारंभिक निवल देयता	13,543.96	11,068.33
उपरोक्त के रूप में व्यय	3,540.32	3,564.51
नियोक्ता का अंशदान	-	-
नियोक्ता द्वारा प्रदत्त प्रत्यक्ष लाभ	(1,188.67)	(1,088.88)
तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त निवल देयता/(आस्ति)	15,895.61	13,543.96

प्रमुख बीमांकिक अनुमान

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बढ़ा दर	6.82%	7.21%
वेतन वृद्धि दर	6.00%	6.00%
पलायन दर	2.00%	2.00%
मृत्यु दर तालिका	आईएलएम 2012-14 (शहरी)	आईएलएम 2012-14 (शहरी)

(ल) अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ

बैंक द्वारा नियुक्त स्वतंत्र बीमांकिक द्वारा अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों जैसे अवकाश यात्रा और गृह यात्रा रियायत (नकदीकरण/प्राप्ति), रजत जयंती पुरस्कार, सेवानिवृत्ति और सेवानिवृत्ति पुरस्कार पर पुनर्वास व्यय के लिए बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार ₹86.32 करोड़ (पिछले वर्ष ₹193.85 करोड़) का एक माउंट प्रदान किया जाता है और इसे लाभ और हानि खाते में कर्मचारियों के लिए भुगतान और प्रावधान शीर्ष के तहत शामिल किया जाता है।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

प्रमुख बीमांकिक आकलन

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
छूट की दर	6.82%	7.21%
वेतन वृद्धि दर	6.00%	6.00%
पलायन दर	2.00%	2.00%
मृत्यु दर तालिका	आईएएलएम 2012-14 (शहरी)	आईएएलएम 2012-14 (शहरी)

ग. लेखा मानक - 17 खंडवार सूचना

1. खंड अभिनिर्धारण

I. प्राथमिक (व्यवसाय खंड)

बैंक के प्राथमिक खंड निम्नलिखित हैं:-

- ट्रेजरी
- कॉर्पोरेट/ थोक बैंकिंग
- खुदरा बैंकिंग
- अन्य बैंकिंग व्यवसाय

बैंक की वर्तमान लेखा और सूचना प्रणाली में उपरोक्त खंडों के लिए अलग-अलग डेटा कैप्चर करने और निकालने की व्यवस्था नहीं है। तथापि, वर्तमान आंतरिक, संगठनात्मक और प्रबंधकीय रिपोर्टिंग संरचना एवं उनके जोखिम व प्रतिलाभ की प्रकृति के आधार पर, प्राथमिक खंडों पर डेटा की गणना निम्नानुसार की गई है:

i. ट्रेजरी

ट्रेजरी खंड में संपूर्ण निवेश पोर्टफोलियो और विदेशी विनिमय व डेरिवेटिव्स संविदाओं में ट्रेडिंग शामिल हैं। ट्रेजरी खंड की आय में मुख्य रूप से फीस तथा ट्रेडिंग परिचालनों से होने वाले लाभ या हानि तथा निवेश पोर्टफोलियो की ब्याज-आय शामिल होती है।

ii. कॉर्पोरेट/ थोक बैंकिंग

कॉर्पोरेट/थोक बैंकिंग खंड में कॉर्पोरेट खाता समूह, वाणिज्यिक ग्राहक समूह और तनावग्रस्त संपत्ति समाधान समूह की ऋण देने की गतिविधियाँ शामिल हैं। इनमें कॉर्पोरेट और संस्थागत ग्राहकों को ऋण और लेन-देन सेवाएँ प्रदान करना और विदेशी कार्यालयों के गैर-ट्रेजरी परिचालन शामिल हैं।

iii. खुदरा बैंकिंग

खुदरा बैंकिंग खंड में खुदरा शाखाएँ शामिल हैं, जिनमें मुख्य रूप से वैयक्तिक बैंकिंग गतिविधियाँ आती हैं, जिनमें इन शाखाओं के साथ बैंकिंग संबंध रखने वाले कॉर्पोरेट ग्राहकों को ऋण उपलब्ध कराने की गतिविधियाँ शामिल हैं। इस खंड में एजेंसी व्यवसाय व एटीएम भी शामिल है। आरबीआई परिपत्र डीओआर.एयूटी.आरईसी. 12/ 22.01.001/2022-23 दिनांक 7 अप्रैल 2022 के अनुसार, लेखांकन मानक 17 खंड रिपोर्टिंग के तहत प्रकटीकरण के उद्देश्य से डिजिटल बैंकिंग को खुदरा बैंकिंग खंड के तहत एक उप-खंड के रूप में पहचाना गया है।

iv. अन्य बैंकिंग व्यवसाय

उपर्युक्त (i) से (iii) के अंतर्गत वर्गीकृत न किए गए खंड इस प्राथमिक खंड के अंतर्गत वर्गीकृत किए गए हैं।

II. द्वितीयक (भौगोलिक खंड)

- देशी परिचालन- भारत में परिचालन करने वाली शाखाएँ/कार्यालय
- विदेशी परिचालन- भारत के बाहर परिचालन करने वाली शाखाएँ/कार्यालय तथा भारत में परिचालन करने वाली समुद्र पार बैंकिंग इकाइयाँ

III. अंतर-खंडीय अंतरणों का मूल्य-निर्धारण

खुदरा बैंकिंग खंड प्राथमिक संसाधन जुटाने वाली इकाई है। कॉर्पोरेट/थोक बैंकिंग और ट्रेजरी खंड खुदरा बैंकिंग से निधियाँ प्राप्त करते हैं। बाजार संबंधित निधि अंतरण मूल्य निर्धारण (एमआरएफटीपी) का पालन किया जाता है जिसके तहत निधियन केंद्र नामक एक अलग इकाई बनाई गई है। निधियन केंद्र सैद्धांतिक रूप से उन निधियों को खरीदता है जिन्हें व्यावसायिक इकाइयाँ जमा या उधार के रूप में जुटाती हैं और सैद्धांतिक रूप से आस्तियों के सृजन में लगी व्यवसाय इकाइयों को निधियों का कल्पित विक्रय करती है।

IV. व्यय, आस्तियों और देयताओं का आबंटन

कॉर्पोरेट केंद्र प्रतिष्ठानों पर होने वाले व्यय जो सीधे कॉर्पोरेट/थोक और खुदरा बैंकिंग परिचालन या ट्रेजरी परिचालन खंड के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें तदनुसार आवंटित किया जाता है। सीधे-सीधे न जुड़े हुए व्यय को प्रत्येक खंड में कर्मचारियों की संख्या के अनुपात/सीधे संबंध रखने वाले व्यय के अनुपात के आधार पर आबंटित जाता है।

बैंक के पास कुछ सामान्य आस्तियाँ व देयताएँ हैं, जिन्हें किसी खंड में शामिल नहीं किया जा सकता, उन्हें गैर-आबंटित श्रेणी में रखा गया है।

2. खंडवार सूचना

भाग क: प्राथमिक (व्यवसाय खंड)

व्यवसाय खंड	ट्रेजरी	कॉर्पोरेट/थोक बैंकिंग	रिटेल बैंकिंग		योग	अन्य बैंकिंग परिचालन	(₹ करोड़ में)
			डिजिटल बैंकिंग	अन्य रिटेल बैंकिंग			योग
राजस्व (अपवादात्मक मदों से पूर्व)*	1,35,243.41	1,46,570.05	7,627.19	2,32,959.79	2,40,586.98	-	5,22,400.44
	(1,25,552.27)	(1,30,257.54)	(5,149.22)	(2,03,630.78)	(2,08,780.00)	(-)	(4,64,589.81)
गैर-आबंटित राजस्व*							1,771.97
							(2,223.01)
कुल राजस्व*							5,24,172.41
							(4,66,812.82)
परिणाम (अपवादात्मक मदों से पूर्व)*	17,585.43	28,719.01	15,289.97	43,577.23	58,867.20	-	1,05,171.64
	(16,187.30)	(40,474.40)	(7,685.55)	(31,863.16)	(39,548.71)	(-)	(96,210.41)
घटाएँ: अपवादात्मक मदें*							Nil
							(7,100.00)
परिणाम (अपवादात्मक मदों के बाद)*							1,05,171.64
							(89,110.41)
गैर-आबंटित आय (+)/ व्यय (-)							-9,900.37
- निवल*							(-7,327.45)
कर पूर्व लाभ*							95,271.27
							(81,782.96)
कर*							24,370.64
							(20,706.34)
आसाधारण लाभ*							Nil
							Nil
निवल लाभ*							70,900.63
							(61,076.62)

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

व्यवसाय खंड	ट्रेजरी	कॉर्पोरेट/थोक	रिटेल बैंकिंग			अन्य बैंकिंग	योग
	बैंकिंग	डिजिटल बैंकिंग	अन्य रिटेल बैंकिंग	योग	परिचालन		
अन्य सूचना:							
खंडवार आस्तियां*	17,84,577.65	19,35,573.66	85,400.65	27,92,318.15	28,77,718.80	-	65,97,870.11
	(17,99,263.94)	(17,13,722.56)	(74,123.60)	(25,33,651.57)	(26,07,775.17)	(-)	(61,20,761.67)
अन-आबंटित आस्तियां*							78,183.16
							(58,932.27)
कुल आस्तियां*							66,76,053.27
							(61,79,693.94)
खंडवार देयताएं*	15,77,129.76	17,53,842.31	9,08,256.98	17,56,318.53	26,64,575.51	-	59,95,547.58
	(16,20,651.34)	(16,26,313.44)	(6,94,818.32)	(16,70,042.28)	(23,64,860.60)	(-)	(56,11,825.38)
अन-आबंटित देयताएं*							2,39,343.57
							(1,90,622.03)
कुल देयताएं*							62,34,891.15
							(58,02,447.41)

(कोष्ठक में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष के हैं)।

इ. भाग ख : द्वितीयक (भौगोलिक खंड):

विवरण	घरेलू		विदेशी		योग	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
राजस्व (अपवादात्मक मदों से पूर्व)	4,81,313.36	4,27,103.26	42,859.06	39,709.56	5,24,172.41	4,66,812.82
निवल लाभ #	59,023.27	49,032.85	11,877.36	12,043.77	70,900.63	61,076.62
आस्तियाँ *	58,90,325.40	55,13,953.27	7,85,727.87	6,65,740.67	66,76,053.27	61,79,693.94
देयताएँ *	54,59,163.28	51,36,706.74	7,85,727.87	6,65,740.67	62,34,891.15	58,02,447.41

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष हेतु.

* 31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार.

द. लेखा मानक- 18 संबंधित पक्ष प्रकटीकरण

1 संबंधित पक्ष

क. अनुषंगियाँ

i. विदेशी बैंकिंग अनुषंगियाँ

1. कॉमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी, मास्को
2. एसबीआई कनाडा बैंक
3. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कैलिफोर्निया
4. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (यूके) लिमिटेड
5. एसबीआई (मॉरीशस) लि.
6. पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया
7. नेपाल एसबीआई बैंक लि.

ii. देशीय गैर-बैंकिंग अनुषंगियाँ

1. एसबीआई लाइफ इश्योरेंस कंपनी लि.
2. एसबीआई जनरल इश्योरेंस कंपनी लि.
3. एसबीआई कार्गो एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड
4. एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड
5. एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
6. एसबीआई वेंचर लि. (पूर्व में एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)
7. एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड
8. एसबीआईकैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड
9. एसबीआईकैप सिक्योरिटीज लिमिटेड
10. एसबीआई फैक्टर्स लिमिटेड (पूर्व में एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)
11. एसबीआई एसजी - ग्लोबल सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड
12. एसबीआई डीएफएल.आई लिमिटेड
13. एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड
14. एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
15. एसबीआई इन्फ्रा मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (परिसमापन अधीन)
16. एसबीआई फाउंडेशन (गैर-लाभकारी कंपनी)
17. स्टेट बैंक ऑपरेशंस सपोर्ट सर्विसेज प्रा. लिमिटेड
18. एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड

iii. विदेशी गैर-बैंकिंग अनुषंगियाँ

1. एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्रा. लि.
2. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सर्विकोस लिमिटेड
3. नेपाल एसबीआई मर्चेंट बैंकिंग लिमिटेड
4. एसबीआई फंड्स इंटरनेशनल (आईएफएससी) लिमिटेड

ख) संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियाँ

1. सी-एज टेक्नोलॉजीज लि.
2. जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड
3. एसबीआई मैकैरी इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्रा. लि.
4. एसबीआई मैकैरी इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टीज प्रा. लि.
5. मैकैरी एसबीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट पीटीई लि.
6. मैकैरी एसबीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी लि
7. ओमान इंडिया जॉइंट इनवेस्टमेंट फंड-मैनेजमेंट कंपनी प्रा. लि.
8. ओमान इंडिया जॉइंट इनवेस्टमेंट फंड-ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि.

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

ग) सहयोगी

i. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

1. आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक
2. अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक
3. छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक
4. इलाकाई देहाती बैंक
5. मध्यांचल ग्रामीण बैंक
6. मेघालय ग्रामीण बैंक
7. मिजोरम ग्रामीण बैंक
8. नागालैंड ग्रामीण बैंक
9. सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक
10. उत्कल ग्रामीण बैंक
11. उत्तराखंड ग्रामीण बैंक
12. झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक
13. राजस्थान मरुधर ग्रामीण बैंक
14. तेलंगाना ग्रामीण बैंक

ii. अन्य

1. क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (8 अगस्त 2024 तक)
2. बैंक ऑफ भूटान लिमिटेड
3. यस बैंक लिमिटेड
4. इन्वेस्टेक कैपिटल सर्विसेज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
5. एसबीआई होम फाइनेंस लिमिटेड (पूर्णतः विघटित)

घ). बैंक के प्रमुख प्रबंधन कार्मिक

1. श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, अध्यक्ष (28 अगस्त 2024 से)
2. श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष (27 अगस्त 2024 तक)
3. श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक (अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, ग्लोबल मार्केट्स व प्रौद्योगिकी), (27 अगस्त 2024 तक)
4. श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (कॉर्पोरेट बैंकिंग एवं अनुषंगियाँ)
5. श्री आलोक चौधरी, प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन एवं एसएआरजी) (30 जून 2024 तक)
6. श्री विनय एम. तोन्से, प्रबंध निदेशक (रिटेल व्यवसाय एवं परिचालन)
7. श्री राणा आशुतोष सिंह, प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन एवं एसएआरजी) (7 अगस्त 2024 से)
8. श्री राम मोहन राव अमारा, प्रबंध निदेशक (अंतराष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार और प्रौद्योगिकी) (18 दिसंबर 2024 से)

2. वे पक्षकार जिनके साथ वर्ष के दौरान लेनदेन किए गए थे:

लेखा मानक लेखा मानक (एएस) 18 के अनुच्छेद 9 के अंतर्गत सरकार-नियंत्रित उद्यम के संबंधित पक्ष के संबंध में कोई प्रकटीकरण अपेक्षित नहीं है। इसके अतिरिक्त, लेखा मानक 18 के अनुच्छेद 5 के अंतर्गत प्रमुख प्रबंधन कार्मिक तथा प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों के संबंधियों सहित बैंकर-ग्राहक संबंध की प्रकृति वाले लेनदेनों का प्रकटीकरण नहीं किया गया है।

3. लेनदेन और शेष राशियां:

(₹ करोड़ में)

विवरण	सहयोगी/ संयुक्त उद्यम	प्रमुख प्रबंधन कार्मिक और उनके रिश्तेदार	कुल	सहयोगी/ संयुक्त उद्यम	प्रमुख प्रबंधन कार्मिक और उनके रिश्तेदार	कुल
तक बकाया	31 मार्च 2025			31 मार्च 2024		
उधार राशि	-	-	-	-	-	-
जमा राशि	622.37	-	622.37	1,938.05	-	1,938.05
अन्य देनदारियां	18.16	-	18.16	72.23	-	72.23
बैंकों के पास शेष राशि और कॉल पर धन और अल्प सूचना	0.22	-	0.22	4.55	-	4.55
अग्रिम	3,116.57	-	3,116.57	1,868.59	-	1,868.59
निवेश	7,917.14	-	7,917.14	7,925.54	-	7,925.54
अन्य आस्तियां	6.00	-	6.00	377.71	-	377.71
गैर-निधि प्रतिबद्धताएं (एलसी/बीजी)	237.05	-	237.05	96.23	-	96.23
अधिकतम बकाया	वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान			वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान		
उधार	641.06	-	641.06	850.00	-	850.00
जमा	3,516.89	-	3,516.89	6,410.68	-	6,410.68
अन्य देनदारियां	171.29	-	171.29	97.67	-	97.67
बैंकों के पास शेष राशि और कॉल पर धन और अल्प सूचना	7.22	-	7.22	8.64	-	8.64
अग्रिम	3,248.71	-	3,248.71	2,204.87	-	2,204.87
निवेश	7,925.54	-	7,925.54	7,925.54	-	7,925.54
अन्य आस्तियां	431.24	-	431.24	417.29	-	417.29
गैर-निधि प्रतिबद्धताएं (एलसी/बीजी)	237.05	-	237.05	96.23	-	96.23
वर्ष के दौरान	वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान			वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान		
ब्याज आय	388.74	-	388.74	133.61	-	133.61
ब्याज व्यय	85.68	-	85.68	143.67	-	143.67
लाभांश के माध्यम से अर्जित आय	28.44	-	28.44	25.99	-	25.99
अन्य आय	3.64	-	3.64	3.51	-	3.51
अन्य व्यय	16.20	-	16.20	33.59	-	33.59
भूमि/भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री पर लाभ/(हानि)	-	-	-	(-)0.02	-	(-)0.02
प्रबंधन अनुबंध	-	2.56	2.56	-	2.21	2.21

वर्ष के दौरान रिपोर्ट करने के लिए कोई महत्वपूर्ण संबंधित पार्टी लेनदेन नहीं हैं।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

ई. लेखा मानक - 19 पट्टा:

- परिचालन पट्टे में मुख्य रूप से कार्यालय परिसर और कर्मचारी निवास शामिल हैं, बैंक के पास इनका नवीकरणीय करने का विकल्प है।
- गैर-निरस्तीकरण योग्य परिचालन पट्टे पर लिए गए परिसर के लिए देयता नीचे दी गई है:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार
1 वर्ष तक	19.88	58.39
1 वर्ष से अधिक और 5 वर्ष तक	319.13	25.88
5 वर्ष के पश्चात	94.63	8.90
कुल	433.64	93.17

- परिचालन पट्टों के लिए लाभ व हानि खाते में मान्यता प्राप्त पट्टे भुगतान की राशि ₹4,616.44 करोड़ (पिछले वर्ष ₹4,412.43 करोड़) है।

उ. लेखा मानक - 20 प्रति शेयर उपार्जन:

बैंक, लेखा मानक 20, प्रति शेयर उपार्जन के अनुसार प्रत्येक इक्विटी शेयर पर मूल और कम की गई आय रिपोर्ट करता है। प्रतिशेयर मूलआय की गणना, वर्ष के दौरान, कर पश्चात निवल आय को बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से भाग देकर निकाली गई है।

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
मूल तथा कम किए गए		
वर्ष के आरंभ में बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या	892,46,11,934	892,46,11,934
वर्ष के दौरान जारी किए गए इक्विटी शेयरों की संख्या	8,100	शून्य
वर्ष के अंत में बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या	892,46,20,034	892,46,11,934
प्रति शेयर मूल आय की गणना में उपयोग किए जाने वाले इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	892,46,17,147	892,46,11,934
प्रति शेयर कम की गई आय की गणना में उपयोग किए जाने वाले शेयरों की भारित औसत संख्या	892,46,17,147	892,46,11,934
निवल लाभ / (हानि) (₹ करोड़ में)	70,900.63	61,076.62
प्रति शेयर मूल आय (₹)	79.44	68.44
प्रति शेयर कम की गई आय (₹)	79.44	68.44
प्रति शेयर सांकेतिक मूल्य (₹)	1.00	1.00

ऊ. लेखा मानक - 22 आय पर करों के लिए लेखांकन:

क. वर्तमान कर:

बैंक ने वर्ष के दौरान लाभ एवं हानि खाते में ₹24,843.75 करोड़ (पिछले वर्ष ₹22,871.63 करोड़) वर्तमान कर के रूप में क्रेडिट किए हैं। भारत में वर्तमान कर की गणना, विदेशी अधिकार क्षेत्र में भुगतान किए गए कर के लिए उपयुक्त छूट प्राप्त कर लेने के बाद आयकर अधिनियम 1961 के प्रावधानों के अनुसार की गई है।

ख. आस्थगित कर

बैंक ने वर्ष के दौरान लाभ एवं हानि खाते से ₹473.11 करोड़ आस्थगित कर के रूप में क्रेडिट किए हैं। (पिछले वर्ष ₹2,165.29 करोड़ डेबिट किया गया)

बैंक की बकाया निवल आस्थगित कर आस्तियाँ (डीटीए) ₹9,229.43 करोड़ (पिछले वर्ष निवल डीटीए ₹11,423.87 करोड़) रहीं, जिसमें 'अन्य देयताएं एवं प्रावधान' के अंतर्गत ₹54.93 करोड़ (पिछले वर्ष ₹7.60 करोड़) की डीटीएल तथा 'अन्य आस्तियाँ' के ₹9,284.36 करोड़ (पिछले वर्ष निवल डीटीए ₹11,431.47 करोड़) की 'आस्थगित कर आस्तियाँ' (डीटीए) शामिल है। डीटीए और डीटीएल की प्रमुख मदों का ब्योरा नीचे प्रस्तुत किया गया है:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार
आस्थगित कर संपत्ति (डीटीए)		
दीर्घकालिक कर्मचारी हितलाभ के लिए प्रावधान	13,420.45	13,645.91
अग्रिम के लिए प्रावधान	5,966.23	5,910.46
अन्य आस्तियों/अन्य देनदारियों के लिए प्रावधान	2,636.94	3,033.08
विदेशी मुद्रा अनुवाद रिजर्व पर	1,325.89	1,101.26
अचल आस्तियों पर मूल्यहास	399.48	404.19
भारत में आईबीजी के निवेश पर मार्क टू मार्केट गेन पर	15.82	-
विदेशी कार्यालयों के कारण	502.20	432.86
कुल	24,267.01	24,527.76
आस्थगित कर देनदारियां (DTL)		
अर्जित ब्याज लेकिन प्रतिभूतियों पर देय नहीं	7,328.15	7,191.40
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के तहत विशेष रिजर्व सृजित	5,301.47	4,914.57
आईसीडीएस-अर्जित आयकर रिफंड पर ब्याज और प्राप्त नहीं	686.38	990.32
निवेश पर बाजार लाभ के लिए मार्क पर	1,666.65	-
विदेशी कार्यालयों के कारण	54.93	7.60
कुल	15,037.58	13,103.89
निवल आस्थगित कर आस्तियां/(देयताएं)	9,229.43	11,423.87

बैंक ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 115बीए के तहत अनुमत कम कर दर के विकल्प का उपयोग किया था, जैसा कि कराधान कानून (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा वित्त वर्ष 2019-20 से पेश किया गया था।

बैंक की शाखाएं/कार्यालय हैं जिनका परिचालन भारत से बाहर है। आठ देशों में। पिलर 2 दो कानून अधिनियमित या वास्तविक रूप से अधिनियमित किया गया है लेकिन रिपोर्टिंग अवधि के प्रमुख भाग के लिए अभी तक प्रभावी नहीं है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए, इन विदेशी शाखाओं ने पिलर 2 दो कानून के तहत किसी भी कर का भुगतान नहीं किया है।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

लेखा मानक-27 संयुक्त उद्यमों में हित की वित्तीय रिपोर्टिंग:

निवेशों में ₹104.89 करोड़ (पिछले वर्ष ₹28.06 करोड़) शामिल हैं जो संयुक्त रूप से नियंत्रित निम्नलिखित कंपनियों में बैंक के हिस्से को दर्शाता है :

कंपनी का नाम	राशि ₹ करोड़ में	देश	धारिता %
सी-एज टेक्नोलॉजीज लि.	4.90 (4.90)	भारत	49% (49%)
एसबीआई मैकेरी इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्रा. लि	18.57 (18.57)	भारत	45% (45%)
एसबीआई मैकेरी इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्रा. लि.	0.03 (0.03)	भारत	45% (45%)
मैकेरी एसबीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट पीटीई लि.*	- (2.25)	सिंगापुर	45% (45%)
मैकेरी एसबीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी लि. **	- (-)	बरमुडा	45% (45%)
ओमान इंडिया ज्वाइंट इन्वेस्टमेंट फंड- मैनेजमेंट कंपनी प्रा. लि.	2.30 (2.30)	भारत	50% (50%)
ओमान इंडिया ज्वाइंट इन्वेस्टमेंट फंड-ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि.	0.01 (0.01)	भारत	50% (50%)
जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड ***	79.08 (-)	भारत	14.96% (-)
कुल	104.89 (28.06)		

* वर्ष के दौरान निवेश पर 100% प्रावधान किया गया है।

** मैकेरी एसबीआई इन्फ्रा मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से अप्रत्यक्ष होल्डिंग के आधार पर कम्पनी ने निवेश पर 100% प्रावधान किया है।

*** जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को 31.03.2024 तक सहयोगी माना गया है।

लेखांकन मानक एस 27 की अपेक्षा के अनुरूप, संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं में बैंक के हिस्से से संबंधित आस्तियों, देयताओं, आय, व्यय, आकस्मिक देयताओं व प्रतिबद्धताओं की कुल राशि निम्नानुसार दर्शाई गई है:

विवरण	31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार
देयताएँ		
पूँजी और आरक्षित निधियाँ	332.44	244.45
जमा-राशियाँ	44.17	-
उधार-राशियाँ	-	-
अन्य देयताएँ एवं प्रावधान	83.68	52.47
योग	460.29	296.92
आस्तियाँ		
नकदी और भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा-राशियाँ	10.35	-
बैंकों में जमा-राशियाँ और माँग तथा अल्प सूचना पर प्राप्त राशि	199.29	157.53
निवेश	85.24	22.01
अग्रिम	-	-
अचल आस्तियाँ	59.05	32.85
अन्य आस्तियाँ	106.36	84.53
योग	460.29	296.92
पूँजी प्रतिबद्धताएँ		
अन्य आकस्मिक देयताएँ	1.79	1.49

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार
आय		
अर्जित ब्याज	13.90	10.16
अन्य आय	301.02	218.30
योग	314.92	228.46
व्यय		
व्यय किया गया ब्याज	1.11	-
परिचालन व्यय	226.11	164.34
प्रावधान एवं आकस्मिकताएँ	27.43	17.51
योग	254.65	181.85
लाभ	60.27	46.61

लेखा मानक - 28 आस्तियों की क्षति:

बैंक प्रबंधन की दृष्टि में, वर्ष के दौरान गैर-मौद्रिक आस्तियों की क्षति का कोई संकेत नहीं है।

ज. लेखांकन मानक-29 प्रावधान, आकस्मिक देयताएँ और आकस्मिक आस्तियाँ:

आकस्मिक देयताओं का विवरण:

क्रम सं.	विवरण	संक्षिप्त विवरण
1	बैंक के विरुद्ध दावे जो उधार के रूप में स्वीकृत नहीं हैं।	व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया में बैंक विभिन्न कार्यवाहियों में एक पक्ष है। बैंक को अपेक्षा नहीं है कि इन कार्यवाहियों के परिणाम स्वरूप बैंक की वित्तीय स्थितियों, परिचालन परिणामों या नकदी प्रवाह पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। कुछ मामलों में कर निर्धारण अपीलों विचाराधीन हैं तथा बैंक उन विभिन्न मामलों में भी एक पक्ष है।
2	अंशतः प्रदत्त निवेशों/ उद्यम निधि पर देयताएँ	यह मद, अंशतः प्रदत्त निवेशों के लिए अप्रदत्त शेष राशि की देयता को दर्शाती है। इसमें उद्यम पूंजी निधियों हेतु अनाहरित प्रतिबद्धताएँ भी शामिल हैं।
3	बकाया वायदा विनिमय संविदाओं के कारण देयताएँ	बैंक अपने सामान्य व्यावसायिक कार्यकलाप के भाग के रूप में, भविष्य की किसी तारीख को पूर्व-निर्धारित दर पर मुद्रा परिवर्तन के लिए विदेशी मुद्रा विनिमय संविदाएँ करता है। वायदा मुद्रा विनिमय संविदाएँ, संविदागत दर पर निर्धारित तारीख को विदेशी मुद्रा खरीदने या बेचने के लिए प्रतिबद्धता होती है। कल्पित राशि को आकस्मिक देयताओं के रूप में दर्ज किया जाता है। अपने ग्राहकों के साथ किए गए लेनदेन के संबंध में संतुलन साधने के लिए सामान्यतः बैंक अंतर-बैंक बाजार में प्रतिसंतुलन लेनदेन करता है। इसका परिणाम बड़ी संख्या में बकाया लेनदेन होता है, और इसलिए संविभाग की सकल कल्पित मूल राशि की मात्रा भी बहुत बढ़ जाती है, जबकि निवल बाजार जोखिम बहुत कम होता है।
4	ग्राहकों की ओर से दी गई गारंटियाँ, स्वीकृतियाँ, परांकन तथा अन्य दायित्व	अपनी सामान्य वाणिज्यिक बैंकिंग कार्यकलापों के एक भाग के रूप में बैंक, अपने ग्राहकों की ओर से प्रलेखी ऋण तथा गारंटियाँ जारी करता है। प्रलेखी ऋण से बैंक के ग्राहकों की ऋण-अवस्थिति बढ़ती है। गारंटियाँ सामान्यतः बैंक की ओर से अप्रतिसंहरणीय (जिसे वापस न लिया जा सके) आश्वासन होता है कि यदि ग्राहक अपने वित्तीय या निष्पादन दायित्वों को पूरा करने में असफल रहता है तो बैंक उनका भुगतान करेगा।
5	अन्य मदें जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से जिम्मेदार है।	बैंक अपने लिए तथा ग्राहकों की ओर से अंतर-बैंक सहभागियों के साथ मुद्रा विकल्प, वायदा दर करार, विदेशी मुद्रा विनिमय तथा ब्याज दर स्वेप में शामिल होता है। मुद्रा स्वेप, पूर्व-निर्धारित दरों के आधार पर ब्याज/मूल राशि के माध्यम से एक मुद्रा से दूसरी मुद्रा में विनिमय का नकदी प्रवाहों के परिवर्तन की प्रतिबद्धता है। ब्याज दर स्वेप, ब्याज की स्थिर तथा अस्थिर दर नकदी प्रवाहों के विनिमय की प्रतिबद्धताएँ हैं। कल्पित राशियाँ, जो आकस्मिक देयताओं के रूप में दर्ज की जाती हैं, संविदाओं के ब्याज अंश की गणना के लिए बेंचमार्क के रूप में प्रयोग की जाने वाली विशिष्ट राशियाँ हैं। आगे, इसमें संविदाओं की ऐसी अनुमानित राशि भी शामिल है जो पूंजी खाते में डाली जानी है और जिसका प्रावधान नहीं किया गया, बैंक द्वारा सहयोगियों एवं अनुषंगियों की ओर से जारी चुकौती आश्वासन पत्र, जमाकर्ता शिक्षण एवं जागरूकता निधि खाते के अंतर्गत बैंक की देयताएँ और अन्य विविध आकस्मिक देयताएँ भी शामिल हैं।

उपर्युक्त आकस्मिक देयताएँ यथास्थिति, न्यायालय/मध्यस्थता/न्यायालय के बाहर समझौते, अपीलों के निपटान, राशियों की मांग, संविदागत बाध्यताओं की शर्तों, संबंधित पक्षों द्वारा माँग और उसे उद्धृत करने के दायित्व, जैसा भी मामला हो, पर आधारित हैं।

अनुसूची

31 मार्च 2025 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

आकस्मिक देयताओं के प्रति प्रावधानों में उतार-चढ़ाव

आकस्मिक देयताओं के प्रति प्रावधानों में उतार-चढ़ाव को नीचे तालिका में दर्शाया गया है

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आरंभिक अधिशेष	2,603.68	3,109.95
घटाएं: वर्ष के दौरान जोड़ी गई राशि	199.35	127.22
घटाएं: वर्ष के दौरान उपयोग की गई राशि	9.39	534.11
वर्ष के दौरान उपयोग न की गई राशि की वापसी	273.05	99.38
अंतिम शेष	2,520.59	2,603.68

18.15. अतिरिक्त प्रकटीकरण

- अ. दिनांक 19-10-2009 की राजपत्र अधिसूचना सं काआ 2010 CG-DL-E-07042025-262329 दिनांक 5 अप्रैल 2025 के अनुसार, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित निम्नलिखित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRBs) को समामेलित कर दिया गया है और प्रायोजक बैंक को 1 मई 2025 से पांच RRB के संबंध में बदल दिया गया है। इन आरआरबी में बैंक के निवेश 31 मार्च 2025 तक के वित्तीय विवरणों में शामिल हैं।

क्रमांक	हस्तांतरणकर्ता आरआरबी का नाम	हस्तांतरणकर्ता आरआरबी का प्रायोजक बैंक	आरआरबी के समामेलन के बाद नया नाम	हस्तांतरिती आरआरबी का प्रायोजक बैंक
1	आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक	भारतीय स्टेट बैंक	आंध्र प्रदेश ग्रामीण बैंक	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
2	सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक	भारतीय स्टेट बैंक	गुजरात ग्रामीण बैंक	बैंक ऑफ बड़ौदा
3	एलाक्काई देहाती बैंक	भारतीय स्टेट बैंक	जम्मू एंड कश्मीर ग्रामीण बैंक	जम्मू एंड कश्मीर बैंक लिमिटेड
4	मध्यांचल ग्रामीण बैंक	भारतीय स्टेट बैंक	मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक	बैंक ऑफ इंडिया
5	उत्कल ग्रामीण बैंक	भारतीय स्टेट बैंक	ओडिशा ग्रामीण बैंक	इंडियन ओवरसीज बैंक
6.	राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक	भारतीय स्टेट बैंक	राजस्थान ग्रामीण बैंक	भारतीय स्टेट बैंक

आ. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को भुगतान :

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को मूल राशि अथवा उस पर देय ब्याज के विलंबित भुगतान का कोई मामला सामने नहीं आया है।

इ. अंतर कार्यालय खाते:

शाखाओं, नियंत्रक कार्यालयों और स्थानीय प्रधान कार्यालयों, कॉर्पोरेट केंद्र तथा कॉर्पोरेट केंद्र की संस्थापनाओं के बीच अंतर कार्यालय खातों का निरंतर आधार पर समाधान किया जा रहा है तथा चालू वर्ष के लाभ व हानि खाते की राशि पर इसका कोई महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की आशा नहीं है।

ई. दिवाला एवं दिवालियापन कोड (आईबीसी) के प्रावधानों के अंतर्गत कवर्ड खातों पर प्रावधान:

आरबीआई के पत्रांक डीबीआर. सं.बीपी. 15199/21.04.048/2016-17 तथा डीबीआर. सं.बीपी. 1906/21.04.048/2017-18 क्रमशः दिनांक 23 जून 2017 तथा 28 अगस्त 2017 के अनुसार बैंक ने 31 मार्च 2025 को कुल ₹91.41 करोड़ (कुल बकाया का 100%) (पिछले वर्ष ₹3,783.03 करोड़ कुल बकाया का 100%) का प्रावधान किया है।

उ. केंद्रीय बोर्ड ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए 1590% की दर से रु. 15.90 प्रति शेयर का लाभांश घोषित किया है।

ऊ. पिछले वर्ष के आंकड़ों को, जहाँ भी आवश्यक हो, चालू वर्ष के वर्गीकरण के अनुरूप पुनः समूहीकृत/पुनः वर्गीकृत किया गया है। जिन मामलों में आरबीआई दिशा-निर्देशों/लेखा मानकों के अनुसार पहली बार खुलासे किए गए हैं, उनमें पिछले वर्ष के आंकड़ों का उल्लेख नहीं किया गया है।

भारतीय स्टेट बैंक

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरण (एकल)

(000 को छोड़ दिया गया है)

विवरण	31.03.2025 को समाप्त वर्ष	31.03.2024 को समाप्त वर्ष
परिचालन कार्यकलापों से नकदी प्रवाह:		
कर पूर्व निवल लाभ / (हानि)	95271,26,85	81782,96,36
समायोजन:		
अचल आस्तियों पर मूल्यहास	3528,90,73	3351,91,61
अचल आस्तियों की बिक्री पर (लाभ) / हानि (निवल)	20,37,07	33,20,20
निवेशों के पुनर्मूल्यांकन पर (लाभ) / हानि (निवल)	(5453,15,66)	(4939,17,35)
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में निवेशों की बिक्री पर (लाभ)	(111,80,00)	-
अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधान	14418,33,00	9517,62,67
मानक आस्तियों पर प्रावधान	302,76,27	(1340,86,63)
अनर्जक निवेश पर प्रावधान	514,28,03	(593,18,23)
आकस्मिकताओं के प्रावधान सहित अन्य प्रावधान	72,52,38	(2669,36,48)
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में निवेश से आय	(1938,92,83)	(1961,61,63)
पूंजीगत लिखतों पर लगाया गया ब्याज	11672,33,98	9550,46,11
	118296,89,82	92731,96,63
समायोजन:		
जमाराशियों में वृद्धि / (कमी)	466112,75,90	492298,99,29
पूंजीगत लिखतों के अलावा अन्य उधारों में वृद्धि / (कमी)	(40026,98,43)	99757,95,17
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में निवेश के अलावा अन्य निवेशों में (वृद्धि) / कमी	(8609,26,92)	(93931,55,71)
अग्रिमों में (वृद्धि) / कमी	(473759,57,76)	(514219,18,39)
अन्य देनदारियों में वृद्धि / (कमी)	(4105,88,59)	15971,11,15
अन्य आस्तियों में (वृद्धि) / कमी	18705,41,58	(44811,28,24)
	76613,35,60	47797,99,90
कर वापसी / (प्रदत्त कर)	(30753,49,08)	(28776,10,67)
परिचालन कार्यकलाप से अर्जित / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	ए 45859,86,52	19021,89,23
निवेश कार्यकलापों से नकदी प्रवाह:		
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में निवेश की खरीद / बिक्री	1011,00,00	(1509,51,75)
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में निवेश की बिक्री पर लाभ	111,80,00	-
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में निवेश पर प्राप्त आय	1977,28,64	1961,61,63
अचल आस्तियों में (वृद्धि) / कमी	(5112,33,74)	(3505,01,66)
निवेश कार्यकलापों से अर्जित / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	बी (2012,25,10)	(3052,91,78)

(000 को छोड़ दिया गया है)

विवरण	31.03.2025 को समाप्त वर्ष	31.03.2024 को समाप्त वर्ष
वित्तीय कार्यकलापों से नकदी प्रवाह:		
शेयर प्रीमियम सहित इक्विटी शेयरों के निर्गम से प्राप्त आय	12,88	-
पूँजीगत लिखत जारी करना	20000,00,00	18101,00,00
पूँजीगत लिखतों का मोचन	(13961,40,00)	(13433,20,00)
पूँजीगत लिखतों पर ब्याज का भुगतान	(10138,62,86)	(8438,35,77)
लाभांश का भुगतान	(12226,71,83)	(10084,81,15)
वित्तीय कार्यकलापों से अर्जित/(में प्रयुक्त) निवल नकदी	सी (16326,61,81)	(13855,36,92)
अंतरण रिजर्व पर विनिमय उतार-चढ़ाव का प्रभाव	डी 1906,70,30	788,76,47
नकद और नकद समकक्षों में निवल वृद्धि/(कमी) (ए+बी+सी+डी)	29427,69,91	2902,37,00
1 अप्रैल को नकदी और नकदी समतुल्य	310801,98,80	307899,61,80
31 मार्च को नकदी और नकदी समतुल्य	340229,68,71	310801,98,80
नोट:		
1. नकद और नकद समतुल्यों के घटकों की स्थिति:	31.03.2025	31.03.2024
आरबीआई में नकदी और शेष राशि	227217,49,40	225141,69,61
बैंकों के पास शेष राशि और मांग एवं अल्प सूचना पर प्राप्त राशि	113012,19,31	85660,29,19
	340229,68,71	310801,98,80
2. परिचालन कार्यकलापों से नकदी प्रवाह अप्रत्यक्ष विधि का उपयोग करके सूचित किया जाता है।		
3. 1 अप्रैल, 2025 (ट्रांजीशन तिथि) से पहले की अवधि के लिए आरबीआई मास्टर निर्देश दिनांक 12 सितंबर, 2023 के प्रभाव का पता नहीं लगाया जा सकता है, FY23-24 के लिए संक्षारक आंकड़े फिर से समूहीकृत नहीं किए जाते हैं।		

श्री राम मोहन राव अमारा

प्रबंध निदेशक

(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार और प्रौद्योगिकी)

श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह

प्रबंध निदेशक

(जोखिम, अनुपालन और एसएआरजी)

श्री विनय एम. तोन्से

प्रबंध निदेशक

(खुदरा व्यापार और परिचालन)

श्री अश्विनी कुमार तिवारी

प्रबंध निदेशक

(कॉर्पोरेट बैंकिंग और अनुषंगियां)

निदेशक:

श्री केतन एस विक्रमसी

श्री मृगांक एम परांजपे

श्री राजेश कुमार दुबे

श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत

श्रीमती स्वाति गुप्ता

श्री अजय कुमार

श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी

अध्यक्ष

स्थान: मुंबई

दिनांक: 03 मई 2025

इस तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.009073N/N500320

सीए सुमित कुमार

भागीदार: एम. नंबर 512555

यूडीआईएन: 25512555BMNPTK7915

कृते विनोद कुमार व एसोसिएट्स

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या 002304N

सीए विनोद जैन

भागीदार: एम. नंबर 081263

यूडीआईएन: 25081263BMOGSK4115

कृते वर्मा और वर्मा

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.004532S

सीए पीआर प्रसन्ना वर्मा

भागीदार: एम नंबर 025854

यूडीआईएन: 25025854BMOBIT4570

कृते ओ पी बागला एंड कंपनी एलएलपी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.000018N/N500091

सीए राकेश कुमार

भागीदार: एम. नंबर 087537

यूडीआईएन: 25087537BMOPBH2726

स्थान: मुंबई

दिनांक: 03 मई 2025

कृते गोखले और साठे

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.103264W

सीए राहुल जोगलेकर

भागीदार: एम. नंबर 129389

उद्घाटन: 25129389BMJIQN7579

कृते आर जी एन प्राइस एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.002785S

सी.ए. पी.एम. वीरमणि

भागीदार: एम. नंबर 023933

यूडीआईएन: 25023933BMLHSJ2613

कृते गोपाल शर्मा एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.002803C

सीए अभिषेक शर्मा

भागीदार: एम. नंबर 079224

यूडीआईएन: 25079224BMLYFL7878

कृते एस जी सी ओ एंड कंपनी एलएलपी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म लॉसप.छे.112081W/W100184

सीए सुरेश मुरारका

भागीदार: एम. नंबर 044739

यूडीआईएन: 25044739BMLAKD2485

कृते जे एल एन यू एस एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.101543W

सीए शलभ कुमार डागा

पार्टनर: एम. नंबर 401428

यूडीआईएन: 25401428BMIAOK7673

कृते रमा के गुप्ता एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या:005005C

सीए रमाकांत गुप्ता

भागीदार: एम. नंबर 073853

यूडीआईएन: 25073853BMLFKJ9856

कृते बी सी जैन एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.001099C

सीए रणजीत सिंह

भागीदार: एम नंबर 073488

यूडीआईएन: 25073488BMTDJM6371

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

प्रति

भारत के राष्ट्रपति

भारतीय स्टेट बैंक के एकल वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

अभिमत

1. हमने भारतीय स्टेट बैंक (बैंक) के साथ एकल वित्तीय विवरणों का लेखापरीक्षा किया है, जिसमें 31 मार्च, 2025 को तुलन पत्र, उस समय समाप्त हुए वर्ष के लिए लाभ और हानि खाता और नकदी प्रवाह विवरण, और महत्वपूर्ण लेखा नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी सहित एकल वित्तीय विवरणों के लिए नोट्स शामिल हैं जिनमें उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय परिणाम शामिल हैं
 - i. केंद्रीय कार्यालय, 17 स्थानीय प्रधान कार्यालयों, वैश्विक बाजार इकाई, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समूह, कॉर्पोरेट लेखा समूह (केंद्रीय), वाणिज्यिक ग्राहक समूह (केंद्रीय), तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह (केंद्रीय), केंद्रीय लेखा कार्यालय और 20 शाखाओं की हमने लेखा परीक्षा की है और;
 - ii. 6150 भारतीय शाखाओं की लेखा परीक्षा संबंधित सांविधिक शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा की गई;
 - iii. संबंधित स्थानीय लेखा परीक्षकों द्वारा 35 विदेशी शाखाओं की लेखा-परीक्षा की गई ;

हमारे द्वारा लेखापरीक्षित शाखाओं और अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखापरीक्षित शाखाओं का चयन बैंक द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया है। तुलन-पत्र, लाभ और हानि खाते तथा नकदी प्रवाहों के विवरण में 19,400 भारतीय शाखाओं (अन्य लेखा इकाइयों सहित) के वित्तीय विवरण/वित्तीय सूचना भी शामिल हैं जिनकी लेखापरीक्षा नहीं की गई है। इन अलेखापरीक्षित शाखाओं में अग्रिमों का 23.47%, जमा का 42.74%, ब्याज आय का 18.71% और ब्याज व्यय का 34.14% हिस्सा है।

हमारे अभिमत और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त एकल वित्तीय विवरण बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 द्वारा अपेक्षित तरीके से बैंक के लिए आवश्यक जानकारी देते हैं और आमतौर पर भारत में स्वीकार किए जाते हैं और लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप हैं:

- अ) तुलन पत्र, उस पर दिए नोटों के साथ पढ़ा जाता है, एक पूर्ण और निष्पक्ष तुलन पत्र है जिसमें सभी आवश्यक विवरण होते हैं, ठीक से तैयार किए जाते हैं ताकि 31 मार्च, 2025 तक बैंक के मामलों की स्थिति का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदर्शित किया जा सके;
- आ) लाभ और हानि खाता, उस पर नोट्स के साथ पढ़ा जाता है जो उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए लाभ का सही संतुलन दिखाता है; और
- इ) नकदी प्रवाह विवरण उस तिथि को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए नकदी प्रवाह का सही और उचित विवरण देता है।

अभिमत का आधार

2. हमने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखापरीक्षा संबंधी मानकों (एसएस) के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा आयोजित की। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को हमारी रिपोर्ट के एकल वित्तीय विवरण खंड के लेखापरीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारियों में आगे वर्णित किया गया है। हम आईसीएआई द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार बैंक से स्वतंत्र हैं, साथ ही नैतिक आवश्यकताओं के साथ जो एकल वित्तीय विवरणों के हमारे लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक हैं, जो आमतौर पर भारत में स्वीकार किए जाते हैं, जिसमें आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानकों और बैंकिंग विनियमन अधिनियम की धारा 29 के प्रावधानों सहित भारत में आम तौर पर स्वीकार किए जाते हैं। हमने समय-समय पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी परिपत्रों और दिशानिर्देश का निबंधन किया है और हमने इन अपेक्षाओं और आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमने जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारे अभिमत के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

प्रमुख लेखा परीक्षा मामले

3. प्रमुख लेखा-परीक्षा मामले वे मामले हैं जो हमारे व्यावसायिक विवेक में 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए एकल वित्तीय विवरणों के हमारे लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से एकल वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संदर्भ में और उस पर हमारा अभिमत बनाने में संबंधित किया गया था और हम इन मामलों पर अलग अभिमत प्रदान नहीं करते हैं। हमने नीचे वर्णित मामलों को हमारी रिपोर्ट में सूचित किए जाने वाले प्रमुख लेखापरीक्षा मामलों के रूप में निर्धारित किया है:

क्रमांक	प्रमुख लेखा परीक्षा मामले	लेखापरीक्षकों के उत्तर
i.	अग्रिमों का वर्गीकरण, आय मान्यता, अनर्जक अग्रिमों की पहचान और प्रावधानीकरण (वित्तीय विवरणों के लिए अनुसूची 17 के नोट 3 के साथ पठित अनुसूची 9 देखें) अग्रिमों में खरीदे गए और छूट वाले बिल, कैश क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट, मांग पर देय ऋण और मीयादी ऋण शामिल हैं। इन्हें बैंक/सरकारी गारंटियों और प्रतिभूति रहित अग्रिमों द्वारा कवर की गई मूर्त आस्तियों (बही ऋणों के प्रति अग्रिमों सहित) द्वारा प्रतिभूत के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अग्रिम बैंक की कुल संपत्ति का 62.36 प्रतिशत है। ये अन्य बातों के साथ-साथ आय की पहचान, आस्ति वर्गीकरण एवं प्रावधानीकरण (आईआरएसी) मानदंडों तथा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर जारी अन्य परिपत्रों तथा निर्देशों द्वारा शासित होते हैं जिनमें विदेशी कार्यालयों के मामले को छोड़कर अग्रिमों के निष्पादनकारी और अनुपयोज्य अग्रिमों (एनपीए) में अग्रिमों के वर्गीकरण से संबंधित दिशा-निर्देशों का प्रावधान है। जो भी अधिक कठोर है। बैंक अपनी लेखा नीति संख्या 3 के अनुसार आईआरएसी मानदंडों के आधार पर इन अग्रिमों का वर्गीकरण करता है। निष्पादनकारी और गैर-निष्पादनकारी अग्रिमों की पहचान में उचित तंत्र की स्थापना शामिल है। बैंक अपनी सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली (आईटी प्रणाली) अर्थात् कोर बैंकिंग सोल्यूशन (सीबीएस) में अग्रिमों से संबंधित सभी लेनदेन के लिए जिम्मेदार है जो यह पहचानता है कि अग्रिम निष्पादन कर रहे हैं या गैर-निष्पादन। इसके अलावा, एनपीए वर्गीकरण और प्रावधान की गणना (विदेशी कार्यालयों के मामले को छोड़कर) एक अन्य आईटी प्रणाली अर्थात् केंद्रीकृत क्रेडिट डाटा प्रोसेसिंग (सीसीडीपी), एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर और अन्य प्रक्रियाओं के माध्यम से की जाती है। इन अग्रिमों (प्रावधानों का निवल) का वहन मूल्य भौतिक रूप से गलत हो सकता है, यदि व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, आईआरएसी मानदंडों का ठीक से पालन नहीं किया जाता है। लेन-देन की प्रकृति, विनियामक आवश्यकताओं, मौजूदा कारोबारी माहौल, प्रतिभूतियों के मूल्यांकन और प्रावधानों की गणना में शामिल आकलन/निर्णय को ध्यान में रखते हुए, यह एकल वित्तीय विवरणों के इच्छित उपयोगकर्ताओं के लिए अत्यधिक महत्व का मामला है। इन पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, हमने इसे एक प्रमुख लेखापरीक्षा मैटर के रूप में निर्धारित किया है। तदनुसार, हमारा लेखापरीक्षा आय मान्यता, आस्ति वर्गीकरण और शेष राशि की भौतिकता के कारण अग्रिमों से संबंधित प्रावधान पर केंद्रित था।	आईआरएसी मानदंडों और आरबीआई द्वारा जारी अन्य संबंधित परिपत्रों/निर्देशों और बैंक की आंतरिक नीतियों और प्रक्रियाओं के संदर्भ में अग्रिमों के प्रति हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में नमूना आधार पर नियंत्रणों का परीक्षण शामिल है, क. आय की पहचान, निष्पादन और अनर्जक अग्रिमों में वर्गीकरण और हमारे द्वारा लेखापरीक्षित शाखाओं के संबंध में आईआरएसी मानदंडों के अनुसार प्रावधान के लिए प्रणाली में डेटा इनपुट की सटीकता; ख. बैंक की नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुसार आंतरिक लेखा परीक्षा, प्रणाली लेखा परीक्षा, क्रेडिट लेखा परीक्षा और समवर्ती लेखा परीक्षा जैसे निगरानी तंत्र की दक्षता और प्रभावशीलता; ग. भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्रों/दिशानिर्देशों/न्यायिक निर्णयों के अनुपालन के संबंध में नमूना आधार पर दबावग्रस्त अग्रिमों सहित अग्रिमों का निर्धारण; घ. हमने अनुपयोज्य आस्तियों का पता लगाने, उनकी पहचान करने और उस पर मुहर लगाने तथा उनके संबंध में प्रावधान करने के लिए सीबीएस और सीसीडीपी में अंतर्निहित व्यावसायिक तर्कों/पैरामीटरों के संबंध में आईएडी द्वारा आईटी प्रणाली लेखा परीक्षा की रिपोर्टों पर भरोसा किया है। ङ. हमने सीसीडीपी एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर और वित्तीय विवरण तैयार करने वाले सॉफ्टवेयर में अग्रिमों की मैपिंग का परीक्षण किया ताकि उपरोक्त आरबीआई परिपत्र/निर्देशों के अनुसार प्रस्तुति और प्रकटीकरण आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। च. हमने बैंक और आरबीआई निरीक्षण के निगरानी तंत्र के अनुसार आयोजित विभिन्न लेखा परीक्षाओं की टिप्पणियों के अनुपालन और वास्तविक प्रक्रियाओं की प्रकृति, समय और सीमा निर्धारित करने के लिए अग्रिमों पर विभिन्न आंतरिक नियंत्रणों की प्रभावकारिता की जांच की है। छ. हमारे द्वारा लेखापरीक्षित शाखाओं में ठोस प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए, हमने बड़े अग्रिमों/दबावग्रस्त अग्रिमों की जांच की है, जबकि बैंक के प्रबंधन द्वारा प्रदान की गई स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं की मूल्यांकन रिपोर्ट की समीक्षा सहित नमूना आधार पर अन्य अग्रिमों की जांच की गई है। ज. हमने एनपीए की पहचान और आय के तदनुसूची रिवर्सल और प्रावधान राशि की गणना की प्रक्रिया की जांच और मूल्यांकन किया; झ. अन्य सांविधिक शाखा लेखा परीक्षकों, जिनके साथ हमने विशिष्ट पत्राचार भी किया है, की लेखा परीक्षा रिपोर्टों पर भी ध्यान दिया जाता है। ट. बैंक ने प्रक्रियाओं पर नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित की है। हमने इन मानक संचालन प्रक्रियाओं पर भरोसा किया है और इन मानक संचालन प्रक्रियाओं के आधार पर अपना परीक्षण किया है।

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

क्रमांक	प्रमुख लेखा परीक्षा मामले	लेखापरीक्षकों के उत्तर
ii.	निवेश का वर्गीकरण और मूल्यांकन, अनर्जक निवेशों की पहचान और प्रावधान (वित्तीय विवरणों की अनुसूची 17 के नोट 2.5 के साथ पठित अनुसूची 8) निवेश में बैंक द्वारा विभिन्न सरकारी प्रतिभूतियों, बांड, डिबेंचर, शेयर, सुरक्षा रसीद और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में किए गए निवेश शामिल हैं। निवेश का बैंक की कुल परिसंपत्तियों का 25.32 प्रतिशत हिस्सा है। ये आरबीआई के परिपत्रों और निर्देशों द्वारा शासित होते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के इन निर्देशों में, अन्य बातों के साथ-साथ, निवेशों का मूल्यांकन, निवेशों का वर्गीकरण, अनुपयोज्य निवेशों की पहचान, आय की तदनुसूची गैर-मान्यता तथा इसके विरुद्ध प्रावधान शामिल हैं। उपयुक्त प्रतिभूतियों की प्रत्येक श्रेणी (प्रकार) का मूल्यांकन आरबीआई द्वारा जारी परिपत्रों और निर्देशों में निर्धारित मूल्यांकन पदानुक्रम के अनुसार किया जाना है जिसमें एफआईएमएडीए/ एफबीआईएल दरों, बीएसई/एनएसई पर उद्धृत दरें, गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय विवरण, म्यूचुअल फंडों के एनएवी, एआईएफ, वीसीएफ, प्रतिभूति रसीदें आदि। मूल्यांकन, लेन-देन की मात्रा, मौजूदा निवेशों और विनियामक फोकस की डिग्री में शामिल निर्णय की जटिलताओं और सीमा को ध्यान में रखते हुए, इसे एक प्रमुख लेखा परीक्षा मामले के रूप में निर्धारित किया गया है। तदनुसार, हमारा लेखापरीक्षा निवेशों के मूल्यांकन, वर्गीकरण, अनर्जक निवेशों की पहचान और निवेश से संबंधित प्रावधान पर केंद्रित था।	भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्रों/निर्देशों के संदर्भ में निवेशों के प्रति हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में मूल्यांकन, वर्गीकरण, अनर्जक निवेशों (एनपीआई) की पहचान, निवेश से संबंधित प्रावधान/मूल्यहास के संबंध में आंतरिक नियंत्रणों और वास्तविक लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं की समझ शामिल थी। विशेष रूप से; अ. हमने भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार विभिन्न श्रेणियों में निवेश के वर्गीकरण के लिए बैंक द्वारा अपनाई गई पद्धति को समझा और उसकी समीक्षा की; आ. हमने मूल्यांकन, वर्गीकरण, एनपीआई की पहचान, निवेश से संबंधित प्रावधान/मूल्यहास के संबंध में आरबीआई के प्रासंगिक दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए बैंक की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को समझा और मूल्यांकन किया; इ. हमने इन निवेशों के उचित मूल्य का निर्धारण करने के लिए विभिन्न स्रोतों से सूचना एकत्र करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया का आकलन और मूल्यांकन किया है; ई. हस्तगत निवेश के चयनित नमूने, हमने प्रतिभूति की प्रत्येक श्रेणी के लिए मूल्यांकन को फिर से निष्पादित करके आरबीआई मास्टर परिपत्र और निर्देशों के साथ सटीकता और अनुपालन का परीक्षण किया। नमूनों का चयन यह सुनिश्चित करने के बाद किया गया था कि निवेश की सभी श्रेणियां (प्रतिभूति की प्रकृति के आधार पर) नमूने में शामिल थीं; उ. हमने एनपीए की पहचान और आय के तदनुसूची रिवर्सल और प्रावधान राशि की गणना की प्रक्रिया की जांच और मूल्यांकन किया; ऊ. हमने आरबीआई के परिपत्रों और निर्देशों के अनुसार बनाए रखने और मूल्यहास प्रदान किए जाने वाले प्रावधान की स्वतंत्र रूप से पुनर्गणना करने के लिए पर्याप्त लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं कीं। तदनुसार, हमने प्रत्येक श्रेणी के निवेश से नमूनों का चयन किया और आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार एनपीआई के लिए परीक्षण किया और एनपीआई के उन चयनित नमूनों के लिए आरबीआई परिपत्र के अनुसार किए गए प्रावधान की राशि की पुनः गणना की; ऋ. हमने उपर्युक्त आरबीआई परिपत्र/निर्देशों के अनुसार प्रस्तुतीकरण और प्रकटीकरण आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निवेश एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर और वित्तीय विवरण तैयार करने वाले सॉफ्टवेयर के बीच निवेश की मैपिंग का परीक्षण किया।
iii.	प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करें सहित कुछ मुकदमों के संबंध में प्रावधानों और आकस्मिक देनदारियों का आकलन, अन्य पक्षों द्वारा दायर विभिन्न दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया (अनुसूची 12 वित्तीय विवरणों की अनुसूची 18 के नोट 18.14 (जे) के साथ पठित): प्रावधान के स्तर का अनुमान लगाने में उच्च स्तर के निर्णय की आवश्यकता होती है। बैंक का मूल्यांकन मामले के तथ्यों, उनके स्वयं के निर्णय, पिछले अनुभव और कानूनी और स्वतंत्र कर सलाहकारों की सलाह द्वारा समर्थित है, जहां भी आवश्यक माना जाता है। तदनुसार, अप्रत्याशित प्रतिकूल परिणाम बैंक के रिपोर्ट किए गए लाभ और तुलन पत्र में प्रस्तुत मामलों की स्थिति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं। हमने इन मामलों के परिणाम से संबंधित अनिश्चितता को देखते हुए उपरोक्त क्षेत्र को एक प्रमुख लेखा परीक्षा मामले के रूप में निर्धारित किया, जिसके लिए कानून की व्याख्या में निर्णय के आवेदन की आवश्यकता होती है। तदनुसार, हमारी लेखापरीक्षा विचाराधीन विषय वस्तु के तथ्यों और इसमें शामिल कानून के निर्णयों/व्याख्या के विश्लेषण पर केंद्रित थी।	हमारी लेखापरीक्षा कार्यविधि में शामिल हैं: अ. परिस्थितियों में उपयुक्त हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रणों की समझ को बनाए रखना; आ. लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक की स्थिति सहित मुकदमेबाजी/कर निर्धारण की वर्तमान स्थिति को समझना; इ. विभिन्न कर प्राधिकरणों/न्यायिक मंचों से प्राप्त हाल के आदेशों और/या संचार की जांच करना और उनपर अनुवर्ती कार्रवाई करना; ई. इनमें प्रस्तुत आधारों और हमारे आंतरिक कर विशेषज्ञों की राय सहित उपलब्ध स्वतंत्र कानूनी / कर सलाह के संदर्भ में विचाराधीन विषय वस्तु की योग्यता का मूल्यांकन करना; उ. विचार-विमर्श के माध्यम से बैंक के विवादों के मूल्यांकन की समीक्षा और विश्लेषण, विचाराधीन विषय वस्तु के विवरण का संग्रह, संभावित परिणाम और उन मुद्दों पर परिणामी संभावित बहिर्वाह; और ऊ. महत्वपूर्ण मुकदमों और कराधान मामलों से संबंधित प्रकटीकरण का सत्यापन।

क्रमांक	प्रमुख लेखा परीक्षा मामले	लेखापरीक्षकों के उत्तर
iv	कर्मचारियों के नियत हितलाभ दायित्वों का मूल्यांकन: बैंक ने बीमांकिक आधार पर अपने कर्मचारियों के लिए दीर्घकालिक नियत लाभ दायित्वों को मान्यता दी है। पेंशन और ग्रेज्युटी दायित्वों को बैंक द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। बैंक की भविष्य निधि योजना में कमी, यदि कोई हो, का भी बीमांकिक आधार पर प्रावधान किया जाता है। बैंक वार्षिक रूप से किए गए एक स्वतंत्र बाहरी बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर न्यासियों द्वारा प्रशासित निधि में आवधिक अंशदान करता है। अवित्तपोषित दीर्घकालिक नियत लाभ दायित्वों को मुआवजा अनुपस्थिति, रजत जयंती पुरस्कार, छुट्टी यात्रा रियायत, सेवानिवृत्ति पुरस्कार और पुनर्वासि भत्ता है। अवित्तपोषित दीर्घकालिक लाभ प्रदान करने की लागत अनुमानित इकाई ऋण पद्धति का उपयोग करके निर्धारित की जाती है, जिसमें प्रत्येक तुलन पत्र तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन किया जाता है। कर्मचारी हितलाभ दायित्वों के बीमांकिक मूल्यांकन बाजार की स्थितियों और किए गए अनुमानों पर निर्भर हैं। प्रमुख लेखापरीक्षा मामला विशेष रूप से निम्नलिखित प्रमुख मान्यताओं से संबंधित है: छूट दर, मुद्रास्फीति की उम्मीदें और जीवन प्रत्याशा धारणाएं। इन मान्यताओं की स्थापना जटिल है और तीसरे पक्ष के बीमांकिक के समर्थन के साथ महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय के अभ्यास की आवश्यकता है।	हमने प्रबंधन के विशेषज्ञों के उपयोग के संबंध में कार्यप्रणाली और महत्वपूर्ण मान्यताओं पर अभिशासन और नियंत्रण का परीक्षण किया। हमने बाहरी बीमांकिक विशेषज्ञ की रिपोर्टों की जांच की और वित्तीय और जनसांख्यिकीय दोनों का उपयोग करने वाली प्रमुख बीमांकिक मान्यताओं की समीक्षा की, और कर्मचारियों के नियत हितलाभ दायित्वों के बीमांकिक मूल्यांकन के लिए प्रदान किए गए इनपुट डेटा की समीक्षा सहित इन मान्यताओं को प्राप्त करने के लिए लागू पद्धति पर विचार किया। इसके अलावा, हमने नियत हितलाभ दायित्वों का मूल्यांकन करने में महत्वपूर्ण मान्यताओं पर संवेदनशीलता विश्लेषण की जांच की है। हमने नियत हितलाभ दायित्व के मूल्यांकन में शामिल प्रबंधन के विशेषज्ञ की निष्पक्षता और क्षमता का भी मूल्यांकन किया। हमने उपयोग की जाने वाली पद्धति की उपयुक्तता का आकलन किया, और देयता का अनुमान लगाने के लिए गणना की सटीकता का परीक्षण किया।

अन्य मामले

- हमने बैंक के एकल वित्तीय विवरणों में शामिल 6,185 शाखाओं (35 विदेशी शाखाओं सहित) के वित्तीय विवरणों/सूचनाओं का लेखा-परीक्षण नहीं किया, जिनके वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी 31 मार्च 2025 को ₹25,45,347.73 करोड़ की कुल संपत्ति और उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए ₹1,96,196 करोड़ के कुल राजस्व को दर्शाती है, जैसा कि एकल वित्तीय विवरणों में माना जाता है। ये शाखाएँ और प्रसंस्करण केंद्र 31 मार्च 2025 तक अग्रिमों का 60%, जमाओं का 57.22% और गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों का 71% और 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए राजस्व का 37.42% कवर करते हैं। इन शाखाओं के वित्तीय विवरणों/सूचना की लेखापरीक्षा उन शाखा लेखापरीक्षकों द्वारा की गई है जिनकी रिपोर्ट हमें प्रस्तुत कर दी गई है और जहां तक यह शाखाओं के संबंध में शामिल राशियों एवं प्रकटीकरणों से संबंधित है, हमारा अभिमत ऐसे शाखा लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित है।

उपरोक्त मामले के संबंध में हमारे अभिमत को संशोधित नहीं किया गया है।

एकल वित्तीय विवरणों और उस पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

- बैंक का निदेशक मंडल अन्य सूचना तैयार करने के लिए जिम्मेदार है। अन्य जानकारी में कॉर्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट शामिल है जो हमने इस रिपोर्ट के जारी होने के समय प्राप्त की थी। अन्य जानकारी में अनुलग्नकों के साथ निदेशकों की रिपोर्ट शामिल है (लेकिन इसमें एकल वित्तीय विवरण और उस पर हमारे

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट शामिल नहीं है), जिसे इस लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट की तारीख के बाद हमें उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद है।

एकल वित्तीय वक्तव्यों पर हमारी राय बेसल III के तहत अन्य जानकारी और स्टैंड 3 प्रकटीकरण को कवर नहीं करती है और हम उस पर किसी भी प्रकार के आश्वासन निष्कर्ष को व्यक्त नहीं करते हैं और न ही व्यक्त करेंगे।

एकल वित्तीय विवरणों के हमारे लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी ऊपर दी गई अन्य जानकारी को पढ़ें और ऐसा करने में, विचार करें कि क्या अन्य जानकारी एकल वित्तीय विवरणों या लेखापरीक्षा में प्राप्त हमारे ज्ञान के साथ भौतिक रूप से असंगत है, या अन्यथा भौतिक रूप से गलत प्रतीत होता है।

यदि, इस लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट की तारीख से पहले प्राप्त अन्य जानकारी पर हमारे द्वारा किए गए कार्य के आधार पर, हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इस अन्य जानकारी का कोई गलत विवरण है, तो हमें उस तथ्य की रिपोर्ट करने की आवश्यकता है। हमारे पास इस मामले में रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।

जब निदेशकों की रिपोर्ट पढ़ते पर हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इसमें कोई गलत विवरण दिया गया है, तो हमें इस मामले को उन लोगों तक पहुंचाने की आवश्यकता होती है जिन पर अभिशासन का प्रभार है।

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

एकल वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और अभिशासन से जुड़े सदस्यों के दायित्व

6. बैंक का निदेशक मंडल इन एकल वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संबंध में जिम्मेदार है जो आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानकों सहित भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बैंक की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और नकदी प्रवाह का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं, बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के उपबंध और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर जारी परिपत्र और दिशानिर्देश। इस जिम्मेदारी में बैंक की आस्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और पता लगाने के लिए उपर्युक्त अधिनियमों के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड का रखरखाव भी शामिल है; उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन और आवेदन; निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण हैं; और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, एकल वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक जो एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और भौतिक त्रुटियों से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

एकल वित्तीय विवरण तैयार करने में, निदेशक मंडल बैंक की क्षमता का आकलन करने के लिए जिम्मेदार है कि वह एक चालू चिंता के रूप में जारी रखने के लिए, जैसा लागू हो, चिंता से संबंधित मामलों का खुलासा करता है और लेखांकन के गोडंग कंसर्न आधार का उपयोग करता है जब तक कि प्रबंधन या तो बैंक को समाप्त करने या परिचालन बंद करने का इरादा नहीं रखता है, या ऐसा करने के अलावा कोई वास्तविक विकल्प नहीं है।

निदेशक मंडल बैंक की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए भी जिम्मेदार है।

एकल वित्तीय विवरणों के लेखापरीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों के दायित्व

7. हमारे उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या एकल वित्तीय विवरण समग्र रूप से धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण भौतिक गलत विवरण से मुक्त हैं और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट जारी करना है जिसमें हमारा अभिमत शामिल है। उचित आश्वासन का एक उच्च स्तर है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसएस के अनुसार आयोजित एक लेखापरीक्षा हमेशा मौजूद होने पर एक भौतिक गलत विवरण का पता लगाएगा। गलत विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और उन्हें ठोस माना जाता है, यदि व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, उन्हें इन एकल वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की उम्मीद की जा सकती है।

एस के अनुरूप की गई लेखापरीक्षा के हिस्से के रूप में, हम व्यावसायिक निर्णय लेते हैं और पूरे लेखापरीक्षा में पेशेवर विवेक बनाए रखते हैं। हम:

- एकल वित्तीय विवरण में गलत जानकारी के जोखिमों को पहचानें और उनका आकलन करने, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, उन जोखिमों के प्रति उत्तरदायी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन और निष्पादित करना और लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करना जो हमारे अभिमत के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप एक गलत बयान का पता नहीं लगाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप एक की तुलना में अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत बयानी या आंतरिक नियंत्रण अधिकता भी हो सकती है।
- परिस्थितियों में उपयुक्त लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए लेखापरीक्षा से संबंधित आंतरिक नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना।
- उपयोग की जाने वाली लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और लेखांकन अनुमानों की तर्कसंगतता और प्रबंधन द्वारा किए गए संबंधित प्रकटीकरण का मूल्यांकन करना।
- लेखांकन के चल रहे चिंता के आधार के प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष निकालना और, प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य के आधार पर, क्या घटनाओं या स्थितियों से संबंधित एक तात्त्विक अनिश्चितता मौजूद है जो बैंक की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह डाल सकती है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि एक तात्त्विक अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपने लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में एकल वित्तीय विवरणों में संबंधित खुलासे पर ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता है या, यदि ऐसे खुलासे अपर्याप्त हैं, तो हमारे अभिमत को संशोधित करना अपेक्षित होगा। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। हालांकि, भविष्य की घटनाओं या शर्तों के कारण बैंक को एक चिंता के रूप में जारी रखना बंद हो सकता है।
- प्रकटीकरण सहित एकल वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करना और क्या एकल वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं जो निष्पक्ष प्रस्तुति प्राप्त करना।

बैंक के एकल वित्तीय विवरणों में गलत बयानों का परिमाण है, जो व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, यह संभावित बनाता है कि एकल वित्तीय विवरणों के यथोचित जानकारी उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। हम (i) हमारे लेखापरीक्षा कार्य के दायरे की योजना बनाना और हमारे काम के परिणामों का मूल्यांकन करना; और (ii) एकल वित्तीय विवरणों में किसी भी पहचाने गए गलत बयानों के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए मात्रात्मक विषयवस्तु और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं।

हम अभिशासन के प्रभारी लोगों के साथ संवाद करते हैं, अन्य मामलों के साथ, लेखापरीक्षा के नियोजित दायरे और समय और महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्ष, जिसमें आंतरिक नियंत्रणों में कोई महत्वपूर्ण कमी शामिल है जिसे हम अपने लेखापरीक्षा के दौरान पहचानते हैं।

हम अभिशासन के प्रभारी लोगों को एक विवरणी भी प्रस्तुत करते हैं कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है और उनके साथ सभी संबंधों और अन्य मामलों को संवाद करने के लिए जो यथोचित रूप से हमारी स्वतंत्रता को प्रभावित करने वाले हैं, और जहां लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय किए हैं।

हम अभिशासन के प्रभारी लोगों के साथ, हम उन मामलों का निर्धारण करते हैं जो वर्तमान अवधि के एकल वित्तीय विवरणों के लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे और इसलिए प्रमुख लेखापरीक्षा मामले हैं। हम अपने लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन करते हैं जब तक कि कानून या विनियमन मामले के बारे में सार्वजनिक प्रकटीकरण को रोकता है या जब, अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह निर्धारित करते हैं कि किसी मामले को हमारी रिपोर्ट में संप्रेषित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणाम यथोचित रूप से इस तरह के संचार के सार्वजनिक हितलाभ से अधिक होने की उम्मीद करेंगे।

अन्य विधिक और नियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

8. तुलन पत्र तथा लाभ-हानि खाता बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29 के अनुसार तैयार किया गया है; और ये भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के प्रावधानों और उसके तहत विनियमों के आधार पर दी जाने वाली आवश्यक जानकारी देते हैं।

उपर्युक्त पैराग्राफ 5 से 7 में इंगित लेखापरीक्षा की सीमाओं के अधीन और जैसा कि भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 और बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 30 की उप-धारा (3) द्वारा अपेक्षित है, और उसमें आवश्यक प्रकटीकरण की सीमाओं के अधीन भी, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

- क) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारी जानकारी, विश्वास और हमारे लेखापरीक्षा के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे और उन्हें संतोषजनक पाया है;
- ख) बैंक के लेनदेन, जो हमारे ध्यान में आए हैं, बैंक की अधिकार क्षेत्र में हैं; और
- ग) बैंक के कार्यालयों और शाखाओं से प्राप्त वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी हमारे लेखापरीक्षा के प्रयोजनों के लिए पर्याप्त पाई गई है

9. जैसा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सांविधिक केंद्रीय लेखा परीक्षकों (एससीए) की नियुक्ति - वित्त वर्ष 2019-20 से एससीए के लिए दायित्वों की रिपोर्टिंग

पर पत्र संख्या DOS.ARG.No.6270/08.91.001/2019-20 दिनांक 17 मार्च, 2020 के साथ आरबीआई की 19 मई 2020 के संचार के साथ पठित, हम पूर्वोक्त पत्र के पैराग्राफ 2 में निर्दिष्ट मामलों पर आगे रिपोर्ट करते हैं:

- घ) हमारे अभिमत में, उपरोक्त एकल वित्तीय विवरण आईसीआई द्वारा जारी मानक लेखांकन का अनुपालन करते हैं और यह भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित लेखांकन नीतियों के साथ असंगत नहीं हैं।
- ङ) वित्तीय लेनदेन या मामलों पर कोई अवलोकन या टिप्पणी नहीं है जिसका बैंक के कामकाज पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- च) चूंकि बैंक कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत नहीं है, इसलिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 की उप-धारा (2) के तहत बैंक के निदेशक होने से अयोग्यता बैंक पर लागू नहीं होती है।
- छ) खातों के रखरखाव और उससे जुड़े अन्य मामलों से संबंधित कोई योग्यता, आरक्षण या प्रतिकूल टिप्पणी नहीं है।
- ज) एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर बैंक के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और परिचालन प्रभावशीलता पर आपकी लेखापरीक्षा रिपोर्ट इस रिपोर्ट के अनुलब्धक - ए में दी गई है, जिसमें 31 मार्च 2025 के एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर बैंक के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर एक असंशोधित अभिमत व्यक्त किया गया है,

10. हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

- क) हमारे अभिमत में, बैंक ने कानून द्वारा अपेक्षित खाता पुस्तकों को अब तक रखा है, जहां तक यह उन पुस्तकों की हमारी जांच से प्रतीत होता है और हमारे लेखापरीक्षा के प्रयोजनों के लिए पर्याप्त वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी उन शाखाओं से प्राप्त हुई है जो हमारे द्वारा दौरा नहीं की गई हैं;
- ख) तुलन-पत्र, लाभ और हानि खाता तथा इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए रोकड़ प्रवाह विवरण लेखा-बहियों तथा उन शाखाओं से प्राप्त वित्तीय विवरण/वित्तीय सूचना के साथ सहमत हैं जिनका हमने दौरा नहीं किया है;
- ग) बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29 और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के अनुसार बैंक के शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित शाखा कार्यालयों के लेखाओं पर रिपोर्ट हमें भेज दी गई हैं और इस रिपोर्ट को तैयार करने में हमारे द्वारा उचित रूप से निपटाया गया है; और
- घ) हमारे अभिमत में, तुलन-पत्र, लाभ और हानि खाता तथा नकदी प्रवाह विवरण लागू लेखांकन मानकों का अनुपालन करते हैं, इस सीमा तक कि वे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित लेखांकन नीतियों के साथ असंगत नहीं हैं।

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

इस तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.009073N/N500320

सीए सुमित कुमार

भागीदार: एम. नंबर 512555

यूडीआईएन: 25512555BMNPTK7915

कृते विनोद कुमार एंड एसोसिएट्स

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या 002304N

सीए विनोद जैन

भागीदार: एम. नंबर 081263

यूडीआईएन: 25081263BMOGSK4115

कृते वर्मा एंड वर्मा

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.004532S

सीए पीआर प्रसन्ना वर्मा

भागीदार: एम नंबर 025854

यूडीआईएन: 25025854BMOBIT4570

कृते ओ पी बागला एंड कंपनी एलएलपी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.000018N/N500091

सीए राकेश कुमार

भागीदार: एम. नंबर 087537

यूडीआईएन: 25087537BMOPBH2726

स्थान: मुंबई

दिनांक: 03 मई 2025

कृते गोखले एंड साठे

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.103264W

सीए राहुल जोगलेकर

भागीदार: एम. नंबर 129389

उद्घाटन: 25129389BMJIQN7579

कृते आर जी एन प्राइस एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.002785S

सी.ए. पी.एम. वीरमणि

भागीदार: एम. नंबर 023933

यूडीआईएन: 25023933BMLHSJ2613

कृते गोपाल शर्मा एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.002803C

सीए अभिषेक शर्मा

भागीदार: एम. नंबर 079224

यूडीआईएन: 25079224BMLYFL7878

कृते एस जी सी ओ एंड कंपनी एलएलपी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म लॉसप.छे.112081W/W100184

सीए सुरेश मुरारका

भागीदार: एम. नंबर 044739

यूडीआईएन: 25044739BMLAKD2485

कृते जे एल एन यू एस एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.101543W

सीए शलभ कुमार डागा

पार्टनर: एम. नंबर 401428

यूडीआईएन: 25401428BMIAOK7673

कृते रमा के गुप्ता एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या:005005C

सीए रमाकांत गुप्ता

भागीदार: एम. नंबर 073853

यूडीआईएन: 25073853BMLFKJ9856

कृते बी सी जैन एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.001099C

सीए रणजीत सिंह

भागीदार: एम नंबर 073488

यूडीआईएन: 25073488BMTDJM6371

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक क

(इस तिथि को हमारी रिपोर्ट के 'अन्य कानूनी और नियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट' खंड के पैरा 9(ई) के तहत संदर्भित)

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण संबंधी रिपोर्ट, एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में, जैसा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पत्र डीओएस.एआरजी. संख्या 6270/08.91.001/2019-20 दिनांक 17 मार्च, 2020 (संशोधित) (आरबीआई संचार) द्वारा अपेक्षित है।

अभिमत

हमने 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक (बैंक) के एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा किया है, जो उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए बैंक के एकल वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के साथ है जिसमें बैंक की शाखाओं के एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण शामिल हैं।

हमारे अभिमत में, और हमारी जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों और अन्य मामलों पर नीचे पैराग्राफ में संदर्भित शाखा लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों पर विचार करने के आधार पर, 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार बैंक के पास सभी भौतिक मामलों में, एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हैं और एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण चल रहे थे प्रभावी रूप से, आईसीएआई द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शन नोट में बताए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए बैंक द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण के मानदंड के आधार पर हैं।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

बैंक का प्रबंधन बैंक द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है, जो भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शन नोट में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करता है। इन जिम्मेदारियों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है जो बैंक की नीतियों का पालन, इसकी आस्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और पता लगाने, लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता, और विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी सहित अपने व्यवसाय के व्यवस्थित और कुशल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे। जैसा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी परिपत्रों और दिशानिर्देशों के तहत यथापेक्षित है।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारे लेखापरीक्षा के आधार पर एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर बैंक के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर अभिमत व्यक्त करना है। हमने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शन नोट (मार्गदर्शन नोट) और आईसीएआई द्वारा जारी लेखा परीक्षा (एसए) पर मानकों के अनुसार आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखापरीक्षा पर लागू सीमा तक अपना लेखापरीक्षा किया। उन मानकों और मार्गदर्शन नोट के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें और इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाएं और निष्पादित करें कि क्या एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और बनाए रखा गया था और यदि इस तरह के नियंत्रण सभी भौतिक मामलों में प्रभावी ढंग से संचालित होते हैं।

हमारे लेखापरीक्षा में एकल वित्तीय विवरणों और उनकी परिचालन प्रभावशीलता के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता के बारे में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाएं करना शामिल है। एकल वित्तीय वक्तव्यों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के हमारे लेखापरीक्षा में एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना, जोखिम का आकलन करना कि एक भौतिक कमजोरी मौजूद है, और मूल्यांकन किए गए जोखिम के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और मूल्यांकन करना शामिल है। चयनित प्रक्रियाएं लेखा परीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं, जिसमें वित्तीय विवरणों के भौतिक गलत विवरण के जोखिमों का आकलन शामिल है, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

हमारा मानना है कि हमने जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, और शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य, नीचे दिए गए अन्य मामलों के पैराग्राफ में संदर्भित उनकी रिपोर्टों के संदर्भ में, एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर बैंक के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अर्थ

एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर बैंक का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता और आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाहरी उद्देश्यों के लिए वित्तीय विवरणों की तैयारी के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। एकल

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक क

वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर बैंक के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं जो

- (1) अभिलेखों के रखरखाव से संबंधित, जो उचित विवरण में, बैंक की आस्तियों के लेनदेन और स्वभाव को सटीक और निष्पक्ष रूप से दर्शाते हैं;
- (2) उचित आश्वासन प्रदान करें कि लेनदेन को आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरणों की तैयारी की अनुमति देने के लिए आवश्यक के रूप में दर्ज किया जाता है, और यह कि बैंक की प्राप्तियां और व्यय केवल बैंक के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकरणों के अनुसार किए जा रहे हैं; और
- (3) बैंक की आस्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या निपटान की रोकथाम या समय पर पता लगाने के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करना जो वित्तीय विवरणों पर भौतिक प्रभाव डाल सकता है।

एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाएं

एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, जिसमें मिलीभगत या अनुचित प्रबंधन की संभावना शामिल है, नियंत्रण के ओवरसाइड, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण गलत बयानी हो

सकती है और पता नहीं लगाया जा सकता है। इसके अलावा, भविष्य की अवधि के लिए एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी भी मूल्यांकन के अनुमान जोखिम के अधीन हैं कि एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण शर्तों में बदलाव के कारण अपर्याप्त हो सकते हैं, या नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन के अंश के कारण अपर्याप्त हो सकते हैं।

अन्य मामले

हमारी उपर्युक्त रिपोर्ट, जहां तक यह 1110 शाखाओं (35 विदेशी शाखाओं सहित) के एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता से संबंधित है, उन शाखाओं/अन्य इकाइयों के संबंधित शाखा लेखा परीक्षकों की संबंधित रिपोर्टों पर आधारित है।

इस मामले के संबंध में हमारे अभिमत में संशोधन नहीं किया गया है।

इस तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.009073N/N500320

सीए सुमित कुमार

भागीदार: एम. नंबर 512555

यूडीआईएन: 25512555BMNPTK7915

कृते विनोद कुमार एंड एसोसिएट्स

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या 002304N

सीए विनोद जैन

भागीदार: एम. नंबर 081263

यूडीआईएन: 25081263BMOGSK4115

कृते वर्मा एंड वर्मा

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.004532S

सीए पीआर प्रसन्ना वर्मा

भागीदार: एम नंबर 025854

यूडीआईएन: 25025854BMOBIT4570

कृते ओ पी बागला एंड कंपनी एलएलपी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.000018N/N500091

सीए राकेश कुमार

भागीदार: एम. नंबर 087537

यूडीआईएन: 25087537BMOPBH2726

स्थान: मुंबई

दिनांक: 03 मई 2025

कृते गोखले एंड साठे

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.103264W

सीए राहुल जोगलेकर

भागीदार: एम. नंबर 129389

उद्घाटन: 25129389BMJIQN7579

कृते आर जी एन प्राइस एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.002785S

सी.ए. पी.एम. वीरमणि

भागीदार: एम. नंबर 023933

यूडीआईएन: 25023933BMLHSJ2613

कृते गोपाल शर्मा एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.002803C

सीए अभिषेक शर्मा

भागीदार: एम. नंबर 079224

यूडीआईएन: 25079224BMLYFL7878

कृते एस जी सी ओ एंड कंपनी एलएलपी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म लॉसप.छे.112081W/W100184

सीए सुरेश मुरारका

भागीदार: एम. नंबर 044739

यूडीआईएन: 25044739BMLAKD2485

कृते जे एल एन यू एस एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.101543W

सीए शलभ कुमार डागा

पार्टनर: एम. नंबर 401428

यूडीआईएन: 25401428BMIAOK7673

कृते रमा के गुप्ता एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या:005005C

सीए रमाकांत गुप्ता

भागीदार: एम. नंबर 073853

यूडीआईएन: 25073853BMLFKJ9856

कृते बी सी जैन एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म पंजी. संख्या.001099C

सीए रणजीत सिंह

भागीदार: एम नंबर 073488

यूडीआईएन: 25073488BMTDJM6371

(000 छोड़ा गया)

	अनुसूची सं.	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
पूंजी और देनदारियां			
पूंजी	1	892,46,20	892,46,12
आरक्षित निधि और अधिशेष	2	486144,29,67	414046,71,03
अल्प मदों पर ब्याज	2ए	18025,83,88	15617,96,24
जमा राशियां	3	5439898,01,91	4966537,48,72
उधार राशियां	4	610857,24,50	639609,50,29
अन्य देनदारियां और प्रावधान	5	758367,47,92	697074,67,57
कुल		7314185,34,08	6733778,79,97
आस्तियां			
भारतीय रिजर्व बैंक के साथ नकद और शेष	6	227485,15,69	225356,33,61
बैंकों के साथ शेष राशि और कॉल पर धन अल्प सूचना	7	130447,78,59	101215,96,74
निवेश	8	2205601,10,83	2110548,22,59
अग्रिम	9	4250830,73,64	3784272,67,05
अचल आस्तियाँ	10	46337,69,54	44708,17,73
अन्य आस्तियाँ	11	453482,85,79	467677,42,25
कुल		7314185,34,08	6733778,79,97
आकस्मिक देनदारियां	12	2678111,54,07	2397594,80,24
वसूली के लिए बिल		64472,56,17	67823,22,53
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	17		
लेखा टिप्पणियां	18		

उपर्युक्त अनुसूचियां तुलन-पत्र का अभिन्न भाग हैं

श्री राम मोहन राव अमारा

प्रबंध निदेशक

(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार और प्रौद्योगिकी)

श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह

प्रबंध निदेशक

(जोखिम अनुपालन और एसएआरजी)

श्री विनय एम. तोन्से

प्रबंध निदेशक

(खुदरा व्यापार और परिचालन)

श्री अश्विनी कुमार तिवारी

प्रबंध निदेशक

(कॉर्पोरेट बैंकिंग और अनुषंगियां)

इस तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

एफआरएन 009073EZ/N500320

श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी

अध्यक्ष

सीए सुमित कुमार

भागीदार

एम नंबर 512555

स्थान: मुंबई

दिनांक: 03 मई 2025

अनुसूची 1 - पूंजी

(000 छोड़ा गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
प्राधिकृत पूंजी:		
5000,00,00,000 शेयर, ₹1 प्रति शेयर (पिछला वर्ष 5000,00,00,00,000 शेयर, ₹1 प्रति शेयर)	5000,00,00	5000,00,00
जारी पूंजी:		
892,54,05,164 इक्विटी शेयर (पिछला वर्ष 892,54,05,164 इक्विटी शेयर, ₹1 प्रति शेयर)	892,54,05	892,54,05
अभिदत्त तथा संदत्त पूंजी:		
892,46,20,034 इक्विटी शेयर (पिछले वर्ष 892,46,11,934 इक्विटी शेयर, ₹1 प्रति शेयर)	892,46,20	892,46,12
उपर्युक्त में प्रत्येक ₹1 के 7,97,87,470 इक्विटी शेयर शामिल हैं (पिछले वर्ष 9,58,88,670 इक्विटी शेयर, ₹1 प्रति शेयर)		
79,78,747 (पिछले वर्ष 95,88,867) ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसीट्स द्वारा दर्शाया गया		
कुल	892,46,20	892,46,12

अनुसूची 2 - आरक्षित निधियां और अधिशेष

(000 छोड़ा गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
i. सांविधिक आरक्षित निधियां		
आरंभिक शेष	121026,38,63	102309,50,32
वर्ष के दौरान परिवर्धन	21594,78,94	18716,88,31
वर्ष के दौरान कटौती	- 142621,17,57	- 121026,38,63
ii. पूंजी आरक्षित निधियां		
आरंभिक शेष	16328,83,71	16002,62,67
वर्ष के दौरान परिवर्धन	2171,56,83	326,21,04
वर्ष के दौरान कटौती	- 18500,40,54	- 16328,83,71
iii. शेयर प्रीमियम		
आरंभिक शेष	79115,47,68	79115,47,68
वर्ष के दौरान परिवर्धन	12,80	-
वर्ष के दौरान कटौती	- 79115,60,48	- 79115,47,68
iv. निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधियां		
आरंभिक शेष	11522,30,12	12271,38,17
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-
वर्ष के दौरान कटौती	- 11522,30,12	749,08,05 11522,30,12
v. विदेशी मुद्रा रूपांतर आरक्षित		
आरंभिक शेष	15107,70,30	14331,74,49
वर्ष के दौरान परिवर्धन	2248,17,08	861,03,95
वर्ष के दौरान कटौती	38 17355,87,00	85,08,14 15107,70,30

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

(000 छोड़ा गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹		31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹	
vi. राजस्व और अन्य आरक्षित निधियां *				
आरंभिक शेष	70972,20,91		63982,58,04	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	4106,54,04		7346,49,41	
वर्ष के दौरान कटौती	1931,60,52	73147,14,43	356,86,54	70972,20,91
VII. पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधियां				
आरंभिक शेष	27555,64,70		27756,25,90	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-		-	
वर्ष के दौरान कटौती	200,03,03	27355,61,67	200,61,20	27555,64,70
VIII. एफएस आरक्षित निधियां				
आरंभिक शेष	-		-	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	7586,97,89		-	
वर्ष के दौरान कटौती	-	7586,97,89	-	-
IX. समेकन पर पूंजी आरक्षित				
आरंभिक शेष	398,97,05		345,98,14	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	93,37,32		146,95,21	
वर्ष के दौरान कटौती	-	492,34,37	93,96,30	398,97,05
X. लाभ और हानि खाते में शेष		108446,85,60		72019,17,93
योग		486144,29,67		414046,71,03

समेकन समायोजन का निवल

* नोट: राजस्व और अन्य आरक्षित निधि में शामिल हैं:

- (1) एकीकरण और विकास निधि का ₹ 5,00,00 हजार (पिछले वर्ष ₹5,00,00 हजार) (भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 36 के तहत बनाए रखा गया)
- (2) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (viii) के तहत विशेष रिजर्व ₹21064,32,76 हजार (पिछले वर्ष ₹19527,05,76 हजार)
- (3) निवेश आरक्षित निधियां चालू वर्ष शून्य (पिछले वर्ष ₹31,42,84,35 हजार)
- (4) डिबेंचर मोचन आरक्षित निधियां ₹9,66,67 हजार (पिछले वर्ष ₹4,83,74 हजार)

अनुसूची 2ए - अल्प मर्दों पर ब्याज

(000 छोड़ा गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
वर्ष की शुरुआत में अल्प मर्दों पर ब्याज	15617,96,24	12836,61,94
वर्ष के दौरान बाद में वृद्धि/कमी	2407,87,64	2781,34,30
तुलन पत्र की तिथि पर अल्प मर्दों पर ब्याज	18025,83,88	15617,96,24

अनुसूची 3 - जमाराशियां

(000 छोड़ा गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. मांग जमा		
(i) बैंकों से	4327,57,21	5745,87,30
(ii) अन्य से	383920,22,99	303531,70,50
II. बचत बैंक जमा	1720688,78,27	1673652,24,52
III. मीयादी जमा		
(i) बैंकों से	14301,75,30	5107,34,24
(ii) अन्य से	3316659,68,14	2978500,32,16
कुल	5439898,01,91	4966537,48,72
III. (i) भारत में स्थित शाखाओं की जमाराशियां	5161629,67,48	4718596,72,73
(ii) भारत के बाहर स्थित शाखाओं की जमाराशियां	278268,34,43	247940,75,99
योग	5439898,01,91	4966537,48,72

जमाराशियों में ₹449032,97,21 हजार की ग्रहणाधिकार चिह्नित जमाराशियां (पिछले वर्ष ₹421542,10,63 हजार) शामिल हैं

अनुसूची 4 - उधार राशियां

(000 छोड़ा गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
i. भारत में उधार राशियां		
(i) भारतीय रिजर्व बैंक	20524,90,00	98806,56,00
(ii) अन्य बैंक	23858,58,76	18549,19,38
(iii) अन्य संस्थान और एजेंसियां	19714,18,77	74966,15,25
(iv) बांड और डिबेंचर (पूँजीगत लिखतों के अलावा)	69958,00,00	42703,00,00
(v) पूँजीगत लिखत:		
क. नवोन्मेषी सतत ऋण लिखतें (आईपीडीआई)	48708,00,00	50626,40,00
ख. अधीनस्थ ऋण	54011,00,00	102719,00,00
योग	236774,67,53	331335,30,63
ii. भारत के बाहर उधार राशियां		
(i) भारत के बाहर उधार राशियां और पुनर्वित्त	373716,71,12	307895,83,81
(ii) पूँजीगत लिखतें:		
क. नवोन्मेषी सतत ऋण लिखतें	-	-
ख. गौण ऋण	365,85,85	378,35,85
योग	374082,56,97	308274,19,66
कुल योग	610857,24,50	639609,50,29
उपरोक्त I और II में प्रतिभूत उधार राशियां सम्मिलित हैं	86460,22,08	209699,57,92

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

अनुसूची 5 - अन्य देयताएं और प्रावधान

(000 छोड़ा गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
i. देय बिल	27793,09,49	15700,29,22
ii. अंतर बैंक समायोजन (निवल)	-	491,12,80
iii. अंतर कार्यालय समायोजन (नेट)	-	1126,59,56
iv. उपचित ब्याज	39032,33,00	32861,61,48
v. आस्थगित कर देनदारियां (निवल)	455,43,71	23,20,84
VI. बीमा कारोबार में पॉलिसीधारकों से संबंधित देयताएं	452581,55,89	392280,43,19
VII. मानक संपत्ति के लिए प्रावधान	25200,35,15	24851,72,15
VIII. डेरिवेटिव देनदारियां	19846,36,84	7112,63,17
IX. अन्य (प्रावधानों सहित)	193458,33,84	222627,05,16
योग	758367,47,92	697074,67,57

अनुसूची 6 - नकदी और भारतीय रिजर्व बैंक में जमाराशियां

(000 छोड़ा गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
i. हाथ में नकदी (विदेशी मुद्रा नोट और स्वर्ण सहित)	18591,46,73	18589,64,78
ii. भारतीय रिजर्व बैंक में जमाराशियां		
(i) चालू खाते में	208839,68,96	206747,68,83
(ii) अन्य खातों में	54,00,00	19,00,00
योग	227485,15,69	225356,33,61

अनुसूची 7 - बैंकों में जमाराशियां तथा मांग व अल्प सूचना पर प्राप्य राशि

(000 छोड़ा गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. भारत में		
(i) बैंकों में जमाराशियां		
(क) चालू खाते में	2926,29,32	2510,86,89
(ख) अन्य जमा खातों में	2264,52,21	5211,21,81
(ii) मांग तथा अल्प सूचना पर प्राप्य राशि		
(क) बैंकों में	-	2550,00,00
(ख) अन्य संस्थानों में	7724,60,70	26988,48,58
योग	12915,42,23	37260,57,28
II. भारत के बाहर		
(i) चालू खाते में	93887,78,25	45740,69,59
(ii) अन्य जमा खातों में	1207,98,28	2279,82,71
(iii) मांग तथा अल्प सूचना पर प्राप्य राशि	22436,59,83	15934,87,16
योग	117532,36,36	63955,39,46
कुल योग (I और II)	130447,78,59	101215,96,74

अनुसूची 8 - निवेश

(000 छोड़ा गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. भारत में निवेश:		
(i) सरकारी प्रतिभूतियां	1499399,38,25	1515043,86,92
(ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	28691,90,55	35581,58,12
(iii) शेयर	200680,41,16	149287,03,20
(iv) डिबेंचर और बांड	280695,89,87	260838,19,99
(v) अनुषंगी, संयुक्त उद्यम और सहयोगी #	17669,44,49	17498,56,00
(vi) अन्य (म्यूचुअल फंड इकाइयां, आदि)	98334,52,92	60206,81,47
योग	2125471,57,24	2038456,05,70
II. भारत के बाहर निवेश:		
(i) सरकारी प्रतिभूतियां (स्थानीय प्राधिकरणों सहित)	41583,03,32	39158,82,63
(ii) सहयोगी #	203,05,79	177,01,73
(iii) अन्य निवेश (शेयर, डिबेंचर, आदि)	38343,44,48	32756,32,53
योग	80129,53,59	72092,16,89
कुल योग (I और II)	2205601,10,83	2110548,22,59
III. भारत में निवेश:		
(i) निवेश का सकल मूल्य	2129446,12,69	2048553,64,07
(ii) घटाएं: प्रावधानों का कुल योग /	3974,55,45	10097,58,37
(iii) निवल निवेश (उपर्युक्त I के अनुसार)	2125471,57,24	2038456,05,70
IV. भारत के बाहर निवेश:		
(i) निवेश का सकल मूल्य	80152,56,94	73239,42,67
(ii) घटाएं: कुल प्रावधानों/मूस्यहास	23,03,35	1147,25,78
(iii) निवल निवेश (उपर्युक्त II के अनुसार)	80129,53,59	72092,16,89
कुल योग (III और IV)	2205601,10,83	2110548,22,59
# सहयोगियों में निवेश (भारत में और भारत के बाहर)		
सहयोगियों में इक्विटी निवेश	10283,52,70	10185,83,24
जोड़ें: सहयोगियों के अधिग्रहण पर गुडविल	95,83,73	172,55,25
घटाएं : सहयोगियों के अधिग्रहण पर पूंजी आरक्षित	1047,68,27	937,59,94
घटाएं : कमी के लिए प्रावधान	9,09,68	-
सहयोगियों में निवेश की लागत	9322,58,48	9420,78,55
जोड़ें: अधिग्रहण के बाद लाभ/(हानि) और सहयोगियों में आरक्षित निधियां (इक्विटी विधि)	8522,29,00	8250,79,18
कुल	17844,87,48	17671,57,73

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

अनुसूची 9 - अग्रिम

	(000 छोड़ा गया)	
	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
क. (i) खरीदे गए और बढ़ाकृत बिल	246928,35,68	220192,41,93
(ii) नकद क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट और मांग पर चुकाने योग्य ऋण	1220238,72,33	1040784,73,28
(iii) सावधि ऋण	2783663,65,63	2523295,51,84
योग	4250830,73,64	3784272,67,05
ख. (i) मूर्त आस्तियों द्वारा प्रतिभूत (पुस्तक ऋण के खिलाफ अग्रिम शामिल हैं)	2764589,77,55	2418590,80,98
(ii) बैंक/सरकारी गारंटी द्वारा संरक्षित	221144,82,12	193378,45,27
(iii) अप्रतिभूत	1265096,13,97	1172303,40,80
योग	4250830,73,64	3784272,67,05
ग. (i) भारत में अग्रिम		
(i) प्राथमिकता क्षेत्र	907348,31,61	804184,20,86
(ii) सार्वजनिक क्षेत्र	218330,26,43	252633,74,04
(iii) बैंक	4334,71,71	592,13,56
(iv) अन्य	2452536,96,24	2143154,28,50
योग	3582550,25,99	3200564,36,96
(II) भारत के बाहर अग्रिम		
(i) बैंकों से प्राप्य	205379,21,72	181073,38,29
(ii) अन्यो से प्राप्य		
(क) क्रय किए गए और बढ़ाकृत बिल	39028,86,34	42424,38,12
(ख) सिंडिकेटेड ऋण	262028,45,16	230369,08,55
(ग) अन्य	161843,94,43	129841,45,13
कुल	668280,47,65	583708,30,09
कुल योग सी-I व सी-II	4250830,73,64	3784272,67,05

अनुसूची 10 - अचल आस्तियां

(000 छोड़ा गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹		31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹	
1. परिसर (पुनर्मूल्यांकन परिसरों सहित)				
पिछले वर्ष की 31 मार्च की लागत/पुनर्मूल्यांकन के अनुसार	36023,90,92		35945,97,65	
अतिरिक्त:				
- वर्ष के दौरान	390,21,20		82,62,19	
- पुनर्मूल्यांकन के लिए	-		-	
कटौती:				
- वर्ष के दौरान	58,81		4,10,74	
- पुनर्मूल्यांकन के लिए	-		58,18	
अघतन मूल्यहास:				
- लागत पर	1598,53,00		1456,84,39	
- पुनर्मूल्यांकन पर	1628,92,58		1428,89,56	33138,16,97
Iए. निर्माणाधीन परिसर	532,81,22		528,43,41	
2. अन्य अचल आस्तियां (फर्नीचर और फिक्सचर सहित)				
पिछले वर्ष के 31 मार्च को लागत पर	46975,33,50		44177,26,23	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	5445,37,96		3832,00,94	
वर्ष के दौरान कटौती	1106,34,92		1033,93,67	
आज तक का मूल्यहास	38907,42,59		12406,93,95	36342,87,53
IIए. पट्टे पर दी गई संपत्ति				
पिछले वर्ष के 31 मार्च को लागत पर	621,77,92		505,90,27	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	11,63,24		136,00,71	
वर्ष के दौरान कटौती	239,55,23		20,13,06	
आज की तारीख तक मूल्यहास (प्रावधानों सहित)	223,39,58		255,11,77	
	170,46,35		366,66,15	
घटाएं: पट्टा समायोजन खाता	-		-	366,66,15
कुल (I, Iए, II और IIए)	46296,29,25		44665,72,50	
III. निर्माणाधीन आस्तियां (पट्टे पर दी गई आस्तियों सहित) प्रावधानों का निवल	41,40,29		42,45,23	
कुल (I, Iए, II, IIए और III)	46337,69,54		44708,17,73	

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

अनुसूची 11 - अन्य आस्तियां

	(000 छोड़ा गया)	
	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. अंतर कार्यालय समायोजन (निवल)	8184,06,97	-
II. अंतर बैंक समायोजन (निवल)	292,74,90	-
III. प्रोद्भूत ब्याज	52323,46,66	50841,18,94
IV. अग्रिम में भुगतान किया गया कर/स्रोत पर काटा गया कर	31785,15,76	23989,77,60
V. आस्थगित कर आस्तियां (निवल)	10042,14,92	12140,69,81
VI. स्टेशनरी और स्टैम्प	88,05,01	64,03,68
VII. दावों की संतुष्टि में अर्जित गैर-बैंकिंग आस्तियां	23,22,28	5,34,51
VIII. नाबार्ड/सिडबी/एनएचबी के पास जमा की गई जमाराशियां	262916,23,60	270995,47,35
IX. डेरिवेटिव आस्तियां	17802,81,83	3767,45,61
X. समेकन पर साख	1419,67,84	1405,96,08
XI. अन्य	68605,26,02	104467,48,67
योग	453482,85,79	467677,42,25

अनुसूची 12 - आकस्मिक देनदारियां

	(000 छोड़ा गया)	
	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. समूह के खिलाफ दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया	118423,54,51	118414,15,26
II. आंशिक रूप से भुगतान किए गए निवेश / वैचर फंड के लिए देयता	2870,35,76	2850,31,79
III. बकाया वायदा विनिमय अनुबंधों के कारण देयता	1456672,59,23	1350960,66,04
IV. घटकों की ओर से दी गई गारंटी		
(अ) भारत में	219081,67,52	190051,98,73
(ब) भारत के बाहर	102028,45,46	94832,38,44
V. प्रतिग्रहण, पृष्ठांकन और अन्य देयताएं	158077,83,89	158624,60,01
VI. अन्य मदें जिनके लिए समूह आकस्मिक रूप से उत्तरदायी है	620957,07,70	481860,69,97
योग #	2678111,54,07	2397594,80,24

₹1,78,75 हजार (पिछले वर्ष ₹1,49,15 हजार) संयुक्त उद्यमों की आकस्मिक देयता में हिस्सेदारी से संबंधित है

भारतीय स्टेट बैंक

31 मार्च 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए समेकित लाभ और हानि खाता

(000 छोड़ा गया)

	अनुसूची सं.	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. आय			
अर्जित ब्याज	13	490937,78,51	439188,51,23
अन्य आय	14	172405,53,23	155386,39,22
योग		663343,31,74	594574,90,45
II. व्यय			
व्यय किया गया ब्याज	15	300943,33,53	259736,04,81
परिचालन व्यय	16	236573,51,86	235893,83,88
प्रावधान और आकस्मिकताएं		46809,30,91	30806,75,67
योग		584326,16,30	526436,64,36
III. लाभ			
वर्ष के लिए निवल लाभ (सहयोगियों और अल्प हिस्सेदारी वाली संस्थाओं के लाभ में शेयर के लिए समायोजन से पहले ब्याज)		79017,15,44	68138,26,09
जोड़ें: सहयोगियों के लाभ में हिस्सेदारी		1505,47,09	1405,15,43
घटाएं: अल्प मर्दों पर ब्याज		2961,28,82	2458,74,91
समूह के लिए निवल लाभ		77561,33,71	67084,66,61
आगे लाया गया लाभ जोड़ें		72019,17,93	41923,30,28
योग		149580,51,64	109007,96,89
IV. विनियोग			
सांविधिक आरक्षित निधियों को अंतरण		21594,78,94	18716,88,31
पूंजी आरक्षित निधियों को अंतरण		2171,56,83	326,21,04
निवेश उतार-चढ़ाव निधि में अंतरण		-	(749,08,05)
राजस्व और अन्य रिजर्व में अंतरण		3210,87,06	6456,91,82
चालू वर्ष के लिए लाभभांश		14190,14,59	12226,71,83
लाभभांश पर कर		3052,34	1114,01
तुलन पत्र में ले जाई गई शेष राशि		108382,61,88	72019,17,93
योग		149580,51,64	109007,96,89
V. प्रति इक्विटी शेयर आय (प्रति शेयर ₹1 का अंकित मूल्य)			
मूल (₹ में)		₹86.91	₹75.17
कम की गई (₹ में)		₹86.91	₹75.17
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	17		
लेखा टिप्पणियां	18		

ऊपर उल्लिखित अनुसूचियां लाभ और हानि खाते का अभिन्न अंग हैं

श्री राम मोहन राव अमारा

प्रबंध निदेशक

(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार और प्रौद्योगिकी)

श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह

प्रबंध निदेशक

(जोखिम अनुपालन और एसएआरजी)

श्री विनय एम. तोन्से

प्रबंध निदेशक

(खुदरा व्यापार और परिचालन)

श्री अश्विनी कुमार तिवारी

प्रबंध निदेशक

(कॉर्पोरेट बैंकिंग और अनुबंधित)

इस तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन 009073EZ/N500320

श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी

अध्यक्ष

सीए सुमित कुमार

भागीदार

एम नंबर 512555

स्थान: मुंबई

दिनांक: 03 मई 2025

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

अनुसूची 13 - अर्जित ब्याज

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. अग्रिम/बिलों पर ब्याज/बट्टा	340976,70,03	299055,72,12
II. निवेश पर आय	131143,82,60	122378,19,49
III. भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य अंतर-बैंक निधियों के अधिशेष पर ब्याज	6237,59,92	5941,79,87
IV. अन्य	12579,65,96	11812,79,75
योग	490937,78,51	439188,51,23

अनुसूची 14 - अन्य आय

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. कमीशन, विनिमय और दलाली	31356,51,61	28349,70,13
II. निवेश की बिक्री पर लाभ / (हानि) (निवल)	12279,64,29	8890,08,56
III. निवेश के पुनर्मूल्यांकन पर लाभ / (हानि) (निवल)	5179,37,94	4892,78,72
IV. पट्टे पर दी गई संपत्ति (निवल) सहित भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री पर लाभ / (हानि)	(16,22,93)	(25,20,54)
V. विनिमय लेनदेन/डेरिवेटिव लेनदेन पर लाभ/(हानि) (निवल)	4461,40,28	1785,87,15
VI. भारत/विदेश में सहयोगियों से लाभांश	7,71,00	5,57,19
VII. क्रेडिट कार्ड सदस्यता/सेवा शुल्क	7681,96,95	8263,80,99
VIII. बीमा प्रीमियम आय (निवल)	91689,61,21	86810,17,75
IX. बट्टे खाते डाले गए खातों में की गई वसूलियां	8578,36,09	7443,72,73
X. विविध आय	11187,16,79	8969,86,54
कुल	172405,53,23	155386,39,22

अनुसूची 15 - ब्याज व्यय

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. जमा राशियों पर ब्याज	259228,11,91	223278,71,35
II. भारतीय रिजर्व बैंक/अंतर-बैंक उधार राशियों पर ब्याज	25948,48,98	22864,56,43
III. अन्य	15766,72,64	13592,77,03
कुल	300943,33,53	259736,04,81

अनुसूची 16 - परिचालन व्यय

(000 छोड़ा गया)

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. कर्मचारियों को भुगतान और उनके लिए प्रावधान #	70395,70,16	83671,18,67
II. किराया, कर और प्रकाश व्यवस्था	6792,57,12	6546,16,69
III. मुद्रण और स्टेशनरी	986,35,77	922,53,21
IV. विज्ञापन और प्रचार	3741,97,92	3449,09,95
V. (क) अचल आस्तियों पर मूल्यहास (पट्टे पर दी गई आस्तियों के अलावा)	3956,81,56	3763,21,21
(ख) पट्टे पर दी गई आस्तियों पर मूल्यहास	34,66,11	85,91,24
VI. निदेशकों की फीस, भत्ते और खर्च	15,22,70	15,41,95
VII. लेखा परीक्षकों की फीस और व्यय (शाखा लेखा परीक्षकों की फीस और व्यय सहित)	335,66,39	314,05,03
VIII. विधि शुल्क	706,27,58	659,53,66
IX. पोस्टेज, टेलीग्राम, टेलीफोन, आदि	1036,68,05	890,52,21
X. मरम्मत और रखरखाव	1553,59,79	1448,82,92
XI. बीमा	8039,57,23	5389,01,01
XII. क्रेडिट कार्ड परिचालनों से संबंधित अन्य परिचालन व्यय	3831,55,49	4410,94,08
XIII. बीमा कारोबार से संबंधित अन्य परिचालन व्यय	103654,28,92	96699,67,92
XIV. अन्य व्यय	31492,57,07	27627,74,13
योग	236573,51,86	235893,83,88

कर्मचारियों को भुगतान और उनके लिए प्रावधानों में चालू वर्ष के लिए प्रावधान शून्य में असाधारण मदें शामिल हैं (पिछले वर्ष ₹7100,00,00 हजार)

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

अनुसूची 17 – महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

क. पृष्ठभूमि:

भारतीय स्टेट बैंक ('एसबीआई' अथवा 'बैंक'), बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा सांविधिक निकाय है, जो व्यक्तियों, वाणिज्यिक उद्यमों, बड़े कॉर्पोरेट, सार्वजनिक निकायों एवं संस्थागत ग्राहकों को विभिन्न उत्पाद एवं सेवाएँ प्रदान करता है। यह बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 एवं भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 द्वारा शासित होता है।

भारतीय स्टेट बैंक समूह ('एसबीआई समूह' अथवा 'समूह') में एसबीआई, 27 अनुषंगियाँ, 8 संयुक्त उद्यम और 18 सहयोगी शामिल हैं।

एसबीआई समूह की महत्वपूर्ण लेखा नीतियों अर्थात् एसबीआई के समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार तथा प्रस्तुत करने में लागू किए जाने वाले विशिष्ट लेखा सिद्धांत एवं विधियाँ नीचे दी जा रही हैं।

ख. तैयार करने का आधार:

बैंक के समेकित वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परंपरा के तहत तैयार किए गए हैं, जिसमें चालू व्यवसाय, स्थिरता और उपार्जन की मूलभूत लेखांकन धारणाएँ शामिल हैं, जब तक कि अन्यथा न कहा गया हो। वे भारत में आम तौर पर स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों (भारतीय जीएपी) के अनुरूप हैं, जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा निर्धारित नियामक मानदंडों, निर्देशों और दिशानिर्देशों, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 के वैधानिक दिशा-निर्देशों, बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई), पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए), सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम 1996, कंपनी अधिनियम 2013, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानक और भारत में बैंकिंग उद्योग में प्रचलित लेखा पद्धतियाँ शामिल हैं।

विदेश स्थित कार्यालयों के मामले में संबद्ध देश के सांविधिक प्रावधान एवं स्थानीय कानून ज्यादा विवेकपूर्ण होने पर उनका अनुपालन किया जाएगा।

ये समेकित वित्तीय विवरण आरबीआई द्वारा जारी दिशानिर्देशों एवं बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की तीसरी अनुसूची के तहत निर्धारित आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

ग. प्राकलनों का प्रयोग:

वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए प्रबंधन-मंडल, वित्तीय विवरणों की तिथि पर आस्तियों और देयताओं (आकस्मिक देयताओं सहित) की सूचित राशि तथा सूचना अवधि के दौरान सूचित आय एवं व्यय में प्रतिफलित प्राकलन और पूर्वानुमान करने की आवश्यकता होती है। प्रबंधन का मानना है कि वित्तीय विवरण तैयार करने में इस्तेमाल किया गया प्राकलन विवेकपूर्ण और तर्कसंगत हैं। वास्तविक परिणाम इन प्राकलनों से भिन्न हो सकते हैं। लेखांकन अनुमानों

में किसी भी संशोधन को परिवर्तन की अवधि से भावी रूप से मान्यता दी जाती है जब तक कि अन्यथा न कहा गया हो।

घ. समेकन का आधार:

1. एसबीआई समूह के समेकित वित्तीय विवरण निम्नलिखित विषय शामिल हैं:

क. भारतीय स्टेट बैंक (मूल कंपनी) के वित्तीय विवरण।

ख. अनुषंगियों की आस्ति/देयता/आय/व्यय का मूल कंपनी की इन्हीं मदों से अक्षरशः समेकन किया गया है। आईसीएआई द्वारा जारी एसएस 21 "समेकित वित्तीय विवरण" के अनुसार गैर-समान लेखांकन नीतियों के लिए आवश्यक सभी भौतिक अंतर-समूह शेष/लेनदेन और परिणामी अवास्तविक लाभ और समायोजन का उन्मूलन। अप्राप्त लाभ एवं समायोजन को हटाना।

ग. संयुक्त उद्यम निकायों की आस्ति/देयता/आय/व्यय के समानुपातिक भाग का समेकन आसीएआई द्वारा जारी संयुक्त उद्यमों में हितों पर वित्तीय सूचना के एसएस 27 के अनुसार किया गया है।

घ. सहयोगियों में किए गए निवेश का लेखांकन आसीएआई द्वारा जारी समेकित वित्तीय विवरणों में सहयोगियों में निवेश हेतु लेखांकन के लेखा मानक 23 की इक्विटी पद्धति के अनुसार किया गया है।

2. अनुषंगी कंपनियों में समूह के निवेश की लागत तथा अनुषंगियों की इक्विटी में समूह के अंश के बीच के अंतर को वित्तीय विवरणों में साख/पूँजी आरक्षित निधि के रूप में दिखाया गया है।

3. समेकित अनुषंगियों की निवल आस्तियों में अल्पांश हित निम्नवत है:

क. जिस तिथि को अनुषंगी के इक्विटी शेयरों में निवेश किया गया है उस तिथि को अल्पांश शेयरधारकों के कारण इक्विटी की राशि और,

ख. मूल कंपनी और अनुषंगी के बीच संबंध स्थापित होने की तिथि से आय आरक्षितियों/ हानि (इक्विटी) में अल्पांश शेयर का उतार-चढ़ाव।

ङ. महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ:

1. राजस्व निर्धारण:

1.1 आय और व्यय की उपचय आधार पर (जहाँ अन्यथा न कहा गया हो) गणना की जाती है।

1.2 अनर्जक आस्तियों (एनपीए) से होने वाली आय जिसमें अनर्जक निवेश भी शामिल हैं, को प्राप्ति और हानि खाते में वसूली आधार पर मान्यता दी जाती है।

1.3 लेटर्स ऑफ़ क्रेडिट (एलसी), बैंक गारंटी (बीजी), आस्थगित भुगतान गारंटी, सरकारी व्यवसाय, यूपीआई लेनदेन पर प्रोत्साहन, एटीएम

इंटरचेंज शुल्क और पुनर्गठित खातों पर अग्रिम शुल्क से कमीशन आय को छोड़कर, सभी कमीशन और शुल्क आय को प्राप्ति के आधार पर मान्यता दी जाती है, जिन्हें प्रोद्घवन आधार पर मान्यता प्राप्त है (प्रासंगिक अवधि में आनुपातिक रूप से)।

1.4 म्यूचुअल फंडों की यूनितों, वैकल्पिक निवेश निधियों तथा अन्य ऐसे समूहित/सामूहिक निवेश कोषों से प्राप्त आय को प्राप्ति और हानि खाते में प्राप्ति के आधार पर मान्यता प्राप्त है।

1.5 सभी निवेश श्रेणियों अर्थात् एचटीएम, एएफएस, एचएफटी-एफवीटीपीएल में सभी ऋण प्रतिभूतियों के अधिग्रहण पर छूट या प्रीमियम (यदि कोई हो) को केवल 'मूलधन और ब्याज के भुगतान' (एसपीपीआई) मानदंड को पूरा करते हुए स्थिर प्रतिफल पद्धति का उपयोग कर लिखत की शेष अवधि पर परिशोधित किया जाता है।

हालांकि, विदेशी निवेश और फ्लोटिंग रेट बॉन्ड में निवेश के मामले में, अधिग्रहण पर छूट या प्रीमियम, यदि कोई हो, को स्ट्रेट लाइन विधि का उपयोग करके लिखत के शेष अवधि पर परिशोधित किया जाता है। परिशोधित राशि अनुसूची 13 के मद II 'निवेश पर आय' के अंतर्गत दर्शाई गई है: अर्जित ब्याज, अनुसूची 8 में एक कॉन्ट्रा के साथ: 'निवेश'।

1.6 लाभांश को प्राप्त करने का अधिकार लागू होने पर लाभांश आय को हिसाब में लिया जाता है।

1.7 जब बैंक अपनी वित्तीय आस्तियों की बिक्री प्रतिभूतिकरण कंपनी/रीकंस्ट्रक्शन कंपनी को करता है, तो वह इन आस्तियों को अपने खातों से हटा देता है और उन्हें निम्नानुसार हिसाब में लेता है:

- i. यदि विक्रय मूल्य निवल बही मूल्य (बही मूल्य से प्रावधानों को घटाकर) से कम है, तो इस कमी को उस वर्ष के लाभ एवं हानि खाते को नामे किया जाता है।
- ii. यदि विक्रय मूल्य निवल बही मूल्य से अधिक है, तो अतिरिक्त प्रावधान की राशि को उसके प्राप्त होने वाले वर्ष में ही वापस कर लिया जाता है। यदि भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत विशेष रूप से बिक्री प्रतिफल के भाग के रूप में प्राप्त किए जाते हैं तो भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत प्रतिभूति रसीदों के अंकित मूल्य की सीमा तक किए गए अतिरिक्त प्रावधान को हस्तांतरण/बिक्री के वर्ष में बट्टे खाते में डाल दिया जाता है।

1.8 'व्यापार' आय के रूप में नामित रुपया व्युत्पाद पर आय को प्राप्ति के आधार पर लाभ और हानि खाते में मान्यता दी जाती है।

1.9 निर्गम-प्रबंधन और परामर्श शुल्क, समूह के मर्चेट बैंकिंग व्यवसाय के मामले में ग्राहक से हुए करार के अनुसार हिसाब में लिया जाता है। शुल्क आय को तभी हिसाब में लिया जाता है जबकि करार में उल्लिखित लक्ष्य पूरा/निष्पादित कर दिया जाता है।

1.9.1 सुपुर्द नियत-कार्य के पूरा होने के बाद प्राइवेट प्लेसमेंट फीस को हिसाब में लिया जाता है।

1.9.2 शेयर दलाली कार्यकलाप से संबंधित दलाली आय को लेनदेन करने की तिथि पर शामिल किया गया है और उसमें स्टॉप शुल्क एवं लेनदेन संबंधी व्यय शामिल है तथा योजना के लिए दी गई प्रोत्साहन राशियां शामिल नहीं हैं।

1.9.3 पब्लिक इश्यू से संबंधित कमीशन को पब्लिक इश्यू आवंटन पूरा होने पर/मध्यस्थ से सूचना प्राप्त होने के बाद हिसाब में लिया जाता है।

1.9.4. पब्लिक इश्यू/म्यूचुअल फंड/अन्य प्रतिभूतियों से संबंधित ब्रोकरेज को ग्राहकों/बिचौलियों से राशि और सूचना प्राप्त होने के बाद हिसाब में लिया जाता है।

1.9.5. निक्षेपागार आय- वार्षिक अनुरक्षण प्रभार को उपचय आधार पर तथा लेनदेन प्रभार को लेनदेन की संव्यवहार तिथि को हिसाब में लिया जाता है।

1.10. समूह के परिसंपत्ति प्रबंधन व्यवसाय के मामले में प्रबंधन शुल्क, प्रबंधन के तहत संपत्ति (एयूएम) के प्रतिशत के रूप में लिया जाता है और इसे प्रोद्घवन आधार पर मान्यता प्राप्त है। चार्ज की जा सकने वाली मैनेजमेंट फीस की अधिकतम राशि लागू सेबी नियमों के अधीन है। एआईएफ योजना के मामले में, प्रबंधन शुल्क को प्रोद्घवन आधार पर प्रस्ताव दस्तावेज में परिभाषित किया गया है।

1.10.1. पोर्टफोलियो परामर्श सेवाओं, पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं और वैकल्पिक निवेश निधि (एआईएफ) से प्राप्त प्रबंधन शुल्क को करार के शर्तों के अनुसार, उपचय आधार पर शामिल किया गया है।

इन अनुबंधों में एक एकल प्रदर्शन दायित्व (विशिष्ट सेवाओं की श्रृंखला) शामिल है जो समय के साथ संतुष्ट होता है और अर्जित प्रबंधन शुल्क और / या सलाहकार शुल्क को परिवर्तनीय विचार माना जाता है।

यदि अनुबंध में वादा किए गए राशि में एक परिवर्तनीय राशि शामिल है, तो कंपनी उस राशि की मात्रा का अनुमान लगाती है जिसके लिए वह ग्राहक को वादा की गई सेवाओं को प्रदान करने के बदले में हकदार होगी। डिस्काउंट, छूट, धनवापसी, क्रेडिट, मूल्य रियायतें, प्रोत्साहन, प्रदर्शन बोनस या अन्य समान वस्तुओं के कारण प्रतिफल की राशि भिन्न हो सकती है। वादा किया गया प्रतिफल भी भिन्न हो सकता है यदि राशि के लिए एक पात्रता भविष्य में होने या न होने पर निर्भर है।

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

- 1.10.2 निर्धारित दरों (यदि कोई हो) से अधिक योजनाओं के व्यय को सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 के अनुसार कंपनी द्वारा वहन किया जाना अपेक्षित है और इस प्रकार, लाभ और हानि खाते में प्रभारित किया जाता है। पीएमएस/एआईएफ योजना के मामले में, संविदा के आधार पर, व्यय, यदि कोई हो, लाभ और हानि खाते में प्रभारित किए जाते हैं।
- 1.10.3. लागू नियमों के अनुरूप कंपनी द्वारा भुगतान की गई ब्रोकरेज को संविदात्मक अवधि में लाभ और हानि खाते में चार्ज किया जा रहा है। नई निधि पेशकश के मामले में, सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 की अपेक्षाओं के अनुसार व्यय उस वर्ष में लाभ और हानि खाते से प्रभारित किए जाते हैं जिसमें वे किए जाते हैं।
- 1.11. समूह के क्रेडिट कार्ड व्यवसाय के मामले में सदस्यता सेवाओं के प्रावधान से अर्जित आय को सदस्यता अवधि में आय के रूप में मान्यता दी जाती है जिसमें अपेक्षित रिवर्सल / निरस्तीकरण के विचार के उचित मूल्य पर 12 महीने शामिल होते हैं।
 - 1.11.1 अन्य सेवा राजस्व में कार्ड धारकों को प्रदान की जाने वाली मूल्यवर्धित सेवाएं शामिल हैं। अन्य सेवा राजस्व को उसी अवधि में मान्यता दी जाती है जिसमें संबंधित लेनदेन होते हैं या सेवाएं प्रदान की जाती हैं।
 - 1.11.2. इंटरचेंज शुल्क अधिग्रहणकर्ताओं से एकत्र किए जाते हैं और नेटवर्क भागीदारों द्वारा जारीकर्ताओं को भुगतान किया जाता है ताकि सेवाओं को प्रदान करने के लिए किए गए लागत के हिस्से के लिए जारीकर्ताओं को प्रतिपूर्ति की जा सके, जो अधिग्रहणकर्ताओं और व्यापारियों सहित सिस्टम में सभी प्रतिभागियों को लाभान्वित करते हैं। इंटरचेंज आय से राजस्व को तब पहचाना जाता है जब संबंधित लेनदेन होता है, या सेवा प्रदान की जाती है।
 - 1.11.3. कुल अनिर्धारित प्राप्तियों को, जिन्हें पूर्ण एवं सही सूचना के अभाव में ग्राहकों के खातों में जमा या समायोजित नहीं किया जा सका, तुलनपत्र में देयता के रूप में समझा गया है। 6 महीने से अधिक और 3 वर्ष तक की अनुमानित अज्ञात प्राप्तियों को बट्टे खाते में डाले गए ग्राहकों की ओर बैलेंस शीट की तारीख पर आय के रूप में वापस लिखा जाता है। इसके अतिरिक्त, 3 वर्षों से अधिक की समाधान नहीं हुई अनिर्धारित प्राप्तियों को भी तुलनपत्र की तिथि को आय के रूप में प्रतिलेखन किया गया है। तीन वर्षों से अधिक की अवधि वाले चेक की देयता को आय के रूप में प्रतिलेखन किया गया है।
- 1.11.4. अन्य सभी आय/सेवा शुल्क संबंधित लेनदेन के समय दर्ज किए गए हैं।
- 1.12 समूह के फैक्टरिंग व्यवसाय के मामले में फैक्टरिंग प्रभार, कंपनी द्वारा निर्धारित लागू दरों पर ऋणों के फैक्टरिंग पर अर्जित किए जाते हैं। प्रसंस्करण शुल्क को आय के रूप में केवल तभी मान्यता दी जाती है जब दस्तावेजों के निष्पादन के बाद इसकी प्राप्ति की उचित निश्चितता हो। सुविधा निरंतरता शुल्क (एफसीएफ) की गणना की जाती है और सभी लाइव मानक खातों पर पूरे अगले वित्तीय वर्ष के लिए मई के महीने में चार्ज किया जाता है। 01 मई की तारीख को एफसीएफ के संचय की तारीख के रूप में माना जाता है।
- 1.13 समूह जीवन बीमा व्यवसाय के मामले में, पॉलिसी धारकों से देय होने पर, असंबद्ध व्यवसाय प्रीमियम (सेवाकर को घटाने के बाद) को आय के रूप में लिया जाता है। संबद्ध व्यवसाय के मामले में, प्रीमियम आय का निर्धारण उससे जुड़ी यूनिट के आबंटन के समय किया जाता है। वैरिअबल बीमा उत्पादों (वीआईपी) के मामले में प्रीमियम आय को उस तारीख से आय के रूप में लिया जाता है, जिस तारीख से पॉलिसी मूल्य जमा किया जाता है। कालातीत पॉलिसियों को जब तक पुनः प्रवर्तित नहीं किया जाता, तब तक ऐसी पॉलिसियों के वसूल न किए गए प्रीमियम को हिसाब में नहीं लिया जाता है।
 - 1.13.1. टॉप-अप प्रीमियम को एकल प्रीमियम के रूप में समझा गया है।
 - 1.13.2. संबद्ध निधियों से आय जिसमें निधि प्रबंधन प्रभार, पॉलिसी प्रबंधन प्रभार, मृत्यु प्रभार आदि शामिल हैं : पॉलिसी के निबंधनों एवं शर्तों के अनुसार संबद्ध निधि से वसूल किए गए हैं और वसूली होने पर शामिल किए गए हैं।
 - 1.13.3. इक्विटी प्रतिभूतियों, म्यूचुअल फंडों की इकाइयों, इक्विटी एक्सचेंज ट्रेडेड फंडों (ईटीएफ), इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट्स) और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरईआईटी) के संबंध में प्राप्त लाभ और हानि की गणना शुद्ध बिक्री आय और उनकी लागत के बीच के अंतर के रूप में की जाती है। ऋण प्रतिभूतियों के संबंध में, प्राप्त लाभ और हानि की गणना शुद्ध बिक्री आय या मोचन आय और भारत औसत परिशोधित लागत के बीच के अंतर के रूप में की जाती है। इक्विटी शेयरों के संबंध में लागत, म्यूचुअल फंड इक्विटी एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ), इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट्स) और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट्स ट्रस्ट (आरईआईटी) की इकाइयों की गणना भारत औसत विधि का उपयोग करके की जाती है।

- 1.13.4. प्रतिभूतियाँ उधार देने और लेने की योजना के तहत इक्विटी शेयर उधार देने पर प्राप्त शुल्क को स्ट्रेट लाइन पद्धति के आधार पर उधार देने की अवधि के दौरान आय के रूप में माना जाता है।
- 1.13.5. पुनर्बीमा पर दिए गए प्रीमियम को पुनः बीमा संधि या पुनः बीमाकर्ता के साथ सैद्धांतिक व्यवस्था की शर्तों के अनुसार गिना जाता है।

1.13.6. दिए गए लाभ :

- जहां प्रयोज्य हो, दावा-व्यय में पॉलिसी लाभ एवं दावा निपटान व्यय शामिल होते हैं।
- मृत्यु और अनुवृद्धि से संबंधित दावों की सूचना प्राप्त होने पर उन्हें हिसाब में लिया जाता है। अवधि के अंत की सूचनाओं पर ऐसे दावों की गणना के लिए विचार किया जाता है।
- परिपक्वता से संबंधित दावों को पॉलिसी की परिपक्वता तिथि को हिसाब में लिया जाता है।
- उत्तरजीविता और वार्षिकी लाभों की गणना उस समय की जाती है, जब से देय होते हैं।
- अभ्यर्पणों एवं आहरण को सूचित किए जाने पर हिसाब में लिया जाता है। अभ्यर्पणों में व्यपगत पॉलिसियों पर देय राशि सम्मिलित होती है और इसे देय होने पर हिसाब में लिया जाता है। अभ्यर्पणों, आहरण और पॉलिसी व्यपगत होने पर प्रकटीकरण वसूली योग्य प्रभारों को घटाकर किया जाता है।
- न्यायिक प्राधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत विवादित दावों का उनके द्वारा निराकरण करने पर प्रबंधन के विवेकानुसार इन दावों के संबंध में उपलब्ध तथ्यों और साक्ष्यों पर विचार करके निपटान करने के लिए प्रावधान किया गया है।
- पुनर्बीमाकर्ताओं से वसूल की जाने वाली राशियों को संबंधित दावों की अवधि के लिए हिसाब में लिया जाता है और उन्हें दावों से घटाया जाता है।

- 1.13.7. कमीशन जैसे अधिग्रहण व्यय, चिकित्सा शुल्क आदि ऐसे व्यय हैं जो मुख्य रूप से नए एवं नवीकृत बीमा संविदाओं के अधिग्रहण से संबंधित होते हैं और व्यय के समय ही इनका भुगतान कर दिया जाता है।

- 1.13.8. **बीमा पॉलिसियों के लिए देयता:** सभी जीवन बीमा पॉलिसियों के बीमाकिक देयता की गणना बीमा अधिनियम, 1938

के अनुसार नियुक्त एक्जुअरी द्वारा और समय-समय पर आईआरडीआई द्वारा जारी नियमों और विनियमों और परिपत्रों और भारतीय बीमाकिक संस्थान द्वारा जारी प्रासंगिक मार्गदर्शन नोट्स और / या बीमाकिक अभ्यास मानकों (एपीएस) के अनुसार की गई है।

1.13.9. **भविष्य के विनियोजन के लिए धनराशि**

भविष्य के विनियोजन (एफएएफ) खाते के लिए निधियों में शेष राशि निधियों का प्रतिनिधित्व करती है, जिसका आवंटन या तो भाग लेने वाले पॉलिसीधारकों के लिए या शेयरधारकों के लिए किया गया है जो बैलेंस शीट की तारीख में निर्धारित नहीं किया गया है।

- 1.14. समूह साधारण बीमा व्यवसाय के मामले में स्वीकृत पुनर्बीमा (माल एवं सेवा कर घटाने के बाद) सहित प्रीमियम को जोखिम प्रारंभ होने की तिथि से बही में दर्ज किया जाता है। यदि प्रीमियम को किस्तों में वसूल किया जाता है, तो देय किस्त की सीमा तक की राशि को किस्त की देय तिथि पर दर्ज किया जाता है। प्रत्यक्ष व्यवसाय और स्वीकृत पुनर्बीमा पर प्राप्त प्रीमियम (पुनर्निर्गोजन प्रीमियम सहित) की सेवा कर घटाने के बाद 1/365 पद्धति के अनुसार सकल आधार पर संविदा अवधि या जोखिम अवधि, जो भी उपयुक्त हो, में आय के रूप में दिखाया गया है। प्रीमियम में कोई भी पुनरीक्षण होने पर वह जोखिम की बकाया अवधि या संविदा अवधि हेतु मही मान्य रहती है। पॉलिसियों के रद्द होने से प्रीमियम आय में होने वाले समायोजनों को उस अवधि में दिखाया गया है जिसमें वह रद्द की गई है।

- 1.14.1. बंद किए गए पुनर्बीमा पर प्राप्त कमीशन को उस अवधि में आय के रूप में दिखाया गया है जिस अवधि में पुनर्बीमा जोखिम बंद की गई है। पुनर्बीमा संधियों के अंतर्गत लाभ कमीशन, जहां कहीं लागू हो, को लाभ के अंतिम निर्धारण वाले वर्ष में आय के रूप में दिखाया गया है, जिस प्रकार पुनर्बीमाकर्ता द्वारा सूचित किया गया है और उसे बंद की गई पुनर्बीमा पर प्राप्त कमीशन के साथ रखा गया है।

पुनर्बीमा संधियों के तहत स्लाइडिंग स्केल कमीशन, जहां भी लागू हो, को पुनर्बीमा संधि शर्तों के अनुसार आय के रूप में मान्यता दी जाती है, जैसा कि पुनर्बीमाकर्ताओं द्वारा पुष्टि की गई है और पुनर्बीमा पर कमीशन के साथ संयुक्त है।

- 1.14.2. बंद की गई आनुपातिक पुनर्बीमा पॉलिसी के संबंध में, बंद की गई पुनर्बीमा पॉलिसी की लागत, संविदा अवधि या जोखिम की अवधि पर जोखिम के प्रारंभ पर आरंभ होती है। गैर-आनुपातिक पुनर्बीमा लागत को देय होने के समय दिखाया गया है। गैर-आनुपातिक पुनर्बीमा व्यवस्थाओं के अनुसार

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

हिसाब लिया गया है। अन्य कोई अनुवर्ती संशोधन होने पर, प्रीमियमों को वापस या निरस्त करने को उस अवधि में दिखाया गया है जिसमें वह देय होता है। अनर्जित प्रीमियम पर सौंपे गए पुनर्बीमा प्रीमियम को जोखिम की अवधि तक आगे बढ़ाया जाता है और संबंधित अनर्जित प्रीमियम के खिलाफ सेट ऑफ किया जाता है। प्रीमियम के किसी भी बाद के संशोधन, धनवापसी या रद्दीकरण को उस अवधि में मान्यता दी जाती है जिसमें वे होते हैं।

1.14.3. पुनर्बीमा प्राप्य स्वीकृतियों को बीमाकर्ताओं से वापस प्राप्त लाभ के आधार पर हिसाब में लिया जाता है।

1.14.4. अधिग्रहण लागत जैसे कमीशन, पॉलिसी निर्गम व्यय आदि ऐसी लागत हैं जो मुख्य रूप से नए एवं नवीकरण व्यवसाय संविदाओं के अधिग्रहण से संबंधित हैं और उस अवधि में व्यय की गई है जिस अवधि के लिए वह हुई हैं। अधिग्रहण लागत निर्धारण मुख्यतया लागत और बीमा संविदाओं के निष्पादन (अर्थात जोखिम की शुरुआत) के आधार पर किया जाता है। अधिग्रहण लागत के रूप में निर्धारण के लिए प्राथमिक परीक्षण लागत और बीमा अनुबंधों के निष्पादन (यानी जोखिम की शुरुआत) के बीच अनिवार्य संबंध है। लंबी अवधि की मोटर बीमा पॉलिसियों के मामले में कमीशन आईआरडीआई द्वारा अनिवार्य के रूप में वर्ष के लिए आबंटित प्रीमियम पर लागू दरों पर व्यय किया जाता है।

1.14.5. अग्रिम रूप से प्राप्त प्रीमियम जो जोखिम की शुरुआत से पहले प्राप्त प्रीमियम का होता है, उसे वित्तीय विवरणों में 'अन्य देनदारियों और प्रावधान' शीर्षक के तहत अलग से दिखाया जाता है और जोखिम शुरू होने की तारीख को आय के रूप में दर्ज किया जाता है।

अनपेक्षित जोखिम के लिए रिजर्व, लिखित शुद्ध प्रीमियम का वह हिस्सा है (यानी, पुनर्बीमा का प्रीमियम शुद्ध) जो अनुबंध अवधि के आधार पर या जोखिम अवधि के आधार पर सफल लेखा अवधि के लिए जिम्मेदार है और आबंटित किया जाना है, जो भी उपयुक्त हो। इस तरह के रिजर्व की गणना 1/365 आधार के तहत आनुपातिक आधार पर की जाती है, जो परिपत्र संख्या आईआरडीए/एफएंडए/सीआईआर/सीपीएम/056/03/2016 दिनांक 4 अप्रैल 2016 के अनुसार न्यूनतम आरक्षित आवश्यकताओं के अधीन है।

1.14.6. यदि लेखा अवधि के अंत में असमाप्त जोखिमों के संबंध में अपेक्षित शुद्ध दावा लागतों की अंतिम राशि (एक्चुअरी द्वारा परिकलित और प्रमाणित), संबंधित व्यय और रखरखाव लागत (दावा प्रबंधन से संबंधित) संबंधित प्रीमियम के योग

से अधिक है तो उसे बाद की लेखा अवधि के लिए असमाप्त जोखिम के लिए आरक्षित निधि के रूप में प्रीमियम की कमी के रूप में मान्यता दी जाती है।

प्रीमियम की कमी की गणना वार्षिक आधार पर और कंपनी स्तर पर की जाती है।

1.14.7. हानि की घटना की सूचना मिलने पर उसे दावा माना जाता है। दावे को हानि होने की सूचना प्राप्त होने पर उपलब्ध सूचना और विगत अनुभव के आधार पर प्रबंधन द्वारा यथा अनुमानित देय दावा राशि के लिए प्रावधान करके हिसाब लगाया जाता है। इस तरह के प्रावधान की समीक्षा/संशोधन जरूरी होने पर अतिरिक्त जानकारी के आधार पर की जाती है। पुनर्बीमा और सह-बीमा व्यवस्था की शर्तों के तहत पुनः बीमाकर्ताओं/सह-बीमाकर्ताओं से प्राप्त/प्राप्य राशियों को क्रमशः दावे की मान्यता के साथ मान्यता दी जाती है। तुलन पत्र की तिथि पर देय बकाया दावों का प्रावधान प्रबंधन द्वारा अनुमानित पुनर्बीमा, बचाव मूल्य और अन्य वसूलियों का नेट है। भुगतान किए गए दावे (बीमाधारक द्वारा बनाए गए बचाव के मूल्य और दावों पर भुगतान किए गए ब्याज, यदि कोई हो, सहित वसूलियों का निवल) भुगतान के लिए अनुमोदित होने पर लाभ और हानि खाते से शुल्क लिया जाता है। जहां कंपनी द्वारा निस्तारण का अधिग्रहण किया जाता है, ऐसे बिक्री के समय बचाव की बिक्री से वसूली को मान्यता दी जाती है।

1.14.8. लेखा वर्ष के अंत से पहले दावे देयताओं के संबंध में हो सकने वाले प्रावधान, लेकिन जो कि:

- अभी तक रिपोर्ट या दावा नहीं किया गया (आईबीएनआर) या
- पर्याप्त रूप से रिपोर्ट नहीं की गई यानी प्रत्याशित दावा राशि (आईबीएनआईआर) का उचित अनुमान लगाने के लिए अपर्याप्त जानकारी के साथ रिपोर्ट की गई,

इंस्टिट्यूट ऑफ एक्चुअरीज ऑफ इंडिया द्वारा जारी किए गए बीमांकिक अभ्यास मानकों और मार्गदर्शन नोट्स और आईआरडीआई के नियमों और दिशानिर्देशों के अनुसार बीमांकिक सिद्धांतों के आधार पर नियुक्त बीमांकिक द्वारा निर्धारित राशि के अनुसार प्रावधान किया गया है।

1.15 समूह अभिरक्षा और निधि लेखा सेवाओं के मामले में आय (माल और सेवा कर घटाकर) को तभी मान्यता दी जाती है जब इसे विश्वसनीय रूप से आकलन किया जा सके और यह संभावना है कि आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे। अभिरक्षा शुल्क, निधि लेखा शुल्क और संदर्भ शुल्क को करार की शर्तों के अनुसार उपचय के आधार पर हिसाब में लिया जाता है।

1.16 समूह के पेंशन निधि व्यवसाय के मामले में प्रबंधन शुल्क को संबंधित योजनाओं के साथ सहमत विशिष्ट दरों पर मान्यता दी जाती है, जो प्रत्येक योजना की दैनिक बकाया परिसंपत्तियों पर लागू होती है और यह पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा जारी विनियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप है। प्वाइंट ऑफ प्रेजेंस (पीओपी) बिजनेस यानी खाता खोलने की फीस और योगदान प्रसंस्करण शुल्क से कमीशन आय को ग्राहकों से प्राप्त योगदान और स्थायी सेवानिवृत्ति खाता संख्या (पीआरएएन) के सृजन के आधार पर मान्यता दी जाती है। कंपनी लाभ और हानि खाते में माल और सेवा कर का शुद्ध राजस्व प्रस्तुत करती है।

1.17 समूह ट्रस्टीशिप व्यवसाय के मामले में, म्यूचुअल फंड ट्रस्टीशिप फीस का निर्धारण संबंधित योजनाओं के लिए सहमत की गई विशिष्ट दरों पर किया गया है और प्रत्येक योजना की औसत दैनिक आस्तियों के आधार पर लागू की गई है (अंतर योजना निवेश, स्थायी जमाशियों में निवेश, आस्ति प्रबंधन कंपनी द्वारा किए गए निवेश और आस्थगित राजस्व व्यय, जहां कहीं लागू हो, को छोड़कर), तथा सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 के अंतर्गत निर्दिष्ट की गई सीमाओं के अनुरूप है।

1.17.1. कॉर्पोरेट ट्रस्टीशिप स्वीकृति शुल्क को ट्रस्टीशिप असाइनमेंट की स्वीकृति या निष्पादन, जो भी पहले हो, पर मान्यता दी जाती है। कॉर्पोरेट ट्रस्टीशिप सेवा प्रभार को ग्राहकों के साथ किए गए ट्रस्टीशिप अनुबंधों/समझौते की शर्तों के आधार पर मान्यता दी जाती है।

1.17.2. "वसीयत" सेवाओं से प्राप्त आय का निर्धारण तब किया जाता है जब शुल्क प्राप्त करने का अधिकार प्राप्त हो जाता है, इसलिए ऐसे आय निर्धारणों की निश्चितता इस समय ऐसे अधिकार प्राप्त होने पर हो जाती है।

1.18 समूह के मर्चेट एक्वायरिंग बिजनेस (एमएबी) के मामले में आय की गणना को छूट, जीएसटी और अन्य लागू करों को छोड़कर प्रदान की गई सेवाओं के लिए प्राप्त या प्राप्य प्रतिफल के आधार पर मापा जाता है और सेवाओं के प्रदर्शन के आधार पर हिसाब में लिया जाता है। रुपया डेरिवेटिव्स पर आय जिसे "ट्रेडिंग" आय के रूप में नामित किया गया है, उसे प्राप्ति के आधार पर लाभ और हानि खाते में हिसाब में लिया गया है।

1.18.1. पीओएस लगाने से होने वाले राजस्व को या तो सेवा प्रदान करने की अवधि के दौरान या अनुबंधों में निर्दिष्ट दरों और शर्तों के अनुसार अवधि के दौरान संसाधित किए गए लेनदेन की संख्या के आधार पर हिसाब में लिया जाता है। व्यापारी द्वारा अनुबंध शर्तों के आधार पर मर्चेट डिस्काउंट रेट (एमडीआर),

मासिक कियाए और प्रतिबद्धता शुल्क के लिए भुगतान किया जाता है और इसे परिचालन से हुई आय माना जाता है।

1.18.2. रखरखाव परिनियोजन अनुबंध के कारण प्राप्त आय जो उपचित नहीं की जा सकी को आस्थगित आय के रूप में रखा जाता है तथा राजस्व मान्यता मानदंड पूरे होने तक देनदारियों में शामिल किया जाता है। वह उपचित आय जिसकी बिलिंग नहीं हुई है, उन्हें संविदा की शर्तों के अनुसार किए गए कार्य पर मान्यताप्राप्त राजस्व के रूप में गिना जाता है लेकिन बाद की अवधि में इसकी बिलिंग होती है।

1.18.3. राजस्व को उस हद तक मान्यता दी जाती है, जहां तक यह संभव है कि आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे, और राजस्व को विश्वस्त रूप से मापा जा सकता है।

2. निवेश:

निवेश वर्गीकरण और मूल्यांकन पर आरबीआई के मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार निवेशों को हिसाब में निम्नानुसार लिया जाता है:

2.1 वर्गीकरण:

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार निवेशों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है अर्थात् परिपक्वता तक धारित (एचटीएम), विक्रय के लिए उपलब्ध (एफएस) और व्यवसाय के लिए धारित (एचएफटी)।

तुलनपत्र में प्रकटीकरण के उद्देश्य से निवेशों का वर्गीकरण भारत में और भारत के बाहर के निवेश के रूप में किया गया है।

प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत निवेशों का पुनः वर्गीकरण (i) सरकारी प्रतिभूतियाँ, (ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ, (iii) शेयर, (iv) बांड एवं डिबेंचर, (v) अनुषंगियाँ एवं सहयोगियों और (vi) अन्य के रूप में किया गया है। 'भारत के बाहर के निवेशों' को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है- सरकारी प्रतिभूतियाँ, (ii) विदेश स्थित अनुषंगियाँ एवं/अथवा संयुक्त उद्यम और (iii) अन्य निवेश।

2.2 वर्गीकरण का आधार:

i. **परिपक्वता के लिए आयोजित (एचटीएम):** संविदात्मक नकदी प्रवाह और प्रतिभूति की संविदात्मक शर्तों को एकत्र करने के लिए परिपक्वता तक रखने के इरादे से अधिग्रहित प्रतिभूतियाँ नकदी प्रवाह को जन्म देती हैं जो निर्दिष्ट तिथि पर केवल मूलधन और ब्याज (एसपीपीआई मानदंड) का भुगतान होती हैं, जिन्हें परिपक्वता के लिए आयोजित (एचटीएम) के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

- ii. **बिक्री के लिए उपलब्ध (एफएस):** इस उद्देश्य के साथ अधिग्रहित प्रतिभूतियां जो परिपक्वता से पहले संविदात्मक नकदी प्रवाह एकत्र करने और प्रतिभूतियों को बेचने दोनों द्वारा प्राप्त की जाती हैं; और प्रतिभूति की संविदात्मक शर्तें नकदी प्रवाह को जन्म देती हैं जो केवल मूलधन और ब्याज का भुगतान (एसपीपीआई मानदंड) हैं जिन्हें बिक्री के लिए उपलब्ध (एफएस) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

आरंभिक मान्यता मिलने पर, समूह संस्थाएं आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार एफएस के तहत किसी इक्विटी उपकरण को वर्गीकृत करने के लिए अपरिवर्तनीय चयन करती हैं, जिसे व्यापार के उद्देश्य से नहीं रखा जाता है।

- iii. **लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य (एसपीपीआई):** प्रतिभूतियां जो एचटीएम या एफएस में शामिल करने के लिए अर्हता प्राप्त नहीं करती हैं, उन्हें लाभ और हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्य के तहत वर्गीकृत किया जाता है, जिसमें हेल्ड फॉर ट्रेडिंग (एचएफटी) नामक उपश्रेणी होती है। निम्नलिखित उद्देश्यों में से एक या अधिक के लिए आयोजित किसी भी उपकरण को ट्रेडिंग (एचएफटी) उपकरण के लिए आयोजित के रूप में नामित किया गया है:

- क. अल्पकालिक पुनर्विक्रय;
- ख. अल्पकालिक मूल्य आंदोलनों से लाभ;
- ग. आर्बिट्रिज लाभ में लॉकिंग; नहीं तो
- घ. हेजिंग जोखिम जो ऊपर (क), (ख) या (ग) से मिलने वाले उपकरणों से उत्पन्न होते हैं।

2.3 निवेश की प्रारंभिक मान्यता:

सभी प्रतिभूतियों में लेनदेन को प्रारंभिक मान्यता पर उचित मूल्य पर मापा जाता है, इस अनुमान के साथ कि अधिग्रहण लागत उचित मूल्य है। इस अनुमान का परीक्षण संबंधित पक्षों के साथ लेनदेन, दबाव में होने वाले लेनदेन, प्रमुख बाजार के बाहर लेनदेन और किसी भी अन्य स्थिति के लिए किया जाता है जहां तथ्यों और परिस्थितियों में अनुमान का परीक्षण किया जाता है। उचित मूल्य मापों को निम्नलिखित 3 उचित मूल्य पदानुक्रम में वर्गीकृत किया जाता है, जिस डिग्री के आधार पर उचित मूल्य माप के इनपुट अवलोकन योग्य होते हैं,

- (ए) स्तर 1 - जिसमें एक वित्तीय साधन के मूल्यांकन के लिए उपयोग किए जाने वाले इनपुट समान उपकरणों के लिए सक्रिय बाजारों में उद्धृत मूल्य (असमायोजित) होते हैं जिसमें समूह संस्थाएं माप तिथि को देख सकती हैं;

- (बी) स्तर 2 - जिसमें वित्तीय साधन के मूल्यांकन के लिए उपयोग किए जाने वाले इनपुट उद्धृत कीमतों के अलावा अन्य इनपुट हैं जो संपत्ति या देयता के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अवलोकन योग्य हैं (जैसे प्रतिफल वक्र, क्रेडिट स्प्रेड आदि);

- (ग) स्तर 3 - जिसमें मूल्यांकन अप्राप्य इनपुट पर आधारित है।

i. दिन 1 लाभ/हानि की मान्यता:

- क. स्तर 1 और स्तर 2 पदानुक्रम की प्रारंभिक मान्यता में उत्पन्न होने वाले दिन 1 लाभ/हानि, अनुसूची 14 के तहत मद III - निवेश के पुनर्मूल्यांकन पर लाभ / हानि (शुद्ध) के तहत लाभ और हानि खाते में मान्यता दी जाती है।

- ख. स्तर 3 निवेश से उत्पन्न होने वाले किसी भी दिन 1 की हानि को तुरंत पहचाना जाता है।

- ग. स्तर 3 निवेश से उत्पन्न होने वाले किसी भी दिन 1 के लाभ को स्थगित कर दिया जाता है। ऋण साधनों के मामले में, दिन 1 लाभ परिपक्वता तिथि (या स्थायी उपकरणों के लिए जल्द से जल्द कॉल की तारीख) तक स्ट्रेट लाइन के आधार पर परिशोधन किया जाता है, जबकि अनकोटेड इक्विटी इंस्ट्रूमेंट के लिए, लाभ को देयता के रूप में अलग रखा जाता है जब तक कि सुरक्षा सूचीबद्ध या मान्यता प्राप्त नहीं होती है।

- ii. सभी प्रतिभूतियों में लेनदेन एक निपटान तिथि पर दर्ज किए जाते हैं और प्रतिभूतियों को सभी श्रेणियों के निवेशों के लिए भारित औसत लागत विधि पर रखा जाता है।

- iii. निवेश के अधिग्रहण के संबंध में भुगतान किए गए ब्रोकरेज, कमीशन, प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) आदि को अग्रिम रूप से खर्च किया जाता है और लागत से बाहर रखा जाता है।

- iv. ऋण लिखतों पर भुगतान/प्राप्त ब्रोकरेज अवधि ब्याज को ब्याज व्यय/आय के रूप में माना जाता है और इसे लागत/बिक्री प्रतिफल से बाहर रखा जाता है।

2.4 निवेश का बाद का मापन:

- i. एचटीएम में रखी गई प्रतिभूतियों को लागत पर लेखे में लिया जाता है और प्रारंभिक मान्यता के बाद बाजार मूल्य (एमटीएम) पर बही में अंकित नहीं किया जाता है।

- ii. एफएस में रखी गई प्रतिभूतियां तिमाही अंतराल पर उचित मूल्य की होती हैं। एफएस के तहत आयोजित सभी प्रदर्शन निवेशों में मूल्यांकन लाभ और हानि को एकत्रित किया जाता है। शुद्ध मूल्यवृद्धि या मूल्यहास को लाभ और हानि खाते के माध्यम से रूट किए बिना सीधे एफएस-रिजर्व में जमा या डेबिट किया जाता है।
- iii. एफवीटीपीएल के भीतर एचएफटी उप-श्रेणी के तहत वर्गीकृत प्रतिभूतियां दैनिक आधार पर उचित मूल्यांकन की जाती हैं, जबकि एफवीटीपीएल में अन्य प्रतिभूतियां प्रत्येक तिमाही के अंत में उचित मूल्यांकन किया जाता है। ऐसे मूल्यांकन पर उत्पन्न होने वाली शुद्ध लाभ या हानि लाभ और हानि खाते में जमा या नामे की जाती है।
- iv. सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में निवेश का बाद का मूल्यांकन:
 - क. सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में सभी निवेश (यानी ऋण और इक्विटी सहित) अधिग्रहण लागत पर लिए जाते हैं।
 - ख. यदि कोई मौजूदा निवेश सहायक, एसोसिएट या संयुक्त उद्यम बन जाता है, तो वर्गीकरण में परिवर्तन की तारीख को उसी का संशोधित वहन मूल्य निम्नानुसार निर्धारित किया जाता है:
 - एचटीएम के तहत आयोजित निवेश के लिए: वहन मूल्य स्थायी हानि को कम करता है।
 - एफएस के तहत आयोजित निवेश के लिए: स्थायी कमी, यदि कोई हो, के साथ एफएस रिजर्व में पहले से मान्यता प्राप्त संचयी लाभ और हानि के लिए समायोजित वहन मूल्य।
 - एफवीटीपीएल के तहत आयोजित निवेश के लिए: वर्गीकरण में परिवर्तन की तारीख पर उचित मूल्य।
 - ग. जब कोई निवेश सहायक, सहयोगी या संयुक्त उद्यम नहीं रह जाता है, तो संबंधित श्रेणी में पुनर्वर्गीकरण निम्नानुसार किया जाता है:
 - एचटीएम में पुनर्वर्गीकृत निवेश के लिए, वहन मूल्य में कोई परिवर्तन नहीं होगा।
 - एफएस या एफवीटीपीएल में पुनर्वर्गीकृत निवेश के लिए, पुनर्वर्गीकरण की तारीख पर उचित मूल्य को क्रमशः एफएस-रिजर्व और लाभ और हानि खाते में संशोधित और पिछले वहन मूल्यों के बीच अंतर को स्थानांतरित करके वहन मूल्य के रूप में माना जाता है।
- घ. समूह संस्थाएं तिमाही अंतराल पर हानि के लिए सहायक, सहयोगी या संयुक्त उद्यमों में निवेश का मूल्यांकन करती हैं। जब यह निर्धारित करने की आवश्यकता होती है कि हानि एक सहायक, सहयोगी या संयुक्त उद्यम से हो रही है, तो यह एक स्वतंत्र पंजीकृत मूल्यांकक द्वारा निवेश के मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है और कमी, यदि कोई हो, लाभ और हानि खाते में व्यय के रूप में लेखे में लिया जाता है। बाद में इसे लाभ और हानि खाते के माध्यम से रिवर्स किया जाता है, यदि हास का रिवर्सल होता है।
- v. निवेशों के अंतर-श्रेणी हस्तांतरण की स्थिति में मूल्यांकन:

श्रेणियों (यथा एचटीएम, एफएस और एफवीटीपीएल) के बीच पुनर्वर्गीकरण, यदि कोई हो, बोर्ड के अनुमोदन और आरबीआई के पूर्व अनुमोदन से किया जाता है। पुनर्वर्गीकरण को इसकी तारीख से भावी प्रभाव से लागू किया जाता है और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुपालन में इसका लेखा-जोखा रखा जाता है।
- vi. सुरक्षा प्राप्ति (एसआर) का मूल्यांकन:
 - क) प्रतिभूतिकरण कंपनी (एससी)/आस्ति पुनर्निर्माण कंपनी (एआरसी) को एनपीए की बिक्री के माध्यम से प्राप्त एसआर को निम्न में से कमतर रूप में मान्यता दी जाती है:
 - (i) एनपीए का निवल पुस्तक मूल्य (एनबीवी) (अर्थात बही मूल्य रहित प्रावधान); और
 - (ii) एसआर का मोचन मूल्य।
 - ख) प्रतिभूति प्राप्ति में निवेशों का मूल्यांकन गैर-एसएलआर लिखतों पर लागू दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाता है। तदनुसार, ऐसे मामलों में जहां एससी/एआरसी द्वारा जारी किए गए एसआर संबंधित योजना में लिखतों को सौंपी गई वित्तीय परिसंपत्तियों की वास्तविक वसूली तक सीमित हैं, एससी/एआरसी से प्राप्त निवल आस्ति मूल्य की गणना ऐसे निवेशों के मूल्यांकन के लिए की जाती है।
 - ग) भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत प्रतिभूति प्राप्ति, एआरसी द्वारा घोषित अंकित मूल्य या निवल आस्ति मूल्य (एनएवी) (ऐसे लिखतों के लिए प्राप्त रिकवरी रेटिंग के आधार पर), इनमें से जो भी कम हो, पर मूल्यांकित की जाती है। सरकारी गारंटी के अंतिम निपटान या गारंटी

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

अवधि की समाप्ति, जो भी पहले हो, के बाद बकाया किसी भी एसआर का मूल्यांकन एच 1 पर किया जाता है।

- vii. जीरो-कूपन डिस्काउंटेड लिखत जैसे ट्रेजरी बिल, कमर्शियल पेपर, सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट और जीरो-कूपन बॉन्ड वहन लागत पर रखे जाते हैं, यानी अधिग्रहण के समय प्रचलित दर पर अर्जित छूट के लिए समायोजित अधिग्रहण लागत।

2.5 अनर्जक निवेश (एनपीआई)

- i. घरेलू कार्यालयों/कंपनियों में निवेशों को अग्रिमों से संबंधित आय पहचान, आस्ति वर्गीकरण एवं प्रावधानीकरण (आईआरएसीपी) संबंधी वर्तमान विवेकपूर्ण मानदंडों में निर्धारित मानदंड के अनुसार अनुपयोज्य अथवा मानक में अपग्रेडेड के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- (क) ब्याज/किस्त (परिपक्वता राशि सहित) देय है और 90 दिनों से अधिक अवधि के लिए बकाया है। यह उन शेयरों पर उत्पत्तिवर्तन लागू करता है जहां किसी भी वर्ष में निश्चित लाभांश घोषित/भुगतान नहीं किया जाता है; और उस विशेष वर्ष के लिए जारीकर्ता की बैलेंस शीट की तारीख को परिसंपत्ति वर्गीकरण के लिए नियत तारीख के रूप में गिना जाता है।
- (ख) यदि किसी कंपनी के इक्विटी शेयरों में निवेश का मूल्य नवीनतम तुलन पत्र की अनुपलब्धता के कारण प्रति कंपनी ₹ 1 है या यह 18 महीने से अधिक पुराना है, तो उन इक्विटी शेयरों को एनपीआई के रूप में गिना जाएगा।
- (ग) समूह की संस्थाएं अधिमान शेयरों सहित निवेश को गैर-निष्पादित निवेश के रूप में वर्गीकृत करती हैं, यदि उसी उधारकर्ता द्वारा प्राप्त की गई किसी भी क्रेडिट सुविधा को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है और इसके विपरीत। हालांकि, यह शर्त उन मामलों में लागू नहीं होती है जहां केवल वरीयता शेयरों को एनपीआई के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। यानी ऐसे मामलों में, न तो एक ही जारीकर्ता द्वारा जारी की गई किसी भी अन्य प्रदर्शन प्रतिभूतियों में निवेश को एनपीआई के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और न ही उस उधारकर्ता को दी गई किसी भी प्रदर्शन क्रेडिट सुविधाओं को एनपीआई के रूप में माना जाता है।

(घ) मूलधन और/या ब्याज को इक्विटी, डिबेंचर, बॉन्ड आदि में बदलने के मामले में, ऐसे लिखतों को एचटीएम, एफएस या एफवीटीपीएल (एचएफटी सहित) के तहत वर्गीकृत किया जाता है, जिसमें ऋण के समान परिसंपत्ति वर्गीकरण श्रेणी होती है और प्रावधान मानदंडों के अनुसार किया जाता है।

- ii. एनपीआई के रूप में वर्गीकृत निवेश को उसी श्रेणी के बाकी निवेशों से अलग किया जाता है और मूल्यांकन लाभ और हानि को नेटिंग करने के लिए नहीं माना जाता है। अनुपयोज्य निवेशों पर आय की पहचान केवल वसूली पर ही की जाती है। इन एनपीआई प्रतिभूतियों में एमटीएम में बढ़त, यदि कोई हो, को नजरअंदाज कर दिया जाता है।
- iii. श्रेणी (यानी, एचटीएम, एफएस या एफवीटीपीएल (एचएफटी सहित)) के बावजूद, जिसमें निवेश रखा गया है, हानि के प्रावधान के लिए व्यय लाभ और हानि खाते में मान्यता प्राप्त है। एनपीआई पर आयोजित किया जाने वाला प्रावधान आईआरएसीपी मानदंडों के अनुसार एनपीआई के रूप में वर्गीकृत किए जाने से ठीक पहले निवेश के वहन मूल्य पर प्रावधान की राशि और एनपीआई के रूप में वर्गीकरण की तारीख को मूल्य वहन करने के संदर्भ में निवेश पर मूल्यहास से अधिक है।
- बशर्ते कि एफएस के तहत वर्गीकृत निवेश के मामले में, जिसके खिलाफ एफएस-रिजर्व में संचयी लाभ हैं, आवश्यक प्रावधान ऐसे उपलब्ध लाभों की सीमा तक एफएस-रिजर्व को चार्ज करके बनाया गया है। बशर्ते कि एफएस के तहत वर्गीकृत निवेश के मामले में, जिसके खिलाफ एफएस-रिजर्व में संचयी नुकसान हैं, संचयी नुकसान एफएस-रिजर्व से लाभ और हानि खाते में स्थानांतरित कर दिए जाते हैं।
- iv. निवेश के उद्भयन पर, मान्यता प्राप्त प्रावधान को रिवर्स कर दिया जाता है और एमटीएम लाभ और हानि की मान्यता फिर से शुरू की जाती है।
- v. विदेशी कार्यालयों/संस्थाओं के संबंध में, गैर-निष्पादित निवेशों (एनपीआई) के लिए वर्गीकरण और प्रावधान स्थानीय विनियमों के अनुसार या आरबीआई के मानदंडों के अनुसार, जो भी अधिक विवेकपूर्ण हों, किए जाते हैं।

2.6 रेपो/रिवर्स रिपो लेनदेन के लिए लेखांकन:

बैंक, चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत भारतीय रिजर्व बैंक एवं मार्केट पार्टिसिपेंट्स के साथ पुनर्खरीद / रिवर्स पुनर्खरीद लेनदेन करता है। पुनर्खरीद लेनदेन का अर्थ है लेन-देन प्रतिभूतियों को पुनर्खरीद करने के समझौते के साथ प्रतिभूतियों को बेचकर उधार लेना। दूसरी तरफ, रिवर्स रेपो लेनदेन का अर्थ है प्रतिभूतियों को खरीद कर धनराशि उधार देना।

(क) चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक के साथ के लेनदेनों को संपार्श्विक उधार देने एवं उधार लेने के लेनदेन के रूप में हिसाब में लिया गया है।

(ख) मार्केट रेपो एवं रिवर्स रेपो लेनदेनों में बेची गई (खरीदी गई) एवं पुनः खरीदी गई (पुनः बेची गई) प्रतिभूतियों को सामान्य एकमुश्त विक्रय (क्रय) लेनदेन के रूप में हिसाब में लिया गया है और प्रतिभूतियों की ऐसी आवाजही को रिपो/ रिवर्स रिपो खातों एवं दुतरफा प्रविष्टियों का उपयोग करके दर्शाया गया है। इन प्रविष्टियों को परिपक्वता की तिथि को रिवर्स कर दिया जाता है।

(ग) रेपो खाते की शेष राशि को अनुसूची - 4 (उधार-राशियाँ) के तहत वर्गीकृत किया गया है।

(घ) चलनिधि समायोजन सुविधा के अंतर्गत आने वाले रेपो सहित भारतीय रिजर्व बैंक के पास सभी प्रकार के रिवर्स रेपो को अनुसूची 6 'नकदी और भारतीय रिजर्व बैंक के पास शेष' के अंतर्गत मद (ii) भारतीय रिजर्व बैंक के पास शेष राशि के उप मद (ii) 'अन्य खातों में' के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया है।

(ङ) रिवर्स रेपो खाते में 14 दिनों या उससे कम की मूल अवधि के साथ अनुसूची 7 (बैंकों के पास बकाया तथा कॉल और शॉर्ट नोटिस पर धनराशि) के तहत वर्गीकृत किया गया है। 14 दिनों से अधिक लेकिन 1 वर्ष तक की मूल परिपक्वता वाले रिवर्स रेपो को अनुसूची 9 (अग्रिम) के तहत नकद क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट और मांग पर चुकाने योग्य ऋण के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अन्य सभी रिवर्स रेपो को अनुसूची 9 (अग्रिम) के तहत सावधि ऋण के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

(च) भारतीय रिजर्व बैंक अथवा अन्य के पास रेपो लेनदेन की उधार लेने की लागत एवं रिवर्स रेपो लेनदेनों पर आय को क्रमशः ब्याज व्यय एवं ब्याज आय के रूप में हिसाब में लिया गया है।

2.7 जीवन और सामान्य बीमा सहायक कंपनियों के मामले में, निवेश बीमा अधिनियम, 1938 (संशोधित), भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (बीमाकर्ताओं के बीमांकिक, वित्त और निवेश कार्य) विनियम

2024, बीमाकर्ताओं के बीमांकिक, वित्त और निवेश कार्यों पर मास्टर परिपत्र, कंपनी की निवेश नीति और समय-समय पर आईआरडीएआई द्वारा जारी किए गए विभिन्न अन्य परिपत्रों/अधिसूचनाओं के अनुसार किए जाते हैं।

(i) गैर-संबद्ध बीमा व्यवसाय और साधारण बीमा व्यवसाय से संबंधित निवेश का मूल्यांकन :

- सरकारी प्रतिभूतियों एवं मनी मार्केट सहित सभी ऋण प्रतिभूतियों का अवधिगत लागत के आधार पर प्रीमियम के परिशोधन के अध्यधीन उल्लेख किया गया है।
- सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों का तुलनपत्र की तारीख को उचित मूल्य पर आकलन किया गया है। उचित मूल्य का निर्धारण करने के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, मुंबई (बीएसई) पर बाजार बंद होने के समय उपचय आखिरी मूल्य में से निचले मूल्य को शामिल किया जाता है। यदि एनएसई का समापन मूल्य उपलब्ध नहीं है, तो बीएसई लिमिटेड ('बीएसई') के समापन मूल्य पर विचार किया जाता है।
- असूचीबद्ध इक्विटी प्रतिभूतियों, इक्विटी संबंधित लिखतों और प्रिफरेंस शेयरों का आकलन अवधिगत लागत आधार पर किया जाता है।
- प्रतिभूति उधार देने और उधार लेने (एसएलबी) के मामले में, उधार दिए गए इक्विटी शेयरों का मूल्यांकन यथा उल्लिखित इक्विटी शेयरों की मूल्यांकन पद्धति के अनुसार किया जाता है।
- आईआरडीएआई द्वारा यथा निर्दिष्ट 'इक्विटी' के तहत वर्गीकृत अतिरिक्त टियर-1 (बेसल-III अनुपालक) बेमियादी बॉण्ड का मूल्यांकन क्रिसिल से प्राप्त मूल्य के आधार पर किया जाता है।
- म्यूचुअल फंड यूनिटों में निवेश का जीवन बीमा में पिछले दिन के निवल आस्ति मूल्य (एनएवी) पर और साधारण बीमा में तुलनपत्र की तारीख को मूल्यांकन किया जाता है।
- वैकल्पिक निवेश निधियों (एआईएफ) के निवेश का मूल्यांकन नवीनतम उपलब्ध एनएवी के आधार किया जाता है।
- आरईआईटी/इनविट यूनिट में निवेश का बाजार मूल्य पर मूल्यांकन किया जाता है (अंतिम उद्धृत मूल्य 30 दिनों के बाद का नहीं होना चाहिए)। बाजार मूल्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से, प्राथमिक एक्सचेंज यानी एनएसई पर

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

समापन मूल्य पर विचार किया जाता है। अगर एनएसई क्लोजिंग प्राइस किसी सिक्योरिटी के लिए उपलब्ध नहीं है, तो वैल्यूएशन के लिए बीएसई क्लोजिंग प्राइस का इस्तेमाल किया जाता है। जहां पिछले 30 दिनों के लिए बाजार भाव उपलब्ध नहीं है, यूनिटों का मूल्यांकन ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित इकाइयों के नवीनतम एनएवी (6 महीने से अधिक पुराना नहीं) के अनुसार किया जाता है।

शेयरधारकों के निवेशों और गैर-संबद्ध पॉलिसी धारकों के निवेशों के संबंध में सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों और म्यूचुअल फंड यूनिटों, एआईएफ एवं आरईआईटी/इनविट की यूनिट के उचित मूल्य में परिवर्तन के कारण होने वाले वसूल नहीं हुए लाभ या हानि को तुलनपत्र में क्रमशः "राजस्व और अन्य आरक्षितियां (अनुसूची 2)" में और "बीमा व्यवसाय में पॉलिसी धारकों से संबंधित देयताएं (अनुसूची 5)" में शामिल किए गए हैं।

(ii) संबद्ध व्यवसाय से संबंधित निवेश का मूल्यांकन:

- एक वर्ष से अधिक की शेष परिपक्वता अवधि वाली सरकारी प्रतिभूतियों का मूल्यांकन क्रेडिट रेटिंग इन्फोर्मेशन सर्विसेज ऑफ इंडिया लिमिटेड (क्रिसिल) से प्राप्त मूल्यों पर किया जाता है। एक वर्ष या उससे कम की शेष परिपक्वता अवधि वाली सरकारी और अन्य ऋण प्रतिभूतियों का मूल्यांकन परिपक्वता आय के आधार पर किया जाता है तथा जहां पर आय की गणना क्रिसिल द्वारा प्रतिभूति को अल्पावधि वर्गीकृत करने के दिन पर उपलब्ध कराए गए बाजार मूल्य पर किया जाता है। अगर प्रतिभूति को उसकी अल्पावधि समय के दौरान खरीदा गया है तो उसका मूल्यांकन परिपक्वता पर आय पद्धति का प्रयोग कर परिशोधित लागत पर किया जाता है। ऑप्शन विकल्प वाली प्रतिभूतियों के मामले में, इस प्रयोजन हेतु सबसे पहली कॉल ऑप्शन/पुट ऑप्शन वाली तारीख को परिपक्वता तारीख माना जाएगा। मनी मार्केट प्रतिभूतियों का परंपरागत लागत पर मूल्यांकन किया जाता है बशर्ते कि प्रीमियम का परिशोधन या आय पर छूट की वृद्धि परिपक्वता आधार पर आय से हो।
- सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों का तुलनपत्र की तारीख को उचित मूल्य पर आकलन किया जाता है। उचित मूल्य का निर्धारण करने के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, मुंबई (बीएसई) पर बाजार बंद होने के समय उपचय आखिरी मूल्य में से निचले मूल्य को शामिल किया जाता है। यदि एनएसई का समापन मूल्य उपलब्ध नहीं है,

तो बीएसई लिमिटेड (बीएसई) के समापन मूल्य पर विचार किया जाता है।

- असूचीबद्ध इक्विटी शेयरों, इक्विटी संबद्ध लिखत एवं प्रिफरेंस शेयर को परंपरागत लागत आधार पर मापा जाता है।
- प्रतिभूति उधार देने और उधार लेने के मामले में (एसएलबी), उधार दिए गए इक्विटी शेयरों का मूल्यांकन नीति के अनुसार किया जाता है जैसा ऊपर उल्लेख किया गया है।
- आईआरडीएआई द्वारा यथा निर्दिष्ट 'इक्विटी' के तहत वर्गीकृत अतिरिक्त टियर-1 (बेसल-III अनुपालक) बेमियादी बॉण्ड का मूल्यांकन क्रिसिल से प्राप्त मूल्य के आधार पर किया जाता है।
- म्यूचुअल फंड यूनिटों में किए गए निवेशों का मूल्यांकन पिछले दिन के निवल आस्ति मूल्य (एनएवी) पर किया जाता है।
- आरईआईटी/इनविट की इकाइयों में निवेश का बाजार मूल्य पर मूल्यांकन किया जाता है (अंतिम उद्धृत मूल्य 30 दिनों के बाद का नहीं होना चाहिए)। बाजार मूल्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से, प्राथमिक एक्सचेंज यानी एनएसई पर समापन मूल्य पर विचार किया जाता है। अगर एनएसई क्लोजिंग प्राइस किसी सिक्योरिटी के लिए उपलब्ध नहीं है, तो वैल्यूएशन के लिए बीएसई क्लोजिंग प्राइस का इस्तेमाल किया जाता है। जहां पिछले 30 दिनों के लिए बाजार भाव उपलब्ध नहीं है, यूनिटों का मूल्यांकन ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित इकाइयों के नवीनतम एनएवी (6 महीने से अधिक पुराना नहीं) के अनुसार किया जाता है।
- उचित मूल्य में परिवर्तनों के कारण होने वाले अवसूल लाभों या हानि को लाभ एवं हानि खाते में दिखाया जाता है।

2.8 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी), भारतीय स्टेट बैंक के सहयोगी में निवेशों का लेखा-जोखा राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबाई)/भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी मार्गनिर्देशों के अनुसार किया जाता है।

3. ऋण/अग्रिम और उन पर प्रावधान: :

3.1 भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों/निर्देशों के आधार पर ऋणों और अग्रिमों का वर्गीकरण निम्नानुसार अर्जक और अनर्जक के रूप में किया गया है:

- अगर ब्याज और/अथवा मूलधन की किस्त 90 दिनों से अधिक अवधि के लिए अतिदेय रहती है; तो सावधि ऋण को अनर्जक आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

- ii. ओवरड्राफ्ट या नकदी-ऋण अग्रिम के संबंध में खाता असंगत (आउट ऑफ ऑर्डर) रहने अर्थात् बकाया शेष राशि लगातार 90 दिनों की अवधि के लिए संस्वीकृत सीमा/आहरण अधिकार से अधिक हो जाने या तुलनपत्र की तिथि तक लगातार 90 दिनों तक किसी भी राशि को जमा नहीं किए जाने अथवा ये जमाराशियाँ उसी अवधि के दौरान देय ब्याज का भुगतान करने के लिए अपर्याप्त होने पर इन्हें अनर्जक आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है;
- iii. क्रय किए गए/बट्टाकृत बिलों के संबंध में, बिल 90 दिनों की अवधि से अधिक अतिदेय रहने पर उन्हें अनर्जक आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है;
- iv. कृषि अग्रिमों के मामले में यदि
- (क) अल्पावधि फसलों के लिए जहाँ मूलधन की किस्त या ब्याज दो फसल-मौसमों के लिए अतिदेय रहते हैं एवं
- (ख) दीर्घावधि फसलों के लिए जहाँ मूलधन या ब्याज एक फसल मौसम के लिए अतिदेय रहते हैं, उन्हें अनर्जक के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- 3.2 अनर्जक अग्रिमों को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर अवमानक, संदिग्ध और हानिप्रद आस्तियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है:
- i. अवमानक : कोई ऋण आस्ति, जो 12 महीनों या उससे कम अवधि के लिए अनर्जक है।
- ii. संदिग्ध : ऐसी ऋण आस्ति जो 12 माह की अवधि से अवमानक श्रेणी में रही हो अथवा अवमानक खाते जिनमें प्रतिभूति मूल्य में बैंक द्वारा आकलित मूल्य के 50 प्रतिशत से अधिक अथवा अंतिम निरीक्षण के समय, जैसा भी मामला हो, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्वीकृत मूल्य में कमी आई हो।
- iii. हानिप्रद : ऐसी ऋण आस्ति जिसमें हानि की पहचान कर ली गई है किन्तु राशि को पूरी तरह बट्टे खाते में नहीं डाला गया है अथवा यदि बैंक/अनुमोदित मूल्यांकनकर्ताओं/भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथा मूल्यांकित प्रतिभूति का वसूली योग्य मूल्य बकाया राशि के 10 प्रतिशत से कम है।

- 3.3 विनियामक प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित वर्तमान दिशानिर्देशों के अनुसार अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधान किए गए हैं और ये निम्नलिखित न्यूनतम प्रावधान मानदंड के अधीन हैं :

अवमानक आस्तियां:	i.	प्रतिभूत	15%	
	ii.	प्रारंभ से ही अप्रतिभूत ऋण जोखिमों के लिए 10% का अतिरिक्त प्रावधान (जहाँ प्रतिभूति की वसूली - मूल्य प्रारंभ से ही 10% से अधिक नहीं है)	25%	
	iii.	इन्फ्रास्ट्रक्चर अग्रिम खातों, जहाँ एस्को खाते आदि जैसे कुछ बचाव उपाय उपलब्ध हैं, से संबंधित प्रतिभूति-रहित ऋण जोखिम -	20%	
संदिग्ध आस्तियां:	प्रतिभूत हिस्सा	i.	एक वर्ष तक	25%
		ii.	एक से तीन वर्ष	40%
		iii.	तीन वर्षों से अधिक	100%
	अप्रतिभूत हिस्सा			100%
हानि वाली आस्तियां:				100%

- 3.4 विदेश स्थित कार्यालयों के संबंध में, ऋण एवं अग्रिमों का वर्गीकरण एवं अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधान, स्थानीय विनियमों अथवा भारतीय रिजर्व बैंक के मानदंडों इनमें से जो अधिक सख्त हों, के अनुसार किया गया है।
- 3.5 अग्रिमों में से विशिष्ट ऋण पर हानि के लिए किए गए प्रावधानों, अप्राप्त ब्याज, भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम (ईसीजीसी) के प्राप्त दावों और बट्टाकृत बिलों को घटा दिया गया है।
- 3.6 पुनर्चित/पुनः निर्धारित आस्तियों के लिए प्रावधान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार किए गए हैं, जिसके अनुरूप संबंधित ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान के अलावा पुनर्चना के पहले एवं बाद ऋण/अग्रिम के उचित मूल्य के अंतर के लिए भी प्रावधान किया जाता है। उपरोक्त मामलों में अंकित मूल्य में कमी (डीएफवी) एवं छोड़ दिए गए ब्याज के लिए यदि कोई अतिरिक्त प्रावधान किया जाता है, तो वह राशि अग्रिम से घटा दी जाती है।
- 3.7 अनर्जक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत ऋण खातों के मामले में, विनियामकों द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुरूप होने पर ही किसी खाते को अर्जक खाते के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया जा सकता है।
- 3.8 पूर्ववर्ती वर्षों में बट्टे खाते में डाले गए ऋणों के सापेक्ष वसूली गई राशि का निर्धारण वसूल किए गए वर्ष में आय के रूप में किया गया है।
- 3.9 अनर्जक आस्तियों पर विशिष्ट प्रावधान के अतिरिक्त मानक आस्तियों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार सामान्य प्रावधान भी किए गए हैं। ये प्रावधान तुलनपत्र की अनुसूची 5 के "अन्य देयताएँ

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

और प्रावधान- अन्य" शीर्ष के अंतर्गत दिए गए हैं एवं निवल अनर्जक आस्तियों का निर्णय करने के लिए इनको संज्ञान में नहीं लिया जाता है।

3.10 बैंक द्वारा विशिष्ट गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों और परिसंपत्तियों पर अतिरिक्त प्रावधान भी किया जाता है।

3.11 अनर्जक आस्तियों में वसूली का समायोजन निम्नलिखित प्राथमिकता के अनुसार किया जाता है:

क. प्रभार, लागत, कमीशन आदि

ख. अप्राप्त ब्याज/बजाय

ग. मूलधन

तथापि राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के जरिए समझौता एवं समाधान/निपटान के मामलों में वसूलियों का समायोजन संबंधित समझौता/समाधान/निपटान की शर्तों के अनुसार किया जाता है। वाद दायर किए गए खातों में वसूली का समायोजन संबंधित न्यायालयों के निर्देशों के अनुसार किया जाता है।

4. अस्थिर प्रावधान एवं प्रतिचक्रिय (काउंटर साइडिलकल) प्रावधान बफर :

बैंक में अग्रिमों, निवेश तथा सामान्य प्रयोजनों हेतु अच्छे समय में प्रतिचक्रिय प्रावधान बफर तथा अस्थायी प्रावधानों के सृजन एवं उपयोग की नीति विद्यमान है। सृजन किए जाने वाले इन अस्थायी प्रावधान एवं प्रतिचक्रिय प्रावधान बफर की मात्रा का निर्धारण वित्त वर्ष के अंत में किया जाता है। प्रतिचक्रिय प्रावधानों का प्रयोग केवल नीति में निर्दिष्ट असाधारण परिस्थितियों में, भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्वानुमति से किया जाता है।

5. बैंकिंग इकाईयों के लिए देशवार ऋण-जोखिम के लिए प्रावधान:

आस्ति वर्गीकरण की स्थिति के अनुरूप किए गए विशिष्ट प्रावधानों के अतिरिक्त पृथक देशवार ऋण जोखिम (निजी देश के अलावा) के लिए प्रावधान किए गए हैं। इन देशों का वर्गीकरण सात जोखिम श्रेणियों यथा - नगण्य, कम, सामान्य, अधिक, अत्यधिक, प्रतिबंधित एवं ऋण में शामिल न होने वाले वर्गों में किया गया है तथा यह प्रावधान भारतीय रिजर्व बैंक के वर्तमान दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि प्रत्येक देश से संबंधित बैंक का देशवार ऋण जोखिम (निवल) कुल निधिक आस्तियों के 1% से अधिक नहीं होता है, तो ऐसे देशवार ऋण जोखिम पर कोई प्रावधान नहीं रखा जाता है। इस प्रावधान को तुलनपत्र की अनुसूची 5 के "अन्य देयताएं और प्रावधान - अन्य" शीर्ष के अंतर्गत दर्शाया गया है।

6. डेरीवेटिव्स:

6.1 बैंक ब्याज दर डेरीवेटिव (जैसे ब्याज दर स्वेप, ब्याज दर वायदा, ब्याज दर ऑप्शन, ब्याज दर कैप और फ्लोर, वायदा दर समझौते) और विदेशी मुद्रा डेरीवेटिव (जैसे विदेशी मुद्रा अनुबंध, मुद्रा / क्रॉस मुद्रा स्वेप, मुद्रा ऑप्शन, मुद्रा वायदा) में बैलेंस शीट / ऑफ-बैलेंस शीट परिसंपत्तियों और देनदारियों को हेज करने के लिए या व्यापारिक उद्देश्यों के लिए बैंक द्वारा डेरीवेटिव करार किया जाता है। बैंक डेरीवेटिव पोर्टफोलियो को निवेश के लिए परिभाषित तीन उचित मूल्य पदानुक्रमों अर्थात् स्तर 1, स्तर 2 और स्तर 3 में वर्गीकृत करते हैं।

6.2 बैंक इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी डेरीवेटिव करार (संशोधित 2021) के लिए लेखांकन पर मार्गदर्शन नोट में निर्धारित हेज लेखांकन उपायों का पालन करता है, जिसमें:

क. उचित मूल्य हेज लेखा मॉडल के तहत, हेजिंग लिखत को लाभ और हानि खाते में मान्यता प्राप्त उचित मूल्य में परिवर्तन के साथ उचित मूल्य पर मापा जाता है। हेज्ड आइटम को हेज्ड जोखिम के संबंध में उचित मूल्य पर पुनः मापा जाता है और परिणामी परिवर्तन को लाभ और हानि खाते में हिसाब में लिया जाता है। इस प्रकार, हेज्ड मर्दों और हेजिंग इंस्ट्रूमेंट ऑफसेट के उचित मूल्य परिवर्तन और परिणामस्वरूप हेज अप्रभावशीलता छोड़कर लाभ और हानि खाते में कोई शुद्ध प्रभाव नहीं पड़ता है।

ख. नकदी प्रवाह हेज के तहत, हेजिंग इंस्ट्रूमेंट को नकदी प्रवाह हेज रिजर्व में मान्यता प्राप्त एक प्रभावी हेज के उचित मूल्य में परिवर्तन और लाभ और हानि खाते में मान्यता प्राप्त लाभ या हानि के अप्रभावी हिस्से के उचित मूल्य में परिवर्तन के साथ उचित मूल्य पर मापा जाता है। रोकड़ प्रवाह आरक्षित निधि में मान्यता प्राप्त हेजिंग लिखतों के उचित मूल्य में परिवर्तन को पुनर्चक्रित किया जाता है और लाभ और हानि खाते में मान्यता दी जाती है जबकि हेज्ड मद के प्रभाव को लाभ और हानि खाते में मान्यता दी जाती है।

6.3 हेज लेखांकन का अनुप्रयोग तब बंद हो जाता है जब हेज लेखांकन सिद्धांतों को लागू करने के समय मूल रूप से परिभाषित जोखिम प्रबंधन उद्देश्य अब पूरा नहीं होता है। हेज संबंध बंद कर दिया जाता है यदि:

- हेजिंग इंस्ट्रूमेंट एक्सपायर हो जाता है या बेचा जाता है, समाप्त कर दिया जाता है, या उपयोग कर लिया जाता है।

- हेज आइटम परिपक्व होते हैं या बेचे/समाप्त हो जाते हैं या पूर्वानुमान लेनदेन अब होने की उम्मीद नहीं है।
- हेजिंग संबंध (या हेजिंग संबंध का एक हिस्सा) हेज लेखांकन के लिए योग्यता मानदंडों को पूरा नहीं कर पाता है।

6.4 उपर्युक्त के सिवाय, सभी अन्य डेरीवेटिव संविदाएं उद्योग में प्रचलित सामान्यतया मान्य लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार बाजार के बही मूल्य के अनुसार अंकित की गई हैं। बाजार के बही मूल्य के अनुसार अंकित डेरीवेटिव संविदाओं के संबंध में बाजार मूल्य में परिवर्तनों को परिवर्तन की अवधि में लाभ और हानि खाते में शामिल किया गया है। डेरीवेटिव संविदाओं के अंतर्गत प्राप्य राशि, जो 90 दिनों से अधिक समय के लिए अतिदेय रहती है, को लाभ और हानि खाते से उचित खाता - क्रिस्टलाइज्ड रिसीवेबल्स में प्रतिवर्तित किया गया है। ऐसे मामलों में जहां डेरीवेटिव संविदाएं भविष्य में और अधिक निपटान के अवसर प्रदान करती हैं और यदि ये डेरीवेटिव संविदा के अतिदेय प्राप्य राशियाँ 90 दिनों से अधिक समय तक अदत रहने के कारण समाप्त न हो गई हो, तो भावी आगमों से संबंधित सकारात्मक एमटीएम को भी लाभ और हानि खाते से "उचित खाता - पॉजिटिव एमटीएम" में प्रतिवर्तित किया जाता है।

6.5 संदत्त या प्राप्त ऑप्शन प्रीमियम को ऑप्शन अवधि की समाप्ति पर लाभ और हानि खाते में अंकित किया गया है। विक्रय किए गए ऑप्शनों पर प्राप्त प्रीमियम और क्रय किए गए ऑप्शनों पर संदत्त प्रीमियम की शेष राशि का फॉरेक्स ओवर द काउंटर (ओटीसी) ऑप्शनों के लिए बाजार मूल्य पर परिकलन करके बही में शामिल किया गया है।

6.6 सौदों के उद्देश्य से एक्सचेंज ट्रेडेड डेरीवेटिव्स में क्रय-विक्रय किए जाने वाले डेरीवेटिवों में किए गए निवेश को बाजार द्वारा दी गई प्रचलित बाजार दरों के अनुसार मूल्यांकित किया गया है और परिणामी लाभ तथा हानि को लाभ और हानि खाते में दर्शाया गया है।

7. अचल आस्तियाँ, मूल्यहास और परिशोधन:

7.1 फ्रीहोल्ड परिसर को छोड़कर, अचल आस्तियों का अंकन लागत में से संचित मूल्यहास/परिशोधन घटाकर किया गया है। पुनर्मूल्यांकन की तारीख को संचित मूल्यहास घटाने के बाद उचित मूल्य होने के कारण पूर्ण स्वामित्व वाले परिसरों का अंकन पुनर्मूल्यांकित राशि पर किया गया है।

7.2 लागत में क्रय लागत तथा समस्त व्यय, जैसे कि स्थान की तैयारी, संस्थापन लागतें और आस्ति पर उसका उपयोग करने से पूर्व अदा की गई प्रोफेशनल फीस शामिल है। उपयोग की गई आस्तियों पर वहन किए गए अनुवर्ती व्यय/व्ययों को केवल तभी पूंजीकरण किया गया है, जब ये व्यय इन आस्तियों से होने वाले भावी लाभ को या इन आस्तियों की

व्यावहारिक क्षमता को बढ़ाते हैं। देशी कार्यालयों की अचल आस्तियों का मूल्यहास आस्तियों की उपयोगिता अवधि के आधार पर निम्नानुसार सीधी रेखा पद्धति पर किया गया है:

क्र. सं.	अचल आस्तियों का विवरण	उपयोगिता अवधि
1	कंप्यूटर	3 वर्ष
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर जो कंप्यूटर हार्डवेयर का अभिन्न अंग है	3 वर्ष
3	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर जो कंप्यूटर हार्डवेयर का अभिन्न अंग नहीं है और सॉफ्टवेयर विकसित करने का खर्च	3 वर्ष
4	ऑटोमेटेड टैलर मशीन/कैश डिपॉजिट मशीन/ क्राइन डिस्पेंसर/ क्राइन वेंडिंग मशीन	5 वर्ष
5	सर्वर	4 वर्ष
6	नेटवर्क उपकरण	5 वर्ष
7	अन्य प्रमुख अचल आस्तियाँ:	
	परिसर	60 वर्ष
	सुरक्षित जमा लॉकर	20 वर्ष
	फर्नीचर व फिक्सचर	10 वर्ष
	एयर कंडीशनर	8 वर्ष
	वाहन	5 वर्ष

7.3 वर्ष के दौरान देशी परिचालनों से प्राप्त आस्तियों के संबंध में मूल्यहास वर्ष में आस्ति का उपयोग करने के दिनों के अनुपात के आधार पर प्रभारित किया गया है।

7.4 आस्तियाँ जिनमें से प्रत्येक का मूल्य 1000/- से कम था, उन्हें क्रय वर्ष में ही बड़े खाते में डाल दिया गया है।

7.5 पट्टाकृत परिसरों से संबद्ध पट्टा प्रीमियम, यदि कोई हो तो, को पट्टा अवधि में (परिसर एवं बेमियादी पट्टे पर भूमि को छोड़कर) परिशोधित किया गया है और परिचालन पट्टे पर ली गई आस्तियों के लिए किए गए पट्टा भुगतानों को पट्टे की अवधि में स्ट्रेट लाइन आधार पर लाभ एवं हानि खाते में व्यय के रूप में हिसाब में लिया गया है।

7.6 विदेश स्थित कार्यालयों की अचल आस्तियों पर मूल्यहास का प्रावधान संबंधित देशों के स्थानीय विनियमों/मानदंडों के अनुसार किया गया है।

7.7 बैंक प्रत्येक तीन वर्षों में पूर्ण स्वामित्व की अचल आस्तियों का पुनर्मूल्यांकन करता है। पुनर्मूल्यांकन के कारण आस्ति के निवल बही मूल्य में वृद्धि को पुनर्मूल्यांकन आरक्षित खाते में जमा किया जाता है। इन्हें लाभ और हानि खाते में नहीं दिखाया जाता है। पुनर्मूल्यांकित आस्ति के मूल्यहास को लाभ एवं हानि खाते को प्रभारित किया जाता है और पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों से अन्य राजस्व आरक्षित को विनियोजित

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

किया जाता है। पुनर्मूल्यांकित आस्तियों पर मूल्यहास पुनर्मूल्यांकन के समय यथामूल्यांकित आस्तियों की शेष उपयोगी अवधि पर किया जाता है।

8. पट्टे:

ऊपर पैरा 3 में निर्धारित किए गए अनुसार आस्ति वर्गीकरण और अभिन्नों के लिए लागू प्रावधानीकरण मानदंड वित्तीय पट्टों पर भी लागू हैं।

9. आस्तियों के मूल्य में कमी:

जब कभी घटनाएँ अथवा स्थितियों में परिवर्तन यह संकेत देते हैं कि किसी आस्ति की उचित राशि की वसूली होना संभव नहीं है, तो ऐसी स्थिति में अचल आस्तियों के मूल्य में आई कमी की समीक्षा की जाती है। धारित और प्रयुक्त आस्तियों की वसूली हो पाएगी या नहीं इसे मापने के लिए आस्ति की उचित राशि की तुलना आस्ति द्वारा अपेक्षित भविष्यगत निवल बढ़ाकृत नकदी प्रवाह से करके ज्ञात की जाती है। यदि ऐसी आस्तियों को अपसामान्यता के योग्य पाया जाता है, तो अपसामान्यता का माप उस राशि के आधार पर किया जाता है, जो आस्ति की उचित राशि और उसके उचित मूल्य के बीच का अंतर होता है।

10. विदेशी मुद्रा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव का प्रभाव:

10.1 विदेशी मुद्रा लेनदेन :

- विदेशी मुद्रा लेनदेन को प्रारंभिक निर्धारण पर सूचित मुद्रा में रिकॉर्ड किया जाता है तथा इसके लिए लेनदेन की तिथि को सूचित मुद्रा एवं विदेशी मुद्रा के बीच विनिमय दर की विदेशी मुद्रा राशि का प्रयोग किया जाता है।
- विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों को भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ (एफईडीआई) द्वारा अधिसूचित अंतिम (फॉरवर्ड/स्पॉट) दरों का प्रयोग करके रिपोर्ट की जाती है।
- विदेशी मुद्रा गैर मौद्रिक मदों, जो अवधिगत लागत के आधार पर ली गई हैं, को लेनदेन की तिथि पर प्रचलित मुद्रा विनिमय दरों का प्रयोग करके रिपोर्ट की जाती है।
- विदेशी मुद्रा में मूल्यांकित आकस्मिक देयताओं की सूचना एफईडीआई की अंतिम स्पॉट रेट का प्रयोग करके रिपोर्ट की जाती है।
- व्यवसाय के लिए रखी गई बकाया विदेशी मुद्रा स्पॉट एवं फॉरवर्ड संविदाओं को इनकी निर्धारित परिपक्वता के लिए एफईडीआई द्वारा अधिसूचित मुद्रा विनिमय दरों पर पुनर्मूल्यांकित किया गया है और परिणामी लाभ या हानि को लाभ और हानि खाते में शामिल किया गया है।

- वह विदेशी मुद्रा फॉरवर्ड संविदाएं, जो व्यवसाय के लिए अपेक्षित नहीं हैं और तुलनपत्र की तिथि को बकाया हैं, को क्लोजिंग स्पॉट दर पर पुनः मूल्यांकन किया जाता है। ऐसी फॉरवर्ड एक्सचेंज संविदा के प्रारंभ से उत्पन्न प्रीमियम या बट्टे को संविदा की परिपक्वता अवधि के व्यय या आय के रूप में परिशोधित किया गया है।

ऐसे अनुबंधों को रद्द करने या नवीनीकरण करने पर उत्पन्न होने वाले किसी भी लाभ या हानि को अवधि के लिए आय या व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है।

- आरंभ में दर्ज की गई दरों से भिन्न दरों पर मौद्रिक मदों के निपटान से उत्पन्न विनिमय अंतर राशियों को उसी अवधि की आय या व्यय के रूप में निर्धारित किया गया है, जिसमें ये अंतर उत्पन्न हुआ है।
- मुद्रा वायदा व्यापार में विदेशी मुद्रा दरों की खुली स्थिति में हुए परिवर्तनों के कारण हुए लाभ/हानि को विदेशी मुद्रा समाशोधन गृह से प्रतिदिन निर्धारित किया जाता है और इस लाभ/हानि को लाभ और हानि खाते में शामिल किया गया है।

10.2 विदेशी परिचालन :

बैंक की विदेश स्थित शाखाओं और ओवरसीज बैंकिंग इकाइयों (ओबीयू) को गैर-समाकलित परिचालनों के रूप में वर्गीकृत किया गया है और प्रतिनिधि कार्यालयों को समाकलित परिचालनों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

क. गैर-समाकलित परिचालन:

- गैर समाकलित विदेशी परिचालनों की मौद्रिक और गैर-मौद्रिक दोनों विदेशी मुद्रा आस्तियों एवं देयताओं तथा आकस्मिक देयताओं को तुलनपत्र तिथि को एफईडीआई द्वारा अधिसूचित अंतिम विनिमय दरों पर रूपांतरित किया गया है।
- गैर समाकलित विदेशी परिचालनों की आय एवं व्यय को एफईडीआई द्वारा अधिसूचित तिमाही की औसत अंतिम दर पर परिवर्तित किया गया है।
- निवेश का निपटान होने तक असमाकलित विदेशी परिचालनों से उद्भूत विनिमय अंतर-राशियों का संचयन विदेशी मुद्रा रूपांतरण आरक्षित में किया गया है।
- विदेशी कार्यालयों की विदेशी मुद्रा में आस्तियां और देयताएं (विदेश स्थित कार्यालयों की स्थानीय मुद्रा के अलावा)

तुलनपत्र की तिथि उस देश पर लागू हाजिर दर का प्रयोग करते हुए स्थानीय मुद्रा में परिवर्तित किया गया है।

ख. समाकलित परिचालन:

- i. विदेशी मुद्रा लेनदेन को प्रारंभिक निर्धारण पर सूचित मुद्रा में रिकॉर्ड किया जाता है तथा इसके लिए लेनदेन की तिथि को सूचित मुद्रा एवं विदेशी मुद्रा के बीच विनिमय दर की विदेशी मुद्रा राशि का प्रयोग किया जाता है।
- ii. समाकलित विदेशी परिचालनों की मौद्रिक विदेशी मुद्रा आस्तियों और देयताओं को तुलनपत्र की तिथि को एफडीआई द्वारा अधिसूचित अंतिम विनिमय दरों (हाजिर/वायदा) पर रूपांतरित किया गया है और परिणामी लाभ/हानि को लाभ और हानि खाते में शामिल किया गया है। आकस्मिक देयताएं हाजिर (स्पॉट) दर पर रूपांतरित की गई हैं।
- iii. विदेशी मुद्रा गैर मौद्रिक मदों, जो अवधिगत लागत के आधार पर ली गई हैं, को लेनदेन की तिथि पर प्रचलित मुद्रा विनिमय दरों का प्रयोग करके रिपोर्ट की जाती है।

11. कर्मचारी हितलाभ:

11.1 अल्पावधि कर्मचारी हितलाभ:

अल्पावधि कर्मचारी हितलाभ यथा चिकित्सा हितलाभ, जिसको कि कर्मचारियों द्वारा प्रदत्त सेवा के विनिमय में प्रदान किया जाना अपेक्षित है, ऐसे अल्पावधि कर्मचारी हितलाभों की गैर-बट्टाकृत राशियों को कर्मचारियों द्वारा प्रदत्त सेवा अवधि के दौरान हिसाब में लिया जाता है।

11.2 दीर्घावधि कर्मचारी हितलाभ:

i. नियत हितलाभ योजनाएं :

- क. भारतीय स्टेट बैंक भविष्य निधि योजना का परिचालन करता है। सभी पात्र कर्मचारी बैंक की भविष्य निधि योजना के अंतर्गत ये हितलाभ प्राप्त करने के हकदार हैं। बैंक निर्धारित दर पर (वर्तमान समय में कर्मचारियों के मूल वेतन एवं पात्र-भत्ते का 10%) मासिक अंशदान करता है। इन अंशदान को, इस उद्देश्य के लिए स्थापित न्यास को प्रेषित कर दिया जाता है तथा इसे लाभ और हानि खाते में प्रभारित किया जाता है। बैंक इस प्रकार के वार्षिक अंशदानों और उस पर ब्याज को संबंधित वर्ष के संदर्भ में व्यय मानता है। यदि कोई कमी हो, तो बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर उसका प्रावधान किया जाता है।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड भविष्य निधि में योगदान करती है। भविष्य निधि का संचालन एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। योजनाओं के अधीन संदत्त या संदेय अभिदाय उस अवधि के दौरान लाभ और हानि खाते में प्रभारित किया जाता है जिसमें कर्मचारी संबंधित सेवा प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, वैधानिक दर के अनुसार ब्याज देयता की तुलना में अंशदान पर देय ब्याज पर देय ब्याज की कमी को मान्यता देने के लिए एक स्वतंत्र लेखा द्वारा वार्षिक आधार पर बीमांकिक मूल्यांकन किया जाता है।

- ख. समूह की इकाइयां अलग-अलग ग्रेजुटी योजनाएं संचालित करती हैं, जो परिभाषित लाभ योजनाएं हैं। समूह की संस्थाएं सभी पात्र कर्मचारियों को ग्रेजुटी प्रदान करती हैं। यह लाभ सांविधिक प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित सीमा के अध्यक्षीन सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए देय 15 दिनों के मूल वेतन के समतुल्य सेवा समाप्ति पर अथवा रोजगार समाप्त होने पर निहित कर्मचारियों को एकमुश्त भुगतान के रूप में है। पांच वर्ष की सेवा पूरी होने पर वेस्टिंग होती है। एसबीआई वार्षिक किए गए एक स्वतंत्र बाहरी बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर ट्रस्टियों द्वारा प्रशासित फंड में आवधिक योगदान देता है।

- ग. बैंक सभी पात्र कर्मचारियों को पेंशन प्रदान करता है। यह हितलाभ नियमानुसार मासिक भुगतान के रूप में प्रदान किया जाता है और यह भुगतान कर्मचारियों को नियमानुसार उनकी सेवानिवृत्ति, नौकरी के दौरान मृत्यु होने या नौकरी की समाप्ति पर किया जाता है। यह हितलाभ नियमों के अनुसार विभिन्न चरणों में प्राप्त होता है। बैंक एसबीआई पेंशन निधि नियमों के अनुसार पेंशन निधि में वेतन के 10% का मासिक अंशदान करता है। पेंशन-देयता की गणना वार्षिक स्वतंत्र बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर की जाती है और बैंक आवश्यक होने पर पेंशन विनियमों के अंतर्गत हितलाभों के भुगतान को सुनिश्चित करने के लिए आवधिक आधार पर इस निधि में अतिरिक्त अंशदान करता है।

- घ. नियत हितलाभ प्रदान करने संबंधी लागत का निर्धारण प्रत्येक तुलनपत्र की तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर अनुमानित यूनिट ऋण पद्धति के प्रयोग से किया जाता है। बीमांकिक लाभ/हानि को लाभ और हानि में तुरंत शामिल कर दिया जाता है और उन्हें आस्थगित नहीं किया जाता है।

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

ii. नियत अंशदान योजना:

बैंक ने 01 अगस्त 2010 को या उसके बाद बैंक में नियुक्त अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए एक नई पेंशन योजना लागू की है, जो एक नियत अंशदान योजना है और ऐसे नए कर्मचारी बैंक की वर्तमान पेंशन योजना के सदस्य बनने के पात्र नहीं हैं। इस योजना के अनुसार, कवर किए गए कर्मचारी इस योजना में अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 10% योगदान करते हैं, साथ ही एसबीआई का योगदान मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 14% है। संबंधित कर्मचारियों की पंजीकरण प्रक्रियाओं के पूरा होने तक, इन अंशदानों को भारतीय स्टेट बैंक में जमा राशियों के रूप में रखा जाता है और भविष्य निधि शेष के चालू खाते की दर पर ही ब्याज अर्जित किया जाता है। एसबीआई ऐसे वार्षिक योगदान और ब्याज को उस वर्ष में व्यय के रूप में मान्यता देता है जिससे वे संबंधित हैं। स्थायी सेवानिवृत्ति खाता संख्या (पीआरएन) प्राप्त होने पर, समेकित योगदान राशि एनपीएस ट्रस्ट को हस्तांतरित कर दी जाती है।

iii. अन्य दीर्घावधि कर्मचारी हितलाभ:

क. बैंक का प्रत्येक पात्र कर्मचारी प्रतिपूरित अनुपस्थिति, रजत जयंती सम्मान और अवकाश यात्रा-रियायत, सेवानिवृत्ति लाभ और पुनर्वासन भत्ते का पात्र होता है। इस प्रकार के दीर्घावधि कर्मचारी हितलाभ की लागत के लिए निधि बैंक द्वारा आंतरिक स्रोत से उपलब्ध कराई जाती है।

ख. अन्य दीर्घावधि हितलाभ के प्रावधान की लागत का निर्धारण प्रत्येक तुलनपत्र की तिथि को बीमांकिक मूल्यन की अनुमानित यूनिट ऋण पद्धति के प्रयोग से किया जाता है। पूर्ववर्ती सेवा लागत को लाभ और हानि में तुरंत शामिल कर दिया जाता है और उन्हें आस्थगित नहीं किया जाता है।

11.3 विदेश स्थित कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों के कर्मचारी हितों को संबंधित देशों के स्थानीय कानूनों/विनियमों के अनुसार मूल्यांकित एवं लेखांकित किया जाता है।

12. सेग्मेंट रिपोर्टिंग

बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखांकन मानक 17 के अनुसार व्यवसाय खंड को प्राथमिक रिपोर्ट सेग्मेंट तथा भौगोलिक सेग्मेंट को द्वितीयक रिपोर्टिंग सेग्मेंट के रूप में मानता है।

13. आय पर कर:

बैंक द्वारा भुगतान की गई वर्तमान कर तथा आस्थगित कर व्यय की कुल राशि आयकर व्यय होता है। चालू वर्ष के कर तथा आस्थगित कर का निर्धारण आयकर अधिनियम 1961 तथा लेखा मानक 22, जो "आय पर करों का लेखांकन" से संबंधित है, के अनुसार किया जाता है और ऐसा करते समय विदेश स्थित कार्यालयों द्वारा संबंधित देशों के कर नियमों के अनुसार भुगतान किए गए कर को भी शामिल किया जाता है। आस्थगित कर समायोजनों में वर्ष के दौरान आस्थगित कर आस्तियों या देयताओं में हुए परिवर्तन भी समाविष्ट हैं। आस्थगित कर-आस्तियों और देयताओं का आकलन वर्तमान वर्ष की कर योग्य आय और लेखा आय तथा अग्रणीत हानि के बीच के अवधिगत अंतर के प्रभाव पर विचार करते हुए किया गया है।

आस्थगित कर आस्तियों और देयताओं को तुलनपत्र की तारीख को लागू या बाद में लागू कर दरों और कर नियमों द्वारा मापा जाता है। आस्थगित कर आस्तियों और देयताओं में हुए परिवर्तन का प्रभाव लाभ और हानि खाते में प्रकट किया जाता है। आस्थगित कर आस्तियों की वसूली निश्चित है, इस बारे में प्रबंधन के निर्णय के आधार पर उनको प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख को हिसाब में लिया जाता है और उनका पुनर्मूल्यांकन किया जाता है। अग्रणीत आस्थगित कर आस्तियों को गैर-आमेलित मूल्यहास और कर घाटा के रूप में तभी माना जाता है, जब यह निश्चित रूप से प्रमाण द्वारा समर्थित हो कि इस तरह की आस्थगित कर संपत्ति को भविष्य के लाभ के रूप में वसूल किया जा सकता है।

समेकित वित्तीय विवरण में, आयकर व्यय उनके लागू कानूनों के अनुसार, मूल और उसकी सहायक कंपनियों/ संयुक्त उद्यमों के अलग-अलग वित्तीय विवरणों में दिखाई देने वाले कर व्यय की राशि का कुल योग है।

14. प्रति शेयर आय:

14.1 बैंक इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी मानक 20 - "प्रति शेयर आय" के अनुसार प्रति शेयर मूल और कम हुई आय सूचित करता है। प्रति शेयर मूल आय की गणना ईक्विटी शेयरधारकों (अल्पसंख्यक के अलावा) को प्राप्य उस वर्ष के कर पश्चात निवल लाभ को उस वर्ष के लिए शेष ईक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है।

14.2 कम की हुई प्रति शेयर आय से वह प्रत्याशित कमी सूचित होती है, जो ईक्विटी शेयरों को जारी करने हेतु प्रतिभूतियों अथवा अन्य संविदाओं को वर्ष के दौरान जारी करने या संपरिवर्तित करने पर घटती है। कम की हुई प्रति शेयर आय की गणना वर्ष के अंत में ईक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या और कम संभावना वाले ईक्विटी शेयरों के बीच तुलना करके की जाती है।

15. प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक आस्तियां:

15.1 भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान के द्वारा जारी लेखा मानक 29 "प्रावधान, आकस्मिक देयताएं एवं आकस्मिक आस्तियां" के अनुरूप बैंक प्रावधान को तभी मानता है, जब उसमें पिछली घटना के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व उत्पन्न हुआ हो और इससे देयता की पूर्ति करने के लिए आर्थिक लाभों से जुड़े संसाधनों का प्रत्याशित बहिर्गमन हो तथा जब देयता की राशि का सही आकलन किया जा सके।

15.2 निम्नलिखित के लिए किसी प्रावधान का समावेश नहीं किया गया है:

- i. पिछले परिणामों से उत्पन्न किसी प्रत्याशित दायित्व के लिए और बैंक के नियंत्रण से बाहर होने वाले एक या अधिक अनिश्चित भावी परिणामों की प्राप्ति या अप्राप्ति से जिसकी पुष्टि की जा सकेगी, अथवा
- ii. किसी वर्तमान दायित्व के लिए, जो पिछले परिणामों से उत्पन्न हुआ है, किंतु उसे संज्ञान में नहीं लिया गया है, क्योंकि :-
 - क. यह संभव नहीं है कि दायित्व की पूर्ति हेतु आर्थिक लाभों से जुड़े संसाधनों का बहिर्गमन आवश्यक होगा, अथवा
 - ख. दायित्व की पूर्ति हेतु राशि का सही आकलन नहीं किया जा सकता।

ऐसे दायित्वों को आकस्मिक देयताओं के रूप में दर्ज किया गया है। इन दायित्वों का मूल्यांकन नियमित अंतरालों पर किया जाता है। केवल उन अपवादात्मक परिस्थितियों जहां, कोई सही आकलन नहीं किया जा सकता, को छोड़कर ऐसे दायित्व के केवल उस अंश के लिए प्रावधान किया जाता है, जिसके आर्थिक लाभों से जुड़े संसाधनों के बहिर्गमन की संभावना है।

15.3 एसबीआई के "एंटर्प्राइज-वाइड लॉयल्टी प्रोग्राम" के संबंध में रिवॉर्ड प्वाइंट्स का प्रावधान एक्चुरियल अनुमानों के आधार पर किया जा रहा है।

15.4 जब किसी संविदा से बैंक द्वारा प्राप्त किए जाने वाले अपेक्षित लाभ, उस संविदा के अधीन भावी दायित्वों को पूरा करने की अपरिहार्य लागत से कम होते हैं तो अवधिक संविदाओं के लिए उपबंध मान्य होते हैं। प्रावधान राशि का निर्धारण संविदा को समाप्त करने के प्रत्याशित न्यूनतम व्यय के वर्तमान मूल्य एवं संविदा को जारी रखने के प्रत्याशित निवल व्यय पर किया जाता है। प्रावधान की राशि का निर्धारण करने से पूर्व बैंक द्वारा संविदा से जुड़ी आस्तियों पर हानि को हिसाब में लिया जाता है।

15.5 आकस्मिक आस्तियों को वित्तीय विवरणों में शामिल नहीं किया गया है।

16. सर्राफा लेनदेन:

बैंक अपने ग्राहकों को बेचने के लिए पारेषण आधार पर बहुमूल्य धातुओं की छड़ों समेत सर्राफा का आयात करता है। ये आयात सामान्यता दुतरफा आधार पर होते हैं और ग्राहकों के लिए इनकी कीमत आपूर्तिकर्ता द्वारा मांगी गई कीमत के आधार पर तय होती है।

बैंक इस तरह के सर्राफा लेनदेन पर शुल्क के रूप में आय प्राप्त करता है। इस शुल्क की गणना कमीशन आय के अंतर्गत होती है। बैंक द्वारा सोना जमा किया जाता है और इस पर उधार भी देता है, जिसे जमा/अग्रिम (जो भी हो) माना जाता है। इसमें भुगतान किए गए/प्राप्त ब्याज को ब्याज व्यय/आय के रूप में श्रेणीबद्ध किया जाता है।

स्वर्ण जमा, धातु ऋण अग्रिम तथा अंतिम स्वर्ण शेष को तुलन-पत्र की तिथि पर उपलब्ध बाजार दर पर मूल्य निर्धारित किया जाता है।

17. विशेष आरक्षित निधियां:

राजस्व एवं अन्य आरक्षित निधियों में आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36 (i) (viii) के अंतर्गत सृजित विशेष आरक्षित निधि भी शामिल है। बैंक के निदेशक मंडल ने एक संकल्प पारित कर इस आरक्षित निधि के सृजन के लिए अनुमोदन किया है और यह भी पुष्टि की है कि उसका इस विशेष आरक्षित निधि से आहरण करने की कोई मंशा नहीं है।

18. पूंजी आरक्षित निधियां

18.1 परिपक्वता तक धारित (एचटीएम) श्रेणी में निवेशों की बिक्री पर लाभ; किसी सहायक, सहयोगी या संयुक्त उद्यम में निवेश की बिक्री/पुनर्वर्गीकरण और अचल संपत्तियों की बिक्री पूंजी आरक्षित (लागू करें) का शुद्ध और सांविधिक रिजर्व को हस्तांतरित की जाने वाली राशि) में विनियोजित की जाती है।

18.2 एफएस के अंतर्गत नामित इक्विटी लिखतों की बिक्री पर होने वाले किसी लाभ या हानि को एफएस रिजर्व से कैपिटल रिजर्व में अंतरित किया जाता है (लागू करें) का निवल और सांविधिक रिजर्व को अंतरित की जाने वाली राशि)। इसके विपरीत, एफएस श्रेणी में ऋण लिखतों की बिक्री पर लाभ या हानि को एफएस रिजर्व से लाभ और हानि खाते में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

19. शेयर निर्गम व्यय:

शेयर निर्गम व्ययों हेतु शेयर प्रीमियम खाते को प्रभारित किया जाता है।

20. नकद एवं नकद समतुल्य

नकद एवं नकद समतुल्य में भारतीय रिजर्व बैंक के पास का नकद एवं शेष, बैंकों में शेष तथा मांग और अल्प सूचना पर प्रतिदेय धन शामिल है।

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

अनुसूची 18 - लेखा टिप्पणियां:

1. समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में शामिल अनुषंगियों/संयुक्त उद्यमों/सहयोगियों की सूची:

1.1 समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने हेतु शामिल की गई 27 अनुषंगियों, 18 सहयोगियों जिनमें वर्ष के दौरान विलय/एक्जिट की संबंधित तिथियों से/तक (जो मुख्य संस्था भारतीय स्टेट बैंक के साथ समूह बनाते हैं) 14 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक शामिल हैं एवं 8 संयुक्त उद्यम का विवरण निम्नानुसार है:

क. अनुषंगियां:

क्र.सं. अनुषंगी का नाम	निगमन देश	समूह की हिस्सेदारी (%)	
		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1) एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड	भारत	100.00	100.00
2) एसबीआईकैप सिक्योरिटीज लिमिटेड	भारत	100.00	100.00
3) एसबीआईकैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड	भारत	100.00	100.00
4) एसबीआई वेंचर्स लिमिटेड (पूर्ववर्ती एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड)	भारत	100.00	100.00
5) एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड	भारत	72.17	72.17
6) एसबीआई फैंक्टर्स लिमिटेड (पूर्ववर्ती एसबीआई ग्लोबल फैंक्टर्स लि)	भारत	100.00	100.00
7) एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	100.00	100.00
8) एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	100.00	100.00
9) एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड *	भारत	74.00	74.00
10) एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड	भारत	92.40	92.44
11) स्टेट बैंक ऑपरेशन्स सपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	भारत	100.00	100.00
12) एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	भारत	55.38	55.42
13) एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	भारत	68.99	69.11
14) एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड	भारत	68.60	68.63
15) एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक्योरिटीज सर्विसेज प्रा. लिमिटेड *	भारत	65.00	65.00
16) एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड *	भारत	61.98	62.21
17) एसबीआई फंड मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्राइवेट लिमिटेड *	मॉरीशस	61.98	62.21
18) एसबीआई फंड्स इंटरनेशनल (आईएफएससी) लि (08.07.2024 से)	भारत	61.98	-
19) कमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी, मास्को	रूस	100.00	100.00
20) एसबीआई कनाडा बैंक	कनाडा	100.00	100.00
21) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कैलीफोर्निया)	अमेरिका	100.00	100.00
22) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (यूके) लिमिटेड	यूके	100.00	100.00
23) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सर्विकोस लिमिटाडा	ब्राजील	100.00	100.00
24) एसबीआई (मॉरीशस) लिमिटेड	मॉरीशस	96.60	96.60
25) पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	99.00	99.56
26) नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	नेपाल	55.00	55.00
27) नेपाल एसबीआई मर्चेन्ट बैंकिंग लिमिटेड	नेपाल	55.00	55.00

उन कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है जो शेयरधारकों के समझौते के अनुसार संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाएं हैं। हालाँकि, इन्हें सहायक कंपनियों के रूप में लेखा मानक 21 समेकित वित्तीय विवरण के अनुसार समेकित किया जाता है क्योंकि इन कंपनियों में एसबीआई की हिस्सेदारी 50% से अधिक है।

ख. संयुक्त उद्यम:

क्र.सं. संयुक्त उद्यम का नाम	निगमन देश	समूह की हिस्सेदारी (%)	
		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1) सी-एज टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	भारत	49.00	49.00
2) एसबीआई मैकेरी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड	भारत	45.00	45.00
3) एसबीआई मैकेरी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	45.00	45.00
4) मैकेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट पीटीई. लिमिटेड	सिंगापुर	45.00	45.00
5) मैकेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी लिमिटेड	बरमुडा	45.00	45.00
6) ओमान इंडिया जॉइंट इन्वेस्टमेंट फंड - मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	50.00	50.00
7) ओमान इंडिया जॉइंट इन्वेस्टमेंट फंड - ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	50.00	50.00
8) जियो पेमेंट्स बैंक लि.	भारत	14.96	22.75

ग. सहयोगी:

क्र.सं. सहयोगी का नाम	निगमन देश	समूह की हिस्सेदारी (%)	
		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1) आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक	भारत	35.00	35.00
2) अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
3) छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
4) इलाकाई देहाती बैंक	भारत	35.00	35.00
5) मध्यांचल ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
6) मेघालय ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
7) मिजोरम ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
8) नागालैंड ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
9) सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
10) उत्कल ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
11) उत्तराखंड ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
12) झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
13) राजस्थान मरुधारा ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
14) तेलंगाना ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
15) भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड (08.08.2024तक)	भारत	-	20.05
16) यस बैंक लिमिटेड	भारत	23.97	26.13
17) बैंक ऑफ भूटान लिमिटेड	भूटान	20.00	20.00
18) इन्वेस्टेक कैपिटल सर्विसेज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड	भारत	19.70	19.70

ए) 1 अप्रैल 2024 से लागू नए निवेश दिशानिर्देशों के अनुसार, जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड की स्थिति एसबीआई के 'सहयोगी' से 'संयुक्त उद्यम' में बदल गई है। इसके अलावा, 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान, जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड ने अपने इक्विटी शेयरों के राइट इश्यू जारी किए हैं जिसमें एसबीआई ने भाग नहीं लिया था। परिणामस्वरूप, उक्त संयुक्त उद्यम में एसबीआई की हिस्सेदारी 22.75% से घटकर 14.96% हो गई है।

बी) अनुमोदित कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ईएसओपी) के तहत विकल्पों के प्रयोग के अनुसरण में, निम्नलिखित समूह संस्थाओं ने अपने पात्र कर्मचारियों को इक्विटी शेयर जारी किए हैं: -

- एसबीआई कार्ग्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान 10 के 3,88,435 इक्विटी शेयर आबंटित किए हैं। नतीजतन, एसबीआई कार्ग्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड में एसबीआई की हिस्सेदारी 68.63% से घटकर 68.60% हो गई है।
- एसबीआई लाइफ इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान 10 के 6,69,618 इक्विटी शेयर आबंटित किए हैं। नतीजतन, एसबीआई लाइफ इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में एसबीआई की हिस्सेदारी 55.42% से घटकर 55.38% हो गई है।

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

- III. एस बी आई जनरल इश्योरेस कंपनी लिमिटेड ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान प्रत्येक 10 के 3,71,693 इक्विटी शेयर आबंटित किए हैं। नतीजतन, एसबीआई जनरल इश्योरेस कंपनी लिमिटेड में एसबीआई की हिस्सेदारी 69.11% से घटकर 68.99% हो गई है।
- IV. एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान 1 के 18,68,925 इक्विटी शेयर आबंटित किए हैं। इसके परिणामस्वरूप, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड में एसबीआई समूह की हिस्सेदारी 62.21% से घटकर 61.98% हो गई है और एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्राइवेट लिमिटेड और एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड में एसबीआई समूह की हिस्सेदारी क्रमशः 62.21% और 92.44% से घटकर 61.98% और 92.40% हो गई है।
- सी) 10 सितंबर 2024 को, भारतीय स्टेट बैंक, पीटी बैंक केईबी हाना इंडोनेशिया और पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया ने पीटी बैंक केईबी हाना इंडोनेशिया को पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया के 1% शेयरों में निवेश करने की अनुमति देते हुए शेयरधारक समझौते पर हस्ताक्षर किए। तदनुसार, पहले के अल्पसंख्यक शेयरधारक बाहर निकल गए हैं, और पीटी बैंक केईबी हाना को नए अल्पसंख्यक शेयरधारक के रूप में शामिल किया गया है, और उक्त प्रक्रिया 25 दिसंबर 2024 को पूरी हो गई है। नतीजतन, पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया में एसबीआई की हिस्सेदारी 99.56% से घटकर 99.00% हो गई है।
- डी) 9 अगस्त 2024 को, एसबीआई ने एक सहयोगी कंपनी क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीसीआईएल) में अपनी 2% हिस्सेदारी का विनिवेश किया। इस विनिवेश के बाद, सीसीआईएल अब सहयोगी नहीं है और इसे एसबीआई के समेकित वित्तीय विवरणों में केवल 8 अगस्त 2024 तक सहयोगी माना जाता है।
- इ) 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान, यस बैंक लिमिटेड ने अनुमोदित कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना के तहत प्रत्येक निवेशक को 127,98,80,909 इक्विटी शेयरों और 2 के 2,64,71,398 इक्विटी शेयरों के लिए अन्य दो निवेशकों द्वारा शेयर वारंट के प्रयोग के अनुसार 2 के 255,97,61,818 इक्विटी शेयर आबंटित किए हैं। नतीजतन, यस बैंक लिमिटेड में एसबीआई की हिस्सेदारी 26.13% से घटकर 23.97% हो गई है।
- एफ) एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एसबीआई की सहायक) ने 7 फरवरी 2024 को गिफ्ट सिटी - गांधीनगर में एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अर्थात् एसबीआई फंड्स इंटरनेशनल (आईएफएससी) लिमिटेड को शामिल किया है। 30 सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही के दौरान, कंपनी को अपने संचालन के लिए अपेक्षित अनुमोदन और एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड से ₹25.00 करोड़ की पूंजी प्राप्त हुई। तदनुसार, कंपनी को 8 जुलाई 2024 से एसबीआई के समेकित वित्तीय विवरणों में समूह सहायक कंपनी माना जाता है।
- जी) एसबीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी 'एसबीआई कैप वेंचर्स लिमिटेड' का नाम 24 जुलाई 2024 से बदलकर 'एसबीआई वेंचर्स लिमिटेड' हो गया है और एसबीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी 'एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड' का नाम 26 फरवरी 2025 से बदलकर 'एसबीआई फैक्टर्स लिमिटेड' हो गया है।
- एच) भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, एसबीआई द्वारा प्रायोजित एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक की संपत्ति और देनदारियों को विभाजित किया गया है, और आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक का एक हिस्सा तेलंगाना ग्रामीण बैंक के साथ समामेलित है। समामेलन की प्रभावी तिथि 1 जनवरी 2025 है और समामेलन के बाद, दोनों आरआरबी में एसबीआई की हिस्सेदारी समान रहेगी क्योंकि दोनों एसबीआई द्वारा प्रायोजित हैं।
- आई) दिनांक 19-10-2009 की राजपत्र अधिसूचना सं काआ 2010 सीजी-डीएल-ई-07042025-262329 दिनांक 5 अप्रैल 2025, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित निम्नलिखित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) और अन्य बैंकों द्वारा प्रायोजित आरआरबी को 1 मई 2025 से समामेलित कर दिया गया है। बैंक द्वारा प्रायोजित आरआरबी में बैंक के निवेश, 31 मार्च 2025 तक के अपने वित्तीय विवरणों में शामिल हैं।
 - आरआरबी के समामेलन का विवरण, जहां हस्तांतरित आरआरबी एसबीआई द्वारा प्रायोजित नहीं हैं, नीचे दिए गए हैं:

क्र.सं.	हस्तांतरणकर्ता आरआरबी का नाम	हस्तांतरणकर्ता आरआरबी का प्रायोजक बैंक	आरआरबी के समामेलन के बाद नया नाम	हस्तांतरणकर्ता आरआरबी का प्रायोजक बैंक
1	आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक चैतन्य गोदावरी ग्रामीण बैंक आंध्र प्रगति ग्रामीण बैंक सप्तगिरी ग्रामीण बैंक	भारतीय स्टेट बैंक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया केनरा बैंक इंडियन बैंक	आंध्र प्रदेश ग्रामीण बैंक	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
2	सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक	भारतीय स्टेट बैंक बैंक ऑफ बड़ौदा	गुजरात ग्रामीण बैंक	बैंक ऑफ बड़ौदा
3	एलाकाई देहाती बैंक जम्मू एंड कश्मीर बैंक लिमिटेड	भारतीय स्टेट बैंक द जम्मू एंड कश्मीर बैंक लिमिटेड	जम्मू एंड कश्मीर बैंक लिमिटेड	द जम्मू एंड कश्मीर बैंक लिमिटेड
4	मध्यांचल ग्रामीण बैंक मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक	भारतीय स्टेट बैंक बैंक ऑफ इंडिया	मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक	बैंक ऑफ इंडिया
5	उत्कल ग्रामीण बैंक ओडिशा ग्राम्य बैंक	भारतीय स्टेट बैंक इंडियन ओवरसीज बैंक	ओडिशा ग्रामीण बैंक	इंडियन ओवरसीज बैंक

• आरआरबी के समामेलन का विवरण, जहां हस्तांतरित आरआरबी एसबीआई द्वारा प्रायोजित है, नीचे दिए गए हैं:

क्र.सं.	हस्तांतरणकर्ता आरआरबी का नाम	हस्तांतरणकर्ता आरआरबी का प्रायोजक बैंक	आरआरबी के समामेलन के बाद नया नाम	हस्तांतरणकर्ता आरआरबी का प्रायोजक बैंक
1	राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	भारतीय स्टेट बैंक बैंक ऑफ बड़ौदा	राजस्थान ग्रामीण बैंक	भारतीय स्टेट बैंक

- j) एसबीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एसबीआई इन्फ्रा मैनेजमेंट सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड परिसमापनाधीन है और इसलिए लेखा मानक 21 के अनुसार समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में समेकन के लिए विचार नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा, एसबीआई होम फाइनेंस लिमिटेड, एसबीआई समूह की 26.00% हिस्सेदारी के साथ एक सहयोगी, को माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता के 20 दिसंबर 2019 के एक आदेश द्वारा भंग कर दिया गया था। हालांकि, आरओसी पोर्टल पर कंपनी की स्थिति को 20 सितंबर 2024 को आधिकारिक परिसमापक से प्राप्त स्थिति रिपोर्ट के अनुसार सितंबर 2024 के दौरान परिसमापन से भंग में बदल दिया गया है।
- k) चूंकि एसबीआई फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी कंपनी है कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 7 (2) के तहत निगमित, एसबीआई फाउंडेशन को लेखा मानक 21 के अनुसार समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी में समेकन के लिए विचार नहीं किया जा रहा है।

- 1.2 समूह के वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए समेकित वित्तीय विवरणों में एक सहायक कंपनी (एसबीआई कनाडा बैंक) और एक सहयोगी (बैंक ऑफ भूटान लिमिटेड) के अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरण शामिल हैं, जिनके परिणाम महत्वपूर्ण नहीं हैं।

2. लेखा मानकों के अनुसार प्रकटीकरण

2.1 लेखा मानक 5- अवधि के लिए निवल लाभ या हानि, पूर्व अवधि की मदें और लेखा नीतियों में परिवर्तन

- वर्ष के दौरान, महत्वपूर्ण पूर्व अवधि आय/व्यय के मद नहीं थे।
- 2024-2025 के दौरान अपनाई गई महत्वपूर्ण लेखा नीतियों में पिछले वित्तीय वर्ष 2023-2024 की तुलना में कोई बदलाव नहीं किया गया है।
- i. आरबीआई मास्टर निदेश आरबीआई/डीओआर/2023-24/104 डीओआर.एमआरजी 36/21.04.141/202324 दिनांक 12 सितंबर 2023 के कारण 1 अप्रैल 2024 से लागू आवश्यक परिवर्तन निम्नलिखित हैं:

क. निवेश के वर्गीकरण और मूल्यांकन पर नीतियां:

1 अप्रैल 2024 से, बैंक ने आरबीआई द्वारा मास्टर निदेश संख्या आरबीआई/डीओआर/2023-24/104 डीओआर.एमआरजी.36/21.04.141/2023-24 2024 के तहत जारी किए गए वाणिज्यिक बैंकों के निवेश पोर्टफोलियो के वर्गीकरण, मूल्यांकन और संचालन पर (निर्देश), 2023 दिनांक 12 सितंबर 2023 निवेश वर्गीकरण और मूल्यांकन के संशोधित ढांचे को अपनाया। समेकन के उद्देश्य से, बैंक की सभी सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों ने

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (आईआरडीए द्वारा विनियमित सहायक कंपनियों) को छोड़कर संशोधित निवेश ढांचे का पालन किया है, जो आईआरडीएआई दिशानिर्देशों का पालन करते हैं।

ख. एचटीएम प्रतिभूतियों में लेनदेन रिकॉर्ड करने की विधि:

वर्तमान नीति के अनुसार, एचटीएम श्रेणी के निवेशों के अधिग्रहण पर भुगतान किए गए प्रीमियम को निरंतर प्रतिफल के आधार पर परिपक्वता की अवधि में परिशोधन किया गया था। नए निवेश ढांचे में, बैंक ने निवेशों की सभी श्रेणियों में समान रूप से लेनदेन रिकॉर्ड करने और प्रीमियम और अधिग्रहण पर छूट दोनों के परिशोधन के लिए प्रथम आमद प्रथम निर्गम (एफआईएफओ) पद्धति से भारित औसत वहन लागत (डब्ल्यूएसीसी) को अपना लिया है।

ग. फ्लोटिंग रेट बांड के लिए परिशोधन की विधि:

निवेश पर संशोधित ढांचे में निवेश की सभी श्रेणियों में प्रीमियम और छूट के परिशोधन की अनुमति है। इन परिशोधन मानदंडों का पालन करने के लिए, बैंक ने अब निरंतर उपज विधि से स्ट्रेट लाइन विधि पर स्विच किया है।

संशोधित ढांचे के संक्रमण दिशानिर्देशों की शर्तों के अनुसार, 1 अप्रैल 2024 को समूह ने लाभ हानि खाते में सामान्य आरक्षित और शेष राशि में 714.93 करोड़ (कर का शुद्ध) का शुद्ध हानि डेबिट किया है और एफएस रिजर्व को 4,428.65 करोड़ (कर का शुद्ध) का शुद्ध लाभ जमा किया है। संक्रमण तिथि से पहले की अवधि के लिए संशोधित ढांचे के प्रभाव का पता नहीं लगाया जा सकता है। इसके परिणामस्वरूप, 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए निवेश से आय/लाभ या हानि 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए रिपोर्ट किए गए आंकड़ों से तुलनीय नहीं है।

- ii. आरबीआई परिपत्र संख्या आरबीआई/डीओआर/2024-25/135 डीओआर.एसटीआर.आरईसी.72/ 21.04.048/2024-25 दिनांक 29 मार्च 2025 के अनुसार, सरकार द्वारा गारंटीकृत सुरक्षा प्राप्ति के दिशानिर्देशों पर, बैंकों को शुद्ध बही मूल्य (एनबीवी) से अधिक मूल्य के लिए किसी परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी (एआरसी) को ऋण के हस्तांतरण के वर्ष में लाभ और हानि खाते में किसी भी अतिरिक्त प्रावधान को उलटने की अनुमति दी जाती है, बशर्ते कि प्रतिफल में केवल नकद और एसआर शामिल हों जो भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत हैं। ऐसे एसआर का मूल्यांकन आवधिक रूप से एआरसी द्वारा घोषित निवल आस्ति मूल्य (एनएवी) की गणना करके ऐसे लिखतों के लिए प्राप्त रिकवरी रेटिंग के आधार पर किया जाएगा।

बैंक ने भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत अंकित मूल्य या एआरसी द्वारा घोषित निवल आस्ति मूल्य (एनएवी), जो भी कम हो, को लाभ और हानि खाते 3,874.99 करोड़ में जमा करके कम किया है, जो नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल) द्वारा प्रबंधित 19 ट्रस्ट खातों से संबंधित अंकित मूल्य या एनएवी से कम है।

2.2 लेखा मानक- 15 कर्मचारी हित लाभ:

2.2.1 नियत हित लाभ योजनाएं

2.2.1.1 कर्मचारी पेंशन योजना और उपदान योजनाएं

निम्नलिखित तालिका एस 15 (संशोधित 2005) के तहत आवश्यक नियत हित लाभ पेंशन योजनाओं और उपदान योजना की स्थिति निर्धारित करती है:

विवरण	पेंशन योजनाएं		ग्रेजुटी योजनाएं	
	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
नियत हित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन				
1 अप्रैल को आरंभिक नियत हित लाभ दायित्व	1,90,944.96	1,56,966.26	13,269.85	12,759.77
वर्तमान सेवा लागत	1,109.80	956.93	536.52	510.49
ब्याज लागत	13,805.32	11,537.02	956.35	953.63
पिछली सेवा लागत (निहित लाभ)	-	7,100.00	-	8.48
देयता निवर्तमान संयुक्त उद्यम से संबंधित है	-	-	0.23	-
बीमांकिक हानि/(लाभ)	11,883.95	26,225.01	531.46	596.59
भुगतान किया गया लाभ	(6,083.50)	(5,165.42)	(1,395.80)	(1,559.11)
एसबीआई द्वारा प्रत्यक्ष भुगतान	(7,189.74)	(6,674.84)	-	-
31 मार्च को अंतिम नियत लाभ दायित्व योजना आस्तियों में परिवर्तन	2,04,470.79	1,90,944.96	13,898.61	13,269.85

(₹ करोड़ में)

विवरण	पेंशन योजनाएं		ग्रेज्युटी योजनाएं	
	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1 अप्रैल को योजनागत आस्तियों का आरंभिक उचित मूल्य	1,51,643.97	1,33,148.54	12,557.09	11,397.87
योजना आस्तियों पर प्रत्याशित लाभ	10,963.86	9,786.42	904.00	852.08
नियोक्ता द्वारा अंशदान	8,112.88	7,634.52	768.00	1,407.55
कर्मचारियों द्वारा अपेक्षित अंशदान	2.78	-	0.10	0.09
भुगतान किया गया लाभ	(6,083.50)	(5,165.42)	(1,395.80)	(1,559.11)
योजनागत आस्तियों पर बीमांकिक लाभ/(हानि)	2,791.26	6,239.91	213.69	458.61
31 मार्च को योजनागत आस्तियों का अंतिम उचित मूल्य	1,67,431.25	1,51,643.97	13,047.08	12,557.09
दायित्व के वर्तमान मूल्य और योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य का मिलान				
वर्ष के अंत में वित्तपोषित दायित्व का वर्तमान मूल्य	2,04,470.79	1,90,944.96	13,898.61	13,269.85
वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	1,67,431.25	1,51,643.97	13,047.08	12,557.09
घाटा/(अधिशेष)	37,039.54	39,300.99	851.53	712.76
लेखे में नहीं ली गई विगत सेवा लागत (निहित) इतिशेष	-	-	-	-
लेखे में नहीं ली गई अस्थायी देयता इतिशेष	-	-	-	-
निवल देयता/(परिसंपत्ति)	37,039.54	39,300.99	851.53	712.76
तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त राशि				
देयताएँ	2,04,470.79	1,90,944.96	13,898.61	13,269.85
आस्तियाँ	1,67,431.25	1,51,643.97	13,047.08	12,557.09
तुलन-पत्र में मान्यता प्राप्त निवल देयता/(आस्ति)	37,039.54	39,300.99	851.53	712.76
लेखे में नहीं ली गई विगत सेवा लागत (निहित) इतिशेष	-	-	-	-
लेखे में नहीं ली गई अस्थायी देयता इतिशेष	-	-	-	-
निवल देयता/(आस्ति)	37,039.54	39,300.99	851.53	712.76
लाभ एवं हानि खाते में मान्यता प्राप्त शुद्ध लागत				
वर्तमान सेवा लागत	1,109.80	956.93	536.52	510.49
ब्याज लागत	13,805.32	11,537.02	956.35	953.63
योजनागत आस्तियों पर प्रत्याशित लाभ	(10,963.86)	(9,786.42)	(904.00)	(852.08)
कर्मचारियों द्वारा अपेक्षित अंशदान	(2.78)	-	(0.10)	(0.09)
लेखे में ली गई (परिशोधित) विगत सेवा लागत	-	-	-	-
लेखे में ली गई विगत सेवा लागत (निहित लाभ)	-	7,100.00	-	8.48
वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त निवल बीमांकिक हानि/(लाभ)	9,092.69	19,985.10	317.77	137.98
अनुसूची 16 में शामिल नियत लाभ योजनाओं की कुल लागत कर्मचारियों के लिए भुगतान और प्रावधान	13,041.17	29,792.63	906.54	758.41
प्रत्याशित प्रतिलाभ और योजनागत आस्तियों पर वास्तविक लाभ का मिलान				
योजनागत आस्तियों पर प्रत्याशित लाभ	10,963.86	9,786.42	904.00	852.08
योजनागत आस्तियों पर बीमांकिक लाभ/(हानि)	2,791.26	6,239.91	213.69	458.61
योजनागत आस्तियों पर वास्तविक लाभ	13,755.12	16,026.33	1,117.69	1,310.69
तुलन-पत्र में शामिल निवल देयता/(आस्ति) के आरंभिक व अधिशेष का समाधान				
1 अप्रैल के अनुसार निवल प्रारंभिक देयता/ (आस्ति)	39,300.99	23,817.72	712.76	1,361.90
लाभ एवं हानि खाते में शामिल व्यय	13,041.17	29,792.63	906.54	758.41
एसबीआई द्वारा सीधे प्रदत्त	(7,189.74)	(6,674.84)	-	-

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

(₹ करोड़ में)

विवरण	पेंशन योजनाएं		ग्रेच्युटी योजनाएं	
	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
अन्य प्रावधान के लिए नामे डाला गया	-	-	-	-
आरक्षित निधियों में शामिल	-	-	-	-
निवर्तमान संयुक्त उद्यम से संबंधित देयता	-	-	0.23	-
नियोक्ता का अंशदान	(8,112.88)	(7,634.52)	(768.00)	(1,407.55)
तुलन-पत्र में मान्यता प्राप्त निवल देयता / (आस्ति)	37,039.54	39,300.99	851.53	712.76

31 मार्च 2025 को ग्रेच्युटी और पेंशन निधि की योजनागत आस्ति के तहत किए गए निवेश इस प्रकार हैं:

आस्ति की श्रेणी	पेंशन फंड	ग्रेच्युटी फंड
	योजनागत आस्ति का %	योजनागत आस्ति का %
केंद्र सरकार की प्रतिभूतियाँ	12.71%	14.42%
राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	38.41%	32.24%
ऋण प्रतिभूतियाँ, मुद्रा बाजार प्रतिभूतियाँ और बैंक जमाराशियाँ	29.42%	24.57%
ईटीएफ और म्यूचुअल फंड	16.58%	13.52%
बीमाकर्ता प्रबंधित फंड	1.07%	13.93%
अन्य	1.81	1.32%
कुल	100.00%	100.00%

प्रमुख बीमांकिक आकलन:

विवरण	पेंशन योजना	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बढ़ा दर	7.02%	7.23%
योजना आस्ति पर प्रत्याशित प्रतिलाभ दर	7.02%	7.23%
वेतन वृद्धि दर	6.00%	6.00%
पेंशन वृद्धि दर	2.00%	2.00%
पलायन दर	2.00%	2.00%

विवरण	ग्रेच्युटी योजना	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बढ़ा दर	6.82%	7.21%
योजना आस्ति पर प्रत्याशित प्रतिलाभ दर	6.82%	7.21%
वेतन वृद्धि दर	6.00%	6.00%
पलायन दर	2.00%	2.00%

अगले वर्ष के लिए पेंशन और ग्रेच्युटी फंड में अपेक्षित योगदान क्रमशः 3,045.99 करोड़ और 1,400.71 करोड़ है।

एसबीआई के मामले में, योजना परिसंपत्तियों को सरकारी प्रतिभूतियों से प्राप्त प्रतिफल वक्र के आधार पर बाजार में चिह्नित किया जाता है, वापसी की अपेक्षित दर छूट दर के समान रखी गई है।

बीमांकिक मूल्यांकन में प्रतिफल भावी वेतन वृद्धि का पूर्वानुमान, मुद्रास्फूर्ति, वरिष्ठता, पदोन्नति और रोजगार बाजार में आपूर्ति एवं मांग जैसे अन्य संगत कारकों को ध्यान में रखकर किया गया है। ऐसे अनुमान बहुत दीर्घावधिक होते हैं और पिछले सीमित अनुभव/निकट भविष्य पर आधारित नहीं होते हैं। अनुभवजन्य साक्ष्य यह भी बताते हैं कि बहुत लंबी अवधि में, लगातार उच्च वेतन वृद्धि दर संभव नहीं है। लेखापरीक्षकों द्वारा उक्त अनुमानों और अनुमानों को स्वीकार किया गया है।

2.2.1.2 कर्मचारी भविष्य निधि

भविष्य निधि न्यास में ब्याज की कमी के संबंध में किया गया बीमांकिक मूल्यांकन शून्य देयता दर्शाता है, इसलिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

निम्नलिखित तालिका स्वतंत्र बीमांकिकों द्वारा बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार भविष्य निधि की स्थिति दर्शाती है:

विवरण	भविष्य निधि	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
(₹ करोड़ में)		
नियत हित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य में परिवर्तन		
1 अप्रैल को आरंभिक नियत हित लाभ दायित्व	42,883.83	39,138.17
वर्तमान सेवा लागत	2,198.98	2,170.31
ब्याज लागत	3,607.80	3,165.52
कर्मचारी अंशदान (वीपीएफ सहित)	2,942.53	2,925.93
बीमांकिक हानि/(लाभ)	(90.22)	(5.03)
भुगतान किया गया लाभ	(4,230.90)	(4,511.07)
31 मार्च को समाप्त नियत हित लाभ दायित्व	47,312.02	42,883.83
योजना आस्ति में परिवर्तन		
1 अप्रैल योजनागत आस्तियों का आरंभिक उचित मूल्य	43,685.13	40,122.71
योजनागत आस्तियों पर प्रत्याशितलाभ	3,602.00	3,180.68
अंशदान	5,141.51	5,096.24
अनर्जक निवेश की परिपक्वता पर हानि का प्रावधान	-	-
भुगतान किया गया लाभ	(4,348.70)	(4,511.07)
योजनागत आस्तियों पर बीमांकिक लाभ/(हानि)	(434.71)	(203.43)
31 मार्च तक योजनागत आस्तियों का अंतिम उचित मूल्य	47,645.23	43,685.13
दायित्व के वर्तमान मूल्य और योजनागत आस्तियों के उचित मूल्य का समाधान		
31 मार्च को वित्तपोषित दायित्वका वर्तमान मूल्य	47,312.02	42,883.83
31 मार्च को योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	47,645.23	43,685.13
घाटा/(अधिशेष)	(333.21)	(801.30)
तुलन-पत्र में गैर-मान्यता प्राप्त निवल आस्ति	(333.21)	801.30
लाभ एवं हानि खाते में मान्यता प्राप्त शुद्ध लागत		
वर्तमान सेवा लागत	2,198.98	2,170.31
ब्याज लागत	3,607.80	3,165.52
योजनागत आस्तियों पर प्रत्याशित लाभ	(3,602.00)	(3,180.68)
परिवर्ती ब्याज की कमी	-	-
अनुसूची 16 में शामिल नियत हित लाभ योजनाओं की कुल लागत कर्मचारियों के लिए भुगतान और प्रावधान	2,204.78	2,155.15
तुलन-पत्र में मान्यता प्राप्त निवल देयता/(आस्ति) आरंभिक और अंतिम शेष का समाधान		
1 अप्रैल को प्रारंभिक निवल देयता	-	-
उपरोक्त के अनुसार व्यय	2,204.78	2,155.15
नियोक्ता का अंशदान	(2,204.78)	(2,155.15)
तुलन-पत्र में शामिल निवल देयता / (आस्ति)	-	-

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

31 मार्च 2025 को भविष्य निधि की योजनागत आस्ति के तहत निवेश इस प्रकार हैं:

आस्ति की श्रेणी	भविष्य निधि
	योजनागत आस्ति का %
केंद्र सरकार प्रतिभूति	16.53%
राज्य सरकार प्रतिभूति	38.34%
ऋण प्रतिभूतियां, मुद्रा बाजार प्रतिभूतियां और बैंक जमाराशियाँ	31.96%
म्यूचुअल फंड	10.13%
अन्य	3.04%
कुल	100.00%

प्रमुख बीमांकिक आकलन

विवरण	भविष्य निधि	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बढ़ा दर	6.82%	7.21%
गारंटीकृत प्रतिलाभ	8.25%	8.15%
पलायन दर	2.00%	2.00%
वेतन वृद्धि	6.00%	6.00%

- i) एसबीआई कर्मचारी भविष्य निधि के तहत देयता पर गारंटीकृत प्रतिलाभ लागू है जो नीचे दिए गए बिंदुओं से कम नहीं हो सकता :
- क) पूर्ववर्ती वर्ष (31 मार्च को समाप्त होने वाला) में बारह महीनों के लिए निर्धारित नई जमाराशियों के लिए बैंक द्वारा उद्धृत औसत मानक दर (ब्याज एक चौथाई प्रतिशत तक ऊपर या नीचे समायोजित) से आधा प्रतिशत अधिक; या
- ख) प्रति वर्ष तीन प्रतिशत, कार्यकारी समिति के अनुमोदन के अधीन।
- ii) किसी ट्रस्ट द्वारा संचालित एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के भविष्य निधि के नियमों के अनुसार, यदि ट्रस्ट बोर्ड निवेश पर कम प्रतिफल या किसी अन्य कारण से, सरकार द्वारा कर्मचारी भविष्य निधि के पैरा 60 के तहत कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 के लिए घोषित दर पर ब्याज का भुगतान करने में असमर्थ है, तो उस कमी को कंपनी द्वारा पूरा किया जाएगा।

2.2.2 नियत अंशदान योजनाएं

2.2.2.1 कर्मचारी भविष्य निधि

समूह द्वारा भविष्य निधि योजना हेतु 89.65 करोड़ (पिछले वर्ष 64.17 करोड़) की राशि का अंशदान दिया गया है (नोट 2.2.1.2 में शामिल संस्थाओं को छोड़कर) और इसे लाभ एवं हानि खाते में कर्मचारियों के लिए भुगतान और प्रावधान शीर्ष के तहत शामिल किया गया है।

2.2.2.2 नियत अंशदान पेंशन योजना

एसबीआई की एक नियत अंशदान पेंशन योजना (डीसीपीएस) है जो 1 अगस्त 2010 को या उसके बाद एसबीआई में शामिल होने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की सभी श्रेणियों के लिए लागू है। इस योजना का प्रबंधन पेंशन निधि नियामक और विकास प्राधिकरण के तत्वावधान में एनपीएस ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड को एनपीएस के लिए सेंट्रल रिकॉर्ड कीपिंग एजेंसी के रूप में नियुक्त किया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, एसबीआई ने 1,797.66 करोड़ (पिछले वर्ष 1,552.41 करोड़) का अंशदान दिया है।

2.2.2.3 परिभाषित योगदान योजनाओं के लिए समूह (एसबीआई को छोड़कर) द्वारा निम्नलिखित राशि प्रदान की जाती है:

क्र.सं. दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ	(₹ करोड़ में)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 पीएफ अधिनियम के तहत कर्मचारी पेंशन योजना	37.15	44.06
2 राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली	23.89	10.32
3 अन्य	15.38	14.80
कुल	76.42	69.18

2.2.3 दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ (अनिधिक दायित्व):

2.2.3.1 संचित क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति (अर्जित अवकाश)

निम्नलिखित तालिका स्वतंत्र बीमाकर्तों द्वारा बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार संचित क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति (अर्जित अवकाश) की स्थिति निर्धारित करती है:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	संचित क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति (अर्जित अवकाश)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नियत हित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन		
1 अप्रैल को प्रारंभिक नियत हित लाभ दायित्व	13,554.79	11,078.32
वर्तमान सेवा लागत	464.43	365.78
ब्याज लागत	976.69	828.31
देयता निवर्तमान संयुक्त उद्यम से संबंधित है	0.17	-
बीमांकिक हानि/(लाभ)	2,108.56	2,378.98
भुगतान किया गया लाभ	(1,196.42)	(1,096.60)
31 मार्च को समाप्त नियत हित लाभ दायित्व	15,908.22	13,554.79
लाभ एवं हानि खाते में मान्यता प्राप्त शुद्ध लागत		
वर्तमान सेवा लागत	464.43	365.78
ब्याज लागत	976.69	828.31
बीमांकिक (लाभ)/हानि	2,108.56	2,378.98
अनुसूची 16 में शामिल नियत हित लाभ योजनाओं की कुल लागत कर्मचारियों के लिए भुगतान और प्रावधान	3,549.68	3,573.07
तुलन-पत्र में मान्यता प्राप्त निवल देयता /(आस्ति) के आरंभिक और इतिशेष का समाधान		
1 अप्रैल को प्रारंभिक निवल देयता	13,554.79	11,078.32
उपरोक्त के अनुसार व्यय	3,549.68	3,573.07
देयता निवर्तमान संयुक्त उद्यम से संबंधित है	0.17	-
नियोक्ता का अंशदान	-	-
नियोक्ता द्वारा सीधे प्रदत्त लाभ	(1,196.42)	(1,096.60)
तुलन-पत्र में शामिल निवल देयता /(आस्ति)	15,908.22	13,554.79

प्रमुख बीमांकिक आकलन:

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बढ़ा दर	6.82%	7.21%
वेतन वृद्धि	6.00%	6.00%
पलायन दर	2.00%	2.00%

संचित क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति (अर्जित अवकाश) (उपरोक्त तालिका में शामिल संस्थाओं को छोड़कर)

समूह द्वारा 79.15 करोड़ (पिछले वर्ष 62.56 करोड़) की राशि (उपरोक्त तालिका में शामिल संस्थाओं को छोड़कर) अर्जित अवकाश (नकदीकरण) के लिए प्रदान किए गए हैं, जिसमें सेवानिवृत्ति के समय अवकाश नकदीकरण शामिल है और इसे लाभ एवं हानि खाते में कर्मचारियों के लिए भुगतान और प्रावधान शीर्ष के तहत शामिल किया गया है।

2.2.3.2 अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी हित लाभ

समूह द्वारा 94.40 करोड़ (पिछले वर्ष 198.87 करोड़) की राशि अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी हित लाभ जैसे अवकाश यात्रा और गृह यात्रा रियायत (नकदीकरण/लाभ), रजत जयंती/दीर्घकालिक सेवा पुरस्कार, सेवानिवृत्ति पर पुनर्वासि व्यय और सेवानिवृत्ति पुरस्कार के लिए प्रदान किए गए हैं, जिसे लाभ एवं हानि खाते में कर्मचारियों के लिए भुगतान और प्रावधान शीर्ष के तहत शामिल किया गया है।

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

2.2.4 ऊपर सूचीबद्ध कर्मचारी हित लाभ भारत में स्थित समूह के कर्मचारियों के संबंध में हैं। विदेशी परिचालनों के कर्मचारी उपर्युक्त योजनाओं में शामिल नहीं हैं।

2.3 लेखा मानक-17 खंडवार सूचना:

2.3.1 खंड अभিনিर्धारण

क) प्राथमिक (व्यवसाय खंड)

समूह के प्राथमिक खंड निम्नलिखित हैं:

- ट्रेजरी
- कॉर्पोरेट/थोक बैंकिंग
- खुदरा बैंकिंग
- बीमा व्यवसाय
- अन्य बैंकिंग व्यवसाय

समूह की वर्तमान लेखा और सूचना प्रणाली में उपर्युक्त खंडों के संबंध में अलग से डेटा को कैप्चर करने और प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं है। तथापि, वर्तमान आंतरिक, संगठनात्मक और प्रबंधकीय रिपोर्टिंग संरचना और उनके जोखिम और रिटर्न की प्रकृति के आधार पर, प्राथमिक खंडों के आंकड़ों की गणना निम्नानुसार की गई है:

- क) ट्रेजरी: ट्रेजरी खंड में संपूर्ण निवेश पोर्टफोलियो और विदेशी विनिमय व डेरिवेटिव संविदाओं में व्यापार शामिल है। ट्रेजरी खंड की आय में मुख्य रूप से फीस तथा ट्रेडिंग परिचालनों से होनेवाले लाभ या हानि और निवेश पोर्टफोलियो की ब्याज आय शामिल होती है।
- ख) कॉर्पोरेट/ थोक बैंकिंग: कॉर्पोरेट/थोक बैंकिंग खंड में कॉर्पोरेट लेखा समूह, वाणिज्यिक ग्राहक समूह और दबावग्रस्त आस्ति समाधान समूह की ऋण गतिविधियां शामिल हैं। इनमें कॉर्पोरेट और संस्थागत ग्राहकों को ऋण और लेन-देन सेवाएं प्रदान करना शामिल है और इसके अलावा विदेश स्थित कार्यालयों/इकाइयों के गैर-ट्रेजरी परिचालन शामिल हैं।
- ग) खुदरा बैंकिंग: खुदरा बैंकिंग खंड में खुदरा शाखाएं शामिल हैं, जिसमें मुख्य रूप से वैयक्तिक बैंकिंग गतिविधियां शामिल हैं, जिसमें इन शाखाओं के साथ बैंकिंग संबंध रखने वाले कॉर्पोरेट ग्राहकों को उधार गतिविधियां शामिल हैं। इस खंड में एजेंसी व्यवसाय और एटीएम भी शामिल हैं। लेखा मानक 17 के तहत प्रकटीकरण के उद्देश्य से आरबीआई परिपत्र क्र. डीओआर.एयूटी.आरईसी.12/22.01.001/2022-23 दिनांक 7 अप्रैल 2022, के अनुसार - खंड रिपोर्टिंग डिजिटल बैंकिंग को खुदरा बैंकिंग खंड के तहत एक उप-खंड के रूप में निर्धारित किया गया है।
- घ) बीमा व्यवसाय: बीमा व्यवसाय खंड में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के परिणाम शामिल हैं।
- ङ) अन्य बैंकिंग व्यवसाय: उपरोक्त (क) से (घ) के तहत वर्गीकृत नहीं किए गए खंडों को इस प्राथमिक खंड के तहत वर्गीकृत किया गया है। इस खंड में समूह के एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के अलावा अन्य सभी गैर-बैंकिंग अनुषंगियाँ/संयुक्त उद्यमों के परिचालन भी शामिल हैं।

ख) द्वितीयक (भौगोलिक खंड):

क) घरेलू परिचालन- भारत में परिचालित शाखाएं, अनुषंगियाँ और संयुक्त उद्यम।

ख) विदेशी परिचालन- शाखाएं, अनुषंगियाँ और संयुक्त उद्यम जिनका परिचालन भारत के बाहर है और ऑफशोर बैंकिंग इकाइयां जिनका परिचालन भारत में है।

ग) अंतर-खंडीय अंतरण का मूल्य निर्धारण

खुदरा बैंकिंग खंड प्राथमिक संसाधन जुटाने वाली इकाई है। कॉर्पोरेट/थोक बैंकिंग और ट्रेजरी खंड खुदरा बैंकिंग से निधि प्राप्त करते हैं। बाजार से संबंधित फंड ट्रांसफर प्राइसिंग (एमआरएफटीपी) का अनुसरण किया जाता है जिसके तहत फंडिंग सेंटर नामक एक अलग इकाई बनाई गई है। निधियन केंद्र व्यवसाय इकाइयों द्वारा जमा अथवा उधार के रूप में सृजित की जाने वाली निधियों का कल्पित क्रय करती है तथा आस्तियाँ सृजित करने वाली व्यवसाय इकाइयों को निधियों का कल्पित विक्रय करती है।

घ) आय, व्यय, आस्तियाँ और देयताओं का आबंटन

कॉर्पोरेट/थोक और खुदरा बैंकिंग परिचालन खंड अथवा ट्रेजरी परिचालन खंड से संबंधित कॉर्पोरेट केन्द्र संस्थापनाओं पर किए गए खर्च को उसी अनुसार आबंटित किया जाता है। जो व्यय सीधे संबंधित नहीं हैं वह प्रत्येक खंड में कर्मचारियों की संख्या के अनुपात/प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी व्यय के अनुपात के आधार पर आबंटित किए जाते हैं।

समूह के पास कुछ सामान्य आस्ति और देयताएँ हैं, जिन्हें किसी भी खंड के लिए शामिल नहीं किया जा सकता है, और उन्हें गैर-आबंटित श्रेणी में रखा गया है।

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

2.3.2. खंडवार सूचना

भाग ए: प्राथमिक (व्यवसाय) खंड:

(₹ करोड़ में)								
व्यवसाय खंड	ट्रेजरी	कॉर्पोरेट/ थोक बैंकिंग	खुदरा बैंकिंग			बीमा व्यवसाय	अन्य बैंकिंग परिचालन	कुल
			डिजिटल बैंकिंग	अन्य	कुल			
				खुदरा बैंकिंग				
आय (विशेष मदों से पूर्व)	1,34,627.51	1,48,999.81	7,731.44	2,33,942.93	2,14,674.37	1,14,142.61	31,108.69	6,70,552.99
	(1,24,225.02)	(1,32,845.50)	(5,244.90)	(2,04,491.84)	(2,09,736.74)	(1,05,459.40)	(27,616.02)	(5,99,882.68)
गैर-आबंटित आय								1,815.45
								(2,261.66)
घटाएँ: अंतर-खंड आय								9,025.12
								(7,569.44)
कुल आय								6,63,343.32
								(5,94,574.90)
परिणाम (विशेष मदों से पूर्व)	16,236.59	29,009.09	15,362.84	43,798.28	59,161.12	3,369.87	8,376.83	1,16,153.50
	(14,244.56)	(40,797.94)	(7,796.87)	(32,143.29)	(39,940.16)	(2,404.12)	(8,161.49)	(1,05,548.27)
घटाएँ: विशेष मद								-
								(7,100.00)
परिणाम (विशेष मदों के बाद)								1,16,153.50
								(98,448.27)
गैर-आबंटित आय(+)								-9,788.20
/व्यय(-) निवल								(-7,208.23)
कर पूर्व लाभ/(हानि)								1,06,365.30
								(91,240.04)
कर								27,348.14
								(23,101.78)
विशेष लाभ								-
								(-)
सहयोगियों के लाभ में हिस्सेदारी से पहले निवल लाभ/(हानि) और अल्पांश हित								79,017.16
								(68,138.26)
जोड़ें: सहयोगियों के लाभ में हिस्सा								1,505.47
सहयोगी								(1,405.16)
घटाएँ: अल्प मदों पर ब्याज								2,961.29
								(2,458.75)
समूह के लिए निवल लाभ/(हानि)								77,561.34
								(67,084.67)
अन्य सूचना:								
खंड आस्तियां	17,93,715.85	19,61,388.61	86,505.30	27,96,967.68	28,83,472.98	4,79,213.95	1,17,702.33	72,35,493.72
	(18,05,145.08)	(17,37,823.44)	(75,117.91)	(25,38,954.68)	(26,14,072.59)	(4,17,545.67)	(99,852.13)	(66,74,438.91)
गैर-आबंटित आस्तियां								78,691.62
								(59,339.89)
कुल आस्तियां								73,14,185.34
								(67,33,778.80)
खंड देयताएं	15,50,224.97	17,86,889.78	9,08,506.47	17,79,917.33	26,88,423.80	4,57,657.07	84,853.21	65,68,048.83
	(15,97,152.27)	(16,56,663.36)	(6,95,316.15)	(16,90,063.26)	(23,85,379.41)	(3,98,131.10)	(73,759.55)	(61,11,085.69)
गैर-आबंटित देयताएं								2,59,099.75
								(2,07,753.94)
कुल देयताएं								68,27,148.58
								(63,18,839.63)

(i) आय/व्यय पूरे वर्ष के लिए हैं। आस्ति/देयताएं 31 मार्च 2025 तक हैं।

(ii) कोष्ठक में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष के हैं।

भाग ख: द्वितीयक (भौगोलिक) खंड

(₹ करोड़ में)

	घरेलू		विदेशी		कुल	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आय (विशेष मदों से पहले) [#]	6,14,607.12	5,49,738.03	48,736.20	44,836.87	6,63,343.32	5,94,574.90
निवल लाभ [#]	63,897.01	53,693.65	13,664.33	13,391.02	77,561.34	67,084.67
आस्तियां [*]	64,46,196.87	59,93,897.80	8,67,988.47	7,39,881.00	73,14,185.34	67,33,778.80
देयताएं [*]	59,71,457.12	55,89,635.44	8,55,691.46	7,29,204.19	68,27,148.58	63,18,839.63

[#] 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए^{*} 31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार

2.4 लेखा मानक- 18 संबंधित पक्षों का प्रकटन:

2.4.1 समूह से संबंधित पक्ष :

क. संयुक्त उद्यम:

1. सी-एज टेक्नोलॉजीज लिमिटेड
2. जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड
3. एसबीआई मैकेरी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड
4. एसबीआई मैकेरी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड
5. मैकेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट पीटीई लिमिटेड
6. मैकेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी लिमिटेड
7. ओमान इंडिया ज्वाइंट इन्वेस्टमेंट फंड-मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
8. ओमान इंडिया ज्वाइंट इन्वेस्टमेंट फंड-ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड

ख. सहयोगी:

i. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

1. आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक
2. अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक
3. छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक
4. इलाकाई देहाती बैंक
5. मध्यांचल ग्रामीण बैंक
6. मेघालय ग्रामीण बैंक
7. मिजोरम ग्रामीण बैंक
8. नागालैंड ग्रामीण बैंक
9. सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक
10. उत्कल ग्रामीण बैंक
11. उत्तराखंड ग्रामीण बैंक
12. झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक
13. राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक
14. तेलंगाना ग्रामीण बैंक

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

ii. अन्य

1. द क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
2. बैंक ऑफ भूटान लिमिटेड
3. यस बैंक लिमिटेड
4. इन्वेस्टेक कैपिटल सर्विसेज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड

ग) एसबीआई के प्रमुख प्रबंधन कार्मिक:

1. श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, अध्यक्ष (28 अगस्त 2024 से)
2. श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष (27 अगस्त 2024 तक)
3. श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक (अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार और प्रौद्योगिकी, 27 अगस्त 2024 तक)
4. श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (कॉर्पोरेट बैंकिंग और सहायक)
5. श्री आलोक कुमार चौधरी, प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन और एसएआरजी) (30 जून 2024 तक)
6. श्री विनय एम. तोन्से, प्रबंध निदेशक (खुदरा व्यापार और परिचालन)
7. श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह, प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन और एसएआरजी) (7 अगस्त 2024 से)
8. श्री राम मोहन राव अमारा, प्रबंध निदेशक (अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार और प्रौद्योगिकी) (18 दिसंबर 2024 से)

2.4.2 वर्ष के दौरान जिन पक्षकारों के साथ लेनदेन किए गए:

लेखा मानक (एस) 18 के पैराग्राफ 9 के अंतर्गत सरकार नियंत्रित उद्यम के संबंधित पक्ष के संबंध में कोई प्रकटीकरण अपेक्षित नहीं है। इसके अलावा, एस 18 के पैराग्राफ 5 के अंतर्गत, प्रमुख प्रबंधन कर्मियों तथा प्रमुख प्रबंधन कर्मियों के संबंधियों सहित बैंकर-ग्राहक संबंधों की प्रकृति वाले लेनदेनों का प्रकटीकरण नहीं किया गया है।

2.4.3 लेन-देन और शेष राशियां:

विवरण	सहयोगी/ संयुक्त उद्यम			प्रमुख प्रबंधन कार्मिक और उनके संबंधी			योग		
	सहयोगी/ संयुक्त उद्यम			प्रमुख प्रबंधन कार्मिक और उनके संबंधी			योग		
बकाया	31 मार्च 2025			31 मार्च 2024					
उधार राशि	40.03	-	40.03	408.64	-	408.64			
जमाराशि	622.37	-	622.37	1,938.05	-	1,938.05			
अन्य देयताएं	19.64	-	19.64	77.09	-	77.09			
बैंकों के पास बकाया और मांग और अल्प सूचना पर प्राप्य राशि	0.45	-	0.45	4.82	-	4.82			
अग्रिम	3,116.64	-	3,116.64	1,868.59	-	1,868.59			
निवेश	7,972.14	-	7,972.14	8,032.79	-	8,032.79			
अन्य आस्तियां	9.00	-	9.00	465.66	-	465.66			
गैर-निधि प्रतिबद्धताएं (एलसी/बीजी)	237.05	-	237.05	96.23	-	96.23			
अधिकतम बकाया	वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान			वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान					
उधार राशि	1,141.06	-	1,141.06	1,518.00	-	1,518.00			
जमाराशि	3,516.89	-	3,516.89	6,410.68	-	6,410.68			
अन्य देयताएं	173.95	-	173.95	104.62	-	104.62			
बैंकों के पास बकाया और मांग और अल्प सूचना पर प्राप्य राशि	7.88	-	7.88	709.14	-	709.14			
अग्रिम	3,250.62	-	3,250.62	2,204.87	-	2,204.87			
निवेश	8,032.79	-	8,032.79	8,233.17	-	8,233.17			
अन्य आस्तियां	723.07	-	723.07	513.25	-	513.25			
गैर-निधि प्रतिबद्धताएं (एलसी/बीजी)	237.05	-	237.05	96.23	-	96.23			

(₹ करोड़ में)

विवरण	सहयोगी/ संयुक्त उद्यम	प्रमुख प्रबंधन कार्मिक और उनके संबंधी	योग	सहयोगी/ संयुक्त उद्यम	प्रमुख प्रबंधन कार्मिक और उनके संबंधी	योग
	वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान			वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान		
वर्ष के दौरान						
ब्याज आय	395.45	-	395.45	143.15	-	143.15
ब्याज व्यय	93.29	-	93.29	148.14	-	148.14
लाभांश के माध्यम से अर्जित आय	29.34	-	29.34	26.89	-	26.89
अन्य आय	5.59	-	5.59	3.66	-	3.66
अन्य व्यय	92.30	-	92.30	71.18	-	71.18
भूमि/भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री पर लाभ/ (हानि)	1.61	-	1.61	(1.92)	-	(1.92)
प्रबंधन संविदाएं	-	2.56	2.56	-	2.21	2.21

वर्ष के दौरान कोई महत्वपूर्ण संबंधित पक्षकार लेनदेन नहीं किया गया है।

2.5 लेखा मानक- 19 पढ़ें:

2.5.1 वित्तीय पढ़ें

1 अप्रैल 2001 को या उसके बाद वित्तीय पढ़ें पर ली गई आस्तियां:

वित्तीय पढ़ें का विवरण नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
बकाया कुल न्यूनतम पढ़ें भुगतान		
1 वर्ष से कम	33.78	75.86
1 से 5 वर्ष	55.63	210.69
5 वर्ष और उससे अधिक	92.05	93.71
कुल	181.46	380.26
देय ब्याज लागत		
1 वर्ष से कम	1.81	21.35
1 से 5 वर्ष	2.00	27.76
5 वर्ष और उससे अधिक	29.76	2.75
कुल	33.57	51.86
देय न्यूनतम पढ़ें भुगतान का वर्तमान मूल्य		
1 वर्ष से कम	31.97	54.51
1 से 5 वर्ष	53.63	182.93
5 वर्ष और उससे अधिक	62.29	90.96
कुल	147.89	328.40

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

2.5.2 परिचालन पट्टा

परिचालन पट्टे पर लिए गए परिसरों की जानकारी नीचे दी गई है:

परिचालन पट्टों में मुख्य रूप से कार्यालय परिसर और कर्मचारी आवास शामिल हैं, जिन्हें नवीकृत करने का विकल्प बैंक के पास है।

गैर-निरस्तीकरण योग्य परिचालन पट्टे पर लिए गए परिसर की देयता नीचे दी गई है:

विवरण	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
1 वर्ष तक	129.77	153.12
1 वर्ष से अधिक और 5 वर्ष तक	586.34	287.42
5 वर्ष से अधिक	173.81	126.76
कुल	889.92	567.30

(₹ करोड़ में)

वर्ष के लिए लाभ एवं हानि खाते में परिचालन पट्टे की भुगतान राशि 4,961.16 करोड़ (पिछला वर्ष 4,720.64 करोड़) है।

2.6 लेखा मानक - 20 प्रति शेयर आय:

बैंक लेखा मानक 20 - प्रति शेयर आय के अनुसार प्रति इक्विटी शेयर पर मूल और कम की गई आय की रिपोर्ट करता है। प्रति शेयर मूल आय की गणना वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से कर पश्चात समेकित शुद्ध लाभ/(हानि) (अल्पांश के अलावा) को विभाजित करके की जाती है।

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
मूल तथा कम किए गए		
वर्ष की शुरुआत में बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या	892,46,11,934	892,46,11,934
वर्ष के दौरान जारी किए गए इक्विटी शेयरों की संख्या	8,100	-
वर्ष के अंत में बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या	892,46,20,034	892,46,11,934
प्रति शेयर मूल आय की गणना में प्रयुक्त इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	892,46,17,147	892,46,11,934
प्रति शेयर कम की गई आय की गणना में प्रयुक्त शेयरों की भारित औसत संख्या	892,46,17,147	892,46,11,934
समूह के लिए निवल लाभ/(हानि) (करोड़ में)	77,561.34	67,084.67
प्रति शेयर मूल आय (₹)	86.91	75.17
प्रति शेयर कम की गई आय (₹)	86.91	75.17
प्रति शेयर सांकेतिक मूल्य (₹)	1.00	1.00

2.7 लेखा मानक- 22 आय पर कर का लेखांकन:

i) वर्ष के दौरान, आस्थगित कर के रूप में लाभ एवं हानि खाते में 464.15 करोड़ (पिछला वर्ष 2,269.31 करोड़) जमा किए गए हैं।

ii) आस्थगित कर आस्तियों और देयताओं के प्रमुख मदों का विभाजन नीचे दिया गया है :

विवरण	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
आस्थगित कर आस्तियां (डीटीए)		
दीर्घावधि कर्मचारी हित लाभ के लिए प्रावधान	13,489.91	13,707.66
अग्रिम के लिए प्रावधान	6,375.49	6,247.29
अन्य आस्तियों/ अन्य देयता के लिए प्रावधान	2,636.94	3,033.08
संचित हानि पर	10.05	30.32
विदेशी मुद्रा परिवर्तन आरक्षित निधि पर	1,325.89	1,101.26
अचल आस्तियों पर मूल्यहास	449.44	456.74
एसबीआई के एफओ से संबंधित डीटीए	502.20	432.86
निवेश पर बाजार मूल्य पर प्रतिफल	24.26	-
अन्य	283.85	261.70
कुल	25,098.03	25,270.91

(₹ करोड़ में)

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
आस्थगित कर देयताएं (डीटीएल)		
अचल संपत्तियों पर मूल्यहास	32.28	38.68
प्रतिभूतियों पर प्रोद्भूत ब्याज पर जो देय नहीं	7,328.15	7,191.40
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (viii) के तहत सृजित विशेष आरक्षित निधि	5,301.47	4,914.57
एसबीआई के एफओ से संबंधित डीटीएल	54.93	7.60
आईसीडीएस- प्रोद्भूत और प्राप्त न हुए आयकर रिफंड पर ब्याज	686.38	990.32
निवेश पर बाजार मूल्य पर प्रतिफल	1,905.68	-
अन्य	202.43	10.85
कुल	15,511.32	13,153.42
निवल आस्थगित कर आस्तियां/(देयताएं)	9,586.71	12,117.49

- iii) एसबीआई ने वित्त वर्ष 2019-20 से कराधान कानून (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा पेश किए गए आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 115बीए के तहत अनुमत कम कर दर के विकल्प का उपयोग किया था।
- iv) एसबीआई की शाखाएं / कार्यालय भारत के बाहर परिचालन करते हैं और आठ देशों में जहां यह शाखाएं संचालित कर रहा है, पिलर 2 कानून अधिनियमित या वास्तविक रूप से अधिनियमित किया गया है लेकिन रिपोर्टिंग अवधि के प्रमुख भाग के लिए अभी तक प्रभावी नहीं है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए, इन विदेशी शाखाओं ने पिलर 2 कानून के तहत किसी भी कर का भुगतान नहीं किया है।

2.8 लेखा मानक - 28 आस्तियों की क्षति:

प्रबंधन की दृष्टि में, वर्ष के दौरान गैर-मौद्रिक आस्तियों में किसी क्षति का संकेत नहीं है।

2.9 लेखा मानक- 29 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक आस्तियां

- लाभ एवं हानि खाते में शामिल प्रावधान और आकस्मिकताएं:
प्रावधानों का विवरण नीचे दी गई तालिका में दिया गया है:

		(₹ करोड़ में)	
क्र.	लाभ एवं हानि खाते में व्यय शीर्ष के अंतर्गत दर्शाए गए प्रावधान और आकस्मिकताओं का विवरण	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
क)	कराधान के लिए प्रावधान		
	- वर्तमान कर	27,822.46	25,361.28
	- सृजित आस्थगित कर आस्ति	(464.15)	(2,269.31)
	- (प्रतिलेखन)/आयकर का अतिरिक्त प्रावधान	(10.17)	9.81
ख)	अनर्जक आस्तियों पर प्रावधान	18,533.66	12,193.57
ग)	पुनर्चित आस्तियों पर प्रावधान	(28.14)	48.30
घ)	मानक आस्तियों पर प्रावधान	338.09	(1,264.48)
ई)	निवेश पर मूल्यहास के लिए प्रावधान	482.88	(604.11)
च)	अन्य प्रावधान	134.68	(2,668.31)
	कुल	46,809.31	30,806.75

(कोष्ठक में दिए गए आंकड़े क्रेडिट दर्शाते हैं)

- अस्थायी प्रावधान:

		(₹ करोड़ में)
क्र.सं.	विवरण	चालू वर्ष
क)	अधिशेष	193.75
ख)	वर्ष के दौरान वृद्धि	-
ग)	वर्ष के दौरान आहरण	-
घ)	इति शेष	193.75

अनुसूची

31 मार्च 2025 को समेकित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

➤ आकस्मिक देनदारियों का विवरण (एस-29):

क्रमांक विवरण	संक्षिप्त विवरण
1 समूह के विरुद्ध दावे जो ऋण के रूप में स्वीकृत नहीं हैं	व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया में बैंक एवं उसके घटक विभिन्न कार्यवाहियों में एक पक्ष होते हैं। बैंक यह अपेक्षा नहीं करता है कि इन कार्यवाहियों के परिणामस्वरूप बैंक की वित्तीय स्थितियां, परिचालन परिणाम या नकदी प्रवाह पर बहुत अधिक प्रतिकूल पड़ेगा। कुछ मामलों में कर निर्धारण अपील विचाराधीन हैं तथा बैंक उन विभिन्न मामलों में भी एक पक्ष है।
2 आंशिक प्रदत्त निवेशों/उद्यम निधि पर देयताएं	यह मद आंशिक रूप से चुकता निवेशों के लिए चुकता न की गई शेष राशि की देयता को दर्शाती है। इसमें जोखिम पूंजी निधियों हेतु अनाहरित प्रतिबद्धताएं भी शामिल हैं।
3 बकाया वायदा विनिमय संविदाओं के कारण देयताएं	समूह अपने सामान्य व्यावसायिक कार्यकलाप के भाग के रूप में, भविष्य की किसी तारीख को पूर्व-निर्धारित दर पर मुद्रा परिवर्तन के लिए विदेशी मुद्रा विनिमय संविदाएं करता है। वायदा मुद्रा विनिमय संविदाएं, संविदागत दर पर निर्धारित तारीख को विदेशी मुद्रा खरीदने या बेचने के लिए प्रतिबद्धता होती है। कल्पित राशि को आकस्मिक देयताओं के रूप में दर्ज किया जाता है। अपने ग्राहकों के साथ किए गए लेनदेन के संबंध में संतुलन साधने के लिए सामान्यतः बैंक अंतर-बैंक बाजार में प्रतिसंतुलन लेनदेन करता है। इसका परिणाम बड़ी संख्या में बकाया लेनदेन होता है, और इसलिए संविभाग की सकल कल्पित मूल राशि की मात्रा भी बहुत बढ़ जाती है, जबकि निवल बाजार जोखिम बहुत कम होता है।
4 ग्राहकों की ओर से दी गई गारंटियां, स्वीकृतियां, परांकन तथा अन्य दायित्व	अपनी सामान्य वाणिज्यिक बैंकिंग कार्यकलापों के एक भाग के रूप में समूह, अपने ग्राहकों की ओर से दस्तावेजी क्रेडिट और गारंटी जारी करता है। दस्तावेजी ऋण से समूह के ग्राहकों की साखर बढ़ती है। गारंटियां आम तौर पर अपरिवर्तनीय आश्वासन होती हैं कि यदि ग्राहक अपने वित्तीय या निष्पादन दायित्वों को पूरा करने में विफल रहता है तो बैंक उनका भुगतान करेगा।
5 अन्य मदें जिनके लिए समूह आकस्मिक रूप से उत्तरदायी है	समूह अपने स्वयं के खाते में और ग्राहकों के लिए अंतर-बैंक प्रतिभागियों के साथ मुद्रा विकल्प, वायदा दर करार, मुद्रा स्वेप और ब्याज दर स्वेप में प्रवेश करता है। मुद्रा अदला-बदली, पूर्व निर्धारित दरों के आधार पर एक मुद्रा में ब्याज/मूलधन के रूप में नकदी प्रवाह को दूसरी मुद्रा में विनिमय करने की प्रतिबद्धता है। ब्याज दर स्वेप, ब्याज की स्थिर और अस्थिर दर नकदी प्रवाहों का विनिमय करने की प्रतिबद्धता है। आकस्मिक देयताओं के रूप में दर्ज की गई काल्पनिक राशियां, आमतौर पर अनुबंधों के ब्याज घटक की गणना के लिए बेंचमार्क के रूप में उपयोग की जाने वाली राशि होती हैं। इसमें संविदाओं की ऐसी अनुमानित राशि भी शामिल है जो पूंजी खाते में डाली जानी है और जिसका प्रावधान नहीं किया गया है, बैंक द्वारा सहयोगियों एवं अनुषंगियों की ओर से जारी चुकौती आश्वासन पत्र, जमाकर्ता शिक्षण एवं जागरूकता निधि खाते के तहत एसबीआई की देयताएं और अन्य विविध आकस्मिक देयताएं भी शामिल हैं।

उपर्युक्त आकस्मिक देयताएं अदालत/मध्यस्थता/अदालत के बाहर निपटान, अपीलों के निपटान, मांगी गई राशि, संविदात्मक दायित्वों की शर्तों, संबंधित पक्षों द्वारा मांग एवं हस्तांतरण करने का दायित्व, जैसा भी मामला हो, के परिणाम पर निर्भर हैं।

➤ आकस्मिक देयताओं की तुलना में प्रावधानों में उतार-चढ़ाव:

आकस्मिक देयताओं की तुलना में प्रावधानों में उतार-चढ़ाव को नीचे दिया गया है:

क्र.सं. विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क आरंभिक अधिशेष	2,620.39	3,115.33
ख वर्ष के दौरान परिवर्धन	199.37	138.63
ग वर्ष के दौरान उपयोग की गई राशि	9.39	534.19
घ वर्ष के दौरान अप्रयुक्त राशि की वापसी	273.05	99.38
ड. इतिशेष	2,537.32	2,620.39

- समूह संस्थाओं के बीच अंतर-बैंक/कंपनी की शेष राशि का समाधान निरंतर आधार पर किया जा रहा है और चालू वर्ष के लाभ-हानि खाते पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।
- दिनांक 11 अक्टूबर 2022 के आरबीआई परिपत्र संख्या डीओआर.एसीसी.आरईसी.सं.74/21.04.018/2022-23 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार, 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आरबीआई की पर्यवेक्षी प्रक्रिया के संबंध में एसबीआई द्वारा एनपीए के लिए आस्ति वर्गीकरण और प्रावधान में विचलन पर प्रकटीकरण करने की आवश्यकता नहीं है।

5. विशिष्ट मदें

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष की अवधि तक एसबीआई ने निम्नलिखित को विशिष्ट मदों के रूप में मान्यता दी है:

- पेंशन की गणना की मौजूदा दोहरी दर के स्थान पर, सभी पेंशनभोगियों के लिए 50% की समान दर पर पेंशन के कारण अनुमानित देनदारी के लिए 5,400 करोड़ का प्रावधान।
 - नवंबर 2002 से पहले के सेवानिवृत्त लोगों और पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए अनुग्रह लाभ और महंगाई राहत हेतु 1,700 करोड़ का प्रावधान।
6. एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में, लागू जीवन बीमा पॉलिसियों के संबंध में देयताओं का बीमांकिक मूल्यांकन, चालू जीवन बीमा पॉलिसियां, वह जीवन बीमा पॉलिसियां जिनका प्रीमियम बंद कर दिया गया है लेकिन देयता 31 मार्च, 2025 तक मौजूद है, दावे किए गए लेकिन रिपोर्ट नहीं किए गए (आईबीएनआर) और किए गए दावे लेकिन पर्याप्त रिपोर्ट नहीं (आईबीएनईआर) है, उनके मामले में आईआरडीआई की सहमति से भारतीय बीमा नियामक विकास प्राधिकरण (आईआरडीआई) और भारत के बीमांकक संस्थान द्वारा जारी दिशानिर्देशों और मानदंडों के आधार पर नियुक्त बीमांकक द्वारा निर्धारित किए जाते हैं।
 7. जीवन बीमा और सामान्य बीमा अनुषंगियों के निवेशों को भारतीय स्टेट बैंक द्वारा अपनाई गई लेखा नीति के अनुसार दोहराने की बजाय आईआरडीआई दिशानिर्देशों के अनुसार हिसाब में लिया गया है। बीमा सहायक कंपनियों का निवेश 31 मार्च, 2025 तक कुल निवेश का लगभग 21.12% (पिछले वर्ष 18.90%) है।
 8. एसबीआई के केंद्रीय बोर्ड ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए 15.90 प्रति शेयर 1590% का लाभांश घोषित किया है।
 9. भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र डीबीओडी सं. बीपी.बीसी.42/21.01.02/2007-08 के अनुसार, मोचनीय अधिमानी शेयरों (यदि कोई हो) को देयताओं और उन पर देय कूपन को ब्याज के रूप में माना जाता है।
 10. वर्तमान आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार, समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में आईसीआई द्वारा जारी सामान्य स्पष्टीकरण पर विचार किया गया है। तदनुसार, मूल कंपनी और उसकी अनुषंगियों के अलग-अलग वित्तीय विवरणों में प्रकट की गई अतिरिक्त सांविधिक सूचना जो समेकित वित्तीय विवरणों की दृष्टि से सही एवं उचित नहीं है और इसी प्रकार ऐसी मदों से संबंधित सूचना जो महत्वपूर्ण नहीं हैं, आसीआई द्वारा जारी लेखा मानक परिभाषा की दृष्टि से समेकित वित्तीय विवरणों में प्रकट नहीं की गई है।
 11. पिछले वर्ष के आंकड़ों को चालू वर्ष के वर्गीकरण के अनुरूप बनाने के लिए, जहां आवश्यक हो, पुनर्समूहित/पुनर्वर्गीकृत किया गया है। जिन मामलों में आरबीआई के दिशा-निर्देशों/लेखा मानकों के संदर्भ में पहली बार प्रकट किया गया है, वहां पिछले वर्ष के आंकड़ों का उल्लेख नहीं किया गया है।

(000 को छोड़ दिया गया है)

विवरण	31.03.2025 को समाप्त वर्ष ₹	31.03.2024 को समाप्त वर्ष ₹
परिचालन कार्यकलाप से नकदी प्रवाह		
कर पूर्व निवल लाभ / (हानि) (अनुषंगियों के लाभ के हिस्से एवं अल्प मर्दों पर ब्याज सहित)	104909,47,68	90186,44,73
समायोजन:		
अचल आस्तियों पर मूल्यहास	3991,47,67	3849,12,45
अचल आस्तियों के विक्रय पर (लाभ) / हानि (निवल)	16,22,93	25,20,54
निवेशों के पुनर्मूल्यांकन पर (लाभ) / हानि (निवल)	(5179,37,94)	(4892,78,72)
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में किए गए निवेशों की बिक्री पर (लाभ)	7,51,90	-
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में किए गए निवेशों की बिक्री पर हानि	18505,51,54	12241,86,70
अनर्जक आस्तियों और उचित मूल्य में आई कमी के लिए प्रावधान	338,09,15	(1264,47,25)
मानक आस्तियों पर प्रावधान	482,88,52	(604,11,07)
अनर्जक निवेश पर प्रावधान	134,67,73	(2668,30,83)
आकस्मिक देयताओं के लिए प्रावधान सहित अन्य प्रावधान	(1505,47,09)	(1405,15,43)
सहयोगियों के लाभ में हिस्सेदारी	(8,81,46)	(5,57,19)
सहयोगियों से प्राप्त लाभांश	11922,81,50	9661,52,37
	133615,02,13	105123,76,30
समायोजन:		
जमा राशि में वृद्धि / (कमी)	473360,53,19	498001,98,04
पूँजीगत लिखतों के अलावा उधार राशि में वृद्धि / (कमी)	(35148,35,79)	112581,10,52
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में किए गए निवेशों को छोड़कर अन्य निवेशों में (वृद्धि) / कमी	(81890,96,68)	(190457,10,79)
अग्रिमों में (वृद्धि) / कमी	(485063,58,13)	(528612,41,02)
अन्य देयताओं में वृद्धि / (कमी)	56832,98,78	102500,27,51
अन्य आस्तियों में (वृद्धि) / कमी	20542,10,47	(46236,90,64)
	82247,73,97	52900,69,92
कर वापसी / (प्रदत्त कर)	(33761,44,51)	(31268,26,82)
परिचालन कार्यकलाप से उत्पन्न / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	(क) 48486,29,46	21632,43,10
निवेश कार्यकलाप से नकदी प्रवाह		
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में शेयरों की खरीद	100,00	(82,16,10)
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में शेयरों की बिक्री	(7,51,90)	-
सहयोगियों से प्राप्त लाभांश	9,00,09	5,57,19
अचल आस्तियों में कमी / (वृद्धि)	(5637,22,41)	(4175,12,62)
निवेश कार्यकलाप से उत्पन्न / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	(ख) (5634,74,22)	(4251,71,53)

(000 को छोड़ दिया गया है)

विवरण	31.03.2025 को समाप्त वर्ष ₹	31.03.2024 को समाप्त वर्ष ₹
वित्तपोषण कार्यक्रमों से नकदी प्रवाह		
शेयर प्रीमियम सहित इक्विटी शेयर के निर्गम से प्राप्त राशि (निवल शेयर जारी करने से संबंधित व्यय)	12,88	-
पूंजीगत लिखतों का निर्गम	21500,00,00	20164,64,79
पूंजीगत लिखतों का मोचन	(15103,90,00)	(14288,20,00)
पूंजीगत लिखतों पर ब्याज	(10270,90,00)	(8589,25,32)
प्रदत्त लाभांश	(12226,71,83)	(10084,81,15)
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों द्वारा प्रदत्त लाभांश	(31,84,93)	(12,40,81)
अल्प मर्दों पर ब्याज में वृद्धि / (कमी)	2394,15,88	2913,74,49
वित्तपोषण कार्यक्रमों से प्राप्त / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	(ग) (13739,08,00)	(9896,28,00)
अंतरण आरक्षित निधियों पर विनिमय परिवर्तनों का प्रभाव	(घ) 2248,16,69	775,95,81
नकदी एवं नकदी समतुल्यों में निवल वृद्धि / (कमी) (क+ख+ग+घ)	31360,63,93	8260,39,38
1 अप्रैल को नकदी एवं नकदी समतुल्य	326572,30,35	318311,90,97
31 मार्च को नकदी एवं नकदी समतुल्य	357932,94,28	326572,30,35
नोट:		
1. नकदी और नकदी समतुल्यों के घटकों की स्थिति:	31.03.2025	31.03.2024
नकदी एवं भारतीय रिजर्व बैंक में जमा राशियां	227485,15,69	225356,33,61
बैंकों के पास जमा राशियां तथा मांग एवं अल्पसूचना पर प्राप्त राशि	130447,78,59	101215,96,74
योग	357932,94,28	326572,30,35
2. परिचालन गतिविधियों से प्राप्त नकदी प्रवाह को अप्रत्यक्ष पद्धति से रिपोर्ट किया गया है।		
3. चूंकि 01.04.2024 (संक्रमण तिथि) से पहले की अवधि के लिए आरबीआई मास्टर निर्देश दिनांक 12.09.2023 का प्रभाव निश्चित नहीं है, इसलिए विव23-24 के संबंधित आंकड़ों को फिर से समूहीकृत नहीं किया जाता है।		

श्री राम मोहन राव अमारा

प्रबंध निदेशक

(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार और प्रौद्योगिकी)

श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह

प्रबंध निदेशक

(जोखिम अनुपालन और एसएआरजी)

श्री विनय एम. तोन्से

प्रबंध निदेशक

(खुदरा व्यापार और परिचालन)

श्री अश्विनी कुमार तिवारी

प्रबंध निदेशक

(कॉर्पोरेट बैंकिंग और अनुषंगियां)

इस तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

एफआरएन 009073EZ/N500320

श्री चला श्रीनिवासुलु शेट्टी

अध्यक्ष

सीए सुमित कुमार

भागीदार

एम नंबर 512555

स्थान: मुंबई

दिनांक: 03 मई 2025

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

प्रति
निदेशक मंडल,
भारतीय स्टेट बैंक,

बैंक के समेकित वित्तीय विवरणों पर लेखा परीक्षा रिपोर्ट

अभिमत

1. हमने भारतीय स्टेट बैंक (बैंक) और इसकी सहायक कंपनियों (बैंक और इसकी सहायक कंपनियों को एक साथ समूह के रूप में संदर्भित), इसके सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों के समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च, 2025 तक समेकित तुलन पत्र, समेकित लाभ और हानि खाता और उस समय समाप्त वर्ष के लिए समेकित नकदी प्रवाह का विवरण शामिल है, और समेकित वित्तीय वक्तव्यों के लिए नोट्स, जिसमें महत्वपूर्ण लेखा नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी का सारांश शामिल है (इसके बाद समेकित वित्तीय विवरण के रूप में संदर्भित) जिसमें शामिल हैं: (इसके बाद सीएफएस के रूप में संदर्भित)
- क. बैंक के लेखा परीक्षित स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण जो हमारे सहित सभी चौदह सांविधिक केंद्रीय लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षा की गई है;
- ख. अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा 10 विदेशी अनुषंगियों, 16 घरेलू अनुषंगियों, 02 विदेशी संयुक्त उद्यम, 06 घरेलू संयुक्त उद्यम और 17 घरेलू सहयोगियों (14 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों सहित) के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण; और (अनुलग्नक ए में सूचीबद्ध)
- ग. 01 विदेशी अनुषंगी और 01 विदेशी सहयोगी (अनुलग्नक क में सूचीबद्ध) के गैर-लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण।

हमारी अभिमत में और हमें उपलब्ध जानकारी के आधार पर और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, और सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों के अलग-अलग वित्तीय विवरणों पर अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों पर हमारे विचार के आधार पर, अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरण और प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत सहायक कंपनियों की अन्य वित्तीय जानकारी, उपर्युक्त समेकित वित्तीय विवरण बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (अधिनियम), भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा समय-समय पर जारी परिपत्रों, दिशानिर्देशों और निर्देशों (आरबीआई दिशानिर्देश) द्वारा अपेक्षित जानकारी देते हैं और समूह, उसके सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों के लिए आवश्यक तरीके से लागू लेखा मानक देते हैं और उपर्युक्त समेकित वित्तीय विवरण भारत में आम तौर पर स्वीकार किए जाने वाले लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप हैं और जो:

- 31 मार्च, 2025 तक समूह के मामलों की स्थिति और उसके सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों की समेकित बैलेंस शीट के मामले में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण;
- उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए समेकित लाभ और हानि खाते के मामले में समूह और उसके सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों के लाभ का सही संतुलन; और
- उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए समेकित नकदी प्रवाह विवरण के मामले में समूह और उसके सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों के नकदी प्रवाह का सही और उचित दृष्टिकोण।

अभिमत का आधार

2. हमने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा पूरी की। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी रिपोर्ट के समेकित वित्तीय विवरण अनुभाग की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियों में वर्णित किया गया है। हम आईसीएआई द्वारा जारी किए गए आचार संहिता के अनुसार समूह से स्वतंत्र हैं, साथ ही नैतिक आवश्यकताओं के साथ जो समेकित वित्तीय विवरणों के हमारी लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक हैं, और हमने इन आवश्यकताओं साथ ही नैतिक आवश्यकताओं के साथ जो बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के तहत समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के लिए प्रासंगिक हैं और समय-समय पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी परिपत्र और दिशानिर्देश, और हमने इन आवश्यकताओं और आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि नीचे दिए गए अन्य मामले पैराग्राफ में संदर्भित अन्य लेखा परीक्षकों की लेखा परीक्षा रिपोर्ट पर विचार करने के साथ-साथ हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य, हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

प्रमुख लेखा परीक्षा मामले

3. प्रमुख लेखा परीक्षा मामले वे मामले हैं जो हमारे पेशेवर निर्णय में वर्तमान अवधि के समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संदर्भ में और उन पर अपनी राय बनाने के संदर्भ में लिया गया है और हम इन मामलों पर एक अलग अभिमत प्रदान नहीं करते हैं। हमने नीचे वर्णित मामलों को बैंक के प्रमुख लेखापरीक्षा मामले के रूप में निर्धारित किया है, जिन्हें हमारी रिपोर्ट में बैंक के लेखापरीक्षकों द्वारा चिन्हित प्रमुख लेखापरीक्षा मामलों के साथ-साथ संबंधित अन्य लेखापरीक्षकों द्वारा रिपोर्ट किए गए प्रमुख लेखापरीक्षा मामलों के संदर्भ में सूचित किया जाना है, जो हमारी राय में महत्वपूर्ण हैं।

क्र.सं. प्रमुख लेखा परीक्षा मामले	लेखापरीक्षा में इस मामले का समाधान कैसे किया गया है
बैंक के एकल वित्तीय विवरणों में रिपोर्ट किए गए प्रमुख लेखा परीक्षा मामले:	
i. अग्रिमों का वर्गीकरण, आय निर्धारण और अनर्जक अग्रिमों की पहचान और उनके लिए प्रावधान (संदर्भ: वित्तीय विवरणों की अनुसूची 17 की टिप्पणी 3 के साथ पठित अनुसूची 9)	आईआरएसी मानदंडों और आरबीआई द्वारा जारी अन्य संबंधित परिपत्रों/निर्देशों और बैंक की आंतरिक नीतियों और प्रक्रियाओं के संदर्भ में अग्रिमों के प्रति हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में नमूना आधार पर नियंत्रणों का परीक्षण शामिल है,
अग्रिमों में बिल की खरीद और डिस्काउंट, कैश क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट, मांग पर प्रस्तुत ऋण तथा मियादी ऋण शामिल हैं। इन्हें आगे बैंक/ सरकारी गारंटी एवं प्रतिभूति रहित (बही ऋण के विरुद्ध ऋण सहित) प्रतिभूति और आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है।	क. हमें लेखापरीक्षा के लिए सौंपी गई शाखाओं के संबंध में आईआरएसी मानदंडों के अनुसार आय निर्धारण, अर्जक और अनर्जक अग्रिम वर्गीकरण तथा प्रावधान करने के लिए सिस्टम में दिए गए डेटा की यथार्थता;
अग्रिम बैंक की कुल संपत्ति का 62.36% है। वे, अन्य बातों के अलावा, आय निर्धारण, परिसंपत्ति वर्गीकरण और प्रावधान मानदंडों (आईआरएसी) और आरबीआई द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अन्य परिपत्रों और निर्देशों द्वारा शासित होते हैं जो विदेशी कार्यालयों के मामले को छोड़कर, अग्रिमों को निष्पादित और गैर-निष्पादित अग्रिमों (एनपीए) में वर्गीकृत करने से संबंधित दिशानिर्देश प्रदान करते हैं, अग्रिमों का वर्गीकरण और उसका प्रावधान स्थानीय नियमों या आरबीआई दिशानिर्देशों, जो भी अधिक कठोर हो, के अनुसार किया जाता है। बैंक इन अग्रिमों को अपनी लेखांकन नीति संख्या 3 के अनुसार आईआरएसी मानदंडों के आधार पर वर्गीकृत करता है।	ख. बैंक की नीतियों और कार्यविधियों के अनुसार मॉनीटरिंग व्यवस्था की उपलब्धता और प्रभावकारिता जैसे आंतरिक लेखापरीक्षा, सिस्टम ऑडिट, क्रेडिट ऑडिट और दैनिक संगामी लेखापरीक्षा;
अर्जक और अनर्जक अग्रिमों की पहचान की उचित व्यवस्था विद्यमान होनी चाहिए का सत्यापन भी शामिल है। बैंक अग्रिमों से संबंधित सभी लेनदेनों के खाते बैंक की अपनी सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली (आईटी सिस्टम) यानी कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) में होनी चाहिए जिनसे अर्जक या अनर्जक अग्रिमों की पहचान होती हो।	ग. भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्रों/दिशानिर्देशों/न्यायिक घोषणाओं के अनुपालन के संबंध में नमूना आधार पर तनावग्रस्त अग्रिमों सहित अग्रिमों की जांच;
इसके अतिरिक्त, एनपीए वर्गीकरण और प्रावधान की गणना (विदेशी कार्यालयों के मामले को छोड़कर) एक अन्य आईटी प्रणाली अर्थात् सेंट्रलाइज्ड क्रेडिट डेटा प्रोसेसिंग (सीसीडीपी) एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर और अन्य प्रक्रियाओं के माध्यम से की जाती है।	घ. हमने एनपीए की ट्रैकिंग लगाने, उनकी पहचान करने और स्टैम्पिंग तथा उनके संबंध में प्रावधान करने के लिए सीबीएस और सीसीडीपी में अंतर्निहित व्यावसायिक तर्कों/मापदंडों के संबंध में आईएडी द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली लेखा परीक्षा की रिपोर्टों पर भरोसा किया है।
यदि, एकल से या समग्र रूप से, आईआरएसी मानदंडों का ठीक से पालन नहीं किया जाता है, तो इन अग्रिमों (प्रावधानों का निवल) का वहन मूल्य वास्तव में गलत बताया जा सकता है।	ङ. हमने उपरोक्त आरबीआई परिपत्र/निर्देशों के अनुसार प्रस्तुति और प्रकटीकरण आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सीसीडीपी एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर और वित्तीय विवरण तैयारी सॉफ्टवेयर में प्रगति की मैपिंग का परीक्षण किया।
लेन-देन की प्रकृति, नियामक आवश्यकताओं, वर्तमान व्यवसाय परिवेश, प्रतिभूतियों के मूल्यांकन और प्रावधानों की गणना में शामिल अनुमान/निर्णय को ध्यान में रखते हुए, यह एकल वित्तीय विवरण इच्छित उपयोगकर्ताओं के लिए उच्च महत्व का मामला है। इन पहलुओं पर विचार करते हुए, हमने इसे एक महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा मामला माना है।	च. हमने बैंक और भारतीय रिजर्व बैंक के निरीक्षण के निगरानी तंत्र के अनुसार आयोजित विभिन्न लेखा परीक्षाओं की प्रकृति, समय और सीमा निर्धारित करने और विभिन्न लेखा परीक्षाओं के अनुपालन के लिए अग्रिमों पर विभिन्न आंतरिक नियंत्रणों की प्रभावकारिता की जांच की है।
तदनुसार, हमारी लेखा परीक्षा शेष राशि की भौतिकता के कारण आय पहचान, आस्ति वर्गीकरण और अग्रिमों से संबंधित प्रावधान पर केंद्रित थी।	छ. हमें लेखापरीक्षा के लिए सौंपी गई शाखाओं की सारभूत कार्यविधियों के पालन में हमने बड़े अग्रिमों/दबाव वाले अग्रिमों की जांच की है जबकि अन्य अग्रिमों की नमूना आधार पर जांच की गई है। हमने बैंक प्रबंध मंडल द्वारा उपलब्ध कराई गई स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं की मूल्यांकन रिपोर्टों की समीक्षा के आधार पर भी जांच की है।
	ज. हमने एनपीए की पहचान और आय के प्रतिवर्तन और प्रावधान के निर्माण की प्रक्रिया का मूल्यांकन और आकलन किया;
	झ. हमने इसमें अन्य सांविधिक शाखा लेखापरीक्षकों की लेखापरीक्षा रिपोर्टों की भी सहायता ली है जिनके साथ हमने इस विषय में विशेष रूप से पत्राचार/ संवाद भी किया।
	ट. बैंक ने प्रक्रियाओं पर नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित की है। हमने इन मानक संचालन प्रक्रियाओं पर भरोसा किया है और इन मानक संचालन प्रक्रियाओं के आधार पर अपना परीक्षण किया है।

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

क्र.सं. प्रमुख लेखा परीक्षा मामले	लेखापरीक्षा में इस मामले का समाधान कैसे किया गया है
ii. निवेशों का वर्गीकरण और मूल्यांकन, अनर्जक निवेशों की पहचान और उनके लिए प्रावधान (अनुसूची 8 अनुसूची 17 के नोट 3 के वित्तीय विवरण के साथ पठित।) निवेश में बैंक द्वारा सरकारी प्रतिभूति, बॉण्ड, डिबेंचर, शेयर, प्रतिभूति प्राप्त और अन्य अनुमोदित प्रतिभूति में किया गया निवेश शामिल है। निवेशों का बैंक की कुल परिसंपत्तियों में 25.32% हिस्सा है। ये भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्रों और निर्देशों द्वारा निर्देशित होते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के इन निर्देशों में अन्य बातों के साथ-साथ निवेशों का मूल्यांकन, निवेशों का वर्गीकरण, गैर-निष्पादित निवेशों की पहचान, तदनुसूची आय की मान्यता न दिए जाने और इसके विरुद्ध प्रावधान शामिल हैं। उपर्युक्त प्रतिभूतियों की प्रत्येक श्रेणी (प्रकार) का मूल्यांकन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी परिपत्रों और निर्देशों में निर्धारित विधि के अनुसार किया जाना है जिसमें विभिन्न स्रोतों जैसे कि एफआईएमएडीए दर्जे, बीएसई/एनएसई पर उद्धृत दर्जे, गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय विवरणों आदि से आंकड़ों/सूचनाओं का संग्रह शामिल है। मूल्यांकन, लेन-देन की मात्रा, हस्तगत निवेशों की मात्रा और विनियामक फोकस की डिग्री में शामिल निर्णय की जटिलताओं और सीमा को ध्यान में रखते हुए, इसे एक प्रमुख लेखा परीक्षा मामले के रूप में निर्धारित किया गया है। तदनुसार, हमारी लेखा परीक्षा निवेश के मूल्यांकन, वर्गीकरण, गैर-निष्पादित निवेशों की पहचान और निवेश से संबंधित प्रावधान पर केंद्रित है।	भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्रों/निर्देशों के संदर्भ में निवेश के प्रति हमारे लेखा परीक्षा दृष्टिकोण में मूल्यांकन, वर्गीकरण, गैर निष्पादित निवेशों (एनपीआई) की पहचान, निवेश से संबंधित प्रावधान/मूल्यहास के संबंध में आंतरिक नियंत्रणों और वास्तविक लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की समझ शामिल थी। विशेष रूप से: क. हमने आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार विभिन्न श्रेणियों में निवेशों के वर्गीकरण के लिए बैंक द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली को समझा और उसकी समीक्षा की; ख. हमने मूल्यांकन, वर्गीकरण, एनपीआई की पहचान, निवेश से संबंधित प्रावधान / मूल्यहास के बारे में प्रासंगिक आरबीआई दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए बैंक की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली का मूल्यांकन किया और इसे समझ लिया। ग. इन निवेशों का उचित मूल्य जानने के लिए विभिन्न स्रोतों से जानकारी प्राप्त करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया का आकलन और मूल्यांकन किया गया; घ. हस्तगत निवेशों के चुनिंदा नमूने के लिए इनके ठीक होने और भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्रों का अनुपालन किए जाने तथा भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्र में प्रत्येक श्रेणी की प्रतिभूति का मूल्यांकन फिर से करने संबंधी निर्देशों के पालन की स्थिति की भी जांच की गई। नमूनों का चयन यह सुनिश्चित करने के बाद ही किया गया है कि सभी श्रेणियों के निवेशों का (प्रतिभूति की प्रकृति के आधार पर) नमूने में समावेश हो जाए; ङ. एनपीआई और आय के तदनुसूची रिवर्सल एवं प्रावधान राशि की गणना की प्रक्रिया की जांच और मूल्यांकन किया; च. सारभूत लेखापरीक्षा कार्यविधियों का पालन किया गया है जिससे भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्रों और निर्देशों के अनुसार प्रावधान राशि और मूल्यहास के लिए भी प्रावधान राशि की अलग से फिर से गणना की जा सके। तदनुसार हमने प्रत्येक श्रेणी के निवेशों के चुनिंदा नमूने एकत्रित किए और भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुसार एनपीआई की गणना की जांच की तथा उन चुनिंदा नमूना एनपीआई के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्रों के अनुसार किए गए प्रावधान की राशि की भी फिर से गणना की; छ. निवेश ऐप्लिकेशन सॉफ्टवेयर और वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए प्रयुक्त सॉफ्टवेयर के बीच निवेशों की मैपिंग की जांच की जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्र के अनुसार प्रस्तुति और प्रकटीकरण की अपेक्षाओं का कैसे अनुपालन किया गया है।
iii. प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करें सहित कतिपय मुकदमों के संबंध में प्रावधानों और आकस्मिक देनदारियों का आकलन, अन्य पक्षों द्वारा दायर किए गए विभिन्न दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है (अनुसूची 12 वित्तीय विवरणों के लिए अनुसूची 18 के नोट 18.13 के साथ पठित) प्रावधान के स्तर का आकलन करने के लिए उच्च स्तर के निर्णय की आवश्यकता होती है। बैंक का मूल्यांकन मामले के तथ्यों, उनके अपने फैसले, पिछले अनुभव, और कानूनी और स्वतंत्र कर सलाहकारों से सलाह द्वारा समर्थित है, जहां भी आवश्यक माना जाता है। तदनुसार, अप्रत्याशित प्रतिकूल परिणाम बैंक के रिपोर्ट किए गए लाभ और तुलन पत्र में प्रस्तुत मामलों की स्थिति को काफी प्रभावित कर सकते हैं। हमने इन मामलों के परिणाम से संबंधित संबंधित अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए उपरोक्त क्षेत्र को एक प्रमुख लेखा परीक्षा मामले के रूप में निर्धारित किया, जिसके लिए कानून की व्याख्या में निर्णय के आवेदन की आवश्यकता होती है। तदनुसार, हमारी लेखा परीक्षा विचाराधीन विषय वस्तु के तथ्यों और इसमें शामिल कानून के निर्णयों / व्याख्या के विश्लेषण पर केंद्रित थी।	हमारी लेखापरीक्षा कार्यविधि में शामिल है: क. लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना ताकि हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन किया जा सके जो परिस्थितियों में उपयुक्त हैं ख. लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक की स्थिति सहित मुकदमों/कर आकलनों की वर्तमान स्थिति को समझना ग. विभिन्न कर प्राधिकरणों/ न्यायिक मंचों से प्राप्त हाल के आदेशों और / या संचार की जांच करना और उन पर अनुवर्ती कार्रवाई करना; घ. इसमें प्रस्तुत आधारों के संदर्भ में विचाराधीन विषय वस्तु की योग्यता का मूल्यांकन करना और हमारे आंतरिक कर विशेषज्ञों की राय सहित उपलब्ध स्वतंत्र कानूनी / कर सलाह ङ. चर्चाओं के माध्यम से बैंक के विवादों के मूल्यांकन की समीक्षा और विश्लेषण, विचाराधीन विषय वस्तु के ब्यौरे का संग्रह, प्रत्याशित परिणाम और उन मुद्दों पर परिणामी प्रत्याशित बहिर्वाह; और च. महत्वपूर्ण मुकदमों और कराधान मामलों से संबंधित प्रकटीकरण का सत्यापन।

क्र.सं. प्रमुख लेखा परीक्षा मामले

- iv कर्मचारियों के परिभाषित लाभ दायित्वों का मूल्यांकन:
- बैंक ने बीमांकिक आधार पर अपने कर्मचारियों के लिए दीर्घकालिक परिभाषित लाभ दायित्वों को मान्यता दी है। पेंशन और ग्रेज्युटी दायित्वों को बैंक द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। बैंक की भविष्य निधि योजना में कमी, यदि कोई हो, बीमांकिक आधार पर भी प्रदान की जाती है। बैंक सालाना स्वतंत्र बाह्य बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर ट्रस्टियों द्वारा प्रशासित फंड में समय-समय पर योगदान देता है। गैर-वित्तपोषित दीर्घकालिक परिभाषित लाभ दायित्वों में क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति, रजत जयंती पुरस्कार, अवकाश यात्रा रियायत, सेवानिवृत्ति पुरस्कार और पुनर्वास भत्ता शामिल हैं। गैर-वित्त पोषित दीर्घकालिक लाभ प्रदान करने की लागत अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके निर्धारित की जाती है, जिसमें प्रत्येक तुलन पत्र की तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन किया जाता है।
- कर्मचारी लाभ दायित्वों का बीमांकिक मूल्यांकन बाजार की स्थितियों और बनाई गई धारणाओं पर निर्भर करता है। मुख्य लेखा परीक्षा मामला विशेष रूप से निम्नलिखित प्रमुख धारणाओं से संबंधित है: छूट दर, मुद्रास्फीति की उम्मीदें और जीवन प्रत्याशा धारणाएं। इन मान्यताओं की स्थापना जटिल है और तीसरे पक्ष के बीमांकिक के समर्थन से महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय की आवश्यकता होती है।

लेखापरीक्षा में इस मामले का समाधान कैसे किया गया है

हमने कार्यप्रणाली और महत्वपूर्ण मान्यताओं पर शासन और नियंत्रण का परीक्षण किया, जिसमें प्रबंधन के विशेषज्ञों के उपयोग के संबंध में भी शामिल है। हमने बाहरी बीमांकिक विशेषज्ञ की रिपोर्टों की जांच की और वित्तीय और जनसांख्यिकीय दोनों में उपयोग की जाने वाली प्रमुख बीमांकिक मान्यताओं की समीक्षा की, और कर्मचारियों के परिभाषित लाभ दायित्वों के बीमांकिक मूल्यांकन के लिए प्रदान किए गए इनपुट डेटा की समीक्षा सहित इन मान्यताओं को प्राप्त करने के लिए लागू पद्धति पर विचार किया। इसके अलावा, हमने परिभाषित लाभ दायित्वों के मूल्यांकन में प्रमुख मान्यताओं पर संवेदनशीलता विश्लेषण की जांच की है। हमने परिभाषित लाभ दायित्व के मूल्यांकन में शामिल प्रबंधन विशेषज्ञ की निष्पक्षता और क्षमता का भी मूल्यांकन किया। हमने देनदारी का अनुमान लगाने के लिए इस्तेमाल की गई पद्धति की उपयुक्तता का आकलन किया और गणना की सटीकता का परीक्षण किया

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के लेखा परीक्षकों द्वारा रिपोर्ट किए गए प्रमुख लेखा परीक्षा मामले:

- v सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली और नियंत्रण (आईटी नियंत्रण):
- सभी बीमा कंपनियां दैनिक रूप से संसाधित होने वाले लेनदेन की बड़ी संख्या के कारण प्रौद्योगिकी पर अत्यधिक निर्भर हैं। कंपनी की वित्तीय प्रक्रियाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा स्वचालित प्रक्रियाओं और लेनदेन के कैप्चरिंग, मूल्यांकन और रिकॉर्डिंग पर नियंत्रण के साथ आईटी सिस्टम पर बहुत अधिक निर्भर है। इस प्रकार, एक जोखिम मौजूद है कि आईटी नियंत्रण पर्यावरण में किसी कमी के परिणामस्वरूप वित्तीय लेखांकन और रिपोर्टिंग रिकॉर्ड भौतिक रूप से गलत हो सकते हैं।
- कंपनी अपनी समग्र वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए कई प्रणालियों का उपयोग करती है। हमने आईटी सिस्टम के महत्वपूर्ण उपयोग और आईटी आर्किटेक्चर के पैमाने और जटिलता के कारण आईटी सिस्टम और कंट्रोल को प्रमुख ऑडिट मामलों के रूप में पहचाना है।
- प्रमुख लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं:
- वित्तीय लेखांकन और रिपोर्टिंग पर प्रभाव डालने वाले आईटी सिस्टम पर प्रमुख नियंत्रण का नमूना परीक्षण।
 - हमने प्रमुख स्वचालित नियंत्रणों के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता की समीक्षा की है।
 - हमने कोर ऑपरेटिंग सिस्टम और अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर के बीच सामंजस्य की समीक्षा की है ताकि अलग-अलग एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर से/से गलत डेटा प्रवाह के जोखिम को कम किया जा सके।
 - जहां भी आवश्यक समझा गया, हमने प्रबंधन अभ्यावेदन भी प्राप्त किए हैं

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

क्र.सं.	प्रमुख लेखा परीक्षा मामले	लेखापरीक्षा में इस मामले का समाधान कैसे किया गया है
vi	निवेशों का मूल्यनिर्धारण: - कंपनी के निवेश पोर्टफोलियो में पॉलिसीधारकों के निवेश (पारंपरिक और यूनिट लिंक पॉलिसी धारक) और शेयरधारकों का निवेश शामिल हैं। कंपनी का कुल निवेश पोर्टफोलियो (यानी प्रबंधन के तहत परिसंपत्ति (एयूएम)) कंपनी की कुल संपत्ति का 99.40 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। बीमा अधिनियम, 1938, आईआरडीएआई (निवेश) विनियम, कंपनी की निवेश नीति और प्रासंगिक भारतीय जीएपी के अनुसार निवेश किए जाते हैं और इनका मूल्यनिर्धारण किया जाता है। इन मूल्यांकन विधियों ने अवलोकन योग्य ब्याज दर, सूचकांक स्तर, क्रेडिट स्प्रेड, इक्विटी की कीमतें, काउंटर पार्टी क्रेडिट गुणवत्ता, और इसी बाजार अस्थिरता के स्तर आदि सहित कई अवलोकन योग्य बाजार आदानों (इनपुट) का उपयोग किया। उद्धृत निवेश का पोर्टफोलियो कंपनी के एयूएम का 43.17 प्रतिशत है और निवेश का पोर्टफोलियो जो मुख्य रूप से अवलोकन योग्य इनपुट का उपयोग करके जिसका मूल्यनिर्धारित किया गया है, कंपनी के एयूएम का 56.36 प्रतिशत है। हम इन निवेशों को पर्याप्त गलत विवरण के उच्च जोखिम पर नहीं मानते हैं, या निर्णय के एक महत्वपूर्ण स्तर के अधीन होने के लिए नहीं मानते हैं क्योंकि उनमें तरल, कोटेड निवेश शामिल हैं। हालांकि, संपूर्ण रूप में स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में उनकी भौतिकता के कारण, उन्हें उन क्षेत्रों में से एक माना जाता है जिनका हमारी समग्र रणनीति पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा था। अनकोटेड निवेश का पोर्टफोलियो कंपनी के एयूएम का 0.20 प्रतिशत है। अनकोटेड निवेश के मूल्यांकन में इनपुट की निगरानी और उपयुक्त मूल्यांकन पद्धति का निर्धारण करने में आगे के निर्णय के आधार पर निर्णय शामिल होता है जहां बाहरी मूल्य निर्धारण स्रोत या तो आसानी से उपलब्ध नहीं होते हैं या अविश्वसनीय होते हैं। इन निवेशों के मूल्यांकन को उन क्षेत्रों में से एक माना जाता था जिनके लिए महत्वपूर्ण लेखा परीक्षक ध्यान देने की आवश्यकता होती थी और वित्तीय विवरणों में निवेश के कुल मूल्य की भौतिकता के कारण वित्तीय विवरणों में महत्व के मामलों में से एक था।	प्रधान लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं इस क्षेत्र के लिए हमारी लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं में शामिल थे, लेकिन निम्नलिखित तक सीमित नहीं थे: निवेश के मूल्यांकन पर कंपनी की प्रक्रिया और नियंत्रण की समझ प्राप्त की गई। यह समझ वॉकथ्रू के प्रदर्शन द्वारा प्राप्त की गई थी, जिसमें कंपनी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का निरीक्षण और प्रासंगिक प्रक्रिया में शामिल लोगों के साथ चर्चा शामिल थी। मूल्यांकन प्रक्रिया पर प्रमुख नियंत्रणों के डिजाइन, कार्यान्वयन और परिचालन प्रभावशीलता का मूल्यांकन और परीक्षण किया, जिसमें कंपनी के मूल्यांकन और मूल्यांकन के लिए उपयोग की जाने वाली मान्यताओं का अनुमोदन शामिल है, जिसमें प्रमुख प्राधिकार और डेटा इनपुट नियंत्रण शामिल हैं; मूल्यांकन पुनः गणना के उद्देश्य के लिए प्रतिभूतियों की इकाइयों की पुष्टि करने के लिए कंपनी द्वारा नियुक्त कस्टोडियन और डिपॉजिटरी प्रतिभागियों से तुलना पत्र की तारीख के अनुसार निवेश के लिए स्वतंत्र बाहरी पुष्टि प्राप्त की; परीक्षण जांच के आधार पर, कंपनी के बोर्ड द्वारा अनुमोदित मूल्यांकन नीति के साथ-साथ आईआरडीएआई निवेश विनियमों के संदर्भ में मूल्यांकन पद्धतियों की उपयुक्तता का आकलन करने के लिए निवेश के विभिन्न वर्गों के पुनर्गणना मूल्यांकन; विशिष्ट निवेशों के लिए उचित मूल्य परिवर्तन खाते में लेखांकन की गतिविधि और उपयुक्तता की जांच की। कंपनी के बोर्ड द्वारा अनुमोदित मूल्यांकन और हानि नीति के अनुसार निवेश के मूल्यांकन और हानि के संदर्भ में प्रबंधन द्वारा उपयोग की जाने वाली पद्धति, मान्यताओं और निर्णयों की उपयुक्तता और तर्कसंगतता सुनिश्चित की। वर्ष के लिए दर्ज किए गए नियमों और हानि की पर्याप्तता के साथ निवेश के मूल्यांकन के अनुपालन पर प्रबंधन से लिखित अभ्यावेदन प्राप्त किया।
vii	आकस्मिक देयताएं और मुकदमे:- कंपनी के पास विभिन्न अपीलीय प्राधिकरणों और विभिन्न मंचों पर मुकदमे के मामले लंबित हैं। इसमें ऐसे मुकदमे के मामलों के अंतिम परिणाम को निर्धारित करने के लिए लागू लेखा मानकों के अनुसार निर्णय शामिल हैं। प्रबंधन ने आवश्यकतानुसार अपने विशेषज्ञों की मदद से दायित्व के अनुरूप संबंधित निर्णय दिए हैं कि क्या एक अस्थायी देयता के लिए एक अनंतिम प्रकटीकरण देने की आवश्यकता है। इसलिए हमने अनिश्चितता और प्रत्याशित भौतिक प्रभाव के परिणामस्वरूप इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया।	मुख्य लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं:- हमने मुकदमे के मामलों से संबंधित विभिन्न नियामक पत्राचार और संबंधित दस्तावेजों को पढ़ा और विभिन्न स्थितियों के रूप में कानूनी स्थिति की हमारी समझ के साथ उनकी पुष्टि की। हमने विवाद की स्थिरता की समीक्षा करने के लिए अपनी टीम की राय सहित स्वतंत्र कानूनी वकील से प्रबंधन द्वारा मांगी गई कानूनी राय प्राप्त की। हमने कंपनी की आंतरिक कानूनी टीम के साथ महत्वपूर्ण मुकदमों के संबंध में स्थिति और प्रत्याशित जोखिम पर चर्चा की और प्रत्येक मुकदमे के प्रत्याशित परिणाम और प्रत्याशित जोखिम के परिमाण पर प्रबंधन के विचारों सहित विभिन्न मुकदमों की प्रगति के बारे में विवरण प्राप्त किया। तथ्यों और परिस्थितियों का आकलन करने और प्रत्याशित जोखिमों की पहचान करने और खुद को संतुष्ट करने के लिए विभिन्न मुकदमों की समीक्षा की गई थी कि यह संभव नहीं है कि आर्थिक लाभों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी, या कुछ मामलों में जहां राशि का विश्वसनीय रूप से अनुमान नहीं लगाया जा सकता है, इस तरह के दायित्व का प्रकटीकरण कंपनी द्वारा एक आकस्मिक देयता के रूप में किया जाता है।

क्र.सं. प्रमुख लेखा परीक्षा मामले	लेखापरीक्षा में इस मामले का समाधान कैसे किया गया है
एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के लेखा परीक्षकों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार प्रमुख लेखा परीक्षा मामले:	
viii निवेश के मूल्यांकन का आकलन बाजार की मूल्यवान जानकारी और महत्वपूर्ण अप्राप्य इनपुट का उपयोग करके उचित मूल्य पर मापा गया जिसके लिए सक्रिय बाजार में कोई सूचीबद्ध मूल्य उपलब्ध नहीं है: कंपनी के पास कुछ निवेश हैं जिनमें से एक सक्रिय बाजार में सूचीबद्ध मूल्य उपलब्ध नहीं है और इंड-एस द्वारा आवश्यक ₹16,678.15 करोड़ (31.03.2024 को ₹7,017.82 करोड़) के उचित मूल्य पर मूल्यांकन किया गया है। इसी उचित मूल्य परिवर्तन अन्य व्यापक आय (ओसीआई) और संबंधित लेखा मानक (इंडस्ट्रीज़ के रूप में 109) के अनुसार आस्थगित कर में मान्यता प्राप्त है। इन निवेशों को मापने में, मूल्यांकन विधियों का उपयोग उन इनपुट के आधार पर किया जाता है जो बाजार की जानकारी और कुछ अन्य अप्राप्य इनपुट से सीधे देखने योग्य नहीं होते हैं। प्रबंधन ने एक स्वतंत्र पेशेवर मूल्यांकक की सेवाओं का भी उपयोग किया है। उपर्युक्त निवेशों के मूल्यांकन में उपयोग किए जाने वाले प्रमुख इनपुट बाजार गुणक और विकास दर, टर्मिनल दर, छूट दर, एनएवी आदि हैं। इन परिसंपत्तियों का मूल्यांकन हमारी लेखापरीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अनुमानों (विभिन्न मान्यताओं और तकनीकों का उपयोग किया जाता है) पर अत्यधिक निर्भर है जिसमें ऐसी धारणाएं हैं जो बाजार में देखने योग्य नहीं हैं। उपरोक्त निवेशों के मूल्यांकन में अंतर्निहित व्यक्तिपरकता को देखते हुए, एकल वित्तीय विवरणों के लिए इन निवेशों के सापेक्ष महत्व और इसमें शामिल लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं की प्रकृति और सीमा को देखते हुए, हमने इसे एक महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा मामला निर्धारित किया।	प्रधान लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं हमने निवेश के मूल्यांकन के आकलन पर कंपनी के नियंत्रण के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता को समझा और परीक्षण किया। - हम ने प्रबंधन के विशेषज्ञ (स्वतंत्र पेशेवर मूल्यांकनकर्ता) की स्वतंत्रता, क्षमता, क्षमताओं और निष्पक्षता का मूल्यांकन किया। - निवेश के उचित मूल्य का अनुमान लगाने के लिए स्वतंत्र पेशेवर मूल्यांकनकर्ता द्वारा उपयोग किए जाने वाले मूल्यांकन पद्धति और बाजार गुणकों और विकास दर, छूट दर, एनएवी आदि से संबंधित अंतर्निहित मान्यताओं का आकलन करने के लिए हमने लेखा परीक्षक के विशेषज्ञ के साथ मिलकर मूल्यांकन किया। - हमने नमूना आधार पर स्रोत डेटा को मान्य किया और निवेश के मूल्यांकन की गणना की अंकगणितीय सटीकता का परीक्षण किया। - हमने एकल वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण की पर्याप्तता का आकलन किया। हमारी उपरोक्त लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर हम मानते हैं कि निवेश का प्रबंधन का आकलन जिसके लिए सक्रिय बाजार में गैर-सूचीबद्ध मूल्य उपलब्ध है, उचित है।
ix अनिश्चित कर मामलों का मूल्यांकन: कंपनी के पास विवाद के तहत मामलों सहित पर्याप्त अनिश्चित कर मामले हैं जिनमें इन विवादों के प्रत्याशित परिणाम को निर्धारित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय शामिल हैं।	प्रधान लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं: हमने कर विवादों की निगरानी के लिए कंपनी की प्रक्रियाओं और नियंत्रणों का मूल्यांकन किया। कर प्रावधान और विवादों के प्रत्याशित परिणाम का आकलन करने में प्रबंधन की अंतर्निहित मान्यताओं को चुनौती देने के लिए ऐसे मामलों पर प्रबंधन के निर्णय और धारणा का आकलन करने के लिए हमारे आंतरिक कर विशेषज्ञ से कर मुकदमेबाजी का जोखिम मूल्यांकन प्राप्त किया। उन्होंने इन अनिश्चित कर मामलों पर प्रबंधन की स्थिति का मूल्यांकन करने में कानूनी स्थितियों और अन्य फैसलों पर भी विचार किया।

अन्य मामले

- हमने 26 सहायक कंपनियों, 08 संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा नहीं की है, जिनके वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2025 को ₹6,73,463.77 करोड़ की कुल संपत्ति को दर्शाते हैं, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए ₹1,50,587.63 करोड़ का कुल राजस्व, जैसा कि समेकित वित्तीय विवरणों में है। समेकित वित्तीय विवरणों में 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए ₹1,475.94 करोड़ के शुद्ध लाभ का समूह का हिस्सा भी शामिल है, जैसा कि 17 सहयोगियों के संबंध में समेकित वित्तीय विवरणों में दर्शाया गया है, जिनके वित्तीय विवरणों का हमारे द्वारा लेखा परीक्षा नहीं किया गया है। इन वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा अन्य लेखापरीक्षकों द्वारा की गई है जिनकी रिपोर्टें प्रबंधन द्वारा हमें प्रस्तुत की गई हैं और समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय, जहां तक यह इन सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों के

संबंध में शामिल राशियों और प्रकटनों से संबंधित है, केवल ऐसे लेखापरीक्षकों की रिपोर्टें पर आधारित है।

12 विदेशी सहायक कंपनियों/सहयोगियों/संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों के मामले में, वित्तीय विवरण और अन्य जानकारी आमतौर पर उनके संबंधित देशों में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार तैयार की गई है और जिसे अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा उनके संबंधित देशों में लागू आम तौर पर स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के तहत ऑडिट किया गया है। ऐसी सहायक कंपनियों/सहयोगियों/संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों के प्रबंधन ने वित्तीय सूचना को उनके संबंधित देशों में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों से भारतीय स्टेट बैंक की लेखा नीति में परिवर्तित कर दिया है और इन परिवर्तन समायोजनों की लेखापरीक्षा अन्य लेखापरीक्षकों द्वारा की गई है।

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

5. हमने 01 सहायक कंपनी के वित्तीय विवरणों का लेखा परीक्षा नहीं किया, जिनके वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2025 तक ₹8,383.60 करोड़ की कुल संपत्ति और ₹522.51 करोड़ का कुल राजस्व दर्शाते हैं। समेकित वित्तीय विवरणों में 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए समूह के ₹29.53 करोड़ के शुद्ध लाभ का हिस्सा भी शामिल है, जैसा कि समेकित वित्तीय विवरणों में माना गया है, 01 सहयोगी के संबंध में, जिनके वित्तीय विवरणों का हमारे द्वारा लेखा परीक्षा नहीं किया गया है। ये वित्तीय विवरण लेखापरीक्षित नहीं हैं और प्रबंधन द्वारा हमें प्रस्तुत किए गए हैं और समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय, जहां तक यह इन सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटनों से संबंधित है, पूरी तरह से ऐसे अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर आधारित है। हमारी राय में और प्रबंधन द्वारा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, ये वित्तीय विवरण समूह के लिए महत्वपूर्ण नहीं हैं।
6. समूह की सहायक कंपनियों एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के लेखा परीक्षकों ने बताया है उन जीवन पॉलिसियों के लिए देनदारियों का बीमांकिक मूल्यांकन जो लागू हैं, जिनका प्रीमियम बंद कर दिया गया है, लेकिन 31 मार्च, 2025 तक देयता मौजूद है और किए गए लेकिन रिपोर्ट नहीं किए गए दावों (आईबीएनआर) और दावों के संबंध में देनदारियों का बीमांकिक मूल्यांकन लेकिन पर्याप्त रिपोर्ट नहीं किया गया (आईबीएनईआर) है कंपनी के नियुक्त बीमांकिक (नियुक्त बीमांकिक) की जिम्मेदारी है। लागू जीवन पॉलिसियों के लिए और उन पॉलिसियों के लिए इन देनदारियों का बीमांकिक मूल्यांकन जिनके संबंध में प्रीमियम बंद कर दिया गया है, लेकिन 31 मार्च, 2025 तक देयता मौजूद है, नियुक्त बीमांकिक द्वारा विधिवत प्रमाणित किया गया है और उनकी राय में, इस तरह के मूल्यांकन के लिए धारणाएं भारतीय बीमा नियामक विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई/प्राधिकरण) और भारतीय बीमांकिक संस्थान द्वारा सहमति से जारी दिशानिर्देशों और मानदंडों के अनुसार हैं। लेखा परीक्षकों ने इस संबंध में लागू जीवन पॉलिसियों के लिए देनदारियों के मूल्यांकन पर हमारी राय बनाने के लिए नियुक्त बीमांकिक के प्रमाण पत्र पर भरोसा किया है और उन पॉलिसियों के लिए जिनके संबंध में प्रीमियम बंद कर दिया गया है लेकिन कंपनी के वित्तीय विवरणों में देयता मौजूद है। समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय उपर्युक्त मामलों के संबंध में संशोधित नहीं की गई है।

समेकित वित्तीय विवरण और उस पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के अतिरिक्त अन्य जानकारी

7. बैंक के निदेशक मंडल अन्य जानकारी के लिए जिम्मेदार हैं। अन्य जानकारी में कॉर्पोरेट गवर्नंस रिपोर्ट शामिल है (लेकिन समेकित वित्तीय विवरण और उस पर हमारे लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट शामिल नहीं है), जो हमने इस लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट जारी करने के समय प्राप्त की थी। अन्य जानकारी में वार्षिक रिपोर्ट में अनुलग्नकों सहित बैंक के निदेशकों की रिपोर्ट भी शामिल है,

जो इस लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख के बाद हमें उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद है। समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय बेसल III प्रकटीकरण के अंतर्गत अन्य जानकारी और स्तंभ 3 प्रकटीकरण को कवर नहीं करती है और हम उस पर किसी भी प्रकार के आश्वासन निष्कर्ष को व्यक्त नहीं करते हैं और न ही करेंगे।

समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी ऊपर पहचानी गई अन्य जानकारी को पढ़ना है और ऐसा करने में, इस बात पर विचार करना है कि क्या अन्य जानकारी समेकित वित्तीय विवरणों या ऑडिट में प्राप्त हमारे ज्ञान के साथ भौतिक रूप से असंगत है या अन्यथा भौतिक रूप से गलत प्रतीत होती है।

जब हम बैंक की निदेशक की रिपोर्ट को पढ़ते हैं, जिसमें वार्षिक रिपोर्ट में अनुलग्नक, यदि कोई हों, तो उस पर, यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि उसमें एक भौतिक गलत प्रकटीकरण है, तो हमें अभिशासन के प्रभारित लोगों को मामले की सूचना देनी होती है।

समेकित वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और शासन के साथ प्रभारित लोगों का दायित्व

8. बैंक का निदेशक मंडल इन समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी के संबंध में जिम्मेदार है जो लेखांकन मानक 21-समेकित वित्तीय विवरण, लेखांकन मानक 23- समेकित वित्तीय विवरणों में एसोसिएट्स में निवेश के लिए लेखांकन और लेखांकन मानक 27 - के अनुसार समूह की समेकित वित्तीय स्थिति, समेकित वित्तीय प्रदर्शन और समेकित नकदी प्रवाह का एक सत्य और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं। भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी संयुक्त उद्यम में हितों की रिपोर्टिंग और बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा समय-समय पर जारी परिपत्रों और दिशानिर्देशों और अन्य लेखांकन सिद्धांतों को भारत में आम तौर पर स्वीकार किया जाता है। समूह और उसके सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में शामिल संस्थाओं के संबंधित निदेशक मंडल संबंधित अधिनियमों के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए जिम्मेदार हैं और समूह और उसके सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों की संपत्ति की सुरक्षा के लिए लागू दिशानिर्देश और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और पता लगाने के लिए; उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन और आवेदन; निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण हैं; और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक हैं जो सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और भौतिक गलत विवरण से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, जिसका उपयोग बैंक के निदेशकों द्वारा समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी के उद्देश्य से किया गया है, जैसा कि पूर्वोक्त है।

समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार करने में, समूह निकायों के संबंधित निदेशक मंडल संबंधित समूह इकाई को एक सतत संस्था के रूप में जारी रखने की क्षमता का आकलन करने के लिए जिम्मेदार है, जैसा कि लागू होता है, सतत संस्था से संबंधित मामलों का प्रकटीकरण करता है और लेखांकन के चल रहे मामलों के आधार का उपयोग करता है जब तक कि प्रबंधन या तो समूह संस्थाओं को समाप्त करने या संचालन को रोकने का इरादा नहीं रखता है, या ऐसा करने के अलावा कोई यथार्थवादी विकल्प नहीं है।

समूह और उसके सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में शामिल संस्थाओं के संबंधित निदेशक मंडल समूह और उसके सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए जिम्मेदार हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों का दायित्व

9. हमारा उद्देश्य यह है कि बैंक के समेकित वित्तीय विवरण, संपूर्ण रूप में धोखाधड़ी या त्रुटिवश किसी भी प्रकार की गलत बयानी से मुक्त हों, इसका उचित आश्वासन प्राप्त करना और हमारे अभिमत के साथ लेखा परीक्षक की रिपोर्ट प्रस्तुत करना। उचित आश्वासन, उच्च स्तरीय आश्वासन माना जाता है मगर यह गारंटी नहीं देता कि सांविधिक लेखा परीक्षा के आधार पर की गई लेखापरीक्षा में पाई गई गलत बयानी का दोष निकल पाएगा। गलत बयानी, धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न होती है और उन्हें ठोस माना जाएगा यदि अलग या समग्र रूप से इन बैंक के समेकित वित्तीय विवरणों के आधार पर इनके उपयोगकर्ताओं द्वारा लिए गए आर्थिक निर्णयों पर प्रभाव डालती है।

एसए के अनुरूप की गई लेखापरीक्षा के अनुसार हम लेखापरीक्षा के सभी स्तरों पर व्यावसायिक विवेक और व्यावसायिक संशय बनाए रखते हैं। इसके साथ हम:

- समेकित वित्तीय विवरणों में निहित गलत बयानी के जोखिमों की पहचान और समीक्षा करना, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के अनुरूप लेखापरीक्षा कार्यविधि डिजाइन करना और उस पर कार्यवाई करना और लेखापरीक्षा प्रमाण प्राप्त करना जो कि हमारे अभिमत का पर्याप्त तथा संगत आधार बने। धोखाधड़ी के कारण की गई गलत बयानी की पहचान न करने का जोखिम, त्रुटिवश की गई गलत बयानी से भारी हो सकता है क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, इरादतन भूल-चूक, गलत बयानी या आंतरिक नियंत्रण की भ्रमर भी हो सकती है।
- उपयोग में लाई गई लेखा नीतियों की युक्तिसंगतता तथा प्रबंध मंडल द्वारा किए गए लेखा प्राक्कलनों और संबंधित प्रकटीकरण की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना।

- उपयोग की जाने वाली लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और लेखांकन अनुमानों की तर्कसंगतता और प्रबंधन द्वारा किए गए संबंधित प्रकटीकरण का मूल्यांकन।
- प्रबंध मंडल द्वारा कार्यशील बैंक आधार पर लेखा रखने की उपयुक्तता पर निष्कर्ष के रूप में तथा प्राप्त लेखापरीक्षा प्रमाण के आधार पर कि क्या ऐसी घटना या परिस्थिति के आधार पर कोई तात्त्विक अनिश्चितता विद्यमान है, जिससे कार्यशील समूह की संस्था के रूप में जारी रहने की बैंक की क्षमता पर संशय होता हो। यदि हम यह निष्कर्ष निकालें कि तात्त्विक अनिश्चितता पाई गई है तो हमें केवल बैंक के वित्तीय विवरणों में लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में संबंधित प्रकटीकरणों की ओर ध्यान देना अपेक्षित होगा या प्रकटीकरण पर्याप्त नहीं हैं तो हमारे अभिमत को संशोधित करना अपेक्षित होगा। हमारे निष्कर्ष लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तिथि तक के लेखापरीक्षा प्रमाण पर निर्भर हैं। हालांकि भविष्य की घटनाओं या परिस्थितियों के कारण बैंक कार्यशील संस्था नहीं भी बना रह सकता है।
- प्रकटीकरण सहित, समूह की संस्था के समेकित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति तथा विषयवस्तु तथा बैंक के समेकित वित्तीय विवरणों में अंतर्निहित लेनदेनों तथा घटनाओं का सही एवं स्पष्ट चित्र प्रस्तुत किया गया है, इसका मूल्यांकन करना।
- समूह और उसके सहयोगियों और संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं के भीतर संस्थाओं या व्यावसायिक गतिविधियों की वित्तीय जानकारी के बारे में समेकित वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करने के लिए उपयुक्त लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करना, जिनके हम स्वतंत्र लेखा परीक्षक हैं और जिनकी वित्तीय जानकारी हमने ऑडिट की है। हम समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल ऐसी संस्थाओं के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के निर्देश, पर्यवेक्षण और निष्पादन के लिए जिम्मेदार हैं, जिनके हम स्वतंत्र लेखा परीक्षक हैं। समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल अन्य संस्थाओं के लिए, जिनकी अन्य लेखा परीक्षाओं द्वारा लेखा परीक्षा की गई है, ऐसे अन्य लेखा परीक्षक उनके द्वारा किए गए लेखा परीक्षाओं के निर्देशन, पर्यवेक्षण और निष्पादन के लिए उत्तरदायी रहते हैं। हम अपनी लेखा परीक्षा राय के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार हैं।
- बैंक के समेकित वित्तीय विवरणों में गलत बयानी की मात्रा, अलग-अलग रूप से या समग्र रूप से जिससे कि इन वित्तीय विवरणों के आधार पर आर्थिक निर्णय लेनेवाले जानकार उपयोगकर्ता संभवतः प्रभावित हो सकता है। (i) हमारी लेखापरीक्षा के कार्यक्षेत्र की योजना बनाते समय और हमारे कार्य के परिणाम का मूल्यांकन करते समय तथा (ii) वित्तीय विवरणों में पाई गई गलत बयानी का मूल्यांकन करते समय हम मात्रात्मक विषयवस्तु और गुणात्मक घटकों पर विचार करते हैं।

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

हम, अभिशासन से जुड़े लोगों को अन्य बातों के साथ-साथ लेखापरीक्षा का योजनाबद्ध क्षेत्र और उसकी अवधि, लेखापरीक्षा के महत्वपूर्ण परिणाम और लेखापरीक्षा के दौरान आंतरिक नियंत्रण में पाई गई महत्वपूर्ण कमियों के बारे में अवगत कराते हैं।

हम, अभिशासन से जुड़े लोगों को एक विवरणी प्रस्तुत करते हैं जिसमें हमारे द्वारा स्वतंत्रता संबंधी नैतिक अपेक्षाओं के अनुपालन करते हुए लेखापरीक्षा की गई है और उन्हें संबंधों तथा अन्य मामलों की जानकारी दें जो हमारी स्वतंत्रता को प्रभावित करने वाले हैं और जहां लागू हो, वहां उससे संबंधित सावधानियों की भी जानकारी दें।

अभिशासन से जुड़े लोगों को जिन मामलों की जानकारी दी जाए उनमें से हम चालू अवधि के बैंक के समेकित वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा कि दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण मामलों के रूप में शामिल करें इसलिए ये मामले महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा मामले हैं। हम लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में इन महत्वपूर्ण मामलों का वर्णन करते हैं बशर्ते कि लागू कानून या विनियमों में इनके सार्वजनिक प्रकटीकरण पर रोक नहीं लगाई गई हो या अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में हम निर्णय लेते हैं कि हमारी रिपोर्ट में इस मामले की सूचना न दी जाए क्योंकि उसके विपरीत नतीजे जनहित के लिए घातक साबित हो सकते हैं।

अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

10. समेकित तुलनपत्र और समेकित लाभ एवं हानि खाता बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29 के अनुसार तैयार किए गए हैं और ये भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 तथा उसके अंतर्गत बने विनियमों के उपबंधों के अनुसार अपेक्षित जानकारी प्रदान करते हैं।
11. उपर्युक्त पैरा 4 से 8 में इंगित लेखापरीक्षा की सीमाओं के अधीन और जैसा कि भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 और बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970 द्वारा अपेक्षित है, हमारे लेखापरीक्षा के आधार पर और अलग-अलग वित्तीय विवरणों पर अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार करने पर, और उसमें आवश्यक प्रकटीकरण की सीमाओं के अधीन भी, हम रिपोर्ट करते हैं कि
 - क. हमने जहाँ भी कोई जानकारी और स्पष्टीकरण माँगा है, जो हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन से हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार आवश्यक था, हमें वह जानकारी और स्पष्टीकरण दिया गया है और हमने उसे संतोषजनक पाया है;
 - ख. हमारी जानकारी में आए बैंक के लेन-देन बैंक के अधिकार-क्षेत्र में ही हैं; तथा

ग. बैंक के कार्यालयों और शाखाओं से प्राप्त विवरणियाँ हमारी लेखापरीक्षा के उद्देश्य से उचित पाई गई हैं।

12. बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 30(2) के उपबंधों के अंतर्गत यथा अपेक्षित और आरबीआई के पत्र संख्या डीओएस. एआरजी. संख्या 6270/08.91.001/2019-20 दिनांक 17 मार्च, 2020 द्वारा अपेक्षित है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सांविधिक केंद्रीय लेखा परीक्षकों (एससीए) की नियुक्ति - वित्त वर्ष 2019-20 से एससीए के लिए दायित्वों की रिपोर्टिंग पर, आरबीआई द्वारा जारी 19 मई, 2020 के बाद के पत्र के साथ पढ़ा गया, हम उपरोक्त पत्र के पैरा ग्राफ 2 में निर्दिष्ट मामलों पर नीचे के रूप में आगे की रिपोर्ट करते हैं:
 - क) हमारी राय में, कानून द्वारा अपेक्षित खाते की उचित बहियाँ बैंक द्वारा अब तक रखी गई हैं, जहां तक यह उन पुस्तकों की हमारी परीक्षा और अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट से प्रतीत होता है और हमारे लेखापरीक्षा के प्रयोजनों के लिए पर्याप्त रिटर्न उन शाखाओं से प्राप्त हुए हैं जो हमारे द्वारा नहीं देखी गई हैं;
 - ख) समेकित तुलन पत्र, समेकित लाभ और हानि खाता और इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए समेकित नकदी प्रवाह विवरण खाते की प्रासंगिक बहियों के साथ और हमारे द्वारा दौरा नहीं की गई शाखाओं से प्राप्त रिटर्न के साथ समझौते में हैं।
 - ग) बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 29 के अंतर्गत बैंक के शाखा लेखापरीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित शाखा कार्यालयों के लेखाओं पर रिपोर्टें हमें भेज दी गई हैं और इस रिपोर्ट को तैयार करते समय हमारे द्वारा उचित रूप से निपटा गया है।
 - घ) हमारी राय में, समेकित तुलन पत्र, समेकित लाभ और हानि खाता तथा समेकित नकदी प्रवाह विवरण लागू लेखांकन मानकों का अनुपालन करते हैं, इस सीमा तक कि वे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित लेखांकन नीतियों के साथ असंगत नहीं हैं।
 - ङ) वित्तीय लेनदेन या मामलों पर कोई अवलोकन या टिप्पणी नहीं है जिसका बैंक के कामकाज पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
 - च) चूँकि बैंक कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत नहीं है, इसलिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 की उप-धारा (2) के तहत बैंक के निदेशक होने से अयोग्यता बैंक पर लागू नहीं होती है।

भारत में निगमित सीमा तक सरकारी कंपनी के अलावा सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यम कंपनियों के वैधानिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर, भारत में निगमित सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यम कंपनियों के निदेशकों में से कोई भी 31 मार्च, 2025 तक कंपनी अधिनियम की धारा 164 (2) 2013 के संदर्भ में निदेशक के रूप में नियुक्त होने से अयोग्य घोषित नहीं किया गया है।

- छ) खातों के रखरखाव और उससे जुड़े अन्य मामलों से संबंधित कोई योग्यता, आरक्षण या प्रतिकूल टिप्पणी नहीं है।
- ज) आईसीएआई द्वारा जारी सरकारी क्षेत्र के बैंकों के मामले में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर तकनीकी गाइड के पैरा 1.14 के अनुसार, आंतरिक वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में आरबीआई द्वारा शुरू की गई रिपोर्टिंग अपेक्षा सरकारी क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के एकल

(स्टैंडअलोन) वित्तीय विवरणों पर लागू होगी न कि पीएसबी के समेकित वित्तीय विवरणों पर। तदनुसार, 31 मार्च, 2025 तक समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर समूह के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्टिंग नहीं की जाती है।

कृते रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 009073N/N500320

सीए सुमित कुमार

भागीदार

सदस्यता संख्या 512555

यूडीआईएन: 25512555BMNPTN9455

दिनांक: 03 मई 2025

स्थान: मुंबई

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

अनुलग्नक क : मार्च 31, 2025 तक समेकित इकाइयों की सूची

क्र. सं. अनुषंगी का नाम	क्र. सं. अनुषंगी का नाम
1 एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड	15 स्टेट बैंक ऑपरेशंस सपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
2 एसबीआईकैप सिक्योरिटीज लिमिटेड	16 एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड
3 एसबीआईकैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड	17 एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्राइवेट लिमिटेड
4 एसबीआई वेंचर्स लिमिटेड (जिसे पहले एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)	18 कमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी, मॉस्को
5 एसबीआई डीएचआई लिमिटेड	19 एसबीआई कनाडा बैंक
6 एसबीआई फैक्टर्स लिमिटेड (जिसे पहले एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)	20 स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कैलिफोर्निया)
7 एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	21 स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (यूके) लिमिटेड
8 एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	22 स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सर्विसोस लिमिटेड।
9 एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड	23 एसबीआई (मॉरीशस) लिमिटेड
10 एसबीआई लाइफ इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	24 पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया
11 एसबीआई जनरल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	25 नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड
12 एसबीआई काइर्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड	26 नेपाल एसबीआई मर्चेन्ट बैंकिंग लिमिटेड
13 एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक्योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	27 एसबीआई फंड्स इंटरनेशनल (आईएफएससी) लिमिटेड
14 एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड	

क्र. सं. अनुषंगी का नाम	क्र. सं. अनुषंगी का नाम
1 सी - एज टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	5 मैकेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी लिमिटेड
2 एसबीआई मैकेरी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड	6 ओमान इंडिया ज्वाइंट इन्वेस्टमेंट फंड - मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
3 एसबीआई मैकेरी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड	7 ओमान इंडिया ज्वाइंट इन्वेस्टमेंट फंड - ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
4 मैकेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड	8 जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड

क्र. सं. सहयोगी का नाम	क्र. सं. सहयोगी का नाम
1 आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक	10 उत्तराखंड ग्रामीण बैंक
2 अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक	11 झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक
3 छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक	12 सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक
4 इलाकाई देहाती बैंक	13 राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक
5 मेघालय ग्रामीण बैंक	14 तेलंगाना ग्रामीण बैंक
6 मध्यांचल ग्रामीण बैंक	15 दि विलियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (08-अगस्त-2024 तक)
7 मिजोरम ग्रामीण बैंक	16 यस बैंक लिमिटेड
8 नागालैंड ग्रामीण बैंक	17 बैंक ऑफ भूटान लिमिटेड
9 उत्कल ग्रामीण बैंक	18 इन्वेस्टेक कैपिटल सर्विसेज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड

स्तंभ 3 प्रकटीकरण (समेकित)

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार

डीएफ-1: लागू करने का कार्यक्षेत्र

भारतीय स्टेट बैंक मूल कंपनी है, जिस पर बासेल III मानदंड लागू होते हैं। इस समूह के समेकित वित्तीय विवरण भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएपी) के अनुरूप हैं, जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा निर्धारित नियामक मानदंडों, निर्देशों और दिशानिर्देशों, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 के वैधानिक दिशानिर्देशों, बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई), पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए), सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम 1996, कंपनी अधिनियम 2013, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानक और भारत में प्रचलित लेखा सामान्य व्यवहार शामिल हैं।

1. गुणात्मक प्रकटीकरण:

(ए) समूह के उन निकायों की सूची, जिन्हें 31.03.2025 को समाप्त अवधि के लिए समेकन हेतु विचार किया गया है।

निम्नलिखित अनुपंगियों, संयुक्त उद्यमों एवं सहयोगियों को शामिल कर एसबीआई समूह के समेकित वित्तीय विवरण तैयार किए गए हैं।

क्र.	इकाई का नाम	देश, जहां निगमन हुआ	क्या इकाई समेकन के लेखांकन कार्यक्षेत्र के अंतर्गत शामिल है (हाँ/नहीं)	समेकन की पद्धति	क्या इकाई समेकन के विनियामक कार्यक्षेत्र के अंतर्गत शामिल है (हाँ/नहीं)	समेकन की पद्धति	समेकन की पद्धति में अंतर के कारण	यदि केवल एक कार्यक्षेत्र के आधार पर समेकन किया गया है तो उसके कारण दें
1	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
2	एसबीआई कैप सिक्क्योरिटीज लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
3	एसबीआई वेंचर्स लिमिटेड (पूर्ववर्ती एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड)	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
4	एसबीआई कैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
5	एसबीआई डीएचआई लिमिटेड.	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
6	एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
7	एसबीआई फ़ैक्टर्स लिमिटेड (पूर्ववर्ती एसबीआई ग्लोबल फ़ैक्टर्स लिमिटेड)	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
8	एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
9	एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक्क्योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
10	एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
11	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड.	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
12	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्राइवेट लिमिटेड	मॉरिशस	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
13	एसबीआई कार्ड एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
14	एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
15	एसबीआई फंड्स इंटरनेशनल (आईएफएससी) लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं

क्र.	इकाई का नाम	देश, जहां निगमन हुआ	क्या इकाई समेकन के लेखांकन कार्यक्षेत्र के अंतर्गत शामिल है (हाँ/नहीं)	समेकन की पद्धति	क्या इकाई समेकन के विनियामक कार्यक्षेत्र के अंतर्गत शामिल है (हाँ/नहीं)	समेकन की पद्धति	समेकन की पद्धति में अंतर के कारण	यदि केवल एक कार्यक्षेत्र के आधार पर समेकन किया गया है तो उसके कारण दें
16	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कैलिफोर्निया)	संयुक्त राज्य अमेरिका	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
17	एसबीआई कनाडा बैंक	कनाडा	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
18	कामर्शियल इंडो बैंक एलएलसी, मास्को	रूस	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
19	एसबीआई (मॉरीशस) लिमिटेड	मॉरीशस	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
20	पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
21	नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	नेपाल	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
22	नेपाल एसबीआई मर्चेन्ट बैंकिंग लिमिटेड	नेपाल	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
23	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (यूके) लिमिटेड	यू के	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
24	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सर्विसेज लिमिटेड	ब्राजील	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	गैर-वित्तीय सहायक: नियामक समेकन के दायरे में नहीं
25	स्टेट बैंक ऑफ़रेंस सपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	गैर-वित्तीय सहायक: नियामक समेकन के दायरे में नहीं
26	एसबीआई लाइफ इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	भारत	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	बीमा संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन के दायरे में नहीं
27	एसबीआई जनरल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	भारत	हाँ	एएस 21 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	बीमा संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन के दायरे में नहीं
28	सी - एज टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	भारत	हाँ	एएस 27 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	गैर-वित्तीय संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन के दायरे में नहीं
29	एसबीआई मैकेरी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एएस 27 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन के दायरे में नहीं
30	एसबीआई मैकेरी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एएस 27 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	गैर-वित्तीय संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन के दायरे में नहीं
31	मैकेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट पीटीई। लिमिटेड।	सिंगापुर	हाँ	एएस 27 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन के दायरे में नहीं
32	मैकेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी लिमिटेड.	बरमूडा	हाँ	एएस 27 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन के दायरे में नहीं
33	ओमान इंडिया ज्वाइंट इनवेस्टमेंट फंड - मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एएस 27 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन के दायरे में नहीं
34	ओमान इंडिया ज्वाइंट इनवेस्टमेंट फंड - ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एएस 27 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन के दायरे में नहीं
35	जियो पैमेंट्स बैंक लिमिटेड	भारत	हाँ	एएस 27 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन के दायरे में नहीं
36	आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक	भारत	हाँ	एएस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है
37	अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एएस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है
38	छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एएस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है

क्र. इकाई का नाम	देश, जहां निगमन हुआ	क्या इकाई समेकन के लेखांकन कार्यक्षेत्र के अंतर्गत शामिल है (हाँ/नहीं)	समेकन की पद्धति	क्या इकाई समेकन के विनियामक कार्यक्षेत्र के अंतर्गत शामिल है (हाँ/नहीं)	समेकन की पद्धति	समेकन की पद्धति में अंतर के कारण	यदि केवल एक कार्यक्षेत्र के आधार पर समेकन किया गया है तो उसके कारण दें
39 एलाइड देहाती बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है
40 मेघालय ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है
41 मध्यांचल ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है
42 मिजोरम ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है
43 नागालैंड ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है
44 उत्कल ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है
45 उत्तराखंड ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है
46 झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है
47 सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है
48 राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है
49 तेलंगाना ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है
50 दि विलियर्सिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (08.08.2024 तक)	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है
51 यस बैंक लिमिटेड.	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है
52 बैंक ऑफ भूटान लिमिटेड	भूटान	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है
53 इन्वेस्टेक कैपिटल सर्विसेज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	एसोसिएट: नियामक समेकन के दायरे में नहीं है

(बी) 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार समूह की उन इकाइयों की सूची, जिन्हें लेखांकन और विनियामक दोनों कार्यक्षेत्र के तहत समेकन के लिए विचार नहीं किया गया है।

(₹ करोड़ में)							
क्र. सं.	इकाई का नाम	देश, जहां निगमन हुआ	इकाई का प्रमुख कार्यकलाप	कुल तुलन पत्र इकिटी (जैसा कि विधिक इकाई के लेखा तुलन पत्र में उल्लिखित है)	कुल इकिटी में बैंक की धारिता का %	इकाई के पूँजीगत लिखतों में बैंक के निवेशों को विनियामक द्वारा मान्यता	कुल तुलन पत्र आस्तियां (जैसा कि विधिक इकाई के लेखा तुलन पत्र में उल्लिखित है)
1	एसबीआई फाउंडेशन	भारत	कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यकलापों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक अलाभकारी कंपनी	529.36	99.72%	विनियामक पूँजी से कटौती	529.76
2	एसबीआई इन्फ्रा मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	भारत	परिसमापन के तहत	3.88	100%	विनियामक पूँजी से कटौती	3.91

(ii) मात्रात्मक प्रकटीकरण:

(सी) 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार विनियामक समेकन में शामिल समूह इकाइयों की सूची

समेकन के विनियामक कार्यक्षेत्र के तहत शामिल समूह इकाइयों की सूची निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ में)						
क्र. सं.	इकाई का नाम	देश, जहां निगमन हुआ	इकाई का प्रमुख कार्यकलाप	कुल तुलन पत्र इक्विटी (जैसा कि विधिक इकाई के लेखा तुलन पत्र में उल्लिखित है)	कुल तुलन पत्र आस्तियां (जैसा कि विधिक इकाई के लेखा तुलन पत्र में उल्लिखित है)	टिप्पणियां
1	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड	भारत	मर्चेन्ट बैंकिंग और सलाहकारी सेवाएँ	4,108.39	5,611.69	
2	एसबीआई कैप सिक्युरिटीज लिमिटेड	भारत	सिक्युरिटीज ब्रोकिंग एवं इसकी सहायक सेवाएँ तथा वित्तीय उत्पादों का अन्य पक्ष को वितरण	2,074.61	5,149.20	
3	एसबीआई कैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड	भारत	कॉर्पोरेट ट्रस्टीशिप कार्यकलाप	241.21	246.81	
4	एसबीआई कैप वेंचर्स लिमिटेड (पूर्ववर्ती एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड)	भारत	एआईएफ/वेंचर कैपिटल फंड के लिए आस्ति प्रबंधन कंपनी	298.31	331.21	
5	एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड	भारत	सरकारी प्रतिभूतियों में प्राथमिक विक्रेता	1,932.74	26,100.52	
6	एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा शुरू की गई योजनाओं के लिए ट्रस्टीशिप सेवाएँ	21.82	21.92	
7	एसबीआई फैक्टर्स लिमिटेड (पूर्ववर्ती एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड)	भारत	फैक्टरिंग सेवाएँ	518.32	2,816.62	
8	एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड	भारत	एनपीएस ट्रस्ट की परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए पेंशन फंड मैनेजर (पीएफएम) और एनपीएस ग्राहकों को शामिल करने के लिए प्वाइंट ऑफ प्रेजेंस (पीओपी)	285.72	292.10	
9	एसबीआई पेमेंट्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	भारत	कैशलेस/डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने वाले मर्चे ट अकाइरिंग बिजनेस से संबंधित भुगतान समाधान	1,489.18	2,182.93	
10	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड	भारत	एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा शुरू की गई योजनाओं के लिए आस्ति प्रबंधन सेवाएँ	8,293.09	8,639.08	
11	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) लिमिटेड	मॉरिशस	निवेश प्रबंधन सेवाएँ	1.50	3.09	
12	एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड	भारत	क्रेडिट कार्ड व्यवसाय	12,911.54	64,709.56	

(₹ करोड़ में)

क्र. सं. इकाई का नाम	देश, जहां निगमन हुआ	इकाई का प्रमुख कार्यकलाप	कुल तुलन पत्र इकिटी (जैसा कि विधिक इकाई के लेखा तुलन पत्र में उल्लिखित है)	कुल तुलन पत्र आस्ति (जैसा कि विधिक इकाई के लेखा तुलन पत्र में उल्लिखित है)	टिप्पणियां
13 एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक्युरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	भारत	अभिरक्षा एवं निधि लेखा सेवाएँ	620.60	1,428.90	
14 एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	कॉर्पोरेट ऋण बाजार विकास निधि के लिए ट्रस्टीशिप सेवाएँ	0.68	0.72	
15 एसबीआई फंड्स इंटरनेशनल (आईएफएससी) लिमिटेड	भारत	पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाएं और निवेश प्रबंधन गतिविधियां/संयुक्त परिसंपत्तियों के लिए सेवाएं	22.25	23.10	
16 स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कैलिफोर्निया)	यूएसए	बैंकिंग सेवाएँ	1,480.25	10,986.02	
17 एसबीआई कनाडा बैंक	कनाडा	बैंकिंग सेवाएँ	1,218.92	8,383.60	
18 कमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी, मास्को	रूस	बैंकिंग सेवाएँ	1,766.36	10,248.03	
19 एसबीआई (मॉरीशस) लिमिटेड	मॉरीशस	बैंकिंग सेवाएँ	1,690.48	12,654.29	
20 पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	बैंकिंग सेवाएँ	1,727.60	3,930.83	
21 नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	नेपाल	बैंकिंग सेवाएँ	1,314.59	14,247.89	
22 स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (यूके) लिमिटेड	यूके	बैंकिंग सेवाएँ	3,072.97	21,778.37	
23 नेपाल एसबीआई मर्चेन्ट बैंकिंग लिमिटेड नेपाल		मर्चेन्ट बैंकिंग और सलाहकार सेवाएँ	20.79	21.93	

§ इकिटी पूँजी, आरक्षित और अधिशेष शामिल हैं

घरेलू इकाईयों के मामले में आईजीएपी के अनुसार और विदेशी इकाईयों के मामले में संबंधित स्थानीय विनियमों के अनुसार

(डी) सभी अनुबंधियों में पूँजी की कमी की कुल राशि जो विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में शामिल नहीं हैं, अर्थात् जो घटा दी गई है:

अनुबंधियों का नाम/ उस देश का नाम, इकाई का प्रमुख कार्यकलाप जहाँ निगमन हुआ है	कुल तुलन पत्र इकिटी (जैसा कि विधिक इकाई के लेखा तुलन पत्र में उल्लिखित है)	कुल इकिटी में बैंक की धारिता का %	पूँजी की कमी
	निरंक		

(ई) बीमा इकाईयों में बैंक के कुल हितों की सकल राशि (अर्थात वर्तमान बही मूल्य), जो जोखिम भारित हैं:

(₹ करोड़ में)

पूरा नाम	अंकित मूल्य	बही मूल्य	बाज़ार भाव	अतिरिक्त प्रावधान (एलआईसीआरए + आईआरएसी + आईओएस + आरसीएच)	पूँजी प्रभार	आरडब्ल्यूए	इकाई का मुख्य कार्यकलाप	कुल तुलन पत्र इकिटी (जैसा कि विधिक इकाई के लेखा तुलन पत्र में उल्लिखित है)	कुल इकिटी में बैंक की धारिता का %	जोखिम भार पद्धति का उपयोग बनाम पूर्ण कटौती पद्धति का उपयोग का नियामक पूँजी पर मात्रात्मक प्रभाव
आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	0.87	64.54	48.82	48.82	-	-	बीमा	1445.32	0.06%	किसी भी विधि के साथ महत्वहीन प्रभाव

(एफ) बैंकिंग समूह के भीतर निधियों या विनियामक पूँजी के अंतरण में कोई प्रतिबंध अथवा बाधाएं:
विदेशी बैंकिंग अनुपंगियाँ

अनुपंगियाँ	प्रतिबंध
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कैलिफोर्निया)	विनियमों के अनुसार, मूल बैंक को पूँजी अंतरित करने का एकमात्र माध्यम लाभांश का भुगतान अथवा शेयरों की वापसी-खरीद अथवा पूँजी का प्रत्यावर्तन है।
एसबीआई कनाडा	मूल बैंक को किसी भी प्रकार की पूँजी (इक्विटी अथवा ऋण) अंतरित करने से पहले नियामक (ओएसएफआई) की पूर्व अनुमति।
एसबीआई (मॉरीशस) लिमिटेड	मूल बैंक सहित शेयरधारकों को किए जाने वाले भुगतान से बैंक की पूँजी कम करने पर विनियामक प्रतिबंध हैं। पूँजी में कोई भी कमी या तो लाभांश के भुगतान के माध्यम से अथवा बैंकिंग अधिनियम व मॉरीशस के कंपनी अधिनियम में बताए गए माध्यम से की जा सकती है। भुगतान की जाने वाली राशि एसबीआईएमएल द्वारा विनियामक आवश्यकताओं के अनुसार पर्याप्त पूँजी और तरलता अनुपात बनाए रखने के अधीन है। क) कोई भी बैंक जब तक मॉरीशस में बताई गई पूँजी के अनुसार भुगतान की राशि अथवा कम से कम 400 मिलियन रुपयों या बराबर की नियत पूँजी की राशि नहीं रखता और रखना जारी नहीं रखता, तब तक केंद्रीय बैंक उसे लाइसेंस नहीं देगा अथवा बैंक बैंकिंग लाइसेंस नहीं रख सकता। ख) प्रत्येक बैंक मॉरीशस में कम से कम 10 प्रतिशत की पूँजी, अथवा उस बैंक की जोखिम आस्तियों एवं अन्य प्रकार के जोखिमों के मामले में केन्द्रीय बैंक द्वारा निर्धारित उच्चतर अनुपात में पूँजी बनाए रखेगा।
बैंक एसबीआई इंडोनेशिया	बुक खख बैंक के साथ-साथ विदेशी मुद्रा बैंक के रूप में काम करने में सक्षम होने के लिए बैंक न्यूनतम नियामक पूँजी रखता है। हालांकि, पर्याप्त लाभ अर्जित करने के बाद मूल बैंक को लाभांश के रूप में धन के अंतरण की अनुमति है।
नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	नेपाल के कानूनों के तहत, कंपनी की परिसंपत्तियाँ और देनदारियाँ विशिष्ट और गैर-हस्तांतरणीय होती हैं। इसलिए, बैंकिंग समूह के भीतर निधियों अथवा विनियामक पूँजी का अंतरण संभव नहीं है।
कमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी, मॉस्को (सीआईबीएल)	बैंकिंग समूह के भीतर निधियों या विनियामक पूँजी के अंतरण पर कोई प्रतिबंध अथवा बाधाएं नहीं हैं।
भारतीय स्टेट बैंक (यूके) लिमिटेड	विनियामक न्यूनतम आवश्यकता से अधिक पूँजी का भुगतान एसबीआई यूके बोर्ड और पीआरए के अनुमोदन के साथ मूल बैंक (लाभांश अथवा कम की गई पूँजी के माध्यम से) को वापस किया जा सकता है। यह एसबीआई यूके लिमिटेड की अनुमानित वृद्धि योजनाओं और इसकी पूँजी आवश्यकताओं पर आधारित होगा।

गैर-बैंकिंग अनुपंगियाँ

क्र. सं.	अनुपंगियाँ	प्रतिबंध
1.	एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड	- विनियमों के अनुसार, मूल बैंक को पूँजी अंतरित करने का एकमात्र तरीका बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 49 के अनुसार लाभांश का भुगतान करना है। - यह विनियामक मानदंडों के अनुसार न्यूनतम सॉल्वेंसी अनुपात 150% बनाए रखने के अधीन है। कंपनी के निदेशक मंडल ने सॉल्वेंसी अनुपात की न्यूनतम सीमा 180% निर्धारित की है।
2.	एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	- विनियमों के अनुसार, मूल बैंक को पूँजी अंतरित करने का एकमात्र तरीका बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 49 के अनुसार लाभांश का भुगतान करना है। - यह नियामक मानदंडों के अनुसार न्यूनतम शोधन क्षमता अनुपात 150% बनाए रखने के अधीन है। कंपनी के निदेशक मंडल ने सॉल्वेंसी अनुपात की न्यूनतम सीमा 170% निर्दिष्ट की है।
3.	एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड	कंपनी अधिनियम, सेबी और आरबीआई के प्रावधानों के अनुसार, एसबीआई कार्ड शेयरों की वापसी-खरीद के माध्यम से ही एसबीआई को शेयर पूँजी वापस कर सकता है।
4.	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड	एसबीआईएमएल कंपनी अधिनियम, सेबी विनियमों और अन्य लागू विनियमों के पालन के अधीन वापसी-खरीद के माध्यम से पूँजी का हस्तांतरण कर सकता है। कंपनी को जेवी पार्टनर से भी मंजूरी लेनी होगी। इसके अलावा, कंपनी अधिनियम के अनुसार, जहां कहीं भी बोर्ड/शेयरधारकों के अनुमोदन की आवश्यकता होती है, कंपनी उसका अनुपालन करेगी।
5.	एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड	कंपनी अधिनियम, सेबी विनियमों और अन्य लागू विनियमों के अनुपालन के अधीन कंपनी वापस खरीद के माध्यम से पूँजी हस्तांतरण कर सकती है। इसके अतिरिक्त, कंपनी अधिनियम के अनुसार, जहां कहीं बोर्ड/शेयरधारकों का अनुमोदन अपेक्षित होता है, कंपनी उसका अनुपालन करती है।

क्र. सं.	अनुषंगियाँ	प्रतिबंध
6.	एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड	कंपनी अधिनियम, सेबी विनियमों और अन्य लागू विनियमों के अनुपालन के अधीन कंपनी वापस खरीद के माध्यम से पूँजी हस्तांतरण कर सकती है। इसके अतिरिक्त, कंपनी अधिनियम के अनुसार, जहां कहीं बोर्ड/शेयरधारकों का अनुमोदन अपेक्षित होता है, कंपनी उसका अनुपालन करती है।
7.	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड	- एसबीआईकैप से मूल एसबीआई को पूँजी का हस्तांतरण, निम्नानुसार के अधीन होगा: - सेबी मार्चेट बैकर्स विनियम 1992 के अनुसार, एक श्रेणी-1 के मार्चेट बैकर की न्यूनतम 5 करोड़ की निवल मालियत होना आवश्यक है। इसके अलावा, यदि निधियों के हस्तांतरण से नियंत्रण में बदलाव होता है तो सेबी से अनुमोदन की आवश्यकता होगी। - एसबीआईकैप के एओए के अनुच्छेद 60 में प्रावधान है कि इन अनुच्छेदों में निहित किसी तथ्य के बावजूद, अधिनियम के सभी लागू प्रावधानों या किसी अन्य कानून के अधीन रहते हुए, कंपनी अपने स्वयं के शेयरों या अन्य निर्दिष्ट प्रतिभूतियों को खरीद सकती है। - एसबीआईकैप में न्यूनतम क्षमता मूल्यांकन रेटिंग (सीएआर) को 15.00% बनाए रखने की एक आंतरिक जोखिम नीति है। - उपर्युक्त सभी एसबीआईकैप बोर्ड के अनुमोदन के अधीन होंगे।
8.	एसबीआई वेंचर्स लिमिटेड (एसवीएल)	एसवीएल कंपनी अधिनियम, सेबी विनियमों, कंपनी के एसोसिएशन के लेखों और अन्य लागू नियमों के पालन के अधीन बायबैक के माध्यम से पूँजी हस्तांतरण कर सकती है। इसके अतिरिक्त, कंपनी अधिनियम के अनुसार, जहां कहीं भी बोर्ड/शेयरधारकों का अनुमोदन अपेक्षित होगा, कंपनी उसका अनुपालन करेगी।
9.	एसबीआई फ़ैक्टर्स लिमिटेड	- नियमों के अनुसार, मूल बैंक को पूँजी अंतरित करने का एकमात्र तरीका लाभांश या वापसी-खरीद शेयरों का भुगतान करना है। मूल बैंक सहित शेयरधारकों को किए जाने वाले भुगतान से बैंक की पूँजी कम करने पर विनियामक प्रतिबंध हैं। पूँजी में कोई भी कमी या तो लाभांश के भुगतान के माध्यम से अथवा बैंकिंग अधिनियम व कंपनी अधिनियम में बताए गए माध्यम से की जा सकती है। भुगतान की जाने वाली राशि विनियामक आवश्यकताओं के अनुसार पर्याप्त पूँजी और तरलता अनुपात बनाए रखने के अधीन है। क. एक कंपनी एनबीएफसी-फ़ैक्टर्स लाइसेंस नहीं रख सकती है, यदि वह निवल स्वाधिकृत निधि के रूप में भुगतान की गई राशि को बनाए नहीं रखती और बनाए रखना जारी नहीं रखती है। ख. प्रत्येक एनबीएफसी तुलन पत्र पर अपनी कुल जोखिम भारित आस्तियों (टियर I और टियर II पूँजी, टियर I पूँजी 10% से कम नहीं होनी चाहिए) का कम से कम 15% की पूँजी, अथवा केंद्रीय बैंक द्वारा निर्धारित उच्च अनुपात, और तुलनपत्रेतर मर्दों के जोखिम समायोजित मूल्य को बनाए रखेगा। ग. एनबीएफसी-फ़ैक्टर्स के रूप में पंजीकृत प्रत्येक कंपनी फ़ैक्टरिंग विनियम अधिनियम 2011 के अनुसार न्यूनतम 5 करोड़ की निवल स्वाधिकृत निधि (एनओएफ) बनाए रखेगी। घ. कंपनी अधिनियम में शेयरों की वापसी-खरीद या लाभांश के रूप में वितरण के माध्यम से पूँजी के अंतरण के लिए भी कुछ शर्तें निर्धारित की गई हैं। - कंपनी के संस्था के अंतर्नियम (एओए) में निधि या विनियामक पूँजी के अंतरण पर कोई विशिष्ट प्रतिबंध नहीं है। - विनियामक न्यूनतम आवश्यकता से अधिक पूँजी का भुगतान बोर्ड और नियामक के अनुमोदन के साथ मूल बैंक (लाभांश अथवा कम की गई पूँजी के माध्यम से) को वापस किया जा सकता है। यह अनुमानित वृद्धि योजनाओं और इसकी पूँजी आवश्यकताओं पर आधारित होगा।
10.	एसबीआई-एसजी ग्लोबल सेक्यूरिटीज सर्विसेस लिमिटेड	- पूँजी का अंतरण सेबी द्वारा निर्धारित ₹500 मिलियन के न्यूनतम विनियामक निवल मालियत के संधारण के अधीन होगा। इसके अतिरिक्त, कंपनी को बोर्ड के अनुसार परिचालन जोखिम, जिसकी गणना बेसल II के मानकीकृत दृष्टिकोण के अनुसार की जाती है, के लिए ₹250 मिलियन (31.03.2023 की स्थिति के अनुसार) की पूँजी पर प्रभार बनाए रखने की आवश्यकता है। - अंतरण नए शेयरों के इश्यू (अधिकारों के आधार पर अथवा अनुवर्ती प्लेसमेंट के रूप में) में जारी किए गए शेयरों के अलावा), विकल्प या वारंट का निर्माण, शेयरों के नए वर्गों का निर्माण, वापसी-खरीद/मोचन/पुनर्खरीद, विभाजन, संपरिवर्तनीय ऋण जारी कर, बोनस, ग्रहणाधिकार या ऋण-भार अथवा इक्विटी में संपरिवर्तन को शामिल करने वाले ऋण पुनःसंरचना के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है जो पक्षों के लिए और/अथवा इक्विटी शेयरधारकों के रूप में उनके अधिकारों और कंपनी द्वारा लाभांश की घोषणा के लिए गैर-विलयनीय होगा।

क्र. सं.	अनुषंगियाँ	प्रतिबंध
11.	एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड	कंपनी लाभांश/शेयरों की वापसी-खरीद के माध्यम से मूल कंपनी को अधिशेष/पूँजी अंतरित कर सकती है। लाभांश के भुगतान के संबंध में एकल प्राइमरी डीलरों (एसपीडी) को भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देश निम्नानुसार हैं :- - एसपीडी के शेयरधारिता स्वरूप/पूँजी संरचना में किसी भी बदलाव के लिए आरबीआई के पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता होगी। - एसपीडी को निरंतर आधार पर 15 प्रतिशत के जोखिम-भारित संपत्ति अनुपात (सीआरएआर) के लिए न्यूनतम पूँजी बनाए रखने की आवश्यकता है। 1) एस पीडी लाभांश वितरण की घोषणा करते समय निम्नलिखित दिशानिर्देशों का पालन करेंगे: - एसपीडी जो निम्नलिखित न्यूनतम विवेकपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, लाभांश घोषित करने के लिए पात्र होंगे: - एसपीडी को उस वित्तीय वर्ष (चार तिमाहियों में से प्रत्येक के लिए) के लिए न्यूनतम 20 प्रतिशत का सीआरएआर बनाए रखना चाहिए था जिसके लिए लाभांश प्रस्तावित है। - निवल एनपीए अनुपात पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष में छह प्रतिशत से कम होगा, जिसमें उस वित्तीय वर्ष की समाप्ति भी शामिल है जिसके लिए लाभांश घोषित किया जाना प्रस्तावित है। - सार्वजनिक वितरण प्रणाली भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45 आईसी के प्रावधानों का अनुपालन करेगी। - एसपीडी रिजर्व बैंक द्वारा जारी प्रचलित विनियमों/दिशानिर्देशों का अनुपालन करेंगे। रिजर्व बैंक ने लाभांश की घोषणा पर कोई स्पष्ट प्रतिबंध नहीं लगाया होगा। - उपरोक्त पैरा (1) में निर्दिष्ट पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले एसपीडी 60 प्रतिशत के लाभांश भुगतान अनुपात तक लाभांश की घोषणा कर सकते हैं। - वित्तीय वर्ष की किसी भी चार तिमाहियों में, जिसके लिए लाभांश प्रस्तावित है, नियामक न्यूनतम 15 प्रतिशत से कम सीआरएआर वाले एसपीडी किसी भी लाभांश की घोषणा नहीं करेंगे। वित्तीय वर्ष की सभी चार तिमाहियों के दौरान, जिसके लिए लाभांश पर विचार किया जा रहा है, लेकिन किसी भी चार तिमाहियों में 20 प्रतिशत से कम होने पर, ऐसे एसपीडी के लिए जिनका सीआरएआर विनियामक न्यूनतम 15 प्रतिशत या उससे अधिक है, लाभांश भुगतान अनुपात होगा 33.3 प्रतिशत से अधिक नहीं।
12.	एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड	- एसबीआई पेंशन फंड केवल कंपनी अधिनियम और पीएफआरडीए विनियमों के प्रावधानों के अनुसार शेयरों की खरीद के माध्यम से एसबीआई को शेयर पूँजी वापस कर सकता है। - एकमात्र मानदंड यह है कि कंपनी को ₹50 करोड़ के न्यूनतम निवल मालियत को बनाए रखना चाहिए और पेंशन फंड के न्यूनतम पात्रता मानदंडों को पूरा करना चाहिए अर्थात् विनियम 8(डी) प्रायोजक के पास पिछले पांच वित्तीय वर्षों में से कम से कम तीन में कर पश्चात लाभ होना चाहिए। इसके अलावा पिछले पांच वर्षों में कोई नकदी हानि नहीं होना चाहिए। - इसके अलावा, विनियम जे के अनुसार, किसी वित्तीय वर्ष में पेंशन निधि के प्रायोजक के प्रबंधन, स्वामित्व, शेयरधारिता स्वरूप या नियंत्रण में एक प्रतिशत से अधिक लेकिन प्रायोजक या पेंशन फंड की चुकता पूँजी के पांच प्रतिशत से कम का परिवर्तन होने पर, इसकी सूचना, ऐसे परिवर्तन के पंद्रह दिनों के भीतर प्राधिकरण को दी जाएगी। - बशर्ते कि किसी भी वित्तीय वर्ष में प्रायोजक या पेंशन निधि की चुकता पूँजी में पांच प्रतिशत या उससे अधिक में कोई परिवर्तन प्राधिकरण के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा। - पूँजी का भुगतान बोर्ड और शेयरधारकों के अनुमोदन और पीएफआरडीए विनियमों और कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों को पूरा करने के साथ मूल बैंक को किया जा सकता है।
13.	एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	- संयुक्त उद्यम करार के अनुसार निधियों अथवा विनियामक पूँजी के अंतरण पर कोई प्रतिबंध या बाधाएं नहीं हैं। - निधियों का अंतरण एसबीआई पेमेंट बोर्ड और जेवी भागीदारों के अनुमोदन के अधीन है।
14.	स्टेट बैंक ऑफ़रेशंस सपोर्ट सर्विसेज प्रा. लिमिटेड	- एसबीओएसएस लाभांश या शेयरों की पुनर्खरीद के माध्यम से होल्डिंग बैंक को पूँजी हस्तांतरित कर सकता है। - इसके अलावा, कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार जहां भी बोर्ड/शेयरधारकों का अनुमोदन आवश्यक होगा, कंपनी उसका अनुपालन करेगी।

डीएफ-2 - पूँजी पर्याप्तता

31.03.2025 तक की स्थिति

गुणात्मक प्रकटीकरण

- (क) वर्तमान और भविष्य की गतिविधियों का समर्थन करने के लिए अपनी पूँजी पर्याप्तता की स्थिति के आकलन के लिए बैंक के दृष्टिकोण की संक्षिप्त चर्चा
- बैंक और इसकी बैंकिंग सहायक कंपनियां भारतीय रिजर्व बैंक के नए पूँजी पर्याप्तता संरचना (एनसीएएफ) दिशानिर्देशों के अनुरूप वार्षिक आधार पर आंतरिक पूँजी पर्याप्तता निर्धारण प्रक्रिया (आईसीएएपी) अपनाती हैं। इस आईसीएएपी में पूँजी योजना प्रक्रिया का विवरण दिया जाता है और निम्नलिखित जोखिमों के मापन, निगरानी, आंतरिक नियंत्रण, रिपोर्टिंग, पूँजी आवश्यकता तथा तनाव परीक्षण को कवर करते हुए मूल्यांकन किया जाता है:

- ऋण जोखिम - परिचालनगत जोखिम - चलनिधि जोखिम - अनुपालन जोखिम - पेंशन निधि दायित्व जोखिम - प्रतिष्ठात्मक जोखिम - ऋण जोखिम न्यूनीकरण से शेष जोखिम - प्रतिभा जोखिम - उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य जोखिम	- बाजार जोखिम - ऋण संकेंद्रण जोखिम - बैंकिंग बही में ब्याज दर जोखिम - देशगत जोखिम - रणनीतिक जोखिम - मॉडल जोखिम - कन्टेजिन रिस्क - साइबर जोखिम - अंडरराइटिंग जोखिम
 - भारतीय स्टेट बैंक द्वारा सहायक कंपनियों/संयुक्त उद्यमों में अनुमानित निवेश और एसबीआई और इसकी सहायक कंपनियों (घरेलू/विदेशी) द्वारा अग्रिमों में वृद्धि पर विचार करते हुए, 3 से 5 वर्षों के मध्य में पूँजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) की आवाजाही पर प्रतिवर्ष या अधिक बार संवेदनशीलता विश्लेषण किया जाता है। यह विश्लेषण एसबीआई और एसबीआई समूह के लिए अलग से किया गया है।
 - 3 से 5 वर्षों की मध्यम अवधि में बैंक तथा समग्र समूह का सीआरएआर विनियामक सीएआर से काफी अधिक रहने का अनुमान है। तथापि, पर्याप्त पूँजी बनाए रखने के लिए, बैंक के पास इक्विटी के अतिरिक्त आवश्यकतानुसार अधीनस्थ ऋण, स्थायी संचयी अधिमानी शेयर (पीसीपीएस), मोचनीय गैर-संचयी अधिमानी शेयर (आरएनसीपीएस), मोचनीय संचयी अधिमानी शेयर (आरसीपीएस), स्थायी ऋण लिखता (पीडीआई) और स्थायी गैर-संचयी अधिमानी शेयर (पीएनसीपीएस) को बढ़ाकर अपने पूँजीगत संसाधनों को बढ़ाने के विकल्प हैं।
 - विदेशी अनुबंधियों के लिए कार्यनीतिक पूँजी योजना में आस्तियों की वृद्धि के लिए आवश्यक पूँजी निर्धारण तथा विभिन्न स्थानीय विनियामक आवश्यकताओं एवं विवेकपूर्ण मानदंडों का अनुपालन करने के लिए आवश्यक पूँजी का आकलन शामिल है। आस्तियों के बढ़े हुए स्तर का समर्थन करने तथा पूँजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) को बनाए रखने के लिए सीईटी 1/एटी 1/ टियर 2 पूँजी जुटाने के लिए एकल अनुबंधी की क्षमता के बारे में संतुष्ट हो जाने के बाद मूल बैंक द्वारा संवृद्धि योजना को अनुमोदित किया जाता है।

मात्रात्मक प्रकटीकरण

(बी) ऋण जोखिम के लिए पूँजी आवश्यकताएं:

मानकीकृत दृष्टिकोण के अधीन पोर्टफोलियो	₹3,84,013.43 करोड़
प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर	शून्य
कुल	₹3,84,013.43 करोड़

(सी) बाजार जोखिम के लिए पूँजी आवश्यकताएं

मानक अवधि दृष्टिकोण;	
- ब्याज दर जोखिम	₹9,117.78 करोड़
- विदेशी मुद्रा विनिमय	₹1,106.86 करोड़
जोखिम (स्वर्ण सहित)	
- इक्विटी जोखिम	₹34,028.27 करोड़
कुल	₹44,252.91 करोड़

(डी) परिचालन जोखिम के लिए पूँजी आवश्यकताएं

बुनियादी संकेतक दृष्टिकोण	₹44,948.17 करोड़
मानक दृष्टिकोण (यदि लागू हो)	लागू नहीं
कुल	₹44,948.17 करोड़

(ई) सामान्य इक्विटी टियर 1, टियर 1 और कुल पूँजी अनुपात:

- शीर्ष समेकित समूह के लिए; और
- महत्वपूर्ण बैंक सहायक कंपनियों के लिए (फ्रेमवर्क कैसे लागू किया जाता है, इसके आधार पर अकेले या उप-समेकित)

पूँजी पर्याप्तता अनुपात 31.03.2025

	सीईटी 1 (%)	टियर 1 (%)	कुल (%)
एसबीआई समूह	11.07	12.31	14.44
भारतीय स्टेट बैंक	10.81	12.11	14.25
एसबीआई (मॉरीशस) लिमिटेड	22.29	22.29	23.39
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कनाडा)	16.67	16.67	18.92
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कैलिफोर्निया)	13.00	13.00	13.95
कॉमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी, मास्को	11.73	11.73	11.73
पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया	68.59	68.59	69.39
नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	11.69	11.69	14.72
एसबीआई (यूके) लिमिटेड	14.77	14.77	14.77

डीएफ-3: ऋण जोखिम: सामान्य प्रकटीकरण

31.03.2025 तक की स्थिति

सामान्य प्रकटीकरण**ए. गुणात्मक प्रकटीकरण**

- पिछले बकाया और हासित आस्तियों की परिभाषाएं (लेखांकन उद्देश्यों हेतु)

अनर्जक आस्तियां

जब कोई आस्ति बैंक के लिए आय अर्जन बंद कर देती है, तो वह अनर्जक आस्ति बन जाती है। 31 मार्च 2006 से, उस आस्ति को अनर्जक आस्ति (एनपीए) माना जाता है, जो

- सावधि ऋण के मामले में ब्याज और/या यदि मूल राशि की किस्त 90 दिनों से अधिक की अवधि के लिए 'अतिदेय' रहती है।
- ओवरड्राफ्ट/ नकदी ऋण (ओडी/सीसी) खाता यदि 90 दिनों से अधिक की अवधि के लिए अनियमित रहता है।
- खरीद और भुनाए गए बिलों के मामले में यदि बिल 90 दिनों से अधिक की अवधि के लिए 'अतिदेय' रहता है।
- अन्य खातों के मामले में यदि प्राप्त होने वाली कोई भी राशि 90 दिनों से अधिक की अवधि के लिए 'अतिदेय' रहती है।
- अल्प अवधि फसलों के लिए दिए गए ऋण को तब एनपीए माना जाता है जब मूल राशि या ब्याज की किस्त दो फसली मौसमों तक अतिदेय रहती है तथा दीर्घ अवधि फसलों के लिए दिए गए ऋण को तब एनपीए माना जाता है जब मूल राशि की किस्त या ब्याज एक फसली मौसम के लिए अतिदेय रहता है।
- किसी खाते को तब एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा जब किसी तिमाही के दौरान लगाए गए ब्याज का भुगतान तिमाही समाप्ति के 90 दिनों के भीतर पूरी तरह से न किया गया हो।
- प्रतिभूतिकरण पर 1 फरवरी, 2006 के आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार प्रतिभूतिकरण लेनदेन के संबंध में, यदि चलनिधि सुविधा की राशि 90 दिनों से अधिक तक बकाया हो।
- डेरिवेटिव लेनदेन के मामले में, डेरिवेटिव संविदा के बाजार मूल्य में सकारात्मक चिह्न वाले अतिदेय प्राप्य राशियां, यदि निर्दिष्ट देय तिथि से 90 दिनों की अवधि के लिए अप्रदत्त हैं।

'अनियमित' स्थिति

यदि किसी खाते में बकाया राशि लगातार संस्वीकृत/आहरण सीमा से अधिक रहती है, तो उस खाते को 'अनियमित' माना जाता है।

ऐसे मामलों में जहां मूल परिचालन खाते में बकाया शेष राशि संस्वीकृत/आहरण सीमा शक्ति से कम है, लेकिन बैंक के तुलन-पत्र की तारीख तक लगातार 90 दिनों तक कोई क्रेडिट प्राप्त नहीं होता है, अथवा इसी अवधि के दौरान खाते में डेबिट किए गए ब्याज को कवर करने के लिए क्रेडिट पर्याप्त नहीं होते हैं, ऐसे खातों को 'अनियमित' माना जाता है।

‘अतिदेय’

किसी भी ऋण सुविधा के तहत बैंक को देय किसी भी राशि की चुकौती यदि बैंक द्वारा निर्धारित देय तिथि पर नहीं की जाती है तो उसे ‘अतिदेय’ माना जाता है।

- ‘दबावग्रस्त आस्तियों का समाधान**

दबाव की प्रारंभिक पहचान और रिपोर्टिंग:

निम्नलिखित श्रेणियों के अनुसार चूक* होने की स्थिति में विशेष उल्लिखित खातों (एसएमए) के रूप में दबावग्रस्त आस्तियों को वर्गीकृत करके ऋण खातों में प्रारंभिक दबाव की पहचान:

एसएमए उप श्रेणियाँ	वर्गीकरण का आधार- मूलधन अथवा ब्याज भुगतान अथवा अन्य कोई राशि इस अवधि के दौरान पूर्ण अथवा आंशिक रूप से अतिदेय हो
एसएमए -0	1-30 दिन
एसएमए -1	31-60 दिन
एसएमए -2	61-90 दिन

* चूक का अर्थ है, जब पूरी राशि या उसका कोई भाग अथवा ऋण की किस्त बकाया एवं देय हो गई हो तथा ऋणकर्ता अथवा कॉरपोरेट ऋणकर्ता द्वारा उसकी चुकौती न की गई हो। नगदी ऋण जैसी परिक्रामी ऋण सुविधाओं के मामले में उपर्युक्त पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना चूक का अर्थ यह भी होगा कि बकाया शेष राशि 30 दिनों से अधिक अवधि के लिए स्वीकृत सीमा या आहरण शक्ति, जो भी कम हो, लगातार से अधिक बनी रहती है।

- बैंक की ऋण जोखिम प्रबंधन नीति पर चर्चा**

बैंक में एक एकीकृत ऋण जोखिम प्रबंधन, ऋण जोखिम न्यूनीकरण तथा संपार्श्विक प्रबंधन नीति है, जिसकी समीक्षा वार्षिक आधार पर की जाती है। वर्ष-दर-वर्ष, इस संबंध में नई उभरती अवधारणाओं और वास्तविक अनुभव के आधार पर नीति और कार्यप्रणालियों में सुधार किया जाता रहा है। नीति तथा कार्यप्रणालियों को बेसल-खरख और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों में निर्धारित दृष्टिकोण के अनुरूप ढाला गया है।

ऋण जोखिम प्रबंधन के तहत एक्सपोजर में ऋण जोखिम की पहचान, मूल्यांकन, मापन, निगरानी और नियंत्रण शामिल हैं।

ऋण जोखिम की पहचान और मूल्यांकन की प्रक्रियाओं में निम्नलिखित कार्य किए जाते हैं:

- व्यापक रूप से वित्तीय, व्यवसायिक, औद्योगिक तथा प्रबंधन जोखिमों में वर्गीकृत विभिन्न जोखिमों को ध्यान में रखते हुए प्रतिपक्ष जोखिम का आकलन करने के लिए ऋण जोखिम मूल्यांकन (सीआरए) मॉडलों/स्कोरिंग मॉडलों को विकसित व परिष्कृत करना, इनमें से प्रत्येक जोखिम को अलग-अलग स्कोर दिया जाता है।
- समय-समय पर उद्योगों/क्षेत्रों के लिए सामान्य दृष्टिकोण पर परामर्श जारी करना, बड़े/महत्वपूर्ण उद्योगों में पोर्टफोलियो को संभालने के लिए विशिष्ट नीतिगत सुझाव देना व मात्रात्मक एक्सपोजर मानदंड निर्धारित करने के लिए औद्योगिक शोध करना।

ऋण जोखिम के मापन में ऋण जोखिम घटकों जैसे चूक की संभावना (पीडी), चूक से हुई हानि (एलजीडी) तथा चूक पर एक्सपोजर (ईएडी) की गणना शामिल है।

ऋण जोखिम की निगरानी और नियंत्रण में एकल ऋणकर्ता, समूह ऋणकर्ता तथा उद्योगों जैसे आयामों में एक अच्छा विविध पोर्टफोलियो बनाने के लिए एक्सपोजर सीमाएं निर्धारित करना शामिल है। बेहतर जोखिम प्रबंधन और ऋण जोखिमों के संकेन्द्रण से बचने के लिए, एकल कंपनियों, समूह कंपनियों, बैंकों, व्यक्तिगत ऋणकर्ताओं, गैर-कॉरपोरेट संस्थाओं, पूँजी बाजार, भू-संपत्ति, संवेदनशील वस्तुओं आदि जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के संबंध में विवेकपूर्ण जोखिम मानदंडों पर आंतरिक दिशानिर्देश विद्यमान हैं। जहां भी आवश्यक हो, सुधारात्मक कार्रवाई शुरू करने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने के लिए छमाही अंतराल पर क्रेडिट जोखिम तनाव परीक्षण आयोजित किए जाते हैं।

बैंक में एक ऋण नीति विद्यमान है, जिसका उद्देश्य लचीलेपन और नवोन्मेष के लिए पर्याप्त संभावना रखते हुए ऋण की मूल बातों, मूल्यांकन कौशल, प्रलेखन मानकों तथा संस्थागत चिंताओं एवं कार्यनीतियों के बारे में जागरूकता के संबंध में एकसमान दृष्टिकोण विकसित कर पोर्टफोलियो स्तर पर आस्तियों की समग्र गुणवत्ता में निरंतर सुधार करना है।

ऋण जोखिम प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं जैसे मूल्यांकन, मूल्य निर्धारण, ऋण अनुमोदन प्राधिकार, प्रलेखन, रिपोर्टिंग एवं निगरानी, ऋण सुविधाओं की समीक्षा व नवीनीकरण, समस्या ऋणों का प्रबंधन, ऋण निगरानी इत्यादि के संबंध में बैंक की प्रक्रियाएं और नियंत्रण विद्यमान हैं। बैंक की एक ऋण लेखापरीक्षा प्रणाली भी है जिसका उद्देश्य ₹20 करोड़ और उससे अधिक राशि के एक्सपोजर वाले ऋण पोर्टफोलियो की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करना है। ऋण लेखापरीक्षा में विभिन्न स्तरों पर लिए गए ऋण संस्वीकृति निर्णयों की लेखा परीक्षा शामिल है। ऋण लेखापरीक्षा प्रणाली के एक भाग के रूप में पूर्व-स्वीकृति प्रक्रिया और संस्वीकृति पश्चात स्थिति, दोनों की जांच की जाती है। ऋण लेखापरीक्षा में विनियमित जोखिमों की भी जांच की जाती है और जोखिम न्यूनीकरण के उपाय सुझाए जाते हैं।

डीएफ-3: मात्रात्मक प्रकटीकरण 31.03.2025 तक

(बीमा संस्थाओं, संयुक्त उद्यमों और गैर-वित्तीय संस्थाओं को बाहर रखा गया)

सामान्य प्रकटीकरण:

		(₹ करोड़ में)		
मात्रात्मक प्रकटीकरण	निधि आधारित	गैर-निधि आधारित	कुल	
बी. कुल सकल ऋण जोखिम एक्सपोजर	4309336.00	518351.82	4827687.82	
सी. एक्सपोजर का भौगोलिक संवितरण: निधि आधारित/ गैर-निधि आधारित				
विदेश में	667394.33	27167.65	694561.98	
देश में	3641941.67	491184.17	4133125.84	
डी. उद्योग प्रकार एक्सपोजर संवितरण निधि आधारित / गैर-निधि आधारित अलग-अलग	कृपया तालिका ए देखें			
ई. आस्तियों का अवशिष्ट संविदात्मक परिपक्वता ब्रेकडाउन	कृपया तालिका बी देखें			
एफ. एनपीए की राशि (सकल) अर्थात (i से v) का योग			78629.22	
i. अवमानक			16013.34	
ii. संदिग्ध 1			11134.55	
iii. संदिग्ध 2			10634.03	
iv. संदिग्ध 3			16331.75	
v. हानि			24515.55	
जी. निवल एनपीए			19819.50	
एच. एनपीए अनुपात				
i) सकल अशुद्धियों की तुलना में सकल एनपीए			1.82%	
ii) निवल अशुद्धियों की तुलना में निवल एनपीए			0.47%	
आई. एनपीए (सकल) में कमी/वृद्धि				
i) प्रारंभिक शेष			85674.03	
ii) वृद्धि			26610.47	
iii) कमी			33655.28	
iv) अंतिम शेष			78629.22	
जे. एनपीए हेतु प्रावधानों में कमी/वृद्धि				
i) प्रारंभिक शेष			64551.03	
ii) अवधि के दौरान किए गए प्रावधान			18696.94	
iii) अपलेखन/अतिरिक्त प्रावधानों का प्रतिलेखन			24438.25	
iv) अंतिम शेष			58809.72	
के. अनर्जक निवेशों की राशि			2159.00	
एल. अनर्जक निवेशों के लिए किए गए प्रावधान की राशि			1815.34	
एम. निवेश पर मूल्यहास के लिए प्रावधानों वृद्धि/कमी				
प्रारंभिक शेष			9534.34*	
अवधि के दौरान किए गए प्रावधान			-36.85	
अपलेखन			1310.02	
अतिरिक्त प्रावधानों का प्रतिलेखन			3653.87	
अंतिम शेष			4533.60	
एन. प्रमुख उद्योग या प्रतिपक्ष प्रकार के अनुसार				
एनपीए की राशि और यदि उपलब्ध हो, पिछले देय ऋण, अलग से प्रावधान किए गए			27359.15	
निर्दिष्ट व सामान्य प्रावधान; तथा			-	
वर्तमान अवधि के दौरान विशिष्ट प्रावधान और अपलेखन			-	
ओ. महत्वपूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों द्वारा विशिष्ट और सामान्य प्रावधानों सहित अलग से प्रदान किए गए			-	
पिछले देय ऋणों और एनपीए की राशि			-	
प्रावधान			-	

* वाणिज्यिक बैंकों के निवेश पोर्टफोलियो के वर्गीकरण, मूल्यांकन और संचालन पर आरबीआई मास्टर निर्देश (निर्देश) 2023 के अनुसार अंतरण के कारण प्रारंभिक शेष राशि संशोधित की गई।

तालिका - ए: डीएफ-3 (डी) 31.03.2025 तक उद्योग-प्रकार के एक्सपोजर का संवितरण

(₹ करोड़ में)

कोड	उद्योग	निधि आधारित शेष राशियाँ			गैर-निधि आधारित (शेष राशि)
		मानक	एनपीए	कुल	
1	कोयला	7,559.88	331.54	7,891.42	7160.26
2	खनन	14,567.65	118.14	14,685.79	3662.19
3	लोहा और इस्पात	74,215.63	419.15	74,634.78	52790.54
4	धातु उत्पाद	43,463.03	317.60	43,780.63	17484.52
5	सभी इंजीनियरिंग	52,974.60	1,562.77	54,537.37	76380.37
5.1	इनमें से इलेक्ट्रॉनिक्स	11,819.79	106.52	11,926.31	6344.22
6	बिजली	3,387.02	1.71	3,388.73	0.18
7	सूती वस्त्र	25,987.21	1,153.25	27,140.46	1795.21
8	जूट वस्त्र	769.31	119.84	889.15	48.26
9	अन्य वस्त्र	12,349.43	1,152.56	13,501.99	2151.04
10	चीनी	10,698.68	187.53	10,886.21	1120.43
11	चाय	1,595.35	35.67	1,631.02	34.77
12	ख़ाद्य प्रसंस्करण	97,841.52	4,651.78	1,02,493.30	6421.34
13	वनस्पति तेल और वनस्पति	6,385.57	456.60	6,842.17	4677.76
14	तम्बाकू/तम्बाकू उत्पाद	3,998.33	7.27	4,005.60	136.90
15	कागज/कागज के उत्पाद	7,063.46	280.53	7,343.99	979.94
16	रबड़/रबड़ उत्पाद	11,443.20	267.91	11,711.11	1684.25
17	रसायन/रंग/पेंट आदि	1,03,042.74	790.45	1,03,833.19	55270.31
17.1	इनमें से उर्वरक	10,144.09	14.13	10,158.22	11777.44
17.2	इनमें से पेट्रोकेमिकल्स	53,345.02	26.11	53,371.13	36760.45
17.3	इनमें से दवा व फार्मा	19,577.60	370.07	19,947.67	2814.61
18	सीमेंट	10,488.94	409.78	10,898.72	4701.54
19	चमड़ा और चमड़े के उत्पाद	2,665.97	78.69	2,744.66	319.82
20	रत्न और आभूषण	8,260.98	1,240.80	9,501.78	183.65
21	विनिर्माण	65,397.87	918.18	66,316.05	26404.05
22	पेट्रोलियम	1,06,800.01	184.92	1,06,984.93	20131.00
23	ऑटोमोबाइल व ट्रक	24,863.68	286.98	25,150.66	5038.72
24	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	3,437.83	10.23	3,448.06	1751.48
25	इंफ्रास्ट्रक्चर	4,37,175.30	11,176.69	4,48,351.99	88888.54
25.1	इनमें से बिजली	2,58,251.63	1,034.25	2,59,285.88	49397.98
25.2	इनमें से दूरसंचार	28,605.83	2,523.04	31,128.87	1295.40
25.3	इनमें से सड़कें व बंदरगाह	91,227.05	5,093.65	96,320.70	15625.57
26	अन्य उद्योग	5,73,034.13	26,954.32	5,99,988.45	84250.07
27	एनबीएफसी व ट्रेडिंग	8,07,098.59	8,965.60	8,16,064.19	23361.96
28	अवशिष्ट अग्रिम	17,14,140.86	16,548.73	17,30,689.59	31522.70
कुल		42,30,706.78	78,629.22	43,09,336.00	518351.82

डीएफ-3 (ई) भारतीय स्टेट बैंक (समेकित) 31 मार्च 2025* की स्थिति के अनुसार आस्तियों की शेष संविदागत परिपक्वता का विवरण

अंतःप्रवाह	(₹ करोड़ में)										कुल
	1 दिन	2-7 दिन	8-14 दिन	15-30 दिन	31 दिन से 2 माह तक	2 माह से 3 माह तक	3 माह से 6 माह तक	6 माह से 1 वर्ष तक	1 वर्ष से 3 अधिक और 3 वर्ष तक	3 वर्ष से 5 अधिक और 5 वर्ष तक	
1 नकदी	18496.76	7.74	0.00	0.00	0.01	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	18504.51
2 भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा शेष	2002.54	4438.55	1932.71	2906.71	3627.74	2740.54	8503.65	41119.93	61049.42	19967.67	208883.33
3 अन्य बैंकों के पास जमा शेष	109951.29	12245.84	1287.79	2653.90	1283.18	2141.33	4154.75	2894.96	591.52	401.31	137799.12
4 निवेश	20386.58	3410.70	600.02	8051.77	11090.64	16346.82	33912.82	133389.77	268362.31	347624.59	903424.30
5 अग्रिम	61711.74	29024.38	25802.42	81640.54	111734.98	68408.69	220461.78	301006.88	1636391.29	519522.40	1219145.47
6 अचल आस्तियां	0.00	0.00	0.00	7.50	15.00	15.01	45.12	155.40	72.92	27.06	45435.43
7 अन्य आस्तियां	5583.67	14955.40	13536.30	10496.00	7611.00	10028.86	24558.81	70760.44	140531.76	56129.71	89596.43
कुल	218132.58	64082.60	43159.24	105756.42	135362.55	99681.25	291636.92	549327.38	2106999.22	943672.74	2318050.73
											6875861.66

* नोट्स:

- बीमा संस्थाएं, गैर-वित्तीय संस्थाएं, संयुक्त उद्यमों, विशेष प्रयोजन माध्यम तथा अंतःसमूह समायोजन को शामिल नहीं किया गया है।
- निवेशों में अनर्जक निवेश शामिल हैं और अग्रिमों में अनर्जक अग्रिम शामिल हैं।
- 23 मार्च, 2016 के आरबीआई दिशानिर्देशों के आधार पर बकेटिंग संरचना को संशोधित किया गया है।

डीएफ-4: ऋण जोखिम: मानकीकृत दृष्टिकोण के अनुसार पोर्टफोलियो का प्रकटीकरण

31.03.2025 तक स्थिति

मानकीकृत दृष्टिकोण पद्धति के अनुसार पोर्टफोलियो का प्रकटीकरण

गुणात्मक प्रकटीकरण

• उपयोग की गई क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के नाम, साथ ही किसी भी परिवर्तन का कारण

(अ) भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक ने घरेलू और विदेशी एक्सपोजर की रेटिंग के उद्देश्य से क्रमशः केयर, क्रिसिल, आईसीआरए, इंडिया रेटिंग, एक्यूट रेटिंग्स एंड रिसर्च तथा इन्फोमेरेक्स (घरेलू क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां) और फिच, मूडीज और एसएंडपी (अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियां) की पहचान अनुमोदित रेटिंग एजेंसियों के रूप में की है, जिनकी रेटिंग का उपयोग जोखिम-भारित आस्तियों और पूंजीगत प्रभार की गणना के उद्देश्य से किया जाता है।

• एक्सपोजर के प्रकार जिनके लिए प्रत्येक एजेंसी का उपयोग किया जाता है

- एक वर्ष या उससे कम की संविदात्मक परिपक्वता वाले एक्सपोजर (कैश क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट तथा अन्य परिक्रामी ऋण को छोड़कर) के लिए, अनुमोदित रेटिंग एजेंसियों द्वारा दी गई अल्पकालिक रेटिंग का उपयोग किया जाता है।
- कैश क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट और अन्य परिक्रामी क्रेडिट (अवधि चाहे कुछ भी हो) तथा 1 वर्ष से अधिक अवधि के सावधिक ऋण एक्सपोजर के लिए, दीर्घकालिक रेटिंग का उपयोग किया जाता है।

• पब्लिक इश्यू रेटिंग को बैंकिंग बही में तुलनीय आस्तियों के रूप में अंतरित करने हेतु उपयोग की जाने वाली प्रक्रिया का विवरण

बैंक के बाह्य रेटिंग संरचना के प्रमुख पहलू इस प्रकार हैं:

- क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा विशेष रूप से बैंक के दीर्घावधि तथा लघु अवधि एक्सपोजर को दी गई दीर्घकालिक और अल्पकालिक रेटिंग को बैंक द्वारा प्रत्येक मामले में विशिष्ट रेटिंग के रूप में माना जाता है।
- विदेशी सरकारी और विदेशी बैंक एक्सपोजर, उन्हें दी गई जारीकर्ता रेटिंग के आधार पर जोखिम-भारित होते हैं।
- बैंक सुनिश्चित करता है कि सुविधा/ऋणकर्ता की बाह्य रेटिंग की समीक्षा विगत 15 महीनों में कम से कम एक बार ईसीएआई द्वारा की गई है और उपयोग करने की तिथि को यह मान्य है।
- जहां विभिन्न क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा एक इकाई को कई जारीकर्ता रेटिंग सौंपी जाती हैं, वहां जोखिम भार निम्नानुसार निर्धारित किया जाता है:
 - यदि किसी विशेष दावे के लिए चुनी गई क्रेडिट रेटिंग एजेंसी द्वारा केवल एक रेटिंग है, तो उस रेटिंग का उपयोग दावे के जोखिम भार को निर्धारित करने के लिए किया जाता है।
 - यदि चुनी हुई क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा दो रेटिंग प्रदान की जाती हैं, जो विभिन्न जोखिम भारों में मापी जाती हैं, तो उच्च जोखिम भार लागू किया जाता है।
 - यदि अलग-अलग जोखिम भार वाली चुनी हुई क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा तीन या अधिक रेटिंग प्रदान की जाती हैं, तो दो सबसे कम जोखिम भार के अनुरूप रेटिंग को संदर्भित किया जाता है और उन दो जोखिम भार में से उच्च को लागू किया जाता है, अर्थात्, दूसरा सबसे कम जोखिम भार।

* भारतीय प्रतिभूति और विनियमन बोर्ड ने 6 अक्टूबर, 2022 के आदेश डब्ल्यूटीएम/एसबी/एमआईआरएसडी/एमआईआरएसडीसीआरएडीटी/20175/2022-23 के माध्यम से ब्रिकवर्क रेटिंग्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (सीआरए) के रूप में दिए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) को रद्द कर दिया है।

2. उपरोक्त के मद्देनजर, विनियमित संस्थाओं/बाजार सहभागियों को आरबीआई द्वारा सलाह दी जाती है कि उनके द्वारा जारी किए गए किसी भी दिशा-निर्देश के अनुसार आवश्यक रेटिंग/क्रेडिट मूल्यांकन के संबंध में, तत्काल प्रभाव से उपर्युक्त रेटिंग एजेंसी से ऐसी कोई नई रेटिंग/मूल्यांकन प्राप्त नहीं किया जाएगा। रेटिंग एजेंसी द्वारा जारी मौजूदा रेटिंग के विवेकपूर्ण उपचार के बारे में निर्देश अलग से सूचित किए जाएंगे।

3. आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार आरबीआई/2024-25/50 डीओआर.एसटीआर.आरईसी.26/21.06.008/2024-25 दिनांक 10 जुलाई, 2024: बैंकों को पूंजी पर्याप्तता उद्देश्यों के लिए अपने दावों के जोखिम भार के लिए सीआरए (ब्रिकवर्क) की रेटिंग की अनुमति दी जाती है, जो निम्नलिखित के अधीन है:

क. नए रेटिंग अधिदेशों के संबंध में बैंक ऋणों के लिए सीआरए से रेटिंग प्राप्त की जा सकती है, लेकिन यह 250 करोड़ से अधिक न हो।

ख. मौजूदा रेटिंग के संबंध में, सीआरए ऐसे ऋणों की शेष अवधि तक रेटेड राशि की परवाह किए बिना रेटिंग निगरानी कर सकता है।

बशर्ते कि कार्यशील पूंजी सुविधाओं को दी गई मौजूदा रेटिंग के मामले में ₹250 करोड़ से अधिक है, सीआरए बैंकों द्वारा ऐसी सुविधा के अगले नवीकरण तक ही रेटिंग निगरानी करेगा।

मात्रात्मक प्रकटीकरण 31.03.2025 तक

(ब) एक्सपोजर राशियों के लिए जोखिम न्यूनीकरण के बाद मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत, प्रत्येक जोखिम बकेट में समूह की बकाया राशि (रेटेड और गैर-रेटेड) के साथ-साथ घटाई गई राशियाँ

	(₹ करोड़ में)
राशि	
100% से कम जोखिम भार	33,50,831.46
100% जोखिम भार	6,24,140.14
100% से अधिक जोखिम भार	8,52,716.23
कटौती	0.00
कुल	48,27,687.82

डीएफ-5: क्रेडिट जोखिम शमन: मानकीकृत दृष्टिकोण के लिए प्रकटीकरण

31.03.2025 तक स्थिति

क्रेडिट जोखिम शमन: मानकीकृत दृष्टिकोण के लिए प्रकटीकरण**(क) गुणात्मक प्रकटीकरण**

- **तुलन पत्र में शामिल तथा शामिल न की गई निवलीकरण नीतियां व प्रक्रियाएं तथा बैंक इनका किस सीमा तक उपयोग करता है**

तुलन पत्र की निवलीकरण मर्दे केवल ऐसे ऋणों/अग्रिमों तक सीमित हैं, जिनके संबंध में बैंक के पास विधिक रूप से प्रवर्तनीय अधिकार, दस्तावेजी प्रमाण सहित विशिष्ट ग्रहणाधिकार उपलब्ध है। बैंक निम्नलिखित शर्तों के अधीन निवल ऋण जोखिम के आधार पर पूँजी आवश्यकताओं का आकलन करता है:

जहां बैंक,

- यह निष्कर्ष निकालने के लिए कि प्रतिपक्ष के दिवालिया हो जाने पर या दिवालिया न होने पर भी प्रत्येक प्रासंगिक क्षेत्राधिकार में लागू करने योग्य निवलीकरण या ऑफसेटिंग समझौते का एक सुस्थापित कानूनी आधार उपलब्ध है;
- किसी भी किसी भी समय उसी प्रतिपक्ष के ऋण/अग्रिम तथा जमाराशियों को निवलीकरण समझौते के अंतर्गत निर्धारित कर सकता है; तथा
- निवलीकरण के आधार पर संबंधित एक्सपोजर की निगरानी तथा नियंत्रण करता है, बैंक ऋणों/अग्रिमों तथा जमाराशियों के निवल एक्सपोजर को अपने पूँजी पर्याप्तता के आकलन के लिए आधार के रूप में प्रयोग कर सकता है। ऋणों/अग्रिमों को एक्सपोजर तथा जमाराशियों को संपार्श्विक माना जाता है।

- **संपार्श्विक मूल्यांकन एवं प्रबंधन के लिए नीतियाँ एवं प्रक्रियाएँ**

बैंक में एक एकीकृत ऋण जोखिम प्रबंधन, ऋण जोखिम न्यूनीकरण तथा संपार्श्विक प्रबंधन नीति विद्यमान है, जिसकी समीक्षा वार्षिक आधार पर की जाती है। इस नीति का भाग बी ऋण जोखिम न्यूनीकरण तथा संपार्श्विक प्रबंधन से संबंधित है, जो पूँजी गणना के लिए उपयोग में लाए जाने वाले ऋण जोखिम न्यूनीकरण के प्रति बैंक के दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है।

इस नीति का उद्देश्य ऋण जोखिम न्यूनीकरण का वर्गीकरण तथा आकलन इस तरह से करना है कि विनियामक पूँजी समायोजन किया जा सके।

नीति में व्यापक दृष्टिकोण अपनाया गया है, जो संपार्श्विक के लिए निर्धारित मूल्य से जोखिम राशि को प्रभावी रूप से कम करके, जहां भी लागू हो, संपार्श्विक की पूरी भरपाई (उचित हेयरकट के बाद) की अनुमति देता है। नीति में निम्नलिखित मुद्दों पर विचार किया गया है:

- i. ऋण जोखिम न्यूनीकरणों का वर्गीकरण
- ii. स्वीकार्य ऋण जोखिम-न्यूनीकरण
- iii. ऋण जोखिम न्यूनीकरण मर्दों के लिए आवश्यक प्रलेखीकरण एवं विधिक प्रक्रियाएँ
- iv. संपार्श्विक प्रतिभूति का मूल्यांकन

- v. मार्जिन एवं संतुलन आवश्यकताएँ
- vi. बाह्य रेटिंग
- vii. संपादिक प्रतिभूति की अभिरक्षा
- viii. बीमा
- ix. ऋण जोखिम न्यूनीकरण मर्दों की निगरानी
- x. सामान्य दिशानिर्देश

• बैंक द्वारा लिए गए मुख्य प्रकार के संपादिक का विवरण

मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत समान्यतः निम्नलिखित प्रतिभूतियों को ऋण जोखिम न्यूनीकरण के रूप में माना जाता है :

- नकद या नकद समकक्ष (बैंक जमा/एनएससी/केवीपी/एलआईसी पॉलिसी आदि)
- स्वर्ण
- केंद्र/राज्य सरकारों द्वारा जारी प्रतिभूतियाँ

अल्पावधि ऋण लिखतों के लिए BBB- अथवा बेहतर/ए 3 रेट की गई ऋण प्रतिभूतियाँ

• मुख्य प्रकार के गारंटर पक्षकार और उनकी ऋण पात्रता

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक निम्नलिखित संस्थाओं को पात्र गारंटर के रूप में स्वीकार करता है:

- क) सरकार, सरकारी संस्थाएँ बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस), अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), यूरोपीय सेंट्रल बैंक एवं यूरोपीय समुदाय के साथ-साथ बहुपक्षीय विकास बैंक, निर्यात कृण एवं गारंटी निगम (ईसीजीसी) और सूक्ष्म व लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई), सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (पीएसई), बैंक तथा प्राथमिक डीलर जिनका जोखिम भार प्रतिपक्षकार से कम हो।
- ख) एए या बेहतर की बाह्य रेटिंग वाले अन्य गारंटर। यदि गारंटर मूल कंपनी, संबद्ध या सहायक कंपनी है, तो बैंक द्वारा गारंटीकर्ता के रूप में स्वीकार करने के लिए उनका जोखिम भार ऋणकर्ता से कम होना चाहिए। गारंटर की रेटिंग एक इकाई की रेटिंग के रूप में होनी चाहिए। जिसमें इकाई की सभी देनदारियों तथा प्रतिबद्धताएँ (गारंटियों सहित) शामिल हों।

जोखिम न्यूनीकरण मर्दों के भीतर (बाजार या क्रेडिट) जोखिम संकेंद्रण के बारे में जानकारी:

बैंक के पास विभिन्न प्रकार के संपादिकों से प्रतिभूतिकृत आस्तियों का एक विस्तृत पोर्टफोलियो है, जैसे :-

- उपर्युक्त सूचीबद्ध पात्र वित्तीय संपादिक प्रतिभूतियाँ
- संप्रभु तथा अच्छी रेटिंग कंपनियों द्वारा दी गई गारंटियाँ
- प्रतिपक्षकार की अचल आस्तियाँ तथा चालू आस्तियाँ

मात्रात्मक प्रकटीकरण 31.03.2025 तक

	(₹ करोड़ में)
(बी) अलग से प्रकट किए गए प्रत्येक ऋण जोखिम पोर्टफोलियो का कुल एक्सपोजर (जहां लागू हो, तुलन पत्र अथवा तुलन पत्र इतर में शामिल ऋण जोखिम घटाने के बाद) जिसे निर्धारित कटौती लागू करने के बाद पात्र वित्तीय संपादिक प्रतिभूति द्वारा सुरक्षित किया गया है।	4,51,102.20
(सी) प्रत्येक पृथक रूप से प्रकटित पोर्टफोलियो के लिए कुल एक्सपोजर (जहां लागू हो, बैलेंस शीट पर या बैलेंस शीट से बाहर नेटिंग के बाद) जो गारंटी/क्रेडिट डेरिवेटिव्स (जब भी आरबीआई द्वारा विशेष रूप से अनुमति दी गई हो) द्वारा कवर किया गया है।	1,59,909.35

डीएफ-6: प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर: मानकीकृत दृष्टिकोण के लिए प्रकटीकरण

31.03.2025 की स्थिति

गुणात्मक प्रकटीकरण

(क) गुणात्मक प्रकटीकरण प्रतिभूतिकरण के संबंध में सामान्य गुणात्मक प्रकटीकरण आवश्यकता जिसमें यह चर्चा शामिल है: प्रतिभूतिकरण गतिविधि के संबंध में बैंक के उद्देश्य, जिसमें इन गतिविधियों से बैंक द्वारा अंतर्निहित प्रतिभूतिकृत एक्सपोजर के ऋण जोखिम को अन्य संस्थाओं को अंतरित करना भी शामिल हैं।	बैंक की जोखिम लेने की क्षमता का पालन करते हुए रिटर्न का अनुकूलन करने, तरलता सुनिश्चित करने और बैंक की प्राथमिकता वाले क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से प्रतिभूतिकरण संपत्ति (पीटीसी और पीएसएलसी) में बैंक का निवेश। क्रेडिट रिस्क, लिक्विडिटी रिस्क, इंटेरेस्ट रेट रिस्क, प्रीपेमेंट रिस्क, परफॉर्मंस/सर्विसर रिस्क।
प्रतिभूतिकृत परिसंपत्तियों में निहित अन्य जोखिमों (जैसे चलनिधि जोखिम, पाइपलाइन और भंडारण जोखिम) की प्रकृति; प्रतिभूतिकरण प्रक्रिया में बैंक द्वारा निभाई गई विभिन्न भूमिकाएँ (उदाहरण के लिए: प्रवर्तक, निवेशक, सेवा प्रदाता, ऋण वृद्धि प्रदाता, चलनिधि प्रदाता, स्वैप प्रदाता, संरक्षण प्रदाता) तथा प्रत्येक में बैंक की भागीदारी की सीमा यदि विनियामक नियमों के अधीन अनुमति हो तो अंतर्निहित आस्तियों की ब्याज दर/मुद्रा जोखिम न्यूनीकरण के लिए किसी ब्याज दर स्वैप अथवा मुद्रा स्वैप के रूप में धारित सीमा में प्रतिभूतिकरण संरचना में किसी बैंक द्वारा सहायता प्रदान की जा सकती है। यदि विनियामक नियमों के अनुसार अनुमति हो तो बैंक गारंटी, ऋण डेरिवेटिव्स अथवा इसी प्रकार के किसी अन्य उत्पाद के माध्यम से किसी प्रतिभूतिकरण लेनदेन के लिए ऋण सुरक्षा प्रदान की जा सकती है। यदि विनियामक नियमों के अनुसार अनुमति दी गई हो तो बैंक गारंटी, क्रेडिट डेरिवेटिव या किसी अन्य समान उत्पाद के माध्यम से प्रतिभूतिकरण लेनदेन को ऋण सुरक्षा प्रदान कर सकता है।	बैंक ने प्रतिभूतिकरण उत्पाद में निवेश किया है। बैंक रेटिंग माइग्रेशन की निगरानी करता है और प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर पर पूंजी प्रभार प्रदान करता है। बैंक ने प्रतिभूतिकरण उत्पाद में निवेश किया है। बैंक रेटिंग प्रवासन पर नजर रखता है और प्रतिभूतिकरण जोखिम पर पूंजी प्रभार प्रदान करता है। बैंक के आंतरिक दिशानिर्देशों के अनुसार
प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर के ऋण तथा बाजार जोखिम में परिवर्तन की मॉनिटरिंग के लिए प्रक्रियाओं का विवरण (उदाहरण के लिए, अंतर्निहित आस्तियों के मूल्य में उतार-चढ़ाव प्रतिभूति एक्सपोजर को कैसे प्रभावित करता है, जैसा कि एनसीएफ पर 1 जुलाई 2012 के मास्टर परिपत्र के पैरा 5.16.1 में परिभाषित किया गया है)।	बैंक ने प्रतिभूतिकरण उत्पाद में निवेश किया है। बैंक रेटिंग प्रवासन पर नजर रखता है और प्रतिभूतिकरण जोखिम पर पूंजी प्रभार प्रदान करता है।
प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर्स के माध्यम से बने जोखिमों के न्यूनीकरण के लिए ऋण जोखिम न्यूनीकरण के उपयोग को नियंत्रित करने के लिए बैंक की नीति का विवरण;	बैंक के आंतरिक दिशानिर्देशों के अनुसार
(ख) प्रतिभूतिकरण गतिविधियों के लिए बैंक की लेखा नीतियों का सारांश, जिसमें शामिल हैं:	
क्या लेनदेनों को बिक्री या वित्तपोषण माना गया है;	वित्तपोषण
बनाए रखी गई या खरीदी गई स्थिति के मूल्यांकन हेतु लागू की गई पद्धतियाँ व प्रमुख पूर्वानुमान (इनपुट सहित);	एफआईएमएडीए के दिशानिर्देशों के अनुसार
पिछली अवधि से पद्धतियों तथा प्रमुख अवधारणाओं में परिवर्तन व उन परिवर्तनों का प्रभाव;	लागू नहीं है
उन व्यवस्थाओं के लिए जिनके लिए बैंक को जिन प्रतिभूतिकृत आस्तियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने की आवश्यकता हो सकती है, उनके लिए तुलनपत्र में देनदारियों को पहचानने की नीतियाँ।	लागू नहीं है
तुलनपत्र से इतर साधनों के प्रायोजन का विवरण	शून्य
प्रतिभूतिकरण जोखिम के संबंध में मूल्यांकन	एफआईएमएडीए के दिशानिर्देशों के अनुसार
(ग) बैंकिंग बही में, प्रतिभूतिकरण के लिए उपयोग किए गए ईसीआई के नाम तथा प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर के प्रकार जिनके लिए प्रत्येक एजेंसी का उपयोग किया गया है।	लागू नहीं
मात्रात्मक प्रकटीकरण: बैंकिंग बही	
(डी) बैंक द्वारा प्रतिभूतिकृत एक्सपोजर की कुल राशि	शून्य
(ई) वर्तमान अवधि के दौरान बैंक द्वारा लेखे में शामिल की गई प्रतिभूतिकृत हानियों, एक्सपोजर के प्रकार (जैसे क्रेडिट कार्ड, आवास ऋण, वाहन ऋण इत्यादि का अंतर्निहित प्रतिभूति सहित विस्तृत विवरण) वर्गीकृत किया गया है।)	शून्य
(एफ) एक वर्ष के भीतर प्रतिभूतिकरण के लिए संभावित आस्तियों की राशि	शून्य
(जी) (एफ) में से, प्रतिभूतिकरण से पहले एक वर्ष के भीतर प्रवर्तित आस्तियों की राशि	लागू नहीं
(एच) प्रतिभूतिकृत एक्सपोजरों की कुल राशि (एक्सपोजर प्रकार द्वारा) और एक्सपोजर प्रकार द्वारा बिक्री पर गैर-मान्यता प्राप्त लाभ या हानि।	शून्य

(आई) की कुल राशि:		
तुलन पत्र में बनाए रखे गए या खरीदे गए प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर का उसके प्रकार के अनुसार विवरण तथा	₹9571.85 करोड़	
तुलन-पत्र से इतर प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर एक्सपोजर प्रकार के अनुसार विभाजित	शून्य	
(जे) प्रतिभूतिकृत एक्सपोजर की कुल राशि (एक्सपोजर प्रकार के अनुसार) तथा उस एक्सपोजर प्रकार के अनुसार बिक्री पर लाभ या हानि जिसे लेखे में शामिल नहीं किया गया है।	₹172.49 करोड़	
एक्सपोजर जो पूरी तरह से टियर 1 पूँजी से काटे गए हैं, क्रेडिट बढ़ाने वाले I/Os कुल पूँजी से काटे गए हैं, और अन्य एक्सपोजर कुल पूँजी (एक्सपोजर प्रकार द्वारा) से काटे गए हैं।	शून्य	
मात्रात्मक प्रकटीकरण: ट्रेडिंग बुक		
(के) बैंक द्वारा प्रतिभूतिकृत एक्सपोजर की कुल राशि जिसके लिए बैंक ने कुछ एक्सपोजर यथावत बनाए रखा है तथा जिसका आकलन बाजार जोखिम पद्धति दृष्टिकोण के अनुसार किया गया है, एक्सपोजर प्रकार के अनुसार विवरण	शून्य	
(एल) की कुल राशि:		
बैलेंस शीट पर प्रतिभूतिकरण जोखिम को जोखिम के प्रकार के अनुसार बनाए रखा या खरीदा गया; और	शून्य	
जोखिम के प्रकार के अनुसार ऑफ-बैलेंस शीट प्रतिभूतिकरण जोखिम का विभाजन	शून्य	
(एम) प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर की कुल राशि के लिए अलग से रखा या खरीदा गया:	शून्य	
विशिष्ट जोखिम के लिए व्यापक जोखिम माप के अधीन प्रतिभूतिकरण जोखिम को बनाए रखा या खरीदा गया; तथा	शून्य	
प्रतिभूतिकरण जोखिम विशिष्ट जोखिम के लिए प्रतिभूतिकरण ढांचे के अधीन हैं जिन्हें विभिन्न जोखिम भार बैंडों में विभाजित किया गया है।	शून्य	
(एन) की कुल राशि:		
प्रतिभूतिकरण जोखिमों के लिए पूँजीगत आवश्यकताएं, प्रतिभूतिकरण ढांचे के अधीन, विभिन्न जोखिम भार बैंडों में विभाजित हैं।	शून्य	
पूरी तरह से टियर 1 पूँजी से घटाए गए प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर, कुल पूँजी से घटाए गए ऋण संवर्धन वाले आई/ओ तथा कुल पूँजी से घटाए गए अन्य एक्सपोजर (एक्सपोजर प्रकार अनुसार)	शून्य	

(ओ) बैंकिंग बही में प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर का विवरण:

i) प्रतिभूतिकरण जोखिम का विवरण 31.03.2025 पर बनाए रखा या खरीदा गया

(₹ करोड़ में)			
एक्सपोजर प्रकार	ऑन-बैलेंस शीट	ऑफ-बैलेंस शीट	कुल
वाहन/उपकरण ऋण	9,564.44	शून्य	9,564.44
गृह ऋण	शून्य	शून्य	शून्य
व्यक्तिगत ऋण	शून्य	शून्य	शून्य
असुरक्षित ऋण	7.41	शून्य	7.41
कॉर्पोरेट ऋण	शून्य	शून्य	शून्य
अन्य	शून्य	शून्य	शून्य
कुल	9,571.85	शून्य	9,571.85

ii) 31.03.2025 तक प्रतिभूतिकरण जोखिम के जोखिम भार बैंड ब्रेक-अप का विवरण

(₹ करोड़ में)				
	100% जोखिम भार	100% जोखिम भार	100% जोखिम भार	कुल
एक्सपोजर	9,571.85	-	-	9,571.85
कुल पूँजी प्रभार	172.49	-	-	172.49

(पी) ट्रेडिंग बुक में प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर का विवरण: शून्य

डीएफ - 7: ट्रेडिंग बुक में बाजार जोखिम

31.03.2025 की स्थिति

(क) गुणात्मक प्रकटीकरण:

- (1) बैंक बाजार जोखिम के लिए पूँजी आवश्यकता की गणना करने के लिए मानकीकृत मापन पद्धति (एसएमएम) का अनुसरण करता है।
- (2) बैंक के बोर्ड द्वारा अनुमोदित अभिशासन संरचना के अनुसार बैंक के जोखिम प्रबंधन विभाग के अंतर्गत बाजार जोखिम प्रबंधन विभाग (एमआरएमडी) कार्य कर रहा है।
- (3) एमआरएमडी ट्रेजरी परिचालनों से जुड़े बाजार जोखिम की पहचान, उनके आकलन, निगरानी तथा रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार है।
- (4) प्रत्येक आस्ति वर्ग के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित, सुपरिभाषित बाजार जोखिम प्रबंधन मानकों सहित निम्नलिखित नीतियां लागू की हैं:
 - क) बाजार जोखिम प्रबंधन नीति
 - ख) बाजार जोखिम सीमाएं
 - ग) निवेश नीति
 - घ) ट्रेडिंग नीति
 - ङ) बाजार जोखिम के लिए दबाव जांच नीति
 - च) हेजिंग नीति (बैंक के लिए)
- (5) जोखिम निगरानी एक निरंतर जारी रहने वाली प्रक्रिया है तथा इसमें जोखिम की स्थिति का विश्लेषण किया जाता है तथा बैंक के शीर्ष प्रबंधन, बाजार जोखिम प्रबंधन समिति व बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति को सूचित किया जाता है।
- (6) जोखिम प्रबंधन तथा उसकी रिपोर्टिंग वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप आशोधित अवधि, पीवी01, ऑप्शन ग्रीक, अधिकतम अनुमत एक्सपोजर, जोखिम मूल्य सीमा, संकेंद्रण जोखिम सीमा, निम्न व ऊपरी प्रबंधन कार्रवाई ट्रिगर जैसे मापदंडों पर आधारित हैं।
- (7) बोर्ड द्वारा अनुमोदित विदेशी मुद्रा खुली स्थिति सीमा (दैनिक/एकदिवसीय), हानि रोध सीमा, सकल अंतराल सीमा (एजीएल), एकल अंतराल सीमा (आईजीएल) की निगरानी की जाती है और यदि कोई अपवाद हो, तो इसकी सूचना बैंक के शीर्ष प्रबंधन, बाजार जोखिम प्रबंधन समिति तथा बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति को दी जाती है।
- (8) जोखिम पर मूल्य (वीएआर) की गणना दैनिक आधार पर की जाती है। वीएआर संख्या की बैंक-टेस्टिंग प्रतिदिन की जाती है। मूल्य जोखिम के पूरक के रूप में त्रैमासिक अंतराल पर दबाव परीक्षण किया जाता है। इसके परिणाम बैंक के शीर्ष प्रबंधन, बाजार जोखिम प्रबंधन समिति और बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति को सूचित किए जाते हैं।
- (9) विदेश स्थित संबंधित कार्यालय स्थानीय विनियामक और भारतीय रिजर्व बैंक की शर्तों के अनुसार अपने निवेश पोर्टफोलियो के जोखिम की निगरानी करते हैं। एकल निवेश के लिए हानि रोध सीमा तथा कतिपय पोर्टफोलियो के लिए एक्सपोजर सीमा निर्धारित की गई है।

(बी) मात्रात्मक प्रकटीकरण:

बाजार जोखिम पर पूँजी प्रभार

बैंक निम्नानुसार मानकीकृत विधि के तहत बाजार जोखिम के लिए पूँजी प्रभार को निम्नानुसार बनाए रखता है।

	(₹ करोड़ में)
श्रेणी	31.03.2025
ब्याज दर जोखिम	9117.78
इक्विटी जोखिम	34028.27
विदेशी मुद्रा जोखिम (स्वर्ण सहित)	1106.86
कुल	44252.91

डीएफ-8: परिचालन जोखिम

31.03.2025 की स्थिति

गुणात्मक प्रकटीकरण

अ. परिचालन जोखिम प्रबंधन कार्य की संरचना और संगठन

- भारतीय स्टेट बैंक में परिचालन जोखिम प्रबंधन विभाग, बैंक की एकीकृत जोखिम अभिशासन संरचना के अंतर्गत संबंधित मुख्य जोखिम अधिकारी के नियंत्रण में कार्य करता है। भारतीय स्टेट बैंक में, मुख्य जोखिम अधिकारी बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) को रिपोर्ट करते हैं।
- समूह की अन्य इकाइयों में परिचालन जोखिम संबंधी मुद्दों को संबंधित इकाइयों के मुख्य जोखिम अधिकारियों के समग्र नियंत्रण में उनके व्यवसाय मॉडल तथा विनियामकों की आवश्यकताओं अनुसार निपटाया जा रहा है।

भारतीय स्टेट बैंक में परिचालन जोखिम पर नियंत्रण एवं न्यूनीकरण नीतियां

घरेलू बैंकिंग संस्थाएं (एसबीआई)

भारतीय स्टेट बैंक में निम्नलिखित नीतियां, रूपरेखा दस्तावेज़ और मैनुअल लागू हैं:

नीतियाँ व रूपरेखा संबंधी दस्तावेज़

- परिचालनात्मक जोखिम प्रबंधन नीति में परिचालन जोखिमों की व्यवस्थित और सक्रिय पहचान, मूल्यांकन, माप, निगरानी, शमन और रिपोर्टिंग के लिए परिचालन जोखिम प्रबंधन ढांचा शामिल है।
- लॉस डेटा प्रबंधन नीति
- आईटी नीति और मानक
- साइबर सुरक्षा नीति
- सूचना सुरक्षा नीति और मानक
- व्यापक व्यापार निरंतरता और परिचालन लचीलापन (बीसी और ओआर) नीति
- अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी) मानकों और धन शोधन निवारण (एएमएल)/आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने संबंधी उपायों पर नीति
- धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पर नीति
- आईटी आउटसोर्सिंग और खरीद नीति
- बीमा पर पॉलिसी
- आरसीएसए पर फ्रेमवर्क
- टीपीआरएम फ्रेमवर्क

नियमावली

- परिचालन जोखिम प्रबंधन मैनुअल
- लॉस डेटा प्रबंधन मैनुअल
- व्यापार निरंतरता और परिचालन लचीलापन (बीसी और ओआर) मैनुअल
- व्यापार निरंतरता प्रबंधन प्रणाली (बीसीएमएस) योजना

घरेलू गैर-बैंकिंग और विदेशी बैंकिंग संस्थाएं

गैर-बैंकिंग संस्थाओं के लिए उनके व्यवसायिक मॉडल से संबंधित तथा विदेश स्थित बैंकिंग अनुषंगियों के संबंध में विदेशी विनियामकों की आवश्यकताओं के अनुरूप नीतियां व मैनुअल विद्यमान हैं। कुछ विद्यमान नीतियां इस प्रकार हैं- आपदा प्रबंधन योजना/व्यापार निरंतरता योजना, घटना रिपोर्टिंग तंत्र, नियर मिस इवेंट रिपोर्टिंग तंत्र, आउटसोर्सिंग नीति इत्यादि।

आ. रणनीतियाँ और प्रक्रियाएँ

घरेलू बैंकिंग संस्थाएं (एसबीआई)

- जोखिम संस्कृति और परिचालन जोखिम प्रबंधन को सफलतापूर्वक स्थापित करने के लिए परिचालन जोखिम प्रबंधन समिति (ओआरएमसी) और बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) के अलावा बैंक में विभिन्न स्तरों पर जोखिम प्रबंधन समितियाँ जैसे मंडलों में आरएमसीएओ, आरएमसीसी तथा व्यवसाय एवं सहायता समूहों (आरएमसी-आर एंड डीबी, आरएमसी-आईबीजी, आरएमसी-जीएमयू, आरएमसी-सीएजी, आरएमसी-सीसीजी, आरएमसी-एसएआरजी और आरएमसी-आईटी) में आरएमसी स्थापित की गई हैं।
- बेसल परिभाषित 8 बिजनेस लाइन और 7 लॉस इवेंट टाइप अनुसार परिचालन जोखिमों के कारण आंतरिक और बाह्य हानि का एक व्यापक डेटाबेस बनाने की प्रक्रिया मौजूद है। इसके अलावा, जोखिम प्रबंधन प्रथाओं को बेहतर बनाने के लिए नियर मिस इवेंट तथा बाह्य हानि को भी कैप्चर किया जाता है।
- जोखिम और नियंत्रण स्व-मूल्यांकन (आरसीएसए) मौजूदा नियंत्रणों में अंतराल, यदि कोई हो, की पहचान करने के लिए कार्यशाला-आधारित दृष्टिकोण में आयोजित एक सक्रिय अभ्यास है और जोखिमों को कम करने के लिए सिस्टम और नियंत्रण में सुधार के लिए सुझाव आमंत्रित किए जाते हैं। आरसीएसए स्टाफ सदस्यों के बीच जोखिम जागरूकता पैदा करने में भी मदद करता है। आरसीएसए अभ्यास वार्षिक आधार पर बैंक शाखाओं, सीपीसी और कार्यालयों में किया जाता है। बैंक लॉन्च/समीक्षा के समय उत्पादों/प्रक्रियाओं के लिए थीम आधारित आरसीएसए भी आयोजित करता है। आरसीएसए अभ्यास के आधार पर, उच्च और महत्वपूर्ण जोखिमों के रूप में रेट की गई गतिविधियों के लिए शमन योजनाएं तैयार और कार्यान्वित की जाती हैं। बैंक में प्रणाली और नियंत्रण के आगे सुधार के लिए आरसीएसए अभ्यास के दौरान उत्पन्न सुझावों के लिए व्यवसाय मालिकों द्वारा व्यवहार्यता अध्ययन किया जाता है। तदर्थ-आरसीएसए परिचालन हानि की घटनाओं, धोखाधड़ियों, कारोबार में अचानक वृद्धि और शिकायतों आदि के आधार पर पहचान की गई शाखाओं में सक्रिय दृष्टिकोण के रूप में कार्य कर रहा है।
- प्रमुख संकेतकों (केआई) की पहचान की गई है और श्रेयोल्ड और निगरानी तंत्र मौजूद है। सकलों में जोखिम प्रबंधन समितियों (आरएमसी), परिचालन जोखिम प्रबंधन समिति (ओआरएमसी) और बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) द्वारा तिमाही अंतरालों पर केआई की निगरानी की जा रही है। वित्तीय वर्ष के दौरान बारीकी से अनुवर्ती कार्रवाई के लिए शीर्ष 10 महत्वपूर्ण केआई की पहचान की जाती है।
- बासेल II/III दिशानिर्देशों के अंतर्गत यथा अपेक्षित प्रचालनात्मक जोखिम की मात्रा निर्धारित करने और मॉनीटरिंग करने के लिए आंतरिक प्रणालियों का विकास किया जा रहा है।
- ऑनबोर्डिंग के समय और आवधिक समीक्षा के दौरान विक्रेता सगाई के लिए विक्रेता जोखिम मूल्यांकन आयोजित किया जा रहा है। विक्रेता जोखिम मूल्यांकन के परिणाम जोखिम प्रबंधन समितियों के समक्ष प्रस्तुत किए जाते हैं।

अन्य

- घरेलू बैंकिंग संस्थाओं में परिचालन जोखिमों को नियंत्रित करने और उनके न्यूनीकरण के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैं:
- अनुदेश पुस्तिका (सामान्य अनुदेशों पर मैनुअल, ऋण और अग्रिमों पर मैनुअल) जारी की है हैं, जिनमें विभिन्न बैंकिंग लेनदेनों की प्रक्रियाओं के लिए विस्तृत प्रक्रियात्मक दिशानिर्देश दिए गए हैं। इन दिशानिर्देशों में आशोधन तथा नियमित रूप से ई-परिपत्रों/मास्टर परिपत्रों के माध्यम से उन्हें अद्यतन किया जा रहा है। दिशानिर्देशों तथा अनुदेशों को ई-परिपत्रों, ई-लर्निंग पाठ, प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि के माध्यम से भी प्रचारित किया जाता है।
- व्यवसाय प्रक्रिया पुनः निर्धारण (बीपीआर) इकाइयों से संबंधित अद्यतन नियमावली तथा परिचालन अनुदेश।
- वित्तीय अधिकारों का प्रत्यायोजन, जिसमें विभिन्न प्रकार के वित्तीय तथा गैर-वित्तीय लेनदेनों के लिए विभिन्न स्तर के अधिकारियों के संस्वीकृति अधिकारों का विवरण दिया गया है।
- स्टाफ प्रशिक्षण- बैंक के शीर्ष प्रशिक्षण संस्थानों और स्टेट बैंक ज्ञानार्जन एवं विकास संस्थानों में विभिन्न श्रेणियों के कर्मिकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में जोखिम प्रबंधन मॉड्यूल के एक भाग के रूप में परिचालन जोखिम पर जानकारी को शामिल किया गया है।
- बीमा पर बैंक की नीति के अनुसार धोखाधड़ी को छोड़कर अधिकांश संभावित परिचालन जोखिमों के लिए बीमा कवर प्राप्त किया जाता है।

- आंतरिक लेखा परीक्षक नियंत्रण प्रणालियों की उपयुक्तता तथा प्रभावशीलता की जांच एवं मूल्यांकन तथा कतिपय नियंत्रण प्रक्रियाओं की कार्यशीलता के लिए उत्तरदायी हैं। वे विधिक तथा विनियामक आवश्यकताओं, आचार संहिताओं एवं नीतियों और प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान प्रणालियों की समीक्षा भी करते हैं।
- किसी आपदा के बाद व्यवसाय निरंतरता महत्वपूर्ण व्यावसायिक प्रक्रियाओं की बहाली और पुनर्प्राप्ति के लिए एक सुदृढ़ व्यवसाय निरंतरता प्रबंधन नीति तथा मैनुअल बैंक में मौजूद हैं।
- अवकाश नीति का सख्ती से अनुपालन।

घरेलू गैर-बैंकिंग और विदेशी बैंकिंग संस्थाएं

घरेलू गैर-बैंकिंग और विदेशी बैंकिंग कंपनियों में प्रणालियों और प्रक्रियाओं तथा रिपोर्टिंग के माध्यम से पर्याप्त उपाय किए गए हैं।

इ. जोखिम रिपोर्टिंग एवं मापन प्रणालियों का दायरा व स्वरूप

- समूह की सभी इकाइयों में धोखाधड़ी के संबंध में रिपोर्टों को शीघ्र प्रस्तुत करने की एक प्रणाली विद्यमान है।
- समूह की सभी इकाइयों में निवारक सतर्कता और व्हिसल ब्लोइंग की एक व्यापक प्रणाली स्थापित है।
- सभी शाखाओं के आरसीएसए/आरसीएसए-संक्षिप्त अभ्यास से सामने आए महत्वपूर्ण जोखिमों के लिए परिदृश्य विश्लेषण तथा लॉस डेटा/एनएमई विश्लेषण के संबंध में नियमित अंतराल पर शीर्ष प्रबंधन को सूचित किया जाता है और निरंतर सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है।
- पिछले 3 वर्षों के लिए औसत सकल आय के 15% के पूंजी प्रभार के साथ मूल संकेतक दृष्टिकोण 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए बीमा कंपनियों को छोड़कर, परिचालन जोखिम के लिए लागू किया जाता है।
- आरबीआई ने संशोधित बेसल III मानकीकृत दृष्टिकोण (एसए) के कार्यान्वयन के लिए 26 जून 2023 को मास्टर दिशानिर्देश जारी किए हैं और परिचालन जोखिम पूंजी की गणना के लिए सभी मौजूदा दृष्टिकोणों को बदलने का प्रस्ताव दिया है। तथापि, इन निर्देशों के कार्यान्वयन की प्रभावी तारीख की सूचना भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बाद में दी जाएगी। तब तक, न्यूनतम परिचालन जोखिम नियामक पूंजी आवश्यकताओं की गणना समय-समय पर संशोधित आरबीआई परिपत्र दिनांक 1 अप्रैल 2025 के आरबीआई परिपत्र द्वारा जारी 'मास्टर सर्कुलर-बेसल III कैपिटल रेगुलेशन' में निहित निर्देशों के अनुसार बेसिक इंडिकेटर एप्रोच (बीआईए) के अनुसार की जाएगी।

डीएफ -9: बैंकिंग बही में ब्याज दर जोखिम (आईआरआरबीबी)

31.03.2025 तक की स्थिति

1. बैंकिंग बही में ब्याज दर जोखिम (आईआरआरबीबी)

आंतरिक एवं बाह्य कारकों के कारण बैंक की ब्याज दर में होने वाले उतार-चढ़ाव से निवल ब्याज आय तथा आस्तियों एवं देयताओं के मूल्य पर पड़ने वाले प्रभाव को ब्याज दर जोखिम कहा जाता है। आंतरिक कारकों में बैंक की आस्ति एवं देयताओं की संरचना, गुणवत्ता, परिपक्वता, वर्तमान ब्याज दर तथा जमाराशियों, उधार, ऋण एवं निवेशन की पुनर्मूल्यन अवधि शामिल हैं। बाह्य कारकों में सामान्य आर्थिक स्थितियों आती हैं। बैंक पर बढ़ती या घटती ब्याज दरों का प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि तुलनपत्र आस्ति संवेदनशील है या देयता संवेदनशील। बैंक अपने तुलनपत्र में शामिल तथा तुलनपत्र-इतर एक्सपोजर पर बदलती ब्याज दरों से जुड़े अंतर्निहित जोखिमों की पहचान अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों दृष्टिकोणों से करता है।

1.1 संरचना और संगठन

आस्ति-देयता प्रबंधन समिति (एलसीओ) तुलनपत्र जोखिमों की लगातार पहचान एवं विश्लेषण तथा बैंक की एलएम नीति के माध्यम से इन जोखिमों के कुशल प्रबंधन हेतु मानकों को निर्धारित करने के लिए उपयुक्त प्रणालियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने के लिए जिम्मेदार है। इसलिए, एलसीओ समय-समय पर जोखिम और प्रतिलाभों, निधियाँ एवं विनियोजन, बैंक के ऋण व जमाराशियों पर ब्याज दर निर्धारण तथा निवेश संबंधी गतिविधियों के संबंध में निदेश देने आदि की निगरानी व नियंत्रण करती है। निदेशक मंडल की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) एलएम 2 प्रणाली के कार्यान्वयन को देखती है तथा समय-समय पर इसके कामकाज की समीक्षा करती है और दिशानिर्देश देती है। यह, ब्याज दर जोखिम प्रबंधन के लिए एलसीओ द्वारा लिए गए निर्णयों की समीक्षा करता है।

1.2 जोखिम रिपोर्टिंग और मापन प्रणालियों का क्षेत्र तथा स्वरूप

भारतीय रिजर्व बैंक ने पारंपरिक अंतराल विश्लेषण (आईआरएस-टीजीए) के अंतर्गत ब्याज दर संवेदनशीलता के विवरण के माध्यम से मासिक अंतराल पर ब्याज दर जोखिम की निगरानी निर्धारित की है। तदनुसार, एलसीओ मासिक आधार पर आईआरएस-टीजीए की समीक्षा करती है और जोखिम पर आय (ईएआर) की मॉनिटरिंग करती है। आस्तियों व देयताओं पर ब्याज दर में समानांतर परिवर्तन के कारण बैंक की शुद्ध ब्याज आय में परिवर्तन का आकलन करती है।

आर.बी.आई. ने ड्यूरेन गैप एनालिसिस (आईआरएस-डीजीए) के तहत ब्याज दर संवेदनशीलता के माध्यम से बैंक की परिसंपत्तियों और देयताओं के आर्थिक मूल्य पर ब्याज दरों में परिवर्तन के प्रभाव का अनुमान लगाने के लिए भी निर्धारित किया है, जिसे बैंक मासिक आधार पर करता है। इक्विटी के बाजार मूल्य पर ब्याज दर में परिवर्तनों के प्रभाव की निगरानी आईआरएस-डीजीए के माध्यम से बाजार ब्याज दर में दिए गए परिवर्तन द्वारा परिसंपत्तियों और देनदारियों के मूल्य में परिवर्तनों को पहचानकर की जाती है। आस्तियों और देयताओं दोनों के लिए ब्याज दरों में 2% समानान्तर परिवर्तन के साथ इक्विटी के मूल्य (आरक्षित निधि सहित) में परिवर्तन का अनुमान है।

जोखिम पर अर्जन (ईएआर): ब्याज दरों में परिवर्तन का तुरंत प्रभाव बैंक की निवल ब्याज आय (एनआईआई) में परिवर्तन से अर्जन पर पड़ता है। जोखिम पर अर्जन, लघु अवधि में (एक वर्ष में प्रभाव) एनआईआई पर ब्याज दर परिवर्तन के प्रभाव की गणना के लिए उपयोगी है। जोखिम पर अनर्जन गणना में बैंकिंग बही तथा ट्रेडिंग बही दोनों शामिल हैं।

इक्विटी का बाजार मूल्य (एमवीई): ब्याज दरों में परिवर्तन का दीर्घकालिक प्रभाव बैंक की देयताओं एवं तुलन पत्र बाह्य स्थितियों के आर्थिक मूल्य में परिवर्तन के माध्यम बैंक के इक्विटी के बाजार मूल्य (एमवीई) या निवल मालियत पर पड़ता है। यद्यपि मूल्य में इन परिवर्तनों का प्रभाव आय पर नहीं पड़ता, फिर भी इनका प्रभाव बैंक की पूँजी की स्थिति पर पड़ता है।

बैंक अपने घरेलू तथा विदेश में परिचालन के लिए आईआरआरबीबी को प्रबंधित करने के ढाँचे के हिस्से के रूप में एमवीई दृष्टिकोण का उपयोग करता है। एमवीई के प्रभाव का आकलन संपूर्ण बैंक तथा बैंकिंग बही पर अलग से किया जाता है। आईआरआरबीबी की प्रभावी ढंग से मॉनिटरिंग करने के लिए, एलएम नीति में संपूर्ण बैंक तथा बैंकिंग बही के लिए भिन्न-भिन्न एमवीई सीमाएं निर्धारित की गई हैं।

1.3 जोखिम हेजिंग तथा न्यूनीकरण नीतियां

बैंक में, हेजिंग लेनदेन करने के लिए एक नीति विद्यमान है। अंतर्निहित तथा तात्कालिक बाजार परिस्थितियों के आधार पर बैंक निर्धारित आस्तियों तथा देयताओं के लिए हेजिंग लेनदेन करता है। ब्याज दर स्वेप, ओआईएस, फॉरवर्ड दर करार तथा क्रॉस मुद्रा स्वेप जैसी डेरिवेटिव लिखतों को बैंक द्वारा हेजिंग तकनीक के रूप में प्रयोग किया जाता है।

2. मात्रात्मक प्रकटीकरण (स्टेट बैंक समूह हेतु) (मार्च 2025)

- 2.1 31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार, यील्ड वक्र में समानांतर परिवर्तन को मानते हुए, ब्याज दरों में परिवर्तन के कारण एनआईआई पर अनुमानित प्रभाव निम्नलिखित टेबल में बताया गया है):

जोखिम पर अर्जन (ईएआर)

	(₹ करोड़ में)
निवल ब्याज दर पर प्रभाव	
निवल ब्याज आय (एनआईआई) पर आस्तियों एवं देयता दोनों पर ब्याज दर में 100 बीपीएस के समानांतर परिवर्तन का प्रभाव	9,420.43
निवल ब्याज आय (एनआईआई) पर आस्तियों एवं देयता दोनों पर ब्याज दर में 200 बीपीएस के समानांतर परिवर्तन का प्रभाव	18,840.77

- 2.2 31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार, यील्ड वक्र में समानांतर परिवर्तन को मानते हुए, ब्याज दरों में परिवर्तन के कारण एमवीई पर अनुमानित प्रभाव निम्नलिखित टेबल में बताया गया है।

इक्विटी का बाजार मूल्य (एमवीई)

	(₹ करोड़ में)
एमवीई पर प्रभाव	
इक्विटी के बाजार मूल्य (एमवीई) - बैंकिंग बही पर आस्ति एवं देयता दोनों पर ब्याज दर में 100 बीपीएस समानांतर परिवर्तन का प्रभाव	7,776.03
इक्विटी के बाजार मूल्य (एमवीई) - बैंकिंग बही पर आस्ति एवं देयता दोनों पर ब्याज दर में 200 बीपीएस समानांतर परिवर्तन का प्रभाव	15,552.05

डीएफ - 10: प्रतिपक्ष क्रेडिट जोखिम से संबंधित एक्सपोजर के लिए सामान्य प्रकटीकरण

31.03.2025 की स्थिति

गुणात्मक प्रकटीकरण:

काउंटरपार्टी क्रेडिट रिस्क (सीसीआर) वह जोखिम है जो लेनदेन के नकदी प्रवाह के अंतिम निपटान से पहले लेनदेन के प्रतिपक्ष द्वारा चूक किया जा सकता है। ऐसे में यदि लेन-देन के समय प्रतिपक्ष द्वारा चूक होती है यह आर्थिक हानि में परिणत हो सकता है।

प्रतिपक्ष ऋण जोखिम को कम करने के लिए, बैंक ने निम्नलिखित प्रक्रियाओं को अपनाया है:

- बैंक का क्रेडिट जोखिम प्रबंधन विभाग (सीआरएमडी) घरेलू बैंकों, विदेशी बैंकों, विकास वित्तीय संस्थान, प्राथमिक डीलरों, योग्य केंद्रीय प्रतिपक्षों, लघु वित्त बैंकों और भुगतान बैंकों पर प्रतिपक्ष एक्सपोजर के लिए अधिकतम अनुमत वैश्विक एक्सपोजर सीमा (पीजीईएल) निर्धारित करता है।
- सीआरएमडी काउंटरपार्टी एक्सपोजर के लिए अनुमत ग्लोबल एक्सपोजर लिमिट (पीजीईएल) निर्धारित करने के लिए स्कोरिंग मॉडल का उपयोग करता है।
- पीजीईएल सभी व्यावसायिक इकाइयों, जैसे सीएजी, सीसीजी, आरबी एंड ओ, ग्लोबल मार्केट्स और आईबीजी को आबंटित किए जाते हैं, जो बदले में अपने संबंधित नियंत्रण के तहत विभिन्न ऑपरेटिंग इकाइयों के बीच सीमा आबंटित करते हैं।
- उपर्युक्त के अलावा, बैंक ने बैंक में प्रतिपक्ष ऋण जोखिम के प्रबंधन के लिए विभिन्न नीतियां और मैनुअल जैसे व्यापार नीति, बाजार जोखिम प्रबंधन नीति, बाजार प्रबंधन मैनुअल, विदेशी मुद्रा व्यापार मैनुअल, व्युत्पन्न व्यापार मैनुअल आदि लागू किए हैं।

मात्रात्मक प्रकटीकरण:

नोशनल और वर्तमान क्रेडिट एक्सपोजर का वितरण	काल्पनिक	वर्तमान क्रेडिट एक्सपोजर	(₹ करोड़ में)
			वर्तमान एक्सपोजर विधि (सीईएम) के तहत एक्सपोजर
ए) ब्याज दर स्विप	1155521.24	3916.20	12997.91
बी) क्रॉस करेंसी स्विप	199906.20	1732.43	12807.01
सी) मुद्रा विकल्प	179260.91	344.03	7325.66
डी) विदेशी मुद्रा अनुबंध	1239910.62	8278.48	44869.76
ई) करेंसी फ्यूचर्स	0.00	0.00	0
एफ) वायदा दर समझौते	245.95	0.00	0
जी) अन्य (कृपया उत्पाद का नाम निर्दिष्ट करें) - एनडीएफ	63464.19	1218.78	2488.06
एच) बॉन्ड एफआरए	2335.00	3.63	31.16
कुल	2840644.10	15493.55	80519.56
क्रेडिट डेरिवेटिव लेनदेन		शून्य	

डीएफ - 11: पूंजी संरचना

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार

(₹ करोड़ में)			
31 मार्च, 2017 से बेसल III सामान्य प्रकटीकरण टेम्पलेट का प्रयोग किया जा रहा है			
कॉमन इक्विटी टियर 1 पूंजी: लिखतें एवं आरक्षित निधियाँ			संदर्भ सं. (डीएफ-12: चरण 2 के संबंध में)
1	सीधे जारी की गई अर्हता कॉमन शेयर पूंजी तथा संबंधित स्टॉक्स अधिशेष (शेयर लाभांश)	80008.06	ए1 + बी3
2	यथावत रखा गया अर्जन	331777.66	बी1 + बी2 + बी7 + बी8 + बी9 (#)
3	अन्य कुल संचित आय (तथा अन्य आरक्षितियाँ)	25325.37	बी5* 75% + बी6* 45%
4	सीईटी 1 से कटीती के अधीन सीधे जारी पूंजी (केवल गैर-संयुक्त स्टॉक कंपनियों पर लागू)	0	
5	अनुषंगियों द्वारा जारी कॉमन शेयर पूंजी तथा तीसरे पक्ष द्वारा प्रतिधारित (सीईटी 1 समूह में अनुमत राशि)	3596.32	
6	विनियामक समायोजन से पूर्व सामान्य इक्विटी टियर 1 पूंजी	440707.41	
सामान्य इक्विटी टियर 1 पूंजी : विनियामक समायोजन			
7	विवेकपूर्ण मूल्यांकन समायोजन	4115.27	
8	साख (संबंधित कर देयता के पश्चात)	1402.37	डी
9	अमूर्त (संबंधित कर देयता के पश्चात)	0	
10	आस्थगित कर आस्तियाँ	10.05	
11	नकदी-प्रवाह हेज रिजर्व	0	
12	संभावित हानियों के लिए प्रावधानों की कमी	0	
13	बिक्री पर प्रतिभूतिकरण लाभ	0	
14	उचित मूल्य की देयताओं पर स्वयं के ऋण जोखिम में परिवर्तन के कारण लाभ और हानि	0	
15	नियत-लाभ पेंशन फंड निवल आस्तियाँ	0	
16	अपने शेयरों में निवेश (यदि रिपोर्ट किए गए तुलनपत्र में पहले से कम नहीं किया गया हो तो)	212.43	
17	कॉमन इक्विटी में पारस्परिक क्रॉस-होल्टिंग	51.43	
18	उन बैंकिंग, वित्त तथा बीमा संस्थाओं की कॉमन पूंजी में निवेश जो विनियामक समेकन के कार्य के क्षेत्र के बाहर हैं तथा जहां पात्र अधिविक्रय को घटाने के बाद जारी की गई शेयर पूंजी में बैंक की अपनी पूंजी 10% से अधिक नहीं है (10% की प्रारम्भिक सीमा से अधिक राशि)	0	

(₹ करोड़ में)

31 मार्च, 2017 से बेसल III सामान्य प्रकटीकरण टेम्पलेट का प्रयोग किया जा रहा है

कॉमन इक्विटी टियर 1 पूँजी: लिखतें एवं आरक्षित निधियाँ		संदर्भ सं. (डीएफ-12: चरण 2 के संबंध में)
19	बैंकिंग, वित्तीय तथा बीमा संस्थाओं के कॉमन स्टॉक में महत्वपूर्ण निवेश जो नियामक समेकन के दायरे से बाहर हैं, पात्र शॉर्ट पोজीशन घटाकर (10% की प्रारम्भिक सीमा से अधिक राशि)	0
20	बंधक सर्विसिंग अधिकार (10% की प्रारम्भिक सीमा से अधिक राशि)	0
21	अस्थायी अंतर से उत्पन्न आस्थगित कर आस्तियाँ (संबंधित कर देयता घटाने के बाद 10% की प्रारम्भिक सीमा से अधिक राशि)	0
22	15% की प्रारम्भिक सीमा से अधिक राशि	0
23	इसमें से: वित्तीय संस्थाओं के कॉमन स्टॉक में महत्वपूर्ण निवेश	0
24	इसमें से: बंधक सर्विसिंग अधिकार	0
25	इसमें से: अस्थायी अंतर से उत्पन्न आस्थगित कर आस्तियाँ	0
26	राष्ट्रीय विशेष विनियामक समायोजन (26ए+26बी+26सी+26डी)	1863.34
26ए	इसमें से: असमेकित बीमा अनुषंगियों की इक्विटी पूँजी में निवेश	1809.35
26बी	इसमें से: असमेकित गैर-वित्तीय अनुषंगियों की इक्विटी पूँजी में निवेश	53.99
26सी	इसमें से: बैंक के साथ समेकित न की गई, आधे से अधिक हिस्सेदारी वाली वित्तीय संस्थाओं की इक्विटी पूँजी में कमी	0
26डी	इसमें से: अपरिशोधित पेंशन निधि व्यय	0
27	कटौतियों को कवर करने के लिए अपर्याप्त टियर 1 तथा टियर 2 के कारण कॉमन टियर 1 इक्विटी में लागू किए गए विनियामक समायोजन	0
28	कॉमन टियर 1 इक्विटी में कुल विनियामक समायोजन	7654.89
29	सामान्य इक्विटी टियर 1 पूँजी (सीईटी 1)	433052.52
अतिरिक्त टियर 1 पूँजी : लिखतें		
30	सीधे जारी किए गए अर्हता अतिरिक्त टियर 1 लिखतें तथा संबंधित स्टॉक आधिक्य (शेयर लाभांश) (31+32)	48708.00
31	इसमें से: लागू लेखा मानकों के अंतर्गत इक्विटी के रूप में वर्गीकृत (बेमियादी गैर-संचयी अधिमान शेयर)	0
32	इसमें से: लागू लेखा मानकों के अंतर्गत देयता के रूप में वर्गीकृत (बेमियादी ऋण लिखतें)	48708.00
33	अतिरिक्त टियर 1 में से कम करने के लिए सीधे जारी की गई पूँजी लिखतें	0
34	अनुषंगियों द्वारा जारी और अन्य पक्ष द्वारा अतिरिक्त टियर 1 लिखत (तथा सीईटी लिखतें पंक्ति 5 में शामिल नहीं की गई हैं) (राशि समूह एटी 1 में अनुमत)	674.31
35	इसमें से: अनुषंगियों द्वारा जारी लिखतें जो कम होने वाली हैं	0
36	विनियामक समायोजन से पूर्व अतिरिक्त टियर 1 पूँजी	49382.31
अतिरिक्त टियर 1 पूँजी: विनियामक समायोजन		
37	अपनी अतिरिक्त टियर 1 लिखतों में निवेश	0.00
38	अतिरिक्त टियर 1 लिखतों में पारस्परिक प्रति-धारणाएँ	1116.67
39	विनियामक समेकन के क्षेत्र से बाहर की बैंकिंग, वित्तीय और बीमा संस्थाओं की पूँजी में निवेश, पात्र अधिविक्रय पोजिशन को घटाने के बाद जहाँ जारी की गई कॉमन शेयर पूँजी के 10% से अधिक नहीं है (राशि 10% की प्रारंभिक सीमा से अधिक राशि)	0
40	विनियामक समेकन क्षेत्र से बाहर की बैंकिंग, वित्तीय तथा बीमा संस्थाओं की पूँजी में महत्वपूर्ण निवेश (पात्र अधिविक्रय स्थिति को छोड़कर)	0
41	राष्ट्रीय विशिष्ट विनियामक समायोजन (41ए+41बी)	0
41ए	इसमें से: असमेकित बीमा अनुषंगियों की अतिरिक्त टियर 1 पूँजी में निवेश	0
41बी	इसमें से: बैंक के साथ समेकित न की गई आधे से अधिक हिस्सेदारी वाली वित्तीय संस्थाओं की अतिरिक्त टियर 1 पूँजी में निवेश	0

(₹ करोड़ में)

31 मार्च, 2017 से बेसल III सामान्य प्रकटीकरण टेम्पलेट का प्रयोग किया जा रहा है

कॉमन इक्विटी टियर 1 पूँजी: लिखतें एवं आरक्षित निधियाँ		संदर्भ सं. (डीएफ-12: चरण 2 के संबंध में)
42	कटौतियों को कवर करने के लिए अपर्याप्त टियर 2 के कारण कॉमन टियर 1 पर लागू किए गए विनियामक समायोजन	0
43	अतिरिक्त टियर 1 पूँजी के प्रति कुल विनियामक समायोजन	1116.67
44	अतिरिक्त टियर 1 पूँजी (एटी1)	48265.64
45	टियर 1 पूँजी (टी1 = सीईटी1 + एटी1) (29 + 44)	481318.16
टियर 2 पूँजी: लिखतें तथा प्रावधान		
46	सीधे जारी अर्हक टियर 2 लिखतें तथा संबंधित स्टॉक आधिक्य	49931.00
47	टियर 2 से कम की जाने वाली, सीधे जारी पूँजीगत लिखतें	2332.93
48	अनुषंगियों द्वारा जारी तथा तीसरे पक्ष द्वारा धारित टियर 2 लिखतें (तथा सीईटी 1 व एटी 1 लिखते जो पंक्ति 5 या 34 में शामिल नहीं की गई हैं) (टियर 2 समूह में अनुमत राशि)	2401.96
49	इनमें से : अनुषंगियों द्वारा जारी लिखते, जो कम होने वाली हैं।	-
50	प्रावधान	28987.69
51	विनियमन समायोजन से पूर्व टियर2 पूँजी	83653.58
टियर 2 पूँजी: विनियामक समायोजन		
52	अपनी टियर 2 लिखतों में निवेश	21.91
53	टियर 2 लिखतों में पारस्परिक क्रॉस-होल्टिंग	195
54	विनियामक समेकन के क्षेत्र से बाहर की बैंकिंग, वित्तीय और बीमा संस्थाओं की पूँजी में निवेश, पात्र अधिविक्रय पोजीशन को घटाने के बाद जहाँ जारी की गई कॉमन शेयर पूँजी के 10% से अधिक नहीं है (राशि 10% की प्रारंभिक सीमा से अधिक राशि)	0
55	विनियामक समेकन क्षेत्र से बाहर की बैंकिंग, वित्तीय तथा बीमा संस्थाओं की पूँजी में महत्वपूर्ण निवेश (पात्र अधिविक्रय स्थिति को छोड़कर)	110.57
56	राष्ट्रीय विशिष्ट विनियामक समायोजन (56ए+56बी)	0.00
56ए	इनमें से : असमेकित बीमा अनुषंगियों कि अतिरिक्त टियर 2 पूँजी में निवेश	0
56बी	इनमें से: बैंक के साथ समेकित न की गई आधे से अधिक हिस्सेदारी वाली वित्तीय संस्थाओं की अतिरिक्त टियर 2 पूँजी में निवेश	0
57	टियर 2 पूँजी में कुल विनियामक समायोजन	327.48
58	टियर 2 पूँजी (टी2)	83326.1
59	कुल पूँजी (टीसी = टी1 + टी2) (45 + 58)	564644.26
60	कुल ऋण भारत आस्तियाँ (60ए + 60बी + 60सी)	3910863.67
60ए	इनमें से: कुल ऋण जोखिम भारत आस्तियाँ	3173664.69
60बी	इनमें से: कुल बाज़ार जोखिम भारत आस्तियाँ	365726.52
60सी	इनमें से: कुल परिचालन जोखिम भारत आस्तियाँ	371472.46
पूँजी अनुपात एवं बफर्स		
61	कॉमन इक्विटी टियर 1 (जोखिम भारत आस्तियों के प्रतिशत के रूप में)	11.07
62	टियर 1 (जोखिम भारत आस्तियों के प्रतिशत के रूप में)	12.31
63	कुल पूँजी (जोखिम भारत आस्तियों के प्रतिशत के रूप में)	14.44
64	संस्था विशिष्ट बफर आवश्यकता (जोखिम भारत परिसंपत्तियों के प्रतिशत के रूप में व्यक्त न्यूनतम सीईटी1 आवश्यकता तथा पूँजी संरक्षण तथा काउंटर साइक्लिकल बफर आवश्यकताएँ तथा जी-एसआईबी बफर आवश्यकता)	8.60
65	इनमें से: पूँजी संरक्षण बफर आवश्यकता	2.50
66	इनमें से: बैंक विशिष्ट काउंटर चक्रीय बफर आवश्यकता	0.00
67	इनमें से: डी-एसआईबी बफर आवश्यकता	0.60
68	बफर्स को पूरा करने के लिए उपलब्ध कॉमन इक्विटी टियर 1 (जोखिम भारत आस्तियों के प्रतिशत के रूप में)	5.57

(₹ करोड़ में)

31 मार्च, 2017 से बेसल III सामान्य प्रकटीकरण टेम्पलेट का प्रयोग किया जा रहा है**कॉमन इक्विटी टियर 1 पूँजी: लिखतें एवं आरक्षित निधियाँ****संदर्भ सं. (डीएफ-12: चरण 2 के संबंध में)****राष्ट्रीय न्यूनतम (यदि बेसल III से भिन्न हो)**

69	राष्ट्रीय कॉमन इक्विटी टियर 1 न्यूनतम अनुपात (यदि बेसल III न्यूनतम से भिन्न हो)	5.50
70	राष्ट्रीय टियर 1 न्यूनतम अनुपात (यदि बेसल III न्यूनतम से भिन्न हो)	7.00
71	राष्ट्रीय कुल पूँजी न्यूनतम अनुपात (यदि बेसल III न्यूनतम से भिन्न हो)	9.00

कटौती के लिए प्रारंभिक सीमा से कम राशियाँ (जोखिम भार से पूर्व)

72	अन्य वित्तीय संस्थाओं की पूँजी में गैर-महत्वपूर्ण निवेश	
73	अन्य वित्तीय संस्थाओं के कॉमन स्टॉक महत्वपूर्ण निवेश	5345.07
74	बंधक सर्विसिंग अधिकार (संबंधित कर देयता घटाकर)	
75	स्थायी अंतर के कारण आस्थगित कर आस्तियाँ (संबंधित कर देयता घटाकर)	9558.18

टियर 2 में प्रावधानों को शामिल करने पर लागू उच्चतम सीमा

76	मानकीकृत दृष्टिकोण पद्धति के अनुसार एक्सपोजर को टियर 2 में शामिल किए जाने के लिए पात्र प्रावधान (उच्चतम सीमा लागू करने से पहले)	28987.69
77	मानकीकृत दृष्टिकोण पद्धति के आधार पर टियर 2 में प्रावधानों को शामिल करने की उच्चतम सीमा	39670.81
78	आंतरिक रेटिंग-आधारित दृष्टिकोण पद्धति के अनुसार एक्सपोजर को टियर 2 में शामिल किए जाने के लिए पात्र प्रावधान (उच्चतम सीमा लागू करने से पहले)	0.00
79	आंतरिक रेटिंग-आधारित दृष्टिकोण पद्धति के आधार पर टियर 2 में प्रावधानों को शामिल करने की उच्चतम सीमा	0.00

फेज़आउट व्यवस्था के अधीन पूँजी लिखतें (केवल 31 मार्च, 2017 तथा 31 मार्च, 2022 के बीच लागू)

80	फेज़आउट व्यवस्था के अधीन सीईटी 1 लिखतों की वर्तमान उच्चतम सीमा	0
81	उच्चतम सीमा के कारण सीईटी 1 में शामिल न की गई राशि (मोचन तथा परिपक्वता के बाद उच्चतम सीमा से अधिक राशि)	0
82	फेज़आउट व्यवस्था के अधीन एटी 1 लिखतों की वर्तमान उच्चतम सीमा	0%
83	उच्चतम सीमा के कारण एटी 1 में शामिल न की गई राशि (मोचन तथा परिपक्वता के बाद उच्चतम सीमा से अधिक राशि)	0
84	फेज़आउट व्यवस्था के अधीन टी 2 लिखतों की वर्तमान उच्चतम सीमा	0%
85	उच्चतम सीमा के कारण टी 2 में शामिल न की गई राशि (मोचन तथा परिपक्वता के बाद उच्चतम सीमा से अधिक राशि)	0

टेम्पलेट के नोट

टेम्पलेट पंक्ति संख्या	विवरण	(₹ करोड़ में)
10	संचित हानियों सहित संबद्ध आस्थगित कर आस्तियाँ	10.05
	आस्थगित कर आस्तियाँ (संचित हानियों संबद्ध को छोड़कर) आस्थगित कर देयता को घटाकर	9558.18
	कुल जो पंक्ति 10 में दर्शाया गया है	10.05
19	यदि बीमा अनुषंगियों में निवेश को पूरी तरह से पूँजी से नहीं घटाया गया है तथा उसके स्थान पर कटौती के लिए 10% प्रारंभिक सीमा अंतर्गत गणना में शामिल है तो उसके कारण बैंक की पूँजी में हुई वृद्धि	0.00
	इनमें से : कॉमन इक्विटी टियर 1 पूँजी में वृद्धि	0.00
	इनमें से: अतिरिक्त टियर 1 पूँजी में वृद्धि	0.00
	इनमें से: टियर 2 पूँजी में वृद्धि	0.00
26बी	यदि गैर-समेकित गैर-वित्तीय अनुषंगियों की इक्विटी पूँजी में निवेश को नहीं घटाया गया है तथा इसलिए, जोखिम भारित है:	0.00
	(क) कॉमन इक्विटी टियर 1 पूँजी में वृद्धि	0.00
	(कक) जोखिम भारित आस्तियों में वृद्धि	0.00
50	टियर 2 पूँजी में शामिल पात्र प्रावधान	28987.69
	टियर 2 पूँजी में शामिल पात्र पुनर्मूल्यन आरक्षितियाँ	0.00
	पंक्ति 50 का कुल योग	28987.69

बी7: राजस्व एवं अन्य रिजर्व को एकीकरण एवं विकास निधि (₹5 करोड़), विकास छूट निधि (₹5 करोड़ रुपये), विकास निधि खाता (₹100.39 करोड़) से घटाया गया है।

डीएफ - 12: पूँजी की संरचना - सामंजस्य की आवश्यकता

31.03.2025 की स्थिति

(₹ करोड़ में)		
पूँजी घटक-समाधान संबंधी अपेक्षाएँ चरण 1	वित्तीय विवरण में तुलन पत्र	समेकन के विनियामक दायरे में तुलन पत्र
	रिपोर्टिंग की तारीख को	रिपोर्टिंग की तारीख को
A पूँजी और देयताएं		
i प्रदत्त पूँजी	892.46	892.46
आरक्षितियाँ एवं अधिशेष	4,86,144.30	4,67,235.36
अल्प मर्दों पर ब्याज	18,025.84	9,050.20
कुल पूँजी	5,05,062.60	4,77,178.02
ii जमा	54,39,898.02	54,40,931.36
इनमें से: बैंकों में जमा राशियाँ	18,629.33	18,629.33
इनमें से: ग्राहकों की जमा राशियाँ	54,21,268.69	54,22,302.03
इनमें से: अन्य जमा राशियाँ (कृपया स्पष्ट करें)		
iii उधार राशियाँ	6,10,857.24	6,13,172.25
इनमें से: आरबीआई से	20,524.90	20,524.90
इनमें से: बैंकों से	3,41,399.77	3,41,399.77
इनमें से: अन्य संस्थाओं व एजेंसियों से	75,889.71	75,889.71
इनमें से: अन्य (पूँजी लिखत बांड के अलावा अन्य बांड)	69,958.00	71,728.00
इनमें से: पूँजी लिखतें	1,03,084.86	1,03,629.87
iv अन्य देयताएं एवं प्रावधान	7,58,367.48	3,01,003.65
कुल	73,14,185.34	68,32,285.28
बी आस्तियाँ		
i नकदी व भारतीय रिज़र्व बैंक के पास जमा शेष	2,27,485.16	2,27,387.84
बैंकों के पास जमा तथा अल्प अवधि में मांग पर प्राप्त राशियाँ	1,30,447.78	1,29,349.80
ii निवेश	22,05,601.11	17,35,524.82
इनमें से: सरकारी प्रतिभूतियाँ	15,40,982.42	13,96,693.10
इनमें से: अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	28,742.96	51.05
इनमें से: शेयर	2,00,718.69	24,693.54
इनमें से: डिबेंचर और बांड	3,18,865.87	2,25,501.08
इनमें से: अनुषंगियाँ/ संयुक्त उद्यम/ सहयोगी संस्थाएँ	17,872.50	11,275.84
इनमें से: अन्य (कमर्शियल पेपर, म्यूचुअल फंड इत्यादि)	98,418.67	77,310.21
iii ऋण एवं अग्रिम	42,50,830.74	42,50,348.93
इनमें से: बैंकों को ऋण एवं अग्रिम	2,09,713.93	2,09,713.93
इनमें से: ग्राहकों को ऋण एवं अग्रिम	40,41,116.81	40,40,635.00
iv अचल आस्तियाँ	46,337.69	45,342.85
v अन्य आस्तियाँ	4,52,063.18	4,42,928.67
इनमें से: साख	-	-
इनमें से: अन्य अमूर्त आस्तियाँ (एमएसआर को छोड़कर)	-	-
इनमें से: आस्थगित कर आस्तियाँ	10,042.15	10,023.24
vi समेकन पर साख	1,419.68	1,402.37
vii लाभ-हानि खाते में डेबिट शेष	-	-
कुल आस्तियाँ	73,14,185.34	68,32,285.28

पूँजी घटक-समाधान संबंधी अपेक्षाएँ चरण 2

(₹ करोड़ में)

		वित्तीय विवरण में तुलन पत्र	समेकन के विनियामक दायरे में तुलन पत्र	(र करंड में) संदर्भ संख्या
		रिपोर्टिंग की तारीख को	रिपोर्टिंग की तारीख को	
ए	पूँजी एवं देयताएँ			
i	प्रदत्त पूँजी	892.46	892.46	ए
	इनमें से: सीईटी 1 के लिए पात्र राशि	892.46	892.46	ए1
	इनमें से: एटी1 के लिए पात्र राशि	-	-	ए2
	आरक्षितियाँ एवं अधिशेष	4,86,144.30	4,67,235.36	बी
	इनमें से: सांविधिक आरक्षितियाँ	1,42,621.17	1,42,621.17	बी1
	इनमें से: पूँजी आरक्षितियाँ	18,992.75	18,842.71	बी2
	इनमें से: शेयर लाभांश	79,115.60	79,115.60	बी3
	इनमें से: निवेश आरक्षितियाँ	-	-	बी4
	इनमें से: निवेश पुनर्मूल्यन आरक्षितियाँ	11,522.30	11,522.30	
	इनमें से: विदेशी मुद्रा लेनदेन आरक्षितियाँ	17,355.87	17,353.79	बी5
	इनमें से: अचल आस्तियों पर पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियाँ	27,355.62	27,355.62	बी6
	इनमें से: राजस्व व अन्य आरक्षितियाँ	52,082.82	43,805.49	बी7
	इनमें से: आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36(1) (viii) के अंतर्गत आरक्षितियाँ	21,064.33	21,064.33	बी8
	जिनमें से: बिक्री के लिए उपलब्ध (एएफएस) रिजर्व	7,586.98	7,586.88	
	इनमें से: लाभ-हानि खाते में बकाया	1,08,446.86	97,967.47	बी9
	अल्प मर्दों पर ब्याज	18,025.84	9,050.20	
	कुल पूँजी	5,05,062.60	4,77,178.02	
ii	जमा राशियाँ	54,39,898.02	54,40,931.36	
	इनमें से: बैंको में जमा राशियाँ	18,629.33	18,629.33	
	इनमें से: ग्राहकों की जमा राशियाँ	54,21,268.69	54,22,302.03	
	इनमें से: अन्य जमा राशियाँ (कृपया स्पष्ट करें)			
iii	उधार राशियाँ	6,10,857.24	6,13,172.25	
	इनमें से: आरबीआई से	20,524.90	20,524.90	
	इनमें से: बैंको से	3,41,399.77	3,41,399.77	
	इनमें से: अन्य संस्थाओं व एजेंसियों से	75,889.71	75,889.71	
	इनमें से: अन्य (पूँजी लिखत बांड के अलावा अन्य बांड)	69,958.00	71,728.00	
	इनमें से: पूँजी लिखतें	1,03,084.86	1,03,629.87	
iv	अन्य देयताएं और प्रावधान	7,58,367.48	3,01,003.65	
	इनमें से: साख से संबंधी डीटीएल			
	इनमें से: अमूर्त आस्तियों से संबंधित डीटीएल			
	कुल	73,14,185.34	68,32,285.28	

		(₹ करोड़ में)	
	वित्तीय विवरण में तुलन पत्र	समेकन के विनियामक दायरे में	
		तुलन पत्र	संदर्भ संख्या
	रिपोर्टिंग की तारीख को	रिपोर्टिंग की तारीख को	
बी आस्तियाँ			
i नकदी व भारतीय रिज़र्व बैंक के पास जमा शेष	2,27,485.16	2,27,387.84	
बैंकों के पास जमा तथा अल्प अवधि में मांग पर प्राप्त राशियाँ	1,30,447.78	1,29,349.80	
ii निवेश	22,05,601.11	17,35,524.82	
इनमें से: सरकारी प्रतिभूतियाँ	15,40,982.42	13,96,693.10	
इनमें से: अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	28,742.96	51.05	
इनमें से: शेयर	2,00,718.69	24,693.54	
इनमें से: डिबेंचर व बांड	3,18,865.87	2,25,501.08	
इनमें से: अनुषंगियाँ/ संयुक्त उद्यम/ सहयोगी संस्थाएँ	17,872.50	11,275.84	
इनमें से: अन्य (कमर्शियल पेपर, म्यूचुअल फंड इत्यादि)	98,418.67	77,310.21	
iii ऋण एवं अग्रिम	42,50,830.74	42,50,348.93	
इनमें से: बैंकों को ऋण एवं अग्रिम	2,09,713.93	2,09,713.93	
इनमें से: ग्राहकों को ऋण एवं अग्रिम	40,41,116.81	40,40,635.00	
iv अचल आस्तियाँ	46,337.69	45,342.85	
v अन्य आस्तियाँ	4,52,063.18	4,42,928.67	
जिनमें से: साख	-	-	
इनमें से: अन्य अमूर्त आस्तियाँ (एमएसआर को छोड़कर)	-	-	
इनमें से: आस्थगित कर आस्तियाँ	10,042.15	10,023.24	सी
vi समेकन पर साख	1,419.68	1,402.37	डी
vii लाभ-हानि खाते में डेबिट शेष	-	-	
कुल आस्तियाँ	73,14,185.34	68,32,285.28	

कॉमन इक्विटी टियर 1 पूँजी (सीईटी1): लिखतें तथा आरक्षितियाँ चरण 3

		(₹ करोड़ में)	
	बैंक द्वारा रिपोर्ट किए गए विनियामक पूँजी घटक	संदर्भ सं. (डीएफ-12: चरण 2 के संबंध में)	
		ए1 + बी3	
1 सीधे जारी अर्हक कॉमन शेयर (तथा गैर-संयुक्त स्टॉक कंपनियों के लिए समतुल्य) पूँजी तथा संबंधित स्टॉक अधिशेष	80008.06	ए1 + बी3	
2 प्रतिधारित आय	331777.66	बी1 + बी2 + बी7 + बी8 + बी9 (#)	
3 संचित अन्य व्यापक आय (तथा अन्य आरक्षितियाँ)	25325.37	बी5* 75% + बी6* 45%	
4 सीईटी1 से कटौती कर सीधे जारी पूँजी (केवल गैर-स्टॉक कंपनियों पर लागू)	0.00		
5 अनुषंगियों द्वारा जारी तथा तीसरे पक्ष द्वारा धारित कॉमन शेयर पूँजी (समूह सीईटी1 में अनुमत राशि)	3596.32		
6 विनियामक समायोजन से पूर्व कॉमन इक्विटी टियर 1 पूँजी	440707.41		
7 विवेकशील मूल्यांकन समायोजन	4115.27		
8 साख (संबंधित कर देयता को घटाकर)	1402.37	डी	

बी7: राजस्व एवं अन्य रिज़र्व को एकीकरण एवं विकास निधि (₹5 करोड़), विकास छूट निधि (₹5 करोड़), विकास निधि खाता (₹100.39 करोड़) से घटाया गया है।

डीएफ 13: विनियामक पूँजी लिखतों की मुख्य विशेषताएं

डीएफ 14: विनियामक पूँजी लिखतों के पूर्ण नियम और शर्तें

ये प्रकटीकरण अर्थात डीएफ 13 तथा डीएफ 14 बैंक की वेबसाइट www.sbi.co.in/portal/web/corporate-governance/basel-iii-disclosures पर अपलोड कर दिए गए हैं।

डीएफ 15 - पारिश्रमिक के लिए प्रकटीकरण आवश्यकताएं

लागू नहीं, क्योंकि यह प्रकटीकरण निजी क्षेत्र तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों को करना होता है।

डीएफ-16: इकिटी - 31.03.2025 को बैंकिंग बही पोजीशन के लिए प्रकटीकरण

गुणात्मक प्रकटीकरण

1 इकिटी जोखिम के संबंध में सामान्य गुणात्मक प्रकटीकरण, जिसमें शामिल हैं:

होल्टिडिग्स के बीच अंतर, जिस पर पूँजीगत लाभ की उम्मीद है और ए एंड एस श्रेणी के उद्देश्यों में अन्य सभी इकिटी निवेशों के तहत लिया गया है, जिसमें संबंध और रणनीतिक कारण शामिल हैं;

(ग) एसोसिएट्स, सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और आरआरबी में विभिन्न प्रकार के बैंकों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। ये प्रकृति में रणनीतिक हैं।

बैंकिंग बही के लिए लेखांकन और मूल्यांकन नीतियों में इकिटी होल्टिडिग्स के मूल्यांकन और लेखांकन को कवर करने वाली महत्वपूर्ण नीतियों की चर्चा। इसमें इस्तेमाल की जाने वाली लेखांकन तकनीकें और मूल्यांकन पद्धतियाँ, एंडएस श्रेणी के तहत रखी गई प्रतिभूतियाँ शामिल हैं, जिनमें मूल्यांकन को प्रभावित करने वाली प्रमुख धारणाएँ और प्रथाएँ शामिल हैं, साथ ही वर्गीकरण, मूल्यांकन और निवेश का संचालन प्रथाओं पर आरबीआई मास्टर निर्देश दिनांक 12 सितंबर, 2023 के तहत विस्तृत रूप से महत्वपूर्ण परिवर्तन शामिल हैं।

मात्रात्मक प्रकटीकरण

1 निवेश के बैलेंस शीट में प्रकटित मूल्य, साथ ही उन निवेशों का उचित मूल्य; उद्धृत प्रतिभूतियों के लिए 895.11 ₹895.11 करोड़ करोड़, सार्वजनिक रूप से उद्धृत शेयर मूल्यों की तुलना जहाँ शेयर मूल्य उचित मूल्य से भौतिक स्वरूप से भिन्न है

2 निवेश के प्रकार और प्रकृति, जिसमें वह राशि शामिल है जिसे इस प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है:

विवरण	प्रकार	बुक वैल्यू (करोड़ में)
सार्वजनिक रूप से ट्रेड किए जाने वाले	अनुषंगी एवं सहयोगी	10307.27
निजी रूप से धारित	सहयोगी संस्थाएँ, अनुषंगी, संयुक्त उद्यम व अन्य	5306.61
3 संदर्भित अवधि के दौरान बिक्री एवं परिसमापन से प्राप्त संचयी लाभ (हानि)		क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया में हिस्सेदारी बिक्री से लाभ 111.80 करोड़
4 कुल अप्राप्त लाभ (हानि) 13		₹163.30 करोड़ (अवास्तविक नुकसान)
5 कुल अप्रकट पुनर्मुल्यन लाभ (हानि) 14		-
6 टियर 1 तथा/अथवा टियर 2 पूँजी में शामिल उपर्युक्त कोई राशि		₹77.66 करोड़
7 बैंक की बैंक की पद्धति के अनुसार इकिटी समूहों द्वारा विखंडित पूँजी, समग्र राशियाँ, एवं उन पर निवेशों का प्रकार, - जो किसी पर्यवेक्षी अंतरण या विनियामक पूँजी आवश्यकताओं से संबंधित ब्रांडफादरिंग प्रावधानों के अधीन होते हैं।		

¹³ तुलनपत्र में शामिल किन्तु लाभ-हानि खाते में शामिल न किए गए लाभ(हानि)

¹⁴ तुलनपत्र अथवा लाभ-हानि खाते में शामिल न किए गए अप्राप्त लाभ(हानि)

डीएफ- 17: लेखांकन आस्तियां बनाम लीवरेज अनुपात एक्सपोजर की तुलना का सारांश

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार

मद	(₹ मिलियन में)
1 प्रकाशित वित्तीय विवरणों के अनुसार कुल समेकित आस्तियां	7,31,41,853.41
2 बैंकिंग, वित्तीय, बीमा या वाणिज्यिक संस्थाओं में निवेश के लिए समायोजन जो लेखांकन के उद्देश्यों से समेकित किया जाता है, लेकिन नियामक समेकन के दायरे से बाहर है।	-48,19,000.65
3 परिचालन लेखांकन ढांचे के अनुसार तुलनपत्र में शामिल की गई काल्पनिक आस्तियों के लिए समायोजन, किंतु इन्हें लीवरेज अनुपात एक्सपोजर माप में शामिल नहीं किया जाता है।	0.00
4 डेरिवेटिव्स वित्तीय लिखतों के लिए समायोजन	6,81,986.53
5 प्रतिभूतियों के वित्तपोषण लेनदेन के लिए समायोजन (अर्थात रेपो तथा इसी प्रकार के प्रत्याभूत ऋण)	907.18
6 तुलन-पत्र से इतर मर्दों के लिए समायोजन (अर्थात तुलनपत्र से इतर एक्सपोजर की समतुल्य राशियों का अंतरण)	64,35,219.79
7 अन्य समायोजन	-2,36,748.07
8 लीवरेज अनुपात एक्सपोजर (स्टेट बैंक समूह)	7,52,04,218.19

डीएफ- 18: लीवरेज अनुपात सामान्य प्रकटीकरण

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार

मद	(₹ मिलियन में)
तुलन पत्र एक्सपोजर पर	
1 तुलन पत्र मर्दें (डेरिवेटिव्स तथा एसएफटी को छोड़कर परंतु समपार्श्विक सहित)	6,83,22,852.76
2 (बेसल III, टियर 1 पूंजी निर्धारण के लिए घटाई गई राशियाँ)	-236,748.07
3 कुल तुलन पत्र एक्सपोजर (डेरिवेटिव्स तथा एसएफटी को छोड़कर) (पंक्ति 1 व 2 का योग)	6,80,86,104.69
डेरिवेटिव एक्सपोजर	
4 सभी डेरिवेटिव लेनदेनों से संधित प्रतिस्थापन लागत (अर्थात पात्र नकद अंतर मार्जिन घटाकर)	2,95,093.11
5 सभी डेरिवेटिव लेनदेनों से संधित पीएफई के लिए एड-ऑन राशियाँ	3,86,893.42
6 डेरिवेटिव संपार्श्विक के लिए सकल प्रावधान, जहाँ परिचालन लेखा ढांचे के अनुसार तुलन पत्र आस्तियों से घटाया गया हो	0.00
7 (डेरिवेटिव लेनदेन प्रदान नकद अंतर मार्जिन के लिए प्राप्य आस्तियों की कटौती)	0.00
8 (क्लाइंट-विलियर्ड ट्रेड एक्सपोजर का छूट प्राप्त भाग)	0.00
9 लिखित ऋण डेरिवेटिव की समायोजित प्रभावी काल्पनिक राशि	0.00
10 (लिखित ऋण डेरिवेटिव की समायोजित प्रभावी काल्पनिक ऑफसेट तथा एड-ऑन कटौतियाँ)	0.00
11 कुल डेरिवेटिव्स एक्सपोजर (पंक्ति 4 से 10 का योग)	6,81,986.53
प्रतिभूति वित्तपोषण लेनदेन एक्सपोजर	
12 सकल एसएफटी आस्तियाँ (नेटिंग को शामिल किए बिना), बिक्री लेखांकन लेनदेन को समायोजित कर लेने के बाद	907.18
13 (सकल एसएफटी आस्तियों के देय नकद एवं प्राप्य नकद की निवल राशि)	0.00
14 एसटीएफ आस्तियों के सीसीआर एक्सपोजर	0.00
15 एजेंट लेन-देन एक्सपोजर	0.00
16 कुल प्रतिभूति वित्तपोषण लेनदेन एक्सपोजर (पंक्ति 12 से 15 का योग)	907.18
अन्य तुलन पत्र बाह्य एक्सपोजर	
17 सकल काल्पनिक राशि पर तुलन पत्र बाह्य एक्सपोजर	1,57,41,262.72
18 (ऋण के बराबर राशियों में बदलने के लिए समायोजन)	-93,06,042.93
19 तुलन पत्र बाह्य मर्दें (पंक्ति 17 तथा 18 का योग)	64,35,219.79
पूँजी एवं कुल एक्सपोजर	
20 टियर 1 पूँजी	48,13,181.60
21 कुल एक्सपोजर (पंक्ति 3, 11, 16 तथा 19 का योग)	7,52,04,218.19
लीवरेज अनुपात	
22 बेसल III लीवरेज अनुपात (%) (स्टेट बैंक समूह)	6.40%

डीएफ - जीआर: समूह जोखिम पर अतिरिक्त प्रकटीकरण

31.03.2025 तक की स्थिति

गुणात्मक प्रकटीकरण

समूह संस्थाओं के संबंध में *

विदेशी बैंकिंग संस्थाएं और गैर-बैंकिंग संस्थाएं

सामान्य विवरण	
कॉर्पोरेट अभिशासन प्रथाएँ	समूह की सभी संस्थाओं में श्रेष्ठ कॉर्पोरेट अभिशासन प्रथाएँ अपनाई गई हैं।
प्रकटीकरण संबंधी प्रथाएँ	समूह की सभी संस्थाएँ प्रकटीकरण की सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करती हैं।
समूह के भीतर लेनदेन के संबंध में स्वतंत्र कार्य की नीति	वाणिज्यिक शर्तों तथा प्रतिभूतियों के लिए प्रावधान दोनों मामलों में स्टेट बैंक समूह के भीतर किए जाने वाले सभी लेनदेन स्वतंत्र आधार पर किए जाते हैं।
मार्केटिंग, ब्रांडिंग तथा एसबीआई के प्रति चिह्न का साझा उपयोग	समूह की किसी भी संस्था ने एसबीआई के प्रतीक चिह्न का इस तरह से उपयोग नहीं किया है, जिससे जनता में यह संकेत जाए कि साझा विपणन, ब्रांडिंग में उन्हें एसबीआई का निहित समर्थन प्राप्त है।
वित्तीय सहायता का विवरण, यदि कोई हो	समूह किसी भी संस्था ने समूह की किसी अन्य संस्था को/से वित्तीय सहायता प्रदान/प्राप्त नहीं की है।
समूह की जोखिम प्रबंधन नीति की अन्य सभी बातों का पालन	समूह जोखिम प्रबंधन नीति के सभी बातों का समूह की सभी संस्थाओं द्वारा दृढ़ता से पालन किया जाता है।

अंतर-समूह के भीतर किए गए निम्नलिखित लेनदेनों को को मोटे तौर पर 'वित्तीय सहायता' के रूप में माना जाता है#:

- क) समूह की एक इकाई से दूसरी इकाई में पूँजी या आय का अनुचित अंतरण;
- ख) समूह की संस्थाओं से स्वतन्त्रता की जिस नीति का पालन करना होता है उस नीति का उल्लंघन;
- ग) समूह के भीतर हर संस्था की चुकौती क्षमता, तरलता, तथा लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव;
- घ) पूँजी के संबंध में या अन्य विनियामक आवश्यकताओं का पालन न करना;
- ड) 'क्रॉस डिफॉल्ट क्लॉज' को लागू न करना जिससे किसी संबंधित संस्था द्वारा की गई चूक (चाहे वित्तीय या अन्य) को बैंक के अपने दायित्वों की पूर्ति में चूक माना जाता है।

* कवर की गई संस्थाएं:

बैंकिंग - विदेशी	गैर-बैंकिंग
एसबीआई कनाडा बैंक	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कैलिफोर्निया)	एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड
एसबीआई (मॉरीशस) लिमिटेड	एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड.
पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड.
वाणिज्यिक इंडो बैंक एलएलसी, मास्को	एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	एसबीआई फैक्टर्स लिमिटेड
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (यूके) लिमिटेड	एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
	एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड
	एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक्योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
	एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
	एसबीआई वेंचर लिमिटेड
	स्टेट बैंक ऑपरेशंस सपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
	एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड

भारतीय स्टेट बैंक

(भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के तहत गठित)

फाइल क्र. सीसी/एस एंड बी/एनडी/2025/66

दिनांक : 03.05.2024

भारतीय स्टेट बैंक के शेयरधारकों की 70वीं वार्षिक महासभा बैठक बुधवार, 13 जून, 2025 को अपराह्न 2.30 बजे स्टेट बैंक ऑडिटोरियम, स्टेट बैंक भवन परिसर, मादाम कामा रोड, मुंबई - 400021 में आयोजित की जाएगी। यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी)/अन्य ऑडियो-विजुअल मोड (ओएवीएम) के माध्यम से निम्नलिखित व्यवसाय हेतु आयोजित की जाएगी

“31 मार्च 2025 को सामाप्त अवधि हेतु भारतीय स्टेट बैंक के तुलन पत्र तथा लाभ एवं हानि खाते पर चर्चा करना और उसे अपनाना, खातों द्वारा कवर की गई अवधि के लिए भारतीय स्टेट बैंक के कामकाज तथा कार्यकलापों पर केंद्रीय बोर्ड की रिपोर्ट और तुलन पत्र तथा खातों पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पर चर्चा हेतु”

कॉर्पोरेट केंद्र,

स्टेट बैंक भवन,
मादाम कामा रोड,
मुंबई - 400021

दिनांक: 3 मई, 2025

(चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी)

अध्यक्ष

अनुलग्नक

ओएवीएम/वीसी सुविधा के माध्यम से वार्षिक महासभा तक पहुँचने एवं सहभागिता करने तथा रिमोट ई-वोटिंग सहित इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के माध्यम से मतदान करने संबंधी सामान्य निर्देश

- कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी सामान्य परिपत्र सं. 14/2020 दिनांक 08 अप्रैल, 2020 के बाद सामान्य परिपत्र सं. 20/2020 दिनांक 05 मई, 2020 और सामान्य परिपत्र सं. 02/2021 दिनांक 13 जनवरी, 2021 और सामान्य परिपत्र सं. 21/2021 दिनांक 14 दिसंबर, 2021 और सामान्य परिपत्र सं. 02/2022 दिनांक 05 मई, 2022, सामान्य परिपत्र सं. 10/2022 दिनांक 28 दिसंबर, 2022, सामान्य परिपत्र सं. 09/2023 दिनांक 25 सितंबर, 2023 तथा सामान्य परिपत्र सं. 09/2024 दिनांक 19 सितंबर, 2024 (एमसीए परिपत्र), वार्षिक महासभा (एजीएम) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) या अन्य ऑडियो विजुअल मोड (ओएवीएम) से आयोजित की जा सकती है। तदनुसार, शेयरधारकों की भौतिक उपस्थिति की आवश्यकता नहीं है। बैंक के निदेशक मंडल ने बैंक की महासभा बैठक आयोजित करने में कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी उपरोक्त दिशा-निर्देशों को अपनाने का निर्णय लिया है। इसलिए, शेयरधारक वीसी/ओएवीएम के माध्यम से आगामी आम बैठक में भाग ले सकते हैं और जिसके लिए एक साझा स्थल पर सदस्यों की भौतिक उपस्थिति की आवश्यकता नहीं है। बैठक के लिए मानित सभा स्थल बैंक का स्टेट बैंक ऑडिटोरियम, कॉर्पोरेट केंद्र होगा।
- बैंक के शेयरधारकों को प्रदान की जा रही वीसी सुविधा को ध्यान में रखते हुए, भारतीय स्टेट बैंक सामान्य विनियम, 1955 के विनियम 34 में प्रावधान के अनुसार शेयरधारकों के लिए उपस्थित होने और वोट डालने के लिए प्रॉक्सी नियुक्त करने की सुविधा इस वार्षिक महासभा के लिए उपलब्ध नहीं है। तथापि, ऐसे शेयरधारक जो निगमित निकाय हैं, वो भारतीय स्टेट बैंक सामान्य विनियम, 1955 के विनियम 32 और 33 में यथा उपबंधित प्राधिकृत प्रतिनिधियों को वीसी/ओएवीएम के माध्यम से वार्षिक महासभा में हिस्सा लेने तथा ई-वोटिंग के माध्यम से अपना मत डालने के लिए नियुक्त करने हेतु अधिकृत हैं।
- शेयरधारक नोटिस में उल्लिखित प्रक्रिया का पालन कर बैठक शुरू होने के निर्धारित समय से 15 मिनट पहले और बाद में वीसी/ओएवीएम मोड में वार्षिक महासभा में शामिल हो सकते हैं। ओएवीएम के माध्यम से वार्षिक महासभा में भागीदारी की सुविधा कम से कम 1000 सदस्यों के लिए पहले आओ, पहले पाओ आधार पर उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें बड़े शेयरधारक (2% या उससे अधिक शेयरधारिता रखने वाले शेयरधारक), प्रमोटर, संस्थागत निवेशक, निदेशक, प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक, लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष, नामांकन और पारिश्रमिक समिति और हितधारक संबंध समिति, लेखा परीक्षक आदि शामिल नहीं हैं, जिन्हें पहले आओ पहले पाओ के आधार पर बिना प्रतिबंध के वार्षिक महासभा में हिस्सा लेने की अनुमति है।
- वीसी/ओएवीएम के माध्यम से वार्षिक महासभा में हिस्सा लेने वाले शेयरधारक की उपस्थिति को भारतीय स्टेट बैंक सामान्य विनियम, 1955 के विनियम 24 के तहत कोरम की गणना करने के उद्देश्य से गिना जाएगा।
- सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 (संशोधित) के विनियम 44 के अंतर्गत (यथा संशोधित) सह-पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 सह-पठित कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014 (यथा संशोधित) के नियम 20, तथा एमसीए परिपत्रों के अनुसरण में, बैंक अपने शेयरधारकों को वार्षिक महासभा में किए जाने वाले व्यवसाय के संबंध में दूरस्थ ई-वोटिंग की सुविधा प्रदान कर रहा है। शेयरधारकों को नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) द्वारा प्रदान किए गए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से वार्षिक महासभा में हिस्सा लेने की सुविधा प्रदान की जाएगी। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) द्वारा दूरस्थ ई-वोटिंग प्रणाली का उपयोग कर सदस्य द्वारा वोट डालने की सुविधा के साथ-साथ मतदान की सुविधा भी वार्षिक महासभा की तारीख 13 जून, 2025 को प्रदान की जाएगी।
- कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) के सामान्य परिपत्र सं. 20/2020, दिनांक 05 मई, 2020 तथा सामान्य परिपत्र सं. 09/2024, दिनांक 19 सितंबर, 2024 के अनुरूप, वार्षिक महासभा बुलाए जाने संबंधी नोटिस बैंक की वेबसाइट www.sbi.co.in पर अपलोड की गई है। इस नोटिस को स्टॉक एक्सचेंजों यानी बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) की वेबसाइटों क्रमशः www.bseindia.com और www.nseindia.com पर भी देखा जा सकता है, साथ ही वार्षिक महासभा की नोटिस नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) (दूरस्थ ई-वोटिंग सुविधा प्रदान करने के लिए एजेंसी) की वेबसाइट अर्थात यानी <https://www.evoting.nsdl.com> पर भी उपलब्ध है।
- वार्षिक महासभा वीसी/ओएवीएम के माध्यम से कंपनी अधिनियम, 2013 सह-पठित एमसीए परिपत्रों और सेबी परिपत्रों के प्रयोज्य प्रावधानों के अनुपालन में बुलाई गई है।
- एसबीआई सामान्य विनियम, 1955 के विनियम 7 के अनुसार, संयुक्त धारकों के मामले में, वह व्यक्ति जिसका नाम बैंक के शेयरधारकों के रजिस्टर के अनुसार पहले दर्ज है, वह वार्षिक महासभा में मतदान करने का हकदार होगा बशर्ते वोट पहले से ही रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से न डाले गए हों।
- जो सदस्य वीसी के माध्यम से उपस्थित होने का विकल्प चुनते हैं और जो किसी विशेष प्रस्ताव पर रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से अपना वोट नहीं डालते हैं, उन्हें उस विशेष प्रस्ताव के लिए वार्षिक महासभा में ई-वोटिंग के माध्यम से मतदान करने की अनुमति दी जाएगी।

सदस्यों के लिए दूरस्थ ई-वोटिंग संबंधी निर्देश नीचे दिए गए हैं:

- रिमोट ई-वोटिंग की अवधि 09 जून 2025, पूर्वाह्न 10.00 बजे शुरू होगी और 12 जून 2025, अपराह्न 05:00 बजे समाप्त होगी। तत्पश्चात, रिमोट ई-वोटिंग मॉड्यूल को नेशनल सिविलिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) द्वारा मतदान के लिए निष्क्रिय कर दिया जाएगा। एक बार शेयरधारक द्वारा वोट डालने के बाद, शेयरधारक को बाद में इसे बदलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- उपर्युक्त अवधि के दौरान, एसबीआई सामान्य विनियम, 1955 के विनियम 31 में यथा उपबंधित कट-ऑफ तिथि के अनुसार बैंक के शेयरधारक, जिनके पास भौतिक स्वरूप में अथवा अभौतिकीकृत रूप में शेयर हैं, दूरस्थ ई-वोटिंग द्वारा अपना मत डाल सकते हैं।
- कई फोलियो/डीमैट खाते रखने वाले शेयरधारक प्रत्येक फोलियो/डीमैट खाते के लिए अलग से मतदान प्रक्रिया का चयन अलग-अलग करेंगे।
- पोर्टल पूर्वोक्त के अनुसार बंद हो जाएगा और बंद होने पर यह सुविधा तुरंत निष्क्रिय हो जाएगी।
- बैंक ने मेसर्स भण्डारी एंड एसोसिएट्स, कंपनी सचिवों को यह सुनिश्चित करने के लिए स्कूटिनाइजर के रूप में नियुक्त किया है कि ई-वोटिंग प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराई जाए।
- वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 के लिए ई-वोटिंग की कट-ऑफ तारीख और 70वीं वार्षिक महासभा की नोटिस भेजने की कट-ऑफ तारीख के बीच शेयर प्राप्त करने वाले शेयरधारकों और उनकी संबंधित डीपी के साथ पंजीकृत ई-मेल आईडी पर उन्हें वार्षिक महासभा में हिस्सा लेने के लिए रजिस्ट्रार और ट्रान्सफर एजेंट द्वारा संदेश भेजा जाएगा।

मैं एनएसडीएल ई-वोटिंग प्रणाली का उपयोग कर इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतदान कैसे करूँ?

एनएसडीएल ई-वोटिंग प्रणाली पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतदान करने में दो चरण शामिल हैं जिनका उल्लेख नीचे किया गया है:

चरण 1: एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम तक पहुँच

क) डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारकों के लिए ई-वोटिंग और वचुअल मीटिंग में हिस्सा लेने हेतु लॉगिन विधि

सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा प्रदान की गई ई-वोटिंग सुविधा पर सेबी के 9 दिसंबर, 2020 के परिपत्र के अनुसार, डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारकों को डिपॉजिटरी और डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के साथ रखे अपने डीमैट खाते के माध्यम से मतदान करने की अनुमति है। शेयरधारकों को सूचित किया जाता है कि वे ई-वोटिंग सुविधा का उपयोग करने हेतु अपने डीमैट खातों में अपना मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी अपडेट करें।

डीमैट मोड में प्रतिभूतियों को रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारकों के लिए लॉगिन विधि नीचे दी गई है:

शेयरधारकों का प्रकार	लॉगिन विधि
एनएसडीएल के साथ डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक	- मौजूदा आईडीईएस उपयोगकर्ता या तो पर्सनल कंप्यूटर या मोबाइल के माध्यम से एनएसडीएल की ई-सेवा वेबसाइट पर अर्थात् https://eservices.nsdl.com पर जा सकते हैं। ई-सेवाओं के होम पेज पर लॉगिन के तहत 'Beneficial Owner' आइकन पर क्लिक करें जो "IDeAS" सेक्शन के तहत उपलब्ध है, यह आपको अपना मौजूदा उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड दर्ज करने के लिए बताएगा। सफल प्रमाणीकरण के बाद, आप मूल्य वर्धित सेवाओं के तहत ई-वोटिंग सेवाओं को देख पाएंगे। ई-वोटिंग सेवाओं के तहत Access to e-Voting पर क्लिक करें और आप ई-वोटिंग पेज देख पाएंगे। कंपनी के नाम या e-Voting service provider i.e. NSDL पर क्लिक करें और आपको रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान अपना वोट डालने या बैठक के दौरान वचुअल मीटिंग और वोटिंग में शामिल होने के लिए एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर ले जाया जाएगा। - यदि आप आईडीईएस ई-सेवाओं के लिए पंजीकृत नहीं हैं, तो पंजीकरण करने का विकल्प https://eservices.nsdl.com पर उपलब्ध है। Register Online for IDe-S Portal चुनें या https://eservices.nsdl.com/SecureWeb/IdeasDirectReg.jsp पर क्लिक करें। - एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर जाएं। पर्सनल कंप्यूटर या मोबाइल पर URL: https://www.evoting.nsdl.com/ से वेब ब्राउजर खोलें। एक बार ई-वोटिंग सिस्टम का होम पेज लॉन्च होने के बाद, आइकन लॉगिन पर क्लिक करें जो "Shareholder/ Member" सैक्शन के तहत उपलब्ध है। इसके बाद एक नई स्क्रीन खुलेगी। आपको अपने यूजर आईडी (यानी एनएसडीएल के साथ आपका सोलह अंकों का डीमैट अकाउंट नंबर), पासवर्ड/ओटीपी और स्क्रीन पर दिखा रहा सत्यापन कोड दर्ज करना होगा। सफल प्रमाणीकरण के बाद, आपको एनएसडीएल डिपॉजिटरी साइट पर रीडायरेक्ट किया जाएगा जिसमें आप ई-वोटिंग पेज देख सकते हैं। कंपनी के नाम या e-Voting service provider i.e. NSDL पर क्लिक करें और आपको रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान अपना वोट डालने या बैठक के दौरान वचुअल मीटिंग और वोटिंग में शामिल होने के लिए एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर रीडायरेक्ट किया जाएगा।

शेयरधारकों का प्रकार	लॉगिन विधि
	4. शेयरधारक/सदस्य निर्बाध मतदान अनुभव के लिए नीचे नीचे दिए क्यूआर कोड को स्कैन करके एनएसडीएल मोबाइल ऐप NSDL Speede भी डाउनलोड कर सकते हैं। NSDL Mobile App is available on  App Store  Google Play  
सीडीएसएल के साथ डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक	1. जिन उपयोगकर्ताओं ने सीडीएसएल Easi/Easiest सुविधा का विकल्प चुना है, वे अपने मौजूदा उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड के माध्यम से लॉगिन कर सकते हैं। बिना किसी और प्रमाणीकरण के ई-वोटिंग पेज तक पहुंचने के लिए विकल्प उपलब्ध कराया जाएगा। Easi /Easiest लॉगिन करने के लिए उपयोगकर्ताओं से अनुरोध है कि वे सीडीएसएल वेबसाइट पर जाएं www.cdslindia.com और लॉगिन आइकन व new system Myeasi टैब पर क्लिक करें और फिर अपने मौजूदा Myeasi उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड दर्ज करें। 2. Easi/Easiest उपयोगकर्ता पात्र कंपनियों के लिए ई-वोटिंग विकल्प देख पाएंगे जहां कंपनी द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार ई-वोटिंग प्रगति पर है। ई-वोटिंग विकल्प पर क्लिक करने पर, उपयोगकर्ता रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान अपना वोट डालने या बैठक के दौरान वर्युअल मीटिंग और वोटिंग में शामिल होने के लिए ई-वोटिंग सेवा प्रदाता का ई-वोटिंग पेज देख सकेंगे। इसके अतिरिक्त, सभी ई-वोटिंग सेवा प्रदाताओं की प्रणाली तक पहुंचने के लिए लिंक भी प्रदान किए गए हैं, ताकि उपयोगकर्ता सीधे ई-वोटिंग सेवा प्रदाताओं की वेबसाइट पर जा सकें। 3. यदि उपयोगकर्ता Easi/Easiest के लिए पंजीकृत नहीं है, तो पंजीकरण करने का विकल्प सीडीएसएल वेबसाइट www.cdslindia.com पर उपलब्ध है। लॉगिन और 'New System Myeasi Tab' पर क्लिक करें और फिर पंजीकरण विकल्प पर क्लिक करें। 4. वैकल्पिक रूप से, उपयोगकर्ता www.cdslindia.com होम पेज पर उपलब्ध ई-वोटिंग लिंक से डीमैट खाता संख्या और पैन नंबर प्रदान करके सीधे ई-वोटिंग पेज तक पहुंच सकता है। सिस्टम डीमैट खाते में दर्ज पंजीकृत मोबाइल और ईमेल पर ओटीपी भेजकर उपयोगकर्ता को प्रमाणित करेगा। सफल प्रमाणीकरण के बाद, उपयोगकर्ता ई-वोटिंग विकल्प देख सकेगा जहां ई-वोटिंग प्रगति पर है और सभी ई-वोटिंग सेवा प्रदाताओं की प्रणाली तक सीधे पहुंचने में भी सक्षम होगा।
व्यक्तिगत शेयरधारक (डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले) अपने डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के माध्यम से लॉगिन	आप ई-वोटिंग सुविधा के लिए एनएसडीएल/सीडीएसएल के साथ पंजीकृत अपने डिपॉजिटरी प्रतिभागी के माध्यम से अपने डीमैट खाते के लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग करके भी लॉगिन कर सकते हैं। लॉग इन करने पर, आप ई-वोटिंग विकल्प देख पाएंगे। ई-वोटिंग विकल्प पर क्लिक करें, आपको सफल प्रमाणीकरण के बाद एनएसडीएल/सीडीएसएल डिपॉजिटरी साइट पर पुनः निर्देशित किया जाएगा, जहाँ आप ई-वोटिंग सुविधा देख सकते हैं। कंपनी के नाम यानी एसबीआई या ई-वोटिंग सेवा प्रदाता यानी एनएसडीएल पर क्लिक करें और आपको रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान अपना वोट डालने या वर्युअल मीटिंग में शामिल होने और मीटिंग के दौरान वोट करने के लिए एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर रीडायरेक्ट किया जाएगा।

महत्वपूर्ण नोट: जो सदस्य उपयोगकर्ता आईडी / पासवर्ड प्राप्त करने में असमर्थ हैं, उन्हें सूचित किया जाता है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर उपलब्ध फॉरगेट उपयोगकर्ता आईडी और फॉरगेट पासवर्ड विकल्प का उपयोग करें।

डिपॉजिटरी यानी एनएसडीएल और सीडीएसएल के माध्यम से लॉगिन से संबंधित किसी भी तकनीकी मुद्दों के लिए डीमैट मोड में प्रतिभूतियों को रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारकों के लिए हेल्पडेस्क

लॉगिन प्रकार	हेल्पडेस्क विवरण
एनएसडीएल के साथ डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक	लॉगिन में किसी भी तकनीकी समस्या का सामना करने वाले सदस्य evotingnsdl.co.in पर अनुरोध भेजकर या 022- 48867000 पर कॉल करके एनएसडीएल हेल्पडेस्क से संपर्क कर सकते हैं
सीडीएसएल के साथ डीमैट मोड में प्रतिभूतियों को रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक	लॉगिन में किसी भी तकनीकी समस्या का सामना करने वाले सदस्य helpdesk.evotingcdslindia.com पर अनुरोध भेजकर सीडीएसएल हेल्पडेस्क से संपर्क कर सकते हैं या टोल फ्री नंबर 1800-21-09911 पर संपर्क कर सकते हैं।

ख) डीमैट रूप में प्रतिभूतियां रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारकों के अलावा अन्य शेयरधारकों और भौतिक स्वरूप में प्रतिभूतियां रखने वाले शेयरधारकों के लिए ई-वोटिंग के लिए लॉगिन विधि और वर्युअल बैठक में शामिल होने की विधि।

एनएसडीएल ई-वोटिंग वेबसाइट पर लॉग-इन कैसे करें?

1. एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर जाएं। व्यक्तिगत कंप्यूटर या मोबाइल पर निम्न URL: <https://www.evoting.nsdl.com> लिखकर वेब ब्राउज़र खोलें।
2. एक बार ई-वोटिंग सिस्टम का होम पेज लॉन्च होने के बाद, आइकन लॉगिन पर क्लिक करें जो 'शेयरधारक / मेंबर' अनुभाग के तहत उपलब्ध है।
3. इसके बाद एक नई स्क्रीन खुलेगी। आपको स्क्रीन पर दिखाए गए अनुसार अपना यूजर आईडी, अपना पासवर्ड/ओटीपी और एक वेरिफिकेशन कोड डालना होगा।

वैकल्पिक रूप से, यदि आप एनएसडीएल ई-सर्विसेज यानी आईडीईएस के लिए पंजीकृत हैं, तो आप अपने मौजूदा आईडीईएस लॉगिन के साथ <https://eservices.nsdl.com/> पर लॉग-इन कर सकते हैं। एक बार जब आप अपने लॉग-इन क्रेडेंशियल्स का उपयोग करने के बाद एनएसडीएल ई-सर्विसेज में लॉग-इन करते हैं, तो ई-वोटिंग पर क्लिक करें और आप चरण 2 पर आगे बढ़ सकते हैं यानी इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डाल सकते हैं।

4. आपका यूजर आईडी विवरण नीचे दिया गया है:

शेयर रखने का तरीका यानी डीमैट (एनएसडीएल या सीडीएसएल) या भौतिक स्वरूप से (फिजिकल) आपकी उपयोगकर्ता आईडी है:	
क) उन सदस्यों के लिए जो एनएसडीएल के साथ डीमैट खाते में शेयर रखते हैं।	8 कैरेक्टर डीपी आईडी के बाद 8 अंकों की क्लाइंट आईडी उदाहरण के लिए यदि आपकी डीपी आईडी IN300*** है और क्लाइंट आईडी 12***** है तो आपकी उपयोगकर्ता आई डी होगी IN300***12*****
ख) उन सदस्यों के लिए जो सीडीएसएल के साथ डीमैट खाते में शेयर रखते हैं।	16 अंकों की लाभार्थी आईडी उदाहरण के लिए यदि आपकी लाभार्थी आईडी 12***** तो आपकी उपयोगकर्ता आई डी होगी 12*****
ग) भौतिक स्वरूप में शेयर रखने वाले सदस्यों के लिए।	ईवन नंबर के बाद कंपनी के साथ पंजीकृत फोलियो नंबर उदाहरण के लिए यदि फोलियो नंबर 001*** है और ईवन 101456 है तो उपयोगकर्ता आईडी 101456001*** है

5. व्यक्तिगत शेयरधारकों के अलावा अन्य शेयरधारकों के लिए पासवर्ड विवरण नीचे दिए गए हैं:

- क) यदि आप पहले से ही ई-वोटिंग के लिए पंजीकृत हैं, तो आप लॉगिन करने और अपना वोट डालने के लिए अपने मौजूदा पासवर्ड का उपयोग कर सकते हैं।
- ख) यदि आप पहली बार एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम का उपयोग कर रहे हैं, तो आपको 'प्रारंभिक पासवर्ड' पुनर्प्राप्त करना होगा जो आपको सूचित किया गया था। एक बार जब आप अपना 'प्रारंभिक पासवर्ड' पुनर्प्राप्त करते हैं, तो आपको 'प्रारंभिक पासवर्ड' दर्ज करने की आवश्यकता होती है और सिस्टम आपको अपना पासवर्ड बदलने के लिए विवश करेगा।
- ग) अपना 'प्रारंभिक पासवर्ड' कैसे प्राप्त करें?
- यदि आपकी ईमेल आईडी आपके डीमैट खाते में या कंपनी के साथ पंजीकृत है, तो आपका 'प्रारंभिक पासवर्ड' आपको आपकी ईमेल आईडी पर सूचित किया जाता है। अपने मेलबॉक्स से एनएसडीएल से आपको भेजे गए ईमेल का पता लगाएं। ईमेल खोलें और अटैचमेंट यानी एक पीडीएफ फाइल खोलें। पीडीएफ फाइल खोलने का पासवर्ड एनएसडीएल खाते के लिए आपकी 8 अंकों की क्लाइंट आईडी, सीडीएसएल खाते के लिए क्लाइंट आईडी के अंतिम 8 अंक या भौतिक स्वरूप में रखे गए शेयरों के लिए फोलियो नंबर है। पीडीएफ फाइल में आपकी 'उपयोगकर्ता ID' और आपका 'प्रारंभिक पासवर्ड' है।
 - यदि आपकी ईमेल आईडी पंजीकृत नहीं है, तो कृपया **उन शेयरधारकों के लिए प्रक्रिया में नीचे दिए गए चरणों का पालन करें जिनकी ईमेल आईडी पंजीकृत नहीं है।**

6. यदि आप प्रारंभिक पासवर्ड पुनर्प्राप्त करने में असमर्थ हैं अथवा प्राप्त नहीं हुए हैं या अपना पासवर्ड भूल गए हैं:

- क) **फॉरगेट यूजर डिटेल्स / पासवर्ड** पर क्लिक करें? (यदि एनएसडीएल या सीडीएसएल के साथ डीमैट खाते में आपके शेयर हैं) विकल्प www.evoting.nsdl.com पर उपलब्ध है।
- ख) **फिजिकल यूजर रीसेट पासवर्ड?** (यदि आपके शेयर भौतिक स्वरूप में हैं) विकल्प www.evoting.nsdl.com पर उपलब्ध है।
- ग) यदि आप अभी भी उपरोक्त दो विकल्पों द्वारा पासवर्ड प्राप्त करने में असमर्थ हैं, तो आप अपने डीमैट खाता संख्या / फोलियो नंबर, अपने पैन, अपने नाम और अपने पंजीकृत पते आदि का उल्लेख करते हुए evotingnsdl.co.in पर अनुरोध भेज सकते हैं।
- घ) एनएसडीएल की ई-वोटिंग प्रणाली पर वोट डालने के लिए सदस्य ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) आधारित लॉगिन का भी उपयोग कर सकते हैं।

7. अपना पासवर्ड दर्ज करने के पश्चात, चेक बॉक्स का चयन कर नियम और शर्तों पर टिक करें।

8. अब, आपको लॉगिन बटन पर क्लिक करना होगा।

9. लॉगिन बटन पर क्लिक करने के पश्चात, ई-वोटिंग का होम पेज खुल जाएगा।

चरण 2: इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डालें और एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम पर वार्षिक महासभा में शामिल हों

इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट कैसे डालें और एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम पर वार्षिक महासभा में कैसे शामिल हों?

1. चरण 1 पर सफल लॉगिन के पश्चात, आप उन सभी कंपनियों के 'ईवन' को देख पाएंगे जिनमें आपके शेयर हैं और जिनकी वोटिंग साइकल और आम बैठक सक्रिय स्थिति में है।
2. उस कंपनी के 'ईवन' का चयन करें जिसके लिए आप रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान अपना वोट डालना चाहते हैं और आम बैठक के दौरान अपना वोट डालना चाहते हैं। वर्चुअल मीटिंग में शामिल होने के लिए, आपको जॉइन्ट मीटिंग के तहत 'VC/OAVM' लिंक पर क्लिक करना होगा।
3. वोटिंग पेज खुलते ही अब आप ई-वोटिंग के लिए तैयार हैं।
4. उपयुक्त विकल्पों का चयन करके अपना वोट डालें यानी सहमति या असहमति व्यक्त करें, उन शेयरों की संख्या को सत्यापित / संशोधित करें जिनके लिए आप अपना वोट डालना चाहते हैं और संकेत दिए जाने पर सबमिट और पुष्टि पर क्लिक करें।
5. पुष्टि होने के पश्चात, आपको संदेश वोट सफलतापूर्वक डाला गया प्रदर्शित होगा।
6. आप कन्फर्मेशन पेज पर प्रिंट ऑप्शन पर क्लिक करके अपने द्वारा डाले गए वोटों का प्रिंटआउट भी ले सकते हैं।
7. प्रस्ताव पर अपने वोट की पुष्टि करने के पश्चात आपको अपना वोट संशोधित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

शेयरधारकों के लिए सामान्य दिशानिर्देश

1. संस्थागत शेयरधारकों (यानी व्यक्तियों, एचयूएफ, एनआरआई आदि के अलावा) को विधिवत अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता(ओं) के प्रमाणित नमूना हस्ताक्षर के साथ संबंधित बोर्ड संकल्प / प्राधिकरण पत्र आदि की स्कैन की गई प्रति (पीडीएफ / जेपीजी प्रारूप), को evotingnsdl.co.in के लिए चिह्नित एक प्रति के साथ bhandariandassociates@gmail.com को ई-मेल द्वारा स्कूटिनाइजर को भेजना आवश्यक है। संस्थागत शेयरधारक (यानी व्यक्तियों, एचयूएफ, एनआरआई आदि के अलावा) भी अपने लॉगिन में ई-वोटिंग टैब के तहत प्रदर्शित अपलोड बोर्ड संकल्प / प्राधिकरण पत्र पर क्लिक करके अपने बोर्ड संकल्प / पावर ऑफ अटॉर्नी / प्राधिकरण पत्र आदि अपलोड कर सकते हैं।
2. यह दृढ़ता से अनुशंसा की जाती है कि अपना पासवर्ड किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा न करें और अपने पासवर्ड को गोपनीय रखने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतें। सही पासवर्ड दर्ज करने के पांच असफल प्रयासों के पश्चात ई-वोटिंग वेबसाइट पर लॉगिन अक्षम कर दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में, आप कृपया www.evotingnsdl.com पर उपलब्ध विकल्प फॉरगेट यूजर डिटेल्स / पासवर्ड या फिजिकल यूजर रीसेट पासवर्ड के माध्यम से पासवर्ड रीसेट करें।
3. यदि आपको किसी प्रकार की दिक्कत हो तो आप कृपया शेयरधारकों के लिए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) और www.evotingnsdl.com के डाउनलोड सेक्शन पर उपलब्ध शेयरधारकों के लिए ई-वोटिंग उपयोगकर्ता मैनुअल देख सकते हैं अथवा : 022 - 4886 7000 पर बात कर सकते हैं अथवा सुश्री पल्लवी म्हात्रे, को evotingnsdl.co.in पर या 022 - 4886 7000 पर बात कर अनुरोध भेज सकते हैं।

उन शेयरधारकों के लिए प्रक्रिया जिनकी ईमेल आईडी डिपॉजिटरी के साथ पंजीकृत नहीं हैं, और इस नोटिस में निर्धारित प्रस्तावों के लिए ई-वोटिंग के लिए ई-मेल आईडी का पंजीकरण किया गया है:

1. यदि शेयर भौतिक स्वरूप में रखे गए हैं, तो कृपया फोलियो नंबर, शेयरधारक का नाम, शेयर प्रमाणपत्र की स्कैन प्रति (आगे और पीछे), पैन (पैन कार्ड की स्व-सत्यापित स्कैन प्रति), आधार (आधार कार्ड की स्व-सत्यापित स्कैन प्रति) ईमेल द्वारा investor.sevasbi.co.in पर भेजें।
2. यदि शेयर डीमैट मोड में रखे गए हैं, तो कृपया डीपीआईडी-सीएलआईडी (16 अंकों की डीपीआईडी + सीएलआईडी या 16 अंकों की लाभार्थी आईडी), नाम, ग्राहक मास्टर या समेकित खाता विवरण की प्रति, पैन (पैन कार्ड की स्व-सत्यापित स्कैन की गई प्रति), आधार (आधार कार्ड की स्व-सत्यापित स्कैन की गई प्रति) investor.sevasbi.co.in पर भेजें। यदि आप डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक हैं, तो आपसे अनुरोध है कि आप ऊपर दी गई लॉगिन विधि 1 (-) का उल्लेख करें, यानी ई-वोटिंग के लिए लॉगिन विधि - केवल डीमैट में प्रतिभूतियां रखने वाले व्यक्तिगत सदस्यों के लिए लागू है।
3. वैकल्पिक तौर पर, शेयरधारक / सदस्य evotingnsdl.com पर उपर्युक्त दस्तावेज प्रदान कर ई-वोटिंग के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त करने के लिए अनुरोध कर सकते हैं।

4. सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा प्रदान की गई ई-वोटिंग सुविधा पर 9 दिसंबर, 2020 को सेबी के परिपत्र के अनुसार, डीमैट मोड में प्रतिभूतियों को रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारकों को डिपॉजिटरी और डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के साथ रखे गए अपने डीमैट खाते के माध्यम से मतदान करने की अनुमति है। शेयरधारकों को ई-वोटिंग सुविधा का उपयोग करने के लिए अपने डीमैट खाते में अपने मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी को सही ढंग से अपडेट करना होगा।

वार्षिक महासभा के दिन ई-वोटिंग के लिए सदस्यों के लिए निर्देश निम्नानुसार हैं :

1. वार्षिक महासभा के दिन ई-वोटिंग की प्रक्रिया रिमोट ई-वोटिंग के लिए ऊपर बताए गए निर्देशों के समान है।
2. केवल वे सदस्य/शेयरधारक, जो वीसी/ओएवीएम सुविधा के माध्यम से वार्षिक महासभा में उपस्थित होंगे और जिन्होंने रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से प्रस्तावों पर अपना वोट नहीं डाला है और अन्यथा ऐसा करने से प्रतिबंधित नहीं हैं, वार्षिक महासभा में ई-वोटिंग प्रणाली के माध्यम से मतदान करने के लिए पात्र होंगे।
3. जिन सदस्यों ने रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से मतदान किया है, वे वार्षिक महासभा में हिस्सा लेने के पात्र होंगे। यद्यपि, वे वार्षिक महासभा में मतदान करने के पात्र नहीं होंगे।
4. वार्षिक महासभा के दिन ई-वोटिंग की सुविधा से जुड़ी किसी भी शिकायत के मामले में, आप 022-4886 7000 पर कॉल कर सकते हैं या सुश्री पल्लवी म्हात्रे को ईमेल evotingnsdl.com के माध्यम से अनुरोध भेज सकते हैं।

वीसी / ओएवीएम के माध्यम से वार्षिक महासभा में भाग लेने के लिए शेयरधारकों के लिए निर्देश निम्नानुसार हैं:

1. शेयरधारक को नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) ई-वोटिंग प्रणाली के माध्यम से वीसी / ओएवीएम के माध्यम से वार्षिक महासभा में हिस्सा लेने की सुविधा प्रदान की जाएगी। सदस्य राष्ट्रीय प्रतिभूति निक्षेपागार लिमिटेड (एनएसडीएल) ई-वोटिंग प्रणाली तक पहुंच के लिए ऊपर उल्लिखित चरणों का पालन करके पहुंच सकते हैं। सफल लॉगिन के बाद, आप कंपनी के नाम के सामने मीटिंग में शामिल हों मेनू के तहत रखे गए वीसी / ओएवीएम लिंक का लिंक देख सकते हैं। आपसे अनुरोध है कि मीटिंग मेनू के तहत रखे गए वीसी/ओएवीएम लिंक पर क्लिक करें। वीसी / ओएवीएम के लिए लिंक शेयरधारक / सदस्य लॉगिन में उपलब्ध होगा जहां कंपनी का ईवेन प्रदर्शित किया जाएगा। कृपया ध्यान दें कि जिन सदस्यों के पास ई-वोटिंग के लिए उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड नहीं है या उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड भूल गए हैं, वे अंतिम समय की भीड़ से बचने के लिए नोटिस में उल्लिखित दूरस्थ ई-वोटिंग निर्देशों का पालन करके इसे पुनः प्राप्त कर सकते हैं।
2. बेहतर अनुभव के लिए सदस्यों को लैपटॉप के माध्यम से बैठक में शामिल होने की सलाह दी जाती है।
3. इसके अलावा, सदस्यों को बैठक के दौरान किसी भी समस्या से बचने के लिए कैमरे की अनुमति देनी होगी और उच्च गति के इंटरनेट का उपयोग करना होगा।
4. कृपया ध्यान दें कि मोबाइल या टैबलेट या लैपटॉप से मोबाइल हॉटस्पॉट के माध्यम से जुड़ने वाले प्रतिभागियों को नेटवर्क में उतार-चढ़ाव के कारण ऑडियो/वीडियो में समस्या हो सकती है। इसलिए ऐसी किसी भी समस्या से बचने के लिए स्थिर वाई-फाई या लैन कनेक्शन का उपयोग करने की सलाह दी जाती है।
5. ऐसे शेयरधारक, जो अपने विचार व्यक्त/प्रश्न करना चाहते हैं, वे दिनांक 13.06.2024 की शाम 05:00 बजे तक अपना नाम, डीमैट खाता संख्या/फोलियो नंबर, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर का उल्लेख करते हुए investor.sevasbi.co.in पर अपने प्रश्न भेज सकते हैं। बैंक द्वारा इनका उचित उत्तर दिया जाएगा।
6. जिन शेयरधारकों ने खुद को वक्ता के रूप में पंजीकृत किया है, केवल उन्हें ही अपने विचार व्यक्त करने/प्रश्न पूछने की अनुमति होगी।

मतदान अधिकारों का निर्धारण (एसबीआई सामान्य विनियम, 1955 का विनियमन 31):

1. भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 11 में निहित प्रावधानों के अधीन, प्रत्येक शेयरधारक जो वार्षिक महासभा की तिथि से कम से कम तीन महीने पहले शेयरधारक के रूप में पंजीकृत है, ऐसी बैठक में उसके द्वारा धारित प्रत्येक पचास शेयरों के लिए एक वोट होगा।
2. उपर्युक्त रूप से वोट देने के हकदार केंद्र सरकार के अलावा प्रत्येक शेयरधारक जो कंपनी न होते हुए भी व्यक्तिगत रूप से या प्रॉक्सी द्वारा उपस्थित है या जो कंपनी होते हुए भी विधिवत अधिकृत प्रतिनिधि या प्रॉक्सी द्वारा उपस्थित है, उसे हाथ उठाकर मतदान करने पर एक वोट होगा और मतदान के मामले में ऐसी बैठक की तिथि से तीन महीने पहले की पूरी अवधि यानी 13.03.2025 तक उसके द्वारा धारित प्रत्येक पचास शेयरों के लिए एक वोट होगा।
3. केन्द्रीय सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले विधिवत् प्राधिकृत व्यक्ति को हाथ उठाकर मतदान करने पर एक मत प्राप्त होगा तथा मतदान की स्थिति में, ऐसी बैठक की तारीख से पूर्व तीन माह की पूरी अवधि के लिए उसके द्वारा धारित प्रत्येक पचास शेयरों के लिए एक मत प्राप्त होगा।

स्कूटिनाइजर, वार्षिक महासभा बैठक में मतदान के समापन के तुरंत बाद, सबसे पहले वार्षिक महासभा बैठक के दौरान डाले गए वोटों की गिनती करेंगे, उसके बाद रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से डाले गए वोटों को अनब्लॉक करेंगे और पक्ष या विरुद्ध, यदि कोई हो, में डाले गए कुल वोटों की एक समेकित स्कूटिनाइजर रिपोर्ट, वार्षिक महासभा बैठक के समापन के दो कार्यदिवसों से पहले, अध्यक्ष या उसके द्वारा लिखित रूप से प्राधिकृत किसी व्यक्ति, को प्रस्तुत करेंगे, जो उस पर प्रतिहस्ताक्षर करेंगे।

स्कूटिनाइजर की रिपोर्ट के साथ घोषित परिणाम बैंक की वेबसाइट www.sbi.co.in और नेशनल सिक्क्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) की वेबसाइट पर <https://www.evoting.nsdl.com/> तत्काल डाला जाएगा। साथ ही, बैंक परिणामों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बीएसई लिमिटेड, जहां बैंक के शेयर सूचीबद्ध हैं, को अग्रोषित करेंगे।

कॉर्पोरेट केंद्र,

स्टेट बैंक भवन,
मादाम कामा रोड,
मुंबई - 400021

(चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी)

अध्यक्ष

दिनांक : 3 मई, 2025

प्रिय शेयरधारक,

कॉर्पोरेट अभिशासन में हरित पहल

सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक उन शेयरधारकों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में वार्षिक रिपोर्ट जारी कर रहा है जिनके ई-मेल पते उपलब्ध हैं।

आपका बैंक आपसे इलेक्ट्रॉनिक मोड अर्थात ईमेल के माध्यम से संवाद स्थापित कर आपको हरित पहल में सहभागिता के लिए आमंत्रित करता है। यह न केवल पर्यावरण के संरक्षण में योगदान देगा, अपितु पारगमन में देरी एवं किसी प्रकार के नुकसान से बचने के साथ ही संचार में बेहतर दक्षता भी लाएगा। हमारा अनुरोध करते हैं कि यदि आपकी शेयरधारिता डीमैट फॉर्म में है, तो अपने डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट के साथ अपना ईमेल आईडी अपडेट कर इस पहल में हमारे साथ जुड़ें। वे शेयरधारक जिनके शेयर भौतिक स्वरूप में हैं, वे अपनी अद्यतन जानकारी/परिवर्तन कृपया रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर एजेंट (आरटीए), केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को einward.riskfintech.com पर ईमेल के माध्यम से भेजें।

वैसे तो आप में से अधिकांश शेयरधारकों के अपने बैंक के शेयर डीमैट फॉर्म में हैं, परंतु आप में से कुछ शेयरधारकों के शेयर अभी भी भौतिक स्वरूप में ही हैं। जैसा कि विदित है, सेबी ने 1 अप्रैल 2019 से भौतिक स्वरूप में प्रतिभूतियों के हस्तांतरण पर प्रतिबंध लगा दिया है। आपके द्वारा भौतिक स्वरूप में रखे गए शेयरों को आसानी से डीमैटरियालाइज किया जा सकता है यानी इलेक्ट्रॉनिक फॉर्म में परिवर्तित किया जा सकता है। शेयरों के डीमैटरियालाइजेशन के विभिन्न लाभ निम्नानुसार हैं :-

- प्रतिभूतियों का तत्काल हस्तांतरण
- प्रतिभूतियों को कागजी रूप में रखने से जुड़े जोखिमों में कमी जैसे चोरी, आग से क्षति, कटने-फटने, नकली/जाली प्रतिभूतियां आदि से बचाव।
- डीपी के पास दर्ज पते में परिवर्तन की स्थिति में उन सभी कंपनियों के साथ इलेक्ट्रॉनिक रूप से पंजीकृत हो जाता है, जिनमें निवेशक प्रतिभूतियाँ रखता है
- प्रत्येक कंपनी के साथ अलग से पत्राचार की आवश्यकता नहीं पड़ती।
- प्रतिभूतियों का हस्तांतरण डीपी द्वारा किया जाता है, जिससे प्रत्येक कंपनी के साथ पत्राचार की आवश्यकता नहीं पड़ती।
- इक्विटी, ऋण उपकरणों और सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश को एक ही खाते में रखना।
- बोनस/विभाजन/समेकन/विलय आदि से मिलने वाले शेयरों का डीमैट खाते में स्वचालित रूप से जमा होना;

यदि आपके शेयर भौतिक रूप में हैं, तो कृपया डीमैट खाता खोलने के लिए अपनी परसंद के किसी भी डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट (डीपी) (जैसे एसबीआई कैप सिक्वोरिटीज लिमिटेड, फ़ोन नंबर 022-68545555, ईमेल - helpdesksbicapsec.com) से संपर्क करें। डीमैट अनुरोध फॉर्म (डीआरएफ) भरें और डीमैटरियालाइजेशन के लिए बैंक के आरटीए को अशेषित करने के लिए 1 के अंकित मूल्य के शेयर प्रमाणपत्र अपने डीपी को सौंप दें। शेयर इलेक्ट्रॉनिक रूप में परिवर्तित हो जाएंगे और स्वचालित रूप से आपके डीमैट खाते में जमा हो जाएंगे।

यदि आप लाभांश वारंट के माध्यम से लाभांश प्राप्त कर रहे हैं, तो आपसे अनुरोध है कि आप डीपी/आरटीए के साथ बैंक खाते का विवरण प्रस्तुत करें/अपडेट करें, जैसा भी मामला हो, ताकि लाभांश आपके बैंक खाते में प्राप्त किया जा सके।

हमें विश्वास है कि आप अपने बैंक द्वारा शुरू की गई हरित पहल की सराहना करेंगे और आशा करते हैं कि आप इस प्रयास में उत्साहपूर्वक सहभागी बनेंगे।

शेयरधारकों का ध्यान भारतीय स्टेट बैंक (संशोधन) अधिनियम, 2010 द्वारा 15 सितंबर 2010 से अंतर्स्थापित भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 38क की ओर आकर्षित किया जाता है। उक्त धारा के अनुसार, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा घोषित लाभांश, जिसका भुगतान किसी शेयरधारक को नहीं किया गया है या किसी पात्र शेयरधारक द्वारा दावा नहीं किया गया है, घोषणा की तारीख से तीस दिनों के भीतर एक विशेष खाते में अंतरित किया जाएगा जिसे भुगतान न किया गया लाभांश खाता कहा जाता है। इसके अलावा, उपरोक्त संशोधन से पहले की अवधि के लिए सभी अदत्त लाभांश राशि पहले ही उक्त अदत्त लाभांश खाते में स्थानांतरित कर दी गई थी। भारतीय स्टेट बैंक के उपरोक्तानुसार भुगतान न किए गए लाभांश खाते में अंतरित कोई भी धनराशि, जो ऐसे अंतरण की तारीख से सात वर्ष की अवधि के लिए भुगतान न की गई या दावा न की गई है, बैंक द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 125 के अंतर्गत स्थापित निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि में इस प्रयोजन के लिए और उस धारा में विनिर्दिष्ट रीति से उपयोग किए जाने के लिए अंतरित की जाएगी। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, शेयरधारकों से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया जाता है कि अदावी / अप्रदत्त लाभांश, यदि कोई हो, का दावा बिना किसी देरी के किया जाए।



एसबीआई के सभी शेयरधारकों से अपील

भौतिक स्वरूप में एसबीआई के इक्विटी शेयर धारण करने वाले सभी शेयरधारकों से अनुरोध किया जाता है कि नीचे दिए गए विवरण को अद्यतन करने हेतु पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से इसे निम्नलिखित पते पर हमारे आरटीए को प्रेषित करें:

केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, सेलेनियम, टॉवर बी, प्लॉट नंबर 31 और 32, फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट,
नानकरामगुडा, हैदराबाद, तेलंगाना-500032. ईमेल: einward.riskfintech.com टोल फ्री: 18003094001

फॉर्म आईएसआर - 1

सेबी परिपत्र सं. सेबी/एचओ/एमआईआरएसडी/एमआईआरएसडीआरटीएमबी/पी/सीआईआर/2021/655, दिनांक 3 नवंबर 2021 के माध्यम से आरटीए द्वारा निवेशक के सेवा अनुरोध को संसाधित करने तथा पैन, केवाईसी विवरण और नामांकन प्रस्तुत करने संबंधी मानदंडों के लिए सामान्य और सरलीकृत मानदंडों पर परिचालित

पैन, केवाईसी विवरण पंजीकृत करने तथा तथा उनमें संशोधन/ अद्यतन हेतु अनुरोध

सूचीबद्ध कंपनियों की भौतिक रूप में धारित प्रतिभूतियां (शेयर/ डिबेंचर/ बॉन्ड आदि के लिए

दिनांक: ___ / ___ / _____

ए. मैं/ हम आपसे निम्नलिखित पंजीकृत/ संशोधित/ अद्यतन करने का अनुरोध करता हूँ/ करती हूँ / करते हैं। (प्रासंगिक बॉक्स पर ✓ चिन्ह लगाएं)

पैन	डाक पता
बैंक विवरण	ई-मेल पता
हस्ताक्षर	मोबाइल नंबर
डीमैट खाता विवरण	

बी. प्रतिभूति विवरण:

जारीकर्ता कंपनी का नाम	भारतीय स्टेट बैंक	फोलियो नंबर:
प्रमाण पत्र(त्रों) के अनुसार सुरक्षा धारक(कों) के नाम	1. 2. 3.	
प्रतिभूतियों की संख्या व अंकित मूल्य	नहीं:	अंकित मूल्य:
प्रतिभूतियों की विशिष्ट (डिस्टिक्टिव) संख्या	से	तक

सी. मैं/ हम नीचे दी गई सारणी के अनुसार दस्तावेज़ प्रस्तुत करता हूँ/करती हूँ/करते हैं। (प्रासंगिक पर ✓ चिह्न लगाएं, अनुदेशों का संदर्भ लें):

✓ दस्तावेज़/ सूचना/ विवरण	अनुदेश / टिप्पणी
1 (सभी) संयुक्त धारक(कों) का पैन	
पीएन	
क्या यह वैध है (आधार से जोड़ा गया है?):	पीएन तभी वैध होगा यदि उसे 31 मार्च, 2022* तक आधार से जोड़ दिया गया हो।
☐ हाँ	
☐ नहीं	
2 डीमैट खाता संख्या	

आपके डीमैट खाते की क्लाइंट मास्टर सूची (सीएमएल) भी उपलब्ध करवाएं, जो निक्षेपागार (डिपॉजिटरी) प्रतिभागी द्वारा उपलब्ध करवाई गई हो।

✓	दस्तावेज/ सूचना/ विवरण	अनुदेश / टिप्पणी
3	प्रथम धारक का पता साक्ष्य	निम्नलिखित में से कोई एक दस्तावेज उपलब्ध करवाएं, पते में कोई परिवर्तन हो तो ही। - आपके डीमैट खाते की क्लाइंट मास्टर सूची (सीएमएल), जो निक्षेपागार (डिपॉजिटरी) प्रतिभागी द्वारा उपलब्ध करवाया गया हो। - वैध पासपोर्ट/ राशन कार्ड/ आवास का पंजीकृत लीज अथवा बिक्री करार/ ड्राईविंग लाईसेंस/ प्लैट मेनेटेनेंस बिल - टेलीफोन बिल (केवल लैंडलाइन), बिजली का बिल अथवा गैस बिल जैसे उपयोगिता बिल - जो तीन माह से अधिक पुराना न हो - पहचान कार्ड/ निम्नलिखित में से किसी के द्वारा जारी पते के साथ दस्तावेज: केंद्र/ राज्य सरकार तथा उसके विभाग, सांविधिक/ विनियामक अधिकारी, सार्वजनिक उपक्रम, अनुसूचित व्यवसायिक बैंक, सार्वजनिक वित्तीय संस्थान। - एफआईआई/ उप-खाते के लिए, एफआईआई/ सब खातों द्वारा अभिरक्षकों (जो विधिवत रूप से नोटरीकृत तथा/ अथवा एपोस्टिल अथवा कौंसुलेराइज हो) को दिया गया मुख्तारनामा, जिसमें पंजीकृत पता उल्लिखित हो, लिया जाए। - पति/ पत्नी के नाम पर पता
4	बैंक विवरण	बैंक का नाम, शाखा, खाता संख्या तथा आईएस कोड आदि विवरण के साथ बैंक का स्टेटमेंट अथवा चेक पत्री उपलब्ध करवाएं। वैकल्पिक रूप से सीएमएल में उपलब्ध बैंक विवरण का फोलियो में अद्यतन किया जाएगा।
5	ईमेल पता	वैकल्पिक रूप से सीएमएल में उपलब्ध ईमेल पते का फोलियो में अद्यतन किया जाएगा।
6	मोबाइल नंबर	वैकल्पिक रूप से सीएमएल में उपलब्ध मोबाइल नंबर का फोलियो में अद्यतन किया जाएगा।
7	हस्ताक्षर का नमूना	- सेबी परिपत्र एसईबीआई/ एचओ/एमआईआरएसडी/ एमआईआरएसडीआरटीएमबी/ पी/ परि./2021/655 दिनांक 3 नवंबर, 2021 में फॉर्म आईएसआर- 2 के अनुसार धारक(कों) के हस्ताक्षर का बैंकर अनुप्रमाणन उपलब्ध करवाएं तथा - निरस्त (कैंसिल) किया गया मूल चेक
8	नामांकन**	- नामांकन उपलब्ध करवाना: कृपया विधिवत रूप से भरा नामांकन फॉर्म (एसएच-13) अथवा सेबी परिपत्र एसईबीआई/ एचओ/एमआईआरएसडी/ एमआईआरएसडीआरटीएमबी/ पी/ परि./2021/655 दिनांक 3 नवंबर, 2021 में फॉर्म आईएसआर-3 के अनुसार नामांकन छोड़ने के विकल्प की घोषणा प्रस्तुत करें। - मौजूदा नामांकन में परिवर्तन: कृपया एसईबीआई/ एचओ/एमआईआरएसडी/ एमआईआरएसडीआरटीएमबी/ पी/ परि./2021/655 में दिए गए फॉर्म एसएच-14 का उपयोग करें। - मौजूदा नामांकन निरस्त करना: कृपया एसएच-14 तथा फॉर्म आईएसआर-3 का उपयोग करें।

* अथवा सीबीडीटी द्वारा निर्धारितानुसार कोई दिनांक

** धारक(कों) को प्रत्येक सूचीबद्ध कंपनी के लिए नामांकन (फॉर्म एसएच-13 अथवा एसएच-14) / 'नामांकन छोड़ने के विकल्प की घोषणा' (फॉर्म आईएसआर-3) प्रस्तुत करने होंगे।

आरटीए को दस्तावेज़ प्रस्तुत करने का माध्यम

कृपया निम्नलिखित में से किसी एक माध्यम का उपयोग करें;

1. व्यक्तिगत रूप से सत्यापन (आईपीवी): आरटीए के प्राधिकृत व्यक्ति को मूल दस्तावेज़ प्रस्तुत करके, जो दस्तावेज़(जों) की प्रति(यां) अपने पास रखेंगे।
2. हार्ड प्रति में: प्रासंगिक दस्तावेज़ की स्व-अनुप्रमाणित प्रतिलिपि(यां), दिनांक के साथ, प्रस्तुत करके
3. आरटीए के पास पहले से पंजीकृत ईमेल पते के माध्यम से, दस्तावेज़ों की स्कैन की गई प्रतियों पर ई-साइन के साथ
4. दस्तावेज़ों की स्कैन की गई प्रतियों पर ई-साइन के साथ आरटीए के सेवा पोर्टल पर, यदि आरटीए ऐसी सुविधा उपलब्ध करवा रहा हो तो।

नोट:

- सूचीबद्ध कंपनियों में भौतिक प्रतिभूतियों के धारकों के लिए यह अनिवार्य है कि वे पीएन, पूरा केवाईसी विवरण (पता साक्ष्य, बैंक विवरण, ईमेल पता, मोबाइल नंबर) तथा नामांकन (सभी पात्र फोलियो के लिए) प्रस्तुत करें।
- यह प्राप्त होने अथवा बैंक विवरण के अद्यतन पर, आरटीए स्वतः ही धारक की उस सारी राशि का इलेक्ट्रॉनिक भुगतान कर देगा जो अदावी/ विफल रही थी।
- पीएन, केवाईसी विवरण तथा नामित का विवरण प्राप्त होने के पश्चात सात कार्य दिवस के भीतर आरटीए द्वारा फोलियो में इसका अद्यतन कर दिया जाएगा। फिर भी, नामांकन का निरस्तीकरण उस दिनांक से प्रभावी होगा जब इसकी सूचना कंपनी/ आरटीए को प्राप्त हुई थी।
- पीएन, केवाईसी विवरण तथा नामांकन पंजीकृत/ अद्यतन/ परिवर्तन करने के लिए आरटीए शपथपत्र अथवा अनुप्रमाणन/ नोटरीकरण अथवा क्षतिपूर्ति पर जोर नहीं देगा।
- सभी फार्म यथा आईएसआर-1, आईएसआर-2, आईएसआई-3, एसएच-13, एसएच-14 को लिंक <https://bank.sbi/web/investor-relations/share-holder-bond-holder-information> के माध्यम से बैंक की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है।

प्राधिकरण: मैं/हम आपको (आरटीए को) उपरोक्त पीएन तथा केवाईसी विवरण मेरे/हमारे फोलियो -----, ----- में अद्यतन करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ/ करती हूँ/ करते हैं, जिसमें मैं/ हम धारक हैं (जो लागू नहीं उसे काट दें)

घोषणा: ऊपर उल्लिखित सभी तथ्य सत्य एवं सही हैं।

	धारक 1	धारक 2	धारक 3
हस्ताक्षर	✓	✓	✓
नाम	✓	✓	✓
पूरा डाक पता	✓		
पिन	✓		

फॉर्म आईएसआर - 2

(सेबी के दिनांक 03 नवंबर 2021 के परिपत्र संख्या एसईबीआई/एचओ/ एमआईआरएसडीआरटीएमबी/पी/सीआईआर/ 2021/655 के माध्यम से आरटीए द्वारा निवेशक के सेवा अनुरोध को संसाधित करने तथा पैन, केवाईसी विवरण एवं नामांकन प्रस्तुत करने के मानदंडों के लिए सामान्य और सरलीकृत मानदंडों पर परिचालित)

बैंकर द्वारा प्रतिभूति धारक के हस्ताक्षर की पुष्टि

1. बैंक का नाम और शाखा

2. बैंक संपर्क विवरण

डाक पता

फोन नंबर

ईमेल पता

3. बैंक खाता संख्या

4. खाता खोलने की तारीख

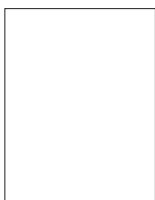
5. खाताधारक(कों) का नाम

1)

2)

3)

6. खाताधारक की नवीनतम फोटो



प्रथम धारक



द्वितीय धारक



तृतीय धारक

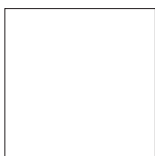
7. बैंक के अभिलेखों के अनुसार खाताधारक/(कों) के विवरण

क) पता

ख) फोन नंबर

ग) ई-मेल पता

घ) हस्ताक्षर



बैंक का सील



बैंक के साथ दर्ज हस्ताक्षर स्थापित



(हस्ताक्षर)

शाखा प्रबंधक का नाम:

स्थान :

कर्मचारी कोड :

दिनांक:

ई-मेल पता

फार्म नंबर एसएच - 13

नामांकन प्रपत्र

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 72 और कंपनी (शेयर पूंजी और डिबेंचर) नियम 2014 के नियम 19 (1) के अनुसरण में

कंपनी का नाम

कंपनी का पता

मैं / हम प्रतिभूति विवरण, जिनके विवरण यहां दिए गए हैं, के धारक नामांकन करना चाहते हैं और इसके द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को नामित करना चाहते हैं, जिन्हें मेरी / हमारी मृत्यु की स्थिति में ऐसी प्रतिभूतियों के संबंध में सभी अधिकार निहित होंगे।

(1) प्रतिभूतियों का विवरण (जिसके संबंध में नामांकन किया जा रहा है)

प्रतिभूतियों की प्रकृति	फोलियो नं.	प्रतिभूतियों की संख्या	प्रमाण पत्र सं	विशिष्ट संख्या

(2) नामिती(यों) का विवरण

क) नाम
ख) जन्म तिथि
ग) पिता/माता/पति/पत्नी का नाम
घ) राष्ट्रीयता
ङ) पता

हमारे शेयरधारकों के ध्यानाकर्षण हेतु -

- सेबी ने अनिवार्य किया है कि भौतिक रूप में रखी गई प्रतिभूतियों का हस्तांतरण/बिक्री तब तक संसाधित नहीं की जाएगी जब तक कि उन्हें डिपॉजिटरी के पास डीमैट रूप में न रखा जाए। इसका मतलब है कि शेयरधारक भौतिक रूप में रखे गए शेयरों को हस्तांतरित/बेच नहीं पाएंगे। ऐसे शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे जोखिम से बचने के साथ-साथ डीमैट रूप में रखे जाने के कई लाभों को प्राप्त करने के लिए जल्द से जल्द अपने शेयरों को डीमैटरियाइज़र रूप में बदल लें।
- कृपया यह भी ध्यान दें कि 22 नवंबर 2014 को बैंक द्वारा स्टॉक स्प्लिट के पश्चात संबंधित भौतिक शेयरधारकों को ₹1 अंकित मूल्य का शेयर प्रमाणपत्र भेजा गया था और अप्रैल 2017 में इन बैंकों के एसबीआई में विलय के बाद पूर्ववर्ती सहयोगी बैंकों के भौतिक शेयरधारकों को भी भेजा गया था। डीमैटरियाइजेशन के लिए भी यही आवश्यक/वैध है। यदि ₹1 अंकित मूल्य का शेयर प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं है, तो कृपया बैंक के आरटीए से संपर्क करें।
- भौतिक शेयरधारकों से भी अनुरोध है कि वे बैंक के आरटीए को फॉर्म आईएसआर-1, आईएसआर-2 और एसएच-13 जमा कर पैन, केवाईसी सहित ई-मेल, संपर्क नंबर, बैंक खाता और नामांकन का विवरण अपडेट करें, जिसका पता ऊपर दिया गया है।** डीमैट शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे इसे अपने डीपी के साथ अपडेट करें।
- जैसा कि आप जानते होंगे कि ऐसा लाभांश, जिसपर सात वर्षों तक दावा नहीं किया गया है, उसे आईईपीएफ में अंतरित कर दिया जाता है। इसलिए, कृपया वित्तीय वर्ष 2016 से आगे की अवधि के लिए यदि भुगतान नहीं किया गया है, तो बैंक के आरटीए को दावा भेजकर अपने लाभांश का दावा करें, (नोट: भारतीय स्टेट बैंक ने वित्तीय वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के दौरान कोई लाभांश घोषित नहीं किया है)। इससे पहले की अवधि के लिए, इसे आईईपीएफ से दावा किया जा सकता है, क्योंकि उस अवधि के दावा न किए गए लाभांश आईईपीएफ में अंतरित कर दिए गए हैं।

भविष्य में आसान दावा निपटान के लिए आज ही नॉमिनेट करें

*सभी डिपॉजिट खाता, सेफ डिपॉजिट लॉकर्स और सेफ कस्टडी आर्टिकल्स के लिए

नॉमिनेट करना जरूरी क्यों है?

- ताकि मेहनत से कमाया हुआ धन आपके प्रियजनों को आसानी से मिल सके।
- ताकि अप्रिय घटना की स्थिति में आपकी जमाराशि बिना किसी परेशानी के ट्रांसफर हो सके।
- ताकि कानूनी झंझटों और अनावश्यक देरी से बच सकें।
- ताकि आपके परिवार का वित्तीय भविष्य सुरक्षित रह सके।



सभी डिपॉजिट खातों के लिए नॉमिनेशन सुविधा योनो, इंटरनेट बैंकिंग पर उपलब्ध है,
या किसी भी शाखा में जाकर करा सकते हैं।
सेफ डिपॉजिट लॉकर्स/सेफ कस्टडी आर्टिकल्स के लिए कृपया अपनी मूल शाखा में जाएं।



संपर्क करने के लिए, 1800 1234 | 2100 पर कॉल करें या bank.sbi विजिट करें

हमें फॉलो करें





State Bank Bhavan, Corporate Centre, Madame Cama Road,
Mumbai, Maharashtra - 400021, India

bank.sbi



Scan QR Code to Download

<https://bank.sbi/documents/17826/35696/Annual+Report+FY2025.pdf>